

The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित अक्षर्डमहर्गा स्थानिकार

NEW DELMI, SATURDAY, JANUAR Y 4, 1986 (PAUSA 14, 1907)

क्स भाग में भिन्न कुंद्र संख्या दी जाती है जिससे कि । (Suparate parties in from to this Part in weige that it

मह अनेग बंधनन है अर में रखा और सके बंधर के बिंबी के के केव्यक्त का कार्योक्टिक)

भाग खण्ड 1

PART III—SECTION 1

सरकार के संनम और अजीन कार्यालयों द्वारीक नारी की आदिस्वनीएँ (Notificions issued by the High Courts, the Comptrolled and Affician General, the Union Police Service Commission, the Indian Government आजार अपन by Attached und Subordinate Office Government के Ladia)

प्रवर्तन निदेशलय (विदेशी मुद्रा विभियमन अधिनियम) नई दिल्ली, दिनाक 3 दिसम्बर, 1985

र ए-11/4/85—श्री ए० कें ० माथुर, सहायक मुख्य लय, नई विजी, को दिनां । 16-4-1985 से अगला आदेश जारी होने कि, इस प्रवर्तन निर्देशालय के फील्ड य्विट जयपुर में वर्तन सिंधकारों के पद पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया हिंही

ए-11/5/85—श्री सी० के० भाई, वहायक मुख्यालय निली, की दिनांक 22-4-1985 से अगला आदेश जारी नि / फ, इस निदेशालय के जालन्धर, क्षेत्रीय कार्यालय में वर्लः अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया ति है।

डी० सी० बीहली विशेष निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग नई क्लिनी, दिनांत 29 नवस्वर 1985

सं करणल०-पी० आर० एत०-शा६—इत आयोग में जिने अनवर्ती प्रतिनियुक्ति समाप्त होने पर, श्री जी० श्रमावन्द्रा, धन्ननीकी परीक्षक (विधुत) कार्यपालक अभियन्ता

(विद्युत), केन्द्रीय लाक निमान जिमाग, की 29 नवम्बर 1985 अपरान्ह से कार्योप में कार्यभार से मुक्त किया जाता है श्रीर उनकी सेवायें, क्ट्रॉक्टिंगक (निम्हिण), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, मई दिल्ली का सीमा अलाही ।

दिना 1985

सं० 2/8/85-प्रशासन जितकेता आयुक्त, एतद् द्वारा केन्द्रीय सतकेता का कि की अजीत खिह मेहता, भारतीय प्रशासनिक सेवा (भारतीय प्रशासनिक के प्रवास कि 200 130 / 2-2750 में 2-12-1985 (अपराह्म) से अगलें आहे कि गुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होता अवर . सचिव (प्रशासन) ४इते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

कार्मिक **बार प्रत्य** विश्वासिनक, सुबार तथा लोकशिकायत वीर प्रश्नन मंत्रात्य

(कामिक आ ाशिकण विमाग)

लाल बहादुर शास्त्राक्ष द्वाप प्रशासन अकादमी मंस्री, दिनां क्षितसम्बर 1985

सं० 2/5/28-रकापना प्राप्त एपं० निपाठी ने लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय काल अकादमी, मसूरी में दिशांक 26 नवम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से प्रशासन अधिकारी (स्थानमा) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> अनुपम कुलशेष्ड उप विदेशक

तेन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

मई दिल्ली-110003, विशांक 12 दिल्ला 1985

सं० ए-20023/2/75 अस्त - उ न्याच्ट्रपति, ने श्री जयदेव प्रसाद, लोक अभियोजन को वित्तंत 25-11-1985 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक कु 900-1400 के वेतनमान में स्थानापना वरिष्ठ लोक अधियोजक, के० अ० व्यूरो, (समूह "क" राजपत्रितः) के रूप में तिशुक्त किया है।

सं० ए-20023/6/75-प्रशा०-5--राज्य्रवीत, श्री गोनाल ८ सरण, लोक अश्वियोजक, को विशांक 21-11-1985 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक, रु० 900-1400/- के वेतवमान में स्थानापन वरिष्ठ लोक अश्वियोजक, के० श्र० व्यूरो, (श्रेविश्व "क", राजपतित) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनां र 13 दिसम्बर्ध 1985

सं० ए-19021/5/79 -प्रशा०-5 (खण्ड-3)—-भी अडि० एन० बन्ना (द्वारकानाम बन्ना) पुलिस अबीलक, के० अक्के ब्यूरी को अब जागे "महत द्वारकानाथ" केनाम से जाना अडिएमा।

सं० ए-19021/5/82-प्रशासन-5—वित्त मिलालय/ लोक उद्यम ब्यूरो, के काठ ज्ञा० सं० 5(25)/8 कि-बा० री०ई० (पी० एस० ई० बी०), विशांत 6 मार्च, 19485 के सत्वर्त में श्री आर० गणपथिअवन, पुलिस अधीसन्त्र, ने के ,अ००व्यूरो की मद्रास रिफाइनरीज, लि०, मद्रास (पेट्रोलिक्स, मंतालय के अन्तर्गत एक लोक क्षेत्र क्ष्मिनी) में 1 निजन्बर, 1935 पूर्वाह्म प्रबन्धक (सरार्कता) के रून में अन्तर्गहित, हो जाने पर केन्द्रीय सिवल सेवा (पेंश्व) गियमाइनली, 1972 के नियम, 37 के अनुसार उन्हें उस विधि से क्ष्मा-निवृत्त समजा जाता है।

यह दिनांक 1 नवम्बर, 1985 संसम स्थक अधिसूचना के अधिक्रमण में जारी की जाती है।

सं० 3/36/85-प्रशासल-5 राष्ट्रपृति, श्री ए० जी० एल० समरा, भा० पु० र० (में प्राच्या १९६२) की दिलांक 18-11-1985 पूर्वाह्म से अगते प्रति होते तक, के० क० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, में, प्रति हिन्युक्ति पर, पुलिस उप-महा तिरीक्षक के रूप में नियुक्त के रिते

सं 14/5/85-प्रशा०-5-राष्ट्रि, ने विभाविद्या लोह अभियोजकों को दिलांक 16 अस्ति, 1985 से अपले आदेश होने तक, २० 900-1400 के हैं। मान में, नियमित आधार पर स्थानापन्त वा ³⁵, जोक जीवपीय के "क) (राजपतित) रे स्था में नियुक्त किया है

सर्वे श्री :

- 1. एस० के० श्रीवास्तूब
- 2. टी० पी० हिन्ही,
- 3. वाई० के० सक्सेनी
- 4. एस० पी० निगम
- 5. जी० विद्वल
- 6. वी० एन० श्रीवास्त
- 7. एस० पी० अविस्तित्र
- 8 टिएस० भ_{रावार्यजी}
 - 9. यू० एस० प्रसद
- 10. एस० पी० मिश्र
- 11. सी० एस० शर्मा
- 12. ए० के० दत्त
- 13. बलगीः सिंह

ब्रास्थान अधिकारी () प्रशास्थान अधिकारी () कन्द्रीय अन्वेषण

गृह मंत्रालय समन्वय निदेशालय (पुलिस बेजार)

नई दिल्ली ,दिनांक ६ दिसम्बर 1985

सं० ए०-12012/1/84-प्रशासन-II—इत निदेशाय के 29 अस्तूबर, 1985 को समसंख्यक अधिसूबना के तुक्रम में निदेश ह पुलित दूर-संबार समन्वय निदेशलय हिलस के तिदेशलय हिलस बेतार), के तक्तीकी अधिक्रक (बीजांक), श्रो श्रो कृम को समन्वय निदेशलय (बुलित बेतार) में 650-30-74035-810-द० रो०-35-880-40-1999-द० रो०-40-120/- स्पर्वे के वेतानाम में, तक्ष्ये आधार पर 9-11-1985 से नमले 6 महीने के लिए या जब तक यह पर निर्मान रूप से नही भरा जाता है इतमें, जो भी पहले हो तक अतिरिक्त सहस्रक निदेशक (बीजांक), नियुक्त करते हैं।

बी० के० दुवे भिदेशक पुतिस दूर-संवाद

महा निवेशालय के० रि० पु० बन

मई दिल्ली-110003, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

सं० ग्री-दो-897/74-प्रशा०-3--त्री बी० डी० त्रीति ने सरकारी सेवा से विवृत्त होने के फतस्वरूप, संयुक्त प्रहार विदेशका (लेखा) महा विदेशकाय, के० रि० पु० तत्र के प्रहा का कार्यभार 28 फरवरी, 1985 (अपराह्म) को त्याम दिया।

निर्मेश्वानि विश्व शिक्षा प्रशासन अधिकारी को एस यादव, प्रशासन अधिकारी को एस यादव, प्रशासन अधिकारी को प्रशासन अधिकारी किया प्रशासन अधिकारी को प्रशासन अधिकारी के प्रशासन अधिकारी को प्रशासन अधिकारी के प्राप्त के प्रशासन अधिकारी के प्रशासन

भिन्दो-1/82-प्रासन-3--श्री एप० ए० हीरा भिन्दो निर्देश में श्रियुक्त निके फलस्वरूप संयुक्त सहायक भिन्दा (लखान स्त्री महिंदिशालय, के० रि० पु०बल के प्रकार कार्य अप 30 प्रवर्ग, 1985 (अपराह्म) की स्थाग

> किशन लाल, उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-11000 दिनां ह 5 दिसम्बर 1985

रु एक-8/2/85-स्या(के०रि०पु०बन)—-'राष्ट्रपति जी ने श्रीके एम० मेहरोता, बंडेन्ट, के० रि० पु० बत का साग-पत्र, में त जाफ इंडिया वान कार्याजय एक्डप्रेस टायर्स, नरीम पाइंट, बम में चीक सिन्युरिटी आफिसर के प्रपर चौबरीज कहलेंगन, सी० एस० आर० वाल्यम-1 के अंद्रहत-67 के उहीं पुनित के परिणामस्वरूप दिनां क

रिस 11 दिशम्बर 1985

संत्यो० दो-19/84-स्थापना—महा निदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बन नेहा० आर० एन० जामन को दिनांक 8-11-985 पूर्वाह्म केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में केबल तीन गृह अथवा उद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें को भी पहले । उन तारीख तक, कनिष्ठ चिकित्सा अधिवरी के पद परैर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० भी-बो-29/85-स्थापना—महा निवेशक केन्द्रीय रिजरपुलिस बल ने खी० वी० रमाना को दिनांक 25-1-85 पूर्वाह्म सन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से केवल तीन माहृत्यवा उस पद नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो हो पहले हो, उसरीख तक कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद र तदर्थ रूप में का किया है।

सं० स्रो-दो-2185-स्थापना—महा निदेशक केन्द्रीय रिर्जा पुलिस बल ने (श्रीमती) साधना यादव को दिनांक 4-11-85 पूर्वाह्न सेतिय रिजर्ज पुलिस बल में केवल तीन मार, अथवा उस पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें, जो भी हो उन ारीख तक, कनिष्ठ चिक्तिसाँ अधिकारी के पद पदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० भ्रो०-दो-2/85-स्थापना महा निवेशक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल, के हरबन्स यादव को दिनांक 6-11-85 पूर्वाह्म से केन्द्रीय रिज़िल्स बल में केवल तीन माह अथवा उस पद पर नियमियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक किय

सं० श्रो०-दो-2126/85-स्थापना—महा निवेशन केन्द्रीय रिजर्व पुलित बल ने डा० सलिल श्री वास्तव को दिनांक 5-11-85 पूर्वाह्म से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तीन माह अथवा उस पर पिश्रमित नियुक्ति होने तक, इसमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक कानिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद म्य-तदर्थ रुप में ियुक्त किया है।

> अशोक राज महीपथी सहायक निवेशक (स्थापना)

महा भिदेशालय

केन्द्रीय श्रीबोगिक सुरक्षा अल

नई विल्ली-110003, विनांक 6 विसम्बर 1985 सं० ई-16014(4)/1/85-कार्मिक-1---पुनियुक्ति होने पर, श्री बी० एस० चौधरी ने 25 नवम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से के० श्री० सु० व० यूनिट, के० सी० सी०खेतड़ी के उप कमांडेंट के पद जा जार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

सं० ई-16013/2/18/85, कामिक-I--प्रतिनियुक्त पर नियुक्ति होने पर, श्रीमती कंचन चौद्यरी भट्टाचार्य, भा०पु० से० (उ०प्र० : 1973) ने दिनांक 2 दिसम्बर, 1985 (पूर्वाह्म) से सहायक महानिरीक्षक (पश्चिम क्षेत्र) के० धौ० सु० व० बम्बई के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> ह० प्रपठनीय महानिदेशक/बे० ग्री० सु० व०

विस मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूती मुद्रणालय,

न। सिक रोड, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

सं० 623/क—अधिजूचना संख्या 126/क, विनांक
18-5-1985 के कम में श्री जी० ए० पगारे और श्री टी०
व्ही० उल्ह्यत को सुरक्षा अधिकारी के पद गरतदर्थ आधार पर
की गर्नी विन्नु कि दिशांक 8 अक्तूबर, 1985 से अगले 6
माह की अविधि के लिए यह उनत पद नियमित आधार पर भरे
जाने तक इसमें जो भी पहले हो बढ़ाया जाता है।

ह० प्रपठनीय महा प्रबन्धक भारत प्रतिभृती मुद्रणालय,

चलार्थ पक्ष मुद्रणास्य

नासिक रोड, दिनांक 11 दिसम्बर 1985 सं०ई एस सी-1-15/18897—प्रधिसूनना क० एन-77-एन/5902, तारीख 13-12-84 के पश्चात, महा

(गह्न,

प्रवन्धक, चलार्थ पत्न मुद्रणालय, श्री एस० वी० आर० के० राव की लेखा अधिकारी के पद पर हुई वियुक्ति दिनांक 10 दिसम्बर 1985 से एक अर्थ के निर्प्रति निर्मित के आधार पर बढ़ाते हैं।

> सु० ६० इडगूजी, महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग भारतके विवन्त्रज्ञ-महालेखा परीक्ष व का कार्यालय भद्दे दिल्ली-110002, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

सं० 31-वा० ले० प०/55-76—सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पर्वेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री डो० गी० सनी लेबा गरीक्षा अधिकारी (वा०), अन्ती अधिकार्यिका आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-11-1985 (अपराह्न) से तेश निवृत्त हो गये हैं।

के० पी० लङ्गण राव, सहायक नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (वा०)

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) 2, बिहार (स्थानीय लेखा परीक्षक)

रांची, दिगां रु 11 दिसम्बर 1985

सं० एल० ए० प्रधा०-I-स्था०-I ए० ग्रो० (पदी०)-294--महालेखाकार (लेखा परीक्षा-2), बिहार, रांची, अपने कार्यालय
के स्थानीय ग्रंथेक्षण शाखा के निम्नलिखित तहायक लेखा
परीक्षा पदाधिकारियों को उनके नाम के सामने ग्रंकित तिथि
से अगले आदेश तक लेखा परीक्षा पदाधिकारी के पद पर
वेतममान ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 मैं
स्थामापन रूप में सहर्ष पदोन्सत करते हैं:

- श्री स्शील कुमार गृहा 15-11-1985 (पूर्वाह्न)
- 2. श्री शस्त चन्द्रभारायण सिन्हा 18-11-1985 (पूर्वाह्न)

देवज्ञत मुखर्जी स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार, रॉची

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम म० प्र० ग्वालियर, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

सं प्रशान-II/समूह-2/सन् लेन पन अन-अन् अन/84-85/ प्रोफार्मा1/254-महा लेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, मन्प्रन् खालियर ने जिल्लाकिया अनुभाग अधिकारी को (नेक्स्ट खिलो रूल) के अन्तर्गत स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के प्रव पर वेदनमाम 650-30-740-35-880द० रो०-40-1040 में उनके हाम के सामने दर्शाणे दिनांक से प्रोकामी पदोन्ति प्रदान की !:--

क नाम स्थायी फ्रामियदोन्नति विभागांत्रसमें सं• ऋमीक काविनांक प्रतिविधिक्त पर्मास

1. श्रीबदलेराम '02/1213 '5-7-85 क्रा॰प्र॰ रिस्य से तु सिमण सिगम मोनार

[प्राधिक:र महालेखाकार (बपरीक्षा) प्रथम के आहे। विनाक 1-11-85]

> **ह**० अपठीय उ^६ महालेखाकार (प्रशास)

रक्षा मंत्रालय

आयुध भिर्माणी बोह

की० जी० ग्रो० एफ० मध्या, सिविज सवा कलकत्ता-700 001, किंक 2 दिसम्बर, 195

सं 15/85/ए/ई-1 (एन०जी०)-बाह्यं क्य निवृत्ति भाए प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिका दिनांक 30-11-985 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए:—

1. श्रीयोगिन्द्र नाथ गोर्ट्यामी, स्थान्त सहायक रहाफ अधिरी (मालिक ए स्थायी सहार)

2. श्री नोती गोपाल दास स्थापत सहायक स्टाफ अधिरी

(मीं) एवं स्थायी उ श्रें

लि०

3. श्री बीरेन्द्र नाथ वाच स्थान सहायक छाफ अधि (मीलिक एवं उच्च श्रीणीयिक)

> एस० दान स्ता, निवेशक/प्रणसम कृते मादिशक आयुध निमंगी

कलकत्ता, दिनांक 11 दिर 1985

सं० 52/जी/85—दिनांक 1-1234 से एक वर्ष की पुत: निर्युक्ती पूरी होने के फलस्वरूप तुर्व विगेडियर श्रो ही० पी० सिंह स्वास्थ निवेशक का अध्युद्ध निर्माणी बोर्ड केनपुरी दिनांक 30-11-1985 (ह्नि) से हटा दिवा गया है।

एस० दास० गुप्ता मिदेशक/प्रशासम

भारतीय श्राडीनेन्स फैक्ट्री ग्राडीनेन्स फैक्ट्री बोर्ड

संद कलकता, दिलोक 2 दिसम्बर 1985 सेवा मह। पूर्वाच्या 1/जा/85 -- बर्जिय निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 में हुने विश्व आर० घोष, उन महानिदेशक शार-1, (मीलिक प्रविश्वा ए० छो० जि० / महाजवाश म प्रेड-II,) आर्जिनस फक्टी बोर्ड दिस्ति 30 अवस्थर, 1985 (वनशाह्म) से सेवा मिवृ हुए।

> मी० के० मेहता उप महा भिवेशक/स्थापना

व(णिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय,

बम्बई-20, दिलांक 12 विसम्बर 1985

क 2(37)/ई० एत० टी० 1/85/4725—मानिशवालित कर्या आ केन्द्र, क्रियानगढ़ के श्री आर० एन० खत्मा, सहायस निदेश अंगी-II, (पी० एवं० डी०), सेवा निवृत्ति की आयु पूरी क्यें हुए दिनांक 30-9-1985 के अवराह्य से सेवा निवृत्त हो गर्

सं० 2(58)/स्यागाः एक/85/4730—वस्त आयुक्तः का प्रदेशक कार्यान्य, कोश्वन्तत् केश्री के० रामप्ति, विशेष (पी० संडो०), सेशा निश्वृत्ति की आयुपूरी करते हुए, दिशांक 31-101935की अन्याह्य से सेवा विवृत्त हो गए।

> अरुण कुमार वस्त्र आयुक्त

उद्योग एवं कम्पती कार्य मंत्रालय भौद्योगिक विकास विमान

विश्वास आयुक्त (स॰ उ॰) का सार्यालय, विदेविस्त्री, दिशांस २९ वयस्वर, 1985

ां० 12(484)/65-प्रसा०(राज०) — नातनी की सहयोग के हिए कामन बेह्य, फण्ड के अधीर 6 मई, 1985 से 31 सक्त्रर, 1985 तक बाहामात में बाह्य नियुक्ति पर परामर्था-यात के रूप में कार्य काल पूरा हो जाने पर श्री कमल कुमार कपूर ने 1 नवम्बर, 1985 (पूर्वाह्म) से विकास आयुक्त (लगु उद्योग के कार्याजय, नई दिस्ती में उप निदेशक (श्रीद्योगिक प्रबन्ध प्रीमाजण) के पद पर कार्यभार से हुण कर लिया।

> सी० सी० राय उपनिवेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान भीर कीयता मंतालय

इस्पात विभाग

लोहा घौर इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-20, विमां ह 25 मवम्बर 1985

सं० ई-1-1(3)/82 (.)—-अधोत्नाक्षरकर्ता एतद्-द्वारा, श्री पी० के० दास, जोकि दिनांक 10-11-1985 तक सहायक भूगाम आयुक्त, के पर पर त्यामिया का ते कार्यरत रहे, को श्री सुकुमार जिल्हा, जो इस तमय फान्ता एक उपोर्ट प्रोतिंग, जोत, कल कता में प्रतिनिभुक्ति के आधार पर प्रमासिक अधिकारी के क्ल में कार्यरत हैं तथा जिल्हें, इसी प्रेड में प्रोक्तामी प्रशेताति दी गई है, के स्थान पर अवस्ताम रिक्ति के आधार पर दिनांक 11-11-1985 से अस्यायी साधार पर सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियन्तक के पर पर वियक्त करते हैं।

> दीपक कुमार घोष लोहा और इस्पात नियन्त्रक

(खान विमाग)

भारतीय भू-वैज्ञाधिक सर्वेक्षण

कंजकता-700016, दिशांक 10 दिनम्बर, 1985

सं० 10944 बी/10/71/19ए---भारतीय भूतैताति ह सर्वेक्षण, के महा विदेश ह, भारतीय भूतैतातिक सर्वेक्षण के सहायक मुद्रण-पंत, प्रचालक, श्री अमल चन्द्र सरकार को मुद्रणपत्र प्रचालक (प्रैस शांसरेंटर) के छन में उसी विभाग में विपानतुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- ए० के वेतनमान के वेतन पर, स्यातापत्र क्षमता में आगामी आदेश होने सक, 13 सितम्बर, 1985 हैं पूर्वाह्म प्रवोत्सित पर नियुक्त कर रहें हैं।

सं० 10954 बी/ए-19012(7-ए०क्रे॰सी॰)/19ए---भारतीय भूत्रौज्ञानिच जर्मेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री अजय कुमार जन्मी सरकारी सेवा से 30-4-1985 (शासन्ता) से स्वेच्छा है निवृत्त हुए।

> अमित कुणारी विदेशक (कामिक)

फलकत्ता-700016, दिशांक 10 दियम्बर 1985

सं० 10967 बी/ए-32013(2-डी०जी०)/82-19 बी--राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित मूर्मीतिकीविदों (विष्ठ) के निदेशक (भूमीतिकी) के पद पर उसी विमाग में ियमानुतार, 1500-60-1800-100-2000-/ ए० के वेतनान के वेतन मान पर स्थानापन क्षमता में आगामी

आदेश होते	तक प्रतिकेश के	संमिने दर्शाई	$\eta \xi^{\bullet}$	सिधि	पदोशति
पर भियुक्त	कर रहे हैं।				

क्रम सं ०	धम	 ,	नियुक्ति ति थि
1. श्रीडी [.]	০ ঘ্তরী		29 -5-1985 (সংযন্ত্র)
2 श्रीएच	০ ছব ু ৱ াৰ্কাল ঘ		28-5-1985 (पूर्वीह्म)
3.`श्रीटी	मोहन राव		30-5-1985 (पूर्वाह्न)

ष्ठी० पी० कौंडियाल वरिष्ठ उप महासिदेश र (प्रचालन) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरी

भागपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

सं० ए-19012(217)/85-स्था० ए०—विभागीत पदी-श्राति, समिति की सिफारिण पर श्री जी० एत० कुम्मारे, स्थानापन्त अधीक्षक को भारतीय खान व्यूरो, में स्थानापन्त रूप में सहायक प्रवासन अधिकारी, के पद पर दिलांत 6 दिसम्बर, 1985 के पूर्वीह्म पदीकारि प्रदान की गई है।

दिशांक 13 दिसम्बर, 1985

सं० ए-19012(218)/85-स्था० ए०—विभागीय पदी-श्रीत, समिति की सिकारिक पर श्री एस० पी० पत्वितेर, स्थानपटन वरिष्ठ, सक्तीकी सहायक (रतायन) की भारतीय खान व्यूरो, में स्थाननिक रून में सहायक रतायनिक के पद पर दिनोक 6 दिसम्बर, 1985 के पूर्वीह्न से पदीनिति श्रदान की गई हैं।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन अधिकारी कृते महा भियन्त्रक भारतीय खान ब्यूरी

आकाणवाणी महा निवेशालय

मई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 17/17/85-एस० चार--पदोलित के परिणामस्वरूप निम्तिखित वरिष्ठ, इंजीनियरी सहायकों ने विभिन्त आकाश-बाणी एवं दूरवर्शन केन्द्रों/कार्यात्र्यों में प्रतोक के नाम के आगे लिखी तारीख से अगले आदेशों तक अस्याई क्षमता में सहायक अभियन्ता के पद का कार्यभार संभान निया है:---

कम	भाम	केन्द्र/कार्यातय	कार्यभार ग्रहण
सं०		,	करने की
			ता रीख
			

		 		·	 	
1	. 2		3		4, '	
_ 					 	

सर्व श्री:

सी० एस० कोठालकर एल० पी०टो०, टी०वी० 8-8-85
प्रीरंगाबाद (पूर्वाह्म)

1	2	3	
2.	কংনীর ভিত্	एव० पी० टी०	24-
3.	अप भी मृख -	आकासवाणी,खामपुर एम० एउ०, आकासवाणी आपासनर,४६ दिल्ली	(5)
4.	एस० पी० थायापन	एल० पीठ टी०	
5.	एस० वें इहारमञ	कार भिकीबार एम० सी०, दरदर्शम,	(पूत्रीह्न) 5-68
	•	तेजनुर	(त्र≢ह्न)
G.	चन्द्रशेखरिया	अत्काशयाणी, शिलांग	3-+8 (पूर्वहा)
7.	एम० कल्याण सुन्दरम	अक्तामयाणी, इम्काल	308 : (ঘাঁহ

बी० एस०जैन, प्रशासन उपादेशक कृते महादिशक

नई दिल्ली, दिनां रु 10 दिसम्बर, 1985

सं० 4(89)/80-एय-1--प्रस्पुषकर्ता (वरिष्ठ कि) के पद पर विवृत्ति के परिष्याम स्वल्य, श्री साइलो यंगा साललो, कार्यक्रम विव्याद के आकारावाणी, ऐवाय, ने दिव्यंक 1 मनम्बर, 1985 के सक्तीकी स्वाम-पन दे दिया है।

ईरबर लाल गडिब प्रसासन उप निवेशक (कपाण) कृते महा**विकक**

सुचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

वम्बई-25, दिनांक 6 दिप्तम्बर 1985

सं० ए-19012/13/82-ई-I—श्री वितोद कुणर, स्थातिया समाजारिवत अधिकारी, फिल्म प्रभाग, भुवन्वसर को आदेव सं० सी०-14012/3/85- चांकसी, दिलांक 27 दिसम्बर, 1985 के अनुसार सेना से हुटाये जाने के फलस्क्ष्य उन्होंने, दिलांक 14 अनूत्रर, 1985 के आराह्म में समाचर चित्र अधिकारी, फिल्म प्रभाग, भुवनेष्ट्यर, के पद का उत्यंशर स्थाग दिया।

आर० पी० परमार स० प्रशासनिक अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

माई दिल्ली, दिशांच 12 दिसम्बर 1985

संद म्≥19018/7/85-सी०जी० एच० एस०-1--स्वास्थ्य सेवा महाौै।देशक ने डा० सीताराम को 14 नवस्वर, 1985 के पूर्वास्थित को आदेशों तक केन्द्रीय स्वराप्य स्वास्थ्य योजना में हुग कि कृष्य चिल्तिक के पद पाजिल्याकी आधार पर कियुद्ध कर दिया। है।

> टी० एस० राव उप निदेशक प्रशासन (सी०जी०एच०एस०)

मई दिल्ली, दिनां छ 12 दिसम्बर 1985

सं ए-19018/11/83 एम (एफ० एंड एस०) — सेवा निवृत्ति की आ को हो जाने पर, डा० एत० रामाक्रणात, ने 31 अक्तूब, 1985 के अपराह्म से जनाहरताल स्वापनीतर चिकित्स शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पाण्डिनेरी, में जीव रसायन के प्रोकेसर, (प्रोकेसर आफ वायोक मिल्ट्री) के पद जा कार्यभर छोड़ दिया है।

গী০ ফী০ । ঘ<mark>ई</mark> ভদ নি**दे**शक प्रशातन (सी०एण्ड बी०)

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहजारिका विभाग) वनस्पक्षि एक्षा संगरीध एवं संग्रह भिदेशालय फरीदावाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

सं० 3-9-/84-प्र०अ०प्रथम—इस निवेधालय के किन्छि रतायाह, (क्वालिटी कंट्रोल), श्री आर० एड० हर्मा की दिया हा-3-1984 से सहाया स्वायात्र (650—1200 रु०) (खण्ड 'ख' राजपन्तित) के पद परस्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है।

> आर० एस० रजक बनस्थति रक्षा सदाहरार, भारत सरकार

(ग्रामीण विकास विभाग)

विषणत, एवं भिरीक्षण भिदेशालय फरीदाबाद, दिभांक 10 दिसम्बर 1985

सं० ए-31014/4/83-घ०-1—कृषि वित्या समाहकार, भारा जरकार द्वारा, इत विदेशालन के अबीर प्रियालिखित अधिकारियों को उसी कन में सहाय न विषया अधिकारी (पर्ग-1) के स्थायी पदों पर प्रत्येत के सामने, लिखी वारीख से मूल इस से वियुक्त किया जाता है।

सर्वेश्री:

1.	जी॰ सी० सैन	19-2-1985
2.	जीसराम (अ० जा०)	19-2-1985

3. एन० जी०मगी,	19-2-1985
 अदुब्ल रहीम 	19-2-1985
5. एम०सी०हालू (अ०जा०)	19-2-1985
 टी० बेंकटे एक्ट्रेस्ट्र 	19-2-1985
7. आर० सल्बाराज	19-2-1985
৪. बी० बी० पालिट	20-4-1985

(2) उपरोक्त अधिकारियों का विचले पद पर ग्रह्णा-धिकार, यदि कोई हैतो सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-1) केपद पर मूल रूप से विशुक्त होते की तारीख से समाप्त माना जाता है।

> जे० कृष्णा निदेशक प्रशासन **इ.**ते कृषि विषयात सलाहकार

भाभा परमागु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-4000 85, दिनौक 5 दिसम्बर 1985

सं० पी० ए०/79(17)/84-म्रार०-/3290-नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंघान केन्द्र स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न सहायक कार्मिक म्रधिकारी श्री सी०वी० पेंडसे को 840-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में इस अनुसंधान केन्द्र की नाभिकीय अनुसंधान प्रयोगमाला, श्रीनगर में दिनाँक 14 मई, 1985 (पूर्वाह्र) से म्रागमी भादेश जारी होने तक प्रशासन मधिकारी II पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 दिवस्बर 1985

सं० पी०ए०/73(8)/85-म्रार-4/1384—नियंत्रक भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र डा०गौडार दिवाकर को निवासी चिकित्या मधिकारी पद पर भाभा परमाणु भ्रनुसंधान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में 5 दिसम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की भ्रवधि तक भ्रन्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> एन० एन० वेकिटेश्वरत उप स्थापना प्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रम ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनौरु 2 दिसम्बर, 1985

सं० ऋभंनि/41/16/85-प्रशा०/33042-परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय श्रीर भंडार निदेशालय के तिदेशक ने स्थायी भंडारी श्री एम० रामज्ञ्ण मेतन को इसी निदेशालय में दिशाँक 17-10-1985 (पुत्राह्म) से 19-11-1985 (श्रिपराह्म) तक 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000द० रो-40-1200 दपये के वेतनसान में सहायक पंडारी प्रश्विकारों के पर पर तर्राधाबार गर स्थातार न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक पंडार धिकारी श्री एम० बनर्जी के स्थान पर की गई है जिन्हे उक्त धविध के लिए छुड्टी प्रवान की है।

विनौक 3 दिसम्बर 1985

सं०. कर्भनि/41/1/85-प्रशा०-4725--परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक में स्थायी क्रय सहायक श्री जे० जे० परेरिया को इसी निदेशालय में विनौक 30-9-1985 (पूर्वाह्म) से 8-11-1985 (प्रपाह्म) जक 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 दपये के वेतन-मान में सहायक क्रय ग्रावकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक क्रय ग्रावकारी श्री भाई० रामकृष्णन के स्थान पर की गई है जिन्हों क्रय ग्राधकारी (तदर्थ) के पद पर प्रवोन्नत किया है।

पी० गोपालन प्रशासन **प**धिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनाँक 25 नवम्बर, 1985

सं० ना० दं०स/का प्र० मु/0703/2970—नाभिकीय दंधन सम्मिश्र के प्रशासन के उपमुख्य कार्यपालक जी सहायक सेखा प्रधिकारी जी जु० सूर्य नारायण राव को ६० 840—40—1000 द० रो०—40—1200 के वेजनमान में तदर्य प्राधार पर स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी II के रूप में दिनौंक 01—10—1985 से प्रभावी आगामी आदेशों तक पर्यन्त नियुक्त करते हैं।

सं० ना० ई० स०/का० प्र० म/0703/2971—नाभिकीय इंग्रन सम्मिश्र के प्रशासन के उपमुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री ना० भरतन को ६० 650-30-740-35-880-४० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्य ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा ग्राधिकारी के रूप में दिनाँक 01-10-1985 प्रमावी ग्राधानी श्रादेशों पर्यन्त नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

ष्रंतरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695022, दिनांक 18 नवस्यर, 1985

सं वी॰एस॰एस॰--सो॰/स्था॰/एफ॰/1(170)--निवेशक, बी॰ एस॰ एस॰ सी॰ श्रंतरिक्ष विभाग के विकम आराभाई श्रंतरिक्ष तिठवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मनारियों को वैज्ञानिक /इंनोनियर "एस० बी०" के पद पर ए० 650-30-740-35-810 द० रो०-880-40-1000 द० रो०-35 40-1200 के जेड में अक्तूबर 1, 1985 के पूर्वीहर स्थानायन्त रूप मंधायामी घादेश तक पदीन्तत करें हैं।

ऋम सं०	नाम	प्रभाग/परियोजना	
ा श्रीडे	विड सुगुणकुमार	धा ई०श्रार०ई० एक्स/टेल्से	
2. श्री एन	o संकर्षगन	ए० एस० एस० वी०	
3. शोकेल	» हरिकुमार	मार० पो० पी० /पी० सी० (ग	٩o
4. શ્રી जી	० विश्वताथन	एल० पी० टी०एफ०/एल० पं०	पीर
5. श्रीवी	० कुंजाबू	ए० एस० एल० बी०	
6 . श्रीमर्त	र एस० तेनमोबो	टी० ६० डी०/एस० भारवुष	ी ॰
7. श्रीसी	०ए सि० सुकुमार	- न	
नं गूतीं	रे	क्यु - सी० शी०/एस० ग्रारु व	नी ॰
8. श्रीएन	ा० रविक्मार	६०एफ०ए०(एम०) एम०६०	जी॰
9. श्रीकेल	े के० रामकुष्णन	६० एल ०एस०/ए०वी० ए००	
10. श्रीक्रा	र० बालासुब्रमण्य	न एस०एम०पी०	
11. श्रीपी	० चन्द्रशेखरन	धा र०पी०पी०/पी०सीः ए म	(o
12. श्रीमर्त	(विशालम जी		
कुऽणन	ī	भाई ० एस० म्राई०/ए०वी ए ः	त⇒
13. श्री स	ि जें ० चाको	सी०एम०एक०/एम०ई०ज०	
14. श्रीट	ो० सी० वर्गीस	जी०ए५०ए५०/टेल्सँ	
15. कुमा	री ए ल० जासीलेट	•	
भाई		ई० एक ० एक०	

जोः मुरलोधरननायर प्रशासन ऋविकारी—II ह्याः)

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560017, दिनौत 5 दिसम्बर, 1986

सं० 020/1(15.4)/स्थापना-1—इसरो उपग्रह बेन्द्र के निदेशक, श्री बी० एस० श्रीनिवास की विश्वानिक/अभियंता एस० बी० पद परदिनौक 23 जितम्बर 1985 के (पूर्णाह्न) ग्राने आदेश प्राप्त होने तक श्रस्थायी श्राधार पर अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र वेंगलूर में सहबं नियुक्त करते हैं।

एच० एस० रामदास, प्रशासन भ्रधिकारी-11

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ती, दिनौस 5 विसम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/84-ई० एत०--महातिदेशक नागर विमानन क्षेत्रीय निदेशक, महात क्षेत्र, महात एयरपोर्ट, महात के जार्याच्य के श्री जी० बालन, प्रश्रीक्षक को 650-30-740-35-810य० रो०-35-880-40-1000 व० रो० 401200 रुपये के वेतनमान में दिनाँक 6 सितम्बर, 1985 (पूक्त) से छ: माह की श्रवधि के लिए या पद के नियमित श्रधा पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उनके वर्तमा कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर प्रशासनिक श्रधिकारी नियम करने हैं।

दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

सेंठ ऐंऽ 32013/2/85-ई० एस०--राष्ट्रपति, श्री वी० के० जाँदना को महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में ताँक 22-10-1985 (पूर्वाह्म) से 1500-60-1800 रुपर्य के वेतनमान में नियमित श्राधार पर और श्रन्य श्रादेश होनेतक, पदोन्निति पर उपनिदेशक विमान सुरक्षा, (श्रीभ-याँकि)/क्षेत्रीय नियांत्रक विमान सुरक्षा (श्रीभयाँकिकी) के द पर स्थानापन्न क्षमता में नियुक्ति करते हैं।

एन० भट्टाचार्जी, उपनिदेशक, प्रशासन **कृते** महा निदेशक, नागर विमानन

निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, विनाँक दिसम्बर 198

रं० 1/85—श्री राजेन्द्र कुमार विज जो कि संगठन एखं । बन्ध मेवाएं निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नह विख्य में अपर सहायक निदेशक के पद पर तैनात थे, दिनौंक :1 अन्तूबर, 1985 के अपराह्न से निवर्तन पेंशन पर सरगरी सेवा से निवृत हो गए हैं।

नरेन्द्र कुमार वाजपेयी, निदेशक संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 9 विसम्बर, 1985

सं० 1-टी० भ्रार०(5)/85--नीवहन महानिदेशक, बम्बर्ध कप्तान एस० एस० जयाराम को दिनाँक 26-8-85 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष की भ्रवधि के लिए तदर्थ भ्राधार पर प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र" पर नाटिकल भ्रधिकारी के रूप में नियुनत करते हैं।

ए० चन्द्रा नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनाँक 30 श्रक्तूबर 1985

सं० 14-7/83-मुख्य जल भू०(स्था०)--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की निफारिश पर निम्नलिखित अ्यक्तियों 2-396 GI/85 को उनके आमा के सामने लिखित तिथि से श्रमले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में किनिष्ठ जलभूविज्ञानों के पद पर 700/- ष्पये प्रति मास वेतन पर वेतनमान रूपये 700-40-900 देश रोष-40-1100-50-1300 पर श्रम्थाई रूप से सहर्ष नियुक्ति करते हैं:---

क्रम सं०	नाम	तैनांती का स्थान	नियुक्ति की तिथि
		केन्द्रीय जल भूमि जल बोर्ड उत्तरी क्षेत्र, लखनऊ र केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड तमिलनाडू (मद्रास)	23-9-85 (पूर्वाह्म) 27-9-85 (पूर्वाह्म)

दिनौंक 5 दिसम्बर 1985

सं० 3-721/85-मुख्य जल भू० (स्था०)--श्री के० मास्करत को दिनांक 4-11-1985 (पूर्वाह्म) से ग्रमले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भू विज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समूह ख (राजपहित) वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-723/85-मुख्य जल भू० (स्था०)--श्री सुरेन्द्र सिंह गढ़िया को दिनाँक 31-10-1985 (पुर्वाह्न) से अगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भू विज्ञानी के पद पर जी० सी० एप० समूह-ख (राजपित्रत) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

> बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जल भूविज्ञानी एवं सदस्य

केन्द्रीय जल श्रीर विश्वत श्रनुसंधान शाला पुणे-24, दिनाँक 25 नवम्बर, 1985

संब्या 608/191/83-प्रशासन-इस कार्यालय श्रिधसूचना संब्या 608/191/83-प्रशासन दिनाँक 19-9-1983, 25-8-84 श्रीर दिनाँक 22-2-85 के सिलिमिले में केन्द्रीय निदेशक, जल श्रीर विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे-24, एतद्द्रारा श्रोमती रो० वि० कारखानीस, हिन्दी श्रमुवादक, केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत श्रनुसंधान शाला की हिन्दी श्रधिकारी के पद पर बारह महीनों तक केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत श्रनुसंधान शाला में, वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर श्रमस्त 17, 1985 के पूर्विह्न संश्रीतियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं। इस कार्यालय की श्रिधिसूजना संख्या 608/191/83-प्रशासन

दिनांक 19-9-83 के श्रनुसार उनकी प्रतिनियक्ति की शतें तथा नियम वहीं रहेंगे

ति० प० यज्ञन सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी प्रभारी प्रशासन कृते निदेशक

उद्योग एवं कम्पनी कार्य महालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी श्रीधनियम 1956 एवं मै० लिन्डन इंजीनियरिंग एन्ड मोल्डिम्स प्रा० लि० के विषय में बम्बई, दिनौक 24 श्रक्तूबर 1985

सं० 664/15841/560(5)——कम्पनो ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण से एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स लिन्डन इंजीनियरिंग एण्ड मोस्डिंग्स प्रा० लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्मनी विघटित हो गई है।

श्री वो० राघाकृष्णन कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र बम्बई

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर मेंसर्स दी० काटन डिलर्स प्रा० लिमिटेड इन्दौर के विषय में ग्वालियर, दिनौंक 4 विसम्बर 1985

सं० 894/समापन/सी० पी० 1/1632— कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अर्न्तगत सूचना जारी की जाती है कि मैंसर्स काटन डिलर्स प्रायवेट लिमिटेड, इन्दौर का परिसमाणन आदेश मध्य प्रदेण के उच्च न्यायलय अण्डपीठ इन्दौर ने अपने आदेश दिनांक 12-7-1985 के द्वारा जारी किया है तथा सरकारी परिसमापक इन्दौर उक्त कम्पनी का परिसमापक नियुक्त किया गया है।

एस० करमाकर कम्पनी रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर भारत श्री लैन्ड डेवेल्पमेंट कम्पनी प्रा० लि० के विषय में

कलकत्ता, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985

सं० 11059/560(3)— कम्पनी भ्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना की जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रमसर पर भारत श्री लैन्ड डेवेल्पमेंट प्रा० लि० कम्पनी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया ती रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उनत कम्पनी विटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर एस० मूखः एन्ड ब्रदर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 14340/560(3)-कम्मनी ग्रधिनियम, कि का धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एउढ़ारा यह सुचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के वसर पर एस० मुखर्जी एन्ड इदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्मनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर एस० के० जी० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकसा, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985

सं 16483/560(3)—-कम्पनी ग्रिधिनियम, 956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एह्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के न्वसर पर एस० के० जी० प्रइवेट लिमिटेड का नाम इसके तिकूल कारण वैधित न किया गया तो रजिस्टर से काट दियाजाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर श्री राजेर्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 24155/560(3)——कम्मनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में यह सुमना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर रर श्री राजेन्द्र प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिखित न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्मनी विषटित कर वी जाएगी।

> कम्मनी अधिनियम, 1956 और के० पावल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलबता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 26441/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर के० पावल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित करदी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रीर इंडनिक श्राटो पार्टेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

सं० 26525/550/(3)—कस्मनी भधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव यह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसर मर इडनिक ब्राटो पार्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ब्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> ीम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर कोनार्क इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 26735/560(3)— कम्पनी श्रिधनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसदृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तैं। मास के अवसर पर कोतार्क इंजीनियस कं० श्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कन्यनी ग्रिधिनियम 1956 श्रीर सुपर मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 27311/560(3)— इस्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृद्वारा यह सुचना दी जाती है ए इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर पुपर मितरत्व प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर शोजेक्टस कन्सलटेंट्रस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 28019/560(3)——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर प्रोजेक्टस कन्सलटेंट्रस प्राइवेट लिमिटेड का नाम उसके प्रतिकृत काँरण दिखा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रीर हरिरामपूर कंकीट कन्सट्रवशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6दिसम्बर 1985

सं० 29530/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एसदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर हरिराम पुर कंकोट कन्सट्रक्शन्न प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकुल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर एकसोटिक फूड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 2999/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतपुद्वारा पह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर एक्सोटिक फूड श्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष्ण कारण दिया निक्या गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्मनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर भोजनवासा ट्रांसपोर्ट कं प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985.

सं० 30471/560(3)— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है ि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर भोजनवाला ट्रांसपोर्ट कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर ग्रामीण म्युचुयल बेनिफिट सोसायटी प्रा०लि० के विषय में

कलकत्ता, दिना ह 6 दिसम्बर, 1985

सं० 31106/560(3) — जम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृक्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर ग्रामीण म्युचुयल वेनिफिट सोसायटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इमके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिलस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर हावारस स्ट्राक्चरल इंजीनियर्स प्रा० लि० के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

स० 32350/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में एतवृद्धारा यह सूत्रना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर हावारस स्ट्रकचरल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल प्रारूप बाई.टी.एत.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेज, नागण्ड

नागपुर दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्वी/30/23/85-86---ग्रतः मुझे, एम सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 28, मकान नं० 1544 पुराना बगड़गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29-4-85

का 16) के अधीन तारीख 29-4-85
को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अर्हिस्तयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सैवबेंनम एस० ए० अजिज : प्लाट नं० 10 पराना बगडमंज, रामपर।

(अन्तरक)

(2) में रूपम टाईल्स पा॰ महेन्द्र कुमार मिठूभाई अलाम भानजी भाई पटेल नागपुर

(अन्त्ररिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यमहियां गूरू करता हूं।

ं उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

प्लाट नं 28 मकान नं 1544 प्लाट 851-176 स्क्वेयर मीटर और बंधाई का 164-01 क्स्वेयर मीटर पुराना बगड़गंज नागपुर ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, नागपुर

तारीख : 7-10-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, पटना

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), ' की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाक करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

सर्वे प्लाट नं० 1151 सब प्लाट नं० 300/ए, होल्डिंग मै०-887/एफ-1, खता नं०-122, थाना नं० 202, स्त्रेवत नं० 4, सुखदेव नगर, रात रोड रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-85

कृष्णं कर स्ट्रिंग्स के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मित्रक के लिए अंतरित की नई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रक्रिय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरम् के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक को दाबित्व में कसी करने या उत्तरे बचने में सुविधा खे [लय; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना काहिए बहु, जिन्ना में सुविधा में लिए;

बतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के बन्करण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमां, अर्थातः— (1) श्रीमती महेन्द्रा कौर जौजे डा० जोगिन्द्रा सिंह, सा० रातू रोड, हेसल, थाना सुखदेव नगर, जिला रांची ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिश भूषण ग्रग्नवाल पिता श्री राम रतन ग्रग्नवाल, सा० रातू रोड, हेसल, थाना सुखदेव नगर, जिला रांची ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके वृबोंक्त सम्पत्ति के बंबन के खिय कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अवन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की सहरीस से 45 दिन की व्यविषया तत्त्रं वंधी स्थायन के स्थायन के स्थायन की सामीन से 30 दिन की व्यविष्य में भी व्यविष्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थायन में से किसी व्यवित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहंस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा बकोंने।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो मय मकान जिसका रकबा 2 कट्टा 8 छटांक हैं। जो सुखदेल नगर, रांतू रोड, रांची में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 3661 दिनांक 1-4-85 में वर्णित है और जिसका निबन्ध जिला अदना निबन्धक पदाधिकारी, रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणा) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 7-11-85

ोहर :

प्रस्य बाईं. टी. एन : एस. हरू-

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985 निदेश सं III/1069/म्रर्जन/85-86--म्रत। मुझे, डी० के० घोष

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० तोजी नं० 229, खाता नं० 544, 540, 541 प्लाट नं० 31-ए 32/2055 29 पार्ट नं० 34, होल्गि नं० 116/306 थाना नं० 7 है तथा जो ढकनपूरा, बोरिंग ोड, श्रीकृष्ण पुरी, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्व अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1998 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-4-85

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकक्ष, निम्नसिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की गावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (च्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) अलक नन्दा को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड श्री ज्ञानदेव शर्मा, सचिव पिता श्री सखदेव शर्मा, बोरिग, पटना-1 (विहार) (अन्तरक)
- (2) श्री बुदा देव शर्मा पिता श्री सुखदेव शर्मा मोहल्ला बोरिंग रोड, थाना कोतबाली रोड, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिशु कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्बिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिबित में किए जा सकरें।

न्वच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शहर हुनै।

बनस्ची

जमीन जिसका रक्ष्या 4641 वर्ग भाट ह गा ढकनपूरा, बोरिंग रोड, श्री कृष्ण पूरी, पटना में स्थित है तथा जिसका सम्पूर्ण विवरण वसिका सं० 1-5117 दिनांक 6-4-85 में विणित है और जिसका निबन्धन सब रिजिस्ट्रार म्राफ एस्योरेंस, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

> डी० के० घोष सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्कत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 9-12-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र कार्यालय, पटना,

पटना, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

सं∘ III-1072/ग्रर्जन/85-86:---ग्रतः मुझे, डी० के० कोक

कालकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धारा 269-का के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हूँ कि स्थायर संपत्ति, जितका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हाँ

मौर जिसकी संख्या तौजी नं० 229, खाता नं० 544, 540, 541, सब् प्लाट नं० 31 ए 32/2055 29 पार्ट नं० 34 होल्डिंग नं० 116/306 थाना नं० 7, है, तथा जो डकन पुरा, बोरिंग रोड, श्लोकृष्णापुरी, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-4-1985

को पूर्वोक्त संगति का उपित बाधार मुख्य से धान के क्यानान प्रतिकास के लिए अन्तरित की नई है और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यवजान प्रीवक्रण से, रूपे व्यवजान प्रतिक्रम का पंक्र प्रतिवस से वर्गभक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच इसे अस्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसित अक्टोच्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जंतरण से हुद्दै किसी जाय की बाबत, उक्तं अधिनियम के जजीन कर दोने के जन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उत्तमें वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वयः, उपत विधिनियमं की भारा 269-ग के वन्धरण वो, वो, उनत विभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (११ वे वर्षान, निम्नीसिवित व्यक्तियों, वर्षात :——

- ग्रालक नम्या कोथ्रापरेटिव हाउसिंग सो आईटी लि०,
 श्री ज्ञानदेव शर्मा, सिवव
 पिता स्री सुख देव शर्मा,
 बोरिंग रोड, पटना 1 (बिहार)।
 - (स्रन्तरक)
- श्री ग्ररूण कुमार पिता स्वः हरबंश लाल ग्रोवर, बोरिंग रोड, थाना कोतवाली, पटना।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्णेक्त सञ्चल्ति के अर्थन के सिः। कार्यवाहिम्सं करता हूं।

उक्त तम्परित के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर ज्वा की साजील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा तकरी।

स्पन्धीकरणः इतमें प्रवृक्त हर्कों जार पहाँ का था उनक अभिनिवम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा एया है।

ननुसूची

जमीन जिसका रकबा 5010 वर्ग फिट है। जो ढकन पुरा, बोरिंग रोड, श्री कृष्णा पुरी, पटना सें स्थित है तथा गात: पुर्ग विवरण वसिका संख्या 15-20 दिनौक 6-4-1985में वर्णित है श्रौर जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार श्राफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> डी० के० घोष पक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण र्वन रेंज, पटना

तारीख: 9-12-1985

नारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजग्र पटना

पटना, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985 .

सं० 111-1067/म्रर्जन/85-86 --- म्रतः मुझे, डी० के० घोष,

क्षमां की धीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षमां (उस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कार्का है कि स्थानर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या खाता नं० 57, 96, प्लाट नं० 1254, 1255, 1262, मोजा, नं० 51, होत्डिंग, नं० 525, वार्ड नं० 25 है, तथा जो जोड़ा फाटक रोड, धनबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची से ग्रौर पुर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 6~4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यकार शितफल के लिए अंतरित की गई है और सभी यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य , उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के क्लाइ प्रतिदेत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और खतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा क्या प्रतिफल; निम्नलिखित उच्चदेस से उक्त अन्तरण निवित्त के बास्तियक रूप से क्यार नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाथ की बाबत, उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्य में कमी करने या उससे बचने या स्विधा के सिह: बॉर/या
- (च) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 सरदार कूलदीप सिंह भारारा, पिता सरदार हरनाम सिंह भारारा, सा० थाना झरिया, जिला धनबाद।
- 2. श्री विनय कुमार बगरिय.

(भ्रन्तरक)

विक्षा श्री बाल कृष्ण बगरिया सा० थाना झरिया, जिला धनबादा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुवाना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवन के प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविभ या तत्सक्वरणी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तरिव के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध विश्वी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेष्ठस्ताक्षरों के पास के विस्ति में किए का सकेंगे।

स्पत्तक किरण:---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पक्षों का, को उक्क अधिमियस के अध्याद 20-क में परिभागित हैं यहीं कर्थ होगा को अस जध्याद में दिशा गवा हैं.।

जमीन मय मकान जिसका रकवा 1 कठा 11 1/2 छटाँक है जो जोड़ा फाटक रोड, धनबाद में स्थित है तथा जिसका पुर्ण विवरण वसिका संख्या 3446, दिनाँक —4—85 से वर्णित है स्रौर जिसका निबन्धन जिला स्रवर निबन्धक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुस्रा है

डी० के० ष्प, सक्षम श्रधि हारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजीन रेंज, पटना

तारीखा: 3-12-1985

प्रसन् भारते की एन एस

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **२**६०-घ (1) को स**धीन स्**चना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक सामकर सायुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज, पटना,

पटना, दिनाँक 3 दिसम्बर, 1984

सं० /1066/प्रर्जन/85 - 86∵- - प्रातः स्झे, डी० के० घोष,

आयकर अधिर्गनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का **कारण ह**ै फि. स्थावर स्प्य**त्ति, जिसका उचित** बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या खाता नं० 30, प्लाट नं० 1 4, होल्डिंग नं० 137, वार्ड नं० 1, मौजा नं० 52 में है तथा जो धनसर, जिला धनबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची से ब्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय धनबाद से रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 6-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कममात शतिक स के निए अंतरित की नई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण इं कि वभाव्योंक्स तस्पतित का उचित वाकार नस्य. उद्यक्त व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का एन्द्रह **शतिकत से व्यभिक है और बन्तर**क (अन्तरका^र) **और अन्तरिती** (अम्बरितिया) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गवा भीवपन्त निम्नसिखित उद्योजयाँ से उक्त अन्तरण सिबिट में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🖓 :---

- (क) अन्तरभ ते हुई किसी बाब क्षी शबत ; विविद्य वे वधीन कर दोने के वन्तरक के दायित्व **के सबी कार**ने या **बसरों सबने** में सुविधा के लिए;
- (च) एंची किसी बाय या फिसी थन या करवा लास्टिइ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया **वापाकिया जानाचा, छिपाने में स्**विधाको लिए:

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-घ के, अनसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वृज मोहन ग्रग्नवाल, पिता स्व० लक्ष्मी नारायण्, स० धनसर याना जिला धनबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार गोपालका, पिता श्याम सुन्दर गोपालका, {सा० किरकेन्द,थाना प्**टकी**, जिला धनबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के टिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (6) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, ं भी उपल विधिनियम के विध्याय 20-क में शरिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास से विक पवा है 🕩

अनसची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 7.5 डिस्मल है जो धनसर, जिला धनबाद में स्थित है तथा जित्रका पूर्ण विवरण बसिका संख्या 34.75 दिनौंक 6~4~85 में वर्णित है), श्रीर जिसका निबन्धन जिला श्रवर निन्बधक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> डी० के० घोष, सक्षम ग्रधिकारी, महायक आयकर आयुक्त निरोक्षण श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 3-12-1985

मोहर:

-396 GI/85

प्रस्थ बार्ष . टी. यूर . एस

मामकार ब्रीभानसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्रभीन स्वता

सारव बहुबबर

कार्यालय, सहायक मायकह मायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनाँक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 37 ईई/116 /85-86:—- ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमारः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 9, सर्वे नं० 88/1/5, पार्वती पुना है तथा जो पुना ह स्थित में (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, में, रिजिस्ट्रो करण ग्रिधि नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

की प्रवेदत संपरित के उचित बानार मृत्य से कम के क्रयमाव प्रतिफल के लिए बन्तरित की नह है और मुझे वह विश्वाध करने का कारण है कि बयाप्योंकत सम्मत्ति का जीवत बाधार मृत्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, एस क्रयमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकत से अधिक है और सन्तरक (अश्वास्कों) नौर बन्दरिती (अन्तरितिशों) के सीच एस बन्तरक 'हे लिए उस पाया नया प्रतिफल, निम्नीनिश्वत उद्योक्य से उतक क्रयूरण विश्वित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया प्रया है क्र

- (क) बन्तरण से हुई किरी बाब की पाबस, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शियत्व को कमी करने वा उससे बचने में सुविधा औ किए; बाँड/या
- (क) होती किसी बाय या किसी बन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय कर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या इक्त अधिनियम, या बनकर बीधीनयम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वनास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपान में स्विधा की निए;

बंदः बंद, उब्दे वांचान्यम् की धारा 289-व वे वन्तरण् में, में, उक्त वांचिरियम की श्रा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिबित व्यक्तिकों अर्थात् :--- साठे गोडर्स,
 1244, सदाशिव पेठ,
 पूना 30।

(म्रन्तरक)

श्रीमती वी० डब्फयू० डियुल गावकर,
 696 नारायण पेठ,
 कुंठ चौक पूना।

(अन्तरिती)

का बहु स्वना जारी करके पृथा कर संपरित के बर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी अर्थ :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में म्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध फिली अन्य त्र्विक द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्पक्टीकरण: इसमें प्रमूप्त कर्वों और पदों का, को उक्प अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस ध्याय में दिका गया है।

ग्रनुसूची

जैसािक रजिस्ट्रीकृत क 37ईई/115 /85-86 जो जुलाई 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> त्रितल कुनार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-11-1985

प्ररूप बाह् . दी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

भार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कार्यालय

पुना, दिनाँक 5 नवम्बर, 1485

सं० 37 **ईई**/4244/84-85:---- ग्रत मुझे, ग्रनिल कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्व 1,00,000/- रहा स अधिक है

और जिसकी संख्या मूलगाँव गाँव, ता० वसई सर्वे नं० 95, हिस्सा नं० 6, प्लाट नं० 2, इषकृपा, कोग्रापरेटिव, हाउसिंग सोसायटी, मलगाँव है तथा जो मलगाँव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उत्थित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और को यह विक्यास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्थित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान अतिफल से, ऐसे ध्रयमान अतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के

जार अंतरक (अंतरका) आर अंतारता (अंतारातया) क बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक्ष, निम्मलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से काँचत नहीं किया गया है द्र---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारिस्त के कभी करने या उससे बचने में सुविभा है जिए; और/या
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन का बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए।

भक्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधील, निम्मलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :-- मैसर्स डायमा बिबल्डर्स ननतोवड़ी, मूलगाँव ता० बसई, जिला थाना।

(अन्तरक)

 श्रीमती रूफिना लाम्बा, डिकुना, काल, मूलगौव ता बसई, जिला थाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक रणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क 37ईई/14244/84-85 जो मार्च 85 को सहायक श्रायकर श्रियुक्त निरीक्षण श्रर्जन पुना के दफ्तर लिखा में गया है।

अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज, पुना

तारीख: 5-11-1985

प्रकर बाह् टी. एन .एस .-----

आयमार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत स्वता

भारत तर्कार

कार्यालया, तहासक भारकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रेंज पुना,

पुना, दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1985

सं० सं० 37ईई/12579/84~85ः—∽ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

ावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें :69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उपित वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं डी 3/4 पहला मंजला हरमस कम्पलेक्स जूना सर्वे नं 122 नया सर्वे नं 34 डी भण्डारकर रोड पुना है तथा जो पुना में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा स्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायकत निरीक्षण स्रर्जन रेंज रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपमान प्रतिकाल के लिए जन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का मुल्य इसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का मुल्य प्रतिकात से बीधक है और बन्तरक (बंदरकों) और बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का का निम्नितिबत उद्देश्य से उसत बन्दरण लिखित में बास्तिबक कुप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने वा उसते वचने में सुविधा के किए; सरि/या
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी धन वा नाम नास्तिवों को, किन्दू भारतीय जायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, कियाने में जुनिया के जिए;

अत: क्व, उक्क अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उपत अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिता व्यक्कियों, अर्थीव ः— मैंसर्स हरमस एजेन्सीज
 793 फैंमिली हाउस,
 जमे जयसेज रोड, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

2 श्री किशोर नारायणदास मीरचन्दानी श्रीर श्रन्य 713, भवानो पेठ, डी 12 के० जी० सोतायटी पुना।

(ग्रन्तरितो)

को वह तुषना बारा करका प्याक्त सञ्चारत क वजन के विश् कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त वस्परित के कर्षन के तंबंध में कोई भी बाओर ह---

- (क) इसं सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीय 'ते 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताणील ते 30 दिन की व्यक्ति, जो भी विधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (क) इस सूचना के यजनत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्बन्धि में द्वितवव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताकारी के पाज लिखित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्दों आरि पर्यों का, जो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विदा नया हैं।

प्रनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क 37 ईई/12579/84-85 जो मई, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रजैन रेंज, पुना

तारीख: 29-10-1985

मोहरः

शक्त्य आहां, दी . एन . एस . ------

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर सायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज पूना

पुना, दिनाँक । नवम्बर, 1985

सं० 37/ईई/3198/85-86:—-श्रतः मुझे, श्रतिल कुमार, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 29 बी, सेक्टर नं० 4, तम्बई सर्वोदय कीस्रापरेटिव, हाउसिंग सोसायटी लि० नई दिल्ली (क्षेत्रफल 2880 चौ फुट) है। तथा जो नई वम्बई में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबड अनुसूची में स्रौर पुर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख अगस्त,

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीप्तफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार महिंग, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्वेप्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (शंशिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उच्त जंतरण लिखित कें शास्तिक रूप से किंपस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से धुर किसी बाथ की वावव, उक्त सीर्थितवस से अभीत कर दोने के अन्तरक कें दासित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा क जिए; बीर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-. कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधान के लिए;

बतः अव. उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण म, म, जबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— मैसर्स गृह बिल्डर्स,
 40-41, विशाल आपिग सेन्टर,
 प्रन्धेरी (ई) वम्बई

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती पी० कामथ,
 244, सुदर्भन, सायन बम्बई।

(अन्तरिती.)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विश्व कार्यनाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इत त्यना के राजपत्र में प्रकालन की तहरीं से 45 दिन की अविधि या तत्मवंशी स्पिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;

स्वक्तीकरण :---इतमे प्रवृक्त शस्यों और पदों का, जो उपक् विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, बही वर्ष होगा का उस अध्याय में दिवा क्या है।

प्रमुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क 37 ईई/3198/85-86 जो अगस्त 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दप्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमण्र सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 1−11−1985

प्रकप बाईं.टी.एन.एस.-----

ज्ञाक्यकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जधीन सूचना

नारत तरकार

कार्याक्तभ , सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज पुना

पूना, दिनाँक 29 अक्तूबर, 1985

सं० 37ईई/12541/84-85:—-श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/-रा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 57 सर्वे नं० 89/90, लोकमान्य कालोनी, पींड रोड, पूना-29 में है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत नाकार मून्य से कव के स्वकान भौतफल से लिए अन्तरित की गई ता और मुक्ते यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार बृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकल, निजनिवित उद्दोश्य से उक्त मन्तरण सिवित यो नास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बणने में स्विधा के लिए; और/शा
- (क) इसी किसी साम या किसी धम या जन्म जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित वृत्रारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लामें में स्विधा के सिए;

कतः जब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) के अधीम, निकाधिका व्यक्तिमां, अधीस :--- श्रीमती ही राबाई एम० शाह नझमा बिल्डिंग दूसरा मजला,
 श्रोबनेडन गायदेवी, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

- 1. श्रीमती हीरा बाई एम । शाह,
- मैंसर्स ए० वी ० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
 ए 14, निर्मल निवास 105 शनवारवट,
 पूना 30।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्भित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

अक्त तस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां**ई भी जाको**प :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रदेशि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसर्युचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में क्रिकड्थ किसी कन्य व्यवित युवारा अगेहस्ताक्षरों के पांच निकास में किए का सकर्य।

स्पन्धीकरण: — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में विका नया है:

अनुयुची

जैसो कि रिजिस्ट्रीकृत 37ईई/12541/84~85 जो मई 1985 को महायक आयकर प्रायुक्त निरीतण प्रार्जन नेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार, सञ्जय श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-10-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पना, दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1985

निडेण सं० 37-ईई/61/85-86शतः मुझे, श्रानिल कृमार बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह बिस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14, सी० टी० एस० नं० 1076 सैलीण कोश्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी पूना में स्थित है (स्रीए इपसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधारी के वार्यालय सहायक स्रायक शायकर शायक निवस, 190 8 (1908 का 16) के श्रीन तारीख जून, 1985

को पूर्वों कर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निमालिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-निक कप से कथित नहीं किया गया है:—

> (क) अन्तरण से हुई किसी आग की शावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वामित्थ में कमी करने या उत्तर अधने में दुविधा वो लिए; मौद/या

> > एसी । कसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिक्तं. की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, रिज्याने से गुविधा के लिए;

अतः अतः जनतं अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण तः, मं, जनतं अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डा० प्रकास ए५० माह्युएकर राह्यार, राक्षराम पुरी, कोल्हापुर।

् (भ्रन्तरकः)

् (2) श्री जियाजी हो० ठाकुर, 1225 मुक्त्यार पेट, पुना-2

(ग्रन्तरिती)

की ग्रह सुचना जारी करके प्रवीकत नश्यति के अर्थाण के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस व 45 दिन की अंबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्यारा;
- (क) इस प्यान के राष्प्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर क्वत स्थावर सम्पत्ति में दित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्णी के पार सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण -- - हरामें प्रयुक्त धव्यों और पर्यों का, जो उसर जिभीनियम, के बश्याय 20 के में परिभाषिक है, वहीं सर्थ होगा. जो उस सभ्याय में टिश एकर तैं।

सन्स्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई/61/85-86 जो जून, 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेजि, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार स**क्षम प्राधिकारी** सहाय^{क्ष} श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजीन रोज, पूना ।

दिनांबः: 31-10-1985

प्रकार क्षांत्री, क्षी, क्षित्र, क्षांत्र ,-------

बायकर निधीनसम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकाह

म्बर्गालय महायक कायकार वायुक्त (विरोधक)

श्रर्जन रेजि,पूना पूना, दिनां : 31 श्रक्तूबर, 1985 निर्देण सं० 37-ईत/3226/85-86-- श्रनः मुझे, श्रमिल हुजमार

आधिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जित्तकी सं० पत्नै नं० 103, पहाल संजला, श्रवला हाउस नं० 27311 सिंहम रोड, पर्वती, पूना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबाद अनुसुची में और पर्ण एप से बिणित है), रिजस्ट्रीयलि श्रिधिवारी के वार्पालय सहायक श्रायकर अधिनयम, निरीक्षण धर्जन रेज पूरा में सिंध्यूरियण अधिनयम, 1908 (1908 ा 16) के श्रीकीन, तारीक्ष श्रमस्त, 85

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विकास कारने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, असके व्यवसान प्रतिफल से, इसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्परितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्र निम्निचित्त उद्वेष्य से उचन अन्तरण निकित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी बाब की बाबत उक्त किंधि-नियम के अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कसी करने या उत्तत अपने में सर्विका की सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया स्या भा या किया जाना वाहिए जा छिणाने भें सुविधा के लिए;

बत: बाध, अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नोनिक्त पान्तमां, बर्धात् हिन्स

- (1) सैक्षर्व कौणिक एटरप्राइजेस 55/56, फी अपार्ट-मेंटस, गुल० बी० शस्त्री मर्ग, नव पेठ पूना-30 (अन्तरक)
- (2) श्री खंडेराव ग्रार० खंडे, 724/ड/2, निसेनहट सहकारी ग्रह स्पना नदीं पेठ, पूना-30 (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकोंगे।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यश हैं।

भग्त्ची

जैस कि रिजस्ट्रीइन सं० 37-ईई/3226/855-86 जो अगस्त की सहायक श्रायकर श्रायक्त निरोक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में विखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायः श्रायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोंज, पूना ।

दिनांक : 31-10-1985

मोहरः

प्रकृष बाह्^र.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारतः सरकार

क्रायांचन, सहायक अध्यकर नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनौक 1 नवम्बर, 1985

निवेश सं · 37-ईई/1965/85-86---- प्रतः मृक्षे, ध्रनिल

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रेशक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रेशक्त 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर संपंत्र जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

पीर जिसकी सं ए पी नं 503ए (2 घौर 3) सी एस नं 127 शिकाणी नगर, भाम्बूरडा, पूना में स्थित है (घौर इससे उपाबक प्रमुखी में घौर पूर्ण रूप से धीणत है), रिव्हिंशिस प्रिक्षिशारी के बार्यालय सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त निरीक्षण प्रार्थन रेंज, पूना रिव्हिंशिएण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1985 को पूर्विक्त संम्पोस के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान विकास के लिए अतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान विकास के लिए अतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एगेसे दरयमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकात में बास्ति है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितिया) के बीच एस बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- एक कि विकास से के किया गया है हिन्स के किया में बास्तियक एक के किया विवास से वास्तियक एक के किया में के किया गया है हिन्स

- (स्ट) अंतरण सं हुई किसी भाय की यावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पणेननार्थ कर्नारती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या क्या जाना चाहिए था, खिपाने में संविधा के लिए।

(1) श्री एष० के० चौहात रस्नागिरी।

(मन्तरक)

(2) मैंससँ जोशी कन्छट्रमशन्स 1319/2, सदाशिव-पेठ, पूना-30

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारा करके पृथीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्भना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सै 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तारीक से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्पित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्स्ची

जैसा कि रिजिस्ट्री हत के 37-ईई/1965/85-86 जो धगस्त, 85 को सहाय ह आयहर आयुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रीनल फुमार सक्षम प्राधिकारी सक्षायक ग्रायकर आवुषत (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज, पूना।

दिनांक: 1-11-1985

मोधुर :

मरूप आई. दी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रंजैन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 375ई/4017/85-86--- अतः मुझे, श्रानिल

कुमार

आयकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बिल्डिंग के साथ अमीन, हाले गां सर्वे नं 2ए हिस्सा नं 1सी, कार्ला गांव, रत्यागिरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप व से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता जिधकारी के कार्यालय, सहायक आयक्त जिरीक्षण अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) श्रिधीन, दिनों किसम्बर, 1985

को पर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्विदेश से उच्त अंतरण लिखित में शस्त्रविक रूप से छिथत नहीं किया नया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी बाय की बाबल, उबक अधि-नियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाब या किसी धन पा बन्य बास्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (15.2 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैटमं जी० धार० जासमली घौर घन्य 90, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई।

(भ्रन्तरः)

(2) मैं सर्वे रतना सी० फूड्ड करना, रतनागरी। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वळितिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्टी और पदों का, जो उसत अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीइत क० सं० 37ईई/4017/85/86 को सितम्बर 85 को छहायंत आयंतर ग्रायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> यनिल_ं कुमार न्यक्षम प्राधिशारी (सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रॉज,पुना

दिनांदा: 1-11-19**85**

मोश्वर

भ्रकम आर्थ हो, १४ , एवं , न्याना

बामकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम , सहायक जातकः श्रायाः (पिरीक्षण)

म्रजीन रॅज, पूना

पूना, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० '7-ईई/1972/85-86—मत। मुझे, मनिल कुमार
ब्रायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उनत मिश्रिनियम' कहा गया हैं), का का 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारन हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार
190,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी सं० 104/1/1 (पार्ट) एरंडवणा, पूना-4

बौर जिसकी सं० 104/1/1 (पार्ट) एरंडवणा, पूना-4
में स्थित है (और इससे उपावद्धं अनुसूची में और पूर्ण से
वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त अर्जन रेंज, पूना में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का), के प्रधीन, दिनांक अगस्त, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान शितकल के लिए अंतरित की गृह है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि अवाप्नोंकर सम्पत्ति के जिपकास करने का कारण है कि अवाप्नोंकर सम्पत्ति के जिपकास करने का कारण है कि अवाप्नोंकर सम्पत्ति के जिपकास करने का कारण है कि अवाप्नोंकर सम्पत्ति के जिपकास करने का कारण है कि अवाप्नोंकर सम्पत्ति के जिपकास करने का कारण है कि अवाप्नोंकर सम्पत्ति के जिपकास करने प्रतिकास के बिच एसे अस्तरण के जिए जय पाय एस प्रतिकास निम्मलिखित उद्वेष्ट्य से उत्यत्त अन्तरण निश्वित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावता, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के क्षेत्रिस्व को कमी करने या उसके वसने में ेज्ञीवया से विस्कृतकीर/मां
- (क) एसी किसी वाय या किसी भन या अन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम का भक्ककर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता. चाहिए था, किया सुविधा के लिए;

बनः अबः जन्म विधिनियम की भाग 269-ग को जनसङ्ख्या भी, भी, छत्रस विभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) भी वधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेंसर्स देवधर अन्त्र जोशी प्रमोटर्स अन्ड बिलडर्स 1298 सदाशीव प० पूना 30

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रीकान्त रामचन्द्र मोछे 4/71, गोदावरी कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, डी॰ एन॰ नगर, अंधेरी (प॰), बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आही कारके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन की सिल कार्यवाहियां कारता हुते ।

खनत सम्मति के नर्पन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षांप :----

- (क) इस स्थना के रावपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की सपिथ या तत्त्वान्त्रन्थी व्यक्तियों पर स्थना की तामीस से 30 दिन की बनिधा, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित द्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विविक्त में किए वा सकेंने।

स्वस्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त द्वार्य और पदा का, जा उत्वर वीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वारेगा, जो उस अध्याय भे दिवा गया है।

अनुसची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37-ईई/1972/85-86 जो समस्त, 85 को सहायक प्रायकर प्रायुवत निरीक्षण प्रजंन रेंज, पूना के दक्तर में जिखा गया गया है।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी **सहायक भाय**कर भ्रायुवत (निरीक्षण) **भ्रजन रेंज,** पूना

दिलोकं। 6-11-1985 मोहर:

स्वय बाद², ठी एवं. एवं.-----

गायक अधितियम, 1961 (1961 का 43) की गाउँ 269-प (1) के मधीन सूचना

माहत संस्कृत

कार्याख्य, चहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मवस्थर 1985

निदेश सं॰ 37-ईई/13480/84-85---- मतः मुझे, मनिल क्रमार,

वायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथम (जिक्स अधिनियम कहा गया है), की धार 269- के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने के कारण है कि स्थावर सम्भित, जिसका उचित बाजार सुकर 1.00,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 157 हाउस नंव 4/1, 4/2, और 4/3 बोलिंगे गांव, ताव बसई जिंव थाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मार्च, 85 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्थित वाजार मूल्य संकम के दश्यमान को लिए अन्तरित की गहुँ त्रतिकल करने का यह विष्वास कारण 🧲 कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके **एक्यमान प्रति**फल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रिर्तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सथने में सुविधा के बिष्; क्यांडर्म)
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए वा कियाने में सुविधा नो सिएए;

कर: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भू अधीर निम्निजित स्पिक्टमों, अर्थात् :—

- (1) परांजपे बिल्डर्स प्रा० लि० 34 एम**० थी०** रोड, विसे पार्से (पूर्व) बम्बई।
 - (मन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी भूपेंद्रा पितके और अन्य थी-ए/2 सिबीया कालोनी सर एम० बी० रोड, अंघेरी (पू०), अन्यई।

(बलखि)

को यह सूचन। नारी कारकं पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के विश्वह कार्यवाहियां करता हों।

बन्ध बन्धीरा के वर्तन के बन्दम्भ में कोई भी नानीय १--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा धै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारी वा से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त अविदयों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलवद्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास अथोहस्ताकरी के वास सिचित में किए जा सकीं

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त कन्दों और पदों का, को श्वव्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हूँ, वहीं वर्ध होया को उस कथ्याय में विकास स्वाह हैं।

धनुसूची

जैसा कि एजिस्ट्रीकृत कि सं० 37-ईई/13480/84-85 जो मार्च, 85 को सहायक भायकर प्रायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज, पूना के स्पत्तर में जिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंब- पूना

दिनांकः। 6-11-1988 मोहरः। प्रस्प बार्ड . टी . एन . एस_{्य} -------

बाबफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन मुखना

BISS STATE

कार्यासयः,, सहायक बायकर वायुक्त (निर्दाक्षण) मर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निवेश सं॰ 37-ईई/3630/85-86---मतः सुसे, प्रनिस कुमार

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सकत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-व की वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बौर जिति है। सं० पत्नैट नं० 18, दूसरा मंजला बिल्डिंग नं० ए०-3, एफ० पी० नं० 14, एरंडवणा, पूना में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिः ट्रीहर्ता प्रजिक्तरी के कार्यालय, सङ्ख्यक प्रायक्तर प्रायुक्त प्रजैन रेंज, पूना में रिजिःट्रीहरण अजिन्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक प्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाबार मूल्य से कम को द्रश्यमान इतिकास को सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्याश करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार कृष्य, असको द्रश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में बास्त+

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण बी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) जी बधीन, निम्निसिंबत व्यक्तियों, सर्थात्:— (1) गणेश द्रस्ट, 2 शाह कालोनी, साने गुरूजी रोड पूना-30।

(मन्तरक)

(2) श्री एस॰ एस॰ मेहता और घन्य एम॰ सी॰ एम॰ एक्स-रे क्लीनिक, बम्बई, पूना रोड, पूना। (धन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हुं ।

हरत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् 🖫 ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा सै 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीच से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त की धीनयम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं वर्ध हातेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन् सुची

जैसा कि रजिःद्रीक्षत %०-37-ईई/3630/85-86 जो धगस्त, 85 को सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण ॄँ प्रजैन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> मनिल कुमार संसम प्राधिकारी सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पून

दिनांक: 6-11-1988

घोडन ः

बस्य बार्ड ही एवं एस .-----

सायकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्पता

सारत व्यक्ता

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37-ईई/4405/85-86 श्रतः मृत्रो, श्रनिल कुमारं,

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भवजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 आ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पर्धि, जिसका उभित्र बाजार मृन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

सौर जिल्ली सं० पलैट नं० 8, ग्रम्बरनाथ इंडस्ट्रियल स्टेट करसई गांव, जि० थाना में स्थित हैं (और इसते उपादक धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीयती इ.धि-कारी के कार्यालय सहायक भायवार आयुवत निरीक्षण क्रजेन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीयारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जिनक सितम्बर, 85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बन्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्बह श्रीतकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-गरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया इतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अंतरण लिखित में अस्तिक रूप के कथित महीं किया यथा है दे—-

- हैंक) नंतरच से हुई किसी बाद की बाबत्, सक्त विधिनियम के जभीत कर दोने के बंतरक के दामित्य में कमी करने या उससे स्थने में सुविधा से तिए; सीट√या
- (क) होती किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर निर्मान में, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मान या श्रा-कर निर्मान में प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निह;

बतः वव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डैबलपमैंट कार्पोरेशन, खोरि-येंट झाउस, मंगलोर रट्रीट, बेस्लाई स्टेट, बम्बई (ग्रन्तरक)
- (2) ओलेफान आर्गेनियस 14/3, महाचीर काटेज, 125, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पू०) बम्बई (अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति को क्षर्जन को संबंध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन की अविध या तत्सन्बन्धी व्यक्तित्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वनसूची

जीता हि रिजिश्रीमृत क-37-ईई/4408/85-86 जो सित्तवर, 85 को सहायम आयण्य आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज्ञ, पूर्वा के व्यवद में जिजा गया है।

> भ्रतिल कुमार सभाग प्राधिकारी सद्भायक भ्रायकर भ्रापुरत (निरीभग) भर्जन रेंज, पूना

दिनांगः 8-11-1985

माहर 🕆

प्रकृषं नाइ िटा एन एस , ----

्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269 प्र (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 नवन्बर 1985

निवेश सं० 37-ईई/4178/85-86---- प्रतः मुझे, प्रतिल कुमार कुमार कायकर क्रिश्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्लाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिल्ल संग्रहिट नंग 3, मूमितल संहित्यल स्टेट नंग 3, प्लाट नंग 31 एप्ड 37, सर्वे नंग 30, 431 औ 35 नवहर गांव, तान वसई, जिल्ल थाना में रियत हैं (और इससे उपावट अन्सूची में और पूर्ण रूप से विषक्त हैं), रिट्टू-कर्ता श्रीध्यारी के कार्यालय सहायक श्रीयपर आयुक्त विर्ध क्ष अर्जन रिंज, पूना में रिजिस्ट्रीयरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीत, दिनांग सितग्बर, 85

को पुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एने दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण सिचित व वे सस्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिम्मिनाम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, ख्यिनों में सुविधा असिएं।

कत: अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनसरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) विश्वधीन, निम्निसिश्चत अधिनत्यों. वर्धात :— (1) स्वस्तिको स्वर्धिपर्मेटस 12 दुमावा सेन, बी० पी पीड, बस्बर्ध।

(भ्राप्तरक)

(2) ए० जे० एन्टर प्राईजेज, तीसरा मंजला, ब्लाक-15, मंडपेयवर रोड, बोरीवली (पू०), बम्बई।

की यह स्वमा जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवाँ का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया पशा है।

पनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ-37-ईई/4178/85-86 जो सितम्बर, 85 को सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण प्रजैन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> यनिल कुमार समम प्राधिक शी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-, पून-

विनोक: 6-11-1985

भोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 मवस्थर 1985

निर्देश सं० 37 ६० ६०/12141/84-85--- यतः मुझे, सनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-111, सर्वे नं० 26/1+2+3+4, मीजे कोयरून्ड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रमुद्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधियारी के कार्यालय सहायक प्रायक्त प्रायुक्त निर्देशण प्रज्ञान रेंज में रजिस्ट्रीयरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांग प्रप्रंत 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार महग, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में कास्तिक स्थ से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, बक्त नियम को अभीन कर वोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए? बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः वतः, उक्त सिधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण के, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नोस्थित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) श्री निर्मला महावेष खोशी गुक्क्या, संगय नगर, पुना-37।

(ग्रसरक)

(2) मेसर्स शिल्पा बिल्डर्स, 1488, सदाशिवपेठ पूना-- 30। (मन्दरिती)

कीं यह सूचना जारी करते पर्योक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्त

- (क) इस स्थाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाध्य होता हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के शास सिमित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--- एसमें प्रयुक्त घटनों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधें होगा जो उस अध्याय में विका गमा है।

प्रनुपूर्वी

जैसा कि रजिन्द्रीकृत क०-37 ई० ई०/12141/84-85 जो अभैज 85 को सक्ष्मिक आयक्त भाष्युक्त निरीक्षण, प्रजैन रैंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> धनिस कुमार संजम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅज, पूना

विनोक: 1--11--1985

प्रकथ नाइं टी. एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263 व (1) के बचीन मचना

नारत सरकार कार्यांत्रय, तहायक जायर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 अवतूबर 1985

निर्देश सं० 37 ई० ई०/12223/84-85---यतः, मुझे म्रानिल कुमार

जायकर निध्ियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उवत निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं० ग्रपार्टमेंट नं० 5, प्लाट नं० 8 और 9, सर्वे नं० 128/6-7 औं छ पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह बिश्वास करने का कारण है कि यथप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तबिक इप में किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स वी॰ संगवी एनोसिएटस 318/19, चतुरश्रंगी रोड, पूना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ बी॰ पटवर्धन, परब हौस शितोके नगर, सांगवी पूना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोबत संपतित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्मध्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 ई० ई०/12223/84-85 जो मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ्त्रानिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनाक: 1-11-1985

श्रस्य शाह्र दे । एत . एस , जननननवजनन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत राजधार

व्ययंत्रम, सहायक भागकर माय्वत (विट्रीक्षण)

भ्रज़न रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 भ्रवतूशर 1985

निर्देश सं० 37 ई० ई०/12303/84-85---यतः मुझे, ग्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्रशिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 604/1, 605-608, प्लाट नं० 74 मंजेरी में लुल्लानगर कोंडवा खर्द (क्षेत्रफल 700 चौ० फुट) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के दृश्यमान हतिकल के लिए बन्तरित की गई है माँर कि यह विश्वाव करने का कारण ही कि यथाए सेंग्री सम्पति ना ही जिल्ला का मून्य, उसके र स्थान पित्कल से एके उस्प्रमान प्रक्रियन का बन्द्र प्रशासत में बिक्क ही बाँर कियक (शंतरकों) और बंतरियों (बंतरिक्किं) के बीच एसे बंतर १ भी लिए तर गाया गया प्रति-क्स निम्नलिबित उद्दोश्य से उक्षा अस्तरण निम्नित में शास्तिक क्या से किश्न नहीं किया गया ही हु--

- (क) अन्तरण ने तृद िक्ष्टी गार की अध्यक्त, उथक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
 जिर/॥

बतः वस उक्त अधिनियम की धारा 266-ग के अन्यक्ष्म मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्री चंद्रकात वल्लभाई पटेल, 98, महात्मा गांधी स् रोड, पुना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप ठाकुर, 304, सावन भवन, नारागम क्रास रोड, ददर बम्बई।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहिया शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनस्थी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ०-37 ई० ई०/12303/84-85 जो मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक। 30-10-1985

प्रक्रम् । नाइ 🚉 टों . पुन , पुन 🚊 🖦 🗝

अल्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धास्त्र ?6५०% (1) के सभीन सुमना

मारत सरकाड

कार्यालय , सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37 ई० ई०/1285/85-86—यत: मुझे श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- अं अधीन संभभ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि एक्ष्यर संस्थित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, दूसरा मंजला मिल्प याता प्रपार्टमेंट्स सी० टी० एस० नं० 1/13 एरन्डवना पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन में, रजिल्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिस्त से अधिक है और जन्तरक (जन्तरक) श्रीर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया व्या प्रतिफल निम्निसित्त उद्देश्य से उसते अंतरण मिन्बित मूं आस्त्विक रूप से कथिश नहीं किया गया है ----

- (क) शंतरण सं हुई किसी गाय की वाबत, उक्त गोधानयम के बधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे क्याने में सृत्धिम में लिए: शौर/मा
- (क्षा) एता किसी बाय या किसी भए या अन्य बास्तियाँ कर्ता, जिन्ही भारतीय बाय-कर सिंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था वा किया अना वाहिए था, किया में सुविका के किए।

अतः जन उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जनसरण में. में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री विभाकर डी० कोतावेल, 45, महावीर विल्डिंग, अंडारकर रोड, मटुंगा, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बेंकटरामन एस० श्रय्यर, फ्लैंट न० 5, पहला मंजला, सेतू सी० एच० एस० दत्तात्रेय रोड, शांताऋूस (प०) बम्बई।

(भ्रन्तिरती)

कने वह सूचना अगरी करके पूर्वोक्स सम्मित्स के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :----

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.6 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरिकारिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा

अनुसूक्षी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत फ०-37 ई० ई०/1285/85-86 जो जुलाई 1985 को सहायक श्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण भर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 6-11-1985

प्रकृष काई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज, पून।

पूना, दिनां १ 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37 ई० ई०/4585/85-86-अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उजत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के गधीन समान प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्ध, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 88, सी० टी० एय० नं० 755/86 कोथरूड पूना नथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण एप में विधित है), रिजरट्रीकित ग्रीध-कारी के जाविता बहार जान प्राप्तुकत निरीक्षण श्राणंत है, रिजरट्रीकरण प्राधितितम, 1908 (1908 वर्ग 16), के श्रीत दिनों के जिसकी के जाविता में 1985 ।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति की जिल्ला याजार खुर्य से काम के दंश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि अधाव्योध्या सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रार्थका अधिकाल से एसे द्रशानान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण की लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिजित उद्देश से उत्तर अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिरियम को धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) डा॰ प्रजाद वामुदेव कौली 307, बीर पावरकर मा व कोली अपार्टमेंटस ,दूसरा मंजला, दादर बम्बई । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स बुट्टे पाटील जनसङ्क्शन कंपनी, 1270, दक्कन जिमखाना पूना-4

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त अव्यों और पृत्तों का,, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूचो

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ०-37 ई० ई०/4585/85-86 जो सितम्बर 1985 को महायक श्रायक्त श्रायुक्त निरीक्ष ण श्रजन रेंच पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> धनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिलांक: 6-11-1985

प्रस्प बाई दी एन एस -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

श्वांतव, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37 ई० ई०/12159/84-85-ग्रन: मुझे,

म्रनिल कुमार

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं प्लाट नं 52, सर्वे नं 25 कोथरूड पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिजारी के कार्यालय सहायज्ञ स्रायकर स्रायकत निरीक्षण स्रजन रेंज में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक मई 1985।

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरम से हुई किसी बात की बाबत, उसत अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने वा उससे बड़ने में सुविधा के लिए; बार्टि/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वंश उक्त विधिनियम की भाष 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भाष 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, नर्णाक्ः—— (1) श्री तरेन्द्र ए० पेटकर, महादेव नगर लोणवला जि॰ पूना ।

(प्रन्तरक)

(2) निरंजना ए० गायकवाड़ जूह बीचस्कीम रोड़ नं० 10, बम्बई।

(भ्रन्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बोत्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वसिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा
- (क) इस बुक्का के राज्यत में प्रकाशक की तारीब से
 46 किए के भीवर उच्छ स्थावर सम्मतित में हिटक्स्थ
 दिन्हीं क्ष्म क्षित्र वृतारा नभोहरताकरी के काल
 दिन्हीं क्ष्म के किए वा सकोंगे

स्वयोकरणः--इसमें प्रयुक्तः सम्बारं जीर एथां का, जी उपेत सीधीनसम के संध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं सर्थ होगा को इस अध्याय में दिसर गया है।

मन् सूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37 ई० ई०/12159/84-85 जो मई 1985 को अहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 5-11-1985

मोहरः

शुक्त बार' जी एक पुर

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-७ (१) के अभीन सुण्या

वास्त सरकार

कार्यावय, सहायक वायकर शासूचल (भिर्यकारः)। अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37 ई० ई०/7119/85-86-अतः मुझे' भ्रमिल कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्रथा हैं), अरे धारा 269-स को अधीन सक्षम प्रधिकारी को उन्ने विकास करों का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित अधीर मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की संव बंगला नंव 53/54, प्लाट नंव 53/54 वालिय गांव, तहुं बसई जिव थान है तथा वर्ण्ड थाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से जीगत हैं), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सार्यालय सहायक आयुक्त निरीक्षण अर्जन रैंज में रियस्ट्रीकरण अविकिस्स, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, दिनां सवस्त्रर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दावसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत जानार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे अवसान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और जवरक (विश्वा) के बंदि रही (अन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तरण के लिए तम सभा गया प्रतिफल, निम्निचिसित उद्देश्य से उच्च अन्तरण जिलिक के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (ध) बन्तरण से हुई किसी बाय की बानत, उन्त मिन-नियम के बनीन कर सेने के बन्तरफ हैं दाविस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ब) ऐसी किसी नाथ या किसी बन या अन्य नारित्यां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार अकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिन्हों से स्विधा के रिवर;

नतः, जब, उक्त अधिनियम की घरा 269 व की लग्यास (1) के अधिन, निम्निसिबत व्यक्तियों, अधीर धन्त्र

(1) मेसर्सदेढीया एंड एसोसिएटस किती विजय, वसेवरी बाजा बस्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्ज बुड़ विश्व पी० एंड टां० कंपनी जिं०, पोस्ट बाक्स नं० 17021 दादर, बस्बई ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपात्त के व्यान के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राज्यक में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील ए 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निकात में किए जा सकोंगें।

स्पन्तिकरण : इसने प्रमुक्त प्रत्यों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिका मगा है।

अनुसूची

जैसा कि एजिस्ट्रोइत क०-37 ई० ई०/7119/85-86 जो तक्ष्यर 1985 को चुहार अस्तर बाहुक्त निरीक्षण अर्जन रेंब पूना के दफ्तर ह जिखा गया है।

> त्रिनल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

•दिनांद : 4-11-1985

प्रस्त्य आधु है, हैं। सुन , एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के धारीन स्पन्त

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक थायकर गायकर (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37 ई० ई०/6730/85-86-अतः मुझे, भ्रुनिल कुमार,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिलकी सं० दुकान नं० 2, 2, 4श्रौर 5, सी० टी० सर्वे नं० 13, टी० नं० 16, डा० मुसे रोड़, थाना तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इसरी उपावड़ धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्री एकी प्रधियारी के ायित्य सहाया शामकर श्राय मत निरीक्षण श्रार्थन रेंच में रिनस्ट्री एण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सिलम्बर 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान आत्रकाल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण स नुद्र किसी आय की बाबता, उक्त प्राथिनियम के अधीन कर टीर के अन्तरक के बाधित्य में अभी करने क उससे बजने में स्थिमा के लिए; बाडि/बा
- (का) एसा किसी आय या किसी धन जन्न जास्तिय श्री जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कृष्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था िछपाने में भृतिभाष के सिए;

अतः अव, उन्हें जोभिनियम का धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त जोधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्नालियत व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) भिसर्व प्रदेश्यो एंट पाइजेल, यशीधन, डा० अम्बेखकर वीट, थाने रेलवे स्टेशन के पास, थाना। (अन्सरक)
 - (2) ो ंगमाण पीर्धगढे ग्रीर ग्रन्य फ्लैंट नंश 7/8 दीया बिस्डिंग, डार्श्युसे रोड़ लालबाग, थाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिक अरता हों।

जनत सम्पन्ति । वे अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में अकाशन की तारी से 45 दिन की अभित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा
- (ब) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अथे व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास भिनिता भी किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बर्ज्यों और पदौं का, थो उक्त सिथीनयम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया क्या है:

जनसङ्गी

जैसाकि रिजिस्ट्रीकृत क०-37 ई०ई०/6730/85-86 जो सिलम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर से निखा गया है।

> अतित कुमार सजन प्राधिकारी सहाय हे अध्यक्तर आधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंच, पूना

दनांस: 4-11-1985

माहर :

श्रहप नाहं टी एन एस .

शामकार विभिन्नियस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यावयः यहत्यकः वायकः र यक्तः (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांकः 1 नवस्वर 1985

निदेश सं० 37-ईई०/1552/84-85--म्रतः मुझे, म्रानिल

कुमार,

शावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवसे इसके परकात् 'उन्तर स्थितिसम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका लियत बाबार मृस्य 1.00 000/- रा.से अधिक हैं

और जिसकी सं० पजैट नं० ए-6, पहला मंजिला, 22 बन्ड गर्महेंन रोह, पूना (क्षेत्रफल 2220 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (क्षीर इससे जपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से बीणत है), रजिल्ट्री इर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज में, रजिल्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1985

को प्रविक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सकते दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (कुन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उन्तर कन्तरण विश्वास की स्वास्तिक क्ष्य में कथित नहीं किया प्रवास है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत जनक अधिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक को बाधित्य में कभी जरने वा उत्तसं वचने में सृतिका की स्मिए। और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्द मास्तीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-गार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया बाना धा किया बाना घाहिए धा छिपाक में स्विधः के स्थि

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मै० दूनगर्शी मशोन्स एन्ड कन्स्ट्रनशन्स प्रा० लि०,
 22, बन्ड गार्डन रोड, पूना।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो एम० ए० तेजानी और ग्रन्य, लाल देवल सोसायटी, सायनागाग, स्ट्रीट, पूना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्ववाहिया करू करता हुं।

उक्द सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस श्रें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षत्री के शक् विस्ता में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई०/1552/85-86 जो ग्रगस्त 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 1-11-1985

मोहर।

प्रकार बाह्ये , दर्व , एवं , एवं , -----

कायकात्र भौगीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

HITH BEING

कार्यात्रय, सङ्गरण नायकर नायुक्त (विरक्षिण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोक 30 पनतूबर 1986

निवेश सं• 37-६६०/12427/84-85-- घर : मुझे, धनिल कुमार,

नायकार निधित्तमम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसमें इसमें इसमें प्रशाद (जनत निभिन्नमा कहा प्रवा है), की धारा 269-न के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करमें का सारक है कि स्थानर सम्मत्ति, विश्वमा स्थानर मुख्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, प्लाट नं० 1182/1/1 (एफ० पी० नं० 556/7) शिवाजी नगर, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांगत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्याजय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज में रिजरट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, सारीख मई 1985

को प्रोंक्त सम्मत्ति को उपित बाबार मृत्य से कम को दश्यमान श्रितकत को लिए बन्तरित को गई है जीर मुक्ते यह विश्वास सरने का सारमांद्री तियपाप्योंक सम्मति का अधिवृद्धामान प्रतिकत से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकत का पण्डाह्रीमित व सम्मति है बोब अभ्यवन (अभ्यवनों) बोब अभ्यवित के सिक्त की पण्डाह्रीमित के सीच ऐक अभ्यवन (अभ्यवनों) बोब अभ्यवित के सिक्त कि सिक्त की सिक्त

- (क) अन्तरण ते हुई कियी माम की गायदा, उनक मधिवियम के अधीन कर दोने में मन्तराक में दायितम में कमीं कड़ने या उक्से ममने में स्विभा के लिए; मीड/मा
- (ख) एंसी किसी नाय या किसी जन या नच्य बास्सिबों की, जिन्ही भारतीय बायकर बिधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती व्यास जकर नहीं किया पना वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सरिवा के लिए; और/वा

- धी, गोपाल शक्षमण गोखले और भन्य, गीता बाग, सर्वे नं० 1 औष्ठ रोड़, चिनवड, पूना। (भन्तरक)
- 2. कुमारी गंजन रमेश शाह, 1182/1/1, शिवाजी भगर, पूना।

(भन्तरिती)

को यह स्वान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुक्र करता हो।

बचरा सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध वें कोई भी बाखेंच :---

- (क) इस स्वान के राब्पण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के प्रावपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थामर सम्पत्ति में हिस-बस्थ किसी भन्म व्यक्ति दुवारा, अधोइस्तप्नारी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

भ्या है। वहां स्थान क्षा की स्थान की स

वम्स्वी

पैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई॰/12427/84-85 जो पर्दै 1985 को सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के सप्तर में लिखा गया है।

> घनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

बारीक: 30-10-1985

नोहर :

प्रक्रम बाद" टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा धाड़ 269-थ (1) के बधीन सुचना

BILL STARS

कार्यासय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 प्रवत्बर 1985

निदेश सं॰ 37-ईई/12429/84-85--- प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

बायकर विश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रवाद 'उक्त विश्वनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उच्चित गांवर मुख्य 1,00,000/-रा से विश्वक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 131, सर्वे नं० 1031, 104/1, और 2, 106/1, 2, 107/1 और 2, 108 फिरी वाधिर फिरी चिंचवड, म्यूनिसिपल कार्पोरेशन है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उभित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितकों) के बीच एंडे सन्दरण के लिए स्थ पाशा स्था प्रक्रिका, विश्वविद्या उद्धारम से उसस अन्तरण किश्वद में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है

- कि वज्यान ने हुई किसी बाय की बानता, उनता वहिंदा के बहुएक के सामिता के किसी कहने वा उन्ने में बन्हरक के सामिता के लिए; बॉर/मा
- (क) होती किसी बाब वा किसी वन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भाउतीय नाव-सह विधिवयम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ विधिवयम, वा धवकार अधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया बदा था वा किया जाना चाहिये था, कियाने में अविधा के किए;

वतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरफ कें, कें, उक्त विभिन्नम की भारा 269-म की उपभास (1) में क्षीन, निम्मित्रिक व्यक्तियों वर्षात् है—

- मैसर्स स्नेह लेट बहरर,
 के/अाफ श्री सुरेश गोपाल कुन्त
 श्रर्रविद स्मृति एरंडवना कर्वे रोड, पूना-4।
 (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स ग्रजता, बिल्डर्स प्रमोटर्स, 47/8, एरंडवना कर्वे रोड़, पूना-4। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पृत्रों कर सम्मृतित से वर्षन के निष् कार्यनाहियां करता हुं (1)

इक्द सम्पृतिक के मर्बन के सम्बन्ध में कोई' भी बार्क्षप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ले 45 दिन की स्वरिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तामील से 30 दिन की बदिश, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराएं
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताकरी के शत तिकित में किए या सकेंबे।

स्वक्रीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उसल अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका स्या हैं है

यनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई०/12429/84-85 जो मई 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी इहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना ।

ारीका: 29-10-1985

मोहर ।

बस्य बार्ड ्र टी., एक_ं एसं_त-----

नायकर जिम्मियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

प्राप्त संस्काह

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निर्दाशक)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 धन्तूबर 1985

निदेश सं० 37-ईई०/12355/84-85--- प्रत: मुझे, धनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप नं० 10, जाज हाउस, 5 एम० जी रोड़, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मूफों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरम ते सुद्दं किसी आय की नान्त, छक्त विध-जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वारियन में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए या, जिपान में सुविधा को सिए;

ककः सद, उन्त विधिनयम की भारा 269-म के अनुकरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निवनस्थिक व्यक्तयों, अर्थात् हरू 1. श्री एल० मार० भोजवानी और म्रन्य, 12, बन्डर-लैण्ड ,7 एम० जी० रोड़, पूना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रांमती फातीमाधाई कुरबान हुसेन और अन्य प्लाट नं : 108, शाहजानंद काम्पलेक्स जन्: थिमिरा रोड प्ना।

(अन्तरिती)

को वह श्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्वन के लिए कार्यवाहियां करसा हुई ते:

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सुमान के प्राजपन में प्रकाशन की तार्शिक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हाड़ीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबस्य किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधेर्साकारी के पास निकार में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पत्रा हैं।

नगुजुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/12355/84-85 जो मई 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, रेंज, पूना के बफ़्तर में लिखा गया है।

> मनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कुना।

तारीख। 30-10-19865

मोद्दर:

प्रकष वाहै, ही . एव . एस . -----

बाव्यार निध्नियम, 1961 (1961 का 43) ध्वी चाड़ा 269-व (1) के क्षीन बुचना

पाइत संद्रकार

कार्याचय, सहायक बायकर बायुक्त '(निरीक्षण)' मंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 ध्रमतुबर 1985

निर्वेश सं• 37 ई ई०/2410/85-86-भन: मुझे, भनिल कूमार,

शायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतये इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करणे का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उक्ति बाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 3 3ए/1, 3 3की, 3 2ए०, 3 3सी, 3 4ए/2+1 पवर्तती पूना है तथा जो पूना में स्थित है (मीर इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में भीर पूर्ण कप से धींजत है), रिजस्ट्रीकिती भीधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भीधीन, दिनीक सितम्बर 1985

को प्रवेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्परित का उचित्त बाजार बूक्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रिफल निम्नुसिवित उब्देश्य से सक्त ब्रुक्टरण विश्वित में स्थाविक स्पूर्ध स्थित नहीं किया ग्या है

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत , उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व के कमी करने या उससे कचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी वन या कृष्य बास्तिन्। कर्ते, ज़िल्हें भारतीय जावकर लीप्तियकः 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्निकः या वय-कृष्ठ स्थितिकः, 1957 (1957 का 27) के प्रसंद्रमार्थ अस्तिरिती स्वारं प्रसंद्र नहीं किया ववा वा विका जाना जाहिए था, किया में स्थिकः व शिक्षा

सतः सन उसत सीधनियमं की धारा 269-ग के सन्सदस् में, सी., उसत सीधनियमं की धारा 269-म की रापधारा (1) में संधीतः विस्तितियमं स्थितियों, स्थिति से— (1) भी प्राणलाल श्वेरचंद दोशी और अन्य 100 रहियार-पेठ, पूना।

(भ्रन्तरक)

 (2) मैससँ, यूनिटी बिडक्सँ भागीदार 1 इसाख शेख गक्रुर
 2. रामचंद्र एम • मेमानै 408/β, गुलटेककी रोड़ पूना--27 ।-

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूनों कर संपत्ति के कर्चन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उन्त बन्परित के बर्बन के सन्तन्त है कोई भी बाजर ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंने ।

स्वयः किरमः -- इसमें प्रमुक्त कर्मा और पदों का, वो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में विवा गया है।

बबुसुवी

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क॰-37 र दैं०/2419/85-86 को ((स्तिम्बर) 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण सर्जन रेंज, पूना के दश्शर में लिखा गया है।

> धीनल कुमार स्वाम प्राधिकारी स्वायक घायकर भायुमत (निरीक्षण) धर्जन देंज, पूना ।

बिनोंक: 30-10-1955

मोहरः

प्रकृष वाद्रौ.टी.एन.एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के मधीश सूचना

मार्क संस्कार

कायविय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनौक 21 शक्तुबर 1985

निवेश सं॰ 37 ई ई०/1141/85—86--चतः मुझे. सनिस कूमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिस्की सं० सी टी० सर्वे नं० 94, एरंडवणा, धाखिरी लाट नं० 38 सब प्लाट नं० 15 (क्षेत्रफल 12937 ची० फूट) है तथा को पूना में स्थित है (घीर इससे उपावद अनुची में घीर पूर्ण कप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सद्याक आयक्षर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनोक मुलाई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षान , निम्नेनिश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिवार में बास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दास्तिय में कभी करने या उससे अवने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना जाहिए था, स्थित में सविधा के सिए:

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-च की उपधारार (1) के अधीन,, निम्नीसचित व्यक्तियों, वर्थात् ६—- (1) श्रीमती शांता श्रीहरी पश्सोकर सुनीता श्राशा की— श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, चेम्बुर सम्बर्ध। (श्रन्तरक)

(2) मेसर्स डी० एस० कुलकर्णी एंड कंपनी, 8/2, सद। गिय पेठ, रवि विल्डींग, घटका टाकी ख, पूना । (घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

चक्क सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकींगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और धरों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-६५ में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ਬਰਸ਼ਵੀਂ

जैसा कि रिजस्ट्रीइस क०-37 ई ई०/1141/85-86 को जुलाई 1985 को सहायक बायकर बायुक्त निरीक्षण धर्मन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> र्मानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सक्षायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना।

बिर्माक: 21-10-1985

म**रूप भार्य** ने दी । एन न एस_{्र} नामहानामक

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के नभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोक 29 अक्तूबर 1985

ि निर्वेश सं० 37 ई० ई०/12718/84-85-असः मुझे, अनिल कुमार

भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिसकी संब्प्लाट नंव 127, मोनिका अपार्टमेंटस नंव 5 पिपरी वालोनी, पूना—17 है तथा जो पूना में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसुकी में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जायलिय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1985

हो पूर्वेशित सम्मित्त के उश्वत बाजार मृत्य से कम के इश्यकान प्रतिफल को लिए अतरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्मित्त का उश्वित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निधित में भासतिक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किती आव की बावत, बक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे शवने में सुविशः के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य मास्थियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उत्तर अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ मन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के निए:

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के बनुतरण को, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उक्कारा (1) के बचीन, शिक्रमिविक व्यक्तियों। वर्षात् क्र--- (1) मेवर्स मोनिका कन्स्ट्रकशन्स 295 एम० जी० रोड पिपरी, पूना ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री रनपाल दिलीपचंद कपाह हाऊस न० 384, सुभाष नगर, पिपरी, पूना-17।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त चम्मीत के बर्जन के शिवए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप रू---

- (क) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औं अविध लद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा स्केंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और वयां का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा, को उस अध्याय में विशेष क्या ही।

प्रमुसुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क०-37 ई० ई०/12718/84-85 जो मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज पूना के वण्तर में लिखा गया है।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

विनाष: 29-10-1985

्रसम्य बार्चः, हीः, एर_ः प्रस_{ारणवास्था}

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से सभीन स्वना

बार्क सहस्रह

कारोज्य, बहायक मायकार मायुक्त (विरोक्ति)

ध्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनोक 31 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० 37 जी०/93/85-86-श्रत: मुझे, श्रृनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'सकत निधीनयम' कहा एवा ही, की धारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00000/- रा. से निधक है

मौर, जिस्की सं० सर्वे नं० 377-की (II) प्लाट नं० 10, आगासे रोड़ विराट (विलेज) असई है तथा जो बसई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसुधी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीशक्त अधिकारी के कार्याक्ष्य सब-रिजस्ट्रीर यह में, रिजस्ट्रीशरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरन से हुई किसी आय की वावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौरू/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं **बरुष वयः, उक्तः अधिनियम**ंकी <mark>धारा 269-ग कै बनुसरण</mark> में, ज़ैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एम० जी० मेहता, पटेन शापिंग सेंटर जिल्डिंग, ए० बलाक नं० 306, चंदाधरकर रोड़, बोरीवली (इन्ल्यू) बम्बई।

(ऋन्तरह)

(2) तुलसी सी॰ एच॰ एस॰ लि॰ राजा छन्नपती शिवाजी मार्ग, विराट. (पूर्व), थाना ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्राचित संपत्ति के नर्जन से सिष् कार्यवाष्ट्रियां कारता हो।

बक्त कुम्परित के प्रकृत के सम्बन्ध में कोई जी बाक्षेपी:--

- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीय है 45 दिन की सर्वाध या तत्स्यन्थी स्पृतित्यों पर सुवना की तामील से 30 दिन की वर्वाध, या भी सर्वाध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्पृतिकारों में से किसी स्पृतिक हुवाराह.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मृत्सि में हितबबूध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा स्भाहस्ताक्षरी से पास सिंशिक में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

जैशा कि रिजस्ट्रीइस क०-37 जी/93/85-86 जो जुलाई 1985 को सब रिजस्ट्रार बसई के प्राफित में लिखा गया है।

> मनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 31-10-1985

मोहरः

ज्ञण्यं जार्यं ,दी , ध्रम् , ध्रम्य , --------

नायकर गीधीनयम् । 1961 (1961 का 43) जी गाउँ 269-म् (1) वे मधीन स्थान

बार्क सहस्राह

क्यांचेन, ब्रह्मवस वारकह बाव्यत (किडीहान) भजेंन रेंज, पूना

पूना, विनोक 31 मक्तूबर 1985

निर्वेष सं० 37जी०/103/85--86---यतः मुझे**, धनिल** कुमार

भायकार अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें इसकें वस्थाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी संब्प्लाट सर्वे नंव 33, हिस्सा नंव 1, सीव्टीव्एसव नंव 7288, 7289, 7290 गणपित निवास बिल्डिंग के साय, ताई पिंगले चौक के पास, भगत सिंह मार्ग, डोम्बीवली (ई०) जिव याना है तथा जो याना में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के इधीन, दिनाक जुरा

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपनत बाबार मूल्य से कम को क्रयमान प्रतिकल को लिए बंदरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपनत बाबार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिकल से एसे क्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से निधक है बौर बंदरक (बंदरकों) बौर बंदिरकों (जन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया पवा प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से उस्त क्रयूरण दिवसित के बास्तिक क्य से क्रिया वहीं किया गया है 2---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाक की वावसा, अवस वीधिनियस के बुधीन कार दोने के बन्तरक के बादिरण में कभी कारने या उत्तर्ध वचने में सुद्दिश; के सिए; बहि/बा
- (ब) एंसी किसी नाय या किसी धन या बच्य वास्सियाँ को, जिन्हीं भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधिनियम या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के नवीचनार्थं नस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

খনঃ ভব, তৰত ৰখিনিয়ন কী খাত 269-ৰ কী ৰদুৱতৰ নী, ৰী, ভবত ৰখিনিয়ন কী খাত 269-ৰ কী ভববাত (1) নু রখীয়, নিদ্দালিবিত ক্ষড়িবাৰী, নথাৰ চ—

(1) भी पी॰ ब्ही॰ कुलकर्णी, गणपति निवास, लाई पिगके चौक के पास, भगत सिंह मार्ग बोम्बीवसी ।

(घन्तरक)

(2) तोरण को-भापरेटिय हाऊसिंग सोसाईटी, ताई पिंगले चौक के पास भगत सिंह मार्ग डोम्बीयली (ईस्ट०)। (अन्तरिती)

को नह सूचना चाड़ी करके पूर्वाक्य सम्परित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां सूक करता हो।

उक्त संपत्ति के बर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुध किसी अन्य स्थावत द्वारा सभाहरताक्षरी के बाध सिवित में किए जा सकेंग्रेड

स्वक्षीक हुण: ---इसमें प्रयुक्त कक्षी बरि पत्नी का, वो उक्त अभिनियम की अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं क्ष्में होगा को अध्याय में दिवा वक्षा है।

वन्त्री

विसा कि रजिस्ट्रीकृत क०-37जी/103/85-86 को जुलाई 1985 को सब रजिस्ट्रार, कल्याण के बफ्तर में दाखक किया गया है।

> भनिल कुमार स्थाम प्राधिकारी सहायक भागकर झायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना

दिनोक: 31-19-1985

योहर ।

प्रस्प आईं, टी. एन्. एस. -----

अगम्भर अधिनियम् । 1961 (195, का 43) कौ पाण १६० ल (1) के अधीन संस्था

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 37जी०/24/85-86---यतः मुझे, ग्रानिल कुमार,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् उक्त अधि-अमं कहा गयः हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रोध, अधार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं सर्वे सं 363/2, विधास बाग, सांगली है तथा जो सांगली में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण चप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार सांगली में रजिस्ट्रीकरण ग्राविकिशम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अलारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित हाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से एसे हर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

(1) श्री जोनगोंडा रामगोंडा पाटील और अन्य पोस्ट, इनामछामनी, ता० गिरज, जि० सांगली ।

(भ्रन्तरक)

(2) नियोजीत शित्रदर्शन गृह निर्माण को-न्न्रापरेटिव हाउःसिंग सोसाइटी, सांवत प्लाट, गुलमोहर कालोनी नर्मदा निवास सांगली ।

(भ्रन्तरिती)

की कह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भार्यवादियां करता हो।

नक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमा प्रयुक्त शब्दो आर पदी का, जो उक्ब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा पश्चाहरी

श्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कर 37जीर् 24/85-86 जो सब रजिस्ट्रार सांगली के दफ्तर में जुलाई 1985 को लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी - सहायक स्रायकर अत्युक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

दिलांक : 31--10--1985 मोहर।

प्रकल बाह्न . ट्री. एन . एस . -----

वायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-च (1) के प्रभीन गुपना

भारत मरकार

कार्याजन, तहानक जावकर जान्यत (रिराक्तिण)

श्रर्जन रेज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 8 गतम्बर १९९५

निर्देश सं० जी० आई० आए० संख्या 97/07 है० है०/सर्जन---यत: मुझे बिनोद कुमार

सायकार कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिसे अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं॰ दुकाल गं॰ 23 रेजेन्सी टावर में है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड़) लवानक में स्पित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रन्त क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 8 श्रप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाबार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूर्ण यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिस बाबार मृस्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, निम्मलिखित व्यक्तियों, अथोंत् :—

- (1) मेसर्स रेजेन्सी टाबर्स "श्रारोही" ब्लाक नं० 2, कार्मिण्यल काम्पलेवस श्रलीगंज स्कीम, लखनऊ। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मो० इमरान

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना सारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपहित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रयस्थान की तारीं से 45 दिन के भीतर उन्त स्थाबर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य म्यानित द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

स्मक्षीक दण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के मी परिभावित हो, यहा का निर्माण का निर्माणका ही।

प्रनमुची

रेजेन्सी टावर्स में अपर प्राउन्ड फ्लोर पर दुकान नंक 23, स्थित 20-ए णियाजी मार्ग (हिबेट रोड़) लखनऊ 1 करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 110 दिनांक 8-4-85 को सक्षम प्राधिकारी जबनऊ द्वारा पंजी।त किया जा चुका है।

> त्रिनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कुर्ण उप्यनऊ

दिनांक: 8-11-1985

माहर :

प्रस्थ आई', टी. एन. एवं . -----

आयकर अधिनियम, 196 । (1961 कन 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लाबनाऊ, दिशांक 8 नवम्त्रर 1985

निर्देश सं० जी० प्राई० ग्रें।र० संख्या 98/37 ई० ई०/एक्यू०---यस: मुझे विनोद कुमार

कायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वाल् 'उक्त अधिनिया कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन पक्षण प्राधिधारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव यूव जीव एफ--22 है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग, (हिवेट रोड़), लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण क्य से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 अर्पन 1985।

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एने दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (अंतरिक्सों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, रिम्निसित उक्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से क्रिकत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की वाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; आर/या
- (भ) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर कधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त किमिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिद्धः

. अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) नेसर्स रेजेन्सी टावर्स (अरोही) ब्लाक नं० 2, कपूरथला कार्माशयल कास्पलेक्स अलीगंज स्कीम, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद श्रसलम

(श्रन्तरितो)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हो।

चमत संपत्ति को अर्जन को संबंध को कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के औत्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित क्षावा;
- (ख) इस तूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर संप्रीत में हिस्सव्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंची:

स्पष्टिकिरण:--वसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गमा है।

अनुसूची

रेजेन्सी टावर्स में अपर आउन्ड फ्लोर पर दुकान नं० यू० जी० एफ--22 स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड़) लखनऊ/करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 111 दिनांक 8--4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

विनोद्ध कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, लखनऊ

दिनांक: 8-11-1985

प्रकल बाह् . टी. एन. एस. ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या 99/37 ई० ई०/एक्यू---यत: मुझे, चिनोद कुमार

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 25 है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड़) लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीध-कारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 8 श्रील 1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की विष्;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए; और/वा

शत्ः गव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की, अमुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

- (1) में ारिनेन्सी द्वावर्स "प्रारोही" बनाक नं० 2, कपूरथल कामशियल काम्पलेक्स प्रलीगंज, स्कीम लखनऊ। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद ग्रसलम

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- -- इसमें प्रयूति शब्दों आरे पदों का गां जिला अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

वत्युची

रेजेन्सी टावर्स में अपर ग्राउन्ड फ्लोर पर दुकान नं० 25 स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग (हिवेंट रोड़) लखनक/करार-नामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 112 दिनांक 8-4-1985 को अक्षम प्राधिकारी लखनक द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंच, लखनऊ

ादनाक: 8-11-1985

प्रसम बार' टी. एन. एस. -----

बायकर वीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के विभीत सुचना

मारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनां ह 7 नवस्वर 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 100/37 ई० ई०/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,63,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रेजेन्सी टावर्स में दुकान नं० 21 है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इतने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिबस्ट्री कि कार्याजय अर्जा क्षेत्र लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनों 8 अप्रैल 1985।

नो पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी बाय कहें बाबत, उक्क विभिन्नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के त्रिए; बार/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधानयम । 1922 (1922 का 1!) या उक्त आधिनियम । या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दूशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, जियान से मुद्रित है लिए;

बतः धव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मे स रेजें की टावर्स "ब्रारोही" ब्रलीगंग स्कीम लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ग्रसलम

(अन्तरिती)

की यह सुपता जारा करक प्राप्त हरा पर जनन के जिल्ला कार्यशाहिया करता है।

उबत सम्पत्ति के नवन के सम्बन्ध में काई नो जावाद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी हैं की अविधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तिमा कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्यहस्ताकरों के शाम जिसात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन् सूची

रेजेन्सी टावर्स में ग्रंपर ग्राउन्ड फ्लार पर दुकान न ० 21 स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग, लखनऊ/करारनामा जोकि ग्रंपर्न क्षेत्र कम संख्या 113 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 7-11-1985

LINES MINES

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जो० श्राई० श्रार० संख्या 101/37 ई० ई०/ ग्रर्जन--यतः मुझे विनोद कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० रेजेन्सी टावर्स में दुकान नं० यू० जी० एफ०-24 है तथा जो 20 ए शिवाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इनने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्रो तो अधि गरी के ार्याजय अर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय आधार अधिनियम 1961 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँ 8 अप्रैल 1985।

को पृवां भत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापवाकत गणाल का अचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
 की निष्या

क्त: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में वर्त रेजेन्ती टावर्स "ग्रारोही" ग्रलीगंज, स्कीम, लखनऊ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मो० ग्रसलम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० यू० जी० एफ-24, रेजेन्सी टावर्स में अपर ग्राउन्ड फ्लोर पर, स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग लखनऊ (एरिया 100 वर्ग-फिट) करारनामा जोकि म्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 114 पर दिनांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी ।हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनां ह 7-11-1985 मोहर : प्रकथ बाइ'. ही. एव एस. - - ----

भावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की वस्त्र 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 ना 43) (निर्म इसमें इसमें परपाएं उन्त निर्मायम वहा गया हैं), कर्न भारा 269-स के नवीन सज्जन प्रतिकारी को यह निर्मास करने का नारण हैं कि स्वावर सम्मत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/-रुः से निर्मा हैं

और जिसकी सं० रेजेन्सी टावर्स में दुशान नं० यू० जी० एफ-26 है तथा जो 20-ए शिवाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिशारी के ार्यालय श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांस 8 ग्रंपेल 1985।

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाजार मूक्य से कब के दृश्यमान प्रिष्ठिएल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उभित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, विम्तिस्तिक उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित ए वास्तिक के पंद्रह

- (क) कर/रण हे हुई किही बाब की बार स, उक्त विश्वियंत्र के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व हो कही असमें के उसमें उच्चे हैं किए। के पिछ व्यद/बा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या तन्य वास्तियों को चिन्हें भारते।य वायकर व धिश्वा, 1922 (19.2 का 11) या उन्ते िश्नियां या चन्छर जीधीनवरी, 1957 \1957 फ 27) के प्रबोधनार्थ जन्दिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना अहिए था. ल्यां के स्वीवया के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेलर्स रेजेन्सी टावर्स "ग्रारोही" ग्रलीगंज, स्कीम लखनऊ।

(अन्तरक

(2) श्री मोहम्मद ग्रशरफ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करताा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवाें क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसधी

रेजेन्सी टावर्स में ग्रपर ग्राउन्ड लार पर दुकान नं व्यू जी एफ न्26 (एरिया - 90 वर्ग - फिट) स्थित शिवाजी मार्ग हिवेट रोड़ लखनऊ। करारनामा जोकि ग्रजन क्षेत्र कम संख्या 115 पर दिनां के 8-4-1985 के सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

िनोद कुमार सक्षम प्राधिनारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लंखनऊ

दिनां : 8 - 11 - 1985

प्ररूप बाई . टी . एव . एस . -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचन्ह

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखमऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 103/37 ई० ई०/ अर्ज न- येत: मुझे, विनोद तुमार बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० रेजेन्सी टावर्स में दुकान नं० 9-बी है तथा जो 20-ए । खाबाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय अर्जन क्षेत्र ज्वास्त, भारतीय आयकर अधिनियम। 1961 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम। 1963 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के तिवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्रिल को लिए अंतिर की गर्व हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का क्लान्य है कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रात से अधिक हाँ आर अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं कया गया हैं:—

- (क अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आवन्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चान्हिए था, स्थियने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरम म, भें उक्त बोधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिवत, व्यक्तियों, अधीत :— (1) मेसर्स रेजेन्सी दायसं, "आरोही" अलीगंज स्कीम, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सरन गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनस्यी

रेजेन्सी टावर्स में लोवर ग्राउन्ड फ्लोर पर दुकान नं० 9 "बी एरिया 65 वर्ग-फिट स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग लखनऊ/करारनामा जोकि अर्जन-क्षेत्र कम संख्या 116 पर दिनांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया ज चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-11-1985

प्रकृष बाहाँ, टी. एवं, एवं, ५०००००००

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-क (1) के क्षीन स्वना

भावत सम्बद्धाः

कार्यालय, महायक लायकर आगुक्त (निरीक्सण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखमऊ, दिमांक 8 मवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आई० आए० संख्या 104/37 ई० ई०/ अर्जन—यतः मुझे, विनोद कुमार अग्यकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 169-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का व्यक्त है कि स्थानन संस्थित किसका लिल दावार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रेजेन्सी टावर्स में दुकान नं० यू० जी० एफ-3 है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड़) लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 अप्रैल 1985।

को पृत्रों ता सम्परित के उणित बाजार मृम्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नीवत संपर्तित का उणित बाजार बृल्प, उसके क्रयमान प्रतिफ्ल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से जिथक है और बन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिशित उष्देशस से उक्त अन्तरफ लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतुरक के शामित्व में कमी करने या उत्तम ककने में सर्विभा के किए, कोर/का
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जन्हों भारतीय आयकार आधिनियम : 1922 1902 की 11) या जना अधिनियम : या धन-कर अधिनियम : 1957 (1957 को 27) के प्रतिभाव जेलियों देवारा एक : नहीं किया भवा धा सा किया पाना पाहिए था, छिपाने में युविधा श्री पिए;

बतः शव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण बी, मी, उक्त बिधिनशम की धारा 269 ख की उपधारा (1) लें बधीतः निम्मीनिवस श्रीवसर्वो, वर्षास ७—---8—396 GI/85 (1) मेसर्स रेजेन्सी टावर्स "आरोही" जलीगंज, स्कीम, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री मानी लडकानी

(अन्तरिती)

को वह स्थान कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के गुर्वेत् के निक् कार्यवाहियां अरता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्से ह

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जविध नाद में रामाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिस श्यक्तियों में से किसी व्यक्तिः इवायः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबपुच किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अमोहस्ताकरी के पास सिकित के क्या का सकते ।

अनुसूची

रेजेन्सी टावर्स में अपर ग्राउन्ड फ्लोर पर दुकाम नं० यू० जी० एफ-3 एरिया 55 वर्ग-फिट स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग (हिवट राड़) जखाऊ करारसाया जोकि अर्जम क्षेत्र लखनऊ में कम संख्या 117 पर दिनांक 8-4-1985 को राक्षम प्राधिकारी लखनऊ हारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> दिनोद कुमार राज्ञम जाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीय रेंज, लख्यक

दिनांक: 8-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

स्रोयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2,69-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जम रेंज, लखभऊ

लखभऊ, दिमांक 8 मबम्बर 1985

मिर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 105/37 ई० ई०/ अर्जभ—यतः मुझे विनोद कुमार **बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के

अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० रेजेन्सी टावर्स में सुकान नं० य्० जी० एफ⊸6 है तथा जो 20-ए शिवाजी मार्ग, लखनक में स्थित है (फ़्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जम क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रजिस्टीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 8 अप्रैल 1985। को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आए की बावत, अधिनियम के अधीन कर दंदे के अंतरक के दासिस्व मों कमी करने पा उसमें बचने मी सविधा के लिए; और/या
- (रू) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर् अधिनियम, _ 1957 (1957 का ऋे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उल्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यवितयों, अर्थात् :--

(1) में उर्स रेजेन्सी टावर्स, "अ(रोही" अलीगंज, स्कीम लखभऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीपंकज जैभ

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रेजेन्सी टावर्स में अपर ग्रयउन्ड फ्लोर पर दुकाम नं० यु० जी० एफ-६ एरिया-95 वर्ग-फिट स्थित 20-ए, शिवाजी मार्ग, प्रवत्नक/ १८८८/मा जोहि अर्जन क्षेत्र ऋम संख्या 118 पर दिशांक 9-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया ज(चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, लखभऊ

दिनांक: 8-11-198**5**

प्रकव बार्ड टी एन एड -----

नाथकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 106/37 ई० ई०/ अर्जन—यतः मुझे विनोद कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रेजेन्सी टावर्स में दुकान नं० यू० जी० एफ-27 है तथा जो 20-ए शिवाजी मार्ग लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र, जबाऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1931 में रजिस्ट्रीकरण, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां हु अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (%) एसी किसी आय या िसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्थिस के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स रेजेन्सी टावर्स "आरोही" अलीगंज स्कीम लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री मो० अशरफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्व्यक्ति के बर्चन के लिए कार्यग्रिहियां करता हूं।

डक्त सम्परित के ब्यंग के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (ख) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए की सकेंसे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विख्त में किये जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्क अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

रेजेन्सी टावर्स में अपर ग्रउन्ड फ्लोर पर दुहान नं० य्०जी० एफ-27 एरिया 90 वर्ग-किट स्थित 20-ए णिवाजी मार्ग, लखनक/करारामा जोकि अर्गन-तेत्र कम संख्या 119 पर दिनांक 8-4-85 को तक्षा प्रारिकारी लखनक द्वारा पजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (तिरीक्षण) अजेन रेंज, लखक

दिनांक: 8-11-1985

प्रकृप बार् .टो. एव . एस . ------

नायकर वाधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारत सरकाड

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ, लखनऊ,दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निवेश जी० श्राई० ग्रार० सं० 107/37ईई/ग्रक्ष् ०/—श्रतः मुसे विनोद कुमार

काथकार कधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त अधिनियम कहा गया है), को भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्धित, जिसका उपिस बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक किता श्रांगजी सय जिल्डिंग, प्रात्मैक ट लाज कम्पाउन्ड, है, जो मल्लीताल, नैनीताल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रा-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज, भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाँक 8-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य अस्तियः की, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अगाजनार्थ अनतिर्तो ्त्रारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

बता अब उक्त निभानयम का भारा 269-म क अनुसरण भा, भी, उन्ते अधिनियम की भाउ 269-म की उपभाग क बपान, विभाजिशित व्यक्तियों, क्यांत् र—

- ा. ले॰ कर्नल भूपाल सिंह बिष्ट (रिटायर्ड)। (ग्रन्सरह)
- 2. श्री लक्ष्मण सिंह चौहान ।

(अन्तिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हो।

उकत सम्पत्ति की अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविध काल में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचनम् के राज्यत्र मो प्रकारत की तारीस में 45 दिन के भीता उत्तर स्थातर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य स्थाति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिसित मो किए जा मन्देगी।

स्पष्टोक्तरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक किता आराजी पैमाईसी 3528 वर्ग फिट, जिसके ऊगर एक मंजिला, मकान बना हुआ है जोकि विष्ट भवन के नाम से जाना जाता है। स्थित प्रास्पैक्ट, लाज कम्याउन्ड, मज्लीताल, नैनीताल, करारनामा, जोकि प्रार्जन रेंज, कम संख्या 137, दिनाँक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ, द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँकः 7-11-1985

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनाँक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 1144/85:86—अतः भुझे, श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 26%-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 138/1, 139/1 (मेटुवा नं० 17197) है, तथा जो बेनोलीम, शालकोट (श्रीर इससे उपाबद्ध स्नृत्यूची में श्रीर जो पूर्य रू से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीध कारी के कार्यालय शालकोट, गोवा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनौंक एप्रिल, 1985 को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशट से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित अन्तरिय में वास्तिवक क्रय से क्रिथत नहीं किया गया है:---

- (क) जुन्तरण संहुई किसी आय की गवत, उक्स अभि-नियम के अभीन कर दोन के अंतरक के दासिक में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बार : बाब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों , मीं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन , निम्निसिस्त , व्यक्तियों , अधीन ुर—

- 1. (1) पलीयक्कण कुरीयपान जोसी,
 - (2) रेयमाड जोसी पर्लायक्कर, मैसर्स फेरीकान, डेविड बंगलो, मरगाँव, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 श्रनुक्कमीकौ मारकाता जोआकिम फर्नान्डीस, डुप्लेक्स, श्रपार्टमेन्ट, नं० 8, शिवर साल इस्टेट, बेतावनीम, शालकोट, गोवा।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हुं।

उक्ल सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्बन्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पद्धक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावीज, सं० 564, दिनाँक एप्रेन, 1985)

यह सम्पत्ति, ग्रार० सी० बंगला, बानीलीम, शालकोट, गोत्रा में है। इसका एरिया, ग्राउन्ड फ्लोर, 52एम 2 श्रांर पद्मीला फ्लोर 52 एम2 है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , बेंगलूर

हिनाँक 4-11-1985 मोहर:

प्रकल नार्षा ु स्वीत एन त्र एक् त्रान्ताना

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनाँक नवस्बर, 1985

निदेश सं० 1143/85:86—ग्रातः मुझे ग्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 380/301/2, 365 है, तथा जो चित्रदुर्गा, में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय चित्रदुर्गा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनाँक 15-4-1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किही धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आर-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिशा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए कं, जनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री सो० स्रार० रामचन्द राव, पिता स्व० श्री सी० रामुबेन्द्र राव, श्रार० पी० सो० श्रार 9 वाँ कास ब्लाक नं० 540 राजाजि नगर, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

3. डी० बी० प्रहलाद राव पिता श्री बुजग राव, 184 बक, श्राफ मैसुर, चित्रदुर्गा।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथीक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्येगाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कीए भी जाओंप :~-

- (क) इस सूचन । को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीएर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का मकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 89. दिनाँक 15-4-1985) एक मकान राघवेन्द्र स्वामी मठके पाल, चित्रदुर्गा, में हैं। इजका एरिया, 36′ 26′ है।

> श्च∈ष्ठ भारक्षाज वजम प्राधिकारो सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलुर

विनाँकः 11-1985

प्ररूप आइं.टा एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक नवम्बर, 1985

निदेश सं० 1140/85-86-श्रयश्रातः मुझे श्रार० भारद्वाज बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की बार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका निषत बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 5161/10है, तथा जो श्रयोध्या नगर, हुबली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक श्रवसची में श्रीर जो पर्ण रूप से

ग्रीरजिसकी सं० 5161/10 है, तथा जो ग्रयोध्या नगर, हुबली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरजो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिथकारी के कार्यालय, हुबली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिथिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक ग्रांप्रैल, 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रसमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाग की बाबत, उक्त बीधीनग्रंथ के अधीन कार दीने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी लाग या किसी भन या कन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सविभा के जिए;

स्तः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मंं, उच्च अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत् उ—-

- श्री नूरअहमद पिता श्रहमद्दणाहव गोना मेजर मालदार श्रोती, हुबलो ।
 - (ग्रन्तरक)
- (1) श्री निहालचन्द,
 - (2) श्री गौतम चन्द
 - (3) श्री जयन्ती लाल पिता चंपी लाल, जैन, जबली माल, हबली।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्वना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियों कारता हुंगे।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा, अधोइस्ताक्षरों के पाइ विविध में किसे आ सकतें।

स्वस्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त वीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा त्या है।

नगसची

(दस्तावेज सं० 38, दिनाँक श्रप्रैल, 1985) बीत सोत की जमीन जिसका एरिया, 1530 4/9 प्लीन एरिया 4200 रुकेयर फटि० और ग्रैंड 10' 10' श्रयोध्या हुबली में है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनॉंक - 11-1985 मोहर : प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजीन रोंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक नवम्बर, 1985

निवेश सं० 1139/85-86—यतः मुझे आए० भारद्वाज आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 105/1 है, तथा जो गुलबर्गा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-4-1985

की प्रेंचिट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का अल्ल है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य असके ल्ल्यमान प्रतिफल को प्रेंद्र प्रतिशत भ अल्लिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के केच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 पडबूर सरस्वती बंदी, केअप आफ मोहभ लाज, गुलबर्गा।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री मोहम्मद अब्दुल मुनीम
 - (2) मोहम्मद अब्दुल रहीम
 - (3) मोहम्मद अब्दुल कलीम
 - (4) मोहम्मद अब्दुल सलीम
 - (5) मोहम्मद अब्दुल नईम जाकी केअर आफ मुमताज कं०, हैदराबाद (ए०पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्दीकरणः — इसमें प्रयूवक शब्दों और पर्वो का, जो उक्क अधिनियमः, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज, सं० 40 दिनांक 4-4-1985)

खुला जगहश्रौर लाजिंग होत, एम० एम० के भीलस रोड गुनवर्गा, में हैं। इसका एरिया जगह 45820 वर्ग फीड ग्रौर प्लंथ एरिया 14579 वर्ग फीट है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रुजैन रेंज, बंगलुर

जत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) औं अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तिसयों, अर्थात् ह

दिनांक: -11-1985

मोहर

प्ररूप बाह्ं हो एन एस ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 अगस्त 1985

निर्देश सं० टि० आर० 85/37ईई/—यतः मुझें आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उचित बाबाद मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० शाप नं० 7 स्रोर 13 है, तथा जो मजगांव, शोवा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंजगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिकत से विभक्त है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (क्लिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया बवा प्रतिफल का मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- [क] अध्यक्षण सं हुन्दं विक्री नाय की बावय क्या अधिनियस से सर्वीय कह देवें की सन्तरक से स्रवित्य में कभी कहने वा उपने नजने में स्रविधा से निए; बीड़/या
- कि कि के का कर सा कियों जन का जन बास्तियों के किया जारतीय साम-अर विधिनियम, 1922 (१९७२) जो देन का सोधनियम, का धन-कर विधिनियम, का धन-कर कर का धन-कर विधिन्न के स्थान के स्था के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान

 मैसर्स एस० एस० इन्टरप्राइजेंस, मझगांव, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री चीतन फर्नान्डीस।

(अन्तरिती)

को यह त्या बारीं करके पूर्वीवत सम्मत्ति के बर्चन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत प्रजारित के गर्मन में सम्बन्ध में बोर्स ही असीर हरू

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जनिया या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद कृत्वना की तामीच से 30 दिन की जनिय, को भी विकास में समाप्त होती हो, के भी दृह पूर्वोचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुद्देश;
- अप क्षमा के शस्त्रभ में शस्त्रभ की वारीय से 45 विश्व में मीलर उनल स्थादर सम्मीता में हितनकृष विश्वी नन्म न्यांत्रित दृशादा मधोहस्ताकड़ी के बाब निवाद में किए जा सकीने ।

स्वक्रीकरण्ड-इडमें प्रकृतस् शब्दों औह एकों का, तो उन्हें वीप्रतिसम से बंध्याय 20-क में परिशासिक हाँ तहीं तर्भ होगा थे। उस स्थ्यास में सिना स्वा क्षेत्र

वगस्यी

(दस्तावेंज सं० दिनांक शाप नं० 7 ग्रौर 13 प्रापर्टी नोन एज, अफारमेन्टी आर टेंबरिलैम एट मझगांव, गोवा।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगलर

दिनाँक: 1-11-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह टी. एस. एस

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विभीत स्थान

uror uveri

कार्यांसय, सहासक आयक्त र आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निदेश सं॰ डी॰आर॰-370/37ईई/—यतः मुझे आर॰

भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 33) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिवकरी की, यह नियवास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्रापर्टी नोल एज गोरवटा ऐट वोकीम, गोवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाव2 अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता जिसकारी के कार्यालय, मझगांव में रिजस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिसत जाजार मूल्य से कल के क्षयमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और अक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्वेंजित तम्पिल का उचित जाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का क्ष्य प्रतिक्ते के विश्व के विश्व के क्ष्य का पाया क्ष्य प्रतिक्ति के विश्व के विश्व के क्ष्य के क्ष्य के व्यवक्त क्ष्य के व्यवक्त के व्यवक्त क्ष्य के विश्व के व्यवक्त क्ष्य क्ष्य क्ष्य के व्यवक्त क्ष्य क्ष्य क्ष्य के व्यवक्त क्ष्य के व्यवक्त क्ष्य के व्यवक्त क्ष्य क्ष्

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात अस्म

- 1. श्री रमेश तागेश सांगकर, बेंडवाडा, सांगीम।
 - (2) रस्मा रमेश सांगेकर, सुन्दर सदम गोवा।

(अन्तरक)

6th फ्लोर. 63-ए० वाडिलाल पटेल मार्ग, बस्बई-400004 ।

(अन्तरक)

- 2. (1) रिचर्ड डिसोजा मझगांव, गोवा।
 - (2) अलवारो मास्बोन विकटोस मन्सोन, मझगांव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके प्यामित सम्पत्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गासेप -

- (क) इस सूबना के राजपम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीह से 30 दिन की अवधि, जो भी वचीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्वित्वमों में से किसी क्वित द्वाराह
- (ब) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वहुत्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वक्षीकरण:—हरुसे प्रयुक्त बन्दों बीड पूरों का, हो उपक अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, बही बर्ध होना को उस्त बध्याय में दिया वस्त हैं।

बन्स्ची

(दस्तावेंज, सं० 300 दिनांक 3-4-1985)

प्रापर्टी नोन एज गोरबटा, सीपिम रिजस्टार नं० 3 एट पेंज 223 से 229 प्रापर्टीस नोन एज गोरवटा 2/9, 21/36, 10/18, 2/9, रिजस्टर आफिस नं० किपिम नं० 4/33 एट फाईल नं० 172, बि॰ 13-रे॰ आ॰ नं॰ 498, 2/36, िकपीम नं॰ 4/3, एट, फाईल 177 बबुक नं॰ 13, रे॰ आ॰ नं॰ 502, 10/18, िकपिम नं॰ 4/36, एट फ्लोर 173 एंड वि-13 रे॰ आ॰ नं॰ 496, 10/18, िकपिम नं॰ 13525 एट, फ्लो॰ 193, बि- 17, रे॰ आ॰ नं॰ 497, अडमसीग 18/25, स्क्वायर मीटर एट नेटोरिलम विलेज, सामिंगोवा तालुक।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनाँक: 3%- 0-1985

प्रकृप बार्ट् टी एन पुरु

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः तहायक वायकर वाय्कत (निर्धाण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निदेश सं० डी०आर०-347/37ईई/84-85---अतः मुझें आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उब्दा अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उच्चित बाजार स्व

स्रौर जिसकी सं० 81.30 स्क्वायर एट, मडगांव, है जो गोवा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मझगांव, गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 24-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्यद्रण सं हुर् कि सी आय की बावक उनस इहिन्द्रम के अपीन कर दोने के अन्यद्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा में डिन्ए; और/शा
- (स) पुत्र किसी बार का किसी बन वा बन्य बास्तियों रूप । बन्दें सास्त्रीक कारकर को शानवर : 1922 (1922 रूप 11) के अन्य स्तिबानकर का बन-का बोर्गाववर : 1955 (1955 प्र 27) के विशेषकार्थ बन्तीरती द्वरण बक्क कही किसी क्या गण वा के किस्स रूप बाहिए का किसान से क्षीवरण के तिस्;

अतः जुन, उक्त निधीनयम की भारा 269-ग के, जनसरम् भं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- मैससं ऐंडल हाउसिंग इन्टरप्राइजेंस, मैनेजिंग पार्टनर : कामिलो फरनान्डीस नीयर होलि स रीट, चर्च, स्रोल्ड मार्केट, मझगांव, गोवा।

(अन्तरक)

 फान्सीसस्को टावर्स, बेनाल बानीस, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वविध क्वद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप तिचित में किसे आ सकती।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनस्थी

(दतावेंज डीड सं० 301/84-85, दिनांक 24-4-85) फयाट नियर स्पीरीट चर्च, मझगांव, गोवा, चलटा नं० 43, सीट नं० 157 पाईड लेटर नं० एस० पि० डी० /पि/1115/1253-80-81 डेटेंड, 20-11-80, 81-30- स्क्वायर ृएट मझगांव, गोवा।

आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक: 1-11-1985

মান্তব্ বাহ[া] বা বা বা বা

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्थान

नारत सरकार

कार्यांत्रयः सहायक सायकर सायुक्त (निर्धासणः) श्रजभरोज, बेंगलुर

·---

बेंगलुर, दिनांक 6 मई, 1985

निदेश सं० टि० आर० 256/37ईई/84-85---असः मुझे भार० भारदाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन अद्भार अहीं भारती कर यह जिल्लास करने का का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्काट नं० 1 है, तथा जो मूरदावलेज, गोवा में स्थित हैं (श्रीर इज़से उगाबद्ध अनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इकहास गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-5-1985

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्ति रेत की गई है जार मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि अश्रापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिमात से अधिक है कि व वस्तरक (जन्तरकार) जार जन्तरियों (जन्तरितियों) के बीख एसे जन्तरण के सिए तव पाया गया प्रतिकास, जिल्लीलिक उद्विष्य से स्वत जन्तरण जिल्ली में नास्तिविक रूप से अधिक नहीं किया गया है क्ष्र-

- (क) बन्धक्रम भे शुर्श विकसी जाभ की बावता, बन्ध कोश्रीमहाल हो हाकी कर बने के बन्दाइक में बारियाय की काले कहारों या सबसे बचने में सुरिया की सिक्ष, ब्योक्ट/मा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों कारतीर जानकर जायानियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त जाभिनियम, या भन कह जोधनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया जब भा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुनिधा भें सिक्षः

अता । । व उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीम, निम्निकित व्यविशयों, अधीत ह—

 भ्रकार कन्स्ट्रक्सेन्स, भ्रलंकार बिल्डिंग, मध्यगांव, गोवा।

(ग्रन्तरक)

2, श्री टीटो फीगूरेडो, बेलिम सनुनसेट, गोवा।

(मन्तरिती)

्यी प्रमु सुज्ञान जारी कडके पुत्रानिय सम्परिय मी जुनेन मी जिए कार्यगाहियां कडता होंद्रा

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क), इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वी 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूषमा की तामीस हो 30 दिन की वर्षाय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतद्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में ।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदौका, जो उनक विधितियम के अध्याय 20-क में प्रिश्तिपत ही, कही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिसा पदा ही:

अनुशूची

(दस्तावेज सं० 185/म/1985, दिनांक 6-5-1985)
प्लाट नं० 1 श्रानग्राउन्ड फ्लोर, इन ए बिल्डिंग, टुबी,
कन्स्ट्रक्टेड, श्रान प्लाट श्राफ़ लयांड बेरिंग, नं० सर्वे नं० 83/2,
एन्ड महीच, इज, ए पार्ट श्राफ़ प्रापर्टी, डमामिटेड, एट, मूरदा
विलेज, तालूका ईलहास गोवा, डिस्स्कीपश्चन, नं० 11567,
एट, पेज 139, इन बुक बी-30, मीटर्स 24 ।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बेंगलुर

दिनांक 1-11-1985 मोहर:

प्रकृष बार्ष हो प्रव प्रस्त -----

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन क्षत्रना

कार्यालय , सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलुर, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 74/37ईई/84-85—श्रतः मूझे श्रार० भारद्वाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 409 है, तथा जो तिलक वाडी, बेलगाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बेलगांवनु में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22-4-1985

को पूर्वोक्त तम्परिस के उपित बाजार मूस्य से कम के कममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त संपर्ति का उपित बाजार पूच्य, उसके व्यवमान प्रतिकाल से एसे व्यवमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के तिए स्व क्या गुम्स प्रतिकाल, विश्वासिक उद्देश्य से अन्तर अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है 3—

- (१) जन्तरण से हुर्द किसी बाय की बावता । उपस् अविनियम के अधीन कर बने के काउसक के पार्टियम के कार्य करने का प्रश्निक के तिए; अडि/वा
- (क) हुनी किसी बाव वा किसी वन या जन्म बाह्निकों को जिन्हें भारकीय जायकर जिन्हिनका, 1922 (1922 का 11) या उन्हें जीभनिकम, या धन-कर बीधनिकम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिहिती दुकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

अताः जन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भे, ने उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निकारिक्षिय व्यक्तियों अधीन कर्

- 1. शांताराम अनंत बालावाटकर, बमंत अनंत बालावाटकर
- (1) मनोहर अनंत बालावाटकर
 - (2) काशीनाथ अनंत बालावालकर,
 - (3) श्रीमती सुमती रिवन्दर बालावाठकर, जीपी ए० होल्डर, बी० ए० बालवालकर, निवासी 106 बी, यशोदरा यशोदरा, सोसायटी फिल्मी सीही रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री लालचन्द वीरचन्द पोशवाल,
 - (2) मूहम्मद सुब्बीर ए० जब्बर, खासरे,
 - (3) मोहम्मद सुमीर ए० जब्बर खासरे
 - (4) दीपक सी 0 ग्रमीन भाई,
 - (5) स्रो० पी० वेतरेकर सीरियल नं० 1, 2, 43, 4, पी० स्रो० होल्डर एल० बी पारवाल, r/0, 458 शेरीगली, बेलगाम ।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रमस्दीकरण उ → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज़ जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 349, दिनांक 22 -4-1985) जगह और मडडी का मंगलुर कवीला का मकान वीर सावरकर रोड, तिलकवाडी, बेलगाम में है। इसका एरिया 836, 120 एम-2 मकान 138 एम-2 है।

> ग्रार० भारद्वाज सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक 5-11-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज, बंगलूर

ब गलूर, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निवेषा सं० 212/37जी/85-86----- प्रतः मुझे, ग्रार० भारताज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भर्माद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के ग्रीन सक्तम प्राधिकारी कों। यह पिक्डास बारने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 88/48/29 है, तथा जो छो० टी० रोड, सीमोगा, में स्थित हैं (श्रीर इशक्षे उपाबद्र शतुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्री कर्ता अधिवारी के रायित्य सीमोगा, में राजस्त्री करण श्रीधितियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य है यन के ख्यमात शिरफल के लिए जेलिंग्त की गई है बीर मूजे वह विषयत करने का कारण है कि अधापुर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का नंबह प्रतिक्रात सं विध्व है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-क्ष्म पिम्निलिखत उद्यंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक स्व के किया नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अदि/या
- (क) होती किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तिलों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीमा के रित्रा

काः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण का, वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के स्वीताः किन्सिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :--

 एम०एम० युडेम पिता मोहम्मद हुसेन घाँर घन्य कीलूनराजपुरम, भडावणे, सीगोगा-577201

(अन्तरक)

2: एम० आर० रामचन्द्र राव, मनेजिन दूस्टी, : श्री गजानन दूस्ट, 59, टीलक नगर, भडावणे, सीमोगा-577201

(भ्रन्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उयत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचला की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस जुनात की राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिए के भीता उन्नत स्थावर सम्पत्ति मों हित- यद्य जिल्ही कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्ष दिख्य मों विद्या जा सकींगी।

स्पष्टिकरणः ----इतमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में स्थि। गया है।

अनुसूची

(दस्ताबेज सं० 560, दिनांक 8 जून, 1985) ये सम्मत्ति नान रेजिडेन्शियल, बंगला है। इसमें एक होटल और 5 दुलन हैं। ये सम्पत्ति श्रो० टी० रोड; सीमोगा में है। इस त एरिया नीचे जिखा हुश्रा है:

ग्राउन्ड फ्लोर, 353 स्कु० मीटर्स है। पड़ीला 177 स्कू० मीटर है। नेजेनिने फ्लोर क्लाब 143 स्कू0मीटर्स है। ग्रार० ती० ती० कोनोकी 18 स्कू० मीटर्स। ग्रीलग शटर्स 60 स्कू० मीटर्स है। ग्रीर जमीन 391 स्कू० मीटर्स है।

आर भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिन(क : 4-11-1985

प्रस्प बारं ुटी, एन, एह.-----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० 375/85-86—अतः मुझे आर० भारद्वाज जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा नयः हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 76/पी० काफ़ी 14-39 जी है तथा जो जागरा होव्ली, चिकक्मगल् र, तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय चिकक्मगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रंप्रैल, 1985 को पर्वोक्त संपत्ति के जिस्त संग्राह मन्य ने क्या को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुन्हां किसी जाब की बाबत, उक्त जिथितयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीकं/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा के निष्ट:

1. श्रीमती एन० ए० एल० मीनाक्षी अची और नौ लोग, तिरुमायम, तालूक, पूदुकोटै, डिस्ट्रीक्ट नं० 29 तान्जुर, मैन रोड, विरुचनामयन्नी, तमिलनाडू । (अन्तरक)

2. श्री बी० एन० कृष्णा नोइस, सन श्राफ, लेट नरसिम्हा गोहण बसवनहल्ली, एक्सटेशन, चिक्कमगलूर-577101

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष ह-

- (क) इस स्चना के खजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमें पर स्वाना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारींख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसवस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृत्नी का, जो उनत आक्का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। नहीं वर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

जन्**स्ची**

(दस्तावेज सं० 311/85-86, दिनांक भ्रप्नैल, 85) सर्वे नं० 76/पी, काफ़ी 14-39जी जो मेलूहुलू वितिवलेज, जगरा होब्ली, विकश्मगलूर, तालूक में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिन कि: 22-11-1985

म्रोहर:

प्रकल बार्ड हो एव पुर

मायकत् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज बंगलैर बंगलूर, विनॉक 4 दिसम्बर 1985

निदेश नं० 377/85-86—यतः मुझे; प्रार० भारद्वाज शायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 17, 18 हैं, तथा जो ोगरिहानकल विलेज, चिकमगलूर तालुक में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-4-1985

को पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथिकत सम्पत्ति की उचित काजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्ट) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वासता, उसके जीधनियम को अधीन कर दोने को जन्तरक को वार्षियय में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर शींधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कराः अता, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री एम० एन० सत्याम श्रीर कुछ लोग, चौक्कान्ना स्ट्रीट, चिकमगलुर।

(धन्तरक)

(2) श्री अयेश कुमार, एम० जि० रोड, चिकमगलूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत संपर्दित को वर्जन के संबंध में कोई और जाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्घ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच सिखित में किए जा सकोंगे 1

स्पटकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के उच्च अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ara di

(दस्तावेज सं० 358-85 ता० 22 4-1985) सर्वे नं० 17 भौर 18, जो तोगरीहानकल विलेज, चिकमगलूर तालुक, में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख 4-12-1985 मोहरः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

MILL STREET

कार्योजन , सहामक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

बंगलूर, दिनाँक 14 नवस्वर 1985 निर्देश सं० डी०. आर० 348/37 ईई०—यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

बावकर अधिनियम्, 1961 (1969 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (चकत अधिनिया कहा गया है), की धार 269-ख के वर्षीन सक्षम प्रतिष्णारी की यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थानर जन्मिक हैं। सिसका उचित वाबाह मृत्या 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलमार जिला है, तथा जो बाइँज गाँव पलामार डि० जिले ऐट रीसम मागोग तालुका वर्डज गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-4-1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और अभे यह विस्थास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधिक वाजार मृद्ध उसके स्थापान प्रतिफल ने, एते स्थामान प्रतिफल का पन्त्रह है तिकता से अधिक है और जन्तरित (वन्तरितयाँ) के बीच होने जन्तर्स किया के बिए तक पाया गया श्रीतफल, निस्नीकिक सम्बद्धियाँ से स्वक्त कन्तर्स निस्कत के बास्तिक स्प से सम्बत नहीं विकार गया है हिन्स

- (फ) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाडत , उक्त बिधिनयम से बगीन कर दोने के बन्तरक में बायित्म में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के नित्: बरि/बा
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को १) हो उन्हें अधिनियम, या धन-का अधिनियम, शिवान के विश्वास्तियों अधिनियम, शिवान के किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त औधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
मोहर

10-396 GI/85

(1) मिस्टर गोपाला बिस्तुम नाईक पल्नेलकर लौर अदर्स रेस मार्गीज विलेश वार्डेन गोवा

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अल्कान रीएल ईस्टेंट प्राइपेट लि० वेलो विलडींग फस्ट फ्लोर पणि गोवा

(अन्तरिती)

को वह सूचना अरी करके पूर्वीक्त सामित के जर्मन के निय

उनत सम्मति के वर्णन के तंत्र में बांदें भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में अकायन की तारीय ही-45 दिन की जनकि का एसंगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 किन की अनिय, जो भी अविध बाद में समाप्त होंगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विस्ती कांगत तुमाद;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य कांक्ति एपारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा तकों में।

स्पष्टोकरणः इसमें प्रश्नुकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस लध्याय में दिया गया है।

Della Control

डि नं० 013 अप्रेल 1985 (दस्तावेज सं० ताँ० 28-4-85

दि॰ प्रापर्टी नोत राज पलमार डि-जिला ग्रार रेवेन्यू भट्ट सिस्टोवेटेऐंट रिस मागोड नालुका बार्डेजगोवा एरिया 18-0 स्कु॰ ईन्डास डिस्ट्रिट ग्राफ गोवा रजिस्टे शन नं॰ 7811 ग्राफ बुक नं॰ बि॰ 29 टाईलोज रेवन्लू ग्राफीस सर्वे नं॰ 77।

ग्रार० भारद्वा ज सलाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख 1 4-11-1985 मोहर: प्रस्त बार्ड टी. ह्व. एव ------

बायकुर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-ज (1) के क्यीन स्थाप

भारत दर्ग

कार्याशय , सहायक आयकर जाग्यक (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज बंगल्र

बंगल्र, दिनाँक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० डी० श्रार 27484-85—यतः मुझे, श्रार० भारताज,

भावकर निर्भागमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्सा 'उमरा निर्मान माधिकारी कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्मास करने का आएण हैं कि स्थावर सम्बद्धिः, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है, तथा जो मेरिशिस गोवा में स्थित है (और इसते उपावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-4-1985

को पूर्णेकत सम्पत्तिः के उपित शकार मृत्यं में कम के दश्यमान वित्रकार में निए अंतरित की गर्द हैं और मुम्में यह निवनात करने का कारण हैं कि यथापृथें कि मुम्मिल का जिन्त बाजार ब्रह्म, उसके व्यथमान प्रतिकल है, एसे ब्रह्ममान प्रतिकल का पंक्रू प्रतिचत से बीधक हैं और कलरक (मन्तरला) और बंत-रिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तर्य के निए तय पाया गया प्रतिक्य निम्नतिविक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बो बास्तविक रूप में कथित नहीं किया यथा है :---

- (क) जन्तरक से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथ-जीधिनियम के अधीन कर दोगे के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे अचने मों सुविधा के जिए; जीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्व आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अंतरियों ववारा पंकार नरी जिल्ला गया किया जाता बाहिए था दिल्ला को स्वित्य के देंगए;

(1) मेलर्त श्रीजो विलड्स बी-15 नेवनी नगर रोड श्रीरेम पणिज गीवा

(अन्तरक)

(2) श्री विनसेटीना जेस्टोनो जावा नसीर्य- गोवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बबत बन्दीता के बर्बन के सम्मन्य में तर्दर मी बाक्रेपन-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की क्वधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीवस म्यक्तियों में से क्विमी व्यक्ति हुन,
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठबढ़ भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिन में किए जा सकने

स्पन्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क उधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बहुी अर्थ होना को उस अध्यात कें दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० ही 191 श्रप्रेल 85 ता०8-4-85) प्लाट नं० 16 विटीको अपार्टमेंन्टस जसीसि — ईल्हास गोवा। 72 स्कु०मी०

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निफीक्षण) ग्रजैन रेन्ज. बंगलुर

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के उन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीत व्यक्तिका व्यक्तियों , अधीत ल—

तारीख**् 11-9-1985** मोहर: प्रकर्_य बार्षे टी_य एतं प्रदेश - - - - -

बावकर वीधनित्रन , 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बधीन स्वता

भारत सरकाड

कार्यालय , तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर, दिनाँक 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० 212 37 जी 85-86—यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 88 46 29 है, तथा जो ग्रोलड तीरत हली रोड डिबिजन धिमोगा में स्थित, है (ग्रोर इससे उपाबढ़ ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिख्वास करने का कारण है कि मुधापूर्वोक्त संपृत्ति का उधित बाजार मूल्य उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय दामा गया प्रतिफल निम्निविद्य उद्वर्शय है उक्त अन्तर्क

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त बिधितियम के बधीन कर दने के बन्तरक के दाबित्व की कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त वरिभीनयम की भारा 269-व के वनुसरक में, में, उक्त विभीनयम की भारा 269-व की उपवारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध-- (1) श्री एस॰ एम॰ बुडेन और कुछ कृष्णराजपुरम एक्स्टेनशन शिमोगा→5772021

(अन्तरक)

(2) श्री गजानानाट्रस्ट मैं नेजिन्ग ट्रस्टी श्री एस॰ **धार॰** रामचन्द्राराव 59, तिलकनगर एक्टेनशन शिमोगा सिटी-577201।

(ग्रन्तरिती)

की वह सुवना बाड़ी करने पूर्वीतर सम्पत्ति में नर्बन में किए कार्यवाहियां कड़ता हुन्।

उस्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्य :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तार्षि के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में रूपान्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारी के के 45 दिन के भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षद्वी के पाल निवित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण : --- इत्याँ प्रयुक्त सब्दों आँड पदों का, आ उनक अभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 560 85-86 तारीख जून 1985) सम्पत्ती है जिसका स० खाता सं० 88/46/29 जो ओल्ड तीरहतहल रोड, VI डिविजन सिमोगा में स्थित है।

संद
$$\frac{50\frac{2}{2} + 81\frac{1}{2}}{2} \times \frac{75 + 51\frac{1}{2}}{2}$$

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-11-1985

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस क्रान्यक्रम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सूचना

भारत सरकार

काथालका, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेन्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनौंक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 74-37 जी०84-85—यतः मुझे; म्रार० भारकाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1, 90,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सी० सी० खं० एस० नं० 409 है, तथा जो तिलकवाडी, बेलनाय में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ते बॉगड़ है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 22-4-1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि उनापूर्णेवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ((अन्तरितियों) के बेल एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निलिखन उप्रदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है :—

- [(का) अन्तरण से हुई किसी लाय की नामता उक्त अभिक् नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के किए; और/भा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय व्ययकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री एस० ए० बलवालकर
- (2) वि० ए० वसवाकर,
- (3) पि० ए० वलवाकर, मोहन ग्रीर ग्रनंत वलवाकर ग्रीर सुमति, 613, यशोधरा,यशोधन, सोसैहि, सिटिरोड,बंम्बई 63

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लालचंद बीरचंन्द पोखा फारसेल श्रौर प्रति-निधि श्रौर 3 कुछ लोग शेरि गलि, बेलगाम (ग्रन्तरिती)

को बहुत्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां कस्ता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचा की तामील ले 30 दिन की अविधि, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ब्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपक यो प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उद्धा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा उक्षी।

स्पाद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दसतावेज सं० 3491 ता० 22-4- 1985 सम्पत्ति है जिसका सं० सि० सि० एस० 409, जो तिलकवाडी, बेलगाम, में स्थित है ।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज बंगल्र

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुकरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--

तारीख: 5-11-1986

म्बर् सार्वा स्रोत स्रपत प्रवेतन्त्रा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ज्यों हुन्या

ETAZE BETTE

कार्यातम, सहायक सामकर बायुक्त (विनीसम)

श्रर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलुर, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 47062/85-86—यतः मुझे, स्रार० गरद्वाज,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे एक को इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 513 है, तथा जो एच एल, III स्टेज बंगलूर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-4-85

को पूर्वोक्त सम्पृति के जीवत बाबार मूल्य से कम के दरकान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह दिकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमाम प्रतिफल से, एसे दरमाम प्रतिकत का बंद्रह प्रतिशत के अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंदरिती (अंतरितेयाँ) के भीक एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अंतर्क निम्नितिबत में धास्तिबक क्या से अधिक नहीं किया गया है है—

- (फ) अस्तरण से हुई किसी आप की बावत बवड अवि-तिक्त के अभीत कर बोने के अन्तरफ के दावित्य में अभी करने वा क्यते वजने में ब्रुविधा के तिए; ब्रोड/या
- (ब) एसी हिस्सी भाग या किसी भन वा नम्ब नाहिस्तरों को है जिन्हें आरसीय नावकड़ औधिनियम है 1922 (1922 का 11) वा उक्त अहिमीनसम्म वा भने कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वरूप प्रकट नहीं किया गया था वा विकास जाना जाहिए था हिस्साने में स्विधा के जिस्स

ज्ञत् अव, उक्त निभृतियम् की भारा 269-न के नमुसरण में, में, उक्त निभृतियमं की भारा 269-न की उपभारा (1) के नभीत, निम्नितिखित स्पक्षितमों, नभीत् क्ष- (1) श्री डी॰ सी॰ मिशरा नं॰ 80/बी, II स्टेज कास इंदिरानगर बंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) डोयास इब्राहिम केर/ध्राफ एस० एम० इब्राहिम मेसर्स मेकोट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

मा० मौट रोड मद्रास-2

न्त्रं वृद्ध वृद्ध वारी करके पृष्टिक्य सम्मरित से वृद्धन के विष्ट कार्यवाहिमां सूरक करता हुं।

वक्त बुन्यां त्व के वर्षत् के बादस्थ में केल्य भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की जबित या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थालत व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर राज्य स्थावर संपत्ति से हित-बहुष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रसाक्षरी के पास सिस्ति में फिए का सक्षेत्र।

स्पष्क करण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनक निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ विश्व कर्ष होगा जो उस अध्याय में विवा भवा है।

जनसूची

(दस्तावेज सं० 184/85-86 ता 16-4-1985 खाली जगह सं० 513 जो एच ए० एल० III स्टेज, बंगलूर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज बंगलर

तारीख: 3-12-1985

मोहरः

प्ररूप बाइं. टी. एग. एस. -----

बारकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-व (1) ने नजीत स्वता

धारत सङ्ख्य

व्यवित्य, सहायक वायकर बायुक्त (निश्चीक्रण) श्रजैन रेंज, बेंगलुर

बंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

सं० 47074/85-86:-ग्रतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 2(38) है, तथा जो II क्रास, वीलर रोड, क्लेबेलवांड टौन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 22-4-1985।

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शित्रक्त के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अंधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय वाया गया शित्रकत, विम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से कायत मुद्दी किया गया है है—

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उसत अधि-विवस के बचीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने वा उनसे अपने में सुविधा के लिए बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के अधीनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में क्विया वे निष्:

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (म्रन्तरक)

2. प्रकाश टि॰ नेम्बुवानि, नं॰ 18/1, II कास, ग्रस्सावे रोड, बेंगलूर-5।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की ताकील के 30 दिन की जविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत कालियों के से किसी ब्यक्ति दुशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड विश्व में दिए का सकोंने।

स्यब्दीकरण इ—इसर्वे प्रयुक्त अब्दों और पदों का, वो उसस अधिनिमस के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मधा है

अनुस्थी

(दस्तावेज सं० 274-85 ता० 22-4-85 सम्पत्ति है जिसका सं० 2(4), न्यु नं० 38, जो II क्रास, वीलर रोड, बेंगल्र में स्थित है।

ग्रार० भारहाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, बेंगल्र

तारीख: 3-12-1985

ক্ষালয়ে অনিক্ষাক্ষর (৪০) টি চ চ দ্রালয়

Midth thankas.

कार्वालय, समागक कामकर कम्मूबत (विरोधार्ण)

अर्जन रेज बंगलूर बंगलूर, दिताँक 3 दिलम्बर 1935

ग्रीर जिसकी मं 1030 डी है, तथा जो किया XVII ई कास बिन्नमन्यला U स्टेंज इंदिरानगर, नेंजनूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुर्वी में ग्रीर पूर्ण रूप रो बिणत है) र रिजस्ट्रीकरण श्रवित्वित 1908 (1963 हा 16) के श्रवीन तारील 27-4-1995

हो प्रेंक्स रायि है जिसे यात्रार श्वा रे जल के स्थमान दिक्क के लिए अंतरित की गर्थ है जीट प्राप्ते यह विकास करते का का गर्थ है जिस्सास क्ष्म उसके द्रायमान प्रतिक्षय के एते उपस्थान प्रतिक्षल का देख्य प्रतिक्ष से अधिक है और अध्यक्ष (गंतर्कों) और (अंतरित्वों) के गीक एते के प्राप्त है कि स्था जिसे कस्म, निम्मितिस्ति सर्वेष्ट्र से इंडम क्ष्मार्थ्य निर्माण के त्राय-किक क्या है महीसह सही विद्या ग्या है

- हैंक) अन्तरक वे हुई किली आग की वावत., उक्त क्षितिक्य में अधीन कर कोने से अन्तरक कें क्षिपत्य में कभी करते या उत्तक वचने में सुनिधा को सिहा; क्षीर/मा
- (स) एसी चिन्सी नाम या किसी अने हा राज्य जास्तियाँ को किसी विन्या का किसी अने हा राज्य जास्तियाँ को किसी विन्या में शामकर जिल्हा किसी या भा शास्त्र जा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाता चाहिए था किसी की शास्त्र में शिवशा के लिए;

अक्ष: अरं, उक्ष अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुस्त्रण को मी कुल्ल को विकास की किस्सिन के क्षित्र का किस्सिन, किस्सिन का किस्सिन, किस्सिन, किस्सिन का किस्सिन, किस्सिन

- (1) अभागती राज्यका तं । 1030-डी, XVII सी कास विकायकार, II एटेन इंक्सिनगर वंगलूर-38 (भ्रान्तरक)
- (३) े० छण्णस्वाकी तं० 650/18, X!V वी मैत 38 थाउ, ए∨ ब्लाइ जनसमर वेंगलूर-41

(श्रन्तरिती)

भी यह श्रामा गादी फरके पुत्रीक्त संपरित **के वर्णन के फिए** कार्यगर्भात अध्या हो है

एकत रोगीरिए हो वर्णन को संबंध यो कां**डों भी भाषांच** ह—

- (क) इस स्वता के राज्यव में प्रकाशन मी तारीच में 45 जिन की संबंधि या तत्तम्बरणी व्यक्तियों पर स्वता की ताशील से 30 दिन की नविभ, वो बी संबंधि याद में सम्बंधि होती हो, के बीतर वृत्तीका स्वित्यों में से फिली व्यक्ति वृत्ताय;
- (क) इस स्वान के राज्यन के प्रकाशन की तारीं वें

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित के दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित के दिन के भीतर व्यक्ति ह्वाराः, व्योहस्ताकरीं के पाम निस्तित में किए वा सकीं ने।

*अनुसु*ची

(दस्तावेज सं० 331/85-86ता 27-4-85 सम्पत्ति हैं जिसका सं० 1030 डी जो XVII ई क्रास, बिन्नमञ्जला, इंदिरानगर बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज बंगसूर

तारीख 3-12-1985 मोहर: प्रस्त आई.की. एन एस

जाक्कर अधिक्षेत्रियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 ज (1) के नधीन सचना

भारत सरकार

कार्याज्ञम, सहायक आयकर आयक्त (निसीक्षण)

श्रर्जन रेज बंगलूर दिनाँक 3 दिसम्बर 19

बंगलूर, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निर्देस सं० 47193/85-86—यतः मुझे ग्रार० भारहाज, बायकर बीधिनियम, 1933 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद जिसका निर्देश की प्रकार किया ग्रीकिका कार्य हैं। की प्रकार सम्बद्धि विद्याल जिसका कार्य हैं। कि स्थाप सम्बद्धि विद्याल जिसका जिसका कार्य हैं। कि स्थाप सम्बद्धि विद्याला जिसका जिसका कार्य मृश्य 1,00,000/- का वी गर्थिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० 63 है, तथा जो तोनाचिकोप्पल IV स्टेज सरस्ईतिपुरम, चामराजमोहस्ला, मैसूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 11∉4-1985

को प्रॉक्स सम्मिति के उचित नाजार भूत्य से काम के क्यमान प्रतिकाल के मिल्ट अप्यादित की गई है और मुक्ते यह विश्वमास करने जा कारण है कि यथापूर्वीयत सम्मित्त का उपित वाचार मूच्य, तसके नत्यमान प्रीक्षणन से, शेर्ट क्यानाम प्रतिपास का पंचा प्रतिपास स गणिक है और अंकारक (अंतरकार्ग) और अंतरिसी (अंतरिसियों) के बीच एसे अम्बर्ग के सिल् तम पाना नवा प्रति-का निम्मिनियत उद्योग से जनत सन्तरण निर्मित में मान्त-विश्व स्था है किया गर्ही किया मना है है——

- (क) बन्दरण वे हुइ किसी बाय की बायत उक्त विश्व-मियम के अधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: वर्ष
- (क) इसी किसी बाद वा किसी धन वा अन्य अप्रिस्ता करों, जिन्हों भारतीय बाय-सार सिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत सिमिनियम, या बय-कर सिमिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवष्ट महीं किया गया था किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अबः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :--

- (1) डाक्टर, शिवन्ता नं० 83/2, VI मैन, जयलक्ष्मी-पुरम मैसूर।
 - (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जुवेदा नयीम नं 113 वी टैम्पल रोड जयलक्ष्मीपुरम मैसूर ।

(अन्तरिती)

न्धे यह सुनन्त कुली नासके पूर्वानित सम्मारित के वर्जन के विजय

उपन सम्मिति के दर्जन के सम्मन्ध में कोई भी अध्योष :---

- (क्ल) इस इन्द्रमा के राजकन में प्रकाशन की स्वर्ण्य है 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तिकों कर सूच्या की तानींद हे 30 दिन की संबंधि, को की नविंद सह में समाप्त होती हो, के भीत र प्रविकत व्यक्तियों में से निक्ती स्वीवत द्वापा;
- (क) इस स्वात के समापत्र में प्रकाशम करें तारीस है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्द व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरों के वास निवित में किस का सक्तेंगे।

स्वव्यक्तिरकः -- इसमें प्रमुक्त कर्को और पक्षे का को उपस निधानमा के नध्यान 20-क में परिप्राणिक हैं वहीं नर्थ होना थी उस अध्यान में दिया नवा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 215/85-86 ता० 11-4-85) सम्पति है जिसका सं० 63 जो तोनाचिकोप्पा, IV स्टेज सरस्वतिपुरम, चामराजमोहल्ला, मैसूर में सियत है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, बंगलुर

तारीख 3-12-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेन्ज बंगलूर

बंधलूर, दिनांक 29 नवम्बर 1985

निर्देस सं० 40965/85-86—यतः मुझे घार० भारद्वाज, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के धीन सक्षन प्राधिकारों को, यह विशास करने का कारण हैं कि धार संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य।,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 74 (8) है, तथा जो सेन्द्रल स्ट्रीट बेगलूर में स्थित हैं 'ग्रीर इस से उपाबद्ध धनुसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत हैं), रिजस्ट्रीकरण घांधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 1-4-1985

ति पूर्वोका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ।तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ल्क्स प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया तिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ।स्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमती मेरियम बाई लियात दादी बाई मं॰ 149, मोदिखाता, शोलापुर क्याम्त नं 2 6/14, प्रिमरोज रोड बेगल्र-25

(भन्तरिक)

(2) महमद नुष्ल्ला नं० 14 नोग्रा स्ट्रीट शिवाजीनगर बेंगलूर 1951।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पृशंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच छें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं वा, **षो उक्त** अधिनियम, के अध्याप 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 24/85-86 ता० 1-4-1985) सम्पति है जिसका सं० 74 जो सेन्ट्रल स्ट्रीट, बेगलूर में स्थित है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेस्ज श्रंगक्षण

तारीख 29-11-85 मोहरः

त्ररूप बाइ . टी. एग. एसा. -----

आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज बंगलूर

बंगलुर दिनाँक 29 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 47100स85-86—यतः सुझे श्रार० भारद्राज कालकर किमान्यकः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे स्थक परचन्त्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उधित बाजार मूल्य 1., 60,000/- रा. ते अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० 16-16/1 है, तथा जो जे० सी० रोडकास बेगलूर में जिथत है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ता० 29-4-85

की मुर्वित तम्पींच के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीरिक्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यकान प्रतिफल का पंचा प्रतिकत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत निम्निविद्य उपदेश्य से उक्त अन्तकण निवित में गल्दिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आ५ की वाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किमी या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री डी॰ नरसिलुनायडु
- (2) श्रीमती लक्ष्मी
- (3) श्री दिनेश बाब्
- (4) श्री धातन्द बाबू, जरागना हल्ली जे पी० नगर पोस्ट, बेगलूर

(मन्तरक)

- (1) श्री सी० गोपालन
- (2) श्रीमती एम० वसन्तकुमारी
- (3) श्रीप्रमोद
- (4) श्री प्रभाकर नं० 508 गुरुवतम्मन पार्क, भार० वी० रोड बंगलूर -4

(मन्तरिती)

को यह सूजना भारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भरता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी में पास लिखित में किए जा सकें ...

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त एक्टों शीख पतों का, थो उक्ट शिंधिनयम, के अध्याय 20-क में रिशाविट हैं-, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जगसची

(दस्तावेज सं० 392 | 85-86 तारीख 29-4-1985) सम्पति है जिसका सं० 16-16 | 1 जो जे० सी० रोड कास, बेगलूर में स्थित है।

> मार० भारद्वाज सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेन्ज,बंगजूर

अकः अभ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 259-ज की उप गरा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु---

तारीख 3-12-198 5

प्रारूप आहूर्र.टी.एन.एस.----- (1)

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेन्ज बंगलूर बंगजूर, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निर्देस सं० 47066/85-86—स्तः मुझे श्रार० भारदाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु*), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 523 है, तथा जो हिय ए० एल०, 11 स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर, में स्थित है (और इतसे उपायद अनु-सूची में भीर पूर्ण रूप से विगित है), रजिल्ट्री तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-4-1985

को पृथीं भत सम्पत्ति के उचित साजार मृत्य में कम के रश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, असके दश्यमान प्रतिफास से, ऐसे दश्यमान प्रतिज्ञाल का पन्तृह प्रतिशत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिता (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, विश्वासित उद्देश्य से उच्च अन्तरण विश्वास से बास्त-विक स्थ से कृष्यत महीं किया पता है है—

- (क) व्यक्त संहुदं किसी बाव की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बासित्व भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; विद्या

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, उर्धात :— (1) श्री पो० सुन्वरेंशन, नं० 22, मुत्तूरंगम स्ट्रीट, ईरोड, श्रिधशारी, करूर वेश्या बैंश।

amen gregggggggan in am og manlandsky, i frylle i brug skat fr.

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती, रायेल डानियल,
- (2) डाक्टर, जान डानियल, नं० 3061, XI क्रास, मैन, इंदिरानगर, बंगलूर 38

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्ऑयल सम्मत्ति के एखन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार कर है कर लाहनंग हन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन् की विनिध् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिए की अविभिः, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिर स्विन्ता में से किसी व्यक्ति हुनारा,
- (ष) १ स स्वना के राषपत्र मां प्रकाशन की नगरीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मन्ति में हितबबूध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक गर्भावत में किस जा सकेंगे।

स्पटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् ची

(वस्तावेज सं० 239/85 ता० 19-4 1985) सम्रति है जिसका सं० 523,जो II तथा एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारक्षज सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रजैन रेन्ज,बंगलूर

तारीख : 3-12-1985

मोहर

नामकार गिभिनियम्, १९६१ (1961 का 43) की भारा 269-1 (1) के अधीन सुनना

तारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज- बंगलूर बेगलूर, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निदेश स॰ नोटित नं० 47070/85-86---अतः मुझे भार भाग्दाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ियसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं 70 से 75 ता है तथा जो हैं। रोड़, मेंगलूर में स्थित है (और इतसे उपायद्ध प्रमुपूर्व में और पूर्ण रूप से विभिन्न है) विभिन्न ति प्रधितियम 1908 (1903 का 16) के प्रधीत तारीख 19-4-1985

को प्यांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) आर अन्तरित (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- णे एंसी किसी नाव या फिसी धन या नन्य भास्त्यों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, १९८७ (११५५ का १९) के प्रयोजनार्थ अस्थिती दुधार उन्नत अस्थि विभाग का था के किया जारा समित्र था, स्वयान गा कृषिका के सिए;

अतु अव अवत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण की, मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) की वधीन, निम्निकिट व्यक्तियों, अधिद्ःं--

श्री एउ० एच० थें : हुतेन,
 श्री एउमान घरीफ 3श्री एउमा घरीफ,
 श्री मान घरीफ,
 श्री जमान घरीफ,
 त० से 75 तक हैंन्स रोड़,
 बंगलूर ।

(भग्तलक)

(2) श्री एच० इन्दचन्द्र जी,
2 श्री एच० देशराजू, 3 श्री एच० ताराचन्द्र,
4 श्री एज० म्यानीर जन्द,
नं० 210, मीयाक्षी कीयिज स्ट्रीट,
यंगलूर ।

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चे 45 दिन की जबिथ या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविधि याद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रविका क्यित्वों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियू जा सकेंगे।

स्थळीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवी का, जो उनकां अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वन्स्ची

(ध्रुतात्रेज सं० 251/85-86 वारीख 10-9-85) सम्यति है जित्रा नं० 70 से 75 वक्त जो द्वियत रोह, गुलूर में स्थित है।

> मार० भारद्वाके सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्वन रैंग, बंगज्र र

विनोक : 2-12-1985

प्रारूप आई.टो.एन.एस.-----

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 3 दिल्लवर, 1985

िवेश सं॰ 47064,85-86---श्रतः मुझे घार० मारकाण

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपरित, जिसका उण्यत बाजार स्ट्य 1.06,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी सं० 462 है सथा जो बिन्नमनाता रिटेन, इतिरा नगर, बंगजूर में स्थित है (ऑट इन्से उपाबद्ध भनुसूबी में ओट पूर्ण रूप से प्रीमा है) रिन्स्ट्रीवर्ती प्रविकारी के कार्यीतम सिवाजी नगर में रिजिस्ट्रीकरण प्रविक्रियम 1909 (1900 का 16) के प्रधीत तारीख 10--4--85

कां पूर्विकेत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कस के दश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्टिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण च हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने की अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; बीड/बा
- (वा) प्रेसी किसी बाव वा किसी बन वा अस्य कारितकी की, प्रिन्हें भारतीय जाय-कर क्षिनियम, 1922 (1922 की 11) या उपना जार्याप्रध्या, वा बन-कर क्षिनियम, 1957 (1957 की 27) वे अयोगनार्थ कृतारिती ब्यारा मुकट वहीं किया नवा वा वा किया बाना शाहिए वा, क्याने के स्तिया के स्थित के सिक्ष

- (1) श्री सुन्दरमोहन प्रयाद,
- (2) श्री डी० श्रास्य मोहन श्रयार,
- (3) कुनारी आरती मोहा अधार नं० 290, 38 कात VIII कतास अयनगर, गंगलूर ।

(मन्तरः)

(2) श्री दिलीप शुमार पी० मेहता "चिमत", 184 केरवाडी, मैन रोड़, बर्व्ह-2

(ध्रयारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप ह----

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन को तारीब बें 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्चान की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहश्याकरों के पाव निवित में किए जा क्केंगे ॥

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 212,85-86 तारीख 18-4-1935)

सम्पति है जित्रामा नं० 402 जो विज्ञमनगला I स्टेट इंदरा नगर बंगलूर में स्थित है।

> धार० भारद्वाक सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगसूर

दिनोक : 3-12-1905

मोहर 🕫

प्रकप् वार्षे, टी. ६न. एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नाइत तरकार

कार्यालय सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनों 5 28 नवज्बर, 1985

निवेश सं० नं० भार० 1569,37ईहे,85-86--- धतः मुझे, भार० भारकाञ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भी: ि की सं० प्याद नं० 118 है तथा जो एम० जी० रोड, बेंगलू: में 2 फ्लोर 1, ब्याए में स्थित है (और इस्तिजनाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है) रिस्ट्रिटरण अविनियम 1908 (1903 का 16) के सवीन तारीख, 18-4-1935

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्रम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण तं हुइ किसी भाय की यावत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वे क्षारित्य में कमी करने या उससे रहने में कृतिक के स्माप: बीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या क्या कास्तियों की जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या फिया पाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

जतः स्था, उक्त जीधनियम की बार 269-स क जनसरश सी, मी. उक्त जीधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) औं जधीन, निम्मिनियस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रमोध सुनार के० नगि। (एत्र० यू० एफ०), सर्वी श्री श्रमात सुनार के० जगीत, नं० 11, 2 एम० स्ट्रीट, महात-1 (धन्तरह)
- (2) श्रीमती नतरीत खदेति वाई० - 68, धन्ता नगर, मद्रास । (धन्तिस्ती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त संपत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेप ह——
(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितमां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारु निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

न्स्पी

(दराष्ट्रिक सं० 1410/05 तारीख 18-4-85) प्लाद नं० 1, 2 पलार, सम इसेट अरार्टमें रा 2-ब्ताक जो नं० 10, एमर जीर रोध बेंग्जूर में स्थित है।

> षार० भारताज सक्षत प्राविकारी सहाव ह प्राविकर बाबुका (तिरीक्षण) धर्जन रैंज, बंगलुर

दिनोस : 28-11-1985

माहर ३

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. 🕫 - - ---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंः, बंगलूर

बंगतूर, दि हो है 23 सबस्बर, 1935

निवेश सं० झार० 1598/37ईई/35-96--- झतः **मुझे**, झार० भारदान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कीर जिस्की संव 15 है तथा जो रेस्ट हो , रोड बेंगलूर में रियत है (और इससे उपाइट अन्सूची में और पूर्ण रूप से बीजत है) रिक्ट्रिजित अधि तरी के वायित्य बेंगलूर में रिक्ट्रिकरण अधितियम 1903 (1903 का 16) में अधीन सारीख 11-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की आवतः, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उसके क्चने हैं सुविधा के किए; अपि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

शतः वस, उस्त व्यथिनियम की भारा 269-म के सन्सरण में, भैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ले नधीन, निम्निविसित व्यक्तियो, क्रणीत् क्र— (1) में औं वीरा प्रापर्टीत प्रा० ति० , र्न० 33/1, प्रान्ट रोड़, बंगलूर-1।

(घरतरस)

(2) में तसे दि टाटा श्रागरत अर एटील कं ० लि ०, नं ० 24, होमि मोदी एट्रीट, सम्बद्ध-23।

(भग्जरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्जन के सियु कार्यवाहियां करता हां।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाहोप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों अर्थाकतां पर स्वना की तामील से 30 दिन की बंबीध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्रवेकित स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया ही।

मन्सूची

(धरतावेज सं० 1413/85 तारीख 11-4 -108 सम्बंदि है जित्तका सं० 15, जो रेस्ट होस, रोड बेंगलूर में स्थित है।

> मारः भारताः सक्षम प्राधि गरी सहायक मायकर मायुपत (िरक्षिण) भजेन रेंग, बंगसूर

दिनॉक : 28-11-1935 मोहर : प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.-----

बायकर ब्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रास 269-ए (1) के ब्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, रहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिलांक 28 नवम्बर, 1985

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्न्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

भीर जिल्ली सं० 19 है तथा जो रेल्ट हौत रोड, बंगलूर में रियत है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से भीणा है) रिजिल्ट्री तो अधिकारी के सामस्य बंगलूर में रिजिल्ट्री तरण अधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीत सारीख 11-4-1985

को पूर्नोकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्भ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (कं) अन्तरण से धुर्द किसीं आय की वायत, शक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायत्व में कभी करने वा खबसे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- ्ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिबों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में एण्ड्या के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) अ अभीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- मीं उसे बीरा प्राप्टींग प्रा० लि०,
 33/1, प्रान्ट रोड, बंगलूर।

(अरारक)

(2) टाटा आयरत एन्ड स्टील कं किमिटेड, नं 24, होनी मोदी स्ट्रीट, सम्बर्ध-23

अरारिती)

की यह स्वता बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुबना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, **जो उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्यी

(दरतायेज सं० 1414/85-86 तारीख 11-4-1985) सम्पति नं० 15 में 5.35 प्रतिशत अन्नाहिनदेड भाग रेट टोटन भीर इन्टरेल्ट जो रेल्ट हाउस रोड, बंगलूर में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्सण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनोक : 28-11-1985

मोहर उ

धक्य बाह् ही एक एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बावध्यर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

बंगलूर, दिशांक 28 शवम्बर 1985

शिंदेंग सं० आर० 1636/37ईई/85-86—अतः मुक्ते, सार० भारताज,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित भाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

धीर जिन्नकी सं० 45 है तथा जो प्लेज रोड, बेंगलूर में खियत है (श्रीर इजने उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बींगा है), रिजिट्टी उर्जी अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजिल्ट्री करण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के स्वीत तारीख 29-4-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित याजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- [कार्ट्स से इंड्रॉ किसी भाग को शायत, अब्द विभिन्तिय के बचीन कर दोने के शंकारक के दायित्व में कमी करने वा उत्तरे बचने में सुविधा में सिए; बौद/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा अन-कार अधिनियम सा अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मैं सर्से एस० ए० प्राप्टी डेवेल्पमेंट प्रा० लि०, श्री मोहम्मद सादक खलीली , डाक्वप मोईन खलीली श्रीर मिस जाहरा बानू खलीली नं० 45, प्लेस रोड, बेंगलूर । (अस्सरक)
- (2) श्रीमती पूतम अजिस मनंगराम, 10/5, बेनसन कास रोड,

10/5, बनसन कास राड, वेप्सन टाउन वेगलूर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवसारों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबीध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवक अविकासी से से किसी स्थानित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों दिशवकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निवित मों किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, का उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका मुना है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 1415/85-86 तारीख 29-4-1985) सम्पति है जिसकी सं० 4509, है पाइन्ट-4, जो नं० 45, प्लेस रोड बंगनूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनोंक : 28-11-1985

मोहर 🖈

दक्द यहाँ औ हर हर :----

बामकर व्हिंपनिवय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीद सूचना

त्राप्टम प्राचल

कार्याक्य, तहायक वारकर बायुक्त (निश्रीक्य) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० आर-1662/37ईई/85-86--अतः मुझे; आर• भारताज

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ टा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० अपार्टमेंटस एस-3 है तथा जो कोडियालबैल विलेज, वार्ड XIV बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन तारीख 29-4-1985

को पूर्वोक्त सम्बन्ति को अचित बाचार बूल्य से कम के दश्यमान प्रदेशक को निए अन्तरित की गई है कि अभे वह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को अभ्यतिक पाइ गया प्रतिकत, जिन्नतिवित उच्चेक से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक कम से अधिक वहीं किया वहा है हिन्न

- (क) नन्तरण ने हुइ किसी बाय की अवस, अवस्थ विधिनयन के अधीप कर दोने के अन्तरक के विचित्त में कमी करने वा उससे वचने में सुनिधा के किए: औद्ध√वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अन-कर विधिनियम, या अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया बाना वा, कियाने में सविधा के बिक्स;

जतः जब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकचित व्यक्तियों, वर्धात् ः—-

- (1) एडवयटाईबिंग कर्माशयल इन्टरप्राइजेस "दिल खुश" अय्यर बन्डोर, मंगलूर-575002 (अस्तरक)
- (2) लिला आर॰ उचिल, 12/87, बालाजी II रोड, चेम्बुर, बम्बई-400071

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिः कार्यवाहियां करता हां।

क्षमत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सं केशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्लाग अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहरे अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

मन्स्**ची**

(दस्तावेज सं० 1439/85-86 तारीख 29-4-1985) अपार्टमैंट सं० एस-3 जो निर्माण में है जो आर० एस-6 नं० 278 श्रीर टी० एस-6 नं० 224/1 जो कोडियाल-वैल विलेज, XIV वार्ड मंगलूर रिटी में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिमांक : 28-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर ३५ थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंश रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 नवम्बर 1985

भिर्देश सं० आर० 1724/37ईई/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

मीर जिसकी सं० 45 है, तथा जो प्लेस रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिल्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिल्ड्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 या 16) के अधीन सारीख 24-4-1985

का पूर्वाक्ष्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के तिए अंतरित का गई है और मूक्षे यह विश्वास करने फरने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, ऐसे खरमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वैतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एंग्री किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिस्तां को, जिन्ही भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, रूप्त बन्धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व बन्सरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा या किस्स बाना चाहिए था, स्थिपने में कृषिधा के निए;

अत: अत, उकत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण जो, भी, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) को अभीन, जिल्लिकिस स्थितियों, अर्थात् ः——

- (1) मौससं एस० ए० प्रापर्टी डेवेल्पमेंड प्रा० लि०,
 - श्री मोहम्मद सादक खलीली
 डाक्टर मोईन खलीली भौर
 - डाक्टर मोईन खलीली भौर कुमारी जहरा बानू खलीली;
 45, प्लेस रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० सोबा, 136, राजामहल विलास एक्सटेंशन, VI, 'II' ऋास IX मेन बंगलूर।

(अन्सरिती)

को यह नुष्पना जारी करके पृथेक्ति संवित्त के अर्जन के लिख् कार्यभाहियां करता हूं।

उनका सम्बन्धि को वर्णम को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यचत्र में प्रकासन की तारीचा से 45 दिन की जनिय या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इदारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य अ्यक्ति इंबार वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उपस् अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1441/85-86 तारीख 24-4-1985) सम्पति है जिसका सं० 4001 है पाईन्ट -IV जो नं० 45, प्लेस रोड, बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 28-11-1985

प्ररूप बार्ड, टी. एन्, एस्,------

भाषकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुनना

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिशांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जार०-1725/37ईई/-85-86---अतः मुझे, आर० भारद्वाण.

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 4004 है ह्या जो 45, प्लेस रोड बंगलूर में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से बंजित है) रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 24-4-1985

को प्रॉक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान सितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अपनित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निल् तय प्रवा बया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उदत अन्तरण कि विश्व में वास्तरिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुए किसी बाय की वाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक बी बाबिटन में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए: बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतंत्र नम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं उसी एस० ए० प्रापर्टी डेवेलपमेंट प्रा० लिमिटेड, मोहम्मद सादक कालीली, डावटर मोईन कालीली खीर मिस जाहरा बाने कालीली 45, फोस रोड बंगलूर ।

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी, एभ० एस० अय्यानगार स्ट्रीट III क्रास, शेसाद्रीपुरम, बंगलूर-56002

(अन्तिरती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वाक्त संपीरत के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त क्यिवतमाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्षिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कायकर मिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसुची

(वस्तावेज सं० 1442/85-86 सारीख 24-4-1985) शो रूम नं० 4004 जो बेसमेंट फ्लोर में है धौर जो है पाईन्ट -IV नं० 45, प्लेस रोड, बंगलूर-560001 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 28-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, बंबसुर

बंगलूर, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश संव नोटिस नंव 47063/35-86-मतः मुसे, भारव भारदाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

धीर जिन्निती सं० 21/1 है, स्था जो बंटन कास रोड, बीजनूर है, (श्रीर इसने उनाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉगा है), रजिस्त्री ज्वी प्रधिनियम, के कार्यासय, सिवाजी नगर में रजिस्त्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, सारीख 0/4/85

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भीगिनल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम से हुई किसी भाग की बावत, जनव विभिन्नियम के अभीन कर देने के जनसद्दा खै दायित्व में कमी करने वा उसते वचने में बृविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किली धव सह कथ्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाल्य चाहिए था, खिलाने में खुनिधा को किय:

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्धात्:— 1. भै० स्त्रैलैन विरुध्तं प्रा० लिमिटेश्व, मं० 21/1, बंटन कास रोड, बेंगलुर-25।

(घन्तरक)

 श्रीनती हवीबी किरमानी, नं० 60, के० हेंच० रोड, श्रांतिनगर, बेंगललूर-27।

(भ्रन्तरिसी)

3 (1) जयाश्री श्रीनिवासन झौर एच० एस० श्रीनिवास, (2) दिली पौल झौर श्री मेल्यु पौल, (3) शक्टर के० यु० हरि राव (4) II द्वाराकानाय, (5) राजेश्वारि कृष्ण झौर दे० वि० एस० कृष्ण, नं० 21/1, बंटन कास रोड, सेंगलुर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

सबस सम्पत्ति को बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के
 पास सिचिव में किए वा स्केंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, खें अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका पया ही हैं

मगुसुकी

(बस्तावेज सं० 200/85, बिनाक 4/85) संगीत है जिसकी सं० 21/1; (1/14 माग), जो बंटन कास रोड, बेंगलुर, में स्थित है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी धहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, केंगलूर

तारीख: 28-11-1985

प्ररूप आरं. टी. एन. एस.-----

Company and a company of the control of the control

भागकर अभिनिशः 1961 (1961 का 43) की धारः 2वः प के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायितरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेरालूर, दिनां इ 29 नवरबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 47145/85-86--- घटः मृ**से,** भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिल्ली संब 5 है, तथा जो इतिह्यांम रोड, बेंग्लूर में स्थित है (बीट इसके जलबद अनुसूची में बीट पूर्ण कर से बिलित है), रिलिस्ट्रीलित शिवित्तरी के दार्मास्य, शिल्ली नगर में स्थित्हील्या अविलियम, 1903 (1903 का 16) के अवीत, तारीब 17-4-1935

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित को गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार म्र्य, उराके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन बर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिक व्यक्तियों, अर्थात् ह्— श्री फांतित प्रतीया सम्बू चेट्टि, नं० 6-II, किष्म-गंहाम रोड, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीताी मंदु मंडारी, नं० 19, मालि मासकर रोड, बेंगलूर।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में रूमाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चरा के राजपंथ में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुवत हत्वों और पदों का, जो उकतः अधित्यमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

धनुसूची

(यस्तावित सं० 211/35 वितोक, 17-4-85) संगति है जिलका सं० 5, जो कश्चिगंहाम रोड, बेंगसुर, में स्थित है।

> घार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, बेंगसुर

तारीख: 29-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भाग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर

बोंगलूर, दिलांक 29 नवस्वर 1935

निर्देश सं० नेतिया ने० 47030/35-36--प्रतः मुझे, भार० भारद्वाज,

कायपर अध्याप्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्क 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21/1 (1/7 भाग) है स्था जी बंटन रोड कास, बेंग्लूर में स्थित है (श्रीर इसने उपावद श्रम्पूर्णी में श्रीर पूर्ण कर से विज्ञा है), रिलस्ट्रीएर्ण श्रधिनियम, 1908 (1903 का 16) के श्राधीन, सारीज श्राप्ते, 1905

को प्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देव्यमान परितक्ति से गृभे व्यवसान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरित (अन्तरितियों) के जीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नितिया उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बिख में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; चौर/भी
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या खन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० स्कीलीन दिर्ध्स प्र.६देट फिफिटेस 21/1, बंदन काद रोड, बेंगलूर।

(श्रन्तरक)

2. श्री ट्रह्ट, 51-1/117, VIII मैंन रोड, प्रजा नगरः मदारा-40।

(भ्रन्तिसी)

3. (1) ए० द्वारहानाय, (2) डाक्टर दे**० वी०** हरि राव, (3) श्रीमती जिल्ली पीट,

> (4) श्रीमती प्रथमि श्रीनिवास श्रीर श्री एवं एपं श्रीनिवाप, (5) श्रीमती राजे-स्वरि कृष्मा श्रीर श्री पेट वीट एपं कृष्मा

> (6) श्रीतिती ह्वीती िएमानी, नं० 21/1, बंटन क्रास रोड, बेंरलूए-25।

> > (वह व्यक्ति, जिस्के **श्रविमोग में** सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के वर्जन के संवंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रविक्त
 ध्यावस्था में है किसी व्यक्ति दुवारा
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूज्य शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

मनुसूची

(बस्तावेत सं० 306/85-86, बिनाह श्राप्रैस 1985) सम्मत्ति है जित्रकी सं० 21/1, (1/14 मार्ग) जो बंटन रोड कास, बेंग्लूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाध स्वनम प्राधि∷ारी सहायङ प्रायङप श्रापुक्त (निरीक्षण) प्रजन पेंज, बेंग्लूर

तारीख: 29-11-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, बेंगलुर

बॅगलुर, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्वेश सं॰ नोटिस नं॰ 47117/85-86--- अतः मुझे, सार॰ भारताजः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के शधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्ला सं० सर्वे 64--9 है, तथा जो डेरेबल दिलेग, मंगलुर में स्थित है (ग्रीर इसते उपाबढ अन्तुची में ग्रीर पूर्ण का से विणा है), रजिल्ली हती ग्रीधारी के लायीलय, मंगलूर में रजिल्ली हरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख 26-4-1985
को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
अतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का फारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिफल निम्मलिखित सद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्त कि इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों भी जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

बतः इ.ब., उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण बे, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के बंधीन, किम्निलाबत व्यक्तियों, वर्थात् हू— श्री एडउड रोडिग्युस, प्रतिनिधः धामिनिक प्राध-बर्ट पाराना, प्रोप्राईटरः टैलिप्प हाउस, बम्बई। (ग्रन्यरक)

 श्रीमती ट्रेस्ता मेनडान ता, श्रमोणिटः बेजै म्युस्यम बैजै, मंगजूर, प्रक्षिनिधःश्री विनसेंट भेनडान हा। (अन्तिस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप इ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से थिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 143/35, दिनांक 26-4-35) सन्।ति है जिसना सर्वे सं० 64-9, जो डेरेबेस दिलेज मंगलूर में स्थित है।

> द्यार० भारद्वाज सक्षम प्राधिवरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलुर

हारीख: 18-11-1985

प्ररूप कार्यु टी. एन, एस, ****

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

भग्रयांसय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंश रेंज, बेंगलूर

र्वगलूर, दिशांल 29 धवम्बर 1985 भिवेश सं० 47151/85-86--आः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पदणार किया का अधिनियम का गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जितनी सं० 34 (420) हैं तथा जो 12 काल रोड, सदाधिवतगर, पैलेत जनार आत्यक्त, बेंगलूर में स्थित हैं (भौर इतसे उन्हाबद्ध अनुसूची में ब्रीट पूर्ण कर से वींगत है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, गांधी तगर में रजिल्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, हारीख 22-4-1985.

को पूर्वेक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके क्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह सिस्मत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए एय पाया गया प्रतिफल निम्निकिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में नस्तिक अप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कनी अप्रने या उससे व्यने में मुविधा के सिए; और/ा
- (७) ऐंदी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया प्रया भा ता किया अपना वाहिए था, कियाने से सक्था वे विष्:

 श्री एत० वस्ता, त० 420, 12 कास सवाधिक-भगर, धेंगलूर-80।

(अन्तरक)

2 (1) श्री गोनालदास के० हसींजा, (2) श्रीमती वीग जि० हसोजा, (3) श्री महेश जि० हसोजा नं० 7-ए, II एन० एउ० ऐयागार स्ट्रीट, शेशाद्विपुरम, बेंगलूर-20।

(अन्तरिती)

करो यह सूचना आरी करकं एकोस्स सम्पन्ति के अर्थन् के जिल्ला कार्यवाहिमा करता हुं।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 45 दिन की अवध्य से तत्सम्बन्धी स्वित्यों प्र स्चना की नामील ने 30 दिन की कविष, जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अयिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और धवाँ का, वो त्वक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विका गया है।

प्रतृपुची

(वस्तावेज सं० 261/85, दिनांक 22-4-85) सम्भत्ति है जितका सं० 34, जो 12 कास रोड, सदाधिवागार, पंकेत अप्पार जारमर्खस वेंगलर, में स्थित है।

> आर० मार**ाण** सक्षम प्राधिक**री** सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

सारीख: 29-11-1985

were and . 17. 77. UE

मायकर लीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बावक्त (निरीक्षण)

अर्जंम रेंज, बंगलूर वंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 46895/85-86--अत: मुझें, आर॰ भारद्वाज,

आयवार अधिविष्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वृष्णात 'उत्तत अधिविष्यभं कहा गया हैं), की धारा १००-क के अधीन सक्ष्म प्राणिकारी को. यह विष्णाप करने जिल्लाम ही कि स्थाना सलाति, जिसका तिष्त वाकार मत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 175 है, तथा जो 8 मैंन रोड, मल्ले-श्वारम, वेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायड अनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1985

ताराख 15-4-1985
को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम को स्वयमान
प्रतिफक्त के निए बंतरित की वर्ष हुँ और मुखे यह विश्वास कर्ष
का कारण है कि वस्तप्रविद्ध संपत्ति का खीवत बाजार मुक्यः
अवस्वे सम्मान प्रतिफत से, एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रकार
प्रतिकाल अधिक ही बीर अन्तरक (अन्तरकाँ) जीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गमा गमा
प्रतिकाल, निम्नीसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कितित में
वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया थया है:---

- (क) सम्बद्ध में सूर्व विकास की सक्ताता, समूद भौभितियम की सभीन कार दोने को सम्बद्ध को वाजित्स भौभिति कारने या उचके सचने में सुविश्वा के लिए; मीर/या
- (व) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बत्य अपित्यों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में गविभा के निए;

अतः अयः, उनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपभारा (1) के अधीर्षः, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हुन्स श्री मोहम्मद गाँत साहेब, नं० 3073, I कास गांधी॰ लगर, श्रीरामपुरम पोस्ट, बॅगलूर-21!

(अन्तरक)

 श्री मोहम्मद आसिफ पाशा, प्रितिधि श्रीमती सईदा 175, 4 कास, महमडन क्लाक, मल्लेख्वारम, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

का यह श्रुका जारी करके वृत्ता कर सम्पृत्ति के सर्जन के विष्

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विनृकी व्यक्तिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचन की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्तियाँ में संगाप्त होती हो, के भीनर प्रवासित व्यक्तियाँ में संकिसी व्यक्ति दुवाराः
- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वकित्वाः ----श्यमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों था जो उपत अधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में शिवा प्रमा हैं।

अनुसुची

(बस्ताबेज सं० 192/85 ता० 15-4-85)
सम्पत्ति है जिनकी सं० 175, जो 8 मैंन रोड, मस्ले-स्वारम, बेंगलूर में स्थित है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र

सारीख: C-12-1985

प्ररूप बार्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिशाँक ३ दिलम्बर 1985

भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उथत अधिनियम' कहा गया है), 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यदः बाजार भूल्य 1.,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिउकी सं० 16 है, त्या जो अति आस्तर रोड़, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप के वर्णित है), रजिल्ट्रीलर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्न, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पद्ध शितकत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नति कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

बत: बब, सक्त व्यधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री महमद कलीत शिराजी, तं० 16, आलि आस्कर रोड, बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महीम क्लील, साई मंजिल, अटैममल रोड, कमबाला हिल, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविध आद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः --इसमें प्रयुक्त वाद्यों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ ह[ा]गा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 344/85-86, दिमांक प्रप्रेल 85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 16 जो आलि आस्कर रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगल्र

तारीख: 6-12-1985

प्ररूप आइ. हो. एन . एस . -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जंभ रेंज, बंगलूर

बंगलुर, विशांक ६ दिसम्बर 1985

भिदेश सं॰ 47086/85-86-अतः मुझे, आए० भारताज,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'जकत अधिनयम' बहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

भोर जिल्ला सं 1/20 डिवीजन न 78 है ह्या जो अलसूर रोड़, वेंगलूर में स्थित है (प्रार इलते उपाबद अनसूची में प्रौर पूर्ण इल ले वॉगल है), रजिल्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिल्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन, हारीख 29-4-85

वा पूर्विक सम्बद्धि के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमार शिक्य के लिए अन्तरित की रई है और मूक्ते यह दिश्वास करते का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्मत्ति का उचित बाजार कृष्ण, उसके दारमान प्रतिकत से, एरी दश्यमान प्रतिकत के पंद्रह शिवकत से अधिक है

और अंतरकः (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अक्षिय से उपस अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित आही किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के न्यापु; और/या
- (वा) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बहै: बबे, उक्त-मिनियम की धारी 2'69-ग के अनुसरण बी, मी, अक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभाल (१) के अभीन किन्निपिक्त स्थितामों, बर्धाद द— श्री टी॰ भारायण देशी, 1/11, अलसूर रींब, अलसूर, बेंगलुए-42।

(अन्सरक)

2. मैसर्स सदरन पेट्रो केमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन निमिटेड, सेकेटरी श्री ए० एस० शिवंत्रकाश, 39, आरमेनियन स्ट्रीट, महास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अजन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो श्री अविधि बाद में समान्त होती हो, हो भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकायन की तारीक ब 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवपुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहुस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सम्ब किथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 345/85-86, बिनां रू 29-4-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 1/20 जी अलसूर रोड, अलसूर सिविल स्टेंगान डिवीजन मं० 78, बेंगलूर में स्थित है।

> भार॰ भारदाज सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंग, बंगमुर

तारीख: 6-12-1985

म्रक्ष् बार्द् हो. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेगलूर बंगलूर, दिनांच 6 दिसम्बर 1985 मिवेश सं० 47132/85-86-अतः मुझे, आए० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिलकी सं० 32-ए है, तथा जो बेलसम काल रोड़, बेलसा टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विज्ञ है), रिजाड़ी तथी भिन्नारी के कार्यातय, पिवाजी एतर में रिजाड़ी करण भिन्निम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 15-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान अतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार अन्य; उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक क्या है किया गया है क्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यकने में स्विधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या इन्य बास्तिओं करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया मा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: जब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण बी, मी उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) अभिन निम्नसिबित स्यक्तियों, अभित् ह—— श्रीमती सरोजा वि० धामपि, नं० 32-ए, बैपसप कास रोड, बेंगलूर-46।

. (अन्तरक)

2. श्रीमती कुलन्या बेल्लियप्पा, नं० 877, एच० ए० एल०-III स्टेज, बेंगलूर-75।

(मद्दिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है कुड़ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हमती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिबित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यादा में दिवा गया है।

नग्राची

(बस्तावेज सं० 186/85 विनोक 15-4-85) सम्पत्ति है जिसकी सं० 32-ए०, जो बेनसन कास पोड, बेनसन टाउप, बेंगलूर-46 में स्थित है।

> भारत भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, संगलूर

तारी**ख:** 6-12-1985

प्ररूप बाह्र , टी : पुन . पुस , कार्याकार कार्य

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

भाषां लय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जान रॉज, जंगलूर बंगलूर, दिलांक 6 दिलम्बर 1985 निदेश सं० 47025/85~86~-अतः मझे, आर० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्नी सं० 73 है, स्या जो 6 मैंग, 17 कार्स, मल्लेखारम, बेंगलूर-3 में ल्यिस है (भीर इससे उपावत अनुसूनी में भीर पूर्ण रूप से बनित है), रजिल्ट्रीकी अधिकारी के कार्यालय राजाजी प्रगर में रजिल्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय राजाजी प्रगर में रजिल्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, सारीख 25-4-1985

को भूगेंक्त सम्मित्स के उपित बाजार मृत्य सं कम के द्रयमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्मित्त का उपित बाजार बृत्य असके द्रयमान प्रतिक्त सं, एसे द्रयमान प्रतिक्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तम पाया गया प्रतिक्त का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक से बंदर के जिए तम पाया गया प्रतिक्त का पंद्रह की किए तम पाया गया प्रतिक्त का पंद्रह की किए तम पाया गया प्रतिक्त का पंद्रह की किया गया है द

- (क) अन्तरण पंहुर किसी बाय की बावत, प्रक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कुमी कुरने या उससे व्यने में सुविध. के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क, अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

भतः अन, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के. अन्सरण के, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री जे० एर० मूरि, नं० 643, XI मैर, एच० ए० एन० II स्टेज, इंबिरा स्तर, बेंगलूर। (अन्तरक)
 मैसूर सेल्स इंटरनेशनल लि०, एम० एस० ए० एल० हाउस, 36, किंशनहाम रोड, बेंगलूर। (अन्तरिती)

को नह सुन्ता जारी करके पूर्वीक्स सम्मृतित के नर्भन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्=--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्राहै।

पनुपुषी

(दस्तावेज सं॰ 378/85, दिनोक 25-4-85) सम्पत्ति है जितका सं॰ 73 (417/4), जो 6 मैन, 17 कात, यल्लेखारम, बेंगलूर में स्थित है।

> आरं० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

सारी**ख:** 6-12-1985

मोहरः

प्ररूप गर्इ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्गालयः, सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निवेश सं० 47129/85-86---अतः **मुझें,** आर**्**भारहाज,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1, 00,000/- रहा से अधिक है

षीर जिसकी सं० 7 (16) है सथा जो काल, काल, कालावरणा लेंग, चिक्पेट काल, बेंगलूर रिटी में रिष्या है (बीर इतसे उपायद अनुसूची में ब्रींग पूर्ण रूप से ब्रींगा है), रिक्ट्रीनर्ता अधिकारी के सार्थास्य, गांधी प्राप्त में प्रिप्ट्रीक्ट्रिया अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 15-4-1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह िश्वास करने का कारण है कि प्रथा पूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से स्वरा अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-सं के अन्सरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित रणिहर्षों, अर्थात् :---

श्री सी० राजा शेकरणा, नं० 272, मिडल त्कूस रोड़, वि० वि० पुरम, बेंगलूर-4।

(अन्तरक)

 (1) श्री एस० गुलायचन्द, (2) श्री एस० जयान्तिज्ञाल नं० 8, II कास, श्रांतावीच्य्या लैंस, चिकपेष्ट कास, बेंगलूच-53।

(अरारिती)

को रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :--

- (क) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीस धे 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिना गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 179/85, दिनोक 15-4-85) सम्मत्ति है जितका सं० 7 (16), जो II कास, शांतिवीरया लैंग जिन्नेट कास, बेंगलूर सिटी में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगसूर

सारीख: 6-12-1985

मोहर 🤋

प्ररूप दाई.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलर, दिलोक 6 दिसम्बर 1985

िदेश सं० ममे. 47143/85-86--अतः आरं० भारकाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिल्ली सं० $2\epsilon/18$ है, तथा जो स्वानिक रोड़, बेंगलूर में स्थित है (फीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फीर पूर्व रूप से प्रांगत है), रजिल्ट्रीतती अधिवारी के बार्याच्य गांधी गर में रिकिस्ट्री तरण अधिक्षियम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, सारीख अप्रैल 1985

को प्रकित संपत्ति के उचित बागार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह बिदवास करने का कारण है कि दशापूर्वोस्त संपत्ति का उचित राजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पादा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अंतरण से हुई किसी आप की बाबस, अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (भा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, वर्शात्:---

 श्रीमती कमता थी० भेगत, नं० 8, हडीत रोड. मद्रास-061

(अस्तरक)

2. श्री अशोह जि॰ धरयाशाधि भौर श्रीमती मोला ए० धरमासास, नं० 13, नेहरू भगर. II कास, बेंगलूर-20।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के रिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**व से** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी है पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्यी

(बस्तावेज सं० 202/85, बिनोक 0-4-85) खाली जगह है जिलका सं० 26/18, जो स्वंत्रकि रोइ. बेंगलूप में स्थित है।

> आर॰ भारकाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 6-12-1985

महिर 🛮

धक्य बाध . टॉ. एस. एस.

आयकर अधिनिराम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , यहायफ अध्यक्त आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंग बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निवेश सं० न० श्रार० 1648/37-ईई०/85-86---अतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्में इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं० 45 है, तथा जो पैलेस रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के सार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, तारीख 29-4-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह जिस्वास करन का कारण है कि सभावविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखिस में शास्तिक छ्प से किथित नहीं किया. गया है.

- (क) अन्तरण स हुइ किनी अग की यावस, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे वजन भी सुविधा के लिए; बीट्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भून या किसी बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भून-कर विभिनियम, या भून-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ बन्दरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् / -14—396 GI/85 श्री अजय कुमार मलिख, सन्याय मलिख, 33/1 जयन महल एक्झडेशन, बंगलूर, 5 मैन रोंड। बंगलूर।

(अन्तरक)

2, श्री एम० एच० काबली 77/8, नन्दी दूग रोड बेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध भें कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4 ी भेग को अविधि या सत्संदर्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समस्पत होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो सब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया हैं (1)

4444

(दस्तावेज सं० 1426/85, दिनांक 29-4-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 4411 है प्वाईट-IV 45 पैलेस रोड, बेंगलूर।

श्रार० भा**रद्वा**ज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6--12--1985

प्रका बाइं.टी.एन.एड..-----

भावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं नोटिस नं 46927/85-86--श्रतः मुझे, श्रारं भारदाज,

जारकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'ठक्क जीभनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के बभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थातित, जिसका उण्णित बाबार मूल्य

1,00,000/- स. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० 156, 6 है तथा जो डेरेबैल विलेज, मगलूर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-4-1985

करं पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके इत्यमान प्रतिकास से, एसे इत्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मिनिस्ति उड्डवेय से उस्त अन्तरण सिक्ति में पास्तिवक इत्य से कियत नहीं किया क्या है

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- का ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रकोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अ अयोग जिस्सिकत व्यक्तियों. अर्थात् =--

- श्री डेनिस डिसौजा, ककुवा मंगलूर तालुक। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रेका उल्जाल, प्रतिनिधिः डाक्टर माधव एस० पुत्रन मेडिकल प्रेक्टिसनर, सलूर, मंगलूर। (ग्रन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्थन के बिह

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के साम्रम्भ में मकावन की साडीए से श्री किन की अप्टिंग ना सरक्ष्मण्यी व्यक्तिस्मों पर ब्रुचना की तामीन से 30 दिन की नविध, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति इवास अधाहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

शास्त्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, शही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका नवा

वनस्थी

(दस्तावेज सं० 68/85-86, दिनां हे 10/4-85) सम्पत्ति है जिसका सं० एस० नं० 156, 6 जो डेरेवैल विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बंधीन स्था

भारत सरकार

श्रेषीलय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 47101/85-86---ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हु⁶, स्प्रै अल्बा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिट बाजार मृज्य 1,09,000/- स्र. से विधिक हैं

और जिसकी सं 0.16/2, 16/3 है, तथा जो जे सी रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, वसवतगुडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-85

को प्रोंक्स सम्मित के समित बिक्कार मुख्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के कह किस्पान करने का कारण है कि यथापूर्णेक्स सम्मित का उपन्त सम्मान प्रतिफल के एक्स प्रतिपत से विषक है वैहर अन्तरफ (बन्दरकॉ) और (बन्दरिक्सों) के बीच एवं अन्तरफ के लिए स्व पाया नया कन पिन्तिक्स उक्कोरिय से अधिक हमें विन्तरफ किस से वास्तिविक में वास्तिविक में वास्तिविक में वास्तिविक में वास्तिविक

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्सर जिथिनियस के जभीन कर दोने के जन्तरक के दारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोड़/या
- (क) एसं किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, चिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के निष्

बत: अथ:, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् क्ष्म- श्री डो० नरिसम्हलु नायडू, (2) श्रीमती लक्ष्मी
 (3) श्री दिनेश बाबू और (4) श्री ग्रानन्दा
 बाबू जरगनहल्ली, जे० पी० नगर पोस्ट,
 बेंगलूर।

(अन्तरक)

2 (1) श्री पी० सी० वासुदेवन, (2) श्री पी० नारायणन्, (3) श्री पी० सी० लुष्णन्, (4) श्री पी० सी० हरी, (5) श्री पी० सी० ग्ररविन्दाक्षन (6) श्री पी० सी० जयकुमार, नं० 2023/ए० 14 मेन रोड़, एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरा नगर, वेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

भी यह त्यना बादी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति थे अर्थन थे लिए कार्यनाहिकां सुरू मरसा हुं।

बबत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वन्त के समयन में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की वनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी
 अवधि बाद में समस्य होती हो, के भीवर पूर्वोक्स
 स्थितमें में से निकी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूत्रना के हाज़बन में प्रसावन की बाहीय हैं 45 दिन के श्रीकर इनक स्थानर सम्मत्ति में हिस्बन्हथ विकास वन्य व्यक्ति दुमारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए का सक्ति।

स्वाकित्यः - इसमें प्रयुक्त शब्दों गीत पूर्वों का, वो उक्त वाधि-विकास के संभाग 20-क में पश्चिमक्रीयस है, वहीं सूर्व होता, को स्था स्थान में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 396/85-86, दिनांक 30-4-85) सम्मत्ति है जिसका सं० 16/2 और 16/3 जो जे० सी० रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-12-1985

प्रकथ नाइ. टी. एन. एस. ----

व्रायकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वभीन मुचना

भारत पर्वाह

कार्यातम्, सहायक कायकर बायुक्त (निहुक्तिक)

प्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगल्र, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिश नं० 47051/85-86--अतः मुझे, भार० भारद्वाज,

मायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं 1857 है, तथा जो वनणकरी, II स्टेज, बेंगलूर में स्थित हैं (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय जय नगर में रिवस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख 22-4-1985

को पूर्वोक्त सम्बद्धित के प्रक्रित वाकार बुस्क से कन के वक्तवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके क्रमान प्रतिफल से एसे क्रबमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकृत से बिध्क है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित के किए तय बाबा गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण के लिए तम

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बायत, उक्त मिश्रीनयम के अधीन कर दन के अन्तरक के ब्रॉयिट्स में कभी करने या उससे स्थाने में बुविधा के लिए; महि/या
- (क) एसी किसी आस या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्दारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधृति :-- श्री ए० सुबरमणयम, नं० 2~बी०, स्टर्लिंग श्रपार्ट-मेंन्टम, स्टर्शलग रोड़, मद्राता

(श्रन्तरः)

2. श्री ए० शेशाद्रि, नं० 1499, IV दि ब्लाक्षं जयनगर बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सची

(दस्तावेज सं० 228/85 - 86, दिनांक 22-4-85) सैंट नं० 1857 जो बनशक्री, II स्टेज, बेंगलूर में स्थित 8।

ग्रार० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी सहायङ ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

तारीखः मोहरः

प्रकृप बाह्री, टी. एत. एव ् -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंक, बंगलुर

बंगलूर, दिनां 5 4 दिनम्बर 1985

निदेश सं० नोटि। नं० 46916/85-86--- प्रतः मसे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी लो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

ा.00.000/- रा में आधिक हैं

और जिन्की सं० म्रार० एम० नं० 833-1, टी० एम० नं० 655-1ए हैं, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इन्ते उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है है), रजिस्ट्रीहर्ता प्रधिकारी के ायिक्य, मंगलूर में, रिक्स्ट्री रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को व्यवसान प्रतिकेल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विस्वात करने का कारण है कि दशापुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वह अन्तरक (अंतरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबके, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क्रे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा क तिए; भौर/या
- (क) एरेसी किसी या किसी धन या अन्य असिसर्यो को जिन्ही भारतीय अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्र अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया **या या किया जरता पाहिए था, छिपाने में समिधा** ने विष्:

बत: अब. उक्त अभिनियम की भारा 269-न के बनसरण a में, उक्त अधि^{लि}यम की नारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ा. श्रो बी० दिश्यक्षय प्राप्तत्रा, बोलार, मंगलूर, (2) श्री एम० राघवा, वाह लेत, मंगलर। (अन्तरका)
 - 2. मास्टर अतुन प्रशाद चौता, उपने प्रतिनिधि श्रीमतो मल्जि । श्रार० चौता, पी० ए० होल्डर श्री के० बो० सीतारामा शेट्टी, कोडलामागरू विलेग, कासरगोड ताल्ः, केरला स्टेट। (भ्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वा≱त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्पत्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामीर से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिक्टि में किसे के सकी।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्हें का, जो उक्त अविभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेग सं० 12/85~86, दिनांक अप्रैल, 85) सम्पत्ति है जिसकी सं० आर० एन०-833-1 टी० एस० नं० 655~1ए०, जो श्रतावर त्रिलेज मंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलर

, तारीख: 4-12-1985

रक्ष नार्षं. टी. एष. एक.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत बरका

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० नोटिन नं० 47198/85-86--अतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 4/3). (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० सर्वे 1, 3, 5, 6, 7, 31/1 और 22 है, तथा जो गोल महिल्लो, में श्राने जल में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्री जी श्रवि गरी के ार्यालय, श्राने ल में रिजस्ट्री जरण अधिनियम, 1908 (1908 ग 16) के श्रधीन, तारीख 10 4-1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान मिल्फल के लिए अन्द्रारित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रक्ष प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निक्वित में वास्तीयक का से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुइ किसी नाम की बाबत, उपसे आंधियान के अभीत कर दोने के अन्तरक के दावित्य में अभी कारने या उससे अवने में सुविधा के लिए; सौर्/मा
- (क) एसी किसी क्षत्र या किसी भन वा अन्य कारितनी को जिन्हों भारतीय नायकर निविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्दीरती ब्वास प्रकट वहीं किया नवा भा वा किया जाना चाहिए था, कियान में तुरियम। की शिष्ट;

जतः तव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-व के अनुसरण जो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित् हर

- श्री महमूद मोहिनुद्दील, नं० 1084, 27 मैल रोड, 9 ब्लाल, जयनगर, बगलूर--11। (अन्तरक)
- 2. श्रोमती सरोग लुल्ता, नं० 5/24, 1 मैन गमे नहल्ली हेब्बाल, बंगलूर। (श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पतिह के जर्बन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शासीय:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील हा 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी न्यनित्यों पर स्थान की बामीन से 30 दिन की व्यथि, को मी लवाब बाद में स्माप्त हाती हो, के भीतर प्रांक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी जन्म क्यक्ति द्वारा जभा हस्साकरी के पास निकास में किस जा सकेंगे।

स्पक्कोकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों बाँर पर्धों का, को जनत बिधिनियम, के बुध्याय 20-के में परिभाष्टित है वही पर्ध होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

ननस्ची

(दस्तावेज सं० 68/85-86, दिनांक 10-4-85) सर्वे नं० 1 से 7 त ं, 31/1 और 22 जो गोल्याहल्ली, ग्रानेकल में स्थित है ।

> श्चार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायन आयन्द श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, बंगलू र

तारीख: 4-12-1985

प्रकप बाइ . टी . एन . एख . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के ब्वीन सुपना

भाक्त तस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 दिनम्बर 1985

निवेश सं० नोटिश नं० 46859/85-86--श्रतः मुझे, श्रार० भारक्षण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और विभकी सं० 492/डी० है, तथा जो VII क्रास, VII बनाक जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीशर्ता प्रधि ारी के कार्यातम, जना गर में रिजस्ट्रीशरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-4-1985

रा प्यांक्त सम्मित् के उपित नाजार प्रांच के से के स्वामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूह्य, उसके स्ट्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) **ड सधीन,** निज्निसि**वत धिन्ताओं, अर्थात् ४**—— 1 श्री जी० ए ।० बिनद्रा, नं० 617, VII ब्लाक, XI काल, जयाचार, बेंगलूर--II ।

(भ्रन्तरः)

2. श्री जि० यन्नाव त्वेय्या, नं० 118/1, रत्नाचितात, रोड़, बसवनगुडि, बेंगलूर--4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां बुरू करता हूं।

क्षकत सम्मति के क्षीन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भैं। अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद्ध निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 381/85, दि\ांक 4-4-85) सम्पत्ति है जिसकी सं० 492/डि०, जो 7 कास, 7 ब्लाः, जयानगर, वेंगलूर में स्थित है।

> स्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारी**खः** 6--12--1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारक २६९१-६ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांड 6 दिनम्बर 1985

निदेण सं० नोटिन नं० 47054/85--86----ग्रतः मुझे, श्रार० भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पट्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिन्नकी सं० 17 है, तथा जो 4 टी' ब्लाब, जयनगर बेंगलूर में स्थित है (और इन्नसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री तो अधि ारी के ार्यालय, जयानगर में रिजस्ट्री रिज्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24--4--1985

को पूर्वीवत्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में अस्तिक रूप से किंथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बागत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री लाहिस्त्या खान, नं० 17, XI मैन, 4 'टी॰' इना∴, ज्यानगर, बेंगलर-II।

(ग्रन्तर∄)

 श्री के० श्रबूब तर, नं० 47, 39, क्रास, 8 ब्लाक ज्यानगर, बेंगलूर--111

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्यूची

(दस्तावेज सं० 239/85, ता० 24-4-85) भम्मत्ति है जिसकी सं० 17, जो 4, 'टी०' ब्लाक, जयानगर, वेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 6--12--1985

प्ररूप बाई .टी.एन.एस . -----

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निदेश सं० 47149/85-86—अतः मुझें; आर० भारद्वाज,

आयकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- उ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 67/1 है, तथा जो 6 कास, आनंदराव एक्सटेंशन, गांधीनगर, हेंगलूर-9 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किंधत नहीं किया गया है %—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रीमती एस० ए० वेन्गडम्मा, (2) श्रीनती एस० ए० वैदेहि, (3) श्री एत० ए० श्रीराम, (4) श्रीमती एस० ए० गाइति, (5) श्री एस० ए० श्रीनिवासभ, (6) श्रीमती एस० ए० पद्मा, (7) श्रीमती एस० ए० सरस्वति, नं० 67, 6 क्रास, आनंदराव एक्सटेंशन, बेंगलूर । (अन्तरक)

2. श्री बी॰ शांतिलाल कनकरिया, नं॰ 67/1, 6 क्रास, अनंदराव एक्सटेंशन, गांधीनगर, बेंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त बिधिनियस, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गग्स्यी

(दस्तावेज सं० 233/85, दिनांक 19-4-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 67/1, जो 6 कास, आनंदराव एक्सटेंशन, गांधीनगर, बेंगलूर-9 में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 6-12-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, येंगलूर बेंगलूर, दिमांक 6 दिसम्बर 1985 मिदेश सं० आर०-1640/37-ईई०/85-86---अतः मझे, आर० भारद्वाज,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 101 है, तथा जो एक्सप्रेस अपार्टमेंट्रा, 47; रिचमंड रोड, बेंगलूर-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से तणित है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एक्साजी क्यार में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, (1908 का 10) के अधीम, तारीख 29-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का प्रित्यत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अधीत् हि—

1. मेदर्स एम*्प्रीद जिल्डा*र्द प्रा० लि०, 47, रिचमंड रोट. बेंगलुर--25।

(अन्तरक)

 श्रीमती क्ष्वीया ारीम, 138, रेसिडेन्स रोड, वेंगवृध-25।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्नान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1418/85, दिमांक 29-4-85) प्लाट नं० 101, जो एक्त्रप्रैस अपार्टमेंट्स, जो 47 रिचमंड रोड, बेंगलूर-25 में स्थित है।

> त्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आवटार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6—12—1985

प्ररूप आर्ड्, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के स्वीर धूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जाभ रेज, बेंगल्र

बेंगलूर, दिलांक 6 दिसम्बर 1985 निदेश सं० आर० 1641/37-ईई०/85-86-अतः मुझे, आर० भारहाज,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हो), की पारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रॉर जिसकी सं० फाट नं० 106 है, तथा जो 47, रिचमंड रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाधड़ अनुसूची में ग्रॉर पूर्ण रूप में विंगत है), रिजस्ट्रीयर्का अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित नाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखित उथ्योद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बात अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्नोसियिस स्थितकों.. अधीत के

1. मै॰ एक्प्रप्रैस विल्डर्स प्रा॰ लि॰, नं॰ 47, रिचमन्ड रोड़, बेंगलूर—25।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पादिरा जमील, नं० 78, **राबर्टेसम** रोड, बेगलूर-560005।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

(दस्तावेज सं० 1419/85-86, दिनांक 29-4-85) प्लाट नं० 106, जो एक्सप्रेंस अपार्टमेंट्स नं० 47; रिचमन्ड रोड, बेंगलूर-25 में स्थित है।

भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-I, बेंगभूष

नारीख: 6-12-1985

एक्ष वाह[े]. टी. गृतः एस . -----

बायकर कींगिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

ARES OFFI

कार्यास्य, शहायक्ष महत्रकार, बाव्यत (विद्राक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निदेश सं० नोटिस नं० आर० 1642/37-ईई०/85-86--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1951 (1951 का 43) (बिसे इसमें इसके परपात 'उना अधिनियम' जहां एका हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, चिसका जीवत बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 303 (242) है, तथा जो 4 मैंन, मल्लेश्वारम, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजिनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1985

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाब की बावब, उक्त बिधिनयम के अधीन कर पेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/बा
- (न) येची किसी बाय यह किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोक्तियों पत्तिरियों हें बार जबार नहीं विकास प्रया था वा किया जाना अधिन या विभागों में परिचा को लिए:
- ्रकृता वर्ष, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भें भें, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है निम्निसित अ्वितसों, सर्थात् :--

- 1. श्री एन० कुमारास्वामी, (2) श्रीमती मालति कुनारास्वामी, (3) श्री के० हेमन्त कुमार श्रीर कुमारि लंबिनि नं० 6, पन्द्रा भाग अविन्यू मैलापुर, मद्रास-4 (4) सैसर्स इंजीनियर एक्सटैन्शम प्रा० लि०, नोशिवरवाम मैन्शम, 3 फ्लोर, हेनरि रोड़, कोजाबा, बम्बई-39। (अन्तरक)
- (1) के० के० ए० राव, (2) श्रीमती पद्मा राव, नं० 10, हिन कुम्ब अपार्टमेंट्स, 99-100 आलमैंडा पार्क, बान्द्रा, बम्बई-50। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए

उनत सम्पत्ति को कर्जन के सरदन्य में कोई भी कार्कोप इ-

- (क) इस जुलना के उजपन में नकाशन ही तारीत से 45 दिन की जनित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनींन, जो भी जनित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्त
- (घ) इड स्चना के राजपण में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जशहरताक्षरी के पास बिसिस में किए वा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक जिथितिया की जध्याय 20-क में विद्यावित ही, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय भें दिया तथा है से

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 1420/85, दिनांक 29-4-85) प्लाट नं० 3, 2 फ्लोर, मिल्लों मैन्शम, जो नं० 242 (नया नं० 303), 4 मैन मल्लेश्वारम, बेंगलूर-3 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6-12-1985

क्र**क्**र कार्केः जीक एउं । एक क्रान्य----

बायक्र विधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 259 में (1) के क्षीन सुबना

भारता सरकार

कार्यासम्, सञ्चायक भावकर नायुक्त (निद्धालक)

भ्रर्जन रोज, बंगलुर बंगलुर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० नोटिस नं० भ्राट० 1644/37ईई/85-86---यतः मुझे श्रार० भारद्वाज

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद, 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रू से अधिक है

भौर जिसकी सं शोरम नं 4009 है, तथा जो 45, व्यालेस रोड, बंगलुर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्री इरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-4-85

को पृष्टिक सम्पत्ति के उचितं वाकार भूल्य से कम के क्रियमान शितफल के लिए अनारित की गई है और मुक्कें बहु विक्वास वार्ग का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का जीवत वाकार मूल्य, उसले दश्यमान इतिकल ते, एंगे दश्यमान शितफल का पंद्रह प्रसिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्ति (कार्मार्थितमां) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पाया भूमा प्रतिद्यंत निम्निलिखित उद्योध्य से उथल अन्तरक निवित्त में वास्तिविक क्ष्य में अधिक नष्टी किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की फिन्हें भारतीय आयवज्र अधिनियम, १९२३ (1922 का 11) या उद्युद्ध किसीनयम, १९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिद्धी ध्यारा प्रकट नहीं किया स्था या किया काना आहिए था कियाने में हुरिधा के किया ।

कतः अव, जबस विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भौसर्स एक० ए० प्रापण्टी डेवलपर्मेंट (प्रार्थिट) लिमिटेड नं० 45 व्यालेश रोड, वेंगलुर-560001 श्री मूहन्मद सादिन कालिली, डाक्टर मोयीनकालीली श्रीर मिस जोहरा भान कलीली 45/1, व्यालेस रोड, बंगलुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एशा, एन० एत० एच्चन्मार स्ट्रीट-3 काल शेशाद्विपुरम, वेंगलूर-560020

(श्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी आरके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यपादियां कारता हुए।

उन्नत संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्र-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दादीश के 45 दिन की बावीश या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पष्ठ सूत्रना की तासील से 30 दिन की जनिथ, जो भी बदिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीब हैं
 45 दिन के भीदर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में दितबद्दम किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहरताक्षरी बे
 पास जिल्लिस में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उत्तस अध्याय में दिया नथा ही।

भ्रनुसूची

(दस्तावेज मं० 1422/85-86 तारीख 29-4-85) शोह्म नं० 4009 जो है पाईन्ट-4 नं० 45, व्यालेस रोड; बंगलुर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, बंगसुर

तारीख: 6-12-85

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

सामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरोंज, बंगलूर चित्रंक क्रिक्ट

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० भ्रार० 1645/37ईई/85-86--

म्रतः मुझे म्रार० भारद्वाज

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारि को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रू से अधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 3 जे है, तथा जो 23 पामग्रोयर रोड भास्टीन टाउन बंगलूर में स्थित है (श्रार इसले उपाबद अनुसूची में भौर पर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29~4~85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमाणिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--[

- (क) अन्तरण से हुद्दें िकती आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अवः अवः अभिनियम की भारा 269-म की अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अभीत् क्ष्यान

- (1) पेंबर्स यदरन इन्वेस्टमेंन्टय 65 मान्टियथो रोष्ठ एगमोर मदाब-60008
 - (2) श्री स्थात्यु जान्दी श्री जेलज चान्दी श्री एस० सी० बालन नं० 45, प्यालेस रोड, बेंगलूर-560001 (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री ए० जी० सिरसी ग्रौर श्रीमती सुधा सिरसी 2 फ्लोर, वैट हाउस नोबरोजी ग्रेनोडिया रोड, धम्बई-400026

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी जन्म व्यक्ति एकारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ग्रन्सूची

(दस्तावेग सं० 1423/85-86 तारीख़ 29-4-85) भ्रांपार्टमेन्ट नं० 3 जे० जो 4 पलोर पामद्री प्लेस, नं० 23 पामतीब रोड आजिटन टाउन वेगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरोंज, बेंगलूर

सारीख: 6-12-85

प्रसम्ब सार्वे मार्गे, गर्स, गर्मा,

नामकर नाँपनियस, 1961 (1951 का 43) की धारा 259-घ के अधीन सूचना

तारत सरकार

कार्यांचयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरोंज, बंगलूर बंगलूर, धिनांस 6 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० नोटिस नं० श्रार० 1649/37 ईई/85-86---यतः म**क्षे** श्रार० भारद्वाष

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गणा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने जा कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उत्ति बाजार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट गं० जे० ३ है, तथा जो ४ मेन मलेल्क्य-वरम बेंगलुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिट्टी करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 24-4-85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही आरे मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि ग्रथमान्धिका अक्षरित को उचित जारता मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (अंतरितकों) के तील ए'में अल्परण में लिए अस पारत पार गोर किन कल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उसत अन्तरण जिल्हित में बास्तिबक कृप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) करतार से तार किसी बाय की बाय क्या करता विश्व निवय में अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कर्मी करुने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; ऑक्ट/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या खना जास्तियों को, जिल्हों कार और अस्थकार अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या स्व-अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) चे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा का का का जाना चार्का का मा का का का जाना चारका चारका के जिल्हा

मुद्धः मृतः, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म में मृत्यरण में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— (1) श्री भ्रार० वी० राम ष्णत 2355ए, 2 फ्लोर, 9 कात 9 में न रोड, ई ब्लाक राजाजीनगर 2 स्टेज बेंगलूर-560010।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रक्षना गोशलाकृष्णनन् प्लाटनं जे०-3, भीवी श्रवार्टभेन्टत 4 मेत रोड, बेंगलूर-560003। (अन्तरिती)

को यह सुभना बारी करके पूर्वोक्त उन्नोत्त के बर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्मन्ध् में काई भी बाक्षपः ---

- (क) इस मुक्ता के राजपृत्र यो प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाों पर स्कृता की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि वाद मों समाप्त होती हो, खें भीतर पूर्वों कर खांस्तयों में संकित्सी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य अधिक इवार, नशहस्ताकरों के बाद जिल्हा में किए वा सकती।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आ़र पदों का, जो उकत अधिनियम के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

(दस्तावेज सं० 1427/85-86 तारीख 24-4-85) प्लाट नं० जे-3,जो. मेंबी श्रान्टेंमेन्टस जो 2 फ्लोर, 4मैन, मल्लेक्वरम बेंगलूर-560003 में स्थित है।

> श्रार० भारक्षाज तक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, बंगलुर ।

तारीख : 6-12-85

हरूप गाहरी ही, एए। एसा लाउन

भाषकर मोभिनिसस. १९६१ (1961 का 43) की लाहा 260-ए (1) के ज्योत मुचना

भारत सरकार

धार्यात्रम्, सहारक अध्यक्त वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रोंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985 निर्दोग संग्नोटिस नंग्न भ्रार्ग्ग 1650/37ईई/85-86---यतः मुखे भ्रार्ग्य भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिन्ते इसर्वे इसर्वे प्रकार उत्तर अधिनियम कहा गया हैं) कर धारा 269-च के बभीन सराम प्रशिवनारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्परित, फिसका उचित वाजार गृह्य 1,00,00-0 रह. में अधिक ही

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 406 है, तथा जो एक्सप्रेस प्रथार्टमेन्टल नं० 47, रिचमन्ड रोड, बेंगलूर-25 में हैं) भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 406 है, तथा जो एक्सप्रेस प्रपार्टमेन्टस नं० 47, रिचमन्ड रोड, बेंगलूर-25 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 को 16) के श्रधीन तारीख 29-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ सं सूर्य भिन्नी आयु करी वायत्। अवेक अधिनियम् से स्थीन त्रुर योगे के अन्तरक से सम्बन्ध में कनी करने वा उससे श्राने में सुनिया के डैसए; मार्क/शा
- (क) एसे किसी काय या किसी धन गर अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का ३1) या उपता अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अञ्चरिती इसार प्रकट नहीं किया गरा या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिंख व्यक्तियों, वर्षात् ध---

(1) बैजर्ज एक्सप्रेस जिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड न० 47, रिसमन्ड रोड, बेंसलूर-25

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर गोतम प्रकाश सन ग्राफ़ डाक्टर प्रकाश, उसके प्रतिविधि श्रीमती सी० एम० चिन्द्रका, विद्या भवन करिककामुरि रोड एरनाकुलम कोचिन-11

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी उन्नीत याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविधत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

(दस्सावेज सं० 1428/85-86 तारीख 29-4-85) सब सम्पत्ति है जिसना सं० प्लाट नं० 406 जो एक्सप्रेस अपार्टमेन्टस, नं० 47, रिचमन्ड रोड, बेंगसूर-25 में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहाया श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 6-12-85

मोहरः

ब्रह्म महर्षे ही . एत् . एस् . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगजूर, दिनां ह 6 दिशम्बर, 1985

निर्वेश सं० नोटिउ नं० आर-1651/37ईई/85-86— यतः मझे, धार० भारद्वाज

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- उ. से अधिक हैं

मीर जित्रको सं० 23 है तथा जो पानग्रीय रोड, शाहित टाउन, बेंगलूर में क्षित है (श्रीर इस्ता उपायद अनुसुवी में मीर पूर्ण रूप से बिणित है), रविस्ट्रीतरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 29-4-85

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से क्थित नहीं किया मया है :--

- (क) अन्तरण संहुद किसी बाय की बावता, उक्से बिधिनियम को अधीन कर दोने की बन्तरक को दायित्य में कभी करने वा उससे सदने में सुनिधा को लिए: और/धा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को एंजन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना आहिये था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त शिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्ने चिस्त व्यक्तियों, अर्थात्। (1) मैं उर्स सदरन इनवेस्ट भेंट ह, 65, मानटियन रोड, इमगोर, मद्राय-81 (1) श्री मात्यु चानडि, (2) जाकोब चबाजीड, और (3) श्री एस० सी० बालन, नं० 45, पैलेड रोड, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुक्रामनियम 5-सी, कादरनाथ, ग्रणुशक्तितगर, डिवोनार, बम्बई-4।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के कर्जन के किथ कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संजध भी करेंग्रे भी बाक्सप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंदुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सकेगे।

स्पष्टीकरणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

क्ष्य स्वी

(दस्तावेज सं० 1429/85 तारीख 29-4-85) सम्बक्ति है जिल्ला सं० 2-एक, 2 फ्लोर, पामट्री प्लेस, जो नं० 23, पामजीव रोड, 3 पात्रदिन टाउन, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकरग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, यंगलूर

सारीख: 6-12-85

मोहर:

16-396-GI/85

प्ररूप बार्ड टी.एन.एस. ----

कार्याक्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक) क्कर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के बधीन बुबना

भारत सरकार

कार्याचन; सहायन धानकर धान्तत (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० नोटिस नं० श्रार० 1657/37ईई/85-86---यत: मुझे श्रार० भारद्वाज

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इकके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सथीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का क्षाल है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित वासार भूत्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० अपार्टमेन्ट नं० 4जे है, तथा जो पामट्री प्लेस नं० 23, पामग्रोव रोड, श्रास्टिन टाउन, बंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन सारीख 29-4-85

को पूर्वोक्त तम्मीत के उत्पाद वाचार पृथ्य से का के व्ययमान प्रशिक्ष के सिए मन्तरित की नई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्नों कत संपीत्त का अधित वाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफत से, ऐसे व्यवसान प्रतिफत का वंद्ध प्रतिकात से अधिक है और वंतरक (वंतरकरें) और वंतरिती (बन्तरितियों) के वीच एसे बन्तरण के किए इस ममा नया प्रति-क्ष्म निम्मीनिश्त उद्देश्य से उच्य बन्तरण विश्वत में वास्त-विक कर ने समित नहीं किया करा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उपत बिध-पित्रव के क्वीप कह दोने के बन्धरक के वासित्द में कती सहये वा उत्तर्व देवने में बृदिना के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग वा किसी धन वा बन्य वास्तियों की, विक्ट बास्तीय बाय-कर विधिनियम, 1922 हैं 1922 का 11 वा उक्स विधिनियम, वा धन कर विधिनियम, वा धन कर विधिनियम, वा धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना प्राहिए था, कियाने में सुनिया के किए;

बतः अब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं सर्वे सदरन इनवेस्टमेंट्रस, 65, मानटियत रोड एगमोर, मद्रास श्री म्यत्यू चान्दी, श्री जेव्ह चान्दी श्री एस० सी० बालन, नं० 45, प्यालेस रोड, बेंगलूर-1

(ग्रन्तरक)

(2) मिस वीणा सजनानी 73, लान्गफोर्ड, कोरट लान्गफोर्ड गाडिन्स बेंगलूर-560025

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस नध्याय में दिना गया है।

भनुसूची

(दस्तावेज सं० 1435/85-86 तारीख 29-4-85) अपार्टमेन्टस नं० 4जे० जो 4 पलोर 'पामट्री प्लेस', नं० 23, पामग्रीव रोड, आसंटिन टाउन, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलूर

तारीखः 6-12-1985

प्ररूप आहु". टी. एन. एस.-----

अध्यक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) नहीं बाह्य 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० प्रार-1658/37ईई/85-86-यतः मुझे ग्रार० भारद्वाज

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्बत्ति, जिसका उचित वाषार भूका

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं 403 है, तथा जो एक्सप्रेस अपार्टमेंटस नं 47,
रिचमन्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसुधी
में भीर पूर्ण रूप से संणित है), रजिस्ट्रीय रण अधिनियम 1908
(1908 वा 16) के अधीन तारीख 29-4-85

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित वाजार मूल्य है कर के क्रममान बितफल के लिए अन्तरित की गई है और बहु विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिकान का फल्यह प्रणिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्वी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाता गया प्रतिकास, निम्मिसिकत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण फिक्किए में भारतीयक रूप से कियत नहीं किया गया है हुन

- (क) शन्तरुक से हुई किसी नाय की वावज कका विश्व नियम की नभीन कर वॉने के अन्तरक के वायित्व में कभी कुछचे या क्यूसे बचने में सुविवा के विक्; बीह/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, फियाने में स्विधा के खिए;

(1) एक्सप्रेस बिल्डर्स प्रा० लि० 47, रिक्मंड रोड, बेंगलूर।

(श्रन्तरक)

(2) इन्दिरानगर प्रापर्टीस प्राई० लि० मेगदूत, 12 रोलचांड रोड, (8 बी), कलकत्ता-20

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्य सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां अरखा हुं।

क्का समाति के क्वीब से सम्बन्ध में सोर्घ थी बास्तेय ए---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की बारीब के 45 दिन की अनीब वा सर्वार्थी क्षानिस्तां का सूचना की बागील से 30 दिन की सर्वार, जो औं नेवीय नाव में समान्य होती हो, के जीसर प्रवेतिक स्थानिस्तारों में वे कि की स्थानिस ब्यास्तार
- (क) इस ब्रूचना के राजपथ में प्रकाशन को सारीस से 45 दिन के शीवर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्वित-क्यूच किसी बाज मानित द्वारा मधाइस्ताकारी के गास निर्देश में किए का स्कर्ण।

स्थानिक स्थाने प्रमुख्य शब्दों और पदों का, को उन्तर मीपीनका, को अध्याव 20-क को पीरशाविक ही, यही वर्ष होता, को उस मध्याय को विवा स्था ही।

वस्स्वी

(दस्तावेज सं० 1436/85 तारीख 29-4-85) प्लाट नं० 403, एक्प्रप्रंस ग्रपार्टमेंटस, जो नं० 47, रिष-मण्ड रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> मारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी स**ह**।यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज बंगलुर ।

बतः व्या व्या विविध्य की नास 269-व के वन्वर्य में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीन, निम्निजिसित व्यक्तियाँ अर्थात् :---

ता**रीख:** 6-12-85

मोह्रर:

प्रकृप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारह सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनोक्षः 6 दिसम्बर, 1985 निर्वेश सं० ने/टिय नं० प्रार-1661/ 37ईई/85-86---यतः मुझे, भ्रार० भारताज,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि: स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 37 (485) है, तथा जो जसवा वजार विलेज मंगलूर में स्थित है (फ्रीर इरों जपाबद अनुसुनी फ्रीर पूर्ण स्परे वणित है), रिवर्ट्रा रण अधिनियम 1908 (1908का 16) के फ्रिधीन तारीख 29-4-85

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से पिश्वक है और मन्तरक (मन्तरकों) मोर मन्तरिकों (मन्तरिवर्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्व कि निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर भन्तरण निखित में बाक्तबिक स्म से कि भित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत. उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियमः 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियमः या सन-कर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किश्व गया था या किया जाना चाहिए था; कियाने मैं पृष्टिश है किए।

बतः वयः, जवतः विभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रोतितो जो० सरताबाई, (2) श्रोमती एम सुमना मैंतर्स पी०विश्वनाथ भट्ट दरवाजों नं ० 13-10-1349 बाई 1349, फील्ड स्ट्रीट, महामाई टेंपल के नणदीक, मंगलर-1

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० विष्णु भन्डारशर, बेंबटरमण टेंपल कम्पाउन्ड कार स्ट्रीट, मंगजूर-01

(भग्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विधिवियम, के बध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में जिया प्या है।

जन्सूची

(दस्तावेन सं० 1430/85 सारीख 29-4-85)

अमास्ति है जिसाम सं० टी०ए०० 37, आर०एस० नं० 485, डोर नं० 13-10-1349 और 1349ए०, जो बस्खा बजार विकेत, मार्केट वार्ड, मंगलूर, में स्थित है।

> भारक भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुर्मेत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज,बंगलूर

तारीख: 6-12-85

मोहर 🕾

प्ररूप भाष्टी, टी. एन. एस., ++---

बायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० भार- 1686/37ईई/85-86-मतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

मौर जिल्ला सं० प्रार० ए त० नं० 597/1ए, श्रीर 578/2ए 2, ति० एव० नं० 217/1ए श्रीर 216 2ए/2 है, तथा जो कलबा नजार विलेज, मंगलूर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबक श्रनुसूची भें घौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री करण श्रीविनियम 1908 (1908 का 10) के श्रिवीन तारीख 24-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है दन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या भन या अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकार विधिनयम, या धनकार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नवां भा या किया जावा चाहिए था, जिल्लाने के स्वित्य के सिंद;
- बतः शवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की अनुसरण को, को, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1). की अधीर, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्री पूजा भारकड़े, के०एस० रावरोड, मंगजूर (ग्रस्तरक)
- (2) घहमा माहित बाबा, 3र, तिन्धु हाउत, नानाबाई लेन, फ्लोरा फाउनटेन, बम्बई-400001। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं के सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक धैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के बच्याब 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा प्या है।

अनुमुची

(दस्तावेज सं० 1440/85 तारीख 24-4-85) सम्पति है जितकी सं० जो-बो० 8, जो श्रार० एस० नं० 597/1ए, श्रोर 578/2ए2, टी० एस० नं० 217/1ए श्रोर 216/2ए2, कसबा बजार विलेज, मंगलूर, में स्थित है।

> मार० मारद्वाज संसम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरोक्षण) भगंन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 6-12-1685

प्रकृत कहा . टी . एन . एच . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सूचना

बाइव ब्रुडकाड

कार्यासय, बहायक बायकर बायक्य (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- 2, मद्रास भन्नास, दिनौक: 29 नवस्वर 1985

निवेश सं० 15/प्रश्रेष 85--- घतः मुसे, श्रीमती एम० साम्बेस

जायकर जिभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पर्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य धै कि स्थावर संपत्ति, जिसका उथित बाजार मुख्य 1,00,000/- रउ. से अधिक हैं

भीर जितकी सं० भूमि सर्वे सं० 4285, 4283, 4287; 4288 है, जो कार्योरेशन डिकीजन नं० 99 सीत बीच रोड मजा 328 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूर्वा में फ्रीरपूर्ण रूप से व्यापत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रशिकारों के कार्यालय मेलापुर लेख सं० 483/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रशिवनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का महसू प्रतिसत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकः) और अम्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेष्य से उक्त अम्तरण कि विष् तथ वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेष्य से उक्त अम्तरण कि विष् तथ वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेष्य से उक्त अम्तरण कि विष् तथ वाबा गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, अब त अधिनियन के अधीन कर वने के अन्तरक औं इतिरय में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिहा; की रूपा
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के सिए।

नतः नवः एक त निमिनियम की भारा 269-व के नन्तरक के, में, सक्त अभिनियम की भारा 269-व की स्पर्धारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियर वर्षात् हु— (1) श्री एस॰ सुवनणियन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें पी एस कुष्णा

(ग्रन्तरिती)

स्ते यह सूचना चारी करके पृत्रानित सम्परित सं वर्षन के सिख् कार्यगाहियां शुरू करता हूं।]

उक्त सम्मतित् के बर्चन के सम्बन्ध में फोर्ड भी बासरे ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिक्तमों पश् स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शब लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पच्छिकरणः ---- (सम्प्रयम्त शब्दों आरि पदों का, जो उनद् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूभि— प्लाट सं० 39, सीय बीच रोड, मद्रास-28 मैलापुर लेख सं० 483/85

> श्रीतती एन० सामुवेल सञ्जन प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रॉज- 2, मद्रास

सारी**वा** : 29-11-85

मोहरः

127

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायक तु निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भर्जेन रेंज- 2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 29 नवस्बर 1985

निवेश सं० 21 श्रेशल 85 - श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 - इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं 30, (पुराता सं 21) श्रक्ष जा मुरजी स्ट्रीट मैलापुर है, जो मद्राह-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूत्री में पूर्ण रूप से विणित्त है), रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं 536/85 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1903 वा 16) के श्रधीन श्रप्ती व 1985

को पूर्वोक्स सम्मांस के उपित बाजार मुस्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। विवित्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुइ किसी नाम की बावत स्वयं अधि-नियम के बधीन कार दोने के बन्तरक के दामित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रशेजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा की लिए;

्ब्रकः अञ्च, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ▶ क्रभौन, चिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ६—— (1) श्री एव० पी० मुह्तरभीर 3 मन्यी

(भ्रन्तरह)

(2) श्री ए० वी० राजन

(भन्तिस्ती)

की वह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🦫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तरपम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वन्धि, वो भी अदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) 4स स्थाना के राजपत्र में प्रकारन की सारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-धर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी है पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त घट्टों और पर्वों का, भी उपित अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

लम्स् बी

भूमि श्रोर मकान--30 पुराना सं० 21, श्रवण्या मुदली स्ट्रीट मैलापुर मदात-4, मैलापुर लेख सं० 536/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम गाँधकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख: 29-11-85

प्रकप वार्ड, टी. एन , एस ,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयंक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज- 2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 20 नवस्वर 1985

निदेश सं० 24/प्रश्रैल 85—प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याण करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

मीर जिसकी सं० 38 श्रीर 39, तिणकान्वलन रोड है, तथा जो टी॰ नगर में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिलस्ट्रीयर्ती श्रीधनारी के कार्यालय टी॰ नगर लेख सं० 444/85 में भारतीय रिलस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रीक 1985

को प्वेंक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल ित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के शंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करो, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा खेलिए;

(1) कोरमंण्डल इण्डल्द्रीत प्राईवेट लिमिटेड ।

(भ्रस्तरक)

(2) श्री एन० विस्त्रनायन

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सर्प किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

भ्षाब्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

पन् गुको

> श्रीतजी एन व्यानुनेस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्राधुक्त (निरीजण) श्रामंत रेंज-11, महास-6

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 29-11-1985

प्रस्य आध्र', टी. एव. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 28 नवम्बर, 1985

निदेश स० 33/श्रप्रैल 85---श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह धिववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बह्मार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 301/302, मौब्रेस रोड है, जो मद्रास- 18 में स्थित है) श्रौर इत्तसे उपाबद्ध सनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध कारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल लेख सं०, 415~85 में भारतीय रिजस्रीकरण श्रिधिनियम, 108~(1908~ का 16) के श्रिधीन श्रिप्रैंल 1985

को प्रतिकार सम्मारित के उचित बाजार सूल्य से कम के रूपमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मिक का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकास से, एसे रूपमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकास, निम्निविद्यत उच्चरिय से उच्चर बंकरण तिवस में बास्तविक रूप ने कांगित नहीं किया नवा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबरा, उपन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वे शासित्व में कभी कारने या उसने बचने में सुविधा के सिए: और./या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों क्या किसी भाग या अन्य अधिनयम, 1922 (1922 का 11) ा उन्त अधिनयम, या भन-कर अधिनयम, या भन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या भा या भिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिर्श

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, तिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 17---396 GI/85

(1) श्रो एन० सुप्रमणियन ग्रीर श्रन्यों

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो रमा, श्रार० उमा, श्रोमद्रि, कलावती श्रौर श्रीमती पदमा गोपि कृष्णन

(भ्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के क्यान के संघ्रध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ ५२ स्थना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त हांती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यवित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीकार उच्चत स्थावर सम्पत्ति में दिव ब्रुध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी क जास सिक्ति में किए जा सकेंचे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिस्तापित है, बही अर्थ होगा, जो तम अध्याय में दिया पदा है।

ग्रनुसू**र्च**ी

301/302, मोक्रेस रोड, मद्रास 18, मद्रास सन्द्रल लेख सं० 415/85।

श्रीमती एम० सामुबेल भक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास ।

तारीख: 28-11-85

मोहरः

प्ररूप आईं .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास,दिनाँक 28 नवस्वर 1985

निदेश सं० 38 म्रप्रैल 1985--- मृह्मे, श्रीमती एम० भाम् वेस

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9, पुराना सं० 12, णियाजो स्ट्रीट टी० नगर है, जो मद्राम-19 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध सें श्रौर पूर्ण रूप से विषात है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 408/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रीशैल 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में याम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती नागर्मणि नाय ग्रीर प्रन्यों । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम॰ शारदाम्बाल भौर भ्रन्यों । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूभि श्रौर मकान डोर सं० 9 (पुराना सं० 12) शिवाजी स्ट्रीट टी० नगर, मद्रास 17 टी०, नगर---लेख सं० 408-85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास ।

तारीख : 28-11-85

प्रकल बाह्री, धी. एवं,्वर्स्स ्वान न न न व

P--- 4004 (4004 -- 40) --

क्षारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजुन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 29 नवम्बर 1985

निदेश सं० 42 अप्रैल 85 अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 640 स्कायर फीट सं० 8, माइली रोड, है, जो टी० नगर मद्रात-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर लख सं० 432/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्र ल 1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशास से अधिक है और अंतरित (अन्तरित स्थाप्त के सिए तक पाथा का पंद्र प्रतिशास से अधिक है और अंतरित (अन्तरित से) और अंतरित (अन्तरित सें) के बीच एसे अन्तरक के सिए तक पाथा का प्रतिफल, निम्नसिश्चित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबद, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किह; कौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात क्रिक्न

(1) श्री एस० रामस्वामी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणि बद्रिनाथ।

(भ्रन्तरिती)

नवे यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के "लए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के कम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हं---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 विन की जनभि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िसित में किए वा सकते।

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घन्यु वी

प्लाट सं० 8, माडली रोड, टी० नगर. मद्रास- 17, टी० नगर —लेख सं० 432/85।

> श्रीमती एन० नामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

तारीख : 29-11-1985

मोहरः

प्रकप भाष् . टी. एन , एव . ----

आध्येकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

मारत सरकार

कार्याजय, सद्दायक नायकर नायकत (निर्धालक)

श्रर्जन रेंज- 2, मब्रास

मद्रास, दिनाँक 29 नवम्बर 1985

निदेश सं० 81 अप्रैल 85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामु-वेल

शासकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परपास 'उन्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ष्लाट ए 5, डोर सं० 23, टी० एस० सं० 32, ब्लाक सं० 30 है जो को ग्रम्बाक्कम गाँव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध शनुसूची भेमें श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बाक्कम लेख सं० 1204/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापने वित्त संपरित का उचित नामार शूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण सिविच में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण वे हुई किथी बाय की वावता, अक्त अधिनियम से अधीन कर दोने के अधारक हैं वायित्य में कमी करने वा उबसे वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य शास्तियों की जिल्हें भारतीय जावकर वासिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में सुविधा से निए;

भतः तथा, उचत अधिनियम कौ धारा 269-त में बनुसरज् भो, मी, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्षात् ह्र— (1) श्री एम० राजाराम रेडियार और दूसरे। (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० विजयलक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोंक्त व्यक्ति हों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया हैं।

मनसची

भूमि ग्रीर मकान---व्लाक सं० 30, टी० एस० सं० 32, सं० 23, 19 प्रविन्यू ग्राशोक नगर, मद्रास-83 को उम्बाक्कम । लेख सं० 1204/85 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास- 6

तारीख : 29-11-85

मोहरः

इंक्ट नाही, डी. इच्. च्या :----

बायकड विभिनियम, 196१ % 961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 29 नवम्बर 1985

निदेश सं० 93/श्रप्रैल 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम०सामुबेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि खेती—सर्वे सं० 181, वल सखाकरम गांव है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जिस्मान लेख सं० 901/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रीधीन ग्रीन 1985

का प्वांक्स संपत्ति के उपित बाबार मृस्य सं कम के व्यवसाध बितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देष से उक्त अन्तरण

- (क) बन्तरण सं हुई कियी बाय की बायस, उक्स दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के के बिप; आहर/का
- ंश) ऐसी किसी लाय मा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थर ;—— (1) श्री विनोद टी० षा० पावर एजन्ट चन्द्रणान्त एच० षा० श्रीर श्रन्थों।

(अन्तरक)

(2) श्री जी०के० राज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब स 45 दिन के भीत ए उकत स्थाय पंपति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा श नाकरी के पण्च तिवित में किए वा संक्षी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा पर सभ्याय में विदा गया हैं।

ग्रनुसुची

कृषि खेती—जार्वे सं० 181, बजसखासायम गांब विरुगम्बाक्यम लेख सं० 901/85।

श्रीमति एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 29-11-85

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. मद्रास

मग्रास, द्विनांक 29 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 94/अप्रैल/85--अतः मुझे ए म० सामुबेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० सर्वे सं० 18०, बलसखाककम गांध है, जो में स्थित है (और इसमे उपाबद स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रा ति अधिकारा के वार्याक्ष्य विक् गम्बावाम लेख सं० 902/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 908 (०908 का 16) के अधीन अप्रैत 1985

अबे पूर्वोक्त संपन्ति के टिचित बाबार मृत्य से कम के दरममान द्रितफम के भिए अन्तरित की गर्व हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का अपरण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अभिक हैं और अन्तरक (कन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिक कस निम्नतियां उद्योग से उसत अन्तरण के निए तम पामा विक कस निम्नतियां उद्योग से उसत अन्तरण कि बित में भामायिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कस्तरण सं हुई किसी माय की बाबत, उक्त बाँधनियम क्रें सधीन कर दोने के अंतरक में दायित्व में कमी करने या उच्छे क्यने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्ध बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गण या किया जाना चाहिए था, खियाने में मृतिभा के सिन्;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (०) श्री शामिकलाल टी० पी०

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपी० त्री० कृष्णन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के वर्षन् के सम्बन्ध में खोई भी वालेष्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की स्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, वो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के अवपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी : के पास निविध्त में किस वा सकेने।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्ग और पदों का जो उक्त विभिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध द्वांगा जो उस वध्याय में दिया वसाही।

अनुसूची

भ्प \rightarrow ार्चे तं० /8/8 वनसरवावकम गांव. विरुगम्न वकम लेखा सं० 902/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, मद्रास

सारीखा: 28-11-85

प्ररूप बाह्रां, टी. एनः एकं.------

बाथकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वन्त

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 28 नवस्वर 1985

निवेश सं० 99/श्रप्रैल 85—-ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 826, मीण्ठ रोड मद्रास 86 4 फ्लोर ई, जो तारापुर टवर्स में स्थित है (श्रीर इयसे उपावड़ में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्री रिता श्रिध होरी के राह्य किया मद्रस्य नार्थ सख सं० 1189/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 दो 16) के श्रिधीन श्रिशेक 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके देवयमान प्रतिकाल से, ऐसे देश्यमान प्रतिकाल का पन्तद्व प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य, विश्वसिक्ति उद्देश्य के उच्च क्यारण मिचित में वास्त-विश्व क्य से कवित नहीं किया बया है है—

- (क) अन्तरण ये हुई फिजी जान की नानत उपस वृधि-णियम के बचीन कर दोने के जन्तरक के राजित्व जे कती करने ना बत्तवे नचने में सुनिया के जिले; और ना/
- (क) एंची किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अभिनियम, या भन-भन्द अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया बाना वाहिए वा. कियाने में वृत्तिभा नी जिए;

भत्तः कव, उक्त समिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) वे सभीन, जिस्तीयकित काविनयों, वर्षात एस्स (1) मैं सर्स तारापोर एण्डको० रेथ्रेसेन्टेड बैं० जे०एच० तारापोर।

(श्रन्तरः)

(2) बाज आप. द्रिष्ड्या

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त काकित्यों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वक्ष फिसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए का सकोंगे।

स्वच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त तस्वीं और पर्यों का, थे। उनक जिभिनियम के नध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस सध्याय में दिसा गना है।

जन्स्ची

मकान---4 फ्लोर नारापोर टबर्स 826 प्रगणाशाली, मद्रास 2--मद्रास नार्थ लेख नं०: 1189/85

> श्रीमती एम० सो**मुवे ल** सक्षम प्राधि ारी सहायः ग्रायसर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, भद्रास-6।

तारीख : 28-11-85

प्रथम भाष्^र, दी. एन . एर . ------

क्षाधकार संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के सभीन संखना

मारतं सदकार

ागर्यालयः, सहायक नायकार बाय<mark>क्त (निरक्षिण</mark>)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 नवम्बर, 1985

निदेश र्सं० 103/स्रप्रैल 85—स्रातः मुझे श्रोमती एम० सामवेल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्त अधिनियम' कहा मया हैं), की धारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तात अभित पाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भिम सर्थे सं० 332/1 स्रौर ह 32/2 हिस्सा, जो बेलटयेली मद्राय में स्थित है (स्रौर इससे उपावध स्रौर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्री ति श्रिधि गरी के ायिलय शादा पेठ लेख सं० 379/85 में भारतीय, रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन स्रग्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्थमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से , एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नितिसित उच्चेश्य से उक्त बन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:---

- (क) अभ्यारण स हुई किसी आय की गावता, उभत अधिनयभ के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एँसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, श अन-कार विधिनयम, श अन-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा का या किया नामा चाहिए था. कियाने वी मुनिका के सिक्ह;

अतः श्रव, तक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तिस्थें, अर्थात :---

- (1) श्री के शिवरामन ग्रीर के रामजन्द्रन ग्रीर दूसरे (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एउ० विहेबनायन ग्रीर संस्पर्स भवानी श्रसो-सिएटन तथा श्रन्थों

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाह्येय :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की नविध का तस्संबंधी व्यक्तियों पर व्यना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृत्रों कर स्थानितयों में से किसी काक्ति वृद्याराः
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:----दसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, को अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दियस वका हैं।

अनुसूची

भूमि--सर्वे सं० 332/1, श्रीर 332/2 हिस्सा वेलय्येटी मद्रोस-शैदापठ लेख सं० 379/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिना**री** सहायदः श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-2, महास

तारीखयः 29-11-1985

प्रकार आहो _र को : एन्_ड एक_ं

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भाउत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 112/अप्रैल 1985—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक है

और जिसकी सं. 19 बाल्मीकी स्ट्रीट टी. नगर ही जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर-लेख सं. 413/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मून्य सं कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि क्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ ते हुई कि ती आव की बाबत, अन्तर निर्मानक के निर्भा कर दोने से जन्तरक के शायरच में कभी करने या उत्तसे क्यने में सुनिर्भा के निर्ण; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन वा अन्य शास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए।

अतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मुम्ताज बीगम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीशलाल कनवालाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पाठ निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

नगसची

भूमि और मकाब 1, नवाब हिबबुल्ला श्रविन्यू, श्राण्डर्सन रोड, मदास-6 थोसन्डलेठस लेख सं० 139/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी क्षक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 29-11-85

प्रक्ष नाहैं, दी, एवं, एसं, भन्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

बाइच् बुइन्स

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 5/श्रप्रैल 85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 14, कायवे मिल्लत रोड 'टी एच॰ रोड' है, जो मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ट्रिप्लिकेन लेख सं० 314/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रममान प्रतिकल के लिए अंतरित की नह है और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल ते एसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशय से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिलित में में शास्त्रिक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आब की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धग-कर अधिनियम, गा धग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसेवनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया थाना वातिए था. छिपाने में स्वीवधा से किए:

नतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती फातिमा बी० और श्रन्यों

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० एन० ग्रब्बक्कर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहिश्रा करते हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस तृष्यना का राज्यका में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी स्थितमां पर बृष्यना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी ब्राधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स स्थितमाँ में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहत्ताक्षरी वं पास निवित में किए जा सकने।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्यों का, आ' उनके अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधें होगा, को उस अध्याम में दिय गया है।

भगुसुची

भूमि और मकान--14, कायदे मिल्लत रोड (टी० एज० रोड), मद्रास-5 द्रिप्लिकेन लेख सं० 314/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 2-12-85

मोष्ठर :

प्रकथ बाह् ही एन एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत चुकार

कार्यासय, सहायक शायकर शायकत (निरांशण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्पर, 1985

निदेश सं० 13/श्रप्रैल 85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकतं अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 163-सी एल रायपयेष्ठा है रोड है, जो मद्रास मैलापुर-मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं 478/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रप्रैल 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए जंतरित को गई है और मुख्डे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उपने क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बंतरुक (अंतरकों), और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एवे बंतरुण के लिए तय पाया पया प्रति-कन निम्नसिक्ति उच्चरिय से उच्न बंतरण कि बिन्न में बास्तिक क्य से कथित नहीं कि बा क्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जान की बाबत, उक्त विधिवयन भी विभीन कर दोने के बन्तरफ की दाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्व वास्तिवां की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरम में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तिकारों. खर्भात क्षान्त

- (1) श्री ए० एस० क्रंटणासामि और एन० चन्द्रशेकर (अन्तरक)
- (2) श्री नासर ग्रहमद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्स के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पुरित के वर्जन के संबंध में कांद्र भी वाक्षेत्र :----

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकादभ की तारीय से 45 विन की शवधि या तत्त्रवन्धी स्पन्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की समिधि, जो भी वद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वीक्तयों में से फिसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इक् बूचना के राज्यम में प्रकावन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य काक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के वास किस्तित में किस का सकते।

स्वस्त्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त वस्त्रों और वस्त्रों का, वो उक्क विश्वनिक्षा दे वध्याव 20-क में वरिश्राविक ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विकाशवा ही।

नन्स्यी

भूमि और मकान—प्लाट सं० सी० डोर सं० 4, (163-सी० एल०) रायपेट्ठा है रोड मैलापुर, मद्रास-4 मैलापुर लेख सं० 478/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, मद्रा**स**

ता**रीख:** 2-12-85

मोहर ।

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 35/श्रप्रैल 85—-श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रार० एस० सं० 4087, मैलापुर है, जो मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 433/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रैल 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के रण्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी जाव वा किसी धन वा बन्य वास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री डा॰ नीलाबति पूष्पराज

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेश्वरी बालसुश्रमणियम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :— इसमें प्रमुक्त खब्दों बौद पदों का, को अवद अधिनियम के बच्चाव 20-क ने परिज्ञाविद्य हाँ, बादी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा हाँ।

अनुसूची

भूमि और मकान:---आर० एस० सं० 4087, मैलापुर, मद्रास मैलापुर लेख सं० 433/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारी**ख**। 4-12-85 मोहर। श्रारूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर कार्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II. महास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निदेण सं० 40/ग्रप्रैल/1985---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

लायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसको सं. बाल्मीको स्ट्रीट टी. नगर है जो मदास-17 में मिं स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काार्यालय, टी. नगरलेख सं. 413/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके स्थमान प्रतिकल सं, एमें इत्र्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्ते अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्धरण्यं हुन्दं कियी नाम् की वान्त, उनस्य निवासक के नधीन कर दोने के ब्लाइक के राजित्य में कनी करने यां उन्नसे नचने में बृहिया के लिए; नार्ट्या
- (क) ऐसी विस्ती नाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर जिथिनिवस्, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनिवस्, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत: अर्थ, उक्त जीधीनयमं की धारा 269-गं के जनसरण मं, मैं: उक्त जिथिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के जभीत, निस्तिशिक्त व्यक्तियों जथाँत :---

- (1) श्री टी. आर रामकृष्ण नाम्डा और दूसरे (अन्तरक)
- (2) श्रीमती वी. श्यामला और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सपत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां चुच करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

जनसूची

भूमि और मकान - 19 बाल्मीकी स्ट्रीट टी. नगरं, मधास-17 टी. नगरं लेख सं. 413/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2--12-1985

प्ररूप बा**र**्टी, दी, एस., एस.,------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-न (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निदेश सं० 45/श्रप्रैल/85----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

भायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 14ए, डंडपाणि स्ट्रीट हैं, जो मद्रास-17 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में भौर

पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर लेख सं. 438/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधील 1985

1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि मण्णपूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्त आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर बिधिनयम 195/(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एम० गोमती।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० पी० अंसारी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना धारी करके पूर्वी वा ब्राम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में करेड़ा जी आक्षंत्र ---

- (क) इत तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताएथि में 45 हिंदन की जनिथ या दृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताणील से 30 दिन की जनिथ, यो भी जनिथ बाद में समान्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुतारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किक्शी जम्ब व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकोंगे

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भ मि---14-ए' डण्डपाणी स्ट्रीट, मद्रास-17 टी० नगर् लेख सं० 438/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीस : 2-12-85

मोहर :

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

नारत नरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भाव्यतः (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 48/अप्रैल, 1985—श्रीमती एम० सामुबेल
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें
इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा

इसक परवात् उक्त आभानयमं कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित वाजार वृश्व 1,99,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि—1 हिस्सा डी० एस० सं० 19/1, हिस्सा ब्लाक सं० 24 है तथा जो वेंकटेण्वरा नगर ग्रथवा वण्णान-तुरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रडयार लेख सं० 859 और 855 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रग्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यति बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उण्यात बाजार कृष्य. उसके दश्यमान प्रतिकल के किए प्रतिकल से प्रतिकल के विर्माण कि विद्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के किए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में अस्तिक क्य से किया नहीं किया गया है :---

- कि) अन्तरण से हुइ कि जी शाय की आबत, अक्ट वरिश्रनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नवने में पृत्तिभा के लिए; और बा/
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्य बास्तिवां का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्दरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ**धीत्** ३००० (1) श्रीमती ग्रण्णा जाकथ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० लारन्स।

(ग्रन्तरिती)

को नह सूचना ना<u>डी करके प्रॉयत प्रंपरित के वर्षन के</u> जिस कार्यनाहियां करता हु[†]।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रीन से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि वाद में सभापत होती हो, के भीतर प्रविकास्यक्तिमों में से किसी स्थानत स्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिलबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त निकित में किए जा सकति।

स्वाचीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर पदों का, थो उक्त बीधनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिवा पता है।

are with

भूमि---1 हिस्सा डीं० एस० सं० 19/1, हिस्सा ब्लाक सं० 24, वण्णानतोर, वेंकटेश्वरा नगर----ग्रडयार लेख सं० 854 और 855/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 2-12-85

प्रस्य बार्ड . भी. एत. एस. - - - --

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यासम, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 50/ग्राप्रैल/1985----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि बारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह निरवास करने का कारण है कि स्थावर मन्यत्ति, विश्वका उचित बाबार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, 2 स्ट्रीट, कस्तूरबा नगर, ग्रडयार, मद्रास-20 है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रडयार लेख सं० 885/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते, यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफास से, एसे इस्प्रमान प्रतिफास के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे असरण के लिए तय पाया नया प्रतिक कस निम्नोत्तियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण संहुद्दं किशी नाय की बानत्, उक्त निभिन्निय के न्यीन कर दोने के नंतरक के वानित्व में कभी करने था उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अपित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्यं प्रयोजनार्थ अंतरिती दुरुश्य प्रकट नहीं किया गय. वा वा किया बाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण वो, मी, जक्त विभिन्यम की धारा 269-थ की उपधारा (1) है अभीन, निस्तिमिक व्यक्तियों, वर्षात् (1) श्री तुमुल विद्वस राव।

(अन्तरक)

(2) श्री के० पोन्नस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्ष सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की नवीं मा तरुतम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बरुधि, जो भी क्यिंध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में भे किसी स्वक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हित- बहुध किसी अन्य ज्यक्ति एवारा अधिहरनाक्षणी के वास निविद्य में किए का सकेंचे।

स्पक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पन्नों का, वो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

नगृत्यी

भूमि---5, 2 स्ट्रीट, कस्तूरबा नगर, घ्रडयार मद्रास--20 घ्रडयार--लेख सं० 885/85।

> श्री एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 2-12-1985

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

बायकर वृधिनियुज, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) के वृधीन शुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यामकर कायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

ंनिर्देश सं० 63**/श्रप्रैल-85**−श्रतः, मुझे, श्रीमर्ताः एम० -सा**म्वे**ल,

जायकर जीभीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पर्याक्ष (उस्त विभीनयज्ञ कहा नया ही), की धारा 269-अ के जभीन सभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्बद्ध, 1,00,000/- रहे से अधिक ही

मीर जिसकी सं० डा० श्रवगण्य वेट्टियार रोड, पुरणवातःम है, तथा जो मद्राल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रवसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री वर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरणवाकक्षम लेख सं० 720/85 है रजिस्ट्रीकरण अधिनियन, 1985 को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उपात कार्णाव श्रप्रेल, 1985 को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उपात कार्णार मूल्य से कम के स्वर्थक श्रीसणम के निए बंतरिस की गई है और यूके यह किवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट संपत्ति का उपात वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकृत से, एसे क्यमान प्रतिकृत का बन्दर प्रसिचत से अधिक है और जन्दरक (जन्दरकों) और बंतरिती (शंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया मूला प्रतिकृत के किवास से कार्यक के कार्यक का

- (क) बन्तरण वं हुए दिल्ली नाम की बावत, उपस किपीननम के बचीन कर दोने के सन्तरण के विवास की कमी करने ना उपले बचने में सुविधा के चित्र; बीख़ /का
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्ही भारतीय नाम-कर जिभिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा जन्त निभिनियंत्र, वा प्रज-कर विभिनियंत्र, वा प्रज-कर विभिनियंत्र, वा प्रज-कर विभिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रवोदनार्थ जन्तिहिंदी द्वारा प्रकट नहीं किला प्रका वा वा विभाग वाना वाहिए ना, किनाने प्रस्तियों के लिए;

क्षत्र वार्य, जन्म निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वे, वे, उक्त मीधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन : रिम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—— 19—396 GI/85 (1) श्रीमती एम० एस० वसुन्दरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला नुराता।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

कवत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षोप ए----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकों है।

श्रनुसूची

भ्मि श्रौर मकान—- 22, (पुराना सं० 9) डा० अलगप्प चेट्टियार रोड, पुरायाककम लेख सं० 720/85।

> एम० सामुबेल सक्षय प्राधिकारी सहायक श्रायकर अध्युक्तः (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 2-12-1985

प्रस्प बार्क् द्वीत एन , एस ,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेज-2, महास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 104/प्रप्रैल-85-जतः, मुझे, एम० मामुवेल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० लेख सं० 381/85 की घोडुल में दी हुई संपत्ति हैं, तथा जो विजयनगर में स्थित हैं (श्रीरद्ससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री हर्ता अधि गरी के लायिक्य, शौदापेठ लेख सं० 381/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रेल, 1985

को पूर्वोच्य सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के उस्पमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत ने अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निजिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय करें बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

गतः अम, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (१) के अधीतः, निम्तिलिखित व्यक्तिसीं, अर्थातः :--- (1) श्री के० शिवरामन ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री के० भानन्दन।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🕆

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो श्री अविध बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के काल निवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्किरण:---इसमें प्रयुक्त कर्का और पर्वो का, जो जनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थहोगा को उस अध्याय में दिमा गया है।

वन्स्ची

भूमि-वेलटयेरी (विजयनगर) शैंदापेठ — लेख सं० 380, 381/85 ।

एम० ज्ञामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राज

तारीख : 2-12-1985

व्यक् जार्यं ही पुन एकः -----

नायक्त अधिनियम - 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) में संभीन क्युना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-2, मद्रास

मद्राल, दिनांब 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 110/ग्रप्रैल-85-ग्रतः, मुझे, एम० सामुवेल, शामकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रकार 'उन्त निर्मियम' नहां गया ही, की भारा 269-थ के नभीन सभाम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का भारत है कि स्थानर सम्पत्ति, विस्थता उचित वाषार मुख्य 1.20.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर िसकी सं 0 16 मरत गार्डन, मब्रास-6 है, तथा जो मब्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उराबद्ध प्रमुक्त में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर राजस्ट्री इति प्रधिकारी के कार्यालय, श्रीसन्ड लैंटस लेख सं 0 158/85 में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रंपेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के इस्यजान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से मिश्रक है और मन्तरक (अन्तरकों) और यन्त-रिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के सिए तय पाना का प्रतिकल निम्नतिकित उद्देव से उन्तर बन्तरक बिहित में बास्तीकक रूप से कथित मही हैंका नवा है है—

- (क) जन्तरण सं शुर्ध किसी भाग की नावस उत्तर श्रीभाषिक के अभीन कर बाने के अन्तरक के श्रीभाष में क्यी करने या उत्तरी वाजने के मुजिया के किस, केंद्रिका
- (क) ऐसी किसी जान या भन वा जन्म जास्तियों को, जिन्हें सारतीय जाय-कर राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्मम, या स्व-कर स्थिनियम, या स्व-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था. जियाने में स्थिमा के विकास;

कतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री अय्यास एम० इन्नाहोम ।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री गोपाल एन० पर्दशानि और श्रीमती जी० पर्दशानी।

(अन्तरिती)

का वह भूषना मारी करके प्यांचिक सभ्यत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

त्रवद ब्य्वरित से वर्षय के ब्रुव्यन्य में कोई भी नामांपूर---

- (क) इस स्वरं ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की व्वतिथ या तत्सवंभी व्यक्तियों पर
 स्वता की तामील से 30 दिन की वर्वीथ, जो भी
 स्वीय वाद वें सवान्य होती हो, वें बीवुद पूर्वों कर
 व्यक्तियों वें वे किसी व्यक्ति हुवाडा
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम् ने मीत्र उक्त स्थादर सम्मत्ति में हितबहुध किसी बन्ध स्थाय द्वारा मुशोहस्तास्त्री के बाद सिवित में किए सा सकेंचे ।

स्वक्रिकरणः ---इसमें प्रयान कक्यों और पर्वो का, जो सक्छ अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाटिका हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नक्षा क्ष

अनुस्**ची**

भूमि स्रोर महान---पुरावा सं० 2-एफ- स्रोर नया सं०-16, मूरसु गार्डन--मद्राय-6 श्रार० एस० सं० 7778/हिस्सा श्रीसन्ड लैंठस लेख सं० 158/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 2-12-1985

प्रकल मार्द् टि पुन् पुन् । ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 113/अप्रैं ल-85-अप्रतः मुझे, एम० सामुबेल, शीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्ब <math>1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव प्लाट संव 22—प्लाट संव 23 का हिस्सा भारव एसव संव 62/3 है, तथा जो II-स्ट्रीट, स्टलप्ड गेट जुंगम्भाक्यम में स्थित है (भीर इससे उपाबद प्रमुस्ची में शीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीयती अधिकारी के वार्यालय, थौसल्डलंटस लेख संव 146/85 में रजिस्ट्रीयरण अधिनिनम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अप्रेल, 1985 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपयान प्रतिफल को हिस्सा बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इसे इस्प्रमान प्रतिफल का बाजार प्रकृष, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इसे इस्प्रमान प्रतिफल का अध्य स्वाप्त संवार मृत्य (अन्तरिका) को अधिक है और अन्तरफ (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ वे जिए तय शया गया प्रतिफल, निम्मिकिखन उपयोक्त की जब्द अन्तरण मिलिक में यास्विक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किस्ती आम की बाबत, उक्त अधि-चियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वास्तिक में कमी करने या उक्त बचने में तृषिभा के लिए; और/बा
- (ण) एसी किसी आप का किसी थन या अन्य कास्सिक्तें को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजल्जनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अक्षः। अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अधीत् : 1. श्री एम० बी० नमासी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हाफिस्कान श्रथवा हाफिस्कान नमासि । (अन्सरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान—ण्लाट सं०-22 प्लाट सं०-23, ग्रार० एस० सं० 62/3--स्टलैण्ड गेट्रोपि स्ट्रीट जुंगम्बाक्कम थौसन्ड-लेठस लेख सं० 146/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 2-12-1985

मोहर १

प्रकृष कार्य हो . एन . एस . ------

(1) श्रीमती टी० रत्नम्मा।

(प्रन्तरक)

भायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

(2) श्री कें। रज्नी रेड्डी

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, महास

मद्रास. दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 119/प्रप्रैल-85---यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चांस् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 3, II कास स्ट्रीट सी ग्राईव टीव कालोनी मंत्रिस रोड है, तथा जो मैलापुर, मजास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के नायिलय मैलापुर—लेख संव 454/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रीन, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित्र काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्दरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिखत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कंतियत नहीं किया गया है क्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में, में उक्त किधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां सूक करता हूं।

उक्त संग्रीस के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्तें बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकात्रन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संबक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में निरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विथा गवा है।

श्रनुसूची

भूमि अार मकान---3, गु-कास स्ट्रीट, सी० श्राई० टी० कालोनी---मौब्रेस रोड, मैलापुर महास-4 मैलापुर---लेख सं० 454/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, महास

तारीख: 2-12-1985

श्ररूप बाइं.टी.एन.एस .-----

भायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के व्यथिन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 13.9/ग्रप्रैल-85---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाषा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, विश्वका उचित वावार भृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 248-247 डोर सं० 10/366, श्रवण शिएटर है, तथा जो तेलुगुपालयम गांव कीयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बत्तूर लेख सं० 1609/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंदह प्रतिश्वत से विश्व है और बंतरक (बंदरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल न निम्निविश्वत उद्विष्य से उन्त बंदरण निम्निविश्व में बास्त्रीवर्क क्या से किथा नहीं किया गया है क्ष

- (क) अन्तरण से हुई फिटी बाद की अन्तर उपन अधिविषय के वर्षीय क्रक देने के अन्तरक के वादित्य में क्रमी करने मा उन्नचे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) इसी किसी बाब वा किसी घन वा बन्य बास्तिकों हों, जिन्हों भारतीय नाय-कार निधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त किशिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिद्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के, अमृतरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अब अधीव निम्नतिसित व्यक्तियों, अभीतः (1) श्री पी० सी० नटराजन और ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० रंजितम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है,

अनुसूची

श्रवण थिएटर --भूमि एस० एफ० सं० 248-248, 10/366, श्रवण थिएटर--तेलुगुपालयम गांव कोयम्बत्तूर कोयम्बत्त्र--लेख सं० 1609/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 2-12-1985

TET See Et. UT. UT. HOLLENGERS

जायकार विभिनियम, 1981 (1981 के 43) की भारत 269-व (1) के वभीन स्वान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांच 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 147/ग्रप्रैल-85--यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात उनत अधिनियम कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्नोंकर तम्मित का उच्चित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० लेख सं० 1737/85 की शेंडूल में दी गई सम्पत्ति है, तथा जो कोयम्बत्त्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीइति अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्त्र्र—लेख सं० 1737/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को बुवाँक्स सम्मिति के उचित बाजार मूलय से कम के दूसमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और भूभे यह विश्वत् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित शकार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे सम्प्रमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंवरका) केर संस्थिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फस, विम्लिक्सिस उद्देश्य से उन्त अन्तरम सिक्ति में वास्तिविक कृप से अधिस वहीं किया बना है :---

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उक् अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के धार्मियल में कामी अपने दि उसमें अपने में अधिकार के लिख; स्मीर/का
- (व) देशी किसी बाग या किसी भग मा बन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय बागकर अभिनियमन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्लामा, या धन-कर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्दिरशी ह्वारा प्रकट नहीं किया बधा का या किया जाना भाहिए था, खिनाने से बुविका से लिए:

अतः कदा, उक्त वाधानयम् का धारा 269-स के सबसरक मो, मो, उक्त सिधिनसम की धारा 269-स की उपधारा (१) की अधीनः निम्नलिखित त्यक्तिसमां, स्थति :—— 1. श्री एत० ए० अन्तोणिस्वामी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नलकाठ्ठ शेक ग्रहमद हाजी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के बर्धन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के सम्भापन में बकासन की तारीस से 45 दिन की नवींध मा तत्मम्बन्धी व्यक्तिका पर जूजना की सामील से 30 दिन की अवींध, यो भी जविंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

न्यस्टीकरणः इसके त्रयुक्त कस्त्र सार पद्यों का, को उकत विभीनसम्बद्ध के अध्यात 20-क के परिशासिक ही, बही कर्य होगा, को उस अध्याय में दिया मना ही।

मन्सूची

लेख सं० 1737/85 की ग्रेड्ल में दी हुई सम्पत्ति कोयम्बत्तूर--लेख सं० 1737/85।

> श्रीमतो एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 2-12-1985

मोहर 🤚

श्रुप्त बाहु[®]् दीं । हुन्_य हुन्_य न्नान्त्र

नावकार गीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभव, सहाबक नायकर नायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंब-2, मद्राय

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 2/ग्रप्रैल-85—यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वात 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिर री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रंठ से अधिक है

और जिसकी सं न्यू सं 10 पुराना सं 2/10 तासुडीन कान बहादुर स्ट्रीट है, तथा जो द्रिप्लिकेन मद्रास-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, द्रिप्लिकेन—लेख सं 304/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वीक्त सम्मत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किती जारू की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा वे विष्यु; करि/वा
- (थ) एसी किसी नाम ना किसी पन ना बन्स नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय वायकर विवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (१९57 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवस के बिद्ध।

ब्रतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अधीन :--

 श्रीमती सी० मनोरमा और ग्रन्यों। (ग्रन्तरक)

2. श्री एम॰ श्रफसल श्रहमद और दूसरे। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) युन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति बिस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया विवा है।

पनु तूची

भूमि औ मका निन्न्यू वं 10, पुराना सं 2/10 तासुडोन गन बहादुर स्ट्रीट—ट्रिप्लिकेन मद्रास-6 ट्रिप्लिकेन लेख सं 304/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, महास

तारीख: 3-12-1985

क्क्य वार्ड टी. एन . १४ . ------

वाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वरा

भारह सरकार

कार्यांस्य, सहायक भागकर काय्क्त (निरीकण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 3/अप्रैल 1985----श्रतः मुक्षे, श्रीमती एम० सामूत्रेल

बायकर अभानवन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रथात जिम्मीनवन' कहा विष्य ही, की भारा 269-स के अभीन सभन प्राधिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्बक्ति, जिस-ना उचित वाजार मत्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3, बेंकटाचल मूदली लेन ट्रिप्लिकेन है तथा जो मद्रास-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 307/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रप्रैल

को पूर्वीचित्र सम्मित्त के लिएन क्षण्यात में के प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वभापबाँक सम्प्रात्त का उचित्र बाजार भूस्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल अ एसे रूष्ट्रमान प्रतिकाल अप एसे रूष्ट्रमान प्रतिकाल अप पन्नह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच ध्रेस अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिकाल, जिम्मिलिश्वल उद्वदेश से अन्तरण जिन्तरण विश्वल के स्थापता गया प्रतिकाल, जिम्मिलिश्वल उद्वदेश से अन्तरण के लिए तथ पाता गया प्रतिकाल, जिम्मिलिश्वल उद्वदेश से अन्तरण कि

- (क) अन्तरण से हुए किसी लाठ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचाने में तृतिभा के निष्; और/या
- (ध) एंजी किसी आप या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (19'/ का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वामा वाहिन था, छिपाने में सुविधा के निन्ह;

क्या वया, उन्हें कीशिनवन की धारा 269-न के अन्तरण की, बी, उन्हों कीशिनवन की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— Ş—396 GI/85 (1) कुमारी के० जे० कमला

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ग्रंगरकण्णी

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में लोई भी आखोप :---

- (क) इस सूचना के खजपत्र में अक्श्नीन की तारीस स 45 दिन की अविध ना !त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीका लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्तर सम्पत्ति मों हिराबष्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शांहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकों

स्वच्छीकरणः ---इसमं प्रयुक्त ग्रन्थः मी, पदा का, जो उसका अधिनिवस, को दा औ 20-क में गरिभाक्ति है, नहीं अर्थ होगे, जो उसे अध्याय कें टिका गया है।

अनुसूची

भुमि धौर मकान-3, बेंक्टाचल मूदलीलेन, द्रिष्लिकेन मद्रास-5 द्रिष्लिकेन लेख सं० 307/85

> श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, मद्रास

दिनां ह : 3-12-1985

प्रकृषे आहें. थी. एन . एस . ------

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निराक्षण)

म्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनोहा ३ दिसम्बर 1985

निर्देश सं ० 28/श्रप्रैल 1985 - श्रदः सूझे, श्रीमती एम० सामुवेल

अस्याजर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भुमि-टी० एस० सं० 888, 8893/1, 8894 ग्रीर 8887, ब्लाइ सं० 129 है तथा जो 6, पुराना सं० 20, न्यु बाग रोड़ टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उत्तबद्ध जन्मुची में ग्रीर पूर्ण लग से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध जरी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 498/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक ग्राप्रैस 1985।

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं.—

- (फ) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे लिए:

बतः वर्ग, उक्त विभिन्नियम की धारा 269-ए के जनसम्बद्धा में अंदर विधिनयम की धारा 269-ए की उपधारा (१) के बभीन, निरूपसिवित व्यक्तियों, वर्धांत :—-

- (1) श्री बी॰ जयरामंन ग्रीर श्री बी॰ ফুজ্णमुर्ति (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीकेश्विष्

(भ्रन्तंरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की सारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपीत में हितबंद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अवस्त्र ची

मुमिटी० एस॰ सं० \$888,8893/1,8894 घोर 8887 ब्लाक सं० 129 (डोर सं० 6 पूराना सं०) नई सं० 20, न्यु बाग रोड़ टी० नगर महास-17।

श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2, मद्रास

दिनांफ: 3-·12-19**8**5

प्रकृष बाह्र ती. एवं. एस , -----

आसकार आधीनयम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-प (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कार्यकार आयुक्त (निरक्षिण)

त्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्राह्म, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 41/अप्रैल 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा ६६०-छ के उधीन क्ष्रम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,00/- स. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं अभिन-टी । एस । सं 7918 टी । सं 4699 में हिस्सा उत्तर टी । नगर है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इसके उवाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री इन्ती अधि गरी के भायनिय, टी । नगर लेख सं । 428/85 में भारतीय रजिस्ट्री इर्ण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन, दिनांक श्राप्त 1985,

का श्वाकत सम्भान के उचित राजार मृज्य सं कम के दश्यमान शितफान के लिए अतिरित को गड़ हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यक्ति सम्मित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (गंतरितिसों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान निम्नितिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निकित में श्रास्तिक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/य।
- (क) एसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जामकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

बत: अय उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) चे बधीन, निम्निसिल व्यक्तियों, बधीत थ— (1) श्री सी० मनोज कुमार चंद्रकान्त बठ् ।

(म्रन्तरङ्)

(2) श्रय्यर श्रीर श्रमर रेप्रसन्टर्ब पार्टनर्स श्रीमती पुष्कलाम्बाल ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, खो भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक सं 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त बिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा को उस अध्याय में विका १४ । हैं।

बन्सु धी

भूमि-टी०एस० सं० 7918 हिस्सा टी०एस० सं० 4699, 466, उत्तर टी० नगर गांव मद्रास टी० नगर छे**ब** सं० 428/ 85।

> श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-2, मद्रास

दिनांच: 3~·12~·19**8**5

प्रकार बार्ड. र्टी. एन. एस.------

नामकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-म (1) के नधीन स्थाना

भारत सहस्राह

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरोक्तण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनां रू 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 55/ग्रप्रैल 1985---ग्रतः मूझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थाव् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 3 श्रमित रोड़, कील्पाद है तथा जो मद्रास-10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, प्रशावक्यम् लेख सं० 622/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985,

को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार पृष्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी मान की वासकाः धकत मधिनियम से मधीन कार दोने के सम्बद्धकः के साम्बद्धक में कमी करने या उससे वचने में सुविधाः के लिए: बीट/या
- (क) एकी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने से स्थिभा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बॉ, मॉ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीबी० पी० गणपति ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीबी० सुरेद्र ।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्थना कारी करके पूर्वोक्स सम्पन्ति के अर्थन के निए कार्यनाहियां करता हु।

उपत तब्यति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सप्टीस से 45 किया की सप्टीस से 45 किया किया की सामित में पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ब) इत सूचना से राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित के बहुभ किसी बन्ध व्यक्ति च्यारा वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण :--- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गणा ।

धनुसूषी

भूमि श्रौर मकान-3 गणवित रोड़, कीलवाक, मद्रास-10 पूरणवाककम् लेख सं० 622/85।

> श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज--2, मद्रास

दिनांक: 3-12-·1985

मोहरः

प्रका नाइ.टी. एन. एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 64/म्रप्रैल/1985—म्प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसके परचात् 'उक्त विधिनवम' कहा गेना हैं), की भाउ 269-इं के विधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 1241/1 हिस्सा 21 वेंबटाचलम् स्ट्रीट है तथा जो पुरणवाक्यम् में स्थित है (श्रौर इसके उपाबस्त प्रमुखी में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयत्ती ग्रधि-वारी के वार्यालय, पुरणवाक्यस् लेख सं० 727/85 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, दिनांक श्रग्रैल 1985,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल

- के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के शिए तथ पाथा निया प्रतिफल, निर्म्तिशित उद्योग से उक्त अन्तरण शिक्ति में बास्तिक रूप से अधिक रूप से की की की की की की की की साम स्था है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का ना किया जाना जाहिए का, जिनाने में सुनिधा के किए;

क्सं: क्यं, उम्त विभिनित्रमं की भारा 269-मं को जन्त्ररण कों, कीं. उपल किभिनित्रमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) चे कभीश, निव्यक्तिचित्र व्यक्तियां, वर्षातः :--- (1) श्री बी० सी० बेतला ग्रीट अन्यों।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री एस० राजरत्तनम् सेठी ग्रौर ग्रन्यों।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राज़पत्र में प्रकाणन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकल विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भुमि ग्राँर मकान----सर्वे सं० 1241/1 हिस्सा 21, वेंकटाचलम् स्ट्रीट पुरशवाकतम् लेख सं० 927/85।

> श्रीमती एम० साम्वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंप्र-2, मद्रास

दिनांक: 3-12-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जान रैज-2, मद्रास मद्रास, दिनांवः 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 68/म्रश्रैल/1985- अप्रतः मृक्षे, श्रीमती ए**म∙** सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 71 श्रीर 72, गणतित स्ट्रीट, पश्चिम माम्बलम है तथा जो मद्रास-33 पृलियुर गांव में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिनारी के ार्यालय, कोडम्बालम् लेख सं० 984/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908का 16)

के श्रधीन, दिनां 🌣 श्रप्रैल 1985

को पृष्णिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का उद्गह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देखरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा की लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के प्रधीनः, निम्निलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० पंरिंगनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्म मायन् सिविल कन्स्ट्रक्शन्स् एण्ड रीयल एस्टेट रिप्रेंसिड बाई श्री श्रार्० जयकुमार ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

बन्स्ची

भुमि भौर षेङ सं० 71 श्रौर 72 गणपति स्ट्रीट पश्चिम मालस्बलम् मद्रास-33 पुलियुर कोडम्बानकम (ले**ख सं०** 984/85)

> श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनोंक: 3-12-1985

प्रक्रम् वाद्'्रहो, पुन्, पुर्

काथकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

श्रीएक वेह्न्स्ट

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (विदक्षिण)

श्रजंन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं ० 82/अत्रैल/1985---- अतः मूझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

बायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा बया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं.

श्रीर जिसकी सं क्यों सं 32 है तथा जो श्रशोक नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकसी श्रधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्द म् लेख सं 1205/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985,

का प्रॉक्ट सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्वायक प्रक्रिक के लिए अन्तरित की गर्द है की मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापनों तस सम्पत्ति का उभित का कारण मृत्य उसके द्वायक प्रक्रिक स्थापनों तस सम्पत्ति का उभित का कारण मृत्य उसके द्वायक प्रक्रिक से का प्रक्रिक प्रतिचत अभिक है और मंतरक (अंतरकों) और मंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के विद्या तब प्रवा विद्या के वास्तिक स्था के किए तब प्रवा विद्या के वास्तिक स्था के किए तब प्रतिचत में वास्तिक स्था से किए ता किए वास्तिक स्था से किए ता किया प्राप्त है ----

- (क) अन्यारण तं हुई किसी नाम की नामत, उम्बद्ध अधिनियर के शधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रामित्म में कमी करने या उससे नमने में जुविभा श्रीसिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी बन वा अभ्य व्यक्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए वा. कियाने में सुविधा के विद्यार

अक्ष: अस्त , उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वाँ, वाँ, अस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 3 अधीन, निम्निलिक्षत व्यक्तियों, असीब अल्ल (1) श्रीमती टी० विजयसदमी ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० सुन्नमणियम् ।

(भ्रन्तिशती)

को यह शूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के अर्थन कार्यभाहियां करता हो।

उक्त सम्मिति के कर्चन के संबंध में काई भी साक्षेत्र :---

- (क) इत त्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् क्वना की तानीन से 30 दिन की अवधि, जो औं जबिन बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर क्वें कि व्यक्ति या से किसी व्यक्तित द्वारा:
- (ज) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की कार्यना के 45 दिन के शीतर उन्दर्ध स्थावर संपत्ति को हितंबद्ध किसी सन्द व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकति।

रचव्यक्रियण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उपत शिंतियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षेत्रा को उस अध्याय में विका गया है।

श्रनुसूकी

भुमि ग्रीर प्लाट सं० ए~5 ग्रशोक नगर स्कीम,टी० एस० सं० 32, ब्लाक्स सं० 30-कोडम्बाक्सम् लेख सं० 1205/85।

> श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र कंक^{ेट}ं सह क

दिना ह: 3--12-19**8**5

धःहर ;

प्रकल कार्र्ं, टी. एन , एस _------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, मद्रास मद्राक्ष, दिनार 3 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० 89/अप्रैल/1985 - अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आचार मृज्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 181, 101 है तथा जो वससरवाक्तम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के नार्यालय, विरूग-बाक्कम् लेख सं० 1029/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैण 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से,

एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-एण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; बार/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भं या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा शकट नहीं किया गना निया किया गना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री हसमूख लाल टी० सी० पावर एजेंट चन्द्रकांत एच० शाह ।

(अन्तर्क)

(2) श्री ए० नागपाण्डियन्

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

भृमि सर्वे सं० 181, 101 वलसरवाक् π म गाँव, सैदापेठ तालुक विरूगम्बाक् π म/लेख सं० 1029/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रैज-2, मद्रास

भतः अस, उकत अधिनयम को धारा 269-गा के अन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ——

दिनांक: 3→12--1985

मोहर ॥

प्रकर बार्, टी. एग. एव 🤉 ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राय, दिनौंक 3 दिसम्बर, 1985

महास, १६नाक उ। दसम्बर, 1985 तिदेश सं० 131/श्रप्रैल, 85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल,

भायकार अधिनियमे, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसमें इसमें इसमें प्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्हन 1,00,000/- रह. से अधिक है

गौर जिसकी सं जि एस 553/टीं एस से से 12/20, हिस्सा 23,51 तथा 59 है तथा जो करु में गौण्डर कालोनी, पी जि पी क्षिम 6 में स्थित है (ग्रीं इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्ष्म से विणित है) रिजस्ट्री कर्ती प्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बत्र, लेख सं व 1668/85 में रिजस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनौक प्रप्रैल, 1985 के प्रवेशित के जिल्हा के जिल्हा के प्रवेशित की गर्म के प्रवेशित की कार्यालय के स्थान के प्रवेशित की गर्म के प्रवेशित की विनौक प्रप्रेल, 1985 कि प्रवेशित के जिल्हा के प्रवेशित की पार्ट है की ग्राम के प्रवेशित की जिल्हा के प्रवेशित की गर्म के प्रवेशित की पार्ट के प्रवेशित की गर्म के प्रवेशित की पार्ट के प्रवेशित की प्

- (२२ अन्याक न ताजा किया मारा की बाजरा, शाक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धाबित्य माँ कमी करने या उन्हें सन्तर यों लॉक्सा के किए; बार्ड /बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थ्या था किया जाना चाहिए था, छियाने में मिनिभा के निर्मा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित कवित्तयों, अधीत :—— 21—396 GI/85 त्री एउ० रक्षीन्द्रत और अन्धीं।

(ग्रन्तरक)

 श्री डा०के० श्रग्रवाल श्रांर शोमती गुण्लता, श्रग्रवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को बह स्थना वाशो करके पृशीक्त संपरित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता होंगू⊪

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी वाक्रोप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों दश सुजना की तामीसं से 30 दिन की बनीध, को औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्वित्यों में में फिसी व्यक्ति स्वाराः
- (ब) इस स्मना के राजधन में प्रकाशन की तारीब बं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अस व्यक्ति इकास अधोहरताकारी के बास (म. शत में किए जा सकरी)

ल्लाक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पदौं का, जो अंबल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो बस अध्याय में दिया

अनुसूची

भूमि जी० एस० सं० 553, टी० एस० सं० 12/20, (हिस्सी), 23, 51 और 57 क्रिया, गौण्डर कालोनी, पी०पी० स्कीम, सं० 6, म्युनियिप लंबार्ड सं० 15, तेलुगुपालयम, कोयम्बत्र, कोयम्बत्र लेख मं० 1668/85 ।

एम० सामुवेल नशन प्राधिकारी महायक प्रायक प्राप्ति (निरीक्षफ) अर्जन रेज-1, मद्रोस

दिनाँक 3-12-1985 मोहरः ब्रह्म बाईं टी. एन . एस..-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक जायकर मायुक्त (निरुक्षिण)

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षफ) श्रर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, निौक 3 दिसम्बर, 1985ू निदेश सं ० 139/श्रप्रौल, 85—श्रतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

मायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

मीर जिसकी संबंदीक एसक संब 8/5, रत्न सबा तिपुरम कोयम्बसूर है, तथा जो महुपालयम, तडागम, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बसूर, लेख संब 1456/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक अप्रैल, 198

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान श्रीतफल के लिए करतित की गई है और मृते यह शिष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से देसे दश्यमान प्रतिफल का चल्कह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिसित उच्चेष्य से उक्त जन्तरण विश्वित में गस्तिवर रूप से क्षिया नहीं किया गया हैं:---

- (को अन्तरभ स हुए निक्सी अन्य को नावत, उक्त विभिनियस के बकीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कभी करने का पसवे बचने में सुविधा के सिए; और/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भारकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंबरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

वतः वय, उक्त विविधिय की पारा 269-म के बनुसरण के, के, उक्त विभिनितम की भारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नीनिचित्र व्यक्तियों, वर्षांद्र क्र--- श्री विजयकुमार भ्रौर श्रन्यों।

(भन्तरक)

2. श्री के० ग्रारूमुगम ग्रीर श्री ए० सोम सुन्दरम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की क्यिंध या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी क्यिक्त द्वारा;
- (क) इत सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ तिस्ति में किइ जा सकींगे।

त्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दां भीर पदां का, वां स्वयधं अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्पी

टी॰ एस॰ सं॰ 8/5, मेड्डेपालयम, तडामम, एक्सटेशन रत्नसबा पतिपुरम, कोयम्बत्तूर, तालुक । कीयम्बत्तूर लेख सं० 1456/85

एम० नामुवेल यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनाँक 3-12-1985 मोहर: **हरूप नार**ि, **टी** , शुन्नु , शुन्नु , जनगणना

वासकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शासकार 269-व (1) के विभीन सुवना

नारत नरकार

कार्यास्य, बढावक नायकार नायुक्त (निर्दाक्षक)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक) ग्राजन रेंज-1, महास

मद्रास, धिनाँक 3 दिसम्बर, 1985 -

निदेश सं० 142/प्रप्रतेल, 85 -- प्रतः, मुझे, श्रीमती एम० साम् बेल,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास, करने का कारण हैं अ स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृख्य 1,00,000/-रुक से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं तेलुगु पालयम, कोयम्बत्त्र,टी० एस० सं 28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्त्र, लेख सं 1598/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के लियत बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिमित्त के लिए बन्दरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्वाक्त सम्मित का लियत बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाय की बाबत, उक्त बीभिनियम के अभीन कार दाने के अंतरक के बामिरण में कभी कारने या उसने बचने में सुविधा के निए; बाँर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उत्तर अधिनियम, सा धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अधाजनाथ अतारता द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा किया जाना नाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

कतः: जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० पी० के० वेलुस्वामि

(श्रन्तरक)

 त्री लक्ष्माचन्द गुप्ता, ग्रौर सीतालक्ष्मी, जिला मैं डिकल ट्रस्ट को मैं नेजिंग ट्रस्टी।

(अन्तरिती)

को बहु ब्याबा बारी कारके पूर्वोक्स सम्बक्ति के भवत अ तिल्यु कार्यवाहिकां सुक करता हो।

ं उसत सम्मर्क्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की जवधि, जो औ अवधि तक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-व्यूथ किसी व्यक्ति ध्वारा, क्षश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्णिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाणिक है, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय धे दिया गया है।

धनुसूची

टी एस० सं० 28, तेनुगुपालयम, कांडण्यातूर, कोमम्बत्तर लेखासं० 1598/85 ।

> ्सर हार्नेल पत्नम पात्रिकारो सहायक स्रायकर सामुक्त (तिराक्षण) स्रवीद**र्रेज, ¹,** महास

दिनाँक 3-12-1985 भोहर : प्रकल बाहै, ही, एस, एस, उल्लान

बाधकर आभिनियम, 1961 1961 का 43) की भारा 269-म (1) वं अभीत सुचना

भारत बहुकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्राप, दिनांक 3 दिशम्बर, 1985

निदेश सं० 144/प्रप्रैल, 1985—म्यतः, जुझे, सीमती एम सामुबेल,

शायक र अधिनियम, 1961 1963 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रश्नीत् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269- के अधीन साम प्राचित्र को, यह चित्रवास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्रात्त , जियका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/-रा से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुघररपाल यन, एम० सं० टी० ए ७० सं० १/282, जो है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बत्त्र, लेख सं० 1619/85 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक अर्थ स, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यभाष्ट्रवेंका रम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यापन प्रतिफाल से, एक 198 राज प्रतिफाल का मूल्य, इतिहात से अधिक हैं और अंत ६ (अं रक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बोच एकं अन्तरण के लिए तय पाया गंभा इतिफाल, निम्मलितित उ' देश से इत्या अम्हरण विश्वित में बास्तिविक रूप से स्विश्व कहीं किया गंका है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या ितसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिति ब्वाप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उत्यत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं, उत्यत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. श्री उघिनमगोडी, राम नाथ बठ ।

(अन्तरह)

2. श्री के० एग० वेंकटाचल्म।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आ ो करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समंघ में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तार्याल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में राण्या होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अशहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयात शब्दा और पदी का, जो उक्त अधिनियम के गयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ ह ना जो उस अध्याय में दिया नवा है।

भन्स ची

भूमि और महान अनुघरपालयम, गाँव सर्वे नं० टी० एव० सं० 9/282, कोबम्बन्द, लेख सं० 1619/85

> एम० लामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनाँक 3-12-1985 मोहर:

प्रकथ आहू . की . एन . एस . -----

आयकर माभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अंभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनौंक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 145/ब्रप्रैल 85~-श्रतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यमा है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 3138 श्रीर 3139, लेख सं० 1855/85 है, जो की शैंड्यूल में दी गई सम्पत्ति है, तथा जो कोयम्बसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कोयम्बसूर, लेख सं० 1855/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीयीन दिनाँक श्रील, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अस्तरितयों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पावा पया प्रतिक कम, निम्निसिवित स्व्याप्त से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक सम् से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधर के सिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एस० केशव सिंग, बम्बई, श्राठमोबैलस ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जी० प्रकाश कुमारी।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपर्तित को अर्जन को लिए कार्य्साहर्या करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिथ, को भी नविभ याद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से शिशसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती जन्म न्याक्त दुवारा, जभाहेस्ताक्षरी के वास लिखित में कि वे जा सकी।

स्यव्यक्तिकरण: — इसमें प्रश्नुनतः हाट्यों और वर्षों का जो जनत निधीनयम, के जन्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नश्रं होंगा जो उस अभ्याय में दिशा गया है।

मनुबुची

लेख सं० 1855/85 की ग्रैड्युल में दी हुई सम्पत्ति, कोगम्बत्तूर लेख सं० 1855/85 ।

> श्रीवती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजैत रेंज-मा, महास

दिनांक 3-12-1985 **,** मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II,

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 149/अप्रैल, 85----अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं वियस। फिकाल रोड, है, जो कोयम्बत्तर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्त्र , लेख सं वि 1808/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन दिनांक ग्रिपेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजा रमूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयटर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मित: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यवित्यों, अर्थात :--

- श्री ए० वी० पलिनवेल और पुत्र पी० विग्नेश । (ग्रन्तरक
- 2. श्री के० पार्य सारित और श्रीमती विरूपाठ्यी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त राज्यां और पदों का, जो उकत अधिनियस, को अध्याय 20-क में रिसाधित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मुची

मूमि और महान तियसाफिक्त रोड, कोयम्बत्तर, , टाउन कोयम्बत्तूर, लेख सं० 1808/85

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 3-12-1985 मोहर। प्ररूप बाई . टी . एन . एए . ----

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II,

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 150/ग्रप्रैल, 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पुराना टी० एस० सं० 7/3722, 3723 3697, 3698, न्यू टी० एस० सं० 7/864, हिस्सा है, तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बत्तूर लेख सं० 1815, 1816/85 में, रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक, ग्रिपैन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान इतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं निष्य प्रया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय जा का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री ग्रार० रंगनाथन, चेट्टियार, और 2 दूसरे। (ग्रन्तरक)

2. श्री टी० ए० बास्करन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्ची

भूमि और मकान पुराना सं० 7/3722, 3723, 3697, 3698, त्यू टी० एस० सं० 7/864, हिस्सा, रामिलगम रोड, ग्रार० एस० पुरम, कोयम्बत्तूर, —कोयम्बत्तूर, लेख सं० 1815, 18176/85

एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक क्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षज) क्रुर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांन : 3-12-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II,

मब्रास; दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 151/अश्रेल, 851--अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि खेता सर्वे सं० 95/1ए, 3 बी-95/1ए 4 ई, 95/1ए, 9 है, तथा जो एकर्स, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरूघोरूर, लेख सं० 808/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

कर पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निसिक्षत उद्देश्य से उकत अन्तरण मेलिकत में वास्तिकक रूप से कृथित नहीं किया गया है ■——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

अस अब अब अबद अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिकों, अर्थीत् :—

- 1. श्री एम० सुन्दरम, और 8 श्रन्यों। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम० राम स्वामि, और श्रीमती बल्ली राम स्वामि (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि खेता सर्वे नं० 95/1ए, 3 बा-95/1 ए, 4 ई-95/14-9 एकर्स, ---तिरूघोरूर लेख सं० 808/85

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 3-12-1985

प्रकल भाइ. ट. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंग रॅज-II,

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 14/ग्रश्रैल, 1985----श्रतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्चित गाजार मूल्य 1.00,000/- रुक्त से अधिक है

और जिसकी सं० 7, लोगनाधन, कालोनी, मैलापुर है, तथा जो महास-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, लेख सं० 480/85 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अप्रल, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के इश्यमन प्रिक्तिन के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का मन्द्रम् प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गमा प्रतिफल, निम्निजिक्ति उद्देश्य में उक्त अन्तरण विश्वित के अन्तरितिय के पास किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड़े किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उसम वचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ब्रस्य ब्रास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

- 1. श्रीमती जे॰ पी॰ राजम, भ्रम्माल और पुत्र उनके। (भ्रन्तरक)
- 2. ग्रोस सुमितंबित सामुबेल और दूसरे। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूषि और मकान 7, लोगनायन कालोमी, मैलाप्र, महास-8, । मैलाप्र लेख सं० 480/85

> एम० सामुबेल सञ्जय प्राधिकारी सहायक भायकर घायुषत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

विनाय: 5-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II,

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 37/ग्रप्रैल, 1985।--ग्रत: मझे श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर गींधनियम, 1961 (1961 का 43) विजये इसमें इसक्षे परचात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नधीन वक्षम प्राध्यक्षारी को यह जिल्लाह करने 'का कारण है कि स्थानर सम्मरित, जिसका उपित कामार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 65/2, ब्लाक सं० 10 रत्तनदास, स्ट्रीट, है, जो पश्चिम माम्बलम, मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टी नगर, लेख सं० 390/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को एयोंकत संगति के डियत बाबार क्लब से कम के उक्कमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि बधायुर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रस्वजान प्रतिकत से, एके व्यवजान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिवात से निधक है और बन्तरक (बन्तरका) और नन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एके बन्तरूच के बिस तब पावा मना प्रतिकाल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त गलाम लिखिल ाँ बास्तविक एव से कवित नहीं जिल्ला गया है :---

- (क) बन्दरम से हुई किसी बाब की बावत, शिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वो दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के निए; बीर/वा
- (ब) एसी किसी बाव या किसी धन वा बन्य नारिख्यां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा त्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए मा, छिपाने में स्विधा बे तिहः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमती ग्रार० कस्तूरी।

(ग्रन्तरक)

श्री के० ए० सुब्बरामन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की जन्धि या तत्त्वंबंधः, ज्याक्समां पर स्वता की समील से 30 दिन की बसीप, जो मी क्किथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वर्गीक व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वाला;

बहुध किसी व्यक्ति इतारा, बचोहरहासारी के पाव तिश्वित में किए वा सर्कीये।

लब्दीकरण:- इसमें प्रवृक्त सन्ते और वर्षों का, वो उपस अधिनिवय, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर वर्ष हारेगा को उस नध्यान में निका नया है।

अन्सूची

भूमि टी॰ एस॰ नं॰ 5/2, हिस्सा ब्लाक सं॰ 10 (हिस्सा) डिवीजन सं० 1515, रत्तनदास स्ट्रीट, पश्चिम माम्बलम, टी नगर. लेख सं० 390/85

> एम॰ साम्वेल सक्षम प्राधिकारी भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सहायक ग्रर्जन रेंज- , मद्रास

दिनांक: 5-12-1985 मोहर:

प्रक्षा बाइ रही । एव . एव

माधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीत मुचना

शास्त्र भएकार

कायालय , सहायक <mark>आयकर बाय्क्स (निद्रीकाण)</mark> अर्जन रेंज-II,

मद्रास, विनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० 46/अप्रैज, 85---अतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें एसके बहुताए जनत अभिनियम कहा गया है), की भारा 269- व को अभीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी, सं० 13, रामेश्वरम रोड, टी नगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के फार्यालय टी नगर, लेख सं० 440/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को प्रेंक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज़्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया प्रया प्रतिक का निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्य से किंचल नहीं किया गया है है—

- (क) नम्प्रण ने हुई किसी नाय की बाबद उक्त व्याध-दिनम के स्थीन कर दोने के नम्बरक के वासित्क में कामी करने वा उसके बचने में सुविधा के किए;
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अध्य जास्तिकों, कार, धिनकों भारतीय जायकर जिभिनयन, 1922 (1922 का 11) वा डक्ट जीवनियम, या अध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवध्यनार्थ अध्यारती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा ने लिए।

बत् । बन, अनत विधिनियम की भारा 269-व की अन्तर्य में, मीं, उनत विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (१) के अभीन, निम्मविधित अविद्या, वर्षाद्य क्र-- 1. श्रीमती जयम्माल ।

(अन्तरक)

2. श्री नल्ली बिल्डर्स, की मैंने जिंग पार्टनर: श्री एन० सी० कंदस्वामि।

(अन्तरिती)

का वह सुचना बाड़ी करके पुनांक्त नम्भीत्त के अर्थन से सिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगा गया है।

धनुसूची

भूमि 13, रामेश्वरम, रोड, टी नगर, मद्रास-17, टीनगर लेंख सं० 440/8!

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिमांक: 5-12-1985

मोहर ह

प्रस्य बाह्य<u>ं टी.एम..एस..</u> ------

बाबकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्योन सूचना

भारत सरकात

अर्थालय, स**हायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज-I],

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

भिदेश सं० 52/अप्रैल, 85—-अतः मुझे श्रीमती एम• साम्बेल,

नायकर निभिन्नियमं, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उकत अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्भिताः. विस्का उचित बाजार मुख्य 1,00,000/ रु. पे विधिक हैं

मीर जिसकी सं 10 हे, गेल्वरंग, राम्, स्ट्री, सन्जीव गिण्डी, वेंकंडपुरम है, जो जमीन अडवारे में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणा है) रजिस्ट्री हर्ती अधिकारी के कार्यालय अडवार लेख सं 943/85 में र्राजस्ट्री रूर अधिकारी के कार्यालय अडवार लेख सं 943/85 में र्राजस्ट्री रूर अधिकारी के कार्यालय अडवार लेख सं 943/85 में र्राजस्ट्री रूप अधिकार में 1908 (1908 का 16) के अवीक विकास अंति अवीक 1985 को पूर्वी कर्म से देश यमान प्रतिकल के लिए संतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्परित का उचित् बाजार मुख्य, उसके अवनान प्रतिकल से, एसे अयमान प्रतिकल का पंदह प्रतिवास से अधिक है और जन्तरण (अंतरका) और अंतरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया पूरा प्रदिक्ष कि विश्वतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया पूरा प्रदिक्ष कि विश्वतियों किया प्रतिकल के कार्यक के किए त्य पाया पूरा प्रदिक्ष की किया प्रतिकल के विश्वतियों के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया पूरा प्रदिक्ष की किया प्रतिकल के विश्वतियों के बीच एसे अन्तरण की लिए त्य पाया प्रतिकल की वास्त्रिक की वास्त्रिक की वास्त्रिक की कार्यक की कार्यक निर्मा की किया प्रतिकल की वास्त्रिक की वास्त्रिक की वास्त्रिक की वास्त्रिक की कार्यक की कार्यक की कार्यक की कार्यक निर्मा करार की किया प्रतिकल की कार्यक की

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय का वानता, उक्त विधिन्दम के ब्यान कार पाने के ब्रुट्टक क वादिस्य में कामी कारने मा उससे ब्यान में सुविधा के ब्रिट्ट, ब्याक्ट/बा
- (क) पंसी किसी बाय वा फिसी धन या बन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, थीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के के अधीन. निम्निस्तित व्यक्तिसमों, कथीत्:— (1) भरसिम्हभ घोर 2 अम्यौ,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बसंती एन० सा, कुमारी स्वपना एन० सा, घौर

(अन्तरिती)

को यह स्वाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त तक्ष्मित के क्ष्मेंन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी न्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ब्रह्मिश्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्तित सूचाना.
- (ब) इस त्वना के राजपन में प्रकायन की तारीब र 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसीबत में किस जा मर्कों ।

स्थान्यकरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्यों वृदि पद्यों का, श्री स्वयम् वृद्धित्वम्, से मध्याम् 20-क में प्रिभाषित पूर्व, बही शर्ष होगा वो उस अध्यास् में दिशः यमा है।

वनृस्ची

भूमि भीर मृताम 10, सैल्वरंग, राजु स्ट्रीट, संजीवराय-केउँ, गिण्डी , महास, अडयार लेख सं० 943/85 ।

> एम॰ जामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज- , महास

दिशोस : 5-12-1985

मोहर 🖫

मुख्य बार्यं , डी. पुन् , पुन् , ----

बायफर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) वो गंधीन स्था।

बाउन प्रकार

कार्यालय, सङ्कारक मायकर आयुक्त (मिर्द्रोक्षण)

अर्जभ रेंज-, II

मद्रास, दिलांक 5 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० 62/अप्रैल, 85::--अतः मुझे श्रीमती एम० सामुथेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह यिश्वास करने थल कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीएजिनकी सं० आर० एए० सं० 461/3 भीर 14-सं० 16, कुमारस्वामि, मुदलि रद्री है, जो पेरम्बूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणार है) रिजर्ट्री-म कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरशवानलम, लेख सं० 713/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधील विभाग अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) कलरण से हुई किसीं नाम भी नानत समस्य निष्नियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वचने में स्विधा के लिए; भीर/या
- (क) एरेती किसी जाय या किसी वन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अभाजनाथ जन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया ज्या या या किया जाना चाहिए था, जिनाने के सुनिया वी किया;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन, निम्निसित व्यक्तियां, अधीत् क्ष--- श्री ए० पुण्णिय कोडि नायुडु, भौर ए० लक्ष्मीपति नायुडु ।

(अन्तरक)

2. श्री दी० सुत्रमणि ग्रीर अन्यों।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

बन्ध बन्दरिय के नर्भन के सम्बन्ध-में कोई भी बाक्सेय ए---

- (क) इस सूचना को राज्यन को मुकालन की ताड़ीक से 48 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिट- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण इ—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस ची

मूमि घोर मकान आर॰ एस॰ सं॰ 461/3414-45, कुमार स्वामि मुदली स्ट्रीष्ट, पेरम्बूर, पुरशवाक्कम, लेख सं॰ 713/85

> एम० तामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-II, महास

विनांक: 5-12-1985

प्रक्रम कार्यं हो . एक . एक .----

नायन्तर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की नाद्य 269-न (1) के नुधीन सुनना

भारत सरकार

कार्याचयः, बहायक बायक र वाय्क्त (निर्देशक)

अर्जनरेंज-,

मद्रास, दिनांक 5 विसम्बर, 1985

निवेश र्स० 87/अप्रैल, 85—अतः मुझे श्रीमती एम० सामकेल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'जन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-कृषे अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 25, प्लाट सं० 5, I, मेइन रोड, ठेली पोस्ट कालोनी, वेस्ट माम्बलम, है, जो मद्रास-33 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजल्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बरावकम लेख सं० 1255/ 85 में रिजल्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीर विभाज अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) वंशरण से हुई किसी आय की बाबस, उनक अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के धारित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; आर्रिया
- (ब) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्त्या को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, १९ १९922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमुखनार्थ अंदरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविका वै निषः

भतंश्र वतं, उसतं अधिनियमं की भारा 269-गं के अन्सरक को, को, तकतं अधिनियमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिबिट व्यक्तियों, अधीक अन्य 1. श्री पी० संपत्त ।

(अन्तरक)

2. श्री के० सुब्बम्मा।

. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं वे 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो ती अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमस ची

भशमि प्रीर मकान 25, प्लाट नं० 5, मेइन रोड, ठेंलीपोस्ट कालोनी, पश्चिम माम्बलम, मद्राप-33, कोडम्बाक्कम लेख सं० 1255/85

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी बहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनोक: 5-12-1985

प्रकप बार्च ् टी., एन्., एस क्षानामध्याक

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भारत सहकार कार्यासय, सहायक कायकर वायक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-11,

मब्रास, दिलांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 95/अप्रैल, 85---अत: मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

षीर जिल्लाकी संव प्लाट संव 136, एफ- ; फ्लोर, ब्लाक संव 'डी', 136 हैं, जो विस्मम्बाकरम

में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, दिरूबांक्यम लेख सं० 903/85 में रिजस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) हे अधीम दिनांक अप्रैल, 1985

की पूर्णिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से अम के दहरमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से शुर्व किसी मास् की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर पाने की अन्तरक के आधिन्य की ककी अपने या जनसे अधने की स्विधा अभिक्ष, बीड़/बा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म आसित्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 102? (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा था था किया जाना आहिए था स्थिपान भे साविधा के लिए;

वतः वक, उक्त किंपिनियम की भारा 269-म के अभारत में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :— 1. श्रीमती पी० यलेम एक्जिक्युटिय इन्जीतियर के० के० नगर डिबीजन, मद्रास-78

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा सेमगले।

(अन्तरिती)

को मह सुमना कारों करके प्वोक्त सम्पन्ति के श्रवंत के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी नाक्षेप ह---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इसं सूचना के खबपण में प्रकाशन की शारीं जै 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

श्यव्यक्तिकरणः - हस्मी प्रयुक्त कन्दी आर पदाँ का, को सक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अधी होना को उस अध्याव में दिया गया है।

धनुसूची

हिंग परीष्ट 104, विष्णम्बाक्कम, गांव विक्राम्बाक्कम सेख सं० 903/85 ।

> एम० सामुवेल उज्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण अर्जन रेंज- , मद्रास-6

विमान : 5-12-1985

प्रकप आर्ध . दो . एन . एस . -----

बायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेज-11,

मद्राप्त, विनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 107/अत्रैल, 85--अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिलकी संव डोर संव 10, अजीस मुलक 4, स्ट्रीट, पासंडलैठ्स है, तथा जो मद्रास-6 में स्थित है (ब्रांर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिल्ट्री कर्ता जीवजारी के कार्यालय, थीसन्डलैठ्स सेख संव 153/85 में रजिल्ट्रोकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक दिशांक अप्रैल, 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पृत्र शितकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी ज्या या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती औ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः भव, सक्त अभि त्यम की भारा 269-न के अनुसरण में,, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिष्ठि व्यक्तिमों, अर्थाद् ा. श्रीमती फालिमासूल बुब्बरा बेगम।

(असरक)

2. श्री इनयत अंतर ।

(अग्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित में अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत उपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविधि से बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्त किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्षिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विका पया है।

वयस्य

्षूमि घीर मकाम 10, अजीस मुस्क, 4था स्ट्रीस, वीसन्ध-लैठ्स, मेद्रास-6,। यीसन्डलैठ्स, लेख सं० 153/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, महाद

दिनोंक : 5-12-1985

माहर 🖫

सामुवेल

प्रकृष कार्य हो , पुन ् पुस . ------

🗕 (1) श्री के० एस० **भार** करन।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

(2) कीमती पुनम टन्डन।

(मन्तरिती)

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण)

धर्जनज रेंज-1, मद्रास मद्राप्त, दिनौक 5 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० 118/प्रत्रेंल/85—- बतः मृत्ते श्रीमती एम० विल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके प्रशाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा १६९०-छ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृज्य 1,09,000/- रहा से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं ा । पिलोर, प्लाट 71, रायपैटा है रोड़, मैलापुर है स्या जो मद्रास-4 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के सार्याजय मैलापुर लेख सं 436/85में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख भ्रप्रैल,

को प्योंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विकास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रयापिक का , निम्नितिस्त उद्योक्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बल्क-रूप के लिए तय पामा प्रयापिक का , निम्नितिस्त उद्योक्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बल्क-रूप

- (क) अन्तरण से हुन् किसी जाय की बाबत, डक्ट अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 23-396 GI/85

को यह सूचमा बादी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षम से तिक् कार्यवाहियां शुक्त करता हुं!

सकत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संघंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए था सकोंगे।

स्वकाकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वां सकत व्याधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा वो जस अध्याय में दिमा गया है।

बन्स्ची

प्लाट-II क्लोर, 71, रायभैठा है रोड़, मैलापुर, महास-4 मैलपुर लेख सं० 436/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

विनोब : 5--12--1985

माहर :

प्रकम**ार्गः, ट**्रिएन<u>ः</u> एसः _ - - - - - - -

(1) श्री सी० के० नमशिवायम ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती एस० धनलब्मी ।

(अन्तरिती)

नायकल विशिष्टक्षियम, 1964 (1961 का 43) की भाष 260-म (1) के व्यक्ति सुवाग

भारत सरकार

कार्यक्रम, सहायक वायकर नामुक्त (निरक्षिण) ग्रजंन रेंज-2; मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 129/अप्रैल/1985—अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

पाम भर्ग की भी निज्ञा, 1961 (1961 का 48) (जिसे का में बाहरी परवाह किया की पिकार कहा गया है), की भारा 2009-जे के के भी व प्रधान हो पिकारी को यह किस्सार करने का जारन है कि रूपाम र सम्मति, पिपाका जीनत बाजार मृस्य 1,00,000/- क. वे अभिक है

भीर जिसकी सं० ब्लाक सं० 18, टी० एस० नं० 4 हिस्सा 145 बी पश्चिम है तथा जो सी० ए० टी० नगर, मद्रास-34 में में स्थित है (भीर इससे उपाबस मनुसूची में भीरपूर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय मद्रास दक्षिण लेख सं० 1063 85 में रिजस्ट्रीकरण भिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन तारीख भ्रभैल 1985 का बूबेंबत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान भीतिकल के लिए बन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, अवसे अवस्तान भीकिक है और बंतरक (अंतरकों) और धंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किया गया है :—

- (क) बनदरण से हुर्द किसी बाय की बाबत, उकत विश्वजिक्त के वधीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तिक में कभी करने या उत्तसें वचने में स्विधा के सिक्ट; और√या
- (ब) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय कार्य, जिल्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वयः, वयंत जीधनियमं की धारा 269-व के अनुसरण में, में, खब्त जीधनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) कें अधीवः निकासिवित व्यक्तियों, वर्षात ह— को यह सूचना पारी कर्क पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं (1)

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यविसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नुसूची

भूमि भौरमकान 145 वी पिनमं सी०ए०टी० नगर, मब्रास-35, मब्रास दक्षिण लेख स० 1063/85

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, मद्रास

दिनौंक : 5-12-1985

प्रकप आइ. टी. एन. एस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, महास मद्रास, विनौक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 7/ग्राप्रैल/1985—न्प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

धौर जिसकी सं० 55/1, विसपाक्षीपुरम धर्मपुरी है तथा जो में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धर्मपुरी द०सं० 44/85/में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख धर्में 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिक्त से अधिक है और अंतरिक्त (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मुनिराज और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० एन० कृष्णन।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्धित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नों कर उपनितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्रमसर्थ

मूमि झौर निर्माण सर्वे सं० 551, विसपक्षीपुरम धर्मंपूरी

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रैंज-2, महास

विनोक : 4-12-1985

जक्य बार्ड, हाँ, एम, एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (फिल्स्क्रिका)

मजंन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनौंक 4 विसम्बर, 1985

निवेश सं० 9/मर्जैल/ 1985—मातः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेस,

वायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्रधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/-सः सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 301/ए1 है तथा जो पैटियमनली गौध नामककल कालुका में स्थित है (भौर इससे उपाछड़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय वालगोन्डनपपट्टी द० सं० 253/85 मे रिजस्ट्री-करण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन तारीख स्प्रोल, 1985

को प्रांक्ति समासि को उचित बाजार मूल्य से कम के शर्यमाण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्नलिखित उव्येष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) करारण से हुए किसी बाप की बाबत, उबस अधिनियम की लामीन कर दोने के प्रात्त्रक ने दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1 ने या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रामस्वामी गोम्बर ।

(यग्रदह)

(2) श्री मार० वी० कन्दस्वामी मौर मन्य।

(मन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुषता के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारोध सं 45 दिन को भीतर उवत स्थायर ग्रस्थि की हिंडपूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निस्ति में किए या सकींगे।

न्यस्त्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त वक्दों जीर पत्रों का, जो उक्त वीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा वशा ही।

क्रमची

भूमि सबसं० 301/ए1, पेरियमवली गाँव नामनकस तालुका (द०सं० 253/85)

एम० तामुवेल सक्तम प्राधिकारी सहायक पायकर पायुक्त (निरोक्षण) पर्जन रेंज- 2, मब्रास

रिनोंक : 4-12-1985

प्रकथ बार्द्ध हुन पुन्, पुन्, - - ---

आयमार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुवना

भारत सरकाह

कार्यासक, सहायक बायफर नायुक्त (निद्रीक्षण) धर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनौक 2 दिसबर, 1985

निदेश सं॰ 17/म्रजैल/ 1985—मतः मुझे श्रीमती पुम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद जिस्त विधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विषय करन का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मून्य 1,00,000/- एक से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० हाथि भूमि है तया जो थोरककल गांव जलकन्ठपुरम सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्त श्रीधकारी के कार्यालय द० सं० 374/85 श्रीर 377/85 में रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख भागील 1985

को प्रवेषत सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान इतिफम् के लिए कन्तरित की गई है और मुभे यह विवसास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिकात से किथक है और सन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे जन्तरण के सिए तस पाम गया प्रतिकल, निम्निजितित उद्देश्य है उक्त बन्दरण सिकित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण सं हुई किसी क्षाय की बाबत उन्ध बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- वि) पीटी किसी नाय या किसी वन या जन्य वास्तियों की जिल्हों आरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, गा अन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) हे क्रमेचनाचे वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा का ना किया जाना चाहिए था, स्थितने ये स्विधा है सिए;

नतः भव, उन्त निवित्यमं की गारा 269-म के वन्तरम वी, मी, उन्त निवित्यमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निव्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :-- (1) मेसर्स एम० गुरुनाथन भीर भन्य।

(भन्तरक)

(2) श्री धार॰ वीरमनी ।

(धन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोच्छ सम्पर्टित के सर्जन के सिए कार्यवाहियां मुक करता हुं।

तकत सम्पत्ति को कर्षात को सम्बन्ध में कोई भी आसीप :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अदिधि या तत्मम्बन्धी त्यितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी विश्वित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्याधितयों में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वास अथाहरकाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्प्डीकरण: ---इसमें त्रमूक्त शब्दों और केंद्रों का, जो जुणा विधिनियम: के अध्याय 20-क में परिकाधित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

धम्सूची

द० सं० 374/85 इति भूमि (सर्वे स० 293/2, 293 4, 292 श्रोर एक कुमा 7.5 एवं पी० मोडर श्रोर 260 मारियल द०स० 377/85 एवि भूमि (सर्वे स० 292, नारियल पेड 296/1 (1.60 एकरा) और माम पेड़ 5--

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रंभन रैंज-2, मजाउ

विनोक : 2-12-1985

प्रकप बाह्र टी. एन. एस. -----

भागकर कधिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) की धारा 269-च (1) को सभीन सचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, विनांक 2 दिसम्बर, 1985

भिदेश सं० 18/अप्रैल, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हां), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्व

1,00,000/- फ. से विधिक हैं।

मोर जिसकी तं० कृषि भूमि है तथा जो वीरकाल गांव भेटूर तालुका में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में भ्रीर पूर्ण रूप से वींगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलकन्डपुरम द० सं० 375/85 भीर 376/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पहुर प्रतिशत से विश्वक है और वन्तरक (बन्तरकों) और वित्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किथा नहीं किया गया है है

- (क) जंतरण है हुई किसी नाय की बावह, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी आप का किसी धन या जन्य कारितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना प्राहिए था, खिपाने में सुविधा के खिए।

जतः अवः, उक्त विधिनिषमं की धारा 269-ग के अनुसदणं में, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म की अपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) भेसर्स एम० गुरुतायभ भीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) भेसर्स एम० चैक्कॅय्यन भीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्खी

ह० सं० 375/85 कृषि भूमि 5.4 एकड़ वीरक्कल गोव जलकन्डपुरम, सेलम जिला । द० सं० 376/85 कृषि भूमि 17007 एकड़ वीरक्कलगांव जलकन्डपुरम सेलम जिला ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मबास

दिमान : 2-12-1985

प्रकृत बार्ष हो दुन् प्रस्

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्वेश सं० 36/अप्रैल, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

वायकर जिभिनियक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियय' कहा गया है), की वारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारों की यह विक्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विक्रका स्वित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मार जिसकी सं० सर्वे सं० 538/12 पेरियप्पट्टी गांव है तथा जो नामकल कालुका, सेलम जिला में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 2, भामक्कल द० सं० 482/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गहें हैं और मूम्से यह विश्वकात करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उसत अंतरण लिए की बाल की बाल कि साल कि साल कि स्मानिक स्मानिक से साल कि स

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उपत बिधिनियह के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए॥ बौर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्का के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)ं के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री एस० एम० मनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० मान्डाल।

(अन्तरिती)

वा यह शृष्णा भारी कहती पृष्णिक सम्पतित के न्यीन के लिए कार्यगाहिया कहता हूं।)

उथन बम्बलि से बर्बन से बम्बन्ध में केरहाँ भी बासेए 🚈

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विम् की नगीभ मा तत्त्वस्थान्थी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों के कियों किया करार!
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की सारीक क 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपृक्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति वृकारा अधोहस्ताकारी के पास विविद्य में किए वा सकींगे।

रचका करण: — इसमें प्रवृक्त कर्कों कीर पर्यों का, को उससे विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया यहा है।

यनुसूची

भूमि भौर निर्माण सर्वे सं० 538/85 पेरियप्पट्टी गोव, नामक्कल तालुका, सेलम जिला (द०सं० 482/85)।

> एम० सामुबेल सञ्जम प्राधिकारी सहामक जायकर आयुक्त (भिरीक्षण) जर्जन रेंज-1, मद्रास

दिमांक : 4-12-1985

मोहर 😅

प्रकर नार्वा, औ. युन्, एस.----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नधीन क्षाना

बारवं स्टब्स्ट

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्दाक्षण)

अर्जेन रेंज−1, मद्रास

मद्रास, विनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 40/अप्रैल 1985---अतः मुझे, **धीमती** एम० सामुबेल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त सिमिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्मरण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका अभित बाकार यून्य 1,,00,000/- रु. से दिधक हैं

म्रीर जिसकी संव बीव नजास प्लाह संव 40, कोमारपालयम है तथा जो अग्रहारम शामकरूल शालुका में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) एजिल्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोमारपालयम दवसंव 1067/85 में रजिल्ट्रीकरण अधिकाम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और बुकें यह विषयास करने का कारण ए कि यथापूर्वा क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्धे स्य से उक्त अन्तरण निविस्त में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:—

- (क) बलारण वं हुई किसी थान की बावक, क्या वीधिवयम के वर्षीय कर दोने से बलाइण के रायित्व में कमी कर्दने या अससे बच्चने से सुविधा से सिस्; खोड़/बा
- (व) एसी किसी बाक वा किसी वर्ष का बेल वेगिस्तर्वें को, जिन्हें भारतीय काय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें जीपनियम, वा भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्याहरी द्वारा प्रकट नहीं किया बना भा का या किया के विधिन के विधिन

वत: वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के वनुसरण वें, वें, धक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के विधीन, निम्नतिविक व्यक्तियों, वर्धातु:—— (1) श्रीटी० सुबहमन्यम भीर अन्य।

(अस्तरक)

(2) श्री के० जन्द्रशेखरत धीर अन्य।

(अन्तरितो)

को यह तुषन। बारी कारके पृथानित संपृत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां कारता हूं।

बनत संपृत्ति के अर्थन के संबंध वा कोड़ भी बाक्षेत्र 5---

- (क) इस सुवना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त प्रविक्ति में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपण भें प्रकाशन की तारीथ हैं 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- अनुमं प्रयुक्त खब्दों और यदाँ का, वा उक्क अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांशा, को उस अध्यास में दिशा भक्षा ही।

धन्सूषा

भूमि भौर निर्माण बी ननास प्लाटसं० 40 कोमारपालयम व्यवहराम, कोमारपालयम नामनकल साल्का (द० सं० 1067/85)।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त आयक्त (शिरीक्षण) अर्जभ रेंज-1, मद्रास

विनौत : 2-12-1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रान, दिलंग 4 दिलम्बर 1985

िदेश सं० 45/अप्रैश 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० जामुबेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

भीर जित्नकी प्याट सं० 14ए, 14वी और 15 भवी सं० 12ए, 12वी और 13, एटा० सं० 335/ए , 337/4 है एया जो मादवरम, महारा-51 में एक्स है (और इस्ती उपावड अनुसूची में भीर पूर्ण का से वॉगर है), एकिन्द्री वर्षा मधिकारी के कार्याक्य सेव्वियम ए० सं० 1344/85 में एकिस्ट्रीकाण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अवीप सारीख भन्नेल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पति वे उरित वाजार मेल्य में कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को सिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरकां के लिए तम पाम गया प्रतिफल, जिम्मिलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकार में बास्तविक कप से कथित नहीं कया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अधीरण के दादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायक-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) ा उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः शव, एकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24—396 GI/85

(1) श्रीमती जया राजा।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० डी० घालसुन्नमन्यम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीब दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियाँ जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अन्स्यी

भूमि और तिर्माण प्लाट सं० 14ए, 14वी भीर 15 तयी सं० 12ए, 12वी और 13 सर्वे सं० 332/3ए, और 334/4, मादवरम गांव , मद्रास-51 (द० सं० 1344/ 85)।

> एम० ता**मुवेल** त्रक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिशांक : 4-12-1985

त्रक्षणः जाद^त्रद्धाः . --

(1) श्रीमती सारा चेरियन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला देवप्रकाशम ।

(भन्तरिती)

बाबकर नहेंचीनयम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-म (1) में बाधीन सूत्रना

नारत सरकार

कार्याक्षयं, बहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

मिर्देश सं० 48/अप्रैल, 1985---अतः मुक्ते, श्रीमती एम. सामुबेल,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार (उन्त संधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारों को बहु विश्वत्य करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उचित बान्स्य मुख्य 1,00,000/- स. से बिधक है

भौर जिसकी सं० प्लाह सं० 8, विक्टोरिया कैसन्ट रोड़ एग्मोर है तथा जो मद्रास-8 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट द० सं० 391/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्त संबंध के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त को जिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से एसे ख्यममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रविकत से विश्वक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरिवियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गया प्रविकत के किमीबिवत उद्योग से स्वत अंतरण जिवित में बाल्य-विका क्ष्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) व्यवस्थ वे हुई किसी बान की बाबस, उपस श्रीपट्टियन के संधीप कर बोने के बसारण के वार्तिस्थ के कभी करने या उससे वथने में सुविधा के विद; और/वा
- (क) देती कियी बाव या किसी भग वा बच्च जास्तियों की, विक्रि भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 का 27) के प्रस्तेनगर्ध जन्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था का किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

्शकः नयं, इत्य विभिन्यमं की भारा 269-ए के अनुसरण भं, में, उत्या अभिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) वै अभीन, निभ्निविद्या स्वित्वमां, वर्षात् १--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप ८--

- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः --- इसमे प्रयुक्त घटवाँ और पदाँ का, जो उक्त लीध-नियम के मध्याव 20-क में परिभाष्ति है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

मनुसुची

भूमि ग्रीर निर्माण प्ताष्ट सं० 8, विन्टोरिया कैसन्ट रोड़, एग्मीर, मब्रास-8 (द० सं० 391/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जंत रेंज-1, मद्रास

विमोतः: 4-12-1985

मोहर

प्ररूप बाई टी.एन.एस.-----

मायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनोक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 49/अप्रैल, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्छे इन्तर्गे इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भार 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिन्नकी सं० प्लाह सं० 5, विकटोरिया क्रेसन्ट रोड़, एम्मोर है क्ष्या जो महान-8 में स्थित है (और इसते उपाबज़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिल्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट वं० सं० 392/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख अप्रैल

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: जब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिष्ठत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती तारा वेरियन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जिम धनराज ।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सञ्यक्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उपत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की जनिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी
 अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

मूमि श्रीर निर्माण प्लाष्ट सं० 5, विकटोरिया जेसन्ट रोड़, एग्मोर, मद्रास-8 (द० सं० 392/85)।

> एम॰ सामुधेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) मर्जम रैंज-1, मद्रा**स

दिनांक : 4-12-1985

प्ररूप आई.टी.पुन,एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज∽1, मद्रास मद्रास, किलंक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 50/अप्रैल, 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल;

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें विष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के जधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित दाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिल्ली सं० 3/2 17वा एकेन्यु हरिन्मष्टा रोड़ है प्रया जो महास-31 में स्थित है (श्रीर इत्तर्वे उत्तर्वे अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वॉणा है) एजिल्ली त्रविकारी के जार्यास्त पेरियमेट व० सं० 398/85 में एजिल्ली त्रहण अधित्रम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख अप्रैस, 1985

को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रितिफल के लिए अंदरित की उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रितिफल के लिए अंदरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे रस्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एत० के० एत० बाल ।

(अस्तर्क)

(2) श्री बालधर नारंग।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वाप को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवधि या तस्त्रंवंधी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी
 अवधि बाद मों समास्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति
 व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन के भीतर उद्यक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी सं पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धम्स्ची

भूमि भ्रोर निर्माण 3/2, 17वां एवेन्यु हरिन्गदन रोह्

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा: रेंज-1, महास

दिनांक: 4-12-1985

प्ररूपः, बार्षः, दीः, एनः एसः, ----

बायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रात

मद्रास, दिलांक 4 दिसम्बर, 1985

ार्देश सं॰ 55/अप्रैल/1985—अतः मुझॆ, श्रीमती एम॰ सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

षार जिलकी सं० भनी बोर सं० 9, पुरानी सं० 10, जासा है प्या जो में भर रोड़, मदाल-8 में नियत है (फ्रांट इली उपाबद अनुसूची में फ्रार पूर्ण रूप रोबलित है) एकिएड्री तो अधिकारी के जायितिय पेएस्पेट ए० सं० 451/85 में रजिल्ड्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) प अबीव सारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथायूर्विकत सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रतिकल, निम्नलिखित सव्यय्येय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में अभी करने या उदस् बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) पुरेती किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त आधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अका नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान मा सूबिजा के सिपुः

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधीन, निम्नसिचित् व्यक्तित्यों, अधीत ३—— (1) भेजर्ज शोजभा दिनत एउटैंट ।

(अयादक)

(2) चिक्तिताई एम० हास्य अली घोर अन्य । (अरास्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन पहें जिल कार्यचाहमां अरता हा ।

चक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कर्इ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ए 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्ची

भूमि श्रोर तिमीण तथी सं० 9, पुरानी सं० 10, काखा रोड़, मदास —8, (द०सं० 451/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जं। रेज-1, मद्रास

दितांच : 4-12-1985

प्रकृप बाइ, टी. एव. एव -----

(अक्तरक)ः

नायकर निभिन्त्रिम, 1961 (1961 का 43) की । थाओं 269-व (1) के बधीन हवारी

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जः रेज-1, मद्रास

मद्रास, दि: तं ५ 3 दिसम्बर, 1985

िदेश सं० 56/अप्रैल/1985--अतः मुझे, श्रीमती एम॰

सामुदेहा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाह सं० 5, हरिल्हा अपार्टमें हा सं० 98 है एया जो हारिल्हा रोड़, चेटोड मद्रात-31 में ल्या है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) प्रजिद्धी गती अधिकारी के कार्यालय पेरियरेष्ट ये० सं० 458/85 में प्रजिद्धी करण अधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीर राषीख बर्जल, 1985

को प्वोंक्स संपत्ति के उचित वाकार मृत्य से कन के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) खाँर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाचा गया प्रतिफल जिन्निसित्त उद्देश्य से उस्तु अंतरण प्रिश्चित से वास्त्रीहरू स्थ हो कायिल मही किया गया है है—

- (क) अन्तरम् वं हुन्नं किती आयं की वायतः, उपर अधिनियम् के अधीन कर दोने के मृत्युक के दायित्व में कमी करने या उद्देश व्यूने में सुविधा के जिल्हा बोर्ड/बा
- (थ) एंडी किसी बाव वा किसी वन वा बन्न वास्त्रकों को, जिन्हों भारतीय नायकार नियमित्रन, 1922 (1922 का 11) या उक्त नियमित्रन, वा वनकर नियमित्रन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ बन्दिशी द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था था किया सन्ता वाहिए वा क्याने के मुनिया के सिक्;

(2) कुमारी टी॰ भागर सुशीला।

(1) डानष्टर पी० इयामना रेड्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बुम्पीत के सर्वन के सम्बन्ध के कार्ल मी बाक्स ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिश्व हा तत्सक्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिश्व से बी वनिश्व होती हो, के शितर, प्रवेशक व्यक्तियों में से किसी स्पाद्ध होती हो, के शितर, प्रवेशक व्यक्तियों में से किसी स्पादस प्रवार।
- (व) इस स्वान के राज्यत में मकाकन की तारी है है 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-मन्य किसी मन्य स्थानत बनारा, अथोहस्ताकारी के वास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वचीक दुन्नः — इसमें प्रमुक्त हर्ना और पदी का, वा उचक अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस कथ्याद में , दिस्सू गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 5, हारिन्गटन अपार्टमेंटस 98, हारिनगटा रोड़, चेटनेट, महास-31 (द०सं० 458/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी सद्भायक आयक्तर अध्युका (विरीक्षण) अर्जाः रेज-1, महास

नतः सन, उक्त निधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, अक्त निधनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के निधनि निधनिविद्या विद्यालयों, अर्थात् :---

दिशांक : 3-12-1985

मोहर व

अक्य बाइं.टी.एन.एस.------

कारकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म <u>(1)</u> के बभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जः रेज-1, महास

मद्रास, दि: तंत्र 4 दि: मबर, 1985

िदेश सं० 57/अर्थेज/1985--अः मुझे, श्रीमती एम० सामुकेल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिल्ली सं० 9, भेगर सत्वमूर्ति रोड़, श्रीतिवास स्पर, है एया जो मद्रात-31 में लिया है (श्रीर इत्ते उत्तब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉप है) रजिल्ली एती अधिकारी के बार्यालय पेरियमेण द० सं० 464/85 में रिल्ल्लीकरण अधितिस 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीख अप्रैल 1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास-करने का कारण है

कि यथा पूर्वोका सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एरो दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किथा गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्ता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण वं. वं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वं अधीन, निस्तिमित्रित व्यक्तियों, सर्थोन क्रिक्त (1) डावधर ए० बी० सुगवारेवसा ।

(अग्रदह)

(2) श्रीमती एस० एम० ए० अनीला ।

(अटास्ति)

कां यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 दिन की अनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति [दग्य];
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त कि धिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है!

प्रनुसूची^{*}

भूमि भीर शिर्माण सं० 9, भेजर सत्त्रमृति रोड़, भी भिवास शगर, महास-31 (द० सं० 464/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुकः (शिरीक्षण) अर्जाः रेंज-I, मदास

ষিনীয় : 4-12-198**5**

हरून बाह् टी. एन. एड. ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 59/ग्रप्रैल/85---प्रतः मुझे,श्रीमती एम० सामुबेल, आयळर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त किपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00.000/- रहे से अधिक हैं

और ज़िज़की सं 2 13, रामनाथन स्ट्रीट, मदास-10 है जो एलपाक मदास-10 में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीटर्सी इजियारी के सार्यालय रेटियमेट द० सं० 475/85 में भारतीय रिस्ट्रियरण इजितरम, 1908 (1903 पा 16) के इधीन तारीख इप्रैल, 1985

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितम्स के लिए अंतरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण हा कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एए दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एचे अंतरण से लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त किसीनयम के अधीन कर दोने के बंतरक के दामित्य में कमी अपने या टससे बचने में सुविधा के बिए: और/मा
- (का) एती किसी जाम या किसी भन या जन्म जास्तिमों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंतारा प्रकृट नहीं किया नया था या किया जाना चाडिए गा, व्यापन में राविधा के लिए:

अतः उ.ब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री कें एम अधिमा और अन्य

(अन्दरक)

2. श्रोमती जे॰ जानसन

(अदिरती)

को यह सूचना जारी करके दुवाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष्

उक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकारन की तारील से 45 दिन की उवधि या तत्सम्बन्धी विनतमां पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि पाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (हं) इस सूचनां के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 वित के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास निवासत में जिस् का उक्तन

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्नुसूची

भूमि और निर्माण सं० 13, राम नाथन स्ट्रीट, मद्रास-10 (द० सं० 475/85)।

श्रीमती एम॰ सामुनेल सञ्जम प्राधि हारी, सह यह आयकर आयुक्त (शिरीजण), प्रजन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 3-12-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नामूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, मद्रास

मद्रास, विनांक 3 विसम्बर, 1985

निर्देश सं० 60/प्रप्रल/85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

शीर जिसकी सं० प्लाट नं० 25, एध्मोर डिवीजन है, जो एध्मोर गांव मद्रास-8 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट एं सं० 490/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से का को क्रममान प्रतिकाब को लिए अन्तरित की गई हैं। और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दश्यमान प्रतिकाल के पत्ति प्रतिकाल से परेसे दश्यमान प्रतिकाल के पत्ति प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तथ पामा गया प्रतिकाल, निम्निसित्ति उद्देश्य से उसत्त बन्तरण सिवित में वास्तविक क्या से कथित वहीं किया गया है —

- (क) मन्तरम वं हुइं किसी बाव की बाबत, उपत मिनियम के नधीन कर दोने के मन्तरक के दानित्य में कमी करने वा उपते वचने में सुनिधा के निष्; और/वा
- (स) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायक ए जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सृविधा के निए।

बात: अब, अबत अधिनयम की धान 269-ग के जासरका में, में, बत्रत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन . िमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 25 --- 396 GI/85

1. धीमती पी० एस० सरस्वती

(भन्दरक)

2. श्री जी० ग्रार० शर्मा

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वीक्त सम्मिक्त के वर्धन के जिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की बनी पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वां भी अवधि बाद में समाप्त होती होते, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात निवित वो किसे वा सकी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के वश्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, को उस अभ्याय में दिया गया है।

पनुस्यो

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 25, एव्मोर डिवीजन, भार० एस० 80/30, एव्मोर गांव, मद्रास 8 मेरियमेट (द० सं० 490/490/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैत रेंजनी, महास ।

तारीख: 3-12-85

REC 0

प्रकृत साही, टी, एन, एस, ५००००००

1. श्रीमती राजेश्वरी

(भन्तरक)

बाधकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के बधीन स्पना

2. श्री एस० एस० बालन और धन्य

(श्रम्तरिती)

श्रापत सङ्ख्या

शार्थांसय, सद्दावक जायकर बायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मब्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 64/श्रप्रैल/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्रममें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-क से अधिक है

और जिसकी सं नया डोर सं 60, पुरानी सं 18/1, 18/2, है जो बसवीयन स्ट्रीट, पुराना में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रायपुरम, द सं 663/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अभैल, 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपिए बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित करें गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिकास से, एसे ध्यमान प्रतिकाल का उन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरम के लिए तम पामा पना प्रति-क्रम मिन्नसिवित स्व्योक्य से स्वत जन्तरण सिवित में वास्तिक एप से कथित नहीं किया पना हैं है

- (क), वन्धरण से सूर्य जिल्ही बाय की वायश उक्त विध-विवय की अधीय कर दोने की अन्तर्क को दायित्व वी कमी करने या उससे मुखने में सुविधा को निए; बाह्र/मा
- (व) एंडी किसी जाव वा किसी वन या अन्य आस्तिकां को, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अ प्रवादिनार्थ अन्तरिधी द्वार प्रकट वहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सविधा चै सिक्;

बत् बद्ध जव्द जिल्लिमिय की भारा 269-म की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिसिक्त व्यक्तियों, अधीत् ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

जनत सम्प्रॉिट के बर्बन के बन्दरभू में कीई भी बाधोप्:---

- (क) इब सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनीं या तरसम्बन्धी स्वन्तियों पर सूचना की तायीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर प्रविक्त क्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतद उक्त स्थावर संपत्ति में हिट्य बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिर्वेशन में किए का सकनेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुख्त कथ्यों जौर पदों का, को उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

बम्स्ची

भूमि और निर्माण नया डोर सं० 60, पुरानी डोर सं० 18/1 और 18/2, बसवियन स्ट्रीट, पुराना बाषरमेन पेट, मद्रास-21 (द० सं० 663/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल
ृैसक्षम प्राधिकारी
स**हायक भायकर भायुक्त** (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-^I, मद्रास ।

तारीखा : 3-12-1985

मोहर ः

प्रकृप बाहु दी पुन्युप्तसः ------

बायकर वरिधनिवस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन बुचना

भारत सरकार

कार्यक्षयं, सहायक्ष आवकर आयुक्त (ग्रैनरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मधास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 67/ग्रंपैल, 1985—-ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुखेल बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके काचात् 'उनतः अभिनियम' सद्धा नवा हैं), की धार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभिक वाकार मूक्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिति कोर सं 10 पी० 1 निर्म डोर सं० 26 है, जो प्रयास्त्रामी पिल्ले गार्डन लेन में स्थित हैं (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से निर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय क्षयपुरम द० सं० 717/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारी ख श्रभैन, 1985

का पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं काम के दश्यमान्
प्रतिकल के लिए अंतरिश की गई है और मुक्ते श्रष्ट विश्वास
करने का कारण है कि सवापृत्रीकत सम्बत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उथके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का
पन्यह प्रतिकात से निभक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के जिए तस नामा गया प्रतिक्षा निम्नीकाचित स्वृद्धिय से दश्य बंतरूण चिक्ति में वास्त्रिक
क्षा निम्नीकाचित स्वृद्धिय से दश्य बंदरूण चिक्ति में वास्त्रिक
क्षा से क्षीचत वहीं विकास का है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में कृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिक्स, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूत्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपधार (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ग्रार० नक्कीया और ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० गणेसन

(भन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कुड़कें पूर्वोक्क सम्परिक के नर्जन के फिला कार्यवाहिक करना हो।

उक्त कम्परित के बर्णन के संबंध में कोई भी आसेर ह--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशक की कार्डी है 45 बिन की अविध या तत्संबंधी क्यें कितयों पर सूचना की सामील के 30 बिन की जबिष, जो भी अपिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वीका व्यक्तियों में कियी क्यें कि पूर्वा,
- (क) इस तुम्मना के राजपन में जन्मायम की कारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवत्ति में हिराकक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोहत्वाकरी में शव लिखिन में किस का क्योंग।

स्पद्धांकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 10-पी०/1, नयी डोर सं० 26, ग्रप्पास्वामी पिल्ले लेन, मद्रास-21 (६० सं० 717/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मबास ।

तारीख: 3-12-1985।

महिर 🖫

प्रस्पञ् ब्राह्री, ही. एश्च एस्ट्र-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्भना

भारत सरकात

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निर्माक्षण)

श्रयजंन रेंज-,I मद्रास मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

सं० 68/गग्रप्रल/85—ग्रत। मुझे श्रीमती एम० सामुवेल आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि प्राप्त एस० सं० 4317 और 4319/3, है, जो रायपुरम, मदास में स्थित है (और इसते उपाबद भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम द० सं० 745/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख ग्रप्त, 1985

को पूर्वोयत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोयत सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण मिन्नलिखत वे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री एम० राम लिंग रेड्डी और ग्रन्य

(मन्तरक)

2. मेसर्स सिंग स्टील टी॰ रोलिंग मिल्स

(भ्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रनुसूची

भूमि घाए० एस० सं० 4317 और 4319/3, रायपुरम मजास-13 (द० सं० 745/85)।

> श्रीमती एम० सप्सुवेल सतम प्राधिक,री सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख: 3-12-1985

प्रकर बाह् । दी. पुरु पुरु ------

भावकर वीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुवना

मार्स बरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 विसम्बर, 1985

सं० 69/बर्गल/85---प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'प्रकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने श्रा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- एउ. से अधिक हैं और जिसकी सं० 94, श्रामी नियन स्ट्रीट, मदास-1 है जो

और जिसकी सं० 94, घ्रामी नियन स्ट्रीट, मद्रास-1 है जो मद्रास-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिल्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर, व० सं० ०044/85 में भारतीय रजिल्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 क. 16) के घ्रधीन तारीक घ्रमल, 1985

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्योंकत संपित को उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नितिषत उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखा में बास्तिक रूप से स्वित कहीं किया गया है हुन्

- (क) बन्तरण तं हुई किसी बाब की वाबस, उक्स विधियनच को अधीन कार बोने की अन्तरक के द्यवित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के दिए; बौर/का
- एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकंड जीभीनयस, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिवयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के जिए।

बतः अव , उक्त विभिनियम की धारा 269-ग की वमसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- 1. श्री के० एस० पी० बालकृष्णन ग्रन्ड को०

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम॰ शाहुल हमीव

(घन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के क्षिप कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

(क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्वित्यों में से किसी स्वक्ति व्वारा;

[क] इब भूषना के राष्प्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्क व्यक्तियम, के बध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं वर्थ होगा, जो उस वध्याव वे विया गया हो।

नग्स्ची

घर (भूमि और निर्माण) 94, ग्रामी नियन स्ट्रीट, मब्रास-1 जे० एस० श्रार० 2, उत्तर मब्रास (द० सं० 1044/85)।

> श्रीमती एम० सामुनेल) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1. महासं

तारीचा: 3-12-1985

प्ररूप माई.टी.एन.एस.-----

अध्यक्ष्ट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-1, मद्रास मद्रास, द्विनांक 4 दिसम्बर, 1985

सं० 75/अप्रैल, /85—अता मुझे श्रीमती एम० सामुवेल नायकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रस्थात् 'उन्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जनीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि सावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

बौर जिसकी सं नयी डोर सं 126 (पुरानी डोर सं 59) है जो राम स्वामी स्ट्रीट, मद्रास 1 में स्थित हैं (और इसते उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्रास (द॰ सं॰ 1212/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन ताफीक अपन, 1985

को पूर्वाकत संम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एोसे श्रयमान प्रतिफल का पंतर प्रतिक्षा से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अत्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से क्रीयेट नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए।

नतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क वधीन, निम्नीसंबित व्यक्तियों, बर्यात् के—- 1. श्री के० पार्थसारथी

(भन्तरक)

2. श्री के अश्रामलें

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् से 45 विन की अर्दाध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण नयी डोर सं॰ 126 (पुरानी डोर सं॰ 59), रामास्थामी स्ट्रीट, मन्नास 1

(द॰ सं॰ 1212/85) ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेज-1, मद्रास

तरीह: 4 -12-1985

मोहर 🗈

प्रकृष बाह्र हैं। देन हैं एस हा एस हा स्टान्स कर

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्थना

भारत सहकार

कार्याख्य , सहायक वायकर वायक (निरक्षिक) अर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

सं० 76/ग्रप्रल/85—--ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल, ग्रायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुरानी डोर सं० 25, नयी डोर सं० 60 है जो सेम्बुदास स्ट्रीट, मदास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुक्त्रची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय उत्तर मदास (द० सं० 1174/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मप्रल,

को प्वांक्त सम्पर्ति के उषित बाजार मृत्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफें यह विक्वास करने का कारण है कि गथाप्वोंक्त सम्परित का उचित आजार मृत्य, जसके द्रयमान प्रतिफल से, एसं द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतवात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिसित भें बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम क्री हुई किसी अथ की शायत छक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कर्मी करने या उससे वचने में सुविधा के लिएए बाँड/या
- (w) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने बें स्विधा के सित्रृष्ट

कतः अव, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसर्क को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) की कभीना, निम्मसिकिक क्यूक्तियों, स्वाद्य क्ष-०।

- श्री बाइहर घव्यास बाय धक्वर मली और धन्य (धन्तरक)
- 2 श्री एस॰ बहुश्वीन सलेहबादई लहरी और भ्रन्य (भ्रन्तरिती)

(अन्तरिती)

को यह सुचना बाड़ी कारचे प्रवॉक्त संघ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं ॥

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की कविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की सविभ, जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
 पास सिकित में किए वा सकोंगे।

न्यक्वीक इच :--इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, भा उक्त समिनियम, को लभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा थी उस सम्याय में दिया पदा है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण पुरानी सं० 25, नयी सं० 60, सेम्बुखाध स्ट्रीट, मद्रास-1 (द० सं० 1174/85)

> श्रीमती एम० सप्मुबेल) सक्षम प्राधिकारी सप्तयक झायकर झापुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, मद्रास 1

तारीख 4-12-1985। साहर:

प्रका बार्ड, टी प्रन हरू.-----

1. श्री सी० चन्दन और श्रन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सोहना देवी।

(ग्रन्तरिती)

बायकट विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से स्थीन क्षमा

बारत बरकार

काराजव, बहाबक बावकर बावका (विराधिक) श्रजेन रेंज-II,मद्रास

मद्रास , दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 79/अप्रैल 85----अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

नायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पर्यात् 'उन्त मिंधनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के गंधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वस करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मत्ति, विसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से मिंधक हैं

और चित्रकी सं॰ म्युनिसिपल नयी सं॰ 3, पुरानी सं॰ 56, है, जो नाराण मुदली स्ट्रीट', मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यात्रय, सीकारपेट, द॰ सं॰ 201/35 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन दिनां 5 अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित राजार मूल्य से कम के अवसान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है बॉर मुखे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित अन्तर मूल्य, उपके अयमान प्रतिकत से, एसे अवमान प्रतिकत का संस् प्रतिकृत से स्विथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्ति) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया बना प्रति-कृत विक्रमीशिक्त उप्रवेशन से उपक अन्तरण विश्वित में यास्त्रिक कम ने क्षित नहीं विकास नहां है हिल्ल

- (क) बन्धरण व हुई किसी बाव की बावद , वनक विधिनियम के वर्धीन कर दोने के जन्तरक के शामित्व में कती करने या उदये वचने में वृत्रियमा के जिल्हा; वरि/मा
- (व) एसे किसी नाम ना किसी धन या नम्य बास्तियां करे, विक् धरस्तीय सामकर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उकत विभिन्निया, का धन-कर विधिनिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तरिती इनाय प्रकट नहीं किया यहा या वा किया बाना बाहिए वा, कियाने के विवास के सिक्ट,

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्धन के सम्बन्ध में कोई वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष निविद्य में किए बासकीं।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिना रहा डै।

वगसर्च

भूमि और निर्माण म्युनिसपल डोर सं० 56, नयी डोर सं० 3, नारायण मुदली, स्ट्रीट, मद्रास-1 , (द० तं० 201/85) ।

> श्रीमती एम॰ सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

वर्षा क्षत्र क्षत्र व्यक्तिका की धारा 269-न वे वनुसूत्र में, में, अक्त व्यक्तिका की धारा 269-व की क्षत्रकात रिक्री के व्यक्तित निक्तिका व्यक्तिकों, वर्षात :---

বিবাঁড: 4-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ---

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

ारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंप-I, मद्रास

मद्रात, वितांक 4 वितम्बर 1905

िरेग सं० ३०/ । त्रील-३५ -- प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

कासकार अधिनियम, 1965 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके प्रवास, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। को जारा 269-म 'हे सभीन सक्षम प्राणिकारी को, वह विक्यात करन का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवन बरकार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बीर िक्की तं 20 कि हिनार को निवस्ति एं है जो पेड़ सहिन पेट (बीठ अरेठ सिठ), नगर, मद्रात-1 में स्थित हैं (और इससे उनाबद्ध अनुसूत्री में ओर जो पूर्ण रूप है पाँगा हैं) एकिएं ति अवि पर्र के रामित सिता पेट दर्व सं 214/05 में मारतीय एकिएं एरण अवितिरम, 1903 (1908 ा 16) के अवीन अर्जेन, 1935

को प्रविधित संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, लक्षणे द्वयमान प्रतिकाल से एमें स्वयमान प्रतिकाल के पत्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए उय पांचा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण बिस्तर से सास्त्रीयक रूप से प्राधित नहीं किया गया है

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइत, उक्त अभिनियम के अभीत कर इन के बन्तरक के समित्न में कमी बान के उनमें बादने ने सुविधा के निष्यु: और/मा
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, प्रा पान-पार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेमांजनार्थ कर्यारती स्थार प्रकट नहीं जिया गया भी या किया जाना चहिए था स्थिन में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अधीन :-- 26—396 GI/85

1. श्री डी॰ एम॰ जीतफ, और अन्य।

(अन्तरक)

2 श्री के० के० पाडियन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं कर 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पश्च स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ व्यक्ति के किए जा मकीये

स्पद्धिकरण - इसमें गुमा कर्कों और पदों का, वा उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं। वहीं तभी होता के उस सम्बास के दिस

TAN OF

भूमि और निर्माण सं० 26, पिडारियार कीयल, स्ट्रीट, पेडनावसनीट बी० ओ० सी० नगर, मद्रास-1 (द० सं० 214/85)।

एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांश: 4-12-1985 मोहर (हरू वार्षः, क्षेत्र प्रमृत्त दुवानुसम्बद्धाः

नायकर निधानयम, 196, (1961 वर्ष 43) की प्रकार 269-व (1) के अभीन स्वता

नारत् तरकार

कार्यालय, सहायक मायक, शायुक्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नद्रास

मद्रात, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेण सं० 82/प्रप्र^{*}ल/85---प्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्*वे*ल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा नवा इ'), की चारा 269-स के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसक सं वित्यों संव 47, पुरानी संव 5, नाट्टपिल्ल यार है, जो कीयन, स्ट्रोट, मद्राज-79 में स्थित है (और इजसे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधि जारी के जार्यात्म, सौजाएपेट, दव संव 234/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकर प्रधितियम, 1908(1908 का 16) के भारतीय प्रधीन दिनांक भ्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित नाषार मूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का नंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योग से अक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योग से अक्त अन्तरण के लिए तम

- (क) बन्तरण से हुई किली आय की आबत्त, उक्त गौधनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षिक्त में कमी करने वा उक्तम क्कने में सुविधा में लिए; और/बा
- (क: एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं आरतीय गिलकार अधिनियंत, 1922 (1922 का 11) या जी अधिरियंत, ना धनकर अधिनियंत, 1957 (1657 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरिती क्वारों अकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिनाने में सुनिधा हो निष्ह;

अतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के में, उक्त अधिनियम की भारा-269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. भी जयवेल, और प्रस्य ।

(घरतरक)

2. भी ए० सीता रामस्या और भन्य ।

(मन्दरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करका हुं।

उपत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पात चिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

भूमि और निर्माण पुरानी, सं० 5 नयी सं० 47, नाट्टबिस्सी-यार कोरिल स्ट्रीट, महास-79 (द० सं० 234/85)।

> एम० सामुवेल सक्षम ब्राधिशारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-रे महास

दिनांक: 4-12-85

मोहर ३

प्रकृप बाइ . हो . एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ 269-व(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य , पहायक वायकर बावुक्त (निर्दाक्तिक) श्रजैत रेंज , मद्रास

मद्रास, धिनोरु 4 दिसम्बर, 1985

िनदेश सं० 84/प्रप्रैत/85--च्यतः मुझे श्रीमत एस० सामुबेल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सकी परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार १69-च के अभीन सकान माभिकारी को यह विश्वास करने भा कारण है कि रूथानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बीर जितकी सं 95/ए, ज्यान सं 78, तबुवायक्र्र, गांव, है जो असत नगर महात-40 (ज्यान सं 1 मी) में स्थित है (और इतने उताबद अनुसूबी में और जो पूर्ण रूप में विणित है) रिस्ट्रिति जी अधिनारी के कार्यातम, अन्तातगर दर्भ 1204/ 85 में भारतीय रिविस्ट्रोन्स अबिन्यिम, 1908 (1908 का 16) के बाबीन दिवांन अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के उच्चमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी नह निक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का कवित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उच्चमान प्रतिफल से व्यक्ति का कवित का कवित का कवित का का व्यक्ति प्रतिफल से विधिक हैं और अन्तरक (वच्चरकों) और बंतरिती (अन्तरितिमां) के बीच एसे अन्तरण के जिए उम पाया बच्चा प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्यक्त से उसत बन्तरण मिखित में बास्तीकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वियद में कमी करने या उससे दचने में सुविभा के सिए; बॉर/बा
- (थ) ऐसी निष्धी बाय या किसी भन वा बच्च आस्तिकों को, जिस्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- अर्थ अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया वा वा किया काना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

कतः वन, अकत विधितियम की धारा-269-ग के अनुसरक भो, मी, उक्त अधितियम की भारा 269-ग की रूपभारा (1) के अभीन, निव्यक्तिविक्त व्यक्तिवर्षों, सर्वात् :---

- ा श्री एस० **पी०** श्रीतिवासन, ऐ०ए०एस० । (श्रन्तरक)
- 2. श्री टाडेग्याम बिसानी और ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

की बहु सुचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति की अर्जन की लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की समीच या क्षत्सभ्यन्त्री व्यक्तियों पर स्वना की सामीच से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्यक्तियां,
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थानर सम्पत्ति में द्विस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्मानिकरणः --- इसमें प्रमुक्त सम्बन्धे स्वीर वसी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-वा मां विकासिक हैं, कही अर्थ होया जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

सनसर्ज

भूमि और निर्माण 95/ए, 1 बनाक, सं० 78' नाडुवाकः रै गोष, प्रस्ता नगर, मद्रास-40, बनाक सं० 1 सी (द० सं० 1204/85)

> एम॰ सामुवेल उक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्वाम

विमोक : 4-12-1985

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राप्त, दिलाए 3 दिप्तरवर, 1985

निवेश सं० 88/अत्रैल/85→-अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, को पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

अरेर जिसकी सं० 28, अंग बता ं, अरेता ना, है, जो मद्राह-40 में स्थित है (और इ.से ज्याबड़ अनुपूर्व में अरेर जा पूर्ण कर से विज है) पिएड्रीकर्ता अजिजारी के कार्याक्य, अर्जावगर, द० सं० 1281/35 में भारतीय हिस्ट्रिटर अविकिस, 1908 (1908 जा 16) के अजीन दिनां अर्जेत, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ध्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे संतरण के लिए तम संतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम समा प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त शन्तरण मिवत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आय को धावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ण) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्यिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण व. में अस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) रोजनियम क्यांक्तियों, अधीत्:— 1. श्री टी० एन० दोरौस्नामी।

(भन्तरह)

2. श्री जी० सुब्बैण्या ।

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपश्र में प्रकाशन को तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया गया है।

धन्स्ची

भूमि और तिर्माण डोय सं० 28, ओग्र, बनाक, धन्तातगर भद्रास-40 (द० स० 1281-85)

> एस॰ सामुबेल सम्राम प्राधिशारी सहायक प्रायक्षर प्रायुक्त (िरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, महास

ধিনাক : 3-12-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289- (1) के अधीन गुणना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक जायकार आयवत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2 मदास

मद्रास, दिनां ह 3 दिनस्वर 1985

िदेश सं॰ 92/अत्रैल/85—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुदेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वक पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जितकी सं० प्ताह सं० 2400, टी० एव० 192 है, जो महुवाक रें, गांव, अला पवा, महाव-40 में लिया है (और इसते उनाबह अनुसूवी में और जो पूर्व का ते विणा है) प्रियही-कर्ता अधि तारी के कार्यात्व, य० सं० 1389/35 में प्रियही-करण अधि नियम, 1908 (1908 का 176) के जवीप दित्त अप्रैस, 1985

द्धिपान संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रिफिल के लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर दन्तरिती (अन्तरितिगों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वे शुद्ध किसी कार की वायत देशन करिए विषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कामी करने या असमें रचने में करिया के विषये;
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन था अन्य आस्तियाँ को, जिन्हां भारदीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धक-कर अधिनियम: 1957 (1957 का 27) के प्रश्लोबनार्य-अन्तिरिया प्रशास अधिनिया स्था भा वा किया जाना महोहुए छा, जिल्लान वी सहित्या के खिए:

मत: बाब:, उत्कत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री पी० जन्दुस्त्रामी।

(अस्तरक)

2. श्रीमती राकुन्तना चोप तिगम।

(अन्तरिती)

को यह स्वक्षा जारी करने प्रजीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप र-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्साकाशी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की क्यिंग, जो भी अविध बाद में खंबाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों भें हैं किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ह) इस सूचना के राज्यक में इकाइन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहताश्वरी के पांच विक्ति में किए जा करेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बाध्याय 20-क के परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उसे कश्याय में दिया स्वा हो।

धनुसूची

भूमि और निर्मा प्लाट सं० 2400, अन्ता नगर, (टी० एस० सं० 192, पहुचापकर, गांव, महारा-40 (द० सं० 1389/85)।

एम॰ सामुवेल ज्ञम प्राधिकारी ज्ञायक आयकर अध्यक्त (िरीक्ष) अजी रेंज-2, मदास

दिएांक 3-12-1985 मोहरः प्रकर बाहे.टी.एर.एड.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वता

मारत बरकार

कार्याक्यः, सह्ययक बायकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, मद्रास

मद्रास, दिशोक 4 दिसम्बर 1985

िवेश सं० 98/अप्रैल/85—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेस,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उक्त मधिनियम', कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीट जिल्ला सं० प्ल. ह सं० 2896, ज्लाक 9 भी, है, जो भड़ुवासकर गांव, अन्ता भगर, मद्रास में विधार है (भीर इससे उपावड अनुसूची में भीर जो पूर्ण का से जांगा है) एजिल्ली कि कार्यालय, अन्ता भगर, द्व० सं० 1548/85 में रजिल्ली करण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोंक अप्रैल, 1985

को प्रांकत सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नदृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि किए तब पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि किए तब पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि

- (क) बन्तरण संहुदं िकसी नाय की बाबत, उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के नंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिए।

बत: बब, उक्त बिधिनयम की भारा 269-ण के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) खे अधीन, विस्तिपित व्यक्तियों, संधीत् :---- १. श्री एल० आर० शिक्तसाद।

(अन्तरभ)

2. श्रीमती टी० वेदबत्तियम्मा भीर अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;

विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उस्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् राजा है।

बन्स्ची

भूमि भीर निर्माण ब्लाक 9 बी०, लाष्ट सं० 2898, भन्दा नगर, मदास-40 (द० सं० 1548/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दितांक 4-12-1985 मोहर : प्रकप_ बार्ष्य दौरा पुन्⊙ एस्_{य = = - > +}

बायकर विधिनियम, 1981 (15% का 43) की बारा 269-म (1) के बंधीन स्वना

भारत संद्रकाड

कार्याकवः. सहायक बायकर बाय्एक (निरीक्षण) सहायक आयकर आयक्त (निरीक्ष)

> अर्जन रेंज-2, मद्रस मद्रस दिनांक 4 दिसम्कर 1985

सिवेश सं० 400/अत्रैल/85---अतः मुझे श्रीमती सामुवेल नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धंसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६०-च के मधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिलकी सं० एस० सं० 67/6, अलगापुरम, गांव है, जो सेलम, हालुका, भीर जिला में स्थित है (भीर इससे उपावड़ अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से अणि। है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरमगजम, द० सं० 750/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीक दिनोक अप्रैस,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित धाजार मृत्य से काम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफत का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिनों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-धल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुड़ किसी बाय की दावत, उक्त की, जिन्ह भारतीय । यदार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उटक अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजन किसी अन्तरिती दवारा प्रकर नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

वर्षः वयः, उक्त जीधनियमं की बार. 269-ण की अगुस्थः में, मंग, उक्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. भी ए० बार० माण्विम्त्।

(अग्तरम)

2. श्री एस॰ मृसुराजन,

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पृत्येंक्ट संपृत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षी वाद में माध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरा के पाक्ष लिकत में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---- इसमं प्रयक्त शब्दों और पदीं का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वन्स्वी

भूमि एस० स० 67/6, अलगापुरम, गांव सेमम सास्नुका भीर जिला (व० सं० 750/85)।

> एम० सामुवेल संसम प्राधि हारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

बित्तीक 4-12-1988 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ग्राध्कर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयवार आयवत (निरीक्षण) सहायक आयकर आयका (िरीक्षण) अर्जः रेज-२. मद्रप्त

मद्राप्त, पितंश 2 विजम्बर, 1985

भिदेश सं० 222 ए/अर्जेज/85---अतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमा इसकी प्रदेशात 'लक्त अधिनिगर्च' कहा गरुर है). की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका इचित वाजार भूत्य 1,00,000/- ত. দী লাখিক লী

भीर जिज्ञा संग म्सि है, जो जा जमबादी, गांव, ये जार्ड काल्या सेतम जिता में स्थित है। (बीर इतने उपायद लनुस्वी में बीरजी पुर्व रूप से वर्षा है। दिवादी जी विधिवारी के वार्यालय येकाड द० सं० 82/35 में रिजिन्दी हर सिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीप दित्तेत अबैक, 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे गह विश्वास **करने का कारण है** कि यथापर्यक्ति संगति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सी, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की, भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य डास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

स्त: ग्रह, उस्त अविनियम की धारा १६०-ग के जनसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निप्रनिविधिक स्विष्ठियों, सर्थात ध--

ा. श्रीमती ए० एम० बोजन ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जेम ग्रानैट्स।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्वं से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी इविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दवारा;
- (७) इसस्चना के राज्यक में प्रकाशन की तारींख 🕏 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयबष विसी अना व्यक्ति बदारा वागोहस्ताक्षरी के अचि शिक्षित्र भी किए छ। स्कर्ण :

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होए जो उस अध्याय में दिया गया है:

खर्वे सं० 41, 3/1, श्रीर च/2, कालम्बाडी गांव, शैर्वराय हिल्ता, बेंकडि में 990 एजरा,शूमि एक छोटा घर, काफी प्तान्ट जिल्हार प्रोज जान कृष्ट नारगी प्रीर कल्योग मुख्नी, **प्र**ीट अन्य ।

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी शहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेज-2. महास

दिशीए: 2-1°-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस.----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंऽ:-2, मद्रास

मद्रास, दिनांफ 6 दिसम्बर, 1985

िरेस सं॰ 20/प्रःल/85⊶न्त्रतः मुक्ते, श्रीनती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जितिनों सं० 19, मेटिंग, श्रम्मिन कोइले स्ट्रीट है तथा जो रामरेड़ा, मद्रास-14 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ग रूप से विभिन्न हैं), रिजिल्ड्र दर्ता श्रवि-कार के सामजिन, मतिनुष् लेख सं० 531/85 में रिजिल्ड्र-कारण जितिनियन, 1908 (1908 पर 16) के श्रवीन श्रमेल, 85

भी पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के नन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
27—396 GI/85

(1) श्रीमती ई० राजेश्वरी

(प्रन्तरक)

(2) श्री सरदार ब्रली और अन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआविष्ठ हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्**स्**ची

भूमि और महात 19, गंगे अम्मन कोइले स्ट्रीट, रायभेट्टा, महास-14, मलापुर, 531/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 6-12-1985

मोहरः

प्ररूप आर्च टी. एन . एव . -----

भागकर लोधनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 263-घ (1) के मधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 25/ग्रप्रैल,85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं 2575/37880 भूमि में हिस्सा—92, जी० एन० चेट्टी रोड, है जो टी० नगर, मद्रास,-17, टी० एस० सं० 5179, ब्लाक सं० 117 पुराना सर्वे सं० 85 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी नगर, लेख सं० 479/85 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रुप्रैल, 85

को पूर्वोक्त सम्प्रिक के उचित बाजार मुख्य से कम के दूरमान प्रितिफ ल के कि ज्ञारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अपमूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इद्यमान अतिफ ल से एसे इद्यमान प्रतिफ ल के पन्द्रह प्रितालत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक में वास्तविक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्धान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अविति क्रि-

- (1) मैंससं ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रकशन्स और इंडस्ट्रीज बै० पार्टनर ए० एम० सैयद प्रब्दुल कादर (अन्तरक)
- (2) श्री के॰ एस॰ ए॰ जैनुसाब्दीन और 4 धन्य (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 जिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

धनुसूची

फ्लैट नं॰ 1575/37880 भूमि में स्हिस्सा 92, जी॰ एन॰ पेट्टी रोड, टी॰ नगर, मद्रास-17, टी॰ एस॰ 5179, ब्लाक सं॰ 117 पुराना एस॰ सं॰ 85-टी॰ नगर लेख सं॰ 479/85 ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, मद्रास-6

दिनांक: 6-12-1985

प्ररूप आ**इं**.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मदास मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 26/अप्रैल/85---शता सुक्षे, श्रीमती एम० सामुवे ल

णायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह³), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० 1665/37880 हिस्सा भूमि में 92, जी॰ एन॰ चेट्टी रोड़ है तथा जो मदास-17 टी॰ एस॰ सं० 5179, पुराना सं० 85 ब्याप सं० 117 में स्थित (और इसते उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिल्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक भ्रप्रेल, 85

को प्रदेक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और अधि यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिरत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अन्तरितियों) के धाच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नोक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिनिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की वावत उक्त व्यक्तियम् के स्थीन कर यने धे सन्दर्क में स्मिरकुमें कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा चे विष्; बीट∕या
- (क्र) दोसी किसी बाय या किसी भव या सम्य बास्तिकी को, जिन्ही भारतीय आयाकर अविभागसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया भाषा किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविका के जिए:

(1) पूरध कन्स्ट्रवशन्स आंर इंडस्ट्रीज पार्टनर श्री ए० एम० सैयद श्रब्दल कादर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० के० मुहम्मद फातिमा और 1'3 श्रन्य (अन्तरिती)

की यह सुपना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी*स स*ै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवध्य, आरेभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धवारा:
- (**च) इस सूचना के राजप**श्च मों प्रकाशन को हनरा**ध** सं 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः --- इसमें प्रयुक्त गच्दों और पदों का, को उक्त अधिनियमः, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट 1665/37880 हिस्सा भूमि में दरवाजा सं० 92, जी० एन० चेट्टी रोड, मद्रास-17 टी० एस० सं 5179 पुराना एस० सं० 85, ब्लाक सं० 117 टी॰ नगर, लेख सं० 482/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास-6

अता: अब, अवस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262- व की उप्धारार (1)

के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 6-12-1985

मोहर।

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

बायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 36/ब्रप्रैल/85—-ग्रत : मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 26 हिन्दी प्रचार समा रोड, टी॰ नगर, है, जो महास-17 में तियत है (और इसते उनाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्द्रीय ति इहिए हैं। के कार्यालय, मब्रास सेंट्रल लेख सं० 437/85 में रिजर्ट्रीय राज, अधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक प्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्यिक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तिमों, अर्थात् :---

- (1) एतिगंड अपार्टमेंट, सज इंट-प्राईजेस (अन्तरक)
- (2) श्री एच० हमीद रहमत गनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिश की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यख्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतुषुची

फ्लैंट 9 ग्राउन्डस और 629 स्म॰ फुट भूमि में 1430 38940 हिस्सा 26, हिन्दी प्रचार सभा रोड, टी॰ नगर, मधास-17 मदास सेंट्रल, लेख सं॰ 437/85

> थीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्राधकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

दिमोक: 6-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्तिण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 शिदग्बर, 1985

निदेश सं० 41/इफ्रैंल, 85---इ.स. मुझे,: श्रीमती एम० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर रिस्की राव कार करते राव ४० हिस्स करकार म है जो ब्रायास में रिश्त है (और क्रिसेट्सिक्ट क्रिस्ट् में और पूर्ण क्य से विकास), रिल्ड्रिस्ती क्षाविक्र के पार्याक्य, ब्रह्माय केख संव ६०६/८५ में रिल्ड्रियण ब्राविक्यम, 1908 (1908 पा 16) के ब्रधीन दिनांक ब्राविक्यम, 65

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आप । बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) जे अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ं— (1) श्री एस० इट्यन।

(भ्रन्तस्क)

(2) श्री धी० एम० पी० ए० बी० एम० धी० अनासु-दीन।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 .दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यी

पलैट सं० 3, I पलोर, ब्लाक सं० 16, एस०सं० 46 हिस्सा ग्रहर गांव, भड़यार लेख सं० 905/85

> श्रीमती एम० सामुवेल स्तम प्राधिनारी खहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-11, मद्रास

दिनांक: 6-12-85

प्रकाश मार्थाः टर्गः, एत्रः, १०००

बाएकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन स्थान

भागा अन्यार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) म्राजन रेंज-II, मदास मदास, दिनांवा 6 दिसम्बर, 1985

तिदेश सं॰ 47/अप्रैल, 85----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

नायकर निभिन्दम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विख्यात करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 17, ब्लाक सं० 26 मार० एस० सं० 108/1ए०, और श्रार० एस० सं० है जो श्रद्धार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिर्ट्रीयर्ता श्रिक्षिर ए में कार्यालय, श्रद्धार लेख सं० 820/85 में रिजिर्ट्रीयरण श्रिक्षियम, 1908 (1908 या 16) के श्रधीन श्रश्रेल, 1985 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान श्रिकल से एसे दश्यमान श्रिकल का पन्तह श्रिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है क्ष्र

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के दायित्व में कभी अरने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य अस्तियाँ का जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 स्व १००० का ११) या अस्ति अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया परा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए?

जतः जब, उकत जिथिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) डे बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री एस॰ रामनिनम
- (2) श्री एस॰ शिवनेजन बै॰ पावर एजेंट नागश्रूवरी शिवरतनम

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मं^{त्र} प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किन् जा सकता।

स्राप्टीकरण: — इसमें प्रयोकत भव्दी और पदों का, जो जनत आजिनयम, के अध्याय 20 के में विरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

नन्स्यी

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 17, घडमार घडमार लेख सं॰ 820/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल संक्षम प्राधिकारी सायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक: 6-12-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

कायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के बधीन स्थना

नारव सरकार

कार्यानयः, सहायकः बायकर वाय्यकः (निरक्षिण) धर्णन ऐंड्-ग्रा, महास

निवेश सं० 53ए/अप्रैल, 85---अतः पुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गमा हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर मध्यति, जिल्ला उत्थित भाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही और जिस्ति संज 191, उन्होंडी गांव शैरापेट देरहरूट

1,00,000/- र. स काधक हं
और िराकी सं० 191, इसाकी गांव शैरापेट देरहारट
डिल्लिं में लियत है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित है), एलिएइएर्ज़ी इहिरापी है इस्मारण,
अडवार लेख सं० 975/85 में एक्ट्रिक्टिण अविधियम
1908 (1908 द्या 16) के अधीन, दिनांक अप्रेल 85
को पूर्वोक्स संम्याति के ग्रीमत बाजार मृत्य से काम के दुर्वभाव
शितक के सिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास
इस्मान अतिक है कोर अपरित का, उपित बाजार
मृत्य, उसके दुर्वमान अतिक है और अतरक (अंतरकों) कोर अंतरिती
(अंतरितियों) के बीम एसे अंतरक कि नए तय पाया गया प्रिक्
क्या में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, सक्त बीधितिएम के अधीन कर दाने के बन्तरक के ध्रीकरब मो कमी करने या अमसे जजने मो सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आम या किसी भन वा बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्नत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. ते, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य के (1) श्रीनती भार० वेतिला

(मन्तरक)

(2) श्रीमती किस्टोकर कास्टलिनो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 तरा को अर्थाप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अपिथ नाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स कांचलका में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उनते स्थावर सम्मत्ति में हित्वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षरी के पास् (जिस्ति में किस् का सकोगं।

स्यव्हींकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस सध्यास में विसा गया हैं।

अनुसूची

भूमि 191, उताण्डी गांव, गौदापेट तालूक चेगलपट डिस्ट्रिक्ट ग्रांट० एस० सं० 2/2 थी 5ए० 2 (हिस्सा) ग्रहमार संख सं० 975/85

> श्रीमती एम० सामुदेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-II. महास

বিনাক: 6-12-1985

मोहरः

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंघ-II, मद्रारा मद्रास, दिनांच ७ दिसान्वर, 1985 निदेश सं० 85/अप्रैल 85----प्रतः मुझे, श्री एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृज्य 1.,00.060/- रा. से अधिक है

और जिल्ला सं० प्लाट सं० 11, एल० ए० सं० 38/60 स्वे० सं० 230, टी॰ एस० सं० 24 हेजो कुटलास सं० 86, कोडन्बाकान सांव में स्थित है (और इसते उपाबद प्रमुद्धी में और पूर्ण कर से विजा है) स्थितिहाली प्रविश्वास के सावस्थार लेख सं० 1230/85 में स्थित्ही क्रिया प्रविद्यम, 1908 (1908-16) के प्रधीन दिनांग प्रवित्त, 85

को प्वांकित सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रितिकत के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोकित सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिकल से एसे ध्रमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से धिषक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिया की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, भी, जबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोविधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी० अपनी

(मन्तर्भः)

(2) श्री यू० कुष्णस्त्रामी ।

(भन्तिःती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप द्र--

- (क) इस सूचना वो राजपद मो प्रकारन की तारीक सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्रक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिशाणित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

मकात टी० एस० सं० 24, ब्लाय सं० 86 कोडम-बाक्यम गांव कोडम्बाक्यम लेख सं० 1236/85

> श्रीनती एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिवारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-, मद्रास-6

दिनांग: 6-12-85

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यांचय सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मदास मदास, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निदेश सं० 100/श्रप्रैल/85- ग्रत: मुझे, श्रीममती एम०

काथकेर श्रीकिनिधम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे ध्वाहें इसके प्रथात 'उक्त कीशिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वाब करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,000 ∕ - रा∴से अधिक **है**।

सामवेल

और जिसकी सं० 57, इरुसघ ग्रामीण स्ट्रींट, ट्रिन्लिकेत हैं जो मद्रास-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर लेख सं० 1210/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 85

स्ने पृथांक्त तम्पत्ति के उथित बाबार गृस है कन के स्वजान बतिफल के लिए अंतरित की गई है बार भूके यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य बतके कश्यान प्रतिफाल से, एसे कश्यान प्रतिफाल का पत्तह बतिखन से अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब बाबा अथा पतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बन्तरीयक प्रष में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) एसी किसी जाय या किसी धन या क्रन्य क्रास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्य।

अक्ष: अब. उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :---28—396 GI/85 (1) श्री यमालुल्ला और 3 ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

(.2) एच० गौतमचन्द जैन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वगिहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीब से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति खितायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रम निवित में किए जा मकींगे।

म्बद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पद्यों का, वो उपस शिक्षित्यमं, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुद्या है।

अनसची

भूमि और मकान 57, इस्सघ ग्रामीण स्ट्रीट मद्रास 5 ग्रार० एस० 839 उत्तर मद्रास लेख सं० 1210/85 1210/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज़-1¹, मद्रास-6

विनांक: 6-12-8:

्प्रंक्ष्प बार्डः. दी. एन. ध्वाः ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) वहीं भारा 269-ध (1) के वधीन सुचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निद्रेश सं० 114/प्रप्रैल, 85—प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पुराना सं० 120, स्र्री का डोर सं० 229, पीटर्स रोड है, रायपेट्टा मद्रास-14 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, द्रिप्लिकेन लेख सं० 246/85 में भारतीय रंजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाँक सर्भल, 85

को पूर्वीक्स सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के क्षयमार प्रितफल के लिए बन्सरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितिगों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिबित उप्रदेश्य से उपत बन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या नससे बचने में सुविभा भी सिए; बांड/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य , आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, भा भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किपाने में सुविधः जै चिह;

मतः अस, उन्त निमिनियम की धारा 269-ग न निम्तरम में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुहम्मद हबीबुफला

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रविला बेगम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के सिद् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इत स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसनद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकरी।

स्पक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, वो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वहा हैं।

प्रनुमूची

भूमि श्रौर मकान सं० 229 पीटर्स रोड, रायपट्टा, मद्रास-14 ट्रिप्लिकेन लेख सं० 246/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुख्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मब्रास

विनौंक: 6-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री टी० श्रयु बक्कर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद ग्रली कमरून्निसा

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-धा, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 6 दिसम्बर, 1985

निद्रेश सं० 116/भ्रत्रैल, 85—श्रतः मुझे, श्रीमती एमः सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्जित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 338 है द्रिष्लिकेन है रोड, कायदे मिलत शाले हैं, जो द्रिष्लिकेन मद्रास-5 में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय द्रिष्लिकेन लेख सं० 264/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक श्राप्रैल, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए कृत्वरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल के एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि और मकान नयो सं० 338 गुराना स० 729, कायदे मि लत शाले ट्रिप्लिकेन, महास-5 ट्रिप्लिकेन ल \approx सं० 264/85

श्रीमती एम० सामुवे सक्षम प्राधिकार सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1¹, मद्रास 5

अत: उस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

दिनाँक: 6-12,1985

प्रकल , बार्च, टी. एन. एस.्----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की जार 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक जानकर आवृक्त (निर्देकिक)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रात, दिनाँक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 123/म्रप्रैल, 85--म्रतः मुसे, श्रीमती एम० साम वेल मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पक्कांस् 'उक्त अधिनियम' ऋहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अधार मृत्य 1,00,000/-रत से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० कृषि नन्जां भूमि वलसखास्कम गाँव शैदापेठ तालुक है, जो 13/97 एकर्स में स्थित है (श्रीर इससे. उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास दक्षिण लेख सं० 1112, 1113, 1114, 1115/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाँक अप्रैल, 1985 को पूर्वोच्छ सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के करयमान प्रतिकास के लिए बक्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त तम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का **क्ल्यह प्रतिक्त से अविधक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती** (बन्त (रां**त्याँ) के बीप** एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्षेत्रफल निभ्निमिनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिन्नित में बास्तविक रूप से कश्यत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरच्य से हुइ किसी जाम की काम्यत, उक्त जिम्मित्रम की जमीस कर दोने को मृत्यक्रक की वायित्य में कमी करने वा उससे वचने भें सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चै सिए;

थराः जब उक्स विभिनियम की धारा 269-ग के व्यवस्था में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीक, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् :--- (1) श्री कंदसामी नायकर ग्रीर 32 ग्रन्य।

(म्रन्तरक)

(2) मैं सर्स मोहन ब्रूवरीस श्रीर डिस्टिलरीस लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में सोर्ड भी शाक्षेत्र 🚁 -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा
- (थं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-विध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए या सकेंगे।

स्वकाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा मया है।

नन्सूची

कृषि खेती-वलसखाक्कम 13.97 एकर्स लेख सं० 1112, 1113, 1114 ग्रीर 1115/85 मद्रास दक्षिण

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनाँक: 6-12-1985

प्ररूप साही, टा. इस. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ६ (1) के अधीन मुचन

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण) ग्रजीन रज, 2 म । स

मंद्रास, दिना १ 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 159/प्रप्रैल, 1985---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनिंश, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्म परचात जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/ र. तं अधिक हैं

और जिस्की संव कृषि खेती, 771 एत्सं, विजयपुरी गांव है, जो पे स्वुरे तालु में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रेशिती अधि-शारी के ार्यालय, उत्तुक्कुली लेख संव 149/85 में भारतीय रिजस्ट्रेशियण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से विधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सृविधा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अग, उक्त विधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मा, रक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री दैवणि गामणि और श्री पी० के०पनिस्वामी (श्रन्तरक)
- डेविड जे० लाबो → नैनेजिंग डाायरेक्टर्→मेसर्स सर्व माठचरीस प्रा० लि० बंगलूर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षण :----

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांव से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पाष्ट तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

%पि खेती --7.7 ए.स.सं---विजयपुरी गांच पेरून्दुरै तार्लिक ऊत्तुक्कुली--लेख सं० 149/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहाय ःर श्राय धर श्रायेश्व (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-12-1985

माहर:

्प्रकप बाह्री, टी. एन. एस.----

शासकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्याजय, सहायक मायकर नायुक्त (निद्धीक्रक)

श्रर्जन रेंजे→2' मद्रास

मद्रास, दिनांकः 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 172/प्रप्रैंः 85⊸-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सम्बेख

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जी भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० श्रीष खेती विजय पुरमतिस्थारूर, विजयपुरम ब्लाक सं० 20 है, जो ट्री० एस० सं० 732→ डोर स० 7/62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री ती श्रीव ारी के कार्यालय, तिरूवारूर लेख सं० 658/85 में भारतीय रजिस्ट्री रूपण श्रीधनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रीव, तारीख श्रीव 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से जम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1 श्री वी० टी० रामलिंगम ।

(ग्रन्तरक)

श्री ए० गोबिन्दस्वामी चेट्टियार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

कृषि खेती-7/2, विजयपुरम तिरूवारूर-ब्लाक सं० 201 टी० एस० सं० 732, तिरूवारूर-लेख सं० 658/85

एम० सामुवेत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 2,मद्रास

तारीख: 6-12-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. :-----

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कभीन स्भाना

भारत तरकार

कार्यालय; सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज--2, मद्रास

मद्राम, दिनां ह 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 185/म्रश्रील 85----म्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव ईरोड है, जो पनन्तीम अग्रहाटम में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के वार्यालय, ईरोड लेख संव 1949/85 में, भारतीय रिजिस्ट्री रण अिविनियम, 1908 1908 (1908 ता 16) के अधीन, तारीख अर्जल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्रमान प्रतिपत्त को विषत बाजार मृस्य से कम के स्रमान प्रतिपत्त को कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपत्त को एसे स्थ्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रशिश्त से अधिक है और एसे अंतरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तय पाया प्रधा अतिपत्त, निम्निलिबत उद्देश से उक्त जन्तरण निम्नित विश्वत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क्क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिसारों की जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री के० ग्रब्दुल हकीम ।

(श्रन्तरःः)

2. श्री ए० राजु और ए० षण्मुगम ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसु**ची**

भूमि-- ब्लाक सं० 36, टी० एस० सं० 74 व 76, पदन्तोष्पु अग्रहारम्-बार्ड--वार्ड सं० 14, ईरोड--ईरोड लेख सं० 1949/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिः गरी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख: 6-12-1985

ऋष्य आइ.टी.एन.एस-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तहस्तर

कार्याक्षय, सङ्घायक कार्यकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रात मद्राप्त, दिनांध 4 दिनम्बर 1985 निदेश तंब 53/प्रशैल 85 प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कामकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बद्धात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से नौधक है

और जिसकी सं० 2, प्लाट नं० 6-ए, मुक्ता गार्डन्सर चेटपेट, मद्रा:- । है, तथा जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपात्रद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी धर्ता अधि धरी के धार्यालय, पेरियमेट द० सं० 439/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख श्रप्रैल, 1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के जिलत बाजार भूल्य संस्का के उस्वकान के सिए बन्तिरत कौ गक्र हैं निक्चात मारत मुभ्ते यष्ट 451 कि यथा पूर्वोक्ट सम्मलि का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान् प्रतिकत के बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्न**िसां स**त उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिधिक रूप से कथित नहीं कियागमाहै:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जैं, मैं, जक्त किभिनियम की भाग 260-व सी उपधास (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तिकीं, अर्थात् :--- 1. श्रीमती लक्ष्मी ।

(म्रन्तरक)

2. श्री श्रारः विस्वनाथन ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संबक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की नवीं था तत्त्वंत्री व्यक्तियों पर सूचना की सामील ते 30 दिन की जबिध, को भी अभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में सिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

रयन्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और वदों का, जो उचत अधिनियम, के अभ्याद 20-क में वरिशायित इ., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं०-2, प्लाट सं० 6-ए०, मुक्ता गार्डन्म, चेटपेट, मद्रास-31 (द० सं० 439/85)

एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 4-12-1985

मोहरः

अक्ष बार्च, डी. एवं. देश. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-च (1) के जभीन सूचना

गारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)

म्रजिन रेंज-2, मद्रास ः मद्राः, दिनांठ 4 दिशम्बर 1985

निदेश सं० 54 /श्रप्रैं व 85 \rightarrow श्रजः मुझै, श्रीमती एम० सामुबेल,

भागकर नीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परभात् 'उनत निभीनियम' कहा गया है), की भारा 269-थ के भंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का शारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/~ रहा है अधिक ही

और जिमकी सं० शार० एत० सं० 1752 है जो मद्राप में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिवस्ट्रीकर्ता श्रिध गरी के जार्यावय, पेरियमेट द० सं० 442/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीज, तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के लिल बाजार मृत्य स अंग के दृष्यमान प्रीतफल के निए अंतरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्षि सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उबके देखमान प्रीतफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पंदाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उद्दोश्य से उक्त अंतरण सिसित में बास्तविक रूप से क्रिथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण स हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के **दायित्व में कमी करने या उ**ससे क्याने में सिविधा के सिए; और/या
- (थ) एंनी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती इवार अकट नहीं विका गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए;

वतः वंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अमृसरक में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अधीन, निअनिकाल व्यक्तियों, अवस्त — 29—396 GI/85 ा डाक्टः रंगताय औत और अन्य ।

(श्रन्तर 🕫)

. 2- डाक्ट: टी० कुमार मेहरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूखना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

एक्स संपंति के क्षान के संबंध में कोई भी बाध्येय :--

- (क) इस सुचना के राजवल में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, अमें भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उन्हा स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्तित द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे (

स्यव्हीकरणः ---इसमं प्रयुक्त शक्दो और पदो का जो उक्क अधिनियम, की अध्यान 20-क में परिभाषिक ही, वही अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिक्क गया ही।

अनुसूची

श्रनुसूची भूमि---श्रार० एस० सं०1752, (द० सं०442/ 85)

> एम० सामुवेज ाक्षम प्राप्तिकारी यहासक आध्याल शायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेज⊶ा, मद्रास

तारीफा: 4--12--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन स्वनन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मंद्राम

मद्रास, दिसार 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 62/प्रप्रत 85--न्यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर वीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धित इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तात करने का कारण हैं कि स्थावर सभ्यति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिलकी स्० डोर सं० 40, शेमय पिरुल स्ट्रीट, वेपेरी है, जो महास-112 में स्थित है (ऑट इनसे उपाबद्ध कुमतु-सूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिवस्ट्रीकर्ती अधि गरी के लायां तथ, पेरियमेट द० सं० 501/85 में भारतीय रिवस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान क्रतिफल के गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया रितफल निम्नसिचित उच्चरिय से उसते अंतरण विचित्त में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम चं हुई फिती मान की बानत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्य में कमी। करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अपन या किसी भन या कव्य आस्तिकों को, विन्हें भारतीय आय-कर अभिनियस, 1922 (1922 को 11) या उनत अभिनियस, या भन-कर अभिनियस, या भन-कर अभिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा वा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा अभिन के लिए,

बतः वदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती शेन्बगबल्ली और श्रन्य ।

(ग्रन्तरक्)

2. श्री एन० रामस्त्रामी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करके पुर्वोक्त सम्परित के वर्षन से सिए कार्यशाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबोप रू-

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते।

स्पन्नक्षिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा नमा है।

अन्सूची

भूमि और निर्माण --40 णेनय पिल्लै स्ट्रीट, वेपेरी मद्वास-112 (द० सं० 501/85)

एम० सामुवेल सक्षम प्राधियारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्केत रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-12-1985

मोहरः

प्ररूप मार्चः दी. एनः एसः - - -

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की पास भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

गारक स्टब्स

कार्यातम, बहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तम)

ग्रर्जन रेंज, मदास

मद्रास, दिलांश 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 63/शर्प्रैजं/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवल

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00-000/- रह. से अधिक है

और िनकी सं० प्लाट नं० ए०-27 सर्वे सं० 81/110 बता अं तं० 7 एन्मार है, जो डिडवीनन कीलपा अर्जन लेन में स्थित हैं (और इउने उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं) रिनस्ट्री जी प्रधिनारी के लार्यालय पेरियमेट द० सं० 506/85 में भारतीय रिनस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्स सम्पांत का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिचित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिचित में नास्तिविक रूप चे करियत नहीं किया गया है ५—

- (का) अन्तरण तं शुद्ध किसी नाथ की बाबत, उक्ष्य न्यानियन की व्यान कर दोने के नृत्यहरू को खरित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुनिया के सिए; बहि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के अव्ह:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निधिनिश्चित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. डाफ्टर एन० अन्हर्कुट्टी

(भ्रन्तरक)

2. डाफ्टर एम० श्रार० एस० गिरिनाज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के ज़िया कार्यवाहियां करता हूं

उन्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई वाक्षेप ु---

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों आर पदों का, जो सक्ट जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विक एसा हैं।

अनसची

भूमि और निर्माण \rightarrow िलाट सं० ए० 27, सर्वे सं० 81/ 110, ब्लाक सं० 7 एन्मोर डिबीजन, कीनपाक गाडर्न कालोनी, मद्रास (द० सं० 506/85) ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायशर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंग--2, मद्रास

तारीख: 4-12-1985

प्रकार आई.डी.एन.एस.::-----

नायकर निभीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग-2, मद्रास

मद्रासः दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 77/प्रप्रैंत/85---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परसात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी संज 14 और 15 (पुरानी संज 16 और 17) पेनियम्मन है, जो कोयिन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्री हर्ती श्रयिजारी के कार्याज्य, औकारपेट दज्संज 184/85 में भारतीय रिनस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एच० एन० मादवैस्था और श्रन्य

(धन्तरक)

2 श्री इन्नाहोम साहिब सा और भ्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि और निर्माण नई सं० 14 और 15 (पुरानी सं० 16 और 17) पोक्षियम्मन कोविल स्ट्रीट, मद्रास-1, (द० सं० 184/85)

एम० तस्वेत स्थाम प्रविार्ता सहायक श्रायकर श्रायुक्त (विरोक्षण) श्रजेन रोन-2, मद्रास

तारीख: 4-13-1985

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . -----

आवकर अधिलिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन क्षमा

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक कायकर नाश्क्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 दिशम्बर 1985

निदेश सं० 85/श्रप्रैल 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 9-डी०, नयी सं० 19-ए० पुल्ला रेड्डी एवेन्यू, शेनाय नगर, हैं जो मद्रास-30 (ब्लाक सं० 21, श्रमिन्जिकटें गांत्र, मद्रात में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)' रिलिस्ट्री ति श्रिधि तो के ार्यात्रय, श्रमा नगर, द० सं० 1218/85 में भारतीय रिलिस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन' तारीख अप्रल' 85।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान शिवए अन्तिरत नद्र* हु* क की मुक्ते यह विरुपास करने कारण का कि यथा पूर्वोक्ट सन्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवनाम प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकार से अधिक हैं मौर अंतरक (अंतरकाँ) मौर अंतरिती (अंतरितिमो) को बौच एसे अन्तरण को लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्नि चितित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण तं हुई किती बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्धतं क्ष्मने में सृविधा के लिए; और/सा
- (क) एेसी किसी बाव वा किसी नन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में; उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जे० तारायन्य और अन्य।

(श्रद्धारका)

2. श्री ए० बी० गौपाल

(भ्रन्तिरती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हायेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि और निर्माण डोर सं० 9-डी०, नयी सं० 19-ए०, पुल्ला रेड्डी एथेन्यू, शे π म नगर. मद्रास-30 (द० सं० 1218/85)

> एम० सामुवेल क्षम प्राधिकारी गहाय आया प्रआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, मद्रास

तारीख: 4-12-1985

अक्ष बार् . ही , पुर, पुरु :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांश 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 86/प्रप्रेंत 85 --धतः मुझे, श्रीमतो एम**०** सामवेल,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें ध्रसके प्रथात 'उक्त अधिरियम' कहा गया ही, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से बिधिक है

और जितकी स० प्लाट सं० 1659, ग्रश्ना नगर, श्रार० एउ० सं० 127, हैं जो विलिखानकम गांव, मद्राप धर्मे स्थित है (श्रार इपने उपायद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्यास्ट्री तो यधिकारी के ायिलय, श्रश्ना नगर द० सं० 1259/85 में भारयीय रजिस्ट्रीयरण श्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, तारीख श्रवेल, 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति क उप्ति अप्तार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए अप्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्तास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाधार कृष्य, ससके स्थ्यमान प्रतिकाल से एसे स्थ्यमान प्रतिकाल का वन्द्रह प्रतिकाल से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंति-तियों) के बीच एके जन्मरण के लिए तम पान पता प्रति-क्या पिक्ति विक्रित सहीं किया नवा है है—

- (क) अन्यस्थ सं हुंद्र भिक्का भाग की गामक दनक स्थिन नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए कीक/पा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्राच्या । श्री एम० एन० रहमात ।

(भ्रन्तरक)

2 वी ासि गौन्डर ।

(ग्रन्तरिसी)

को मह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षक को किस् कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उनत संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप हं---

- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जबधिया तत्संबंधी आक्तियों प्र सूचना की तामीस से 30 दिन की बचिथ, जो भी वदिष बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त आक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (वा) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो जनत विभिन्तियम की बंध्याय 20-क में परिभाषिक ही, बही अर्थ प्राणा और उस क्षण्याय की किया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 1659, ग्रन्ना नगर, मद्रास और ग्रार० एउ० सं० 127, विल्लिनाक्कम गांव, मद्राप (द० सं० 1259/85)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिलारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, महास

तारोख: 4-12-1985

प्रकार बाही, शी एक, एक, राज्या

आवयः (अभिनियमः , 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यात्तव, सहायक आयकर अध्यक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंग, मदास मद्रास, दिनोंं 4 दिनम्बर 1985

िरिकेत है । 95/वर्ग त/85 · न्याः भुने, श्रीमती एम० सामुबेल,

व्यवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को कि भारा 269-ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० व्लाप्ट नं० 3808, टी० एप० सं० 218, ब्लाठ सं० 2, है, जो मूल्यम गांव, मद्राय में स्थित है (और इयसे उपावदा अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीयती अधियारी के ार्यालय, अन्ना तगर द० सं० 1471/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अवीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पति के उण्डल बाजार मूल्य सं काम कं रह्ममान शिक्रण के लिए जंतरित को गई है और मुक्ते वह किवास करने का कारण है कि बजापुर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जत बाजार मूल्य, उनके रवसमान प्रतिफल से,, एसे रहसमान प्रतिफल का पन्छह रतिवत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिबों) के बीच एसे अंतरण के बीच तम पाम गया प्रति-कन, निक्तिचित उद्दोष्य से उक्त अंतरण निवत में वास्त-विक क्य से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरभ संहुद्धं भिन्नी साथ की वायतः, स्वक्षं विभिन्नियम के अभीतः कर याने के अन्तरक औ द्यित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के तिहा; व्यदि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या फिटी भन या जन्य अशिस्तकों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर जीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुनिभा के निए;

बतः वयः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त व्यक्तियमं की धारा 269-व की उपधारः (1) के वधीलः, निम्नसिवित व्यक्तियाँ वधार्तः :---- ь श्री एक कुलसे इस्स

(अन्तरक)

2 श्रीमती ए० निर्मता

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारों कारके पृथींक्त सम्पत्ति के अजन की निष् कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सभ्यति के अर्थन के संबंध में काई भी काईन ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख रें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीका अपोध्यास में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सक्ष्यं।

स्पादिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबसे श्रीधितयम के अध्याय 20 के में परिभाष्टिल हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में किन्त गबा थें।

मनुसूची

न्मि और निर्माण--पाट सं० 3808, टो० एस० सं० 218, ब्लाइ सं० 2, मुल्लम गांच, मद्रास--40 (द० सं० 1471/85)

> एम० सामुवेल स्थाम प्राधिकारी सहाया श्रायक्त (किरीक्षण) शर्जक रेंज, 2 मद्राव

तारीखः 4-12-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--2, मद्रास

मद्रास, दिनाँ 5 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 9*7 |*ग्र*ैस | 85* --- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाश 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी गं० एन० सं० 34/भाग, टी० एन० सं० 1 है, जो पेश्यिकूडेल गाँव में स्थित है (और ईनसे उपावद्ध प्रमिस्ची में और पूर्ण का ने वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्ता प्रधि गरी के ार्याक्य, श्रमा नगर, द० स० 1536/85 में भारतीय रजिस्ट्रीहरण प्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन, तारीख ग्रप्नैल, 1985

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वेक्त कम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के जन्तरक के टायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिको करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा के रिवए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) -पधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- । श्रीमती पद्मनी और श्रन्य

(भ्रन्तरक)

2 श्री के० काजा माहिद्दीन

(अन्तरिती)

को यह मुचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चाना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी है की 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पाक्करण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाजित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

भूमि एस सं० 34/भाग टी० एम० सं० 1/भाग, पेरियक्ष्टन गाँव, (५० म्० 15376/85)

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायह आयक्द आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंब-2, मद्राप्त

तारीख: 4--12--1985

महिर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

1. श्री, दीपक शाष्टिया ।

(अन्तरःक)

2. श्रीमती इन्द्रा आर० मेमन ।

(अन्दरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज, -2,.. मुद्रास मद्रास, दिशांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 99/अप्रैल 85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/∼रा. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० भूमि प्लाड सं० 2588, नडवाक्करों गांव है, जो अन्ना नगर, नई सं० ए० जे० 26 बेस्ट मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, द० सं० 1559/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रिक्त के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यभान प्रतिफल का कृत्य प्रतिकत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उक्षविय से उक्त अंतरण लिखित में बालाबिक क्ष से किया नहीं किया नवा है:—

- (क) संतरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-वियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तत बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जामा वाहिए था, छिपान में सुविधा से लिए।

बतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को बन्सरक कों, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिखिल व्यक्तियों, नभात है— 30—396 GI/85 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- 🛶 🛪 मिर्मा के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
 - (स) दह भूगना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर नियम के कथ्याय 20-क में परिभागित ही, वहीं अर्थ हागा ना उस अध्याय में दिस वस है।

वन्सची

भूमि— प्लाट सं० 2588, नष्ट्रकरौ गांव, अन्ना नगर नयी सं० ए० जे० 26, पश्चिम मद्रास (द० सं० 1559/ 85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, मद्रास

तारीख 4─12-1985 मोंहर:

नायकर नायनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 4/अप्रैल 85---अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जि़िमकी सं० एस० सं० ई० 17/124 ई०-17/120, है, जो नागरकोसिल में स्थित है (श्रौर इससे उपासद अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप मे बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 1, नागरकोइल द० सं० 730/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास फरने का जारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निकित्त में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरच ते हुई किसी बाय की सबत, उक्त वीभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व मो कमी करने यो उसस बचन मा स्विध। क लिए, अपरें या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवल अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक में, में, ज्यान अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :~- 1. श्रीमती सरस्वती घौर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निमीन बीबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- [का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकारी।

स्यष्टशिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमसची

भूमि श्रौर निर्माण (एस० सं० ई० 17/124 ई० 17/120 नागरकोयिल, अगस्तीस्वरम, तालुका।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेज-I मद्रास

तारीख: 3-12-1985

मोहरः

प्रक्य बाह्", टी. एमं. एक. -----

1. श्री एस० पी० वी० तन्गराज।

(अन्तरक)

े 2. श्री के० अलगू ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

बाय्कर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) नहीं भारा 269-म (1) के अभीन सुमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I मदुरै

मदुरै दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 6/अप्रैल 85—–अतः <mark>मुझे, श्रीमती एम०</mark> साम्वेल

बायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एग्ग० सं० 456/3 मदुर है जो मदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीन्ति अधिकारी के कार्यालय, पुदुमन्डपम द० सं० 1012/85 में स्थित भारतीय रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को सिए बन्तरित की गई है बौर मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरित (अत्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया वितफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण हिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बाबस, उक्क अभिनियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के बादिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- वार्ध क-तरिखी ब्रंबीय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम के, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिंडित व्यक्तियों, अभृति क्षान का वह स्वना बारी करक प्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींचे।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अकत जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं जर्भ द्वांगा जो उस अभ्याय में दिया यवा हैं।

मन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण—टी० एस० सं० 456/3, वेस्ट पेरूमाल मेस्त्री स्ट्रीट, मदुरैं।

> एम० सामुवेल राज्ञम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 3-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रौ

मदुरै, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 7/अप्रैल 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का-43) (जिसे इसने इसके प्रथात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० एस० सं० 2347 है, जो अल्लि नगरम तेनी में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनी, द० सं० 1231/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-वियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985 भ

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत स मिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कर्यात नहीं किया गया है:---

- (क्षं) अन्सरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (स) एके ी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उस्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निधिखित व्यक्तियों, कर्धात्— 1. श्री के० त्रागणन ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० कुरियकोस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशतः की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के रम्प्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पास में हिताातूश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिश्वित में किये जा सकी।

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण — टी० एस० सं० 2347, डोर सं० 18-ए०, अल्लि नगरम, तेनी- द० सं० 1231/ 85।

> एम० सामुबेल जञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मदुरै

तारीख: 3-12-1985

प्रकथ आहे. टी. एन. एस-----

बावकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निर्देण सं० 8 प्रालि (85: -- प्रत मुझे, श्रोमतो एम० सामुबेल प्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000 /- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- फ. से जिथक हैं
श्रीर जिसकी संख्या एस० सं. 2347, है, जो तेनी में
स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध से श्रीर पूर्ण रूप से विणित
है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तेनी द. सं०
1232/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अर्प्रेल, 1985
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल सं, एसे इस्यमान प्रतिफल का
उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा

प्रक्रिकल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में

शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही विक्या गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मुनिधा के सिक्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों अर्थातः :— 1. श्री के० नागप्पन।

(भ्रन्तरक2

2. श्री लूयिक स्टीपन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपद मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरण: - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

भूमि स्रौर निर्माण टी० एन० सं० 2347, डोर सं० 18 ए, स्रव्लिनगराम, तेनी (द० स० 1232/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज सदुरै,

तारीख: 3-12-1985

मुक्त वार्ड . टी . एन . एत . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 3 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 22/ग्रंग्रेंल/85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल श्रायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 2059 है, जो तेन्तूर गाँव तिरूचि में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिरूचि द० सं० 1271/85 सें भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के के लिए;

्र शत: कव. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग व्हे अन्सरण थों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-**घ की उपभा**रा (1) क अधीन, निम्नलि**वित स्पवित्यों, वर्णात क्ष**— 1. श्री के० नारायणन और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० दिवाकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर अदिधि बोद में समाप्त हक्षेती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राज्नात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

र संस्थिति ।

भूमि ग्रौर निर्माण टी० एस० सं० 2059/85 तेन्नूर गाँव, तिरूचि जिला (द० सं० 1271/85)।

श्रीमतो एम० सामुबेल सक्षमःप्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, मदुरै

नारी**च**: 3-12-1985

प्रकम बाह्, टी. एन. एस. -----

नाथकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन स्थान

बाउन करकार

भार्यासय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 23/श्रप्रैल/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० गामुबेल बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतने इसके पश्चात्. 'उक्त वृधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 2062 है, जो तिरूचि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, जे० एम० श्रार० III, तिरूचि द० सं० 523/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्राधीन, तारीख ग्राप्तें स, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य बे कम के ज्यामान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का अनरण है कि बया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके अवसान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से जिथक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम की भणीन कार की के **अंतरक के** भागा पर का गणी करत का समय बचले की स्वीवश्य अभीना, भार के
- (स) एरी किसी बाब वा किसी धन यो अन्य ब्रास्तिबा स्वो, विसर्वे भारतीय कावकार स्विधित्यमः, १००० (1922 का 11) या उक्त कांधनियमः, या धन-कार अधितियमः, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिसी दवारा प्रयाट नहीं किया गया या बा किया जाना चाहिए था, कियाने में गुरिक्धा विसर;

अत: अष. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में स्पीन निम्तिलियत व्यक्तियों, सर्भात क 1. श्री एल० के० जयरामन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० पौन्नैटया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त कम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप , -

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकायन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तानीच से 30 दिन की जवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उन्सा स्थावर सम्पत्ति में हितवहण किनी करन स्थानित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त लिखन मां किन् जा सकींगे।

स्पष्किरण:----इसमें प्रमुक्त कष्यों और पक्षों का, जो उनक्ष अभिनिज्ञन, अने अध्यान 20-क में परिभाजित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गना है।

ग्रनुसूची

भूमि और निर्माण डांर सं० 119, टी० एउ० सं० 2062, आन्डार स्ट्रीट, तिरूचि (द० सं० 523/85)।

श्रोमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकार पहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर[‡],

तारीच : 3-12-1985

मोहर 🗧

प्रकम नाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर **नरि**भित्रयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुम्बना

नारत तरकार

भागक्ति, तहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, म**दु**रै

मदुरै, दिनाँक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 28/श्रप्रैल/85:—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमा इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। श्रीर जिसकी संख्या एस० सं० 43/3 ए, है, जो मदुरें में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विजल

स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णिल है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तल्लकुलम द० सं० 1557/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैंल, 1985।

को पूर्वेक्त सम्परित से उचित बाजार मूस्य से कम के इस्प्रमान प्रतिकत्त के लिए अमरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धित का उणित बाजार मूल्थ, उसके अवमान प्रतिकल सें, एते अवमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के छिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्विसित मे भारतिक स्म से कीचत नहीं किया क्या है क्ल

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्स अधि-निवस के अधीम कर दोने के अन्तरक के दारित्य में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अदि/सा
- (क) क्षी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना बाहिए था, छिपान में सुविभा है शिका

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्री ए० पान्डी।

(श्रन्तरक)

2. श्री ए० करूपैया 🗜

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सञ्ज्**रित् के वर्षन् के लिए** कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारीब बं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-नव्य किते अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिन्निक के बच्चाच 20-क में परिभावित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस बच्चाय में विका मुका हाँ॥

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सर्वे. सं० 43/3 ए, श्रालन्गुलम गाँव, महुरै, (द० सं० 1557/85)।

श्रीमती एम० सामुपल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मदुरै,

तारीख: 3-12-1985

प्रकण बाहाँ, दी, एन, रस. -----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालयः सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 29/ग्रप्रैंल/85—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 4558/2, मदुरै, है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय तल्लाकुलम द० सं० 1554/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (.1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वायमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से जोधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्ट अंतरण जिचित में वास्तविक रूप हो किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय को बाबत, उक्क जिल्लाम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुतिभा सं लिए; आहु/बा
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में अनियास से सिए:

जत क्वा, उक्त कभितियम की भारा 269-ग के बन्धरण वी, वी अक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीश, निम्नतिखित व्यक्तियों, अथित :— 31—396 GI/85 श्रीमती रंगनायकी।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स अदरायिट कन्स्ट्रक्शन (प्राइवेट) लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन को सिप् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप :---

- (क) इस स्वान के राजपव में प्रकाशन की ठारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ठामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस सूचना के पाजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित्तवहुष हिस्सी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास प्रकार अपित का सकतें के अप

स्थाक्षीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदौं का, जो खक्त अधिनियम जो उध्याय 20-क में परिभाषित इविही वर्ध होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

क्रायुक्त

भूमि टी० एउ० सं० 4558/2, चोक्किकुलम, मदुरै, (द० सं० 1554/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल, गःभम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मर्रै

तारीख : 3-12-1985

मोहरः

प्रकार नाही, श्री . एव . एत . ------

भाशकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अभीत क्षाना

भारत बहुत्वह

कार्यात्व, सहावक जावकर जाम्बत (निर्माक्षण)

श्चर्जन रेंज, मदूरी

मदुरै, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

निदश सं० 31/ग्रप्रैल/85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या एम० सं० 19 ए, 3/ए श्रीर 19 ए/1 एफ० है, जो करिडण्पट्टी गाँव, मदुरै में स्थित है ((और इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजरट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, IV, मदुरै द० सं० 2150/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रग्रैस, 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि राथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थामान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वोदय से उबत अंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उसके अधि-नियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कमी, करने वा उससे बचपे में सुविधा के लिए: और/वा
- (स) होती किसी काम या किसी धन का अन्य अपिसायों हो जिल्हों भारतीय आयंकर अधिनिश्चन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्चन, या धन-कर अधिनिश्चम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वाप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के सिद्;

तमः अयः, तम्म अभिनियम की शास २६९-ण के असस्यण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्रीमती वी० शान्ती।

(अन्तरक)

2. मैं सर्स ट्रैक्टरस श्रौर फारम एक्यूपमेंट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिस् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पर्दों का, जो उदल अधि-नियम, के खध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नग्रही।

ममुजुर्जी

भूमि सर्वे सं० 19 ए /3ए श्रौर 19 ए/1 एक० कर- डिप्पट्टी, गव, मदुरै (द० सं० 2150/85)।

श्रीनती एम० समुवेल, सझम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) द्यर्जेन रेंज, मदूरै

तारीख: 3-12-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड, टी., पुन, पुन, क्यान्य

बाबमार अचिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बमीन स्वान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बांबुक्स (विरोधक)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 35/श्रप्रैल/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 21/1 ग्रीर 2 है, जो तिरूचि से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रसूचीबु में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, [1], तिरूचि द० सं० 2375/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रेष, 1985

को पुनाकक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान शातकक्ष के लिए अन्ति शत का नद्दें हुँ आरे मूक पर त्यास का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह् प्रतिश्वत सं विधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नीनिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण सं हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिनय में कमी करने या उससे बचने में स्विध्य के स्थित को या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिमाँ को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपट श्रीपनियम, या धनकार जीधनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तियो चुनारा प्रकट नहीं किया यमा था सा किया जाना चाहिए था, जिनाने में श्रीका के सिए:

जतः जन, उक्त नाभिनयम की भारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उर्भास (1) क जभान निस्नीजीवाद स्विधितमः अधिकार- 1. श्री सेबस्टियन या सेल्लदुरै

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० विजय लक्ष्मी

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर एक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवबृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

धनुस्था

ं भूमि टी० ए४० सं० 24/2 और 2, तिरूचि

श्रीमती एप० सामुबेल गतम प्राधिकारी राह्य विश्वाय १८ श्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महुरै

तारीख: 3-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मबुरै, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985 निदेश सं० 41/ग्रप्रैल 1985---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उदर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 698 मदुरै है, जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय 1, मदुरै द० सं० 1627/85 में रजिस्ट्री-

करण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को प्रवेविश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं क्यी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) य उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिंगी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की गरा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिग़ें, अर्थात् :— 1. श्री वेलविश्वयराजन और प्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० वास्करन ग्रौर अन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 3-12-1985

मोहरः

प्ररूप आर्प. टी. एन. एस.------

नामकर सीपनियस, 1961 (1961 कर 43) भी भारा 269-म (1) से अभीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 45/ग्रप्रैल/85:—ग्रंत मुझे, श्रीमती एम० सामु वे नायकर नियनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतने इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं) भी भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मति जिसका उचित वानार भूस्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 389 भाग, कार्टेक्कुड़ी है जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रंक्ती ग्रांर ग्रिधिकारी के कार्यालय II कारेक्कुड़ी द० सं० 589/85 भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रंप्रैल, 1985

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य ते कम के कावजान मृतिफल के लिए अन्तरित की नह है और मूक्षे वह विववाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का अन्तर्क प्रतिचात से विपल है और अंतरक (बंदरकों) और बंदरियी (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंदरिय के सिए तब बाबा निम्निक हो विवय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आव की बावक, उपक अधिनियन के अधीन कर दोने के बन्तरक के दारिक्ष में कमी करने वा उत्तरों वचने में सुविधा के हैं बस्: और/या
- (च) एंदी कियी बाब ना कियी थम वा अन्य वास्तिनी को, विन्हीं नारतीय आयकर वीधीनवय, 1922 (1922 का 11) वा उपता वीधीनवय वा भवकर वीधीनवया 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था सा किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— ्रा. श्रीमती एम० नच्चल ।

(अन्त रक)

2. श्रीमती सी० नाण्चममें ।

(भ्रन्तरिती)

की बहु बूचना कारी करके पूर्वेक्त संपत्ति से वर्धन के जिल्ह कार्ववादियां करता हुए।

उकत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिष या रात्सावनधी व्यक्तियों कर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधान, जो भी अविधान से समाप्त होती हो। के भारत प्रवासन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपन भी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्बद्धि से पहुन वहुभ किसी कस्य स्थापत सुवारा, अभाहस्ताक्षरी से गांव निश्चित में किए का सकेंग्रे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीचनियम, के बध्याय १०-के न प्रीयाभगायम ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।।

नन्त्र्यी

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ तं॰ 389, कारैकक्कुडी

श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्तनि (रीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै,

तारीख: 3-12-1985

मोहरः

शाक्य बाइ'.टी.एन.एत. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कि भारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भागम् अध्यक्ष

कार्याखर सहायक नायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, मनुरै

मदुरै, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निवेश सं० 55/श्रप्रैल/85:—श्रत मुझे, श्री ती एम० सामुवेल श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें का कारण है कि यथाप्यों का संपत्ति का उपित वाजार मृत्य, इसके प्रयात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

ौर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 730/8, टिन्डुक्कल है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, II टिन्डुक्कल द० सं० 619/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रुप्रैल, 1985

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षप्रवेषित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिकत, निम्मनिचिठ उच्चेक्सों से एक्स अन्तरक विशिष्त में मान्तिकत रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरूप वं हुन् किटी बाल की बाबहु, क्ष्मक बिमितिन्य के स्थीन कर वंगे के बाबहुक के दिश्य में करी करने वा क्यारे बचने में दुविभा के लिए; बीर/वा
- (ख) एली किसी काम वा किसी पन मा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय न व-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या कक्क अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती । जारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना अधिए वा, कियाने में स्विविधः के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री जी० हबीब मीहम्मद । 🕆

(म्रन्तरक)

2. श्री ए० जमाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्स सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोर्च भी बाक्षेप :---

- (क) क्ष भूषना के राजपूज में प्रकासन की तारी के की 45 दिन की जयित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की जबित, को भी अविध बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के वास जिल्लास में किस का सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्तः सक्यों और पदों का, को उवस व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होगा नो उस सध्याय में विकास नमा हाँ।

प्रनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण टी० एस० सं० 730/8 दिन्दुकिल (द० सं० 619/85)।

श्रीमतो एम० सामुवेल, यक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ंग्रर्जन रेंज मदुरै,

तारीख: 3-12-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, मदुसै

मदुरै, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 59/अप्रेंल/85:—-अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उधित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या टी० एस० सं० 5378/2 बी, पुदुकोह है जो मदुर भें स्थित है (और इससे उपाबद उपाबद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पुदुकोह द० सं० 839/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत ३ ब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ध्यिक्तयों, अधीत् ह— श्री कन्दुस्वामी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बसन्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के कि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधे हस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः—हसमें प्रयूक्त रुज्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि और निर्माण, टी० एस० सं० 5378/85 2बी ए० एम० ए, नगर, 11 वाँ ईस्ट स्ट्रीट, पुदुकोट्टै (ददासं. 839/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सह यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 3-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज सदुरै

मदुरै, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

सं० 60/श्रप्रेंल/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिवर्त इतमें इसके पश्चाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संख्या टी० एस० सं० 9952 और 9954 भाग है, जो पुटुकोट्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय पुदुकोट्ट, द० सं० 829/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्त्रलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री एस० कृष्णम्ति

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ए० अलमेल और श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्तु वी

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० भाग 9952 और 9954, पुदुक्कोट्टै (द० सं० 829/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज, मदुरै

दिनाँक् : 3-12-1985

प्ररूप शहरै. टी. एन. एव.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मदुरै

मदुरै, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 61/ग्रप्रैल, 1985 :---- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जावकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या टी० एस० सं० 3664/1, बोडिनाय-कंतूर है, जो बोडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय बोडी द० सं० 925/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ध्रप्रेल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से किथन नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के लिए।

1. श्रीमती राजम्माल और ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस॰ पी॰ जयकुमार और भ्रन्य । (भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚐

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूकी

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 3664/1, नया वार्ड सं० 11, बोडिनायकनूर (द० सं० 925/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-मदुरै

दिनांक: 3-10-1985

अरूप वाइ^{*}. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनित्रस 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वता

शास्त्र बृहक्त

कार्यालय, बहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

सं० 63/ग्रप्रैल/85—:ग्रत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, आयकर श्रीपिनम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा। हो), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ग्रार० एस० सं० 500/2, 500/3, 500/4 है, जो नरिसगमपट्टी में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध ग्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्त्र्य, महुरै द० सं० 1115/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रिपैन, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (बन्तरिश्वमा) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय शया नया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिचित गुम्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधने में सृविधा के लिए; बौद/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ३ ६ विभा के लिए: और/या

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेंसर्स सदर्न पेपर और बोर्ड।

(अन्तरक)

2. श्री गुरू सरस्वती मिल्स।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कें कर्जन के संबंधी में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख बें 45 विन की नविष ।या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 130 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी बन्य व्यक्ति हुनारा अधोहस्ताक्षरी के यस जिल्हा में किए बा सकींगै।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विदा गया है।

बनुसूची

एक गेट के साथ निर्माण आर० एस० सं० 500/2, श्रार0 एस० सं० 500/5 और 500/डब्ल्य्, बेल्लारापट्टी: गांव, मेलूर तालुका, मदुरै जिला।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरे,

ता**रीख:** 3→12**−1985**

प्रकल बाद् े ही . युन्, युच ,-----

कारकर जर्धभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार कार्शनय, सहायक जावकर जावृत्त (निर्माणक)

ग्रर्जन रेंज मदुरै

मदुरै, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 67/अशैल/85→अत. मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, बावकर ऑधनिवम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें पश्चाश् 'उक्त संविधिनयम' कहा पवा हाँ), की धारा 269-व के अधीम सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर कम्पत्ति, विश्वका उचित संजार मूक्य 100,000/- रु. से अधिक हाँ

और जिसकी संख्या एस० सं० 214/1 है, जो मातुर गांव, पृदुकोड़ें में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के काय लिय, कुलत्त्र द० सं० 841/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अभेल, 1985 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उपवान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार विद्या उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्देश्य से उस्त बन्तरण सिचित में अस्तिविक स्थापन के बीचल ही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, स्वक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दिल्ला में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिल्हा क्लैर/मा
- (य) एसी निजी जान या जिली भंग वा वस्य जारिया ने, विन्हें भारतीय वान-कर वा निर्माणया, 1922 (1922 का 11) या उन्तर वा निर्माणया, वा भव-कर जीविनया, वा भव-कर जीविनया, वा भव-कर जीविनया, 1957 (1957 का 27) की प्रशेषनार्थ अन्तरियों झ्लारा प्रकार वहीं किया सवा था वा विका जाना चाहिए था, जियाने के सुविधा के सिक्;

बत्त: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री श्रार० एम० गनपति।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० एम० पेरूमाल चेट्टियार।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके प्योक्त सन्पत्ति के वर्षन वे किए कार्यमाहियां करता हुं।

क्या सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिंकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि और निर्माण एस० सं० 214/1, मातुर गांव, कुलसूर तालुका, पुदुकौट्टे जिला (द० सं० 841/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर धागुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै,

तारीख: 3-12-1985

प्रकार नार्षे, दी, एन्, पुर्वान साम साम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीद सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्र्रै

मदुरै, दिनांकः 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 71/ग्रप्रैंल/85--ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ौर जिसकी सं ं टी॰ एस॰ सं ं 1555/2, 1555/3 और 1544 भाग है, जो रामाजियम नगर, पुनुरिहरिच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीक्तां अधिकारी के कार्यालय, औरेपूर इ०स० 1248/85 में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रेल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य के कथित नहीं किया गवा है ध्र—

- [क) बन्छरण से हुई कियाँ बास की बासक कर कर की किया के अभीन कर की के अन्तरक के बावित्य में कनी करने मा स्थास उचने में सुविधा के लिए; शहर/वा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय व्यय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं कियर गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विया में जिन्हे

बतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित ६(1) श्रीमती एल० मंगलम

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० बेंगम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

रक्त सम्पत्ति के अर्थन है संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्विक्त अविस्तरों में से जिस्सी स्विक्त क्षा
- (क) इस स्वता क राजधव में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सन्पत्ति में हितबव्ध किसी वन्य व्यक्ति कुवारा, वधोहस्ताक्षणी के पास जिसित में किए जा सकरें।

स्थव्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

हाऊस बिल्डिंग टी॰एन॰नं॰ 1555/2, 1555/3, 1544 पार्ट एरिया 3564 वर्ग फुट रामलीला के नजदीक, पुटूर, तिरूची, टाक्मैट न॰ 1248/84

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज, मदुरी

दिनांक: 3-12-1985

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं ० ग्रर्ड-4:/37-ईई/16327/84-85-----ग्रतः मुझे

(जिसे इसमें **बा**यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पदचात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है), की 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार म्ल्य 1.,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लावः नं० 17, जो, भगन्य योग को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी हिल्ल, वस्तूर पार्व, शिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई-700 092 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ताग्रधिवारी के कार्यालय : बम्वई में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन/ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिन। री के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1985

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंष्रहर्मितशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रेतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) **अन्तरण से हुई किसी आय**े की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायिएव में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन गांधन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अपिनियम, भनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा 🖷 लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त न्यक्तियों. अर्थात :---

(1) श्रीमती बी० बी० ग्राठल्ये

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जै०बी० दांडेकर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृषा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ब्लाक नं० 17, जो, भाग्ययोग को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, कस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क**्सं० अई-4/3** 7ईई/1632 7/84–85 स्रौर जो सक्षम प्राधिारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1985

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- व (1) के अभीन सुचना

नारत रूरकाह

कायां लिया सहाय है। श्रीयकार श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दम्बई, दिनांव: 10 दिसम्बर, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), की धादा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का आरण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृज्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

श्रीर जिल्लकी सं ० वणा जनं ० 16, जो, भाग्योग को-आप० हाउ-सिंग सोताईटी लि०, उस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्री जो अधि गरी के शर्यालय बम्बई में रिजस्ट्री गरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/ श्रीर जिल्ला गरारनामा श्रायार श्रिधिनयम 1961 की धारा 261 के, ख केश्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के गर्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

की पूर्विकत सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के खरमान प्रिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमः प्रित्तक से, एसे खन्मान प्रिक्तक का पद्ध प्रित्तक से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क्क) सम्तरण सं हुइ किसी साम को मानतः, उक्त समिनियम से सधीन फर दोने के अंतरक के पामित्य में कमी करने या उससे अलने में मुण्या भी सिए; सरि/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियां नहीं, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकार अभिनियम, मा धनकार अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भराः अन् , उक्त निधिनियम् की धारा 269-त् के जनुस्यण ने, में, उक्त निधानियम को धारा 269-त्र की उपभाग ।:। के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अधीक् :— (1) श्री जोशी जयप्रकाश लश्मीकांत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राणे प्रकाश बाजीराव

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृक्तेंकरा सम्पत्ति को अर्थन को किए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त तंपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेय:---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकारक की कारीक के 45 दिन की अविधि मा तस्त्रक्ष्यनी व्यक्तियों करें सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी समिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-क्कृथ किसी अन्य स्पक्ति द्नारा स्थाहस्ताक्षरी के शास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाचित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

नग्रं ची

ब्लाक नं० 16, जो, भाग्योग को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, कस्तर पार्क, शिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसुत्री जैसा कि अ० सं० श्रई-4/37-ईई/16100/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड िय: गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्ब**ई**

दिनाँक: 10-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

चायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन भुचना

सारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंध-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अर्६-3/37-ईई/18455/84-85—-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०फ्लैंट नं० 2, जो, तल माला, बी-विंग 'श्रवर होम', रोड नं० 2, सी०टी० एस०नं० 107, डोमिनिल कॉलनी, ऑफ टेन्क रोड, श्रोउम माला (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबह अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्प से वर्णित है), श्रीर जिसेका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नायलिय रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

इस्ते पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम् के कायमान प्रतिपक्ष के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करेंने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्मृत्ति का उचित बाजार भूग्य, असके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-देशक कप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धारण सं शुद्र किसी बाब की बाबत, उक्त विभिन्नियम के बभीन कर दने के बन्तरक हैं पावित्य में कजी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिद्ध; ब्राह्म/मा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में तुनिधा के लिए;

अतः अन्. **७५**तः विधिनियमं की पारा २६९-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) मैसर्स जी०पी० विडर्स

(अन्तरक)

(2) श्री जनाईन फ्रार० परब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच जं 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की ठामील से 30 दिन की नविध, जो भी कविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अधिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवय्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वाय नभोहस्ताक्षरी के पास निर्मात में किए वा सुकों ने।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ।याः हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 2, जो, तल माला, बी-विग, ''ग्रवर होम'' रोड नं० 2, सी० टी० एस० नं० 107, डोमनिज डालनी, ऋफ टेन्क रोड, श्रोर्लेम, मालाड (प), दाम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18455/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, नुजन प्राधिकारी, सहायक स्त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज्–3, वस्बई

दिनाँक: 10-12-1985

प्रकथ बाह्, टी. रम्. एड्. ======

थान्य कर्मभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 शक्तुबर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37—ईई/18222/84—85---अत: मुझे ए० प्रसः।द

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्याट नं० 3, जो, इमारत 8-बी. नवजीवन को ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, माहल रोड, चेंब्र, बम्बई-75 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसास सरारनामा श्राय सर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 26 स. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सायलिय में रजिस्टी है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्स तम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्निविक उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित कें मान्तविक कर से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक स हाई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम के बधीन कर वीने के बन्तरक की वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बाँद/सा
- (क) एंसी किसी लाय वा किसी भन या तस्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय लायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लीधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, कियान में सनिया के लिए;

बताह बाब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो रघुराम इशराम जयधारा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाग्यमल जी० नामदेव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

बक्द सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासपे 🖫

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच बं 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जा भी बद्धा नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीडर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पाक लिक्ति में किए वा सकते।

स्थलकोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्यों का, थी उक्त विधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना, थो उस वध्याय में दिवा नया हैं।

वर्ष्यी

प्लाट नं० 3, जो, इसारत 8-बी, नक्षजीवन को-म्रापरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लि०, माहुल रोड, चेंबूर बम्बई-75 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37 हाई/18222/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड वियागया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक: 28-10-1985

प्रकृप शार्ष । हर्ने । एक , एक , ७०००-७

काधकर अभिनियम, १९६३ (१९६१ का 43) की धारा १६९-घ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः सनुष्यक शास्त्रानः साम्यस्त (निरक्षिक) स्रजीत रोज-3, वस्टाई

बम्बई, दिनांक 28 अन्त्वर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/182) 1/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियस, 196; (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकान 'उन्त किथिनियय' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम शांधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पाल, निस्ता श्रीमह बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिस्की सं० फ्लैट नं० 2, जो. तल माला, घरनं० 153, 14वां रस्ता, चेंबूर, बम्बईत्71 में स्थित है (शौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसला करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की जार 289 ज, ख के बाबीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लागीनय में रिजस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्त सम्बन्धि के जिवन ताजार मुख्य से क्या के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और असे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित वाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से लिखक हो और अंदरक (अंतरकों) और अंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पायां प्रया प्रतिफल, विस्तिलिक उद्देश्य से अवत अन्तरण निर्मिक के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बादरा, उक्क बिधिनयम के अधीन कर दोने के नन्तरक वी वायित्व में कड़ी करने या उससे बचने थे सूर्विधा के निए: बॉर्ट/श
- (क) एमं किन्ध आय या निसी वन या अन्य जास्तियों को जिन्हों प्रश्ति नाय्वार श्रीधानयम, 1922 (1922 का 1:) या स्वतः व्यथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बंस्टिनी ह्याच प्रकट वहीं किया गया भा या किया साना नाहिए था, हिलाने में सुविधा

अत: अत, उक्त अधिविष्य की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मी, कक्त अधिविष्य की धारा 269-ग की उपपारा (1) वो अधीर पिम्मीसित अधिकार्य अधीर है— 33—396 GI/85 (1) श्री के० रामास्यामी।

(शंक्तरक)

(2) श्री यू० ३० राजासव !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एक किए के पिता के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्बंधि के अर्थन के संसंध के कोई भी लाक्षेप

- (क) इस स्वता के राज्यक में अधायान की तारील से 45 दिन की जाजि के उठ दिन की अविधि, जो भी अविध माद में समाज की हो, के भीतर प्रवेदक व्यक्तिस्त्रों की मिन्दी क्षित द्यारा;
- (ख) इस स्थान के रायपन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीड़ा तक स्थापन स्थापन के प्रकाशन की तारीख से हिस- अनुध किया किया है के प्रवाद की की पास लिए के के बार के किया है के स्थापन की की पास लिए की किया की की पास की

स्पष्टीकरण:--इसके प्रभवत राजी और दर्ज का, जा उक्त जीवनियम, के बध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ज जो जा जध्याय में दिया गुणा हो।

अन्स् औ

फ्लंट नं० 2, जो, तल माला, घर नं० 153, 14 वा रस्ता, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसुची जैसा जि क० सं० अई-ा/37-ईई/18211/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई हारा विनाक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड वियाग्या है।

> ए० प्रसाद स्थाम प्राधिकारी राहायक क्रायकार कालुबर (निरीक्षण) सर्वन रोज-3, वस्बई

दिनांब: 28-10-1985

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीत मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तबर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18163/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्मति का उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैटनं ० सी-2, जो, तल माला, पाटील वाडी, मोवंडी, बम्बई-88 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रीतपाल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अलार मृत्य मृत्य, उसके रत्यमान प्रतिफल ये, ऐसे रत्यमान प्रतिकृत का वन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिली (बंदरितियाँ) के बीच एसे वंदरण है लिए तय पाया प्रक्रि-कत निम्मीतिकत उद्देश्य से उक्त बंतरण निवित में वास्तरिक **ण्य से कथित नहीं किया गया है** ह—

- [क] अस्तरक ये हुई किसी साथ की सामस अधिनियम के अधीन कर दने के जन्तरक दायित्व में करने या उससे बचने मीं स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सविधा के लिए;

बतः बब, उवत विधिनियम की धारा 169 न के बनसरण . में . अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात हु--

ं (1) श्री बी० रामू छुग्णा मूर्ती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महाबाला लोकैया शैटटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के वर्षत के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्ड सम्मृत्य के वर्षन के सम्बन्ध में कोई की अक्षीप ...

- (क) इस स्थता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय र 45 दिन की सर्वाच वा तत्त्वम्याची व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीश ने 30 दिन की मनिष, जो भी वबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं नह म्बदिलयों के हे किन्दी व्यक्ति रवार ।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 किन के बीखर उनत स्थानर सम्योत्त में हितवहुथ किसी जन्य व्यक्ति दुवारा सभोहरताक्षरी के पास विश्वत में दिया जा सहोते ।

समब्दीकरण:—इक्षणं प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उतर काधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया श्या है 📳

नन्स्ची

फ्लैंट नं० सी-2, जो, तल माला, ताटील वाडी, मोवडी, बम्बई-88 में स्थित है।

ग्रन्सची जैसा कि कि सं ग्रई-3/37-ईई/18163/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्दर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 28-10-1985

श्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वास् हित्रीलाल छात्रीस।

(2) श्रीमती उषा वसन्त इडेकर

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर, 1985

निर्देश र्सं ॰ अई-3/37-ईई/18436/84-85---श्रतः मुझे ए॰ प्रसाद

अगयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकात (उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह मिक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर ि उकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, "श्रमोध" इसारत, फ्लाट नं० 3, 4 श्रीर 5, रार्व नं० 47 (अंश) श्रीर 49 (श्रंश), सी० टी० ए रा० नं० 409 (श्रंश) श्रीर 412 (श्रंश), व्हिलेज बोला, गीवंडी, तालुता कुली, बध्वई-88 में स्थित है (श्रीर इस्ते उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसात वारारनामा आयहर श्रीधिनियम की 1961 की धारा 269 ः, ख के श्रधीन, वभ्वई स्थित राक्षन श्रीविधारी के सार्य स्में रिजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्स संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिकल को लिए अंतरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्थमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंब-रिली (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाका गया प्राचम्बल निम्मालिसत उप्रदेश स उथ्य अन्तरण लिखित में सास्त्रीयक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आद/या
- (क) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निहा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, भी, उत्त क्षिणियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्योंकतर्यों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निष्

उक्त संपर्क्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविकासों पर सूचना की तामोट से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में अभाष्त होती हो, के भीषर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के संदिर स्वत स्थावर सम्पत्ति में दिन-बद्ध पिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के पाध निभंवत में किए का उकींगे।

स्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपस अभिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित एँ, यही अर्थ होना जो उस अध्याद में दिया गमा है।

Birth Care

पलैट नें० 2, जो, 1ली मंजिल, प्रमोघ इमारत, ब्लाट नं० 3, 4 और 5, फर्ने नं० 47 (अंग) और 409 (अंग), सी० टी० एस० नं० 409 (अंग) और 412 (अंग), ब्हिलेज बोला, मोनंडी, ताताना कुर्ला, बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि क० सं० अई-3/37-ईई/18436/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> एह० श्र**साद** प्रक्षम प्राप्तिज्ञारी सहायक श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3**, सम्ब**ई

दिनों । 28-10-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) से वधीन सुचना

HICK HOUSE

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रन्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्रई-3/3ईई/18201/84-85-- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आपकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल उनत अधितियम कहा गया है), की धारा 269 म न अभीन अध्य प्रतिकारी की दि विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित माजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० एल-2/2, जो, तल माला, लक्ष्मी को०-आप० हाउधिम सोडाइटी सि०, बांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है (और इससे उपावत जनुभुवी में स्रोर पूर्ण-रूप से विणित है), और जिस्ता जगरनामा आयकर स्रिधानयम 1961 की धारा 260 लख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिक्टिंग है। तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि वसार्थित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल स्म पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए स्य बागा गया प्रतिपत्त है जिल्ला की विश्व स्थ बागा गया प्रतिपत्त है कि से संस्थ नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उनसे अधिनिकार के संबंधि आहे धर्न के कमाइक की बाह्यरथ से किस कहा भी उसके राज में सुविधा क स्थार करिए।
- (क) एती किसी नाम में किसी पम वा बन्य मस्तिती का, जिन्हों भारतीय बाय कर जीवनियस, 1922 (1922 का 17) या उन्ति अधिनियस, वा भन-कर कीजियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय करतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाला शाहिए था, कियान में सुनिया के निवा

क्तः क्या, उन्नत अवस्ता अवस्त का भारा 269-ग क बन्सरण में, में, अनत अविधिया की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति प्रेमनता विजयकुमार मेहता । (ग्रन्तरिक)
- (2) जगन्ताथ बंसीलाल विजन ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को बहु बुबना बारी करके पृथोंक्त संपर्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां गृरू करता हो।

उन्त संपत्ति के नर्यन के तंवंत्र में काई भी जाक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की जबिध या तस्सवंधी व्यक्तियों पर
 बुचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो औ
 जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य, व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षद्री के पास किस्यत में किए का सर्कारे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयूक्त कब्बों और पदों का, वो उक्ख अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

यगस ची

फ्लेट नं ० एल-2/2, जो, तल माला, लक्ष्स. रामना को ०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, बांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/18201/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-३, बम्बई

तारीख: 28-10-1985

प्रकृष् मार्ग्,दी.एन्.एस.,-------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक कायकर कास्कत (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक 28 अवत्बर, 1985

निदेश सं० भ्रई-3/37ईई/18682/84-85-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

्रश्रीर जिस्की सं ० ग्लेट नं ० 12, जो, "सन्त सिंघु", प्लाट नं ० 85 2रा रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध प्रनुसची में ग्रीर पूर्णक्ष से बिणित है), ग्रीर जिसका करारनामः ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 दख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए मन्तिरत की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरिष्ठियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत सक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसा आय का बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय था किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं जन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) हे अधीर, निम्तिसित व्यक्तियों, अधित् :--

(1) श्री के० डी० हुसी विधानी और अन्यः।.

(अन्तरक)

(2) श्रजमति सावित्री एक्ष० प्रश्नमी ।

(अन्तरिती)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पर्शित के अर्जन के सिंध कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्िक अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तूचना के राजपय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों की पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 12, जो, "सप्त सिंधु", प्लाट नं० 85, 2रा रास्ता भेंबुर, बस्बई-71 में स्थित है।

प्रतुसूची जत्ता कि क० सं० हाई-3/37ईई/18682/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांत 1-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए**० प्रसाद** चक्षम प्राधिका**री** साहय*्* आयक्षर राष्ट्रका (नि**रीक्ष** घर्जनरेंज-3, बम्ब^ण

तारीख: 28-10-1985

क्रमण , बाह्र टी प्रश्न स्टार जन्म

नायककु विधितिका, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-न (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालंब, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

सम्बर्ध, दिनां _{डि.} 28 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं ० श्रई-3/37ईई/18846/84-85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले उपमें इसके प्रधात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन महाम प्राध्यकारों की, वह नियम जरण का कारण हैं कि स्थान सम्मति, विश्वका उच्चित वाकार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ाली मंगित पर, जो नवरता श्रण हंगीट, ईस्टीन विग ट्रामवे रोड, जेंबूर, बर्व्डई-71 में लियत है। (श्रीर इससे उपाबद श्रनु सुभी में श्रीर पूर्ण एप से बिस्ता (ह), श्रीर निर्देश एप रामा श्रामकर श्रीविध्या, 1961 की बर्गा 2681 र है। हाधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधि वसी के प्राथित में प्रीतिस्त्री है। सारीख 1-4-1985

को वृत्रोक्त सम्मित के उभित बाजार मून्य से अभ में उभ्यमन प्रतिकास के सिए अंतरित को नहीं हैं और मुझे यह विभवस कारों करने का फारण हो कि यभापुर्वेक्स सम्मित का उभित आगर मून्य, उसके एर्यमान प्रतिकार से, ऐसे सम्मित के विभव का बंद्ध प्रतिकात से अभित हो और लेल्यम (प्रतिकार के प्रतिकार से अभित हो और लेल्यम (प्रतिकार के प्रतिकार के प्रत

- (क) अन्तरण से हुन विस्ती आह को साबद उन्हें नाजन नियम खें कभीव नह दोने की क्लाना के वाहिएह मी कनी कहने या अनुसी अवले शो स्ट्रामण के विलय और/या
- (क) एसी किसी काथ या गिमसी अन दर तथ आहरतार्ग की, जिन्हा रहारतीय अस्य को बन्दाराहण र १३22 (1922 का 11) मा अबदा अधिरियम, पर भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असीरियी द्वारा प्रकार नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था किया में स्थिधा में जिस्स

जतः शब्, जक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में सभीन, निम्मिनियम स्थानसभी । अभीन

(1) में अर्थ अवस्त्र विरुद्ध प्रा० वि०।

(अन्तरक)

(2) स्टेकाप ामशियल इक्यूपर्मेंट का प्रा० लिए । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृयाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

क्रमां सम्पर्वेश का नाजंत्र को साध्याला था परिदर्ग भी व्याप्तीय :---

- (क) ६श्व स्थाना के राज्यांत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाया की तानींच से 30 दिन की अवधि, को शी अवधि बाद के समाप्त हारी हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में 8 किसी व्यक्ति द्वारा;

्यार अपूर्ण भारती श्रीत पत्नी का, जो उक्त जिम्मीन्यमः प्री आध्यामः १००० मी परिचारिकत हो, बहुर्रे सभी सुरेगाः जो राज अध्याण मी दिया। उपर हो।

अभूस्ची

क्लट जो 1ली महत्रज घर, जो, नवरतत प्रगार्टणट, इस्टर्म सन्यम ट्राम्बे रोड, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुजुनी जैन कि कर संर अई-3/37ईई/ज़8846/84-85 और जो एक्सम प्राप्ति अरी, दम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड िया नवा है।

> ए० शहाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, **बम्बर्ध**

सारीख : 28-10-1985

म्मोहर:

त्रक्ष बार्षं औ एवं एसं

शाकार अधिनियम, 1961 (1961 आ 43) की भारा 269-व (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्रण)

द्रार्जन रेज-3, बस्बई बम्बई, दिनांक 28 शक्तुबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई 3-/37ईई/18167/84-85-- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये है अधिक है

स्रीर जिसकी सं० परेट नं० 7, जो, 2र्र मिक्स, प्रीत अपार्टमेंट सी० एस० नं० 51, घाटला दिखेज, बेंचर, वस्वर्ट-71 में स्थित, है (और इससे उपाबद इन्स्ची में स्रीर पूर्ण रण से विणित है), स्रीर जिसका करारनामा स्नामकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए भौर'मा
- (श) ऐसी किसी आप मा जिल्ली धन या अन्य ब्रास्तियों की जिल्हों भारतीय नामकर अधिनियम. .1922 (1922 का .11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिटी देवारा प्रकट नहीं विजय यथा था मा किया जाना चाहिए था हिलार्स के स्वीतिया स्वीतिया के सिराहर के स्वीतिया

बतः वब, उक्त विधिनयम की भाग 269 में के वनसरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269 में की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बर्धात :— (1) मेसर्स िम दारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर गोविन्द वंडागले।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां एक करता हुं।

उमत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अन्धि या तत्सम्बन्धी त्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाब लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुस्यी

फ्लेट नं ० 7, जो, 2 री मंजित, प्रीति श्रपार्टमेंट, सी ० ए स० नं ० 51, घाटला विलेज, चेंम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि कम० सं० अई-3/37ईई/18167/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन केंज-3, बम्बई

तारीव : 28-10-1985

मोहर 🖫

प्रक्रम नाव् . टी. एन. एस.,----

बायकार अधिनियस्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बाधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यांतय, सहायक आयक्षर माम्बरा (निराम्न)

श्रर्जन रें व-3, बम्बई

बम्बई दिनांा 28 श्रम्तुबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18429/84-85-- श्रतः मुझे ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलेट नं 12 ए, जो, हरी कीपा को०-आंप० हार्डीसंग सोभाइटी जि०, सेंट अन्थोनी रोड चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (और इन्हें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), और जिन्हा हारानामा आयक्षर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 एख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं । तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्मित की उचित भाजार मृत्य से कम के क्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अगरण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अगरण के लिए यथाणवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का जैवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) बार अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्यवस्य से उक्त अन्तरण किया मंगका के बारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरक शे हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक से वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; थीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कि किसी अप अन्य अधिनियम 1922 (1922 के 15) आ उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहिए था, जियाने के नृतिथा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों. में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलींबत व्यक्तियों, अधीत कु— (1) श्री एन० ग्रार० शृष्णास्वामी ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी लता स्नार० भण्डारी।

(अन्तरिती)

और यह बुज़वा आही कहके पूर्वोक्त बुज़्दित के अर्ज़न के सिए कार्यवाहियां कहता हुंगेंं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की नवींचे या श्रत्यास्थाने कितायों पूर स्वना की टामीन से 30 दिन की नवींच, को भी कवींचे वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी क्वांच्य द्वारा;
- (ब) इन तुम्ता के हाभपन में श्रमायन की ताहीं व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हित्बहुक किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किह का सकीन।

स्पष्टीकरण: --- इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, वा उक्क "पिनिवस, के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं.. ही वर्ष होना को उद्य स्थाद में दिका शब्दी

वन्त्रची

फ्लेट नं० 12 ए, जो हरी कृपा को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी, लि०, सेंट श्रन्थोनी, रोड चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18429/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 28-10-1985

प्रकृष बाह्र टी.एन.एस......

नायकर निधित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के मुचीन सूचका

भाषा वरवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 सक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18458/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षत्र प्राविकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 101, जो, मेरी बिला मारत, प्लाट नं० 'ई', सर्वे नं० 29, एच० नं० 1 और अंग 3, सी०टी० एस० नं० 34/1 से 7 गगनानी कालोनी, जवाहर नगर, गोरेगांव, (प), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयजर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के ग्रधीन, बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारों के कार्यालय, में रजिट्टी हैं। तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उनिय बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मून्य, उसके दृश्यभान प्रति-कल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है जॉर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एचे बंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचिचित स्व्विध्य से उक्त अंतरण सिचित्त में वास्तविक रूप से कांधित कहीं थिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, जनत के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों करें चिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जोधनियम, या धनकड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्याधि वृत्तिरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा था दा विकास आया चाहिए था, कियाने में सुनिका के बिहर;

कतः अष, उक्त अभिनियम की धारा 269-१ के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीतः निम्हिलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34---396 GI/85

(1) ए० पी० गोन्साल्बीज ।

(भ्रन्तरङ)

(2) श्री यस्पीसिश्रो लुईस मरीयाना जिसोजा और प्रन्य। (अन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहिमा करहार हु:

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के सार्व्ह भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी तनिष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्रीक्तमां को से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इत सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-वक्ष किसी बन्च व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में फिए वा सकतेंचे ।

स्वर्णकर्भ ह इसमें प्रमुख्य बन्दों और वर्षों का, को स्वत् अधिनियम को अध्याय 20-के भी परिभाणित ही, बही की होगा को तस अध्याय में दिका गया ही।

अनुसूची

ब्लाक नं० 101, जो, मेरी जिला इमारत, प्लाट नं० "ई", सर्वे नं० 29, एच० नं० 1, और अंश 3, सी०टी०एम० नं० 34/3 से 7, गगनानी कालोनी, जवाहर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ऋई-3/37-ईई/18458/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 28-10-1985

प्रकम काइ^{*}ु टी.; एन.; एस.; -----

श्रायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) से वंभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) म्रर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 28 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18370/84-85—स्प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 13, जो, 3री मंजिल, हिल व्हयू इसारत बी-1, देवनार हिल व्हयू, को०-प्रॉप० हार्जिसग सोसाइटी लि०, देवनार बाग, बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्यह प्रविश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया ग्वा प्रतिफल, निम्निसिवत उद्विष्य से उसत अन्तरण निविद्य में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) वस्तरण से हुई किसीं बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के स्लिए। और/या
- (क) एंसी किसी लाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) हिरो के० दुलारामानी ।

(भन्तरक)

(2) टी० एन० सुब्रमणियम और श्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को थह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ध--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी समिध बाद में समाप्त होशी हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा संकेंगे।

स्याब्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदीं का, वां उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

श्रनुसूची

पलेट नं० 13, जो, 3 री मंजिल, हिल व्ह्यू इमारत बी-1 देवनार हिल व्ह्यू, को०-प्रॉप० हार्जीसम सोसाइटी लि०, देवनार बाम, देवनार, बम्बई में स्थित हैं।

मनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/18370/84-85 और जो सक्षम प्राधिारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ड**

तारी**ख:** 28-10-1985

मोहर 🖫

प्रकष् बाह् ं.टी.एम्.यृत्त् , ------

नायक<u>र वृत्पितियम्, 1961 (1961 का 43) की</u> भारा 269-म् (1) के नभीत सुम्ता

भारत दरका

भार्यांत्रम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तन) प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रम्तूबर, 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/18244/84-85→ श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सब्यक्ति, जिसका अधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 66, जो, ज्ञानेश्वरी इमारत, पेरू बाग मारे रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्रालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मृत्य से कन के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाल करने का कारण है कि क्यापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल ते, एसे स्वयमान प्रतिफल के फ्लाह प्रतिकत से अधिक है औड अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फला, निम्निसित उद्देश्य से उच्च अन्तरण निवित में बास्त-किक रूप से कथित नहीं किया नवा है ।—

- (क) अभ्यारण हे हुई फिली बाद की वायवा, व्यवस अधिनियम के जभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्य में कभी कड़ने या उत्तरसे वचने में सूर्यिया के सिक्; जोड़/बा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या बन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय वाय-कड वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिहरती व्याहा प्रकट नहीं किया पथर या या किया जाना जाहिए था, कियाचे में सुनिधा के जिल्हा;

बतः वयः, बक्त विधिनयम् की पास 209-त के वृत्सरक् $\hat{\pi}_{(i)}$ $\hat{\pi}_{(i)}^{*}$ बक्त विधिनयम् की पास 269-व की उपभारा (1) दे वधीन, निकासिक अधिक $\hat{\pi}_{(i)}$ वर्षात् $\hat{\pi}_{(i)}$

(1) श्री हसमुखराय कोमलजी ओमबावत ।

(मन्तरक)

(2) श्रीरूपसी रावजी सहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँचत सध्यहित को वर्धन के लिए कार्यनाहियां करता हुँ।

उक्त संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिथ वा तत्संबंधी व्यक्तियों प्रक्र बुचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तः
- (प) इस स्पना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख है
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष
 किती जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिकित में किए वा सकोंगे।

स्वक्यक्रियमः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, हो उक्त विभिन्तियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा एक्ष हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 66, जो, ज्ञानेश्वरी इमारत, पेरू बाग, श्रारे रोड, गोरेगांच (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई/18244/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**व** : 28-10-1985

भोहर 🖫

प्रथम महर्गा द्वी हु एक हु दुवाह र ० ० ०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बर्गीन सुन्नाना

STEEL SECTION

कार्याजन, बद्धायक जायकर जानुक्त (जिंद्रांकाण)

श्चर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनाँक 28 श्रक्टूबर 1985 निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/18405/84-85---श्चतः मुझ, ए० प्रसाद,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त व्यक्षितियम' कहा गया हैं), की भाव 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भावार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, इमारत नं० बी-6, वंशिरत्न को-श्रांप० हार्जिसग सोसाईटी लि०, महेश नगर, एस०वि० रोड, गोरेगाँव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षत प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पृथित संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान वित्रक के लिए जन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्दह बित्रका से किश्वित ही बीर अन्तरक (बन्तरका) बीर बन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया बित्रका, निम्नलिकित उद्विश्य से उक्त जन्तरण जिल्कित के वास्तविक कप से किश्वित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाय की बायत, उपत विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरकं के दावित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के तिए; ब्राह्म/वा
- (क) प्रेसी किसी बाव या किसी धन या बच्च आस्थियों की जिन्हों भारतीय अध्यकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्छ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बतः वर्ष, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की बन्सरण में, में उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, विस्तिनिक्त व्यक्तियों, बच्ची :---

- (1) श्री मनमोहन सिंग ग्रर्जुन सिंग छात्रा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगद्रीण चन्द्र शिवनारायण सोमानी। (अन्तरिती)

को यह तुमना बारी कपके पूर्वोक्त संपीत के अर्जन के सिध कार्यनाहियां करता हुं:।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षण ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की वनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्धभ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे.

स्पव्यक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्यों जीर पयों का, जा उन्त शोधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुमा है।

वन्स्भी

फ्लैंट नं० 9, जो, इमारत नं० बी 6, वंशारत्न को-ग्रांप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, महेश नगर, एस० वि० रोड, गोरे-गाँव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० ग्रई-3/37-ईई/18405/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 28-10-1985

भक्त बाह्र .ट\ एम् .एस . -----

भागकर ग्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाद्य 269-व (1) के नभीन स्थान

STEEL SEPTEM

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई बम्बई, दिनौंक 28 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18695/84-85—श्रतः सुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स ने नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित् वामार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 207, जो, थूम्फ इंडस्ट्रियल इस्टेट, व्हिलेज दिडोंशी वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), वम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्वांकित सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयाध प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंके कम्पित का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थापन प्रतिफल से प्रेस स्थापनों के स्थापना प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और इन्द्रक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया पितफल निम्नलिबित उद्वरिय से उस्त बन्तरण सिवित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- क) एसी किसी आय या किन्से धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविभा के सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम ो धारा २००० ्के अनुसरक मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स डिम्पल इंटरप्रायजेस।

(म्रन्तरक)

(2) मेसर्स आणदिल फर्म प्रायशेट लिभिटेड । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के "सार कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालए :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब थे 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अनुषि, को भी संविध बाद में खलान्य होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से 323 व्यक्ति हुवारा,
- (ब) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा लक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें हैं

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस जभ्याम में विदा मुदा है।

उन्**स्**ची

यूनिट नं० 207, जो, थूम्फ इंडस्ट्रियल इस्टेट, व्हिलेज दिखोशी, नेस्टर्न एक्सप्रेस हायने, गोरेगाँव(पू०), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर्निर श्रई-3/37-ईई/18695/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 28-10-1985

प्रारूप आहर् टी. एन. एस्. -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय्ह सहायक जावकर आयुक्त (निर्वेक्ड)

प्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 28 श्रक्टूबर 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18406/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० गाला नं० बी-209, जो, विरवानो इंड-स्ट्रियल इस्टेट, "सी" इमारत, 2री मंजिल, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति <mark>के उचित वाचार मृख्य से कम के स्वयकान</mark> प्रतिफल के सिष्**र अन्तरित**, की गर्द और मुभ्के यह विक्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृष्टयमान प्रतिफल से एसे दृष्टयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— (1) श्री शरद शाँतीलाल मोदी।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्से बिनस जिप इंडस्ट्रिज।

(श्रन्तरिती)

को यह \सूचना जारी करके पृत्रोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (स) इस स्कना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छित्यः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

गाला नं० बी-209, जो, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट "सी" इमारत, 2री मंजिल, वस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि कि०सं० घ्रई-3/37-ईई/18406/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्**बर्**ड

तारी**व**: 28-10-1985

प्रकृष् वाद्'्टी-पुष्-पुष्------

भावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) क्रॉ भारा, 269-म (1) के अभीन सूचना

नाहत तरकार

कार्याक्षयः, सहायक भायकर भागूकत (निर्दाक्षण)

प्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 ग्रक्टूबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18428/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, मांजे पहाडो, जवाहर नगर, प्लाट नं० 42, सर्वे नं० 105 से 110, 146 से 147, जिसका सी०टी०एस० नं० 734, 734/1 से 6, गोरेगाँव डिविजन, गोरेगाँव,(प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय सें रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वेषय से उच्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कें लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, पिन्ह भारतीय आय-कर बधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना माहिए था, छिपाने ते स्विधा औ सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) देवराजभाई के॰ सोनी।

(ग्रन्तरक)

(2) नवचंद्रकुंज को-श्रांप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सन्दित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हिन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व से 45 दिन की जबिंध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
 - (क) इस सूचना के ट्रायपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रमा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरण :--इसमें प्रयूजत शब्दों और पदों का, जो उक्स गृधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाजित बहुी जुर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

नन्स्यो

जमीन का हिस्सा, जो, माजे पहाडी, जबाहर नगर, प्लाट नं० 42, सर्वे नं० 105 से 110, 146 से 147, जिसका सी॰टी॰एस॰ नं० 734, 734/1 से 6, गोरेगांव डिविजन, गोरेगांव (प०), बम्बई से स्थित है।

स्रतुस्वी जैसािक कर्लं श्रई-3/37-ईई/18428/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 28-10-1985

मोहरः

प्रक्य भार्ड ्टी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-ए (1) के बधीन कृष्टा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर जायका (निद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 8 नथम्बर 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/18885/84-85--- मतः मुसे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पलैंट नंव 1, जो, 1ली मंजिल, प्लाट नंव 41 यूनियन पार्क, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत हैं), और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पूर्वीकल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाया गया प्रतिफल, विम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है एन

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अधिनियम क्री अधीन कर दोने की अन्तरक क्रो वायित्व में कमी करने या उसने अपने में सुनिधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में चे निए;

(1) यूनियन पार्क भ्रापार्टमेंटस, प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के॰एन॰ सभनानी।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित की वर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्त;
- (प्र) इब सूचना को राजपण में प्रकासन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद सिक्ति में किए वा सक्वें।

स्पद्धोकरण: ----इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, प्लाट नं० 41, यूनियन पार्क, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई-3/3.7-ईई/18885/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1~4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रक्षाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्वर्ष

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप बाडी.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बर्ष

बमबई दिनांक 8 नचम्बर 1985

निदेश सं० श्राई-3/37-ईई/18622/84-85→-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 4, जो, 1ली मंजिल, ब्लाक नं० 1, बंगला नं० 37 के पात, लेक्टर कालनी, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से खणित है), और जिसका करारनामा श्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरवमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृन्य, उसके धरमान प्रतिफल से, ऐसे धरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतर्रित (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त बंतरण शिखत में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीग, निम्निसिचित व्यक्तियों. अर्थात

(1) श्रीमती बी०एन० पंजाबी।

(भन्तरक)

(2) श्री एम०एम० पर्देशी और श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के बिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वक्षि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

पलेट नं 4, जो, 1ली मंजिल, ब्लाङ नं 1, बंगला नं 37 के पाम, एलेक्टर कॉलनी, चेंबूर, बम्ब**ई-74 में** स्थित **है**।

श्रतुमूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/18622/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 8−11-1985

प्ररूप आ**र**्ट<u>ी ,एन , एस ,-----</u>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

प्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई विनोक 8 नचम्बर 1985

निदेश सं० मई-3/37-ईई/18748/84-85--- मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जिमीन का हिस्सा, जिसका सी एस जं 887, प्लाट नं 27, व्हिलेज चेंबूर, तालू हा कुली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिस्हा हरारतामा प्रायहर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

का पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथमपूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया, प्रतिफल, निम्निकियत उद्वेश्य ते उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधीनयस के अधीन कर बेने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा वायित्व के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयल-कर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविभाकों लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन. रिक्तिचित व्यक्तियाँ, अर्थात् १---- (1) श्री ए० जयापालन।

(भ्रग्तरक)

(2) श्री एस०एस० रूबवाल और ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त तज्यकि के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति में नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवश्री वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हित-वक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त सम्बां और पर्वो का, भी उस्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नन्स्ची

जमीन का हिस्ता, जिसका सी एस० नं० 887, प्लाट नं० 27, व्हिलेज चेंबूर, तालुका कुली, बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकि क०सं० प्रई-3/37-ईई/18748/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1→4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बस्ब**ई**

तारीख : 8--11--1985

मोहरः

वन महिल के सार हरें अञ्चलका

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई दिनांक 8 नवम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/18736/84-85--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव गाला नंव 8, जो, 2री मंजिल, किरन इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एमव्जीव रोड, गोरेगांच (पव), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जित्तमा करारनामा श्रामकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कु,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई आरे मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रष्ठ प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निल्लित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उन्हें जीभनियम के अभीन कर को के बन्तर्क हैं बायित्व में कमी कलो या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/श
- (स) एपी किसी जाए या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिशम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिशम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया धाना वाहिए था, जिनाने में स्विभा के निए;

पत अश्र, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के बन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के०के० पटेल।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एन०पी० राठोड।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध 👫 कोई भी आक्षेप 🎞---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बदिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्थितयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इत बुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कृष्ण किसी बन्म व्यक्ति ब्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे

स्वाकारण: - इसमें प्रयुक्तः सन्दों जीट वृद्यों का, को उक्त जिथितियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

श्रन्स्ची

गाता नं 8, जो, 2री मंजित, किरत इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम०जी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैनाकि कल्तं० श्रई-3/37-ईई/18736/84-85 और जो सक्षम प्राधिारी बम्बई द्वारा दिलाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

> ए० प्रताद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 8-11-1985

बस्य बाह्रं.टी.एव.एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 तबम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18521/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

वायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं 2, जो, सं नं 14 ग्रीर 15 एक नं 3, 7 ग्रीर 8, इमारत नं 3, माला नं 28, राम मन्दिर इंडस्ट्रियल ग्रिमायसेस को-ग्राय सोसाईटी लिं , राममन्दिर रोड, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रावनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित याजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तब पन्तरण गवा प्रतिफल, निम्नलिधित उद्वदेश से उन्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत. जक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी कारने या उत्तस अचने में सुविधा के सिष्ट; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या फिसी धर पा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बो अधीन, नियनसिसित व्यक्तिगों, अधीत :--- (1) डा॰डी० एस० पाबकर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विकास फ़ार्मास्यूटिकल्स लेबोरेटरीस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वोक्तः सम्पत्ति **के वर्जन के लिए** कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास जिस्सा में किमे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं

ग्रनुसूची

ण्लाट नं० 2, जो, एस० नं० 14 ग्राँर 15,एच० नं० 3, 7 ग्रीर 8, इमारत नं० 3, माला नं० 28, राम मन्दिर इंडस्ट्रिय्स/ ग्रिमायसेस को-श्राप० सोसाईटी लि०, राम मन्दिर रोड, गोरेगांव (पूर्व), इस्टेट बम्बई-63।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/18521/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनकि 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय रु स्नायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 08-11-1985

प्रकार कार्यः, द्वी., धनः, प्रस्......

शायकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 08 नवम्बर, 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की सं० फ्लैट नं० 24, जो, टिवीन गार्डन को-म्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 7, सेन्टर-6, छेडा नगर, चेंबुर, बम्बई-89 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख ने ग्रीधीन, बम्बई स्थित बम्बई स्थित जक्षम प्राधि तरी के जार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

क्षं पूर्वीकृत संपरित के उचित बाजार मूल्य से क्रम के स्वयमान प्रतिकार के निष्ण अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाबार भूस्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से एसे स्वयमान प्रतिकास का उन्द्रह प्रतिकात से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कस, निक्ति खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में यास्तर्व दिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी भाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) एसी किसी नाय या किसी नन ना नन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नामकार निर्धापयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ निर्धापयम, या धनकर निर्धित्वम, या धनकर निर्धित्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ नन्तरिसी द्वारा प्रकार नहीं किया गया ना या किया नाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व उपधारा (1) की कथीन, निम्नीसिकत व्यक्तियों, कथीन इ---

(1) श्री बी० गोपालन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० हरीहरन।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

इस्त सम्मारित के सर्भन के सम्बन्ध में कोई भी नासार अ-

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की सारी का वि 45 दिन की जबकिया तत्स्विधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की मविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्यु व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहा बब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्यास, अथोहस्ताक्षरी खे पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वाचिक्य रकः ----इसमें प्रयाक्त कार्यों वर्ष पदा का, को अवस्य अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

धन्मूची

फ्लैंट नं० 24, जो, टवीन गाईन को-म्राप्त० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० सेक्टर, छेडा नगर, वेंबुर, बम्बई-79 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18838/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ग्रारा दिना के 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकः श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज़-3, बम्बई

दिनांक : 08-11-1985

प्रकल नार्व , द्वी , एन , एक , ----------

बायकर अर्धुभूनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत बरकार

क/वांसिय, बहायक भायकर बायुक्त (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश स० श्रई-3/37-ईई/18435/84-85----श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) * (जिसे इसमें इसके परवाद 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विववस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

जसकी स० फ्लैट न० 6, जो, 1ली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, फ्लाट सं० 46/5, एन० एस० सर्वे न० 46, सी० एस० टी० रोक, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रशीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

1-4-1985

की पूर्वा बित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अवसान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और बुझे यह विद्यास करने का कारण है कि मथापूर्वों वत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके अवसान प्रतिफल से एसे अवसान प्रतिफल का पल्यह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, जिम्मितियाँ उच्चेंचय से उचत अन्तरण किस्तर में वास्तरिक कम से अधिक नहीं किया परा है स्न

- (क) अन्तरण वे हुए किसी बाव की बाबरा, क्या व्यक्तिवास की संयोग कर दोने की अन्तरण की व्यक्तिक की कभी कारी या बख्ये अपने की सुविधा के तिए; अपि/वा
- (थ) एसी किसी आप वा किसी थन वा अन्य आसितायों को, विनहों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया जाता जाहिए जा, जिपाने में सुविधा के जिहा;

जतः अव, उक्त विभिनियम ातै भारा 269-ग को जनसरण भें, भें, उक्त अप्रिनियम कि धारा 269-घ की अपक्षारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :—-

- (1) श्री नारायण होतचन्द नंशवाजी और श्रन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मामीभाई नाराणदास पंजाबी। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिंध् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त स्थापित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पाचीकरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो केवल विश्व∻ निवस के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्टैंट नं० 6, जो, ाली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, फ्लाट नं० 45/5, एम० एस० सर्वे नं० 46, सी० एस० टी० रोड, चेंबुर बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/18435/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर, ग्रायुक्त, (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 28-10-1985

प्ररूप आई.टी एन एस . -----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रोज-3, बम्बई

बम्बई' दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18551/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त किनियम' कहा गया हैं) की भार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं पर्लंट नं 12, जो, 2री मंजिल, गूरुक्या इमारत, लिबर्टी गाउँन कास रोड नं 4, श्रायोजन नगर के पा, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा मायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के मधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मूर् रिजस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के कथीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किली धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिद्

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती इंदीरावादी डी॰ पारूडेकर ग्रौर श्री विक्वनाथ डी पारूडेकर

(मन्तरक)

(2) श्री स्नार० एच० जोशी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का ते 45 विन की अविधि या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदा का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवय गया हैं।

श्रनुसूची

पलैट नं 12, जो, 2री मंजिल, गूरु कृपा इमारत, लिबर्टी गार्डन फास रोड नं 4, श्रायोजन नगर के पास, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18551/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-3, बम्बई

दिनांक 7-11-1985 मोहर : प्रसम् बाइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के अधीन स्वता

बारत करकार

भावतिय, सहावक भावकर नायकर (विरोधक) अर्जुन रेज-3, बम्बई

बम्ब**ई**, दिमांक 7 नवम्बर, 1985 मिर्वेश सं० अई-3/37-ईई/18886/84-85--अतः **मुझे**, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व को अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित्र वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ुकाम नं 32, जो, प्लाष्ट नं सी० टी० एस० नं 348, एफ० पी० नं 5ए, लक्ष्मीम रायण गापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पू), बम्बई-97 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

पते प्वांकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य बं कव के उसकान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंब के नमुबार नंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि वशायबंधित सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उबके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिवात से निषक हैं और भतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (जंतरितियाँ) के नीच एसे बहरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्वेषण व उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कि व नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाकित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ब) एसी किसी आय या कसी भन या अन्य जारितयों की, जिन्ही धारतीय आयकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, बा भन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के कभीत, जिल्लाकित स्थितियमों अर्थित् क्रिक्त

- (1) श्री विक्रमबाई एम० गोणालिया ग्रीर अन्य।
- (2) श्री एम० आर० जैन एण्ड कम्पनी के भागीदार। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं !

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्त-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर स्थितयों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में किया क्वा है।

वनसंची

दुकाम नं० 32, जो, प्लाट जिसका सी० टी० एस० नं० 348, एफ०पी० नं० 5 ए, सक्ष्मीनारायण शापिन सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18886/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

दिमांक: 7-11-1985

प्रका बाही, ही, एन, एस,------

बाधकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्थान

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जभरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिभांक 7 भवम्बर, 1985

भिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18899/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रांर जिसकी सं कार्यालय नं 324, जो, नष्टराज मार्केट, मालाड नष्टराज मार्केट को-आप हाउसिंग सोसाईटी लिं , उरी मंजिल, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भ्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रांर पूर्ण रूप में विणित है), भ्रांर जिसका करारमामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का प्रमुख प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया नमा ब्रातिकल निम्मिणिवत उष्योध से उच्त अंतरण सिर्विक में बास्तिकल स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वेहुइ किसी नाग की शायत, उपक अधिनियन के जधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उत्तते यजने में सुविधा के किए; बांद्र/बा
- (क) एंडी किसी नाथ या किसी भन या नस्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकार निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या भन-कार निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

बक्षः वयं उक्तं किभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं के, वें,, उक्तं विभिन्नियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) दे बधीनः निकासियिकं व्यक्तिस्वीं,; ब्रामीवं कि के 36—396GI/85

(1) श्री जयंतीलाल कुंवरजी देढीया।

(अन्तरक)

(2) श्री 'राजेशकुमा'र जं प्रवन्त 'राय हेमानी । (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के सिद् कार्वगहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूभना को राजपण में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबष्ध किसी अन्य क्यन्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाक निकास में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त निभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 324, जो, भटराज मार्केट, मालाड नटराज मार्केट को-आप० हाउसिंग सोनाईटी लि०, 3री मंजिल,मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि फल संल अई-3/37-ईई/18899/84-85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिसांक : 7-11-1985

प्रक्य भाइ . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत तरकार

कार्याजय, तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिभांक 7 भवम्बर, 1985

मिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18668/84-85--अतःः मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं क्ष्म कि के क्ष्मात 'उक्त कीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1, जो, परेरा अपार्ट मेंट्स, प्लाट नं० 3, श्रोलेम, लाईस कालनी, मार्चे रोड, मालाड (प), वम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिरियम, 1563 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोवत संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के इस्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि मधा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल सं, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नह किया गया है:—

- (क) मन्तरम संहुद किसी बाय की बायत, उत्तर विभिन्निय के अभीन कर दोने के अन्तरक क दासित्व में कमी करने या उससे बचने में गाँवधा के लिए; बौर/या
- (च) एसी किनी आव वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्वोचनार्थ बुन्दरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किना वाथा वाहिन् वा किना में सुनिया के लिए;

भारः वय, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग क श्रास्तरण में, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) मैलर्म मंशीवनील कार्पोरेणभा।

(अन्तरक)

(2) अलीअन्स सर्च असोसिएशभ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र है—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच चैं 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो बी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूबारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीय है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निधित में किए का तकोंगे।

हमझीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची.

फ्लैंट नं० 1, जो, परेरा अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 3, श्रोर्लेम, लार्डस कालती, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है। अनसची जैसा क० सं० अई-3/37—ईई/18668/84—85

अनुसूची जैंसा कि० सं० अई-3/37—ईई/18668/84—85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयजर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिभांक: 7-11-1985

प्रक्ष बाह् दी एन एव . -----

बायकर बरिवनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के बंदीन स्चना

भारत तर्कार

कार्यालय, सहायक गायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 7 नवम्बर, 1985

मिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18445/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

वायकर विशिष्यम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके वश्यात् 'अवस विशिष्यम' कात् गया है), की वारा 269-च के वशीन संख्या प्राविकारी की मह विश्यास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- कः से विश्वक है

स्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, वाल-इ-राम 3, मित चौकी, मार्वे लिकिंग रोड मालाड (५) बम्बई-64 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा आयफर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विक्श तम्मील को उचित वाजार मून्य ते कम के द्रवमान प्रिक्षिक को लिए क्ष्यतिस्ति की गई कीर मुख्ये यह विश्वास कम्मे का कारण है कि यकापूर्विक्स सम्मेलि का उचित वाजार मूक्य, असले द्रवयान प्रतिक्षय से, इसे क्ष्यमान प्रतिकृत का क्ष्यह प्रिक्षित से निक्क है और व्यवस्था (अस्तर्को) और विश्व सिंह क्ष्यति (अस्तर्को) और विश्व स्था प्रतिकृति की निष् तम क्ष्यति प्रतिकृति की निष् तम क्ष्यति प्रतिकृति की निष् तम क्ष्यति की सिंह विश्व से उच्च व्यवस्थ सिंह की वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (शा) जगतरण से हुप् किती शाव की वासदा, जन्म अधिनियस के अभीन कर पात्रे के जन्मरफ वे अधिक्ल में कमी करणे या उक्के क्याने में सुविक्त के लिए; और/या
- (भा) एंडी किसी बाय या किसी धन या बन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए या कियाने में सुविधा के लिए:
- ्रश्च: अन्त, सम्बद्ध बहैनियन की भारा 269-व के जन्दरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निस्तिविधिक व्यक्तिं, अर्थीय ह—

(1) अनीता इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णकांत सन्तकुमार जोशी ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को सह ब्चना बारी करके पूर्वेग्च सम्पत्ति के वर्षन के अथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 4.5 दिन की अविधि या तत्त्व म्बन्धी म्यक्तियों पद सूचना की दानील से 30 दिन की संबंधि, वो की सविध माद में झनान्त होती हो, के नीत्तर प्रवेकिए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वायः;
- (क) इस यूचना के खबपन में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हिलक्ष्य किती अन्य अनिक्त व्वाय अभोइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

ल्याकरण:--इसमें प्रमुक्त खब्बों और पर्कों का, जो खब्ब अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, यो उत्त अध्याय में विया गवा हैं।

धनुसुची

प्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, बाल-इ-राम 3, मिस चौकी, मार्वे, आफ लिकिंग रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/18445/84-85 प्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक: 7-11-1985

वरूप नाइ • टी • एन • एस • ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्यीय क्या

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांदः 7 नवम्बर, 1985

िर्न्टिण सं० श्रई-3/37-ईई/18823/84--85--श्रतः मुझे, ० प्रसाद

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इक्के परवात् 'उक्त अधिनियम' कक्क गया इ'), की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार धून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव दुवान नंव 21, जो, नील वमल इमारत, चिंचोली फाटक, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से श्रीणत है),श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 वा,ख अश्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्णलय में रजिस्ट्री ६, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए कस्तरित की गई है और मूज्ये यह विश्वास करा का कारण है कि अथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे अयमान प्रतिफल का पंड्र प्रतिकास स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप स कांध्य नहीं किया गया है:——

- (क) बलायन ने इ.प. किसी बाय की बावन, उपल कीथ-नियम को वशीन कार योगे को बलायक को बायित्य में कभी करने या उसले बचने में सुनिया को निए; बीए/वा
- (ण) एती कियी भाव वा कियी भन या अन्य आरितकों को जिन्हों भारतीय नायकार निभिन्नका, 1922 (1922 का 11) या उक्त कियिनका, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया नवा था वा विकास वाना चाहिए वा, जिनाने के जुनिया में सिन्ता

वरः थवः, उत्करः मीधिनयम् कौ धारा 269-व कै वनुकरण कं वभीतः, निम्नीनविदः व्यक्तिवाः, स्थाहः (1) श्रीमती पूनम किशोर लालधानी।

(भ्रन्तरकः)

(2) हैदरखली खलीमोहमद संिलया और अन्य । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनक्थ किसी जन्म व्यक्ति क्वार अधोहस्ताक्षरी के पाव विश्वित में किए जा सकीं गे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

दुशान नं 21, जो, निल समल इमारत, चिचीली फाटक, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा वि कि के सं० अई-3/37-ईई/18823/84--85 और जो सक्षम प्राधिदारी बम्बई द्वारा दिनांदा 1-4-1985 की रिजस्टर्ड दिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांबः : 7-11-1985

प्रकृत बाई'. टी. एवं , एवं , प्रकृतका

बाजकर बाजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्रय, तहायक नायकर नायकर (निरोक्तक) ग्रर्जन रेंज-3, वस्वई

बम्बई, दिनांवः 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/18446/84-85--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसवें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, वाल-इ-राम 3, प्लाट नं० 10, उष्मा नगर के सामने, आफ लिकिंग रोड, मित चौकी, मार्वे, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोवत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान मित्रफ्स के सिए बंतरित की गई है जोर मून्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्रिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुइ किसी बाब की बावत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः वय उत्तर विधिनयमः की भारा 269-म के वनुकरम में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में वधीन, निम्मतिषित व्यक्तियों, स्थाति ह (1) श्री अनीता इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरका)

(2) श्री मार्शल बरेटो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ सम्पत्ति के वर्षत्र के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिल्लित में किए वा सकति।

स्वाकरणः ---इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त विधिवयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट तं० 401, जो, बाल-इ-राम 3, प्लाट तं० 10, उप्मा नगर के सामने, खाफ लिकिंग रोड, मित चौकी, मार्बे, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

प्रतृसूची जैसा कि क० सं० प्रई-3/37-ईई/18446/84-485 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

प्रस्य नाइ.टी.एन.एस. -----

बावकर विधितिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थांतय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18543/84--85----अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-स. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201ए, जो, 2री मंजिल, डियागो को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, बावडी लेन, श्राफ मार्वे रोड, श्रोर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ज, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है तारोख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ाया है है—

- (क) नम्परण वे हुई कियी बाद की वावत, उपत निधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के निष्; बॉर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अपिनित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को निए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण कें, में, उक्त नौधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें बभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री ग्राई० परेरा।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती सेसिलिया डेविड श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई वास्रोप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वक्यीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201ए, जो, 2री मंजिल, डियामो को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, चावडी लेन,श्राफ मार्वे रोड, ब्रोलेंम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/18543/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, **बम्बई**

दिनांक: 7-11-1985

प्रकृप आर्थ, टी. एन. एत. -----

शायकंड अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभव, सहायक भावकर वायुक्त (निरोक्सन) श्रर्जन रेंज-३, बस्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18778/84-85--अत: मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 17, जो, सर्वे नं० 26, व्हिलेज घालनाड, तालुका बोरिवली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्टी है तारीख 1-4-1985

को प्रामित संपत्ति को उचित बाजार मृन्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित ही गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कार्कण है कि यथा प्रामित सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत सं अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक है दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियो जाय यह किसी भन या जन्य आस्तियों का जिल्हां भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जीना बाहिए था, खिणाने में स्विधा के नियः

ख्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, संधार :— (1) ७१० नवतमलाल मणीलाल शहा ।

(ग्रन्त

(2) भन्वरलालएस० जैन । 🦠

- (भ्रन्ति रते।)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां २-रू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई' भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर एवोंक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहथ किसी बन्य व्यक्ति इंगार, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकींगे।

स्पष्टीक रण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका

अनुसूची

प्ताट नं० 17, जो, सर्वे नं० 26, व्हिलेन वालनाड, तालुका बोरिवली, मालाड (प), वस्बई-64 में स्थित है।

त्रमुसूची जैसा ि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/18778/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्धई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्ष (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बस्बई

दिनां ह : 7-11-1985

प्रचल बाह्य हो , प्रच , यह , अन्यतन्त्रन

बावकड वर्षितिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन क्वान

गारत चुड्रकाड

कार्यालय, सङ्ख्यक बावकर बावुक्त (निहिक्किक) प्रार्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18512/84-85---- श्रतः मु**से** ए० प्रसाद

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमें इसमें एस्वात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए को मभीन सभय प्रीधिकारी का, बहु निवनात करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, विसका जीवत वाचार मूल्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

ग्रीए जिसकी सं पुकान नं 12, जो, तल माला, इमारत हरी-द्वार-1, प्लाट नं 18-19-20ए, श्राफ़ मार्ने रोड, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रीधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) श्री एमेश कें जावला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इश्वरदास एस० गर्ग।

(अन्तरिती)

को यह बुचना बारी करके पृश्तांक्य संपरित के नर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द संपत्ति के नवन के संबंध में कोई भी नासेए:---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविश या तत्सम्बन्धी स्थाबतवों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की स्वधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वधितयों में से किसी स्थाबत इवायु;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाइन की तक्रीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिविट में किए जा सकेंगे।

स्थलकिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होता, वो उस अध्याय में दिया गठा

भ्रनुसूची

दुकान नं० 12, जो, तल माला, इमारत हरीद्वार-1, प्लाट नं० 18-19-20ए, श्राफ़ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसाकि क० सं० अई-3/37-ईई/18512/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधि गरी बभ्बई द्वारा दिनां रु 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रोज-3, बस्बई ।

दिनांक: 7-11-1985

मोहरः

प्रकथ कार्ष टी. एत. एस ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्यालक)

श्चर्जन रेंज-3, बम्ब ई बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्चर्ड-3/37-ईई/18488/84-85--श्चतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्ब्रित, धितका उधित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 8-वी, जो, तल माला, नटराज मार्केट, पुरुषोत्तम लालजी वाडी, एस० वी० रोष्ठ, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्के गह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत के अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंवरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निसिवत उद्वेष्ट्र से उच्त अंतरण सिवित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) संतरण वं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दाने के अतरक के वाधिका में कमी कारने या जससे अभने ना सुनिष्धः के लिए; बरि/मा
- (य) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या भारतिक अस्तियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बब, उसर विभिन्यमं की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उतर अभिनियमं की भारा 269-थ की उपधारा (1) के स्पर्ध ।, निम्नसिबित व्यक्तियों, अभीत :— 32—396 GI/85

- (1) श्रीमती बजदेर बैन जयंतीसास छेडा।
 - (ब्रन्तरक्)
- (2) श्रीमती शिवा डी० शहा शौर भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के निरुष्ट भंबाहियां करता हूं।

जबता सम्मरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्ते से कि की कार्यन दुवान.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगे जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रनुसुची

दुकान नं० 8-बी, जो, तल माला, नटराज मार्केट, पुरुषोत्तम लालजी बाडी, एसः० त्री० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18488/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहरः

प्ररूप हार्ड .टी. एत . एस . -------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां ः 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37--ईई/18757/84~85→-श्रतः मुझे, ए०प्रसाद

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० जमीन का हिस्सा, जो, स्ट्रक्चर्स के साथ, व्हिलेज वालनाय, टैन्क लेन, ग्राफ मार्च रोड, ग्रोलेंम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंसरित की गई है और मूझे यह बिह्दास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत्त से अधिक है और अंसरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उध्दोष्य से उक्स अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अंतरक के दाजित्स में कमी करने या उसते अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निह;

नतः भव, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक वें, में, उसत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती जोसेफाईन ड्रोग ग्रौर ग्रन्य

(म्रन्तरक)

(2) मैसर्स यू० के० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ये 2---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिम की जबीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिम की जबीच, को भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विक वक्ष किसी जन्म व्यक्ति प्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हात में किए जा सकेंगे।

यम्बुची

जमीन का हिस्सा जो, स्ट्रक्मर्स के साथ, व्हिलेज वालनाय, टैन्क लेन, भ्राफ़ मार्वे रोष्ट, ग्रोर्लेम, मालाड (प), बम्बई-84 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसाकि कर सं श्रई-3/37-ईई/18757/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां*दा*: 7-11-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्वात

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेंज-3, अस्बर्ध

बम्बई, दिनां क 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/18355/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

म्रीर जिसकी संज प्लाट नंज 37, जो, व्हिल्लंज वालनाय, तालूका बोरिवली, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध भनुभूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा म्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के मधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्विकत् सम्मत्ति के उपित बाबार मृत्व से कम के कावमान कित्र कि सिए कत्तिरित की गई है और मृत्रों यह विवशस करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उपित वाषार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एचे दश्यमान प्रतिकाल का नम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के सिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नितिषित उद्योग्य के उनत अन्तरण सिवित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण ये हुन् किन्नी बाव की बावध सकत गरिक विवस के बावित को कन्नी के अन्तर्भ के शावित को कमी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या कत्य कास्तिकों, को, जिन्हें भारतीय कायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभा से चिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के ब्राधीन, निम्निविचित व्यक्तियों. वर्षात क्र—

- (1) श्रीमती जयाबेन शांतीलाल मेहमा श्रीर भन्य। (श्रन्तरक)
- (2) रिलायन्स बिल्डर्स एण्ड डेव्हलोपर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षात के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्व्थ किसी जन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

ल्ब्हीकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त जीभन्यम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं वर्ष होगा जो उस जभ्याय में दिवा वया हैं।

धनुसूची

प्लाट मं० 37, व्हिलेज वालनाय, तालूका बोरिवली, मालाडा (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18355/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 1-4-1985 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

प्रारूप आई.टी.ध्न.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-यं (1) के अधीन सुवृता

भारत संस्कार

कार्यांत्रय, सङ्घयकं वायकर आवृत्रत (निर्द्यक्रण) ग्रजन रोज-3, बम्बई '

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18506/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्तव प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्तका उपित बाबार म्स्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं क कार्यालय प्रिमायसेस नं क 7, जो, 2री मंजिल, 207, परसरामपुरीया चेंबर्स, श्रानन्द रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-4-1985

के पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मृत्य से का के व्यवकान अतिफल के लिए अन्तरित की, गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त कन्मित का उपित बाजाइ ब्रुक्त, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का उन्दर्ध प्रतिमत में स्थिक है और वंतरक (बंदरकों) और बंतरिती (अन्तरितिसों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिक्ष का निम्नितिस्ति सम्बद्ध से उन्दर्भ बंतरण मिनित में वास्तिक क्ष्य में स्थित नहीं किया यहां है है—

- (क) सम्बर्ग में हुई किसी साम की बाबसा, उससे अधिनियम के अधीन कार दीने के अंतरक की समित्य में कभी करने या उससे समने में सर्विधा के सिए; स्ट्रिट्स
- (क) ऐसी किसी बाद वा किसी वृत या जन्म बास्तिकों की, जिल्हों भारतीय बायकर सिंधनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भट-का श्रीधनियम, 1057 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, क्यिन में मुनिधा के किया।

बर: बय, उक्त विधिनिक्य की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, अक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) की विभीत, निम्निनिषक व्यक्तियों, भवति ह— (1) मैं सर्क देवचन्द शामजी एण्ड व मपनी।

(श्रन्तरक)

(2) छेडा फ़ेमिली दूस्ट।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बार्डी कारके वृत्रींक्य सम्परित के वर्षन के विश्व

उक्त उच्चरित के अर्थम के सम्बन्ध में कोई भी वासीप हरू

- (क) इब वृथ्या के श्वपन में प्रकारन की तारीं हैं
 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी स्थानतमां वस् स्थान की तात्रील से 30 दिन की नवींच, जो भी वद्या बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तिस्ता में से किसी कानित स्वारा;
- (व) इस स्वना के एवएक में प्रकारन की तारींव से 45 विकृत्वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तव्यूष् किसी जन्म व्यक्ति पुनारा, अभोइस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए या सकीयो।

स्वाकिएन :--इसमें प्रमुक्त कर्ना नीह पत्तों का, को सक्त व्योपनियम, की बच्चाम 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य मोना को उस बच्चाम में दिवा क्या है?

अनुसूची

कार्यालय प्रमायसेस नं० 7, जो, 2री मंजिल, 207, पर-सरामपूरीया चेंबर्स भानन्द रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा ि कि के० सं० मई-3/37-ईई/18506/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनाक : 8-11-1985

मोहरः

प्रकृष वाह^र, टी, एम, एश्व.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भागस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वेशक) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवस्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18176/84--85--- मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000 / - रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं इतान नं 13, जो, ास्त्रबा उषा गालनी को-ग्राप हाउ जिंग सोसाईटी लिं रामचन्द्र एक्सटेंगन लेन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूत्री में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रापकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिस्ति से विभिक्त है और मंतरक (अंतरकाँ) और बंतरितीं (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से अक्त अंतरण सिसित में बास्तीयक स्प से किथत नहीं किया गया है ::—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त कीभीनयम को अधीन कर देने के अंतरक की दायित्व में कभी कहने वा उसने बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) होती किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की किन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोवनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना जोहिए था, किया में सुविधा वी किया

अत: शक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री प्राप्ता भोतीताम भाट्टे।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सिलेक्शन स्टोधर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हां।

रक्त सम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोड़ भी आहोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिनं की अविधि, को भी अविधि बाब में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क्ष) इक्ष मुख्या के राज्या के जन्मान को मन्त्री से 45 दिन के भीतर राज्या पानर सामित में हित्यसूथ किसी अन्य क्योंका दुवाला यज्ञाहरताक्ष्यों के पास सिसित में किए जा सकेंगें।

स्पव्योक्षरणः - इसमे प्रयुक्त क्षव्या और पवर्गे का, जो उक्त लिविनियस के बाव्यात १० का मा प्रतिकृतिकत ही, मही कि श्लोग जो उस अवसाय मा दिया गया है।

अस सर्ची

दुकान नं 13, जो, कस्तूरबा उषा कोलोनी, को-म्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, रामचन्द्र, एक्सटेंशन छेन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ श्रई-3/37-ईई/18176/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-11-1985

महर ।

इक्य ् **भार**ि दी । प्र_ा एस्_{य व म} + = =

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यांत्रय , नहायक जायकर जायकत (निर्देशिका) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18185/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैटनं ० 401, जो, 4थी मंजिल, "श्रटलांट", बी-विंग, श्राफ़ वालनाय व्हिलेज, प्लाट नं ० 38, मार्बे रोड, मालांड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 259 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार जूल्य से कन के काशान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाबार जूक्य, उसके काशान प्रतिकल से, एसे काशान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और जन्तरण (जन्तक्तों) और जंत-रिती (जंतरितियों) के शीच एसे जन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिष्टिस में प्रात्तिक क्य से कथिस नहीं किया वया है दे—

- (क) बन्दर वे हुए किया नार की नारध, उन्हें वीपीनका के अपीन कर दोने में बन्दर्स की दावित्य में अपी कहने में उन्हों को मुन्यि। के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नावकर निभिन्नक, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्नक, या धनकर निभिन्नक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः सम्, उक्त नीधीनवम की धारा 269-ग के जनुबरम में, में, उक्त नीधीनदभ की भारा 269-घ की जन्माय (1) के मधीन निकारिकत व्यक्तियों, नभीत् 3(1) श्री ग्रार० जी० बिल्डर्स प्रायबट लि०।

(प्रन्तरक)

(2) श्री बी० गिल्बर्ट सिक्वेरा।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्णन के निष् कार्यगाहिनां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाकोंच ह---

- (क) इस सुक्रमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की ब्राधित में उत्काशनकी. व्यक्तियों पर ब्रुवा की तानीक से 30 दिन की अविधा, जो भी व्यक्ति में तो तानीक होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया व्यक्ति व्यक्ति प्रवास
- (ब) इत ब्रुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में ड्रिय-बद्ध किसी बन्न न्यन्ति द्वारा नभोहत्ताक्षरी के पात जिस्ति में किए वा बकाने।

स्वाक्तीकरण :----इतमें प्रयुक्त शब्दों कींद्र पदों का, वो अवद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उत श्रध्याव में विवा ववा है।

मन्त्रभी

फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, "प्रटलौटा", बी-विंग, ग्राफ़ बालनाय व्हिलेज, प्लाट नं० 38, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-3/37-ईई/18185/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, बस्बई

विनांक: \$-11-1985

मोइर:

प्ररूप बाईं टी एन एस . -----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

न्त्रबालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्थे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन तकाम प्रिकारी की यह निश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, विश्वका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, स्राकाश इमारत, साईबाबा पार्क, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रीधानियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

मा भूगों कर संपरित के उपित वाकार मृत्य से काम के राज्यमान प्रतिकास के तिल बन्तरित की नई हैं और मृत्रे वह किल्वाल करने का कारण है कि वधापुरों कर सम्मित का स्तिक वाकार मृत्य, उसके करमान प्रतिकास से एके स्वयमान प्रतिकास के क्ष्यूह प्रतिवात से विधिक हैं और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एके वंतरण के विध तय गया प्रति-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (ण) एंसी किसी नाव या किसी भन या कत्य जास्तियां को, जिन्हीं भारतीय नायकार जीधनियम 1922 की 11) या उनक जीधनियम, या जीधनियम के जधीन कर दोने के जंतरण के दायित्य
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिमिनयम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) मैंसर्स कान्तीग्रनेन्टल कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिमा मनोहर जोशी ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्कारा;
- (व) इत सूचना, के राजएत्र में प्रकाशन की तारीव वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दा किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शक्त निवित में ग्रिए वा सकरेंगे।

स्वक्ष्मिरण्ड--इसमें त्रयुक्त क्षम्यां और पर्यो का, जो जनत अधिनिवस के बध्याय 20-क में परिमाणित हुँ, वहीं वर्ष होना को उन्ह स्थान में दिना मना हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, श्राकाश इमारत, साईबाबा पार्क, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा ि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/18420/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-11-1985

मोहर ः

प्रकृष नाहर् हो . एन . एस . -----

बालकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दासक)

श्चर्यद रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनां ७ 8 नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्चईब3/37-ईई/18119/84-85---श्चतः मुझे, ए० प्रसाद

भाषकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंबर्ज इंबर्क परिवास, 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते विधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० फ्लंट नं० ए-74~75 जो, 7 मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50, वालनाय व्हिलेज, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु- भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उणित बाजार मृत्य ते कम के इद्याम प्रतिकल के सिए अन्तरित को गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके इद्यानान प्रतिकल से एसे इद्यानान प्रतिकल का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नया प्रतिकल, निम्नोसिचित उद्योध से उक्त अन्तरण कि जित में बास्तिक रूप से किया गया है ह—

- (क) अल्लप्त में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के ज्यीन कर बोने के जतरक के क्रॉयरच के कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: जॉर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के जनूसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, दिन्न-निर्वतिक व्यक्तिकाती, वार्याक व्यक्त (1) मैसर्ज मनाली कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इश्वरदास एस० गर्ग

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथू कार्यवाहियां सूक करता हुं।

दबल सम्मलि के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) एस स्थान के राजपन में प्रकाशन की हारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्ञिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृज्ञारा;
- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्षभ किसी अन्य विक्त द्वारा अभोहस्त्याकारी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त संख्यों और पदों का, भी उच्च मीधनियम, के अध्याय 20-क में परिशायित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नवा है।

पनुसूची

फ्लैंट नं० ए-74--75, जो, 7वी मंजिल, मनाली इमारत नं० 4,प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50, वालनाय व्हिलेल, मालाख (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18119/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 8--11--1985

मोहर ः

यस्थ भार्ष टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-ध (1) के लगीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3. बभ्बई

वस्वई, दिनां तः 8 नवस्वर, 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18409/84-85---श्रतः मुझे, ० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 /- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं वार्यालय नं 12, जो, 1सी मंजिस, दत्तानी चंबर्स इमारत, फ्लाट जिस्ता सीवटी व एसवर्न 625, 625/1 से 9, व्हिलेज मालाड, एसव बीव रोड, मालाड (प), वस्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका उपायनामा श्राय ए श्रीध नियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रीन वस्बई स्थित स्थाम प्राधि हारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और स्फे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के िए सब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विखित में सम्तिकल रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) वन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त विधिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी काने या उससे कचने में सुविधा के लिए; व्यार/बा
- (ब) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंति हिंदी द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गला भा या किया जाना बाहिए था, कियाने में स्विधा के किए)

- (1) श्री गुरूवजाल सिंग टी० जन्मी ग्रीर श्रन्थ (ग्रन्तरह)
- (2) श्री प्रकाश एम० भट्ट

(अन्दर्शरती)

को सह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किसे का सकरो।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सर्व्य और पदों का., भी उचल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वनसूची

कार्यालय नं ० 12, जो, 1ली मंजिल, दत्तानी चेंबर्स इमारत, प्लाट जिसका मी० टी० एस० नं ० 625,625/1 मे 9, व्हिलेज, मालाड, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैला (१ क० सं० अई-3/37-ईई/18409:84-85 और जो सक्षम पाक्षि गरी यम्बई इत्या दिसी ते 1-4-1985 को रिजस्टर्ड विसा गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्रःधिकारी सहाय १ आपकर ब्रापुट्य (विरीक्षण) प्रजेन रोज-३. वस्वई

दिनांक: 8--11-1985

वक्त्य नार्ड. टी. एन. इस.------

भायकर विभिनिष्त , 1961 (1961 का 49) सी भारा 269-व (1) के विभीग सुवना

HIST WARRANT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-3,बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० प्रई-3/37—ईई/18133/84—85——मृतः मुझे, ए० प्रसाद .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सञ्जन प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्ध , विश्वास वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुरान नं० 1, जो, स्कैया पैलेस, सोमदार बजार, बाम्बे टाकीज कम्पाउन्ड के पीछे, मालाड (प), बस्वई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिस म करारनामा श्राय कर्जुं श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कल को स्वयभाग शितका को लिए अम्बरित की गई है और मुक्ते यह विकास कार्य का कार्य है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उपक्ष बाजार मृस्य, उसके स्वयभाग शितकल से, एते स्वयमान शितकल का प्रवृद्ध के स्वयमान शितकल का प्रवृद्ध शिक्त के सिक्त है और वस्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिसर्थ) के भीच एते अन्तरण के सिक्ष तय गमा प्रवा शितकल, विम्नितिस्ति उद्देश्य से अच्ये बन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रगंजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा

वक्षः वयः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ध का अनुसर्ख तै, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च का उपधारः (1) के अधीरः विस्तिशिक्त व्यक्तियाँ, अचित् ३—— (1) श्री करमग्रली इंटरप्राईज

(भ्रन्तरक)

(2) अन्बरश्रली शबानअली जमाल।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत ग्रम्ति से वर्षन से सम्बन्ध में कोई भी बाबीए :---

- (क) इस क्यां के समप्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्यां की तारीक से 30 दिन की मन्धि, को भी जनित्र मां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यां कों में तो किसी क्यां स्वाद्य;
- (स) इस सूचना के राज्यम्भ में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबस्थ किसी बन्द व्यक्ति इसार अथोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

श्याकाकारणः - इसमें प्रश्नास सम्बंधीय पदी का, जो जनस कीर्यानवस के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, यही कर्यहोगाओं उस अध्याय में दिका करत होड़ी

वन्त्र

षुकान नं 0 1, स्कैया पैलेस, सोमवार बजार, बाम्बे टाकीज कम्पाउन्ड के पिछे, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं ० श्रई-3/37-ईई/18133/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त(सिरीक्षण) म्रजन रेंज-३, बम्बर्ड

दिनांक : 8-11-1985

मोहर 🚁

ब्रस्य बाइं. टौ.ः एव. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कभीन सूचना

भारत चरुकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनां रु 8 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० श्चई-3/37बईई/18137/84-85---श्चतः मुझे ए० प्रसाद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं पर्लंट नं बी-308, जो, स्कैया पैलेस, सोमवार बजार, बाम्बे टाकीज वस्पाउन्ह के पिछे, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है गौर मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पल्क्क् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) को बीच एंसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिफल, निम्निशिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक क्य से कियत नहीं किया नया है :—

- (क) इन्तरथ से हुइ किसी मान की नायत उपन्त श्रीध-नियम के बंधीन कर दीने के बन्तरक के दासिस्त में कमी करने वा उसने बचने में सुविधा के सियो;
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा चा वर्ष किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ निष्ठ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) करमञ्जली इंटरप्राईज

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुरेशी निशाएन० श्रली श्रन्सारी (श्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सै 45 दिन की जबिंध या एरसंबंधी व्यक्तियों पर -मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्तः
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा नकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हुऐगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं:

नवसूची

फ्लैंट नं० बी-308, जो, स्कैया पैलेस, सोमवार, बजार, वाम्बेटाकीज अम्पाउन्ड के पीछे, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/18137/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां ह: 8-11-1985

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्थ , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 3, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 8 नवम्बर 1985 निदेश सं० श्रर्द--3/37र्ष्ष/1842!/84--85:---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 18, जो, 4थी मंजिल, ग्राशीविंद इमारत, साईवाबा पार्क, मिल चौकी, मालाङ (प०) बम्बई-64 में स्थित हैं (ऑर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायार ग्राधितियम 1961 की धारा 269 व., ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधस, उक्त रुधिनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स शान्टीनेन्टल शारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

श्री ग्रन्थोनी फर्नान्डीज ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 18, जो, 4थी मंजिल, श्राणीबाँद इमारत, साईबाबा पार्क, मित चौकी, मालाङ (प०), बम्बई ~ 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क सं० श्रई-3/37ईई/18421/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1--4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजे⊸3, बम्ब**ई**

दिनांक: **8**--11--1985

प्रस्प बाह्", टी., १५., एत., ल्लानानानाना

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्पना

भारत सहकार

कार्यास्य, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० **गई-** 3/37**ईई**/18354/84-85:---**ग्र**त मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 16, जो, विलेज बालगाय, तालुका बोरिवली, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अदि/सा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानम काहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अया, जन्त अभिनियम श्री भारा 269-ग के जनसरण मी, मी, उन भाशिकितम की धार 269-घ की रघधारा (1) के अभीन, जिल्ला कर असियों जर्णातः — 1. श्री शरद जे० मेहता और श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. रिलायन्स बिल्डर्स एण्ड डिवेलपर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ख सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंकित न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी जन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं वर्ष होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्लाट नं 16, जो, विलेज वाजनाथ, तालुका बोरिचली मालाड (प०), वस्वई में स्थित है।

श्रनुसूची जैना ि कम संश्राध-3/37\$है/18354/84--85 और जो नक्षम प्राधि ारी बम्बई द्वारा दिनास 1--4--1985 को रिवस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज–3, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 8-11-1985 .

प्रकर बाह'. डी. एन. एस. -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-- व (1) के सभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालटा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/18444/84-85:--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित बाधार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट 602, जो, और 1/3 ट्रेस, वाल इ राम 3. उष्मा नगर के सामने, श्राफ लिकिंग रोड, मित चौकी, मार्वे, मालाड (प०), वम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसकी करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफटा के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने अदने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्व, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का रुखह प्रतिशत से बधिक है बीर अन्तरक (बन्तरका) कीर कन्तरिती (बन्तरितिबाँ) के बीच एरे अन्तरण के लिए स्य शवा गवा प्रतिफल निम्नतिबित उद्योश्य से उस्त बन्तरण विश्वत में नास्तविक रूप से स्वधित नहीं किया गवा है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी काम की बागत उक्त मिन नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वाणित्व में कबी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्द बास्तियों को, विन्हें बारतीय बावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उकत विधिनयम् या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीच-नार्थ बन्दरिती कुवाच प्रकट वहीं किया पत्रा था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के रिवहा

अतः अब उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 1. ग्रनीता इन्टरप्राइजेस।

(म्रन्तरक)

श्रीमती सुनोता एन० समतानी और ग्रन्थ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के लिए कार्ववाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकायन की तारीस से 45 दिन की समीय ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की वयि , जो भी वयि वाद में समान्त होती हो, के भीषर पूर्वेच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतार अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिधायिक हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 602, जो, और 1/3 टेरेस, वाल-इ-राम 3, उष्मा नगर के सामने, ग्राफ लिकिंग रोड, मित चौकी, मार्वे मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3,37ईई/18444/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 8-11-1985

प्रकार कार्य . ट्री एक . एस

बायकर राधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की थाड़ी 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यस्थि, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका) भूजंन रेंज-3, बम्बई

बम्ब**ई**, दिनां । 8 स्वम्बर 1985 निदेश सं० श्र**ई**—3/37**ईई**,18131/84—85:——धत मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- कः सं अधिक हैं
और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० ए-203, जो, रुकाया पैलेस,
सोमवार बझार, बाम्बे टाकीज कम्पाउण्ड के पीछे, मालाड
(प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा
प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 का,
ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रिजस्टी है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को प्रकृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ट) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब नाया गवा प्रकिक्त, जिन्निनिक्त उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत, उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के निए बौर/वा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से तिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— करमवती इन्टरग्राइजेप्त।

(भ्रन्तरक)

श्री गकील श्रहमद श्रव्वात श्रली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परिष्ठ के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवधि, को भी अविद नात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्मव्यक्तिरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनं संची

पर्लंड नं० ए-203, जो, **रु**काया पैलेस, सोमचार मझार, बाम्बे टाकीज कम्पाउण्ड के पीछे, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/18131/84- 75 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-4- 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (सिरीक्षण), श्रजन रोज-3, बस्ब**ई**

दिनांता: 8-11-1985

नाहर :

अरूप बाई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 8 नवम्बर 1985 निदेश सं० अई—3/37ईई/18410/84-85:---अत. मझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1951 (1961 वा 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुाम नं 19, जो, तलमाता, मालाड़ अपार्टमेंट्स, को आप हाउधिम सोसाईटी लिं , जिसका सर्वे नं 348 (ग्रंश), पर्वराम यूरीया चेम्बर्स के पीछे, स्टेशन रोड, मालाड (पं), बम्बई-८४ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रांर जिसक करारमामा आयकर अधिक्यम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीभ, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पन्त, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (अ) अन्तरण स हुए किसी आय की शावल, संबंध अभिप्रियम के स्थीन कर दोने के अन्तरफ के बायरण का कभी अरले था। तसक अलग मा माजिया अ १००३, बीर/ात
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय अप्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियां, अर्थातः --- । श्री प्रीतम सिंह बता और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री डी० एन० ठाकर ऋौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति से वर्षन् के जिए कार्यवाहियां करता है।

वक्त सम्मतिः के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोदः--

- (क) इस श्रुचना के राज्यम में प्रकादम की तारीय में 45 दिन की जनभि या तत्संबंभी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जनभि नाम में बमाध्य होती हो, के जीतर प्रांकत व्यक्तियों में ते सिस्सी व्यक्तित क्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में त्रकाशन की तारीक है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास निकित में किये जा सकोंने।

लाकाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तर हिंदी किया के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसुची

दुकान नं० 19, जो, तत्र माला, मालाड अपार्टमेंट को आप हाउसिंग सोलाईटी लि०, प्रया सर्वे नं० 338 (श्रंश), परसराम यूरीया चेम्बर्स के पीछे, स्टेशन रोड, मालाड (प०), बम्बर्ध-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० आई-3/37ईई/18410/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-11-1985

प्रारूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिशांक 8 शबम्बर 1985

निदेश सं० अर्ड-3/37 ईई/18518/84-85:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी संख्या दुरान नं० 19, जो. तल माला, व रिएस चो श्रोप हार्रातिय सोसाईटी लिं०, एस० वि० रोड, मालाड (५०), बम्बई-२४ में स्थित है (श्रोर इसने उपावड़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित है), श्रोर जिसका शरार-सामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्ट सम्पिट्त के उचित बाजार मून्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिट्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जैतरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय सहा था या किया बाना चाहिए था, कियाये में सविधा के निए;

ात: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---39---39601/85

- श्रीमती उषा हेमेन्द्रभाई पटेल ग्रीर अन्य। (अन्तरक)
 - 2. श्री दिनेश हंसराच पटेल ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराध से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी स्थासत्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भा अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थास्तयों में से किसी स्थास्त द्वारा;
- (थ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी क पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

णस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, भो जन्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, भो उस अध्याय में किया यक है।

अन्सची

दुकान नं० 19, जो, तल माला, चन्द्रिकरन को <mark>ऑप</mark> हाउिन सोसाईटी लि०, एस० **वि०** रोड, माला**ड** (प०), बम्बर्ड-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/18518/84-85 ब्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-4-1985 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज–3, **बम्बई**

दिमांक: 8-11-1985

बक्य बाइ', टी. एन. एस.-----

कार्यकर् बॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के नभीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्ब**ई**, दिनांक 8 मवम्बर, 1985 निदेश सं० अ**ई**—3/37**ईई**/18596/84—85:——अतः मुझे, ए**० प्रसाद**,

बायकर विभानियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लैंट नं० ए-11, जो, 1ली मंजिल, "मनाली" इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50, बालनाय विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोकत सम्मित के उक्तित वाकार मृत्य में कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृत्यें कह विकास करने का कारण है कि पूर्वोकत सम्मित का उक्ति वाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अभ्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उक्देश्य से उक्त अभ्यरण सिक्ति में वास्तिवक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बार/या
- (भ) एमी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भरतीय आय-कर कृधिनियम, 1922 (1922 को ११) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के खिक्का

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —— 1. मैसर्स मनाली कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री प्रदुमन के० कौल ग्रीर अन्य।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उनत जिमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित की, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका भ्या है।

श्रनुपूची

पलैंट नं० ए-11, जो, 1 ली मंजिल, "मनाली" इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 और 50, बालनाय विलेज, म(लाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/18596/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3. बम्**बई**

दिनांक: 8-11-1985

मोहरः

प्रक्य बाह्र .टी. एन. एस. -----

मायकार जॉपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन क्यान

मारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/18560/84-85:—अतः मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके प्रचाद 'उन्तरं सभिनियम' कहा गया हैं), की शाख 269-य के सभीन सभाम प्राधिकारी को सह निष्नास करने का फारण हैं कि स्भावर सम्परित, जिसका उचित्र बाचार ब्रूच 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी संख्या दुकान नं० 39 जो, इमारत नं० 3, तल माला, ऑफ हिरा नगर, नार्वे रोड, मालाड (५०), बम्बई में स्थित है (ग्रांर इसरो उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम सरमान प्रोतफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने अरण है यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसकें व्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया रितफल निम्मिचित उद्वेषय से उक्स अंतरण जिचित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्धरम से हुई मिन्दी बाम की बन्दर, उन्तर। वीधनियम के बधीन कर बोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या स्वतं बचने में सुविचा के लए; स्रीर/या
- [बा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 [1922 का 11] बा उन्त अधिनियम, मा जन-कर अधिनियम, मा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्स बाफ हिरा बिल्डर्स प्राइवेट लि॰।

(अन्तरक)

.2. श्री अन्सारअली एम० कुरेशी।,

(अन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) प्रस्मान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सर्विभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा संकेंगे।

स्पष्टिशेकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

दुकान नं० 39, जो, इमारत नं० 3, तलमाला, बाफ-हिरा नगर, नार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/18560/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्ब**ई**

दिमांक: 8-11-1985

्रकृष् आर्ड्-दरे. एन्. एस्. ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (१) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई--3/37ईई/18860/8०-85:---श्रतः मुझे, ए 0 प्रसाद,

माधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 134, जो, 1ली मंजिल, नटराज मार्केट, एस० बी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई कियी बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे तिथ; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग अनक्ष अधिनियम, 1987 (1987 का 2) के प्रयोजनार्थ बन्दिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती कृष्णा देवी जे० ग्रगरवाल।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जयन्तीलाल के० देढीया ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्स सम्पत्सि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करी 45 दिन की अविभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, आ औं अविभ याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे.

स्थळतीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्बों और पदों का, जो उन्सं जिल्लामिन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

वम्स्ची

134, जो, 1ली मंजिल, नटराज मार्केंट, एस० बी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-3/37ईई/18860/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रपाद, संक्षम प्राधिकारी स**हायक क्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∸3, बस्ब**ई**

दिनाँक : 8-11-1985

मोहर 🔆

शारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भंभीम सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० म्नई-3/37ईई/18335/84-85---श्रतः, मुझे, ए0 प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- 'उ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 43, जो, विंग सी, 4थी मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 ग्रीर 50 बालनाथ विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

करे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के शिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निमित उद्वेषय से अक्त अंतरण निस्ति में बाम्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है : ---

- (क) मन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आरि/यन
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरत व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स मनाली कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुखदयाल पाहवा।

(श्रन्तरिती)

को वह स्थाना बारी करके प्वॉक्त सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्चन के सम्हाभ में कोई भी वाक्षंप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्षि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्राधित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों एकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दाद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकैंगे।

स्पष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद। का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ भिष्णा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 43, जो, विंग सी, 4थी मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48 49 ग्रीर 50, विलेज मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि 30 सं $\sqrt{3}$ श्रई-3/3 $\sqrt{3}$ $\sqrt{3}$

ए० प्रवाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनाँक: 8-11-1985

प्रक्ष बार्ड. टी. एम. एस. अन्यन

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के जधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक वायकर बाबुक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

सं० श्रई-3/37ईई/18092/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 9, जो, तल माला, इमारत हरीद्वार-1, प्लाट नं० 18-19-20 ए, श्रॉफ विलेज वालवाय मालाड (प.), अम्बई-64 से स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिल है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-4-1985।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रममान प्रतिफल के प्रेस क्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्स बंतरण लिखित में बास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्बरन में हुए किसी नाम की नामत, सनत जिभीनयन के अभीन कर देने के अन्तरक के ग्रायित्न में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; बार्ट/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिया कार, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, या धनकर मधिनियम, या धनकर मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-वार्थ जन्दाउदी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा जिला काम बाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः वतः, उक्त विभिन्नियं की भारा 269-ग के बनुबर्ग के, के, अकत अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के सुधीन्, निम्निसिक्त व्यक्तियों है वर्षात् ः— 1. श्री राजेश पी० मसन्द श्रौर श्रन्य।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर एन० मंजरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी जन्य व्यक्ति द्वाच अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्थप्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा कै।

अनुसूची

दुकान नं∘ 9, जो तल माला इमारत हरीकूट-1, प्लाट नं∘ 18-19-20 ए, श्राफ मालाड (प॰) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र सं० क्रई-3/37ईई/18092/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 8-11-1985

प्रसाद,

प्रारुष बाही, टी. एम. एस.-----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचता

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर जायकत (निर्दाक्क)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 8 नवम्बर 1985 सं० ग्रई-3/37ईई/18718/84-85---ग्रतः मुझे, ए०

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'छक्त अधिनियम' कहा नया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, जो, सी० टी० एस० नं० 417 ग्रौर 418, विलेज वालबाय, ग्रोलेम, मालाङ (प०). बम्बई-64 में स्थिर है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायक्कर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

का पूर्वेक्स संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विद्यास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबता, उचत जिथितियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दावित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के बिए; जीर/बा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्ने बहिन्त्रम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के ज्यीय, निम्नलिविक प्रक्तियों, ज्यों रू- 1. ग्रेगोरी डिसोझा।

(ग्रन्तरक)

2. शेलंडन को-ग्राप हाउसिंग सोसाईटी लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के शर्वन के कि कि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गराच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकती।

स्याक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा उक्से अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्याहै।

अन्स्**ची**

ण्लाट म० 10, जो, सी० टी० एप० नं० 417 श्रौर 418, विलेज वालबाय; श्रोर्लेस, मालाङ (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं0 अई-3/37ईई 187 8/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारो सहायकं भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 8-11-1985

प्रक्ष बाइं.टी. एन. एस------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-3, बमबई

बम्बई, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

स० अई-3/37ईई/18120/84-85:--ग्रतः मुझे ए० प्रशाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित कावार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सख्या फलैंट न० बी-65, जो, 6वी मंजिल, "मनाली" इमारत न० 4, म्लाट न० 48, 49, श्रौर 50, वालबाथ विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं श्रौर श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, आयकर बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे अधीन, दिस्तिलिखित ≪िक्सयों. संधात :--- मैसर्स मनाली कारपोरेणनः।

(अस्तरक)

 श्री नन्दिकिशोर डी० पुरोहित श्रीर अन्य। (ग्रन्तिरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचका सच्चित्ति को अर्जान को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के मझ किसित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

कर्मुची

फ्लैट न० बी-65, जो, 6वीं मजिल, "मनाली" इमारत न० 4, प्लाट न० 48, 49 ग्रौर 50, वालनाथ विलेज, मालाड -64 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि क स० गई-3/37ईई/18129/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद. यक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षग), श्रजी रोज-3, बम्बई

दिनाँक: 8-11-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक जायकर जायुक्त (पिरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-3; बम्बई

बम्बई, दिनौंक 8 नवम्बर, 1985 🎐

प्रसाद,

ब्रायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का आहरण हैं कि स्थावर समासि, जिसका अजित बाबार मृल्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० ए-404, जो, रूकेया पैलेस, सोमवार बझार, नामूने टाकीज कम्पाउण्ड के पीछे, सर्वे नं० 388/2, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रैजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985।

कृति पृत्रों असे सम्पत्ति को उचित वाकार मृन्य संक्रम को स्वयमान
प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वों कर संपत्ति का उचित्त
ाजार मृन्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से, एसे
स्वयमान प्रतिफल के वन्सह प्रतिचाद से विश्वक है
बार वंतरक (वंतरकों) और वंतरियों (वंतरितियों) के
वीच एसे बन्सरम के सिए तम पामा ग्वा प्रतिफल, निक्नितियिद्य
उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत
वृद्धों किया प्रमा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की दावत , उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक धे दायित्व में कमी करने या उत्तरो बचने में सुविदा के लिए; शौद/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम , वा धनकर अधिनियम , वा धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था का किया बाना चाहिए था , कियाने में स्विधा के निह;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं कें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की धपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-40—396GI/85

करमध्रली इन्टरप्राइईज।

(भ्रन्तरक)

श्री गोबिन्द महादेव गणधव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उत्तर संग्राणिक कर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप 😓

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीज है 45 बिन की सर्वित वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की ताजीज से 30 दिन की सर्वित जो भी अविध साव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीतः ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थः किमी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किय वा सकींगे।

न्यव्यक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो अक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा ग्वा है।

प्रनुसूची

प्लैट नं० ए-404, जो, रूकेया पैलेस, सोमवार बझार, बाम्बे टाकीज कम्पाउण्ड के पीछे, सर्वे न० 368/2, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

प्रनुस्ची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/18688/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज∽3, वम्ब**र्ह**

दिनाँक: 8-11-1985

बक्त बाहुं . टी. एतः हुदः

वाक्कर व्यक्तिवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के व्यक्ति क्वता

राज रखर

कार्यक्षर, बहायक नायकर नागृक्ष (निहासिक)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 8 नवम्बर, 1985

सं॰ भई-3/37ईई/18152/84-85:--मत मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-इट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस-का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सख्या फ्लैट नं० ए-304, जो, रूकैया पैलेस, सोमवार बझार, बम्बई टाकीज कम्पाउड के पीछे, सर्वे नं० मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करार नामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 1-4-1985!

को नुवंकित सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये वह विश्वात करने का कारण है कि बथापुर्वेक्त सम्बक्ति का उभित बाजार मृत्य उत्तर्ध करणमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का रम्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के सिए स्य पाया गया प्रतिक्य निम्मितियां क्यूबेस्य से क्या यन्तर्थ निर्मित्य में गस्तीकक रूप से कथिस नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरक से हुई किसी शाध की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन भार दोने के बन्तरक की खबिरव को कमी करने या उत्तरी वचने में बृविधा के लिए; शौर/या
- (श) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) का क्या विधिनवर, वा बन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पदा था या किया जाना वाहिए का, क्याने में अधिका के तिक्या

मतः नन, उनत निधिनियम, कौ भारा 269-न न नगुतरम म, उनत निधिनियम की भारा 269-म की नगापरा (1) अभीन, किस्निलिसित न्यम्बियों, जर्भात् है—— करममली इण्टरप्राइजेस।

(मन्तरक)

2. हुसैन एम० मियाँ काझी।

(मन्तरिती)

का यह सूचना पारी कारके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यनाहियां करता हूं।

ज्या प्रमारित में सर्वय के प्रमान्य में मोद्री ही शामीप्त-

- (क) इस सूच्या के ग्राव्यम् में प्रकारत की तारीत सं 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्याम की तामील के 30 दिन की नवीथ को भी ब्याम के स्वाप्त के स्वाप्त के मीत्र प्राप्त की के दिन्दी करिय द्वास:
- (क) इस ब्रावन के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर जनत स्थायर संपत्ति में हितबक्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के गम सिसित में किए जा सबोंगे।

स्थानिकरण: — इसमे प्रवृक्त शब्दों और पर्दों का, खांउ स्थ नियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ डोगा को उस नध्याय में दिया क्या है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० ए 304, जो, रूजैया पैलेस, सोमवार बझार, बाम्बे टाकीज कम्पाउण्ड के पीछे सर्वे नं० 388/2, मालाङ (प०), बम्बई-64 से स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ सं० प्रई-3/37 ह्याई/18132 हा 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, मजम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), स्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनक: 8-11-1985

्यक्रम् मार्वे : अर्थः । स्व.ः प्रसः -

कार्यकाड व्योधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

AUT HERE

कार्यानय, सहायक मायकर नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौक 8 नयम्बर, 1985 सं० ग्रई-3/37ईई/18210/84-85:--ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सक्ष्या फ्लैंट नं 502, जो, मालांड कोकील को ग्राप हाउसिंग सोसाईटी, इमारत नं एस-2, सुन्दर नगर, एस० वी० रोड, मालांड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1962 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिता में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी कड़ने या उत्तरे वचने में मुक्तिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिष्ट;

भतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्य[ा]रतयों, अधीत :—— श्री रोहीन्टन रूस्तम इरानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहन लाल गोगराज केडिया ग्रीर श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्स सञ्यक्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष नं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्पब्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट न० 502, जो, मालाड, कोकीत को आप हाउसिंग संसाईटी, इमारत नं० एस-2, सुन्दर नगर, एस० वी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के सं० ग्रई-3.37ईई/18210/84-45 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई हारा दिनाँक 1-4-4.5

ए० प्रवाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज~3, बम्बई

्दलाँक 8−11−1985 मो∂्रः प्रेरूप आहें. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्**क**ना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-3, बम्बई

सम्बद्दी, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

सं ॰ ग्रई-3/37ईई/18517/84-85:--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या माला न० 122 श्रार० सी० सी० जो 1 ली मजिल, मालाइ सोनल इण्डस्ट्रियल प्रिमायसे को० श्राप० सोसायटी लि०, रामचन्द्र लेन, मालाइ (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985 को पूर्णीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेश से उदस अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर रोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याक्तियों, अर्थात ---- 1. श्री रशिद मोहम्मद हमीदानी।

(अस्तर्ह)

2. एन० वज्जीरावे लू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उर्वेत्। अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the

माला न० 122 ग्रार० सो० पी०, जो, रेवि मंजिल, मालाड सोनल इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को० ग्राग० सोतायटो, लि०, रामवन्द्र लेन, मालाड (प०), बध्वई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैता कि क्र0 सं० श्र् $\frac{5}{2}$ -3/37ईई/18517/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रजाद सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रज-3 बस्कर्ष

दिनौक: 8-11-1985

मोहरः

प्रकृष वाद². टी. एत्. एत्. -----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रार्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

स॰ श्रई-3/37ईई/18364/84-85:--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उक्त अभिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-श्व को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहे से अभिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 24, जो मालाड निरंज को ० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मित चौकी, मार्जे रोड, मालाड (प.), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985।

को पूर्व कित सम्पत्ति के उपित काजार मूल्य से कम् के द्रव्यक्षान्
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वों क्त संपरित का उपित वाजार मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के निए; बार/था
- (था) एसी किसी आय. या किसी अन या अन्य प्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के, प्रयाजनार जन्में रहा अव्याग सक्तर नहा किया गरा वा या किया बाना वाध्यि था, ख्याने में सुविधा के किए;

कतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

1. श्री गुरमुख सिंह गुरपीप सिंह

(अन्तरक)

2. श्री डेविड वी० फिलिस।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकावन की तारींच है 45 विन की जविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविश, आं भी जविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- ं (क) इस भूषना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के रास तिखित में किए जो सकेंद्रे ।

स्वक्टीकरण: २—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा प्रिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अन्स्**ची**

फ्लैट नं० 24, जो मालाड तिरज के० ग्राप्त० हाउसिंग सोशायटी लि०, मित चौकी, मार्वे रोड, मालाड (५०), बम्गई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/18364/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बग्गई ढारा दिनाँक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए प्रताद सक्षमप्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिशाँक: 8-11-1985

प्रकथ बाइ .टो. एन. एस. ------

बायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्रई-3/37ईई/18166/84-85:--- म्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 12, जो 4थीं मंजिल, शिवम ग्रपार्टमेंट इमारत, प्लाट न 5 ग्रीर 6, लाला लाजपत राय रोड, गोरसवाडी, मालाड (प०), बम्बई— 64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985।

को ध्वाँकत सम्मित्त के उचित वाचार मृत्य से कम के कारवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाल्बोंकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, इसके कारवान प्रतिफल से एसे कारवान प्रतिफल का शृंख प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तम पाना कन वृतिकृत, निम्मीनिद्द अद्वेदेश से उच्छ मृत्यरण जिल्लिक में वास्तिकृत कम से कायत मृद्दी किया ग्वा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के िसए; जीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आधरार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री किरनभाई वालजीभाई गञ्जार।

(मन्तरक)

2. श्रीमती मुन्दरी देवी सुखदेव पुरोहित ग्रीर अन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्या संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में आई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी व्यक्ति ख्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीतरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

राज्य भी

फ्लैट नं० 12 जो, 4थी मंजिल, शिवम श्रयार्टमेंट इमारत, प्लाट नं० 5 श्रीर 6, लाला लाजपतराय रोड, गेरसवाडी, मालाङ (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई, 18166, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक: 8-11-1985

में/हर∶

प्रस्य बाहुँ हो पुन् हुब ----

भायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत राज्या

कार्यासक, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रजिंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/1807584-85 श्रतः मुझे ए॰ प्रसाद

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसवें इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार बन्च 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिलकी संख्या फ्लैट नं० 207 जो 2री मंजिल, इमार नं० बी 2/17, सी० टी० एल० न० 657 बी, भांडूप स्टेश (पूर्व) के पास, बम्बई-78 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिलका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खब्यधान् प्रतिफल के लिए जम्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार बृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया जबा प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्व में हास्सिक कम से कथित नहीं किया जवा है है—

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाब की बाबत, उस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दाविस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा अंतिए; और/
- ्चं एसी विसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए दा, छियान के सुविधा के सिए।

बक: बाब, उक्त जीभीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीभीनयम की धारा 269-च की रूपधारा (1) के अधीन, दैनम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् रू⊷ मैसर्स स्टार बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

2. न्नीमती एस० जी० पारेख ग्रीर भन्य।

(भन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके प्रविक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड वें 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्रिश किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 107, जो 2री मजिल, इसारत न० बी \rightarrow 2/17, सी० टी० एस० न० 657 बी. भांडूप स्टेशन (पूर्व), के पास, बम्बाई \rightarrow 78 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि ऋ सं० श्रई-3/37ईई/18075/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीद: 29-11-1985

मोह्रदः

१७७ वार्य्डी<u>. १५, १५ ८</u>०००० १०००

बायकर कपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) में अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय. सङ्गायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तुश्चर 1985
सं० श्रई-3/37ईई/18553/84-85---श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परपात् 'उस्त निधिनयम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सन कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 8, जो, तल माला, गार्डन क्ह्यू, डा० ग्रांबेडकर रोड, मुलुड, बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

करे पृथितित संपरित के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथाप्वित संपरित का उचित नाजार ब्ल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृशे दृश्यमान प्रतिफल दृश पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है जौर बन्तरक (मन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्वेषय से उच्त बन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किंगित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की वायस, उच्छे अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक ्षें दायित्व में क्सी करने वा उससे वचने में स्विधाः से सिक्; और/वा
- (अ) एंसी किसी बाव वा किसी वह वा करक नेवास्तिकों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा प्रकार प्रशिवस्थ, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया का वा किसा जाना चाहिए था कियाने में विवास के लिए:

बतः जब, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसर्क में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-य की उपधारा (1) है बधीन निस्तितिक व्यक्तियों क्रिक्ट :--- 1. श्रीमती दयाबेन रमेश ठक्कर

.(ग्रन्तरक)

2. श्री खेतणी नथूभाई गाला और श्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित को वर्षन को किए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उभर सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप 🚌

- (क) इस त्याना के रायपम में प्रकाशन की तारीख है.
 45 दिन की नवींच या त्रसम्बन्धी स्मतित्यों पर
 स्थान की तामीज से 30 दिन की संबंधि, जो भी
 अविध साद में समाप्त होती हो, के मीलदू प्रवेशिक
 स्मतित्यों में से किसी स्मतित व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहत्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें अयुक्त खुक्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्म होगा को उस अध्याव में विमा नवा हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं० 8, जो तल माला, गार्डन व्ह्रयू, डा० ग्रांबेडफर रोड़, मुल्ड, बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/18553/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

प्रकृष कार्य : स्थै : ११४ : ११४ : स----

- अभिकास कार्यक्ष १८८४ । १८४७ १८८७ - सम्बद्ध

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुभना भारत नरकार

कार्याजयः, सहायक नायकर अख्यतः (निरक्षिण)

म्रजैन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 1प्नबम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई०-3/37-६० ई०/18827/84-85--श्रतः मुखेप्ए० प्रसाद

नायक्य निर्माणन, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उका अधिनिकार' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, को पिएकार करा का कारण है कि स्थावर नम्पति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3ए, जो, 65ी मंजिल, कोंकण नगर, बी० एन० रोड़, भाडूंप (प०), बम्बई-78 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, बिनांक 1 अप्रैल 1985।

को पूर्वेक्न सम्परित के उत्तित बाबार मूल्य से क्रम के इच्छामान प्रतिफल के लिए बंदरित की गई है और मुर्फ वह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त नक्ष्यीत का उचित वाजार मून्य, ससके स्थ्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) से बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्मसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरका जिल्लित में वास्तिक रूप से कार्यन महीं किया गया है :--

- (स्त) जन्तरण संहर्ष किसी शास की बाबरा_ए अधल विधितवस की जधीन कर दोने के जन्तरक बी दायित्व में कमी करने ना उससे क्यमें में सविधा के लिए; और/प्रा
- (क) ऐसी निकार काय या किसी धन या जन्य सास्तियाँ करें. जिन्हों भारतीय काय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त लिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज असिरित द्वारा अस्त नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अवः, उक्त बीधनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 41—396GI/85 (1) मेसर्स सिटी विल्डर्स ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री ए० जे० सुर्ती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आहरी करको पूर्वोक्त अध्यक्ति को वर्णन की सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

बक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 किन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तायील से 30 दिल की अवधि, को और बवीय बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी स्पादनस पूराय;
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की तार्यों के 45 दिन के भीतर सकत स्वादा सम्मति में हितबहुध किसी बन्ध क्यक्ति इनाय अभोइस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए का सकतें ।

स्वश्वाधिकरण:---इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो क्या अधिनियम, को सभ्याय 20-क में यथा पहिए-आधिक हाँ, यहाँ वर्ष होगा, जो उन सम्बन्ध में दिया नमा ग्री:

मन्स्या

फ्लॅंटप्नं० 3ए, जो 6ठी मंजिल, कोंकण नगर,बी० एन० रोड़, भाडूंप (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि कि सं श्रई०-3/37-ई० ई०/18827/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनो ह: 1-11-1985

प्ररूप जाहाँ, ही, एक, एस, -----

श्रीमती बि० श्री कुमारी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन संजा 2. डा० के० बी० जोशी।

(ग्रन्तरिता)

भारत मरकार

कार्यासय, सहायक अध्यक्त शायकत (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 श्रम्तुबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/18556/84-85—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 65, जो, 65ों मंजिल, तिरूपित अपार्ट्रमेंट्स को श्राप हाउसिंग सोसाईटी लि०, देविदयाल रोड, मुलुड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 26 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत के उपत सीधीनयंश के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आसिसबों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अक्ल आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारी अकट नहीं किया गया ना वा किया जाना आहिए का कियाने में सुनिधा ने लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) जे के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्धन के लिए कार्यगितियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासीप ह---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये था सकारी।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यस हैं ॥

अनुंस्भी

पलैंट नं० 65, जो, 6ठीं मंजिल, तिरूपित ग्रपार्ट्रमेंट्स को-त्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, देबीदयाल रोड, मुर्लुड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37ईई/18556/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण ग्रजंन रेंजे~3. बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

मोहर 🤄

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायक्त (किरीक्षक) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 प्रक्तूबर 1985 निदेश सं० ग्रर्द-3/37—ईई/18744/84--85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी-31, जो 5 वी मंजिल, हर्षा श्रपार्टमेंट्स, डा० श्रार० पी० रोड, मुलुड (प०), बम्बई 80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उदित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथा पूर्वोक्त संपेति का बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्णिक नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उपल अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसले बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए:
- इत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !:--

1. श्रीमती पी० ए० अमीन।

(मन्तरक)

2. श्रीमती जी० पी० मोहील और भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्घन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत संपत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

फ्लैंट नं० बी-31, जो, 5वी मंजिल, हर्षा श्रपार्टमेंट्स, डा० श्रार० पी० रोड, मुलुंड (प०), बम्बंई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्राई-3/37ईई/18744/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 29-10-1985

प्रस्थ बाह्य हो . एत्. एस ुन-----

भागकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-स (1) के सभीन क्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 29 श्रम्तूबर 1985

निदेश सं० श्र8-3/37-६६/18725/84-85--श्रतः, मुझे; ए० प्रसाद,

भावकर निभिन्नभं, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसमें इसके पश्चत् 'उकत अधिनियम' कहा क्वा ही), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, लिंक टाघर, हिरा नगर, नाहर चिलेज, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका जरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विकत् सम्पत्ति के उचित नाजार भूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मोत्त का जीवत नाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाका नवा प्रतिफल, निम्निशिखत उद्देश्य से उच्च अन्तरण निचित्त में नास्त्रीकक स्थ से स्वीधत नहीं निका गया है :—

- (का) बन्हरण सं हुर्ष किसी आग की भावता, उपल अधिनियम के अधित कर दाने की बन्तरक के चायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जीधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, हिस्सुन में सुनुष्या को किए;

नतः नभः, उक्त निभिनियम की भारा 269-त के ननुसरण कों, मीं, उक्त निभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को सभीन, निम्मलिसिस क्योंक्तमां, नभूति :--- 1 मेशर्स हिरा नगर अन्स्ट्रक्शन

(मन्तरक)

2. श्री ग्रार० जी० मुक्ता

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना बारी करके पूर्वोजत सम्मत्ति, से वर्जन के तियु कार्यनाहियां कारता होतु।

उक्त तम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्सिय में किए जा सकींगे।

स्पब्हीकरणः -----दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुन्ती

दुकान न्० 3, जो, जिंश टाषर, हिरा नगर, नाहर विलेज मुलुंड (प०), वम्बई-80 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/18725/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रायक्त प्रायुक्त** (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 29-10-1985

प्रकृप नार्षः,दी.पुनः,पुनः,---------------

मेसर्स हिरा नगर कन्स्ट्रमशन

(भ्रन्तरकः)

मायक्र समिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

2 श्री भार० जी० शुक्ला

(भन्तरिती)

भारा 269:म (1) में भभीत मुख्ता

पाइत तरकार

कार्याजन, तहायक आयकर नागुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/18326/84-85--अत: मुझे , ए० प्रसाद,

नाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 /- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० दुशान नं० 2, जो, लिंक टाघर, हिरा नगर, नाहूर विलेज, मुलुंड (प०), वम्बई-⋅80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनीसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकृत के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिस्साच करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उपित बाबाउ बुल्य, उसके दरयमान प्रतिकास से ऐसे व्यवनान प्रतिकास का वसुद्ध प्रतिकत से विभिन्न है और अन्तरक (बन्बरकाँ) बौद्ध अन्तर-रिखी (बन्तरिसिटॉ) के बीच एसे बन्तरक के बिए तब बाबा बबा श्रीदिफान, निभ्नानिया उद्योग से उथ्य बनारण सिक्ति में नापुरुद्विक क्य से क्यूनिय नहीं क्यिन नवा है है---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधित्तम के वर्धीन कर देने के अन्तर्भ क शामित्य में करी कर्य का उसर्व उसर्व में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एवी किसा अव या किसी धन या मन्य सारिवासी को, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या वनकार विविवय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्दरियो ब्दास प्रकट नहीं किया तथा था वा किया ज्ञाना पाहिए या, जियाने में बहुतवा के जिए;

बत: अथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :---

को बहु सुचना आरी करके पूर्वीक्य सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनते संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी जाकोप हुन्य

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचनाकी तामील से 30 विन की जबिंध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;ः
- (वा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के श्रीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति दुवारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकैंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उन्नत विधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया मवा हैं।

दुकान नं० 2, जो, लिंक टाघर, हिरा नगर, नाहुर चिलेण, मूलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/18326/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रस सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3; बम्बई

दिनांक: 29~10~1985

प्रकार आहें ही पुर, पुर .-----

वावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की वाड 269-त (1) के वधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बद्ध, दिनां ह 29 प्रभत्तूबर 1985

निदेश सं॰ प्रई-3/37-ईई/18439/84-85---श्रतः मुझे ए॰ प्रसाद,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रभात 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्त वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से विभिक्त हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 2, जो, तल माला, गोषिद उद्योग भवन, बाल राजेण्वर रोड, माडेल टाउन के सामने मृलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करारनामा श्रामकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थित लक्षम प्रधिनारी के धार्मायम में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और बुक्ते यह विकास करने का कारण है कि गथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ज्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप है किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत., उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; बीड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्दुं भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध वन्तियों इवार्थ प्रकट महीं किया गया वा का किया आला भाहिए वा, जिन्ना में द्विवा के विद्युः

श्रद्धक श्रद्धक, उपने महिषियम की पहुरा 269-म के ममृत्यस्य में, में हैं, क्या प्रियमियम की भाए 269-य की नवभाग (1) के अभीन, निम्नलियिस व्यक्तियों अभीत् १---

1. मै० इंडो सायमन एजेंसी

(अन्तरक)

2. मेसर्स मेटल इंजीनियर

(अन्तरिती)

को यह सुचना बादी कारको पूर्वोकत सम्मृतित के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां बुक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूजना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि अद्य में समस्य होती हो, के भीतर प्रविक्ष मानिता में से जिसी स्थानत ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पाझ सिचित में किए था सकोंगे

बनुसूची

यूनिट नं० 2, जो, तल माला, गोविंद उद्योग भवन, वाल राजेश्वर रोड, माडेज टाउन के सामने, मुलंड (प०) बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/18439/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधकारी सहायक अायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांदा: 29-10-1985

मोहर 😗

ब्रक्त अहाँ दौ एन एक अन्याननाम 1. श्री श्राय० जे० धवन।

(अन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के शभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिक) श्रर्जन रेंज 3, बम्बद्दी

बम्बई, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० प्ररी-3/37-११/18836/84-85---- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर मीर्धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा एसा हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000 / ∽ रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 31, सुनील "ए", सुलसीराम को-म्राप ० हाउसिंग सोसायटी, कम्पाउंड देवीदयाल नगर मुलुंड (प०), बम्बई 80 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269इ, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिस्त से अधिक ही और जन्तरक (जन्तरका) बीच अंतरिती (गंतरितियाँ) के गीप एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखिस उच्चेश्य से उच्य अंतरण सिखित में बास्त्रीयक रूप से कवित नहीं किया बबा है है---

- (फ) नंतरम वें हुई किसी नाम भी गायलः अस्य अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्यक के वायित्व में कामी कारने में उत्तर्भ बचने में स्विधा को सिए; कहि/बा
- (च) एसी किसी भाग या किसी धन वा अन्य जास्तिकों **का, जिन्ह**ें भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922(1922 को 11) या उक्त अधिनिजम, या धम-कार **अधि**नियाल, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नका था या किया जाना चतिहरू था, छिपान में रुपिया में विद्

नतः वन उक्त अधिनियम का भाष्य 26,3-स के अनुसर्क को, को, उक्त समिनियम की बारा 269-थ की उपपादा [1] अ अभीत्र निम्बनिषित उपनितयों () वर्षात् ६---

को वह स्थाना बारी कहन्त्रे गुर्वोक्त संपरित के वर्षन भी निए कार्यवाहियां करता हो।

2 श्री कें० कें० संघवी।

इन्सा सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कुर्दि भी बाक्षेप :---

- (क) इस रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस से** 45 विन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर त्यान की तानीस से 30 विन की स्वधि, को औ जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (थ) इस स्वता के राजपत्र में प्रकायन की तारींच से 45 दिन के भीतर उन्ते स्थावर सम्पत्ति में हिसनदभ कि:सी जन्म व्यक्ति दुवारा, जभोहस्ताक्षरी 🕏 पास निक्ति में किए का सकति।

स्वभ्योकरणः---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्यो का, वा उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा के जस अध्यास में **दिया** ्या 🗗 🤅

श्रनुसुची

फ्लैट नं 31, जो, सुनील "ए", तुलसीराम को-श्राप हाउपिंग सोशायटी, कम्पाउंड देवीदयाल नगर, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

थ्रनुर्सूची जैसा कि क० सं० थ्र**ई-**3/37**-ईई/188**36/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनोत्तः - 29-10-1985

प्रकृष बाह . टी. एन्. एक . -----

बायकर गुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) के बधीन बुवना

भारत बहुकाइ

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निकीक्रक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/18852/84-85-अत: मुझें ए॰ प्रसाद,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के वधीन तक्षम प्राधिकारी की, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थायर संवीरत विश्वका उपित वाचार ब्रुक्ट

1,00,000/- छ. से बिधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो, 2री मंजिल, टावर
ए, गोवर्धन नगर, एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड (प०);
बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में
ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1-4-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार गृस्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और गुन्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रतेक्त सम्पत्ति का उचित बाचार गृन्य, उसके अध्यमान प्रतिकल से एसे अध्यमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिबद से बहुँचक है बार अन्तरक (क्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे बन्तरन के लिए तय वाबा गया प्रतिकल, जिम्बिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिबित में बास्त्विक रूप से कवित्र प्रदेशिक गया है है

- (क) नृत्वरण वे हुए जिली सन की वान्त्र है जाव विश्वित्रक के वृत्तींच कर दोने के बंधरक के दारित्य में कार्य करने वा क्सले न्यून में सुविका के किए; और/वा
- (क) होती किसी नाम वा किसी वन वा सन्य वास्तियों को , जिल्हें नारतीय नामक ह नीर्यों वयस , 1922 (1922 का 11) या उन्तत नींपनियम, या धन-कर निर्मायम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा था वा किया जाना चाहिए था, जिलाने में स्विधा के विष्टुः

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् के 1. श्री हीरालाल पिछा।

(अन्तरक)

2. श्री एस० आर० गुप्ता।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी शारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध भें कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इब क्षा के उपन्यत् में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवीं या तत्त्वंभी व्यक्तियाँ पर सुचना की तासील के 30 दिन की वनीं को भी जबकि बाद में समाप्त होती हो के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की टारीन में 45 विश्व के भीवर उसत स्थायर सम्बद्धि में हितम्ब्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अ्थोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए वा सकेंचे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

दम्स्थी

फ्लैंट नं० 7, जो, 2री मंजिल, टावर ए, गोवधैन नगर, एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-र्ई/18852/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है $\sqrt[3]{}$

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3; बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

मोहरः

प्रचल बाह् . टी. एन. एस. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/18436/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम उन्तर अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269 ख ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी सं० यूपिट नं० 3, जो, तल माला, गोविंद उद्योग भवन बाल राजेश्वर रोड़, मुलूंड (प०) बम्बई-80 में स्थित है (प्रांर इससे उपाबक्ष अनुसूची में प्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रांर जियका करारपामा आयकर अधिनियम अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. जिम्मितिछित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में सास्तिषक कप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वैं दाविस्त में की करने वा उसने वचने में ≪्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, यर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हथिशा के जिए;

मेसर्व कु इंडो सायमन एजेन्सी ।

(अन्तरका)

2. जनरल ख़ास कम्पनी प्रायवेट लि॰।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्द सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस त्या के राज्यत्र के प्रकारत की दारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिश-बहुध किसी कत्य स्थावत प्रवारा, अधोतस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सन्तेंगे

स्यव्यक्ति एण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्क कि भ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ डांगा. थो उस अध्याय में दिया नवा। है।

धनुसूची

यूलिट नं० 3, जो, तल मारा, गोबिंद उद्योग भवम, बाल राजेण्वर रोड़, मुलूंड (५०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37-ईई/18436| 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रसाद सक्षम श्राचिकारी सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, यम्बई

विलोक: 29-10-1985

मोहरः

प्रकप माइ टी.एन एस -----

बायकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बुधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-,स्बद्ध

बम्बई, दिनांक 29 अस्तूबर 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/18527/84-85मे

ए० प्रसाद,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं०7 जो,सलमा
महल इमारत आंद्रवैंक केसामने,एम० जी० रोड़,
मुलूंड (प०) बम्बई-80 मेंस्थितहै (ग्रांससेउपाबद्ध
अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रांर जिसकाय
करारमामा आयकर अधिभियम, 1961 कीधारा 2 69क,
ख केअधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल
मेरि जस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथागप्रवेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के जन्मह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त नंतरण निवित्त में वास्तिकिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की वाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के स्वविस्थ को कनी फरमें वा उचने स्थान में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मै॰ पिकांक कन्स्ट्रयमम कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री एम० आर० रवासिया।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविश है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

बनसची

दुकान नं० 7, ,जो, तल माला, मयूर महल इमारत, आंघ्र बैन्क के सामने, एम० जी० रोड, मुलूंड (प०), धम्बई—80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18527/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षमप्राधिकारी स**हायक प्रा**यकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिमांक: 29-10-1985

प्रकप् कार्य हो , एन , एख , -----

भागकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थाना

1. मेसर्स देवीदयाल स्टील इंडस्ट्रियल प्रायवेष्ठ लि० (अन्तरक)

2. मेसर्स वि० पी० इंजीनियरिंग वक्सं

(अन्तरिती)

भारत संस्कार

कार्यांसक, सहायक बायकर शावुकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिःतीक 29 अक्तूबर 1985

जिदेश सं० अई-3/37-ईई/18366/84-85--यतः मुझें, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु निष्ठास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० माला नं० 79, जो, तल माला, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, पी० के० रोड, मुलूड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजत हैं), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4~1985

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-द्वीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्त्र में कमी करने या उसके सचने में सृष्ण्या के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्क अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अतन जाहिए था, छिवाने में सुविधा के हिल्ए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- को वह सूचना जारी करके पृक्षेत्रक सन्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां अस्ता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शर्पाण से 45 दिन की जबिश मा तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर दृष्ट्या की ताशीक्ष्त से 30 दिन की क्यिश, जो भी वर्मीण बाद में सम्बद्ध होते हो, के भीतर पूर्वीण ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वापकः;
- (क) 'इस सूचना के पालका में प्रकारका की सारीक से 4.5 दिन के भीकर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ फिकी अन्य व्यक्तिय क्वारा अधोहत्ताक्षरी के पात निर्वासत में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इक्सें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त किय-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, कही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्गस्थी

माला नं० 79; जो, तल माला, राजा इंडस्ट्रियल इंस्टेंट, पी० कें० रोड, मुलूंड (प०), अम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37-ईई/18366/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-4-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनोक: 29-3-1985

मोहरः

प्रकृप आई.सी.एन.एस्.,-------

सापकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊢3, बस्बई

बम्बारी, दिनोंक 29 ग्राम्तूबर 1985

निदेश सं॰ भई-3/37-ईई/18524/84-85---- प्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.60,000/- उ. सं अधिक हैं

भीर जिसको सं० भीशोगिक यूनिट नं० 55, जो 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (भोर इतसे उपाबब अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा श्राधकर अधिनियम, 19 61 की धारा 26 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्यंक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्रि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीय, निम्निविश्वित व्यक्तियों, बर्धात् :— 1. मै० राजा बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. मेसर्स शामा इंटरनेशनल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर रापित में हितब्युष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

धौधोगिक यूनिट नं० 55, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सर्ध-3/37-ईई/18524/84-85 शौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रावुका (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, धम्बई

विनांक : 29-10-1985

मोह्रः:

एस्य बार्च, टी. १२, १४.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

तारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 29 अन्तूबर 1985

निषेश सं ॰ श्रई-3/37-ईई/18283/84-85--- प्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० यूनिट नं० 70, जो 1ली मिंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, पुरुषोत्तम खेराज रोड, मुलुंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (ग्रीर इसते उनावक अनुसूनी में म्रोर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा मायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्रबंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए स्य वाया गया प्रतिफल निम्निविधित उद्देश्य से उन्त बर्णण सिख्य में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है द्र---

- (क) मनारण भ हुई किसी माथ की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीन कार दोने के अन्तरक की बायित्व में कभी करूने या उत्तर्ध क्याने में सुविधा के नित्तर, और/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतंः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह ु— श्रीमती हंसा वसंत शहा भीर भन्य।

(घन्तरक)

2. मेससं रूपम इंटरप्राई

(भ्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोच्छ सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

धनत् सम्पृतिः के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाधन की तारीच दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, वो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा थी उस अध्याय में दिवा गवा हूँ।

धनुसूची

यूनिट नं० 79, जी 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, पुरुषोत्तम खेराज रोड, मुलंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-3/37-ईई/18283/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद समम प्राधिकारी सहायक भागकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जनर्रेज-3, वस्वर्ष

दिनौंक: 29-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करे भारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 29 प्रक्तूबर 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/18833/84-85--- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 11, जो, प्लाट नं० 48, कौजूर को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जितका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पृत्रोंकत सम्मित्त को उचित बाजार मृत्य से कम को दूरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बन्दार मृत्य, असके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) सन्तरभ संहूप किसी बाब की धावत, उनस इधिनियस के सभीन कर दोने के कल्डरबा के स्वियत्व से कभी करने या उससे बचने के स्विधा के सिए: और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ∵े 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियं, अर्थात् ः— मै० माडर्न बिल्डर्स.

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० ग्रार० दत्ताराम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग करता हुं।

उथल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासंध ६---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण --इसमं प्रयुक्त क्रव्यो और पदा का, जा उक्त अपिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में विका स्या है।

अनुसूची

पजैट नं० 11, जो प्लाट नं० 48, कांजूर को-म्राप० हाउसिंग सोसायटा लि०, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है। ग्रनुस्वी जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/18833/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक: 29-10-1985

मोहरः

प्रकृष शाह .टी. प्न. एस. प्रवासन्तरमान

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में बधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षक)

प्रजीन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवस्वर 1985

निदेश सं ० ग्रई-3/37-ईई/18231/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया तूँ), की भारा 269- व के मिथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर संपरित जिसका तथित नावार मूं

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, श्याम नगर, इमारत नं० ए/2-15, सी० टी० एस० नं० 657-ची०, भांडूप स्टेशन (पूर्व), के पास, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्थी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की भारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1--4-1985

हो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कस के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं। और माने पह विवश्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित आवार मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एमें रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के सिए त्य पामा म्या प्रति-कल मिन्निनिक्त उच्चेदम से उकत अन्तरण लिक्तिस में बास्य-विक रूप हो कथित महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय करी वावत उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सृविधा के लिए; कार/या
- (हा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या हेक्त अधिनियम, मा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट कहीं दिया बना वा किया कीना चाहिए था, रिपान में सर्विषा की लिए:

सतः सन, अकत सीमिनियम की ाप 269 ण के वगुरूरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- 1. मेसर्स स्टार बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. श्रीमती जे जे केनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्ट के अर्दन के किस कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवस्ता;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ब 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्मित्त में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब्द विश्वित में किए वा सकीं।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिश है, वहीं अर्थ होगा जो जस सध्याय में विका नगा है।

अनुसूची

बुकान नं० 11, जो ध्याम नगर, इमारत नं० ए। 2-15, सी० टी० एस० नं० 657-बी०, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/18231/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) भजंन रेंज-3, ज-सम्बद्ध

विनोक: 7-11-1,985

माहर 🖫

प्रक्प बाई . टो . एवं . एवं . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत सरकाश

धार्यासय, सहायक नायकर मायक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बर्श

बम्बई, दिनांक 29 धक्तुबर 1985

निदेश सं० घई--3/37 ईई/18118/84--85----- भतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उसत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं एफ-6, जो गोवर्धन नगर
1ली मंजिल, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुंड (प०),
बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से एसे दृश्यमान प्रितिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गित्फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बाग्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के दिसए; कॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के निए।

बण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधान्त (1) वे अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— 1. श्री धी॰ धार॰ मभाप्रकाश

(प्रन्तरक)

2. श्री वि० मुथुक्रीणनन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिभ या तन्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ एफ--6, जो, गोवर्धन नगर, 1ली मंजिल, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुंड (प॰), बम्बई--80 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० स० प्रई-3/37-ईई/18118/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंग-3, वस्बई

विनोक। 29-10-1985 मोहर। प्रस्य बार्च. टी, एन, एस,------

बायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—व (1) के प्रधीन सूचनः

शारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आवकर नायक्त (निरीकान)

श्रर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/18434/84-85---श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निरवास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो 1ली मंजिल, बी-विंग, इमारत नं० वाय, अघाडी नगर, दर्गाह रोड, ग्रॉफ **आग्रा** रोड, भांड्प (प०), बम्बई--80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के इक्समान प्रतिकास के लिए कम्परित की गई है और मुक्ते यह विस्तात करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाकार भुष्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दश्यमान प्रतिकास का पन्ना प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंहरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्पलिखित उद्बोध्य से उ∂ता जंतरण **विशेखक मी** वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 💕 :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बावन उक्त श्रीध-नियम के संधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य जी कमीक रनेवाउत्तरीयचने में स्विधार्की किए; बरि/या
- (च) एंसी किसी जान वा किसी पन वा अपन नास्तिवाँ को जिन्हां भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वर्ष कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुर्देवधा वे विष्:

अच्च: अब उक्त अभितियम की भारा 269-न के अनंधरण

लं, बें, शब्द अधिमित्रम की भारा 269-व की उपधारा (1) ले क्योन, निज्मीनि**वद व्यक्तिको, क्यां**स

43-396GI/85

- 1. मै० भ्रवाडी हाउसिंग प्रोजेन्ट प्रायवेट लि० (अन्तरक)
- 2. श्री मन्सूरश्रली एस० खान

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सन्मतित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासपे :--

- (क) इस सूचना के प्राचपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी वनि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस ब्यान के रायपन में प्रकासन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी की रान सिवित में किए वा बकेंबे।

स्पच्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बभ्जाय 20-% में परिभाषित हैं, यही कर्य होगा, जो उन्ह अध्याय में विया गंबा है।

श्रनुसूची

फ्रॅंट नं० 3, जो 1ली मंजिल, बी-विंग, इमारत नं० वाय, भ्रवाडी नगर, दर्गाह रोड, औंफ श्राग्रा रोड, भाड्प (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

म्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-3/37-ईई/18434/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 29-10-1985

मोहर।

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1985

निवेण सं० श्रई-3/37—ईई/18749/84-85—श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/104, जो 1ली मंजिल, संजय प्रपार्टमेंट्स, मिठागर रोड, भाडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिन्तियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायिलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्वोंक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से एसे द्रवमान प्रतिकल का पंद्रह् प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्टिबिझ हुए स कि श्रत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः उस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) की अधीन, जिम्लोलियन व्यक्तिस्यों, अधीत क्लान 1. श्री एस० एस० बोराडे

(अन्तरक)

2. श्री एम० एस० नाभवण

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कदा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाणित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रन्स्वी

फ्लैंट नं॰ ए/104, जो 1ली मंजिल, संजय भ्रपार्टमेंट्स, मिठागर रोड़, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-3/37-ईई/18749/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

प्रकृषादै,ठी.पन्,पस्,------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत चुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रजन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 प्रक्तूबर 1985 निदेश सं० अई-3/37–ईई/18130/84–65––प्रतः मुस्रे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संब खला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे

और जिसकी सं खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 19, एच नं 7-बी , विलेज मुलूंड (पूर्व), सी टी एस नं 421, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ब्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,ख के अधीन,

वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ना के दूरममान प्रतिकास के लिए अन्तिरत की गई है जौर मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरममान प्रतिफल से, एसे दूरममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषिय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने वा उद्यव्य बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतंत जव, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण वें, में, उक्त जिमियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीत, निम्नलिखित व्यक्तिवों, अर्थाख्य-- 1 श्री के० जे० कावले और भ्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० के० सबनीस और भ्रन्य

(म्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्यो

खुली जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 19, एच० नं० 7-बी, विलेज मुलूंड (पूर्व), सी० टी० एस० नं० 421, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई- $\cdot 3/37$ —ईई/18130/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज⊸3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

शास्य बाई.टी.एन.एस.

भायेकर मौधीनयम. 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत संस्कार

कंबिनंद, बहार्यक बार्यकर बार्यक (निर्दाक्ति)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 29 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/18778/84-85---भ्रत: मुझे ए० प्रसाद,

अधिकर अभिगियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की बारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्परित, विश्वका अधिक बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, श्री लक्ष्मी सदन को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जी० वी० स्कीम रोड़र नं० 2, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में रिष्यत हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

कायालय में राजस्ता ह, ताराख 1-4-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार क्रम ते कम के दक्यमान
पतिफल को निए कन्तरित की मई है और मुक्त यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाकार
मूख्य, उत्तक स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का
नन्द्रहें प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीथ देते अन्तरक के निए तब पावा
पत्रा प्रतिफल, निम्नसिवित उत्तरक से उक्त अन्तरण निवित्त
को नास्त्विक स्म से क्रिया गईरी किया पत्रा है है----

- (क) अन्तरण सं हुर्इ किसी जात की बाबत उक्त अभि-नियम को वर्षीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को सिए और/वा
- (थ) एसी किसी बाम वा किसी धन वा बम्स कारिसकों को, जिन्हों भारतीय नामकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या धन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ नस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

नतः सन, उसतं सीधीनयमं की धारा 269-न के अनुसर्धः तं, ते, उसतं अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलियतं व्यक्तियों, अधीन;—— 1. श्रीमती डी० के० शहा और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती के० एस० नाईक और श्रन्य

(भन्तरिती)

का वह भूषना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप ह---

- (क) इस व्याप के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 4.5 विम् की भवीं मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात की ताबील से 30 दिन की जनिंग, जो भी जविंग वाल में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगए;
- (क) इस तुकान के राजपत्र में प्रकावन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारां, अथोहस्काक्षरी के शास सिवित में किए जा सकोंने।

स्वाकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पदों का, वो अकतः विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं वर्थ होगा जो उसे अध्याय में विधा गया है।

अन्सूची

वुकान नं 4, जो, श्री लक्ष्मी सदन को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, जी० बी० स्कीम रोड, 2 मुलुंड (पूर्व), बम्बई-400081 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/18778/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~ 3, बस्बई

दिनांक: 29-10-1985

प्रकम आई. टींड एंगड एक्ट्रक्टरक

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

मारत तरकार

कार्यातयः, सहायक बायकर बाय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रॉज-3, बम्बई

बन्बई, दिनांक 29 ग्रक्तुबर 1985

निदेश सं० अई--3/37--ईई/18536/84--85---- अत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00000/-रतप्ये से अधिक हैं

और जिसकी सं० य्निट नं० 59, जो, तल माला, गांति इंडस्ट्रिरयल इस्टेट, एस० एन० रोड़, मृलूंड (प०), बम्बई--80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रारिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाः) के श्रीच एंसे अन्तरण के लिए च्यापाया गया #तिफस, निम्नसिचित उद्वर्षय से उद्दर अन्तर∿ सिचित शास्त्रिक रूप संकथित नहीं किया'गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाब की बाबत उक्त विव-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कं लिए, और∕या
- (ड) एरेसी किसी अप्य या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत मिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा की लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निश्नलिखित व्यविक्रमी, अर्थांक् 🚛

1. मेसर्स टिका बिल्डर्स (बाम्बे) प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)

2. मेसर्स हर्षा ग्रारोमेंदिक्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील सें 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परिए में हितवद्य किसी मन्य स्पवित दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

लब्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

युनिट नं 59, जो, तल माला, गांति इंडस्ट्रियल इस्टेट एस० एन० रोड़, मुल्ड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। ग्रन्मची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/84-85 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायकत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक। 29--10-1985 मोहर ।

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1985

निवेश सं० भ्रई-3/37-ईई/18776/84-85---भ्रत. मुझे, ए० प्रसाद,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, केतकी श्रपार्टमेंट, जी० बी० एस० रोड़, नं० 2, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-82 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंजह प्रतिष्ठात स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आर्थ की बाबत, जक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के खिए:

अतः वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के वधीन,, निम्मशिक्षित व्यक्तियों, वधित क्ष्र 1. मेसर्स केतकी कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स पाम सर्विसेज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जार करके पूर्वोक्त तम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दो और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुषुषी

दुकान नं 11, जो, केतकी श्रपार्टमेंट, जी विशेष्ट्र एसं रोड़, नं 2, मुलूंड (प०), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि० सं० ग्राई-3/37-ईई/18776/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

५० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

माहर

त्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासव, तद्वावक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/18811/84-85---ग्रतः मुझे,

कावकार निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) (जिले इतकों इकको परचात 'उन्त निर्धानयम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के सभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह निर्धात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से जीधक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, 104, जो, 1ली मंजिल, शिक्ति शापिंग सटर श्राफेंड, श्राग्रा रोड़, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्स्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करान्त्रशा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रामान पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण डे हुई िकती बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में वर्णक्रम के शिक्; बीह्र/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था हिए था, फिलाने के प्रिथम के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. मेसर्स तोलाराम एण्ड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० बि० ओ० ए० जैन संघ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां सुक करता हूं।

जनत संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट क्योंक्तयों में से किसी क्योंक्त द्वातः;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थानीकरण: - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिविषद, के स्थान 20-क में प्रिकाधिक ही, वहीं नर्थ होगा को उन अध्याय में सिका नवा है।

मनुसूची

प्लैट नं० 103, 104, जो 1ली मंजिल, शिक्स शापिंग श्राकेंड, श्राम्ना रोड़, भाड्प (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

ग्रमुस्ची जैसा कि कि सं $9\sqrt{3} + 3\sqrt{37} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज⊶3, **बम्बई**

दिनांक: 29→10-1985

मोहर 🕚

प्ररूप नार्धाः टी. एन., एस. ------

वायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तुबर 1985

निदेश स० श्र**१**→3/37→**११**/18767/84-85-⊶श्रतः मुझे' ए० प्रसाद,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न् 62' जो, तल माला, विना नगर, एल० की० एत० भाग, मुलंड (प०), बस्ब है-80 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधि-नियम, 1961 की धारा 269%, ख के ग्रधीन, बस्ब हैं स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के और अंतरिक (अंतरितयों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धृद्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अस, उक्ट किपिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियय ही धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नोलिसत स्योक्तियों, वार्थात् :---- 1 श्री महावीर इंटरप्राइसेस

(प्रन्तरक)

2 श्री एत० एव० मानचंदा

(अन्तिर्ती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुशान नं० 62, जो, तल माला, विना नगर, एल० वी० एस० मार्ग, मुलंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रंई-3/37-ई र/18767/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽3 बस्क्षर्र

दिनोक: 29-10-1985

मोहरः

वक्य बाह्रं हों हुन् पुष्का -----

भावकर निधितियन, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के नधीन स्वता

HIEG BERIE

'आयां सर्व , बहायक आयकार जायुक्त (निर्द्धाकार)

मर्जन रेंग-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 म्रक्तूबर 1985 निदेश सं० भ्रई-3/37-ईई/18433/84-85--मत: मुसे,

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

बार जिसकी स० पर्लंड नं० 4, जो, 1ली मंजिल, एविंग, इमारत वात, आघाडी नगर, दगीह रोड़, आफ आग्रा
रोड़, भांडूप (प०), बम्बई-78 में रियत है (और इससे
उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसदा
करारनामा आयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 269क
ख के अधीन, बम्बई रियत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ही है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्ट संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से एसे बस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हूर्य किसी नाय की नाक्त, उक्त कथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में केमी करने मां उससे नवने में सृतिधा के जिए; और/या
- (थ) रंनी किसी बाध या किसी धन या कम्य बास्तियों कों, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के तिए;

मैं० धाषाडी हाउसिंग प्रोजेक्ट प्रायवेट लिमिटेड।
 (धन्तरक)

2 थी पाय० जेड० वेली

(भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपन में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में निए जा सकेंगे।

लक्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धमुसुची

फ्लैंट नं० 4, जो, 1रली मंजिल, ए-विंग, इमारस नं० षाय, श्रावाडी नगर, दगीह रोड़, श्राफ श्राग्रा रोड़, भाड़प (प०), बज्बई-78 में स्थित है।

अनुसूनी जुना कि कि स् म् अई-3/37-ईई/18433/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राविशारी सहायक धावकर धावुषत (निरीक्षण) धर्जन रज-3, बम्बई

दिनींश: 29-10-1985

मुक्त नाइ दी एन एक अन्यतननन

भाषकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत वरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

िनदेश सं० **अई**⊸3/37~ईई/18742/84~85⊶-श्रतः मुझे, • प्रस्ताद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 2, जो, तल माला, कैलास कामणियल काम्पलैक्स प्लाट सं० 1 (अंग), एच० नं० 1, एस० नं० 1, हरियाली निलेज, निकोली बम्बई--79 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयगर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बिकिस के लिए बन्तिति की गई हैं और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि संशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्सह प्रतिदात से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंति रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा बना प्रतिकल निक्निसिंदा उद्देश्य से उक्त बंतरण निक्स में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त इभिनियम के अभीन केर देने के अन्तरक औ श्रीयत्व के कमी करने वा उससे बचने में सविधा के लिए: और/वा
- (क) एसे किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया थाना चाहिए था. खियाने में सुविधा के क्षिण ।

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में, इक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ध—- L मेसर्स माला उद्योग

(श्रन्तरक)

2. मेसर्से पदमशिल (ट्रेडर्स एण्ड एक्सपोर्टस) प्रा० लि०।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रजीवतः सम्पत्ति को वर्षन के सिक् कार्यनाहियां सूक करता हूं।

अवत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोद है-

- (क) इस ब्रच्या के राजपत्र वाँ प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियाँ पर स्वान की तामी स से 30 दिन की अविधि, जो और नविध बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वमा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

मन्सूची

यूनिट नं० 2, जो, तल माला, कैलास कामशियल कामप्लेक्स, प्लाट सं० 15 (अंग), एच० सं० 1, एस० नं० 1, हरियाली विलेख, विकाली, बम्बई-79 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० ध्रई-3/37–ईई/18742/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–4–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाष सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-3, बम्बई

दिनोंक: 25-10-1985

प्रकृत नार्**ं** हो_{ं प्}र्वेश पुर्वेशकारण

🕳 1. मेहर्स स्टार बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. श्री कें । द्वार० गांधी

(अन्तरिती)

बावकड वृधिनियन, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

TING TERMS

कार्याच्य, बहुनक बायकर बायुनक (विद्वालक)

म्रर्जन रेंश-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 नचम्बर 1985

निवेश सं० ग्रह्म-3/37-ईई/18265/84-85--प्रतः मुझे , ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर स्मात्, जिसका बीच्छ वाचार कृष्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं दुकान नं 4, जो, स्थाम नगर, इमारत नं बी/3, सी टी एस नं 567-बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है); और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्टी है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्र शितकत के सिए बन्तरित की पृष्ट हैं और मूझे वह विश्यास करने का कारण हैं कि युधापूर्कोंक्त संपरित का विचित्र बाजार बृत्य, उसके स्वयंत्रान प्रतिकत्त से, एसे स्थ्यंत्रान प्रतिकत का पंक्र प्रतिकत से सीधक है और बन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्त्रितिकों) के बीच एसे बन्तर्क के सिए तब पावा ब्वा इतिकत, विम्नितिकां उद्देश्य से उच्छ बन्तर्क कि बिल् में वास्त्रिक क्य से क्षित नहीं कि वा पंषा हैं हम्म

- (क) क्यारण वं हुन्दं किशी काल की वसका काव क्षिपतित्वस वे वधीन कर वार्वे के कावहरूक वी सामित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के सिए: बार/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिकों का, विवह भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सुविधा के खिए;

चन्द्रः स्थ, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुस्रण दें, से उन्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (१) दें वधीन, निम्नीमियतं व्यक्तियों, वर्ष्यं अल्ल को यह तृषया भारी कारकै पूर्वेत्य कम्परित के वर्षय के जिल्ल कार्यवाहियाँ एक करता हैं।

रक्त सम्बन्धि से सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाजोप ह—

- (क) इस स्थान की राज्यम् में प्रकाशन की दार्शिय के 45 दिन की अमिथ ना तत्कम्थन्ती स्वितित्यों पृष्ठ सूचना की तामीया से 30 दिन की नविभ, को भी स्वृति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वित्यों में से किसी स्वृतित् द्यास;
- (व) इस त्वा के राजपन में प्रकाशन की तारीय है
 45 पिन के भीवर उक्त स्थावर सम्मति के शृहतक्ष्म
 किसी सम्म व्यक्तित इसाय समोहस्ताकारी के बाब
 लिखित में किए जा सकरो।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पद्यों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह"।

धन्सूची

दुकान नं० 4, जो, स्थाम नगर, इमारत नं० बी/3; सीं० टी० एप० नं० 567-जी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर प्रई-3/37-ईई/18265/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज⊶3; बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाह् ु दानु एवनु एवनु व्यवस्थ्यम्

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाद 269-न (1) के बमीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक बायकर बायकत (निर्दाक्तण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/18814/84-85----ग्रतः, मुक्के. ए० प्रसाद,

हासकार योधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो 5वीं मंजिल, डी-विंग, इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इस्ते उपाबद्ध अनूसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेरह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- चिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक खैं दायित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के निए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने वे विषय के लिए;

कता वन, उक्त विधितियम की भारा 269-ग के बन्धरण में, में अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) पारूल इंटरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० के० ढेबर घीर धन्य।

(प्रन्तरिती)

को यह जुलना जाड़ी कड़की पृत्रों नद्य सम्पृतित के वर्षक के दिस्य कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त बन्दित् के वर्षन् है सम्बन्ध् में कोई भी बाखेर्य--

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकारन की तार्डी ह है 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की खबिष, को भी वविष नाह में समाप्त होती हो, के शीत्र पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ष्टितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभृतियम्, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

धन्सूची

फ्लैट नं० 4, जो, 1ली मंजिल, डी-विंग, इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

धन्सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/18814/84-85 ग्रीर जो शक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **पा**यकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) **प**र्जन रेंज-3, **बस्बई**

दिनोक: 5-11-1985

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन समुना

सारत सहकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० धर्६-3/37-ईई/19325/84-85—आदः मुझे, ए० प्रहाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धीर जित्तकी सं० पर्तेष्ट नं० 1, जो, 5वीं मंजिल, सी-विंग, इमारत नं० 6, दामींदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाट-कीनर (प०), बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसुवी में और पूर्ण रूप से विणित है), धीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के भवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-4-1935

को वृतोंक्त सम्पित्त को उचित बाजार मृत्य से कम के रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य वाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिपाने से स्विभा के लिए;

कतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के विनृत्रहरू में, में उक्त विभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विभिन्न, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह---- (1) पारूक इंटरप्राइज।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती के॰ एच॰ श्रहा धीर धन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना पार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कै वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

इक्द सम्मित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप्र-

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमना का राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाचिट ही, वहीं वर्ष होगा वो उस बध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लैट नं 1, जो, 8वीं मंजिल, सी-विंग, इमारत नं 6 दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं भई-3/37-ईई/18325/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रिजटर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भयुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-3, बम्बई

दिसांक: 5-11-1985

मोहरः

प्रस्पं बाह्ं हो टी प्रमुख प्रस्कुष्ट-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (जिरीक्षण) भर्जन-रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० अई/3-37-ईई/18183/84-85—अतः, मुझे, ए० प्रसाद

नायकए वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 6-डी, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायरुर श्रीधनियम 1961 की धारा 269क, ख श्रीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिनारी के वार्याक्ष्य में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-85

करे पूर्विश्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरग लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, छिपाने में सुविधा में सिष्

बता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हु- (1) मेहता एसोसिएद्स।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० राम प्रकाश प्रग्रवाल

(ब्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीकत, संस्पत्ति के सर्जन की लिए कार्यव (हियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुषूची

पर्लैट नं० 4, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बीं० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०) बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुष्त्री जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18183/ 84-85 श्रीर जो स्थाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधितारी सहायक **मायकर** प्रायुक्त (तिरीक्षण) **प्र**र्जन रोज-3, बस्ब**र्ड**

दिनांक: 5-11-1985

प्रकृष बार्ड ् टी. पुन् पुष् क्रान्यनगरम

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

शाउत संद्रकात

कार्यास्य, सहायक जायकर बायुक्त (जिट्ठांक्षण)

श्रर्जन रेंब:-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 25 धक्तुबर, 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/16543/84-85—प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- इ. सं अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० जी-3, जो, तल माला, सर्वे नं० 365, श्रीलंड मार्केट, वाकीला, स्रोताकूज (पूर्व), बस्वई-55 में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसक करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिष्ट्रिट्टी है, विनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम को अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए वरि/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने ये स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री रमश डी॰ धास्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नंदा एच० बोहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाडी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के वर्जन के निष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, का भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, को अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुषुची

फ्लैंट नं॰ जी-8, तल माला, सर्वे नं॰ 365, श्रील्ड मार्केट रोड, वाकोसा, सांसाकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-3/37-ईई/18543/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 की र्जिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रोंज-3 बस्बई

दिनांक: 25-10-1985

जन्म साइं<u>.टी.एन.एस...-----</u>

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

मारक सरकार

खार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

षम्बई, दिनांक 25 अक्तूबर, 8985

निर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/18794/84-85—अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- क अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 406, जो, 4थी मंजित, इमारत नं० 10, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (५०), बम्बई-70 में स्थित हैं (और इसते उपावत अनुस्ति में और पूर्ण रूप से विणत हैं) भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ट्री हैं तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्छ संपरित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण कि बिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- हूँक) अन्तरण से हुई किसी बाय की यायतः, उसत अभिनियम को अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्

अतः अध्य, दक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ को मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्थात् :--- (1) श्रीमती बिमलादेशी बैजनाथ गुण्जा

(अन्तरक)

(2) उमर लतीफ टोलें।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित्स के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ट्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगें।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 10, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली (प०) धम्बई-70 में स्थित है।

अनुस्वी जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18794/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिर्माक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) वर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

.प्ररूप **बाइ**. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1. 61 (1961 का 43) की भारा 269 म के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जीम रोंज-3, बम्बई

बम्बई-3, दिनांक 25 अक्तूबर, 1985 निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/18579/84-85---अतः, मुझें, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० यूमिट नं० 120, जो, 1ली मंजिल, शिव-फूपा इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं० 3, हरियाली, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

की पूर्वेश्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शक्तिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अतक द्रियमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिजत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) जीर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविता में बास्तविक रूप से कांभत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबरा, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;। और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैसधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक स्पितिवर्षों, अर्थात् ::—— 45—396 GI/85 (1) मैससे प्रकाश प्लास्टिक्स।

(अन्तरक)

(2) मैससं पायोभियर टैक्सटाइल इंडस्ट्रिज । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपद जिथितियम, के अध्याद 20-क में परिभाविश्व हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 120, जो, 1ली मंजिल, शिवकृपा इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं 4, हरीयाली, एल बी एस मार्ग, विकोली, बम्बई-8) में स्थित है। ि कि कि अई-3/37-ईई/18579/84-85 प्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 25-10-1985

मोहरः

शक्ष आहै,दी, पुन, एस. क्रान्टन्टन

वायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचेंंगा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 अक्तूबर, 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/18741/84-85—-अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है). की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने अब बारण है कि स्थायर संपक्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 100,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं यूनिट तं 3, जो, तल माला, कलास कर्माशयल काम्प्लैक्स, प्लाट नं 15 (श्रंश) एच वं वं 1, हरीयाली विलेज, बी एस मार्ग, विक्रोली, वस्बई-79 में स्थित है (श्रोर इससे उपावद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। सारीख 1-4-1985 को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान विकास के लिए अन्तरित की गई है

और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स बम्मोत्त का उचित बाजार मृत्य उसके श्रयमान प्रतिकल से, एसे अवनान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और और अन्तरितों (अन्तरितियों) के श्रीच अन्तरण के किए तम पाना गया प्रतिकल. निम्नीलिकित उद्देश्य से उक्त अन्त-एण सिक्ति में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी वाथ या किसी धन या जन्त आस्तिवरों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 कि 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती बुबारा प्रकट नहीं किया वंश या या किया वाना आहिए था,, कियाने में सुविधा में सिवा

चरात सब जनत निर्माणका की नारा 269-न से सम्बद्ध की, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है सभीत, निम्मीलिसित स्पन्तिकों, अधीत ल्यां

(1) मैसर्स माला उद्योग।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पदमणील (ट्रेड्स एण्ड एक्सपोर्टर्स) प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

का. यह तृष्या जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो यस अध्याय में विया स्या हैं।

धनुसूची

यूमिष्ट नं० 3, जो, तल माला, कैलास कर्मीशयल काम्प-लैक्स, प्लाष्ट नं० 15 (मंश), एच० नं० 1, एस० नं० 1, हैरीयाली विलेज, बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-79 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-/37-ईई/18741/84-85 और जो संक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिमांक: 25-10-1985

प्रस्त साइं.टी.एन.एस. -----

बाबकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के क्षीन स्वना

शास्त्र चरकार

कार्यात्रय, सहायक मायकर आयुक्त (निरोक्तण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बाई, दिमांक 25 अनत्भर, 1985

निदेश सं॰ अई-3/37-ईई/19743/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसर्ने इसर्ने परवात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के मधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, विस्तका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

प्रौर जिसकी सं यूषिठ नं 1, जो, तल माला, कैलास कर्माणयल काम्पर्लंबस, प्लाष्ट नं 15 (प्राप्त), एवं नं 1, कएसं नं 1, हरीयाली विलेज, बम्बई-79 में स्थित है (और इससे उपाश्च अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्मतित के उचित बाजार मूल्ए से कम के द्रायमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
कर ने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मतित का उचित बाजार
नूका, उसके द्रायमान प्रतिफात से, एसे दरममान प्रतिफात के
नन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए सम्मति।
गया गया प्रतिकात, निय्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विश्वित में वास्विक कम से स्थित नहीं किया गया है ****

- (क) मन्तरण ने हुई जिसी आय की बायत समत शहिप= नियम के अभीन कर दोने के संतरक के सवित्य में कती कर्यों या उसने वचने में स्थिभा के सिह; सीझा/सा
- (क) एंसी किसी बाम मा फिसी भन मा कर्म वास्तियों की, विनह नारधीय जानकर सौंभनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, कियान में सुविधा के सिक्:

चतः वदः, उपतः विधिवयमं की पाशः 269-व की वन्यरूप वै, मैं, उपत विधिवियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविधित उपवित्यों, वर्भात् :--- (1) मैसर्स गाला उद्योग।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पदमशील (द्रेड्स एण्ड एक्सपोर्टसै) प्रा० लि०

(अन्तरिती)

भी यह भूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन हैं लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रं---

- (क) इस च्यान के राज्यन में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन की अवधि या तत्त्रस्थनधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वास में समस्य होती हो, के शीवत प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी क्यान्त हुवास;
- (क) इस स्थान के राज्यन के प्रकासन की शारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य स्थावर सम्पत्ति को हस्ताकरी के शास बिहित में दिन्छ या सकति।

त्रकाकिरणः इसमें प्रतुक्त सन्दों और पर्यो का, वा अक्त अभिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में विका क्या डींं।

अनुसूची

यूनिट नं० 1, जो, तल माला, कैलाश कर्माशयल काम्पलेक्स, प्लाट नं० 15 (श्रंश), एच० नं० 1, एस० नं० 1, हरीयाली विलेज, बम्बई-79 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कि कि से अई-3/37-ईई-18743/ 84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

বিনাক: 25-10-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें हैं की . एन , प्रस्तानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ती भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 25 अक्तूबर, 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/18532/84-85---अतः मुझें, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूमिट नं० 119, जो, 1ली मंजिल शिवकूप इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाप्ट नं० 3, हरीयाली, एल० बी० एस० मार्ग, विकाली, बम्बई-70 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 1-4-1985

को प्रिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि लिए से मांसाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के टिलए; और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के लिए?

अत्य रख, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अकृतरण मैं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैसर्स प्रभात प्लास्टिक्स।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रताप इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिख् नार्वनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्षित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशाणित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है?

अनुसूची

यूनिष्ट नं ० 119, जो, 1ली मंजिल, शियकुपा, इंडस्ट्रियल इस्टेंट, प्लांट नं ० 3, हरीयाली, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैला कि कि सं अई-3/37-ईई/18532/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ध**

दिमांक: 25-10-1985

प्रकप कार्ड. टी. एन. एस र गण्यानाम्यास्था

बायफर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुपना

भारत बहुका

कार्यां सय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज-3, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

भिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18523/84-85—अतः मुझे $^{\hat{i}}$ ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया हैं), की जारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, 4थी मंजिल, लिनी लैण्ड, आई० आई० टी० माकेट के सामने, पवर्ष बम्बई-76 में स्थित है (और इत्तपे उपावब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है,), श्रीर जितका करारमामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रहयमान प्रशिफल में, ऐसे अवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा नया बिक्त के निम्नलिखित उच्च स्थ से उसत अन्तरण निम्निख से बास्तिक रूप से किया नया है अन्तर्भ से बास्तिक रूप से किया नया है अन्तर्भ से कार्या करा स्थानिक स्थ से किया नया है अन्तर्भ से कार्या करा से कार्य कार्या करा से कार्या कार्या करा से कार्या करा से कार्या करा से कार्या कार्य करा से कार्य कार्य करा से कार्य कार्य करा से कार्य कार करा से कार्य करा से क

- [क] जंतरण तें हुई किता साथ की सावस, सकत विधिन्तिय के अधीन कार दोने के जंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/मा
- [क] इसी किसी अभ या किसी धन वा बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिभा के जिए;

चतः जयः, उक्त जीधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्लीलिखित व्यक्तियों, अधीक ं (1) श्रीमवी चंद्रासी० शहा।

(अन्तरक)

் (2) मैसर्स जी० एफ० बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

हा, वह कृषना बारी कारके पृथोंक्त सम्मृत्ति के वर्णन के हिन्द् कार्यवाहियां कारता हुई।

वन्त सम्पत्ति में नर्जन के सम्मन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत त्या के शायपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्या की तामील से 30 दिन की जबीध, को भी वबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवसुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, मधोहस्ताक्षरी के नाब सिसित में किये का सकींगे।

स्वक्तीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधितव्यः के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं क्षी होगा वो उन्न कथाय में दिवा भवा है।

भनुसूची

फ्लैंट नं० 9, जो, 4थी मंजिल, लिनी लैण्ड आई० आई० टी० मार्केट के सामने, पनई, बम्बई-76 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/18523/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-4-1985 को रिजस्टर्क किया गया है।

ए० प्रसाद राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमोक: 25-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जाम रेज-3, बम्बई बम्बई, दिमांक 25 अन्तूबर 1985 मिदेश सं० टई-3/37-ईई/18514/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैष्ट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, ''नीलकंठ ष्टावर'' प्लाष्टनं० 206, गारोडिया नगर, घाष्टकोप^र (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा सायकर अधिमियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिमांक 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का कि र्रीतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्थियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए;

नतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ने, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री जेथालाल एच० मारू।

(अन्तरक)

(2) श्री मितीम शांतिलाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलेंट नं० 501, 5वी मंजिल, "नीलकंट टावर", प्लाट नं० 206, गरोडिया भगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18514/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहीयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**र्**

विमांक: 25-10-1985

अस्य आर्घ.टी.एन.एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1़961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 25 अक्तूबर 1985 निवेश सं० अर्ड-3/37-ईई/18502/84-85—अतः मुर्झे, ए० प्रसाद,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लात् 'उनत निर्मित्यम' कहा गया है), की भारा 269-स ने नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित साजदर मुल्ब

1,00,000/- फ. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, जो, 3री मंजिल, राजेश दीप, प्लाट नं० 100, गारोडिया नगर, घांटकोपर बम्बई-77 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृल्य ते कम के अवसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंस-रिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निकासित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल निकासित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कार्यन नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविभा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उस्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत ह— (1) श्री महेंद्रभाई नंदलाल बोहरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदूमती भूपतलाल कोटिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियू कार्वजाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की जबिंध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाह्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवादा:
- (श्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ही, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विश्वा गमा है।

अमु सूची

पलैट नं० 15 जो, 3री मंजिल, राजेंश दीप, प्लाट नं० 100, गारोडिया नगर, घाटकोपर बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/18502/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-३, **धस्बई**

दिनांक: 25-10-1985

मुक्य मार्च , द्वा , पृत् , पृत् ,

साधकर सौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुचना

बारत सरकार

कार्यासय सहायक नायकर नायृक्त (निर्दाक्तण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 25 श्रक्तुबर, 1985

निदेश स ० श्रई-3/37-ईई/18479/84-85--श्रतः मुझे; ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेंचाएं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार भूरूव 1,00,000/- रहें, से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 41, जो, 1ली मंजिल; सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विक्रोली, बम्बई-81 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर अधि-विषय 4981 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1-4-1985

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृस्य से का को ज्याना प्रितिपत्त को लिए अंतरित की गई है और बृक्षे वह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूक्ये, उसके दश्यमान प्रविक्ता है, हो ज्याना प्रविक्ता का पत्त्र प्रविद्या का पत्त्र प्रविद्या से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और (अंतरितियाँ) से बीज एसे बंतरण के किए तब पाया गया प्रविद्य कर निम्नितियाँ) से बीज एसे बंतरण के किए तब पाया गया प्रविद्य कर निम्नितियाँ। से बीज एसे बंतरण के किए तब पाया गया प्रविद्य कर निम्नितियाँ। से विश्वाच से क्या कर्त्य क्या निम्नितियाँ में वास्तविक्य क्या से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) समारक संहार किसी बाब की बाबता, क्ष्मक वीर्णानक्त्र में संबोध कर रोगे के क्रक्टक में बाजिए में करी कार्य ना उन्हों नचने में सुविका के जिए; नीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियाँ को, फिन्हों भारतीय नाय-कर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनयम, वा अनकर विधीनयम, 1957 (1957 रूप 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं है कवा नवा या या किना चाना चाहिए जा, कियाने प्रे क्षिका के जिन्हा

जतः अव, उक्त जिभिनियम, की भारा 269-ए के वनुकरण के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः— में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ व्यी उपभारा (1) (1) मैंसर्स पुयोग इंटप्पाइजेस।

(भन्तरक)

(2) डा॰ रामराव एन॰ बेलकुने और अन्य। (अन्तरिती)

का वह त्वना वारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति से वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मारित के बर्जन के उक्तन्त्र में कोई भी बाक्रेप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विक्रियाँ में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में सिक्श स्वीक्त ध्वाराः
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 विन के भीतर उत्तर स्थायर संपरित में हितबबुध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा क्यांहरू अभरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

काक्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्यास 20-ज में परिभाषित हैं,, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

अन्स्**ची**

पर्लंट नं० 41, जो, 1ली मंजिल, मुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-84 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्ष० सं० अई-3/37-ईई/18479/84-85 और जो सक्षम प्राधिजारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 25-10-1985

प्रकृष बाहै, टी. एन. एवं. ---

आयकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) धर्जन हैं-3, बन्ब ध

मम्बर्ध, दिलीए 25 श्रक्तबर, 1935

िवेश सं० छ६-3/37-६६/18410/84-85----धतः, मुझे, ए० प्राप्त

सासकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इत्यों इत्यों इत्यों इत्यों इत्यों इत्यों इत्यों इत्यों इत्यान (उसते किपिनियम) कहा गया है, की भार 269-त को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. में अधिक है

श्रीर ि की सं० पत्रैंट नं० 1, जो, 2री मंतिल, ए-विस् श्रीमितित श्रीर्टम्प्स, बाकोता श्रिप्त पीलित एटेसा के पात सौताकुत (तुर्व), बावर्ध-55 में विषय है (और इत्तो उत्तबद्ध श्रीपुत्री में और पूर्ण रूप से पीलित है) और तिल्ला करार तमा श्रास्त्र प्राधितितम, 1961 की धाला 269 है, ख के श्रीती, बज्बर्द वियत स्थाम प्राधिकारी के दासीलय में रिक्ट्री है, दिलील 1-4-05

क्ये पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उदके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पंत्रह दिक्त वे बिभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; और/या
- (क) घोसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 शि. ११९२२ का ११) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए अर ब्रिपाने में स्विधा से लिए;

- (1) खानोलकर एप्ड देशाई बिल्डिंग हैवलपमेंट प्रा० लि• (भन्तरह)
- (2) श्रीमर्री उषा डी॰ काकोडसर। (धन्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हुं।

उन्न संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस श्रृष्ठना में राज्यत्र में प्रकाशन की लारिक से 45 विन की अवधिया लत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृष्या की लामील से 30 बिन की कविध, को भी कविब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीर र प्रकार स्थावन सम्पत्ति में दितवयुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वयही करण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदीं का, वो स्वयह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ आंधा, वो उस अध्याय में दिवा नवा हैं!

वन्स्याँ

पलैट नं० 1, जो, 2री मंतिल, ए-विंग, धिभजीत अपार्टमेंट, वाकोला ब्रिज पोलिल स्टेशन के पात, सोताकुण (पूर्व), बण्बई-55 में स्थित है।

धनुसूनी जैसा ि कर संर अर्ध-3/37-ईई/18416/84-85 और जो सक्षम प्रायितारी बरन ई द्वारा दिनीक 1-4-1985 को एडिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रशास तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रामुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

传引7: 25-10-1985

शक्ष बार्च हो , एवं , एक , -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सहकात

क्यप्रतियः सहायक आयकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 25 मन्तूबर, 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18353/84-85---श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० माला नं० 417, जो, हिल ब्यू इंडस्ट्रियल इस्टेंट, 4थी मंजिल एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अगुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पर्नोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविकास सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविका उच्चत्रेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक ने हुई किसी जाब की बावत, उक्त जिभीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी लाग वा किसी वन वा कस्य आस्तिकों को, जिल्हों भारतीय जाय-कर ्रिपनियम, 1922 (1922 का १९) वा उक्ता अधिनियस, हा अन-कर अधिनियस, हा अन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में सुक्षिण के लिए;

कतः बर्वः, उक्त अधिनियः, को धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीर, निम्मीलियित व्यक्तियों . अधीर क—

- (1) श्री आर॰ एम॰ मेहता और अन्य। (भन्तरक)
- (2) श्री वि० वि० पद्मानन और ग्रन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल संवरित के अर्थन के तुंबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट मानितयों में से किसी स्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए पर सक्तेंगे।

भ्यच्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

माला नं 417, जो, हिल व्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, 4यी मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

दिनांक: 25-10-1985

प्ररूप आइ⁵.दी.एन.एस.-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुवत (निसीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

सम्बर्ध, दिनोक 25 प्रश्तुबर, 1985 निदेश सं० घई-3/37-ईई/18617/84-85---प्रतः, मुझे, प्रशाद

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

कीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 16, जो, सी-विंग 3री मंजिल कैलाश पर्शंत को-ध्राप० हाइनिंश सोसायटी लि०, 173, विद्या नगरी, कालिना, बम्बई-98 में स्थित है (और इससे उपाबद ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिल्ला करारनामा ध्रापार ध्रिवित्यम, 1981 की धारा 2695, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है विशंक 1-4-1985

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिस उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्क विक रूप से खिशक नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से सुद्दै किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिष्ट:

शतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुहास वि० मोहिडेचर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौचन चि॰ दलवी।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी सर पूर्वी बस क्वासित यो किसी व्यक्ति बहा सह
- (क) इस स्कार के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिं। किसी कन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पृष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, को उक्त भविभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

वन्स्पी

फ्लैंट नं० 16, जो, सी-विंग, 3री मंजिल, कैलाश पर्वत को-प्राप० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, 173, विद्या नगरी, सम्बद्ध-98 में स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क भायकर भायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, बम्ब**र्ड**

दिलांक: 25-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राएकत (निसीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बर्ध

बमबई, दितो ३ 25 अपतूबर, 1985 निदेश सं॰ आई-3-37-ईई/18620/84-85---श्रतः, मृसे, ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) िस इसमें इसके परचात् 'उन्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्ष्य प्राधिकारी को बह विकास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उन्तिय बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर कित्रकी सं० पर्लंड नं० 19, जो, 2री मंजिल, तिबर्टी इमारत, प्लांड नं० 92, बा गारोडिया नगर, घाटकोतर बम्बई-77, में स्थित है (और इ.से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) और बित्तता उपारतामा आयार श्रीधितियम, 1931 की बारा 209क, जा से प्रधीत, बज्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के वार्याक्षम में रिजिस्ट्री है। दिनोक 1-4-1935

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफात से एसे दृश्यमान प्रतिफात से एसे दृश्यमान प्रतिफात का पंत्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफात, निम्नलिखित उद्देश से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के बधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गोनर्वनदास धरमसी ठप इर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती नारायण किणी। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जयत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूपना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्स्मान्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यां पत्यों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अना व्यक्ति व्याररा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त शिध-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, दहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

पर्लंड नं॰ 19, जो, 2री मंजिल, लिबर्टी इमारत, प्लाष्ट नं॰ 92, गारोडिया नगर, घाटकोयर (पूर्व) बम्बर्ध-77 में स्थित ।

अनुसूची जैना कि कि के सं० अई-3/37-ईई/18020/ 04-35 और जो सक्षम प्राधिकारी बरूबई द्वारा दिनोस 1-4-1935 को रिअस्टर्ड है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि कारी सञ्चानक भागकार भागुपत (निरीक्षण) भर्जन रॉज-3, बम्बई

বিনার: 25-10-1085

मोत्तर:

प्रकृत नाइ_क टी_ल एन<u>ल एक ल्यान</u>

कायक प्रशिविषयम्, 1961 (1961 का 43) की वाध 269-ल (1) के स्थीन सुचना

भारक संरकाड

कार्याक्षयः सहायक भागकर भागकत (निरक्षिण) अर्जंथ रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिशांक 25 अन्तूबर 1985 शिवेंश सं० अई-3/37-ईई/18557/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

नापकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के नभीन सक्तम प्राधिकारी करें,,,यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य ;

1.00,000/- रु. से बिधिक हैं और जिन्नी सं० बनाज नं० 5, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, बलाम को-आप० हाउसिंग सोलायटी लि०, प्लाह नं० 17, तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिन्नका करायसामा आयकर अधिरियम 1961 की बारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं, दिनोक 1-4-85

को प्यांक्त सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितफ्स के निए अन्तरित को गई हैं, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त संपर्तित का उचित बाबार क्ष्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिचत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा प्रमा प्रविक्तन, निम्मीनिचित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण बिद्या में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह——

- (क) अल्लारन लंड्ड्रॉफिसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बभीन कर योगे के बन्तरक के सामित्त में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी मन मा नन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम या पनकर निधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ न्तिरती द्वार प्रकट यहीं किया गया वा मा किया नाम नाहिए था, कियाने में स्विभा के निष्;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसिट व्यक्तियों, अधीत ध—

- (1) श्री हिराबेग रमगीक लाल पंडिया। (अम्बरक)
- (2) राजेंद्र रावचन्द शहा ग्रीर अन्य।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप ह---

- [क] इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या स्टब्स्मी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी प्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास निविष्ठ में किए वा सकेन।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा। वो उस अध्याय थें दिया एका है।

धनुसूची

बताक नं ० 5, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग वस्तम को-आप० हाउिता सोतायटी लि०, दिलके रोड, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18557/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलाक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद समम प्राधिकारी सद्यायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोज-3, बस्बद्ध

विनां कः 25-10-85

भक्य कार्यु हो पूर्व पुरुष्ट - - a mass

बाय्फ्ड व्यिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

शारत बुरकार

कायितय, सहायक वायवर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जः रेंज-3, बम्बई

धम्बर्ध, दिशांक 25 अन्त्वर 1985 शिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18256/84-85---अतः

मुझे, ए० प्राक्षाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ऑधानयम कहा गया है), का भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

प्रीट जित्रकी सं० गोडाउन नं० 42, जो, 1ली मंजिल, सुयोग इंडल्ट्रियल इल्टेट, दिकाली, बम्बई-83 में ल्यित हैं (बीट इससे उपाबक अनुसूची में ब्रीट पूर्ण रूप से विणत हैं), ब्रीट जित्रका करायामा आयकर अधित्यम 1961 की धारा 269क, ख के अधीय, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ट्री है दिशांक 1-4-1985

का प्रांचल सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रम्मान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल सं, एसे ध्रममान प्रतिफल के पदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित बैं बास्तिक कप से कथित महीं किया गया है द—

- (क) मृत्युष्य से हुन् किसी भाग की बाबसू, कक्ष अधानयम के अभीन कर बोने के बन्दरक के कोरल में कमी करने या उससे बचने में हुनिभा के सिए; भौर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उभन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया धर्मा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

शतः सब उक्त स्मिनियम की भारा 269-ए के सन्तर्भः मं, मं, उक्त स्मिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) हो सभीत, निम्निमिश्चिक स्मिन्तरों, स्मित् ६(1) मैसर्व सुयोग इंटरप्राइजेस।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स मार्क्स एक्सपोर्ट (प्राइवेट) लि॰। (अन्तरिती

को यह स्वता बारी कर्क पूर्वीक्त स्थिति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के व्यान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस सिक्षित में किए जा सकेगें।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्धी

गोडाउम नं० 42, जो, 1ली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेष्ट विकोली, बम्बई -83 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कर सं अई-3/37-ईई/18256/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाव संज्ञन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीकण), अर्जन रॉज-3, बस्बई

विनोत्त: 25-10-1985

प्ररूप जाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

न्तायाँलयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बद्द

धम्बई, दिशांक 25 अक्तुबर, 1985

सिदेश सं० अई-3/37-ईई/18331/84-85—अतः मुझे, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो, तल माला, अन्राधा इमारत, प्लाष्ट नं 160 जगरीडिया नगर धाटक देपर बस्बई-77, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणि: है), अधि नियम ग्रीर जि.न हा करारामा आयकर 1961 की घारा 269क, ख के बम्बई स्थित अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ती है, तारीख

की मूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिपितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविशा के लिए।

(1) श्री बी॰ जापकी रामन श्रीर अन्य।

(अशरक)

(2) श्रीमती शोक्षा उमर चन्द शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वीक्त राज्यका के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख **से**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की लागील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चोकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में रिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

पन्यूची

फ्लैट नं० 2, जो, तल माजा, अनुराधा इमारा, प्ताप्ट नं० 160, गरोष्टिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), वस्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18331/ 84-85 मीर जी जलम प्रधिकारी बम्बई द्वारा विलोस 1-4-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रजाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेज-3, सम्बद्ध

बत: इब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

दिनौत: 25-10-1985

प्रकृप काइं. टी. एन. एत.------

भागकार वरिश्तियक, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-के (1) के क्पीन सूचना

भारत सरकार

भवित्य, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, बस्बई

धनबर्दे, दिनौत्त 25 श्रक्त्बर 1985

निर्वेश सं० भई-3|37-ईई|18306|84-85-यत: मुझे, ए० प्रसाव

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें स्में एडपात 'जिकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने स्म धारक हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जित्तकी सं० फनेट नं० 001, तलमाला, इमारत नं० 18, कराडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प) बज्बई-70 में स्थित है (श्रीर इसले उपाबद ध्रतुसूची में श्रीर पूर्ण का से विजित्त है), श्रीर जित्तका करारनामा श्रायकर श्रीविनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रवीत बज्बई स्थित सञ्जत प्राविकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, सारीख 1-4-1985

को प्रेकित सम्बक्ति के उपित काजार मृत्य से कम के स्वयमान मित्रका के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांकित समपत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह बितशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और जंतरिती (बन्ति तियों) से बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्ल निक्नियितित उद्योक्त से उक्त कन्तरण विविद्य में अस्थितिका कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बारत, अक्ष बिधिनयभ के बधीन कर दोने के बन्तरक खें बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विध्त के लिए; बीर/बा
- (का) शिंसी किसी माय या किसी धन या बन्य मास्तिसें करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मा या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने स्थिए

भशः सब उन्त सिंपिनियम की पार 269-न की सन्तरम भं, भं, उथस अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— ा दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिए।

(मन्तरक)

2. प्रवेदा भेहमूद चौधरी।

(भग्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन को लिए कार्यशाहियां करता हुै।

बक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकालन की तारील से 45 दिन की बर्वीं या तत्सान्त-थी व्यक्तियों वृद्ध सूचना की तात्रील से 30 दिन को अविध, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों बच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 बिंग के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि तो जन्म व्यक्तिय द्वारा अधोहन्स्ताक्षरी के पास जिल्ला के विकास के पास किए वा सकोंगे।

धन्सूची

फलेट मं० 001, जो, तल माला, इमारत नं० 18, कपाडिया नगर, सी० एस०टी० रोड, कुती (प०) बज्बई-70 में स्थित है।

भनुसूत्री जैसाकि क॰सं॰मई-3/37-ईई/18306/84-85 भीर जो सलाम प्राविकारी बज्जई द्वारा विनौक 1-4-1985 को रजस्टिड किया गया है।

> ए० प्रसाय समान प्राधिकारी, सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), पार्जन रेंज-3, बम्बाई

दिनारु: 25-10-85

मोहर ३

प्रकप नार्वा, टी. एन. एस. ------

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षक)

धर्जन रेंज-3, बस्बई बस्बई, दिनौक 25 धन्तूबर 1985

निर्वेष सं० धर्ध-3/37-ईई/18278/84-85-झतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

पीर जितकी सं० पुकान नं० 3, जो, सल माला विजया हाउत, धन विकोली जिमायतेच को-और, सोताइटी लि०, विकोली (पूर्व), बण्बई, में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद प्रमुक्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जितका करारनामा पानकर श्रीविज्ञिम 1961 की घारा 269 के, ख के श्रवीन बज्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 1 श्रवेल 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमार श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में बास्तिक रूप से कारत स्थानिक रूप से कारत स्थानिक

- (क) अध्यारण तं हुद् किसी बाय की बावत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशेष के सिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा किया धाना चाहिए था, छिवाने में सविधा के स्विद्

क्यः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण औ, मैं उभत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निविद्यत व्यक्तियों, अधीत् ६— 47—396 GI/85 श्री धामजी डुंगरणी भहा।

(मन्तरक)

2. श्रीमती भारती भोजीलाल सेठीया भीर भन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यं। बाहियां करता हुं।

उनत् संपत्ति के अर्जन के संजंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के धाजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सवधी स्पिक्तमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट आवित्यों में है किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शह तिस्तित में किए जा सकों।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में दिया ग्या है।

धन्स्यी

दुकान नं० 3, जो, इस माला, विजया हाउस, जय विकोली जिमायसेत को-प्रांत सोताईडी लि० विकोली (पूर्व), बन्बई में स्थित है।

धनुसूची जैताकी क०सं०ग्नई-3/37-ईई/18278/84-85 धीरजी सक्षम प्राधिकारी बल्बई द्वारा दिनौंक 1 धर्मण 1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

दिनौरु: 25 श्रस्तूबर 1985

प्रस्य बाइ े दो प्रना प्रस

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 25 धक्तूबर 1985

निर्देश सं॰ ई-3/37/ईई/18274/84-85---यत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 'क्69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ।, 36,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो विग-बी, इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, धाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह् से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करनें का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण कार्यान

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत उन्त सीध-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य से कभी करने या उसके वचने में सुविधा के निवा; बीख़-वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन जन्म बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के किया।

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण कें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिलिखत व्यक्तियाँ, वर्धात हु--- (1) पारल इन्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० जे० ए० कुंजा ग्रीर ग्रन्य।

(यन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पौरत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

दुकान नं 12, जो, विंग-बी, इमारत नं 6, दामोदर पार्क, एल बी एस मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/18274/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षग), भ्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 25-10-1985

प्ररूप , बाहें टी. एन्। एस : ----

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 अक्तूबर 1985 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18575/84-85:--अतः मुझे, ए ० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ∠69-श के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित दाधार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर निवकी सं० पर्नेट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, गोल्डन बेबी, सीं० टी० एस० नं० 5652, विलेज कीले कल्याण, कालिना, बम्बई में स्थित है (श्रीरइससे उपाबद्ध श्रुसूची में श्रीरपूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जितका करारनामा श्राय हर श्रीविनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रशोत, बज्बई स्थित तक्षन प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्स यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्योंक्त संपित्ति का अचत बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की सबत, उक्त अधिनियम के लधीन कर दों के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

्बतः धव, उक्त अधिनियम की भारा 269-स के बनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स गोल्डन कन्स्ट्रवशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिरील पिटो।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सुचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में सजाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकी।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं • 2, जो, 1ली मंजिल, गोल्डन बेबी, सी० टी० एस० नं • 5652, विलेज कोले कल्याण, कालिना, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/18575/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, स**हामक ग्रामकर श्रा**मुक्त (निरीक्षण), **ग्रजैनरोज-3**,वस्बई

दिनौक : 25-10-1985.

मोहरः

प्ररूप आर्च . टी . एन . एस .: -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यां स्वयः सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 प्रक्तूबर, 1085 निर्वेश सं॰ बई-3/37-ईई/18171/84-85---अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

कायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उथित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जी, 3री मंजिल, गोल्डन बेबी, सी०डी० एस० नं० 5652, ब्हिलेज कोने कल्याम, कॉलिमा, सम्बद्ध सें स्थित है (श्रीर इतने उपाबद्ध श्रतुसूची में भीर पूर्ण रूप में बिणत है), भीर जितका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अबीन, बन्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कार्याचन में रजिल्ड़ी है, सारोख 1-4-1985

कां पूर्धींगरा सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अस्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हून किसी आप भी वाबत उकत बिधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; आहे/या
- (था) एसी किसी अध्य मा किसी धन वा जन्म जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, जियाने में सूनिया के अस्ए।

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वो प्राप्तिः निम्निनिश्वत व्यक्तियों, अधात ः (1) मैससं गोल्डन करस्ट्रक्यन कम्पनी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री लालवन्त्र एस० छाष्ट्रीया ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रॉक्त ग्रम्यक्ति के कर्जन के सिए कार्ययाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप द---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भे अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षायः
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयोकत शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 4, जो, 3री मंजिल, गोल्डन वेवी, सी०टी० एस० नं० 5652, विहलेज कोले कल्याण, कालिन, बस्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के बं क्याई-3/37—ईई/18171/84— 85 भ्रोर जो सलम प्राधिकारी बस्बई द्वारादिनीक 1-4-1085 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव समान प्राधिकारी प्रह्मायक प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-३, बम्बर्र

दिनौक : 25-10-1985

मोह्यर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस्.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रॅज-3, बम्बई

बय्बई, दिनौक 25 भक्तूबर, 1985

निर्देश सं० धई- 3/37-ईई/18088/84-85-माः मुझे,

लारकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर हम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जितको सं० पजैट नं० 3, जो, बी-विंग, 3री मंजिल, मिनिनोत घरार्टमेंट, वाकोला कीज पोलित स्टेशन के पात, सौलाकूज उपूर्व), बन्बई-55 में ल्यिल हैं (और इससे उराबढ़ धनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत हैं), घीर जितका करारतामा धायकर मिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के मधोन, बन्बई, दियत समम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं सारीख 1-4-1985

की प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः वन, उक्त विधिनयम की धारा 269-ण के अभूत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन, निम्निजित व्यक्तियों, संधित है— (1) साबोल कर एण्ड देशाई बिल्डिंग डेबल गर्नेट प्रायवेट लिल्।

(धन्तरक)

(2) श्री सुरेश वसन्त गोवेकर भीर भन्य।

(भन्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्षिध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्व किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिसापित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्**त्र**ची

परीट नं 3, जो, बी-विंग, उरी मंजिल, भ्रामिजीत भारीट-पेंट, वाकीला क्रीज पोसिस स्टेशन के पास, सौताकूज (पूर्व), क्यक्ट-55 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37-ईई/18088/84-85 घीर जो सभम प्रीधिकारी बज्बई द्वारा दिनोक 1-4-1085 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स्वाम प्राधिकारी सहायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज- 3, बम्बद्ध

विनौक: 25-10-1985

मोह्नर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुबना

माउत सरकाड

क्षत्रयातियः, सहायक आयकार आयुक्तः (निरीक्षणः) धर्जेन रेंज-3, बस्बर्ध

बन्बई, दिनौक 25 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० **ध**ई-3/37-ईई/18111_/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिन्नकी सं० फ्लैट नं० 3, 5वी मंखिल, भवानी, टावर्स, ब्लिक िरंपाज, सीटीएस नं० 321 (अंध), पवर्द, बज्बई-75 सें स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूबी में श्रीरपूर्ण कर से म्हिंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीविनियन, 1931 की धारा 239 क, ख के अधीन, बज्बई स्थित सक्षम श्रीविकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, सारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल यो लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे सम्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय का किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवाजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मविधा वे किए:

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिकित अपिकतमी, सर्थात ए--- (1) श्री वित्तरंजन शर्मा

(मसरक)

(2) श्रीमती जैतल्मा नंद शीर श्रन्य

(ब्रन्त(ती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक है 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्**यी**

पत्रैट नं॰ 3, जो, 5शी मंजिल, नवाबी टायते बिहलेज तिरंदात, सीटोएत नं॰ 32 (ब्रंग),पवर्द बन्बई-75 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-3/37/18111/84-85 भीरजो सजन प्राधिकारी बज्बदे द्वारा दिनीक 1-4-1985 की एजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सदान प्राधिकारी सहायक पायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) पर्जनरॅज-3, बम्बर्ष

दिनौक: 25-10-1985

पोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर बर्डिशेश्यर 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौक 25 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं॰ धई-3/37-ईई/18540/84-85-मतः मुझे, ए॰ प्रसाद

नायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,05,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 51, जो, बृंदावन मुकुन्द की-धाप० शाउँ तम सो ताईं शे लि॰, एल॰ बी॰ एउ॰ मार्ग, घाटकी रर, बल्बई-85 में स्थित है (ब्रीर इन्ते उगावद अनुसूत्री में ब्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ब्रीर जित्र हा करारतामा श्रान हर श्रविनितम, 1961 की धारा 269 के, ख वे श्रवीत, बल्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्द्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह रेज्यवास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मस्य बसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्रक्ष प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के चीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिबिक अंधानीयक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं प्रतास्त्री

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उल्धारा (1) के सधीर निम्निकिष्ण ध्यक्तियों, अर्थात् ए--- (1) श्रीए०पी० नम्बुदी

(प्रश्वरक)

(2) भी नौरंग हरीतवाद पारीख

(प्रन्तरिती)

का यह स्थना चारी करके पृशासित सम्पृतित की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेत्:-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से का वित्र के भीतर तकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वास अभोहस्ताक्षरी के पास चित्रिक्ष में किए जा सकेंगे।

न्यस्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त खब्दों और उदाँ हर, जो उक्क्ष् अधिनियम कं अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अधे द्वांगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्स्ची

पत्रीट नं ० 51, जो, वृंदावत मुकुरद की-भाग हाउसिंग सो प्राईशे लि ०, एल ० वो ० एत् भागे, घाटको १८, बन्द हेनु 86 में स्थित है।

श्रानुतो जैता हि क> सं > ंश्र रे 3/37-ईरी 1854.0/84 -83 श्रोर जो सञ्जन प्राविकारो बल्बदेद्वारा दिनौक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए॰ प्रतार समार प्राविकारी सहायस पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) पर्नन रॉज-3, बस्बद्धे

दिनौक : 25-10-1985

प्रकप बाडे .दी .एन .एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा(1) के अभीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, विनांक 25 ध्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्राई-3/37-ईई/18185/84--85----- प्रतः **मुझे** ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिल्ला सं० गाला नं० 317, हिल व्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, एक बी एस मार्ग, घाटक पर, बम्बई-86 में स्थित है (और इसो जातब अपुमुची में और पूर्ण कम से विभिन्न है), और जिल्ला, करारतामा आयार अजिन्यम, 1961 भी धारा 269 पर, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविपारी के वार्यालय में रजिल्द्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वो क्त संपर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित को नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार बून्स, उसके दश्यमान प्रतिकल के, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिकल, निम्निविखित उद्विक्त से उक्त बन्तरण निविच के वास्तिबक कप से किथन नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शावत, उक्त बीधितिया, के अधीन कर दोने के बश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिया के स्थिए;

त्रतः श्व, उत्तत विधिनियम की भारा 269-म के बन्धर्व ्रमें अक्ट अधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) श्रे अधीनः निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैसर्व पोमल फोटोग्राफर्स

(पन्तरक)

(2) मैसस अभावल टेडस

(प्रग्तरिती)

की यह स्वना वारी करके पृवासत् इम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुए ।

उन्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षण ---

- (क) इस स्थान के ट्राअपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थाबित बवादाः
- (व) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की द्वारीय सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी बन्य व्यक्ति स्वारा वशहस्ताक्षदी के शस्त निविद्य में किए जा सकोगे 1.

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों माँर पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं क्षं होगा, को छस अभ्याय में विका नया है।

धनुसूची

गाला नं 317, जो, हिल व्हयू इंडस्ट्रियल इस्टेट, एख पी० एस॰ मार्ग, घाटकोतर, बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं धई-3/37-ईई/18188/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

मग्हर 🖫

प्ररूप बाइ'. टां. एन. एस. ----

एस. ---- (1) श्रीमती जी० देवयानी

(ग्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

(2) श्री एम० टी० शहा।

(ग्रन्तरिती)

मारत तत्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 ग्रवतूबर, 1985

निर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/18146/84-85---अत : मुझे ए॰ प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का द्वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं॰ पलट नं॰ सी/4, जो, इन्द्रदीप सोसाईटी एस॰ वी॰ एस॰ घाटको र, बम्बई-86 में स्थित है और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), और जिसका परारतामा आयर अजिन्यम, 1961 की धारा 269 प, ख के अजीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधियारी के पार्यात्य में रिवर्ट्री सारोब 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिं तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्वित के वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है दिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों के जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीगः निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः :— 48—396 GI/85 की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलट नं शी/4, जो, इन्द्रदीप सोसाईटी, एल बी एस माग, घाटको रर, बन्बई-85 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सं श्राई-3/37-ईई/18146/84-85 और जो सजन प्राजितारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिल्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 25-10-1985

मोहर

मस्य मार्थः दी .. एन. एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) को अभीन स्थना

शाइट सरका

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बर्र, दिनांक 25 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/18217/84-85-श्रत : मुझे ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात (उन्नत अभिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ख की अभीत लक्षाम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका लिनत बाजार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 197, जो, इन्द्रसोठ इमारत, आर बी० मेहता, मार्ग, घाटकोपर (पूर्व), वम्बई-77 में स्थित हैं (और इसस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्षा से वणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्त सकति के उपित बजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्ह हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का अरण है कि स्थाप्वेंक्त सम्पत्ति का उपित बजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के दिन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गदा प्रतिफल, निम्नितिक्त जददेश्य में उकत अन्तरण कि ति विश्व में अम्तरिक में अम्तरिक में के स्थाप यहीं किया गया है

- (क) अन्तरण ले हुई किसी आय की माबस असन अर्थन नियल के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाखित्व में क्रमी करने या रुससे बचने में स्थित के ज्ञित
- (म) एसी किसी आय था जिली धन मा अन्य आणिनथां करो, जिन्हों भारताय त्रायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, क्रिपाने में मुक्किश के लिए;

अर अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्फ में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निक्लिचित व्यक्तिस्त्रीं, अर्थात ह— (1) भी ए० मार० भीर

(पन्तरक)

(2) श्रीमती के शार नांदी और पन्य।

(पन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पुनिस्त सम्मित्त क मर्जन के भिन्न वार्यवाद्वियां करता हो।

तकत सम्पत्ति को बचन को सम्बन्ध में कांध भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भें
 अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत
 कालितकों में के किसी व्यक्ति इतारः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिठ हो, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया रूप भी

अम्सू ची

प्लाट नं० 197, जो, इन्द्रलोक्त इमारत, भार० वी० मेहता गर्ग, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

ग्रन् सूची जैसा कि कि सं ग्रई-3/37-ईई/16217/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्तम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक : 25-10-1985

प्रकष् बार्सः दीः एनः एसः ----

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भाषांत्रम्, सङ्घयक नायकर नायकत (निर्धिम) भजन रज-3, भम्बई

बम्बई, दिनोक 25 भ्रक्तूबर, 1985 र्रेण सं० *भ्राई-3/37-ईई/18217-*ए/84-85-

निर्वेश सं॰ यर्६-3/37-ईई/18217-ए/84-85---अत:

मुझे ए० प्रसाद

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ज्वा जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 321 एच नं 38 (अंश), एस एस , 5012, 5012, 1 से 10 पीछे फल्याण, सांतान्ज, तालुका कुर्ला, बग्बई में स्थित है (और एससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), और जिसका करारनामा आइकर श्रविनियम, 1961 दे धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-4-1985

का प्यांक्त संपत्ति के उधित बाकार गृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं,, एसे ६१यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषम से उन्दर्भ लिएत में वासिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरुष संहुई किसी आय की आवस्, उनस् अभितियम के अभीत कर दोने के अंतरक के दायित्व यो अभी करने वा अससं वचन यो स्विधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी अब या किसी अब या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अवश्रीरती धुनारा अवद्र बहुने किया गया या किया जाना जाहिए था, कियाने में सामना के लिए:

बतः वय, उक्त विधित्तियम की धारा 269-थ के अनुकरण में, में, उक्त विधित्तियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ब्रुधीन, निम्निसिकि व्यक्तित्यों, व्यक्ति थ्र--- (1) श्रीपी० के० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) भैंसर्स योगावी एण्ड सचदेव डेवलपमेंटरा। (अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्यूं कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेष ः---

- (क) इस सूचना के एजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संजंभी व्यक्तिसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्जाय, जो औं अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिसों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकारण की गरीब ने 45 दिन के भीतर लंकत स्थावर सर्पात्त में हिसबेह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींगे।

रभक्किरण :—-इसमाँ प्रमुक्त शब्दों क्षीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क मीं परिभाषित ह⁵, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 321, एस० नं० 38 (अंग), सी० एस० नं० 5012, 5012, 1 से 10, कोले कल्माण, सांताकूज, तालुका कुली, बग्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/18217ए/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 25-10-1985

मोहर ।

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनीस 25 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/18299/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंड नं० 16, जो, 1ली मंदिल, श्रीसचैन इमारत, प्लांड नं० 110, मरोडिया नगर, घाडकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इस्ते उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), और जिसवा उपारनामा आग्वार श्रीकिरम, 1961 की धारा 269 ज, ख के अधीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल को लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्र प्रतिकत् से अधिक है और अन्तर्क (अंतरका) और अंकरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-निक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नम्तरक संहुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उश्चस् बनने मा स्वीचधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, अवक्त अधिनयम, अवक्त अधिनयम, अवक्त अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना आहिए था छिपान में स्विभा के टिक्स;

जनः अव, उभत अधिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण भ, भ, उभत अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन जिम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्री एउ० जे० धरे।

(प्रगारम)

(2) श्री एतः एकः गडा और घटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (Б) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सुची

फ्लैंट नं 10, जो, 1जी मंजिय, श्रमिवेत इमारत, प्राट न 110, मरोडिंग नगर, घाटकोगर (पूर्व) वम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुत्त्वी जैता ि कं० सं० श्रई-3/37-ईई/18229/84--85 कीर जो अत्र ने प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनोठ 1-4-1985 को रिस्टडें किया गया है।

> ए॰ प्रसाद ससम प्राविशारी सहावक धावकर धावुषत (निरीक्षण) धर्जन रज-3, बम्बई

दिनों इ: 25-10-1985

प्ररूप आईं. टी. एन. एस .-----

श्रायकर दिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच-3, बण्डई

बण्बई, दिनाक 25 अपतूबर 1985

िर्देश सं० अधे-3/37-धेरी 18253/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26')-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुत से अधिक है

खीर विक्री सं० गाता नं० 45, जो, ग्ली मंक्ति, सूर्योग इंड स्ट्रियल इंप्टेट, एल० बी० ए १० मार्ग, क्रिंग, बज्यई-03 में स्थित हैं (और इ.से उतारह अनुत्र्वी में और पूर्ण रूप से पर्णित है), और विक्रा चरारतामा घारता अधिक्रिम, 1961 की धारा 269 व, ख के अधी , बज्यई स्थित संसम प्राधिकारी के बायों का में स्थिएं है, तारीख 1-4-1985

करे प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह दिश्याम

करने का कारण है

कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान
प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है

बोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के

बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत

उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखत में वास्तिबक रूप से कथित

महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैं वर्स खुयान इंटरप्रायजेत ।

(श्रग्तरम)

(2) मैतसँ मानर्स एक्सपोटं (प्राईनेट) लि॰ । (धरतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर पदों का, जाँ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गातानं 45, जो, 1ली मंतिल, सुयोग इंडल्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एत० मार्ग, विकोती, बन्बई-33 में स्थित है।

श्रतुसूती जैता ि क॰ सं० अई-3/37-ईई/18253/84-85 ओर जो सभन प्राधि हारी बण्डई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिल्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षन प्राधिशारी सहायक प्रायकर प्रायुवत (निरीक्षण) पर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनांग : 25-10-1985

प्रकल नाइक सी एक् एक एक न न न न

आयकः अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

शारह तरकार

कार्याभय, उद्यापक बायकर नायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंट-3, बरुबई

बरबद्दे, दिली : 25 अमतूबर, 1985

िर्देश सं॰ ६६६-३/३७-६६३/१६८-६८४-६८-५५३: मुसे; **ए॰** प्रसाध

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-इ के अधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका टिलत भाजार म्हन्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर ि की सं गाजा नं 40, जो, 1सी मी जि, पुरोन इंडस्ट्रियस इस्टेंट, एस० बी० एस० मार्ग विकोसी, बम्बई-93 में जिन्त है (बीट इससे उपानद अनुसूनी में बीट पूर्ण इस से प्रीमन है), और ि का अवाद बम्बई जिन्दा स्थम प्राधिकारी में साथींका में 269 के, खे से अवीद बम्बई जिन्दा स्थम प्राधिकारी में साथींका में स्विप्ट्रों है, तारिख 1-4-1935

को पूर्वोक्त समपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबाद मूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बाक्क विक कम से कथित नहीं किया गया है कि—

- (क) मन्तरण सं धूरं किसी अभ की बाबत, उभव सीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व की कमी करने या उत्तर बचने में सूर्विणा के सिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए दा, छिपाने में सुविधा के बिए क

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है स्थीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं उसे सुवोग इंटरप्रायजेस।

(प्रग्तरक)

(2) मैसर्स मापस एकत्रपोर्ट (प्रायवेट) लि॰। (धन्सरिती)

को यह सुषना बारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप -

- (क) इस स्थाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख ♥
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ
 अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर प्रवीवख व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकारत की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध सिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमों प्रण्वत अन्दों और पदों का, वा उन्धं अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

गाता नं 40, जो, 16ी मंधित, सुनोग इंडस्ट्रियन इस्टेट, एक बी ए 10 मार्थ, जिक्रोती, बारवर्द-83 में स्थित है। धनुतूची जैता कि का सं काई-3/37-ईई/15252/84-85 जो का का नामि मार्थ द्वारा दित्तक 1-4-1985 को स्थिस्ट के किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सद्वातक खायहर भायुक्त (निरीक्षण) धजन रेंज-3, बम्बई

दिन्तिक : 25-10-85

वोहर :

मरूप आहं. टी. एन. एत. - - -

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन स्वना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंच-3, बज्बई बम्बई, दिनांच 25 हम्तूबर 1905 निर्वेश सं० हाई-3/37-ईई/18254/84-85---अतः मृसे, **ए**० प्रसाद

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् किकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला स्थान बाजार बुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सीर जिसकी स॰ वृतिह न॰ 44, जी, 1ली, मंदिल, स्वीत इंडिल्विन इस्टेट, एत॰ बी॰ एउ॰ सार्ग, पिकील, बन्धि-03 में स्थित है (और इती उपावड अनुवृती में और पूण रूप से प्रितिस है), और विस्ता वारारतामा आयंतर शिक्षित्यम, 1001 की धारा 260 के, खिने अवीन, बिन्निई स्थित सक्षम प्रावित्यरी के कार्योत्य में रिविस्ट्री है, सारीख 1-4-1905

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को यह है जीर क्यों यह विद्यास कर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकत से एमें दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखन उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवद स्प

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आग जी बाबत उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टिस्ं कां, जिन्हें भारतीय काष्ट्रकर खेलिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैतिरिती द्वारा अकर वहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था जिल्ला से स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण बो, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अञ्चल, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं उर्व सुयोग इंटरप्राधैन ।

(भग्तरम्)

(2) मैसनं भारतं एक्डियोटं प्राइवेट लि॰।

(घग्वरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल

चनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दूवाया
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध जिसी अन्य काणित इताय अधाहस्ताक्षरों के पास निर्वित में फिल जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रावत करवी आंद्र पद्मी का, जॉ उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधि होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्वी

युनिट तं ॰ 44, जो, 1ली मंत्रिल, धुयोग इंडिएट्सिल इस्टेट, एत॰ बी॰ एत॰ सामें, विकोली, बण्बई-03 में स्थित है।

अनुपूती जैवा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/10254/04-85 और जो सभन प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनांक 1-4-1005 को रजिस्ट डे किया गया है।

> ए॰ प्रसाद सक्षम प्राधि गरी पहाजक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बद्

दिनीत: 25-1 -1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जाः रेंज-3, बम्बई

बपबई, दिनांक 25 श्रमतुबर 1935

निर्देश सं॰ श्रई-3/37 ईई/18255/84-85⊶-श्राः मुते ए॰ प्रसाद

आपकर अधिनियमं , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह निक्तम करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० मारा नं० 43, जो, 1ली जंगिल सुयोग इंड स्ट्रिट, एरा० बी० एरा० मार्ग, विश्वोली, बव्हई-83 में स्थित है (श्रीर इस्ती जाबद अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण का से बींगा है), श्रीर विश्वा जारासामा श्रावण श्रीध-नितम, 1961 की धारा 260 ए, ख रे श्रीभी, बर्बई स्थित सन्ना प्राधिसारी से कार्यांचन में रिजस्ट्री है, दिनांस 1-4-

की। प्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त के वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हंड किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व सें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/अ
- (ब) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों करे. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्यात अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवा जहीं किया गरा था सा किया जाना चाहिए था. । छपाने से सविध्य किए;

हत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भैतर्स सुयोग इंटरजाइजेस।

(ग्रतारक)

(2) भी तर्स मानर्स एकत्योर्ट (प्राइवेट) सि॰। (ग्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन में ८८ दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

माला नं० 4, 1ली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियस इस्टेट, एल० बी॰ एत॰, मार्ग, जिकोली, बण्बई-33 में स्थित है।

म्रापुती जैता हि कि संश्याह-3/37-ईई/19255/ 84-35 मीर जी प्रजन मजिलारी ब्रम्बई द्वारा दिनोड़ 1-4-1935 को र्यास्टिड िया प्रया है।

> ए० प्रशाद स्वाम प्रविधारी सहायक श्रारहर ग्रायुकः (निरीक्षण) श्रुवन रेज-3, बंबई

दिनोत: 25-10-1935

शक्त बार्च , टी. एन् , एन् , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन स्वना

माइत चहुकाङ

कार्यालय, सहायक सायकर नायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० शई-3/37-ईई/18251/84-85---श्रतः मुझे ₹ ए० प्रसाद,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नहनात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह बिक्नास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य.

1.00.000/- क. से अधिक हैं
और जिस्की संव युनिट नंव 50, जो, 1ली मंजिल, सुयोग
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एलव बीव एएव मार्ग, विक्रोली,
बम्बई-33 में स्थित हैं (और इससे उपायत अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका उरारनामा आयरर
अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वस्वई
स्थित सक्षम आधिनारी के कार्यालय में रिवस्ट्री है, दिनांक
1-4-1985

को पूर्विक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि सभापनाँकत संपरित का उचित करनार मूल्य, उराकं दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का बज्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कक्ष निक्तिसित उद्देश्य से उन्त बन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुए किसी अग्र की ग्रायस, उक्स सिंपित्यम के सभीन कर दोने के अन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्त्रीनथा से लिए; सीर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मित्रभा के लिए:

अतः अभ, उत्स्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मैं अभत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीर जिल्लाकिका स्विक्ता मिक्ति मिक्ति है—49—396 GI/85

(1) भैसर्स सुयोग इंटरप्राइजेस ।

(भन्दरक)

(2) मैंसर्स मानसं एक्ष्पोर्ट (प्राइवेट) लि०। (ग्रन्हरिती)

का यह सुचना जारी कारके प्यांकत संपत्ति के वर्णन के विष् कार्यवाहिएं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस भ्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरणः ---ध्समें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो सक्स सिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हां, वहीं अर्थ हाता जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

युनिट नं० 50, जो, !ली मंजिक्ष, सुयोग इंडस्ट्रिक्क इस्टेट, एक० बी० एक० मार्ग, विक्रोली, बम्बई--33 में स्थित है।

श्रमुजी जैपा ि क सं० श्रई-3/37-ईई/18251/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बब्बई वारा दिनांक 1-4-1985 की रिवस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद जनम प्राधिकारी सहायक भागकर धापुका (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

बिलोक: 25-10-1985

मोहार ३

प्ररूप बाह् .टी. एन. एस. -----

भायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्याम्य, सहायक आयकर धायका (भिरीकण) प्रजन रेंज-३, अस्वई

बम्बई, दिलांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं श्र धर-3/37-ईई/18333/84-85---- मतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 203, जो, 2री मंजिल, माणेक-लाल इस्टेट, एल बी एस मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन गम्बई स्थित सन्नम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम हो द्रश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रह्ममान प्रतिक्षल सं, को द्रश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उसते अन्तरण सिचित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्न किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनयम् की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम॰ जी॰ पटेल श्रीर ग्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भार० एस० पटेल भीर भन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी जन्म प्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो अक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित यया है।

अनुस्षी

प्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, माणेवलाल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर बम्बई में स्थित है। भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-3/37-ईई/18333/84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुनं रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-11-1985

प्रकप बार्च . ही . एन . एस . -----

भागकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्म भारा 269-म (1) के अभीन शुभाग

भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक जायकर जागृक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० मई-3/37-ईई/18588/84-85---मतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भार जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सिटी सर्वे नं० 5097 थाँर 5143 कोले क्ल्याण, कौलिया, सांताकून, (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भार इससे उपायद अनुसूची में प्रार पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 इ, के अजीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मृति के उचित बाबार मून्य से कम के इस्तजार प्रितफल के लिए अंतरित को गर्ब है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मृति का उचित दाबार मृत्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्ति से मृभिक है बौर बंतरिक (बंतरिकों) बौर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना बना प्रति-कल निम्मृतिवित उध्योध्य से उक्त बंतरण निम्मृतिवित उध्योध्य से अस्त बंतरिक से वास्त स्थाध्य स्थाध्

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त कीचिन्यम् के ज्भीन कर की के बंतरक की बामित्य में कभी करने वा उसके बच्चे में स्विका के लिए; और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय सारकार अधिनियम, १०२० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ लंदीरती इंजारा प्रकृष्ट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए जा, जिपान में सुविधा वै जिए:

जतः, अव, अवत वृधिनियम कौ भारा 269-ग कै जनुसरण कों, भी सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कभीग, निम्निस्थित व्यक्तियों, सर्थात् ६--- (1) श्री उमेश धपूर।

(भन्तरक)

(2) मैंसर्स डायमड बिल्डर्स

(अन्तरिती)

का वह बुचना जारी करके पूर्वांक्त सञ्चात के अवॉन के लिए कार्यगाहियां करता हूं!।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अभी भ नाद में समाप्त मोती हो, के गीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्षरण .— इसमें प्रयानत शब्दों आहे. न्यों का, को जनक अधिनियम के अध्यात 20 क में परिभाषित है, वही तथें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपृत्यी

खुला जमीन का हिस्ता, जिल्ला सिटी सर्वे नं० 5097 भीर 5143, कोले जल्याण, कौलिया, सातात्रूज (पूर्व), सम्बद्द में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/18588/84-85 श्रीर जो/सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है,

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांकः 5-11-1985

मोहरः

प्ररूप आइ^{*}्टी. एन, एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18177/84-85—अतः **मुझे,** अखिलेश प्रसाद

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राध्यकारों का, यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 109, ज्याडीया नगर, इमारत नं० 6, मुर्ला (प), बम्बई-70-में रिया है (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूचीमें श्रीर पूर्ण क्यांसे विभार है), श्रीर जिसका करारमामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांच 1-4-1985

का पृत्तीं क्ल सम्पोद्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निधित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित में कमी करने या उससे सचने में स्विधा के सिए; भीष्र/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिल्हें भारतीय आयक है अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनयम, या धन-कर जिल्हों किया गरा 1957 (1957 का 27) चे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए,

भरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दीपक बिल्डर्स प्राइवेष्ट लिमिटेड

(अयरक)

(2) श्रीमती कमला गेलाराम प्रेमानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्र्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निक्ति में किए जा सकींगे।

स्पब्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क गों परिभाषित हैं, बहु अर्थ होता, को उस अध्याय में दिया यया हैं।

अनुसूची

पर्लंड नं० 109, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 6, कपाछिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प) बम्बई-400070 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/18177 84-85 फ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अखिलेश प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोंक: 5-11-1985

प्ररूप बाही, टी. पुन. पुस. अन्यान

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के वधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 5 जवम्बर 1985

भिवेंग सं० अई-3/37-ईई/18761/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मार्नेष्ट एम० जी० रोड, चाएकोतर (पूर्व), वम्बई-77 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रीर पूर्व रूप से वर्णित है), म्रोर विज्ञात उरारातना आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिएट्री हैं, विज्ञाक 1-4-1985 को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथाप्यायत सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथाप्यायत सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल सें, एस दश्यमान प्रतिफल का पश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्का) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिंबिस में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :----

- [क्क) मृत्तापुण से हुइ किसी नाय की बाबता, उक्त मिनियम के बधान कर बोने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्तिभा के लिए; नार/या
- (व) एस किसी नाय का किसी अन वा अन्य जात्तिया को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिन्यम, या धनु-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया परा वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) पिल्पा एम० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एच० गजारिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि शद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त ग्रद्धी और पर्धा का, को उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या

यम्स्या

बुकाभ नं० 33, जो, तल माला, पारेख मार्केट, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), वम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/18761/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बन्ध

दिनोंक: 5-11-1985.

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत चंड्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18826/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से गांधक है

- (क) अक्षरण संहुइ किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विधा के सिए; सहिश्या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों मारतीय जायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिरती स्वारा प्रकट नहीं किया बना वा बना का किया की स्वारा प्रकट नहीं किया बना वा बना की हिए वा किया में स्वारा से हिए,

शतः गव, उक्त वौधीनयम की धारा 269-न के बनुसरक बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपृधास (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों। अधीत क्र-स

- (1) मैसर्स स्पिन्डल मैन्युफैनचरिंग कंपनी। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स पैरामाजन्ट टैक्सटाइल्स, (अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के सर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सुम्गरित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त प्रवित्यों में से किसी व्यक्ति प्रवेक्त
- (स) इस सुषना के राजपत को प्रकाशन की शारीस स 45 दिन के जानन सकत तथावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, स्थोहस्ताक्षरी व पास विशेषत में दिवा या सकेंदे ।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

गाला नं० बी/18-ए, जो, आगरा रोड इंडस्ट्रियल प्रिमा-मेज को-ऑप० सोवायटी लि०, ऑफ एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18826/ 84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमोक: 5-11-1985

प्ररूप बार्ड टि.एन.एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां क 5 भवम्बर 1985

भिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18226/84-85—अतः भुझें, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, प्रिन्स पैलेस, जे० पी० रोड, खोतलेन घाटकोपर (प), बम्बई-77 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणात है), भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिशांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के जन्तरण को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया द्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री घरमेश क्यारा। (अन्तरक)
- (2) श्री एस॰ राठोड घीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लए कार्यवाहियां गृष्ट करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप हन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोङ्क्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्ष्मीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

दुकान नं ० 1, जो, प्रिन्स पैलेंग, जें० पी० रोड, खोतलेन, बाहकोपर (प), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18226/ 84-85 थींर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विलाक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-3, बस्बई

दिमांक: 5-11-1985

प्रकप बाह् दी एन एस -----

बायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बद्दी, दिनाँकः 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रर्थ-3/37-ईप्री18086/84-35---श्रतः मुझे,

ए० प्रसाद भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं पर्लंट नं ए-23, जो, वासुकी इसारत, त्यां रास्ता रजावाडी, विधाविहार, व्यवध-77 में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधाव है) भीर जिसका वारारतामा आपकर अविधियम 1961 की धारा 269%, ख के अवीत, वम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-35

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान
प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं
और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
अब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अफिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों नहें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

बतः जब, उसत अधिनियम की गारा 260 म की अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सथीत मिम्निस्चित व्यक्तियों, अथित स्— (1) प्रापित निमिटिश।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० के० नवानी और भन्य।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बस्थ किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुची

फ्लैट नं० ए-23 जो, 7वो रास्ता, रजवाडी, बाधुकी इमारत, विवाधिहार, बस्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैता कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18086/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद तक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (सिरीक्षण) शर्जन रोज-3, बस्बर्ध

दिनीक: 5-11-1985

मोहरू 🏻

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुमना

पाएल सरकात

क्षावांत्रम, सङ्घायक कामकार आयुक्त (विराधिका) अर्जन रेजि-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 तवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18874/84-85---श्रहः मुझे, ए० प्रसाद

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विषयं इसमें इसके प्रथात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकरों की यह विकास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मृज्य 1,00,000/- रहे हो अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो, 3री मंखिल, इमारत नं० 19, कपाडिया नगर, सी एस० टी०, रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित हैं (अरेर इसते उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका जरारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याच्य, में रिलस्ट्री हैं, दिनांक 1-4-1985

को पर्वोक्त संपत्ति के लिखत बाजार मृत्य हो कम के क्रयमान प्रतिफल के निए जंतरित की गई है और मुझे वह विषयाल करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त समाति एवं लिखत बाजार सूस्य, उसके स्प्यमान प्रतिफल से, एके ख्यमान प्रतिक्रम का पन्नह प्रतिचात से अधिक को और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकों (जंतरितियाँ) के धील एसे जंतरम के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम, निस्निसिंदित स्व्वरेश्य से उन्त अस्तरण निम्नित में पास्तिकक क्या से कथित नहीं किया गया है एक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत. उकत जिमिनियम कैं सभीन कर दोने के जन्तरक हैं। वासित्व में अनी करने वा उद्यव्ये मुनने के ब्हुँ इस्ता के हैं खड़; की हु/बह
- (क) एति किसी कार का विश्वभी जन पर अन्य कर्रास्त्रवें।
 को जिल्हा भारतीय कार-भार वर्षिक्षित्रमा, १०५३
 (1922 का ११) पर अपने अधिनियम का
 विश्वकर व्यविनियम, 1957 (1957 का 27)
 जे प्रयोचनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 वया वा या किया जाना अधिए धर, विष्याने की
 काका के निकः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 50—396GI/85

(1) मोहम्मद "परिया इन्नहीय दीत।

(अन्तरक)

(2) वासी श्रहमद मोह्म्मद दीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहित सूक करता हुं।

उन्द तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ३---

- (क) इस नचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध मा तत्मग्यन्ती व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों के से कि सी व्यक्तित हुन। या
- कि इक स्थान के राजपम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर जनते स्थावत त्रापित का वित्तवस्थ किसी जन्म स्थित द्यारी अधोहस्थाकारी के पास सिक्षिण में किया का सुकीत।

स्थानकारण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त व्यक्तियम, के सम्बद्ध 20-के के विश्वासित है, यही अर्थ होगा, जो जस अध्यास में दिया गया है।

ननसूची

फ्लैंट नं॰ 301, जो, 3री मंत्रिल, इमारत नं० 19, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, बुर्ली सम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० छई-3/37-ईई/18874/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद स्थान प्राधिकारी सहायक आदशर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जेन रेंघ-3, बम्बई

दिनां ए: 5-11-1985

वक्षण बाह्रों दी हुन् ्**एड**्य स्टब्स्टर

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

धारत तरकाड

कार्याचय, सहायक जायकर आयक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/18875/84-85----ग्राः मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर बिभिनियम, 1961 (1964 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 202, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सी० ए स० टी० रोड, झुर्ला बम्बई-70 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारतामा ग्रायकर प्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तस्त्र का पन्तस्त्र के सर्थमान प्रतिफल के मन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मचा प्रतिफल निम्नलितित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित व वास्तिक क्य से कांचित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त बीमिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के बाजिस्य में कभी करने वा ससने बचने में सुविधा बीजिए; बॉर/बा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधितियम 1922 (1922 का 11) या उनस अधितियम, या धनकर अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा जिया? वें स्थिण के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नीतिवित व्यधितयों , अर्थात :--

(1) दिपक बिल्डसं प्राइवेट लि॰।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नजीर ग्रहमद।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के जिए कार्यवादियां करता हुए।

उन्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासेप 🏗--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिध या तत्सम्बन्धी स्पास्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सम्बाध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्धों और पवों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

पर्लेट नं० 202, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-3/37-ईई/18875/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी लहायक श्रायकर शायुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंग-3, बम्बई

दिनांक: 5-11-1985

प्रकृत आई ह टी ह पुन ह एक हान्यान

भावकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बार्ख संस्थात

कार्यां तव, सहायक बायकर बायुक्त (निर्द्राक्षक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदश सं० अई-3/37-ईई/18882/8485--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइल हैं कि स्थावर सम्बद्धि, विसका उचित बाबार मुख्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो, 3री मंजिल, लिवर्टी इमारत, प्लॉट नं० 92, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक, 1-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए बन्तरित को गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने के लम्हण हैं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मून्य ह बन्ने ह स्पन्नाने प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का उन्हरू अविकास से विभिन्न हैं और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के सिए हम पावर मुना बितिकास विमनसिक्ति उन्ने देस से समर्थे अन्तरण निविक्त के बार्यों किया ग्रास है अन्तरण निविक्त के बार्यों किया ग्रास है अन्तरण निविक्त के बार्यों के स्वार्थ के स्वार्थ के सिंग्स सिंग्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत है उक्त अधिप्रियम के कथीन कर दोने के बन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के सिक्ष; जीर/मा
- (क) येसी किसी आय या किसी भन का जन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अभिनियम वा अयुक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27% के प्रकृत्वनार्थ अन्तिर्देशी स्वाय प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना करीहरू था, क्रियान में स्थिभा के जिन्हें;

इति वंब, उस्त नियमियम की भारा 269-म के जनसङ्क में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निक्तिवित व्यक्तियों, सर्भात् :—

- (1) श्रोमती चेलामल नारायण और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री ए० के० जसागी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के कर्जन भी जिय

उक्त सम्मरित के बर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाखेंच :---

- (क) इस सुकता के रुक्पण में प्रकारन की तारीक ते 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुकता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को औं वधिय से से समाप्त होती हो, के भीतड प्रविक्त क्यों क्यों के सित्र प्रविक्त क्यों के सित्र प्रविक्त क्यों के सित्र के सित्र प्रविक्त क्यों कर के सित्र प्रविक्त का सित्र के सित्
- (क) इस स्का के राजपत्र में अक्कायन की दारीय दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य स्थितित युवारा अभोहस्ताकारी के पास सिखित में जिस्स जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण -- इसकी प्रश्वत कार्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क जो परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है।

जन संची

फ्लैंट नं० 12, जो, 3री मंजिल, लिबर्टी इमारत, प्लाट नं० 92, गारोडिया नगर, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि कि से अई-3/37-ईई/18882/-84-85 और जो समम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए०**० प्रसाद** सक्षम प्राधिकारी स्हायक कश्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज-3, **वस्बई**

दिनांक: 5-11-1985

प्रकार **मार्**क डोड पुरात पुरात संस्था सम्स

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-प (1) के मधीन स्पना

माइत चारकार

कार्याजन, सहायक वायकर नायुक्त (निर्याक्त)

अर्जन रॉज-3, बम्ब**र्ड** इम्बर्ड, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निद^{*}श सं. वर्ष-3/37-इंड^{*}/18402/84-85---यतः नुभे, ए. प्रसाद,

जाबकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिर्क इसमें इसके परकार उत्तर अधिनियम कहा गया हों), की वास 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण की कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी एं ज्लेट नं 78, जो, पंकज बी-इमारत, प्लाट नं 8-171 (अंश), एक दी एस रोड, घाटकापेर, बम्बई-86 में रिश्य है (अंट इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री ही तारीख 1-4-1985

को पृथिक सन्यंकि के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह दिश्वात करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पल्छह प्रतिशत से अधिक 5 और अन्तर्क (अन्वरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से बन्त अन्तरण मिन्नित में बास्तिक रूप से किंगत नहीं किया नवा है कु--

- हुंक) अन्तप्रक ए जुड़ी किसी आय की आसत. उन्हें अधिशयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/सा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी या वा बन्च नास्तिवीं करें, जिन्हें भारतीय आय-कर निभिनयभ, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था जियाने में सुविधा के जिन्दी

क्तः क्रमः उथत अधिनियम की भारा 269-म के अल्पार्यः में, में, उथत अधिनियम की ंरा 269-म की उपधारा (1) के क्यीर, भिम्नविश्वित व्यक्तियो अर्थाद् मेंच्या (1) श्री जी. एच. पारीख ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी. एच. चेतानी और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करको पृथीक्त संपक्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उनक राज्यक्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कार्ड भी कार्यक 🖛

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सरबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनाएं;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर नम्परित में हिंद- सब्ध किली जन्य व्यक्ति ब्वास कभोहस्साक्षरी वे पान जिल्लित में हिन्स जा सकोंगे।

स्थव्योक्षरण - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त जिथानगर, के अध्याय 20-क में परिभाषिय ही, वहां अर्थ होता, जो उस अध्याय में विवा

जनसूची

फ्रांट नं. 78 जो, पंकज-बी इसारत, प्लाड नं. 8-171 (जंश) एल. वी, एस. रांड, घाटकांपर, बम्बई-86 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि का. सं. अई-3/37-ईई/18402/84-85 और जो सक्षम प्रान्तिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसा**द** सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज-3,₁ बम्बर्ड

दिनंक : 5-11-1985

मोहर 🖫

वक्त सार्^क्षी ,श्राः सुद्ध _{प्रा}र्थाना

नायफर निधितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

बारत बहुकाह

कार्यासकः सहायक मानकाः, मानुकाः (निर्देशकाः

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनां 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18431/84-85--यत: मुझे १० प्रासाद.

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवाद जिसे मधिनियम अक्षा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने अक्ष कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका अधिक बाजार नृज्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं।

और त्रिसिकी सं० फलॅंट नं० 4, निलक्षं० प्रकाश, प्लॉट नं० 54, गारोडिया नगर, पाटकोगर (पूर्च) बम्बई-77, में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 1 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दब्बमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह बिक्शस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उणित बाजार मृस्य, उसके दब्यमान प्रतिफल से, एसे दब्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतिरती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पासा पंदा प्रतिफल निम्बनिषित उपूर्वेस्य से उक्त अन्तरण विकित्त में बास्त्रीयक स्था से क्षित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की वावरा, उच्चा श्रीधनियम के अधीन कार दोने छे अंतरक को श्रीवरण में कमी करने वा उब्रवे मण्ये में वृत्तिथा के जिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विश्वीनवय, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाँचनिवय, का अनकर संभिनिवय, का अनकर संभिनिवय, का अनकर संभिनिवय, 1957 (1957 का 27), के प्रयोचनार्थ नंदरिती द्वारा प्रकट व्यूरी विश्वा गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा औ विश्वः

बक्क गव, उन्स जीभिनियम की भाग 269-ग के जनुसरण जें, बें', उन्स अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के जर्माल, निम्मलिकिश न्युनिवर्गों। अर्थात् ६—— 1. श्री एस० वी० ठक्कर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० डी मेहता और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

का यह यूपना पारी कारने पुन्तित स्न्याच मं न्यंत है जिल्ला कार्यमाहिया सुरू करता हो।

वयत बंगरित के मधीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेत्र :---

- (क) इस ब्रुक्ता के राज्यन में प्रकावन की तारीय के 45 किन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कूता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्गि वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रक्रित व्यक्तियों में ते कियी अपनित ब्राह्म;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीच सै 45 विन के भीतक उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूब किसी कर्य व्यक्ति स्वारा नभाहक्ताक्षरी के बाद विवित्त में किए जा सकोंगे।

स्थानी कारण ह— इसमें प्रयुक्त करतें और पक्षे का, जी उच्छे,
प्रतिभिन्न के सभ्याय 20-क में परिशास्ति हैं, वहीं वर्ष होगा जो उसा सध्याय में दिया क्या हैं।

श्रमसूची

प्लाट न० जो नीलकंठ प्रकाश, प्लाट न० 54 गारोडिया नगर, पाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं०ग्नई-3/37-ईई/18731/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 प्रश्नेल 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> (ए० प्रसाद), सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण), श्रजन रेज-3, बम्मबर्श्ड

प्रस्प बाह् , टाँ , पूज , प्रस्_{र करण्यनसम्बद्ध}

अध्यक्त र व्यक्तिनियम् , 1961 (1961 का 43) वर्षी धारा 269-६ (१) के क्यीन सूचना

मार्त सरकार

नार्याक्य, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/18696/84-85--यत: मुझे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इक्क परन्तर् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 266-च के जभीन सक्षम प्राधिकल्पी को यह विश्वास करने का

नप्रायम्य हुँ। विक्र मध्यप्रदेश २०३१), राज्यप्रकाः । उन्यस्त महस्यस्य महस्य

1,00,000/-रा से अविक ही

और जिसकी सं० फलॅट नं० ए-10, जो, 2री मंजिल, सिदार्थ इमारत, काजुपाडा, पाईप लाईन रोड, कुली, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारकामा आयकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क छ ने ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 अप्रल 1985 को पूर्वोक्त सम्पर्धित के उपित बाजार मूल्य से कम के पत्रयज्ञान अधिकाल के सिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वतस भारने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मण्ति सन उन्निषक माजार मूलन, उसमा उपयुमान प्रतिकाल से, एसे उपयमान प्रतिकास का **पम्बद्ध प्रतिचात से ज**ियक ही और अंतरक (अं**तरकों) और अंतोरती** (अन्तरितियों) के भोच एसे अन्तरण के लिए तथ पतक गया प्रविक्रम , निम्नीलिश्वत उद्धे स्य से उथत अन्तरण सिवित में **कास्टरिक क**प से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) वंतरच से हुए किसी जाय की बायता, उनका अधिनिवस के अधीन कर दोने के अंतर्क के **बाहिबर**व में कामी करने या उद्यक्त असरी में हाँप्रशा को सिए: और/कः
- (ब) एसी कि भी आप या किसी धम या अन्य आस्तियाँ को, पिन्ही भारतीय शबकर अधिप्रियम, 1322 (1922 का 11) या उसल अधिनियम, भा भन-कार वॉर्गिंग्या (८०१७ । १९) १७ (१०) की प्रयोजनार्थ असरिती अवारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जानः नाहिए था, स्टिप्ट में स्विधा ने सिह

क्याः कवः, उक्तः सर्विधियम् किथारः 269-स ४८ सन्*शर*क , भी, अक्त अभिनियम की भारा ३८९०च की उपभारा (४) 🖥 बचीनः निम्मलिहितः स्वित्मर्थोः, अधीत् 💵

1. मेसस मंत्री इंटरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती इ॰ पी० मालीयस।

(ग्रन्तरिती)

करों मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्ज़न के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस सुभना के राजपण में प्रकाशन की सारी**य से** 45 विन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होशे हों, के भौतर पूर्वीक्त च्याकिस्यों में से फिसी ब्यब्दिश द्यारा;
- (का) इस सचभा के राजधन में प्रकाशन करी तारी ख से 45 दिन के भीसर उक्स स्थावर सम्पत्ति में **दित**-वस्य किसी धन्य व्यक्ति ब्यास अवाहस्ताकारी के पास लिखित में दिये वा सकरें।

ल्याकीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित की, सही अपर्य अल्लाप, ब्लायम सम्बद्ध की क्रिक्स क्राः है।

अनुभूषी

फलॅट नं॰ ए-10 जो, 2री मंजिल, सिद्धार्थ इमारत, काजूपाडा पाईप बाईन रोड, कुर्ला बम्बई-70 मे स्थित है। ग्रनुमुची जैसाकि फ़॰सं॰ ग्रई-3/37-ईई/18696/84-85

डौर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा प्रिनांक 1 अप्रेल 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5 नयम्बर 1985

मोहर।--

प्रकृष बाहें ही एन एड . नारकारणा

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के जभीत स्थना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक सायकर वायुक्त (निरक्षिक)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई०

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18386/84-85--यत: मुझे ए० प्रसाद,

नायकर निर्धानयक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा रहा है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित शाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० गोडाऊन नं० 14, जो, 1ली मंजिल, स्वास्तिक वर्ष्स, पाइप लाईन रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनांमा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 1961 की धारा 269 के ख के अश्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजी स्ट्री है। सारीख 1 श्रप्रैल 1985

की पूर्वीयत सम्पत्ति के उसित वाकार भूल्य से कम के क्स्प्रमान प्रतिपत्त को सिए अन्तरित की गर्व हैं और मुझे प्रश्न विश्वाध करने का कारण हैं कि ज्यापूर्वीयत सम्पत्ति का उसित वाकार मूख्य, जसके क्स्प्रमान प्रतिपत्त से, एसे क्याचून प्रतिपत्त का वंद्रह प्रतिकृत से मिल हैं और कंतरक (जनस्की) बाद बंद्रिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे बंद्रस्य जनस्की सिद्ध स्थ प्रमाणवा प्रतिपत्त , निम्निविद्ध च्यूच्य से उसते संदूर्य विश्वित से वास्तिविद्ध के स्थाप का से सम्पत्ति के से क्ष्य का से स्थाप का से सम्पत्ति के से क्ष्य का से स्थाप का से स्थाप का से सम्पत्ति का से स्थाप का स्था स्थाप का स

- (का) बन्तरण से हुई किसी अभ को बावक, उपने अधिनियम की अधीन कहा दोने के जन्तहरू के शामित्व मी अभी कारने या उसके बसने में सुविधा को लिए;। और/मा
- (ब) एंसी किस्ते नाय या फिसी अन सा बस्य आस्तियों की, जिन्हों कार्यकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) सा उन्त अधिनियस, सा नव-कार सीधिनयस, 1957 (1957 का 27) के स्थान ता नियम, ना नियम प्राप्त कार्य नहीं किया प्राप्त सा से सियम प्राप्त कार्य से सियम प्राप्त कार्य से सियम प्राप्त कार्य से सियम से सियम से सियम

जतः वयः, स्वयः वर्षनियमं को भारा 269-मं अं अनुतरमं वॅ, में, उसतं वरिधनियमं की भारा 269-में की उपभारा (1) को अभीन , निम्निशित व्यक्तिसम्बद्धाः क्षेत्रांत्रं क्ष्रेस्च 1. भेसर्स एम० दिल्ब्सें।

भन्तरक),

2. मेसर्स युनिवर्सल ट्रेडिंग कंपनी।

(जन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यगाहियां करता हूं।

बन्ध संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बासपे :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि आद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्श स्विक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 बिन के मीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हिस- सक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के दास निचित्र में किए जर एकोंगे।

स्वक्रिकरण :----ध्समी प्रमुक्त श्रव्यों और पश्चे का., वा उच्क श्रीपनियम के अध्याय 20-क मी परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उत्तर अध्याव मी विका वया है।

FUL

गोडाउन नं० 14, जो, 1ली मंजिल, स्वास्तिक वर्ष्स, पाईप लाईन रोड, कुर्ला (प०) बम्बई-70 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी संब्ज्यई-3/37-ईई/18386/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 ग्रप्रैल 1985 क रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक डायकर त्रायुदत (निरीक्षण), ग्रजँन रेंज-3, बम्बई

विनांक ।- 5 नवम्बर 1985 मोहर ।-- प्रस्य बार्स टी. एन. एव. = = =

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के विधीन सुभवा

भारत सहस्यद्

कार्यातय, तहायक बायकर बाव्यत (विरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्ब र 1985

निर्देश सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/18387/84-85--यतः मुझे ए० प्रसाद

काश्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्न इसमें इरफों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उपित वाजाद मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. स नामक हैं

और जिसकी सं० गोडाउन/युनिट नं० 13,प्जो, 1सी मंजिल,
स्वास्तिक चेंबर्स, पाईप लाइन रोड़, कुर्ला (प०), बम्बई-70
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप
से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है,स्नांक 1 अप्रेल 1985
को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान
अविजन के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये वह विश्वाद्ध
करने का कारण है कि यथाप्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
मृत्य, उसके स्थमान अतिफल से, एसे स्थमान अतिफल स्थ
में इ अतिकत से विश्व है और संतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरिययों) के बीच एसे बन्तरण से निए तय पाया नय।
प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उपस बन्तरण विषित में
बालविक स्प से किंबत नहीं किया नया है द

- (क) अन्यस्य वे इन्न किया आय की शबक , उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के कन्तरक के शिवरप में कमी करने वा उत्तवें वचने वे सुविधा के लिए; बीच/वा
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्ध बास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वास्त प्रकट कहीं किया प्रया था बा किया बाना चाहिए था छिपाने में ब्रुप्थिधा के निसर

कतः क्षेत्र उत्तर विधितिकम् की धारा 269-त के बनुसरक् में, में, उत्तर विधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीत, निम्मिलिखिक व्यक्तियों, वर्षात् हिन्स (1) मेसर्स एम० बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्सयुनिवर्सल ट्रेडिंग कंपनी।

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहिक करू करता हूं।

सुकत सम्मिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को इन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषि। हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव नवा हैं।

अनुसूची

गोडाउन/युनिट नं० 13, जो, 1ली मंजिल, स्वास्तिक चेबर्स, पाइप लाईन रोड़, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/18387 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-3, बम्बई

दिन'क: 5-11-1985

अस्य आहें हु टी , एन , एन , ००००

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुखना

मारुव सङ्ग्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

प्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/18332/84-85---श्रतः मुक्ते, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बन्धि, जिसका उचित बाचार म्स्य 1,00,000/- छः से अधिक हे

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, जो, 651 मंजिल, जेसमाईन मालाष्ट (प०), बम्बई--64 में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के ब्रिक्स बाजार मृश्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रविक्ता ते, ऐसे ध्रवमान प्रतिकल के बन्द्र प्रविक्त के अधिक है है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्निसिकत उक्तरेय से उक्त जन्तरण लिकित में वास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण संबूद्ध कियी बाम की बाबत , उपत अधिनियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के दासित्य में क्यी करने या असने गचने में मृतिभा के लिए भौर/टा
- (स) एंसी किसी अगय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा को जिहा;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निय्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 51—396GI/85 (1) कानकार्ड इंटरप्राईजेस।

(भन्तरक्)

(2) श्रीमती लिली रॉड्रिंग ।

(भन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के दर्जन के लिए कार्ववाहियां बुरू करता हूं।

उन्त सन्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राध्यत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बन्दीन, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर बूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवस्य;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मीत में हिस-क्र्य किसी जन्म व्यक्ति व्याश नथांहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किस वा सकींगे।

स्वध्दीकरण --- इतमें प्रवृक्त शब्कों और पदों का, जां उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 601, जो, 6ठी मंजिल, जेसमाइन, मालाङ (प०), बम्बई--64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० प्राई०-3/37-ई० ई०/18332/84/85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड़ किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहागक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज-3, गम्बई

दिनांक: 11-11-19**8**5

मोहरुः

प्रस्प कार्ड दे . एव . एस . ------

भावकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) को अभीन सुमान

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई 3.37 ईई: 18768/84-85-ग्रतः मुझे ए• प्रसाद

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीरं जिसकी सं० खूला जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज श्ररंगल, मालाड के पास, जिस हा सर्वे नं० 92, सी० एस० टी० नं० 2232, लाट नं० 1, मालाड, वम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से विजित है, और जिसका करारनामा भागकर श्राधानगम, 1961 की धारा 261 क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनंक 1 श्रप्रैल 1985

ना पूर्विता सम्मित्त के बिंचत बाधार मृत्य ते कम के असमान प्रतिफल को लिए मन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह निक्याध करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित का उचित बाधार ब्रुव्द, उसके अस्यभाग प्रतिफल है, ऐसे असमान प्रतिपक्ष का पंत्रह प्रतिचत से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरिक्रा) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय गावा नदा प्रतिक्रा, निम्मितिचित्र क्यूबेट्स से उच्च अन्तर्क निक्रा के विकास के स्वार्थ निक्रा के बाका कि उन्तर्क में बाका विकास के से से किया नहीं किया वसा है उन्तर्क के सी किया नहीं किया वसा है उन्तर्क

- (क) अन्तर्ण से हुई विश्वी माथ की बाक्स, उक्स अधिनियम के अधीन कुछ दोने के अध्ययक के वानित्म में कभी करने वा उसके बक्ने में ब्रेनिधा के सिक्क और/मा
- (ण) एंसी किसी साथ वा किसी भन वा कन्यू जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया वाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा की लिए;

अत: अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण कों, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नीलिखित अधिताओं, अधीत् :--- (1) श्री नरेन्द्र पाल गुप्ता ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सुमतीबाई एन० नाईक।

(भ्रन्सरिती)

कार्यकृ सूचना चारी करके पृशेषित सम्मित के बर्चन के सिए कार्यशाहिमी करता हूं।

उन्द सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वास्य;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच् वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निवित में किए या तकोंगे ।

स्पच्चीकरणः — इक्से प्रवक्त कच्ची और पर्यो का, जो उपत अधिनिजय के अध्याय 20-क में परिवाणित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

नगुसूची

खूला जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज श्ररंगल, मालाड के पास, तालुका बोरिवली, जिसका सर्वे नं 92, सी० एस० टी० नं 0232, लाट नं 01, मालाड, बम्बई में स्थित है।

भ्रत्मुची जैसा कि फिल्म सं भ्रई०-3/37-ई० ई०/18768/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 8-11-1985

क्षण्य ज्ञार्यः <u>की. ५म</u>ा १४ .--ऱ्या

नगकर जीभनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 2,69-न (1) के अभीन क्षूचना

भारत बहुकार

कार्याक्रय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिक)

ध्यर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनां रु 8 नवम्बर 1985

निर्वेश सं ० ग्राई० – 3/37 – ई० ई०/1860 3ए/84 – 85 – ~ ऋत ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतवें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव कार्यालय नंव 7, जो, शूभलक्ष्मी शापिंग सेंटर, क्यारी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुवी में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 श्रप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से विधक है और जंतरक (बंतरकाँ) और बंदिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विद्याल, रिम्मिशियत उद्देश से दश्य बन्दहम रिमिया के श्रास्तिक स्प से कथित वहाँ किया पना है छ-

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाय की बावत, उक्क मीधनियम के अधीन काह दोने के बम्तरक के धावित्य में कनी कहने ना उन्नत करने तो सुविधा के सिक्: बीड/वा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्थियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के शिक्षः

नतः स्व, उस्त सीधीनयम, सी याद्य 269-म् से नन्तरण में, में, उस्त सीधीनयम की धारा 269-म की जवशृता (1) में स्थीन, निस्तिविक व्यक्तियों, नर्मात् क्र--

- (1) स्पान विश्वसं भौर एच० एस० कहेला। (भन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मीचंद नत्युराम मिस्त्री । (धन्तरिती)

को यह सुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाओद :-- •

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश अ 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 विन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध दिक्की कम्य व्यक्ति इताश मधोहस्ताक्षरी के शह विदेश में किए या दकीने।

धनुसुची

कार्यालय नं ० ७, जो, शूभलक्ष्मी धार्षिण सेंटर, नवारी रोड़, मालाड (पुर्व), बम्बई--9७ में स्थित है।

श्रनूसूची जैसा कि क० सं० ग्राई०-3/37-ई० ई०18603→ ए/84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायूक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

दिसांक : 8--11--1985

प्रकल् नार्द्ध होतु क्षेत्र पुरु तंत्र अ अ ≥ ३०

नावभार वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के मधीन सुष्ता

भारत सरकार

कार्याक्षयः, ब्रह्मयकः नायकर वायक्तः (निर्दोक्षण)

अर्जम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-3/37-ई० ई०/18243/84-85--अत: मृत्ते ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,090/- रु. से अधिक है

भ्रंर जिसकने सं ० फ्लंट नं ० 502, जो, एस-4 इमारत, प्लाट नं ० 21-22, सी० टी० एस० नं ० 33/10, ब्हिलेज चिचवली, सुदर नगर, एस० वी० रोड़, मालाड (प०), बम्बई में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 261 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिमांक 1 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य एं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्के यह विद्यास का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मति का प्रतिफल बाजार मूल्य, इसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत उक्त मुभिनियम के बंधीन कर देवे के अन्तरक के दर्शित्य में कमी करवे या जसने बंधने में सुनिधा के लिए; बहि/या
- (क) एंबी जिसी आब या किसी धन का अन्य बास्तियों को, किन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा विकास

अतः अव, अवस अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) मेट्रोपालिटन डेब्लोपमेंट कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोश देवी रूगंद्या ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध वो काहि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाब रसम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्ता है।

बन्तुची

पलैंट नं० 502, जो, एस-4 इमारत, प्लाट नं० 21-22 सी० टी० एस० नं० 33/10, ब्हिलेज चिचवली, भुदर नगर,, एस० नी० रोड़, मालाड (प०), नम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37—ई० ई०/18243/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

दिनांक: 8-11-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयंकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्ज म रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई०—3/37—ई० ई०/18334/84--85---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्ञक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 17.00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० एफ-1, जो, 3री मंजिल, श्रीराम भवम, मालवनी, क्यूनिसिपल कालोनी के सामने, मार्वे रोड़, मालाड (५०), बम्बई-95 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है, ग्रौर जिसका करार-गामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 261, क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिश्तंक 1 अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाद्रा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अंतरण से इन्हें किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के मंहरक को दायित्य में कमी करने या उक्तर बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए;

जत: जब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीत, निम्मलिसित व्यक्तिकों, अभीत् :--- (1) श्री पाम बिल्डर्स प्राष्ट्रवेष लिए।

(अन्तरक)

(2) श्री राबर्ट पी० टन्नेम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पृथिक्त संपत्ति के अर्जन और जिए कार्यवाहियां करता हो।

दावत सम्परित के वर्णन के तंबंध हो कोई भी वाक्षेत्र 🖙 💛

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यिक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ब्याक्सियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गमा है।

ममुल्ली

फ्लैटनं० एफ-1, जो, 3री मंजिल, श्रीराम भवन, मालधनी, म्युनिसिपल कालोनी के सामने, मार्वे रोड़, मालाङ (प०), बम्बई-95 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई०-3/37—ई० ई०/1833'484-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद प्रथम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

दिमांक: 8-11-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मवम्बर 1985

मिर्देश सं०अई०-3/37—ई० ई०/18310/84–85—अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका अधित बाजार मृत्य

1,00,000/- ० से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 23, जो, 2री मंजिल, ए-विंग, निलिमा
अपार्ट मेंट, एस० पी० एस० मार्ग, माडंप (बम्बई-78) में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनाणी

के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 अप्रैल 1985
को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निस्तित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक
कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सम, उकत अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अथत अधिनियम कौ भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तिरों, अर्थात् :----

(1) मेसर्स गणेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० बी० मोहन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को जन्मि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पवीं का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभागवत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नग्त्जी

पलैष्ट नं० 23, जो, 2री मंजिल, ए—विंग, निलिमा अपार्टमेंद, एस० पी० एस० मार्ग, भाड्य, बम्बई—78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई०-3/37-ई० ई०/18310 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बस्बई

दिनांक: \$-11-1985

नाहर :

प्ररूप काइ⁸्टी एन एस .-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 29 अन्तूबर 1985

निर्देश सं० अई०--3/37—ई० ई०/18824/84—85⊶—अत मुझे, ए० प्रसाद

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु ते विभिक्त है

श्रीर जिसकी सं एलैंट नं 3, जो, 2री मंजिल, कौंकण नग बी एन रोड़, भाडूप, बम्बई – 78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख ्वे अधीन, बम्बई स्थित रक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 अप्रैल 1985।

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के सिए तथ पामा गवा इतिफल, निम्निचित्तत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित बो वास्तविक रूप में कथित वहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के शिक्;

जतः त्रव, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसरण को, मी, धक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) को अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ६—— (1) सिटी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें० जी० गेंट्टी

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- ५ समों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ कोगा जो जम अध्याग में किया गया है।

अनुसची

प्लैंड नं० 3, जो, 2री मंजिल, कोंकण नगर, बी० एन० रोड़, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०--3/37-ई० ई०/18824/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिसांक 1--4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

विमांक: 29-10-1985

शालम बाह्रं टी.स्म.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्**थ**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985 निर्देश स० ग्रई०-3/37-ई० ई०/18352/84-85→श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं खुला जमीन का हिस्सा, जिन हा पर्ने । ० 3 9 एच० न० 1, सी० एस० न० 642-बी, व्हिलेज नाहर, तालुका कुर्ला, मुलूंड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रम् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 श्रप्रैल 1985

की वृत्यें से अपनित के उचित बाजार मृत्य सं अभ के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का गरण है कि यथापूर्वोक्त संपीत का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रीतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिति (अन्तरितिकां) से बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तरिक रूप से अधिक पहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दत्तरस्य में सभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिलित व्यक्तियों, अधीर :--- (1) श्री जे० डी० शेट्टी

(भन्तरक)

(2) मेसर्सम्रार०के०बिल्डर्स।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जक्त तस्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी नाओप :---

- श्रीक) इस सूचना को राजभन्न में प्रकाशन की द्वारीख चैं। 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यथित, जो भी वयधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति स्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संगत्ति मों हितनवृष किनी अन्य व्यक्ति देवता अपाहस्ताक रोक पास निवित्त में किए का कर्नगं।

स्वव्यक्तिकरण : श्राम्य असून्य अव्यो और ४ औं ४३, त्रो उच्च ४ श्रीभीचनन, के वच्चान ५१/ के में ४ श्रीचर जिस हं, वहीं अर्थ होरे, ५० के संबंधनाय में दिया पद्मा है ह

नगुजुची

चुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे न० 39, एच० न० 1, सी० एस० नं० 642-बी, व्हिलेजनाहर, तालुका कुर्ला, मुब्हंड (प०), बम्बई में स्थित है।

प्रमृषुची जैसा कि कि० सं० प्रई०-3/37-ई० ई०/18352/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हाव**क श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, बम्बई

दिसांक: 1\$-11-1985

प्रकृप कार्यों ही एत. इस . - - - ----

भाषकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत तरकार

कार्णलय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज⊶3, बम्बई

श्रम्बई, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० श्रई-3/37--ईई/18747/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 102, जो, 2री मंजिल, यूनिट इण्डस्ट्रियल इस्टेट, जवाहर टाकीज के सामने, डा० प्रार० पी० रोड, मुर्लुड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णक्य से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :—— 52—396 GI/85 1. यूनिक बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गिरीश शांती लाल मोट्टा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीफरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

यूनिट नं० 102, जो, 2री मंजिल, यूनिक इण्डस्ट्रियल इस्टेट, जवाहर लाल टाकीज के सामने, डा० श्रार० पी० रोड, मुलुड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायज्ञ आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

का पासिय, सहायक आयंकर सायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ब्रई-3/37-ई० ई०/18297/84-85---ब्रसः, मझे ए० प्रसाद,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसे कें इसके परचात् 'उकत अधिगायम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सभाम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो, 3री मंजिल, सर्वे नं० 118/3 श्रीर 118/4, मिठागर रोड़, मूलूंड (पूर्व), वस्वई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 श्रप्रैल, 1985।

का प्यांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित के बास वास के अस्तरण निर्मित अस्तरेश से अस्तरण निर्मित अस्तरेश से अस्तरेण निर्मित अस्तरेश से अस्तरेश के स्वास नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् (1) मेसर्स निखिल विलडर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० एस० चव्हाण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

वनसची

फ्लैंट नं 12, जो, 3री मंजिल, सर्वे नं 118/3 धौर 118/4, मिठागर रोड़, मूलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है। श्रन्सूची जैसा कि कि सं श्रई०-3/37-ई० ई०/18297/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बस्बई

विमाम : 13-11-1985

शकर बार्ड . दी . दन् . एक .,-------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन त्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षक)

प्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्वेश सं ग्रई -3/37—ई ई /17314/84—85—ग्रतः मुस्ते, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं व्युनिट नं 219, जो, 2री मंजिल, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, जवाहर टाकीज के सामने, डा॰ श्रार॰ पी॰ रोड़, मुलूंड (प॰), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीकीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के ायलिय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 श्रीश्रेल 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का नन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए त्य पाया गया प्रति-फस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-कुछ इप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त श्रीशिवम के सभीन कार वीगे के बन्तरक के शावित्न में कभी करने या उनके वसने में बृविधा में किए: श्रीर/मा
- (व) एसी किसी साय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, विक्यू आरतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिष्;

अतं: क्षत्र, उक्ते अभिनियम की धारा 269-व के अनुसरक के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीसिक्त व्यक्तियों अवीदा के= (1) टेक्स पार्ट मैन्यूफ़ैक्चर्स।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स विमल आर्ट इंडिया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सन्यरित के वर्तन के किन्न कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन में स्वयन्त्र में मोही भी शाक्षीय उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वे कर स्पवित्तयों में से किसी स्पवित्त ब्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंके।

त्यव्यक्तिरणः -्रसमं प्रयुक्त शक्यों सीर वद्यों सा, वां हक्त विभिन्नियंत्र के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

भन्सूची

यूनिट नं० 219, जो, 2री मंजिल, रामगोशस इंडस्ट्रियल इस्टेट, जवाहर टाकीज के सामने, डा० श्रार० पी० रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई→80 में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/18089/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टडं जिया गया है।

> ् ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंजैं~3, बम्बई

दिनांक : 8~11-1985

मोहरः

4=== :===

प्रकल कार्ड .टी . एवं : एस . ------

कायकर किंपिनियमं, 1961 (1961 का 43) का चारा 269-च (1) की वभीन स्थाना

शास्त्र संस्कार

भाषांनद. सहायक आमकर आमृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 17 अक्तूबर 1985

निवश सं० ए० सी० 16/रेंज-4/कलकता/85-86---ग्रत। मुझे, शंकर के० बनर्जी,

हासकर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धाए 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावत सम्पत्ति, विसका उचित वाचार सूच्च 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० है तथा जो खागरवाड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कुच बिहार में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2~4–1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कथ के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संवीत का उचित बाबार बूल्य, उसके रखनान प्रतिकल से, एसे अस्पान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के खिए तब वासा बना प्रतिक फल निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाधक, उक्त बंधिनियम की बधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कृती करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध बहैं / यह
- (व) ऐती किसी बाव वा किसी वन वा बन्न बास्तियी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ कर्दाक्री द्वारा प्रस्ट नहीं किसे. ववा वा या किया काम वाहिए था, रिक्पान में अविभा के लिए?

सत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-- (1) श्री जागिर सिंह ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जमना लाल तसनिवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादिश करते हैं।

जनत सम्मृतित के नर्जन के सम्मन्य में कोई भी नाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की जनभि वा तत्सम्बन्धी अपन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, वो भी जनभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थान्तयों में से किसी व्यक्तित व्यारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय वे 45 दिन के मीत र उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबहुव किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किस या सकेंगे।

स्वक्रीकरण:--इतमें प्रमुक्त बन्दों और दक्षों का, हो क्या इतिवीदवव, के वृष्याव 20-क में दृतिभाषिक हैं, वहीं अर्थ हरेगा को उस अध्याव में दिवा नया हैं।

अनुसूची

1.04.3/4 एकड़ जमीन के साथ मकान पता मौजा---खगरबाड़ी, थाना कोतोयाली जिला कुच बिहार । दिलल सं० 1985 का 3530।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1V कलकत्ता

तारीख: 17-10-1985

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 3rd December 1985

No. A-11/4/85,--Shri A. K. Mathur, Assistant in Headquarters Office of this Directorate is bereby appointed to officiate as Enforcement Officer, in Jaipur Field Unit of this Directorate with effect from 16-4-1985 and until further orders.

No. A-11/5/85.—Shri C. K. Bhai, Assistant in Head-quarters Office of this Directorate is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Jalandhar Zonal Office of this Directorate with effect from 22-4-1985 and until further orders

D. C. KOHLI Special Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 29th November 1985

No. 6L-PRS-116.—Consequent upon his completion of deputation period in this Commission, Shri G. Ramachandran, Technical Examiner (Elect.), Executive Engineer (Elect.) of the Central Public Works Daptt. is relieved of his duties this Commission with effect from the afternoon of 29th November, 1985 and his services are placed at the disposal of the D. G. (Works), CPWD, New Delhi.

The 11th December 1985

No. 2/8/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri A. S. Mehta, IAS (Raj : 1961) as Secretary, Central Vigilance Commission in the scale of pay of Rs. 2500-125/2-2750 with effect from the afternoon of 2nd December, 1985, until further orders.

> K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, AR AND PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 4th December 1985

No. 2/5/78-EST.—Shri S. N. Tripathi has assumed the charge of the Office of the Administrative Officer (Establishment) in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, in the forenoon of 26th November, 1985.

> ANUPAM KULSHRESHTHA Dy. Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th December 1985

No. A-20023/2/85-Ad, V.--The President is pleased appoint Shri Jayadeva Prasad, Public Prosecutor to officiate as Senior Public Prosecutor, CBI (Group 'A' Gazetted) in the scale of Rs. 900-1400 w.e.f. 25-11-85 (forenoon) and till further orders.

No. A-20023/6/75-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri Gopal Saran, Public Prosecutor to officiate as Senior Public Prosecutor, CBI (Group 'A' Gazetted) in the scale of Rs. 900-1400 w.e.f. 21/11/85 (Forenoon) and till further orders.

The 13th December 1985

No. A-19021/5/79-Ad. V. (Vol. III).—Shri D. N. Batra (Dwarka Nath Batra), Sucrintendent of Police, Central Bureau of Investigation will henceforth be known as "MAHANT DWAKKA NATH".

No. A-19021/5/82-Ad. V.—On absorption as Manager (Vig) in the Madras Refineries Ltd., Madras (A Public Sector Company under the Ministry of Petroleum) wef 1st Sept 1985 Forenoon in terms of Ministry of Finance/Bureaus of Public Enterprises OM No. 5 (25)/83-BPE(PSEB) dated 6th March 1985, Shri R. Ganapathippan, Supdt. of Police/CBI is deemed to have retired from service from that date in accordance with Rule 37 of CCS (Pension) Rules, 1972.

This supersedes Notification of even number dated 1st November 1985.

No. 3/36/85-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri A. J. S. Samra, IPS (Maharashtra, 1962) as Dy. Inspector General of Police on deputation in the Gentral Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 18th November, 1985 and until further orders.

No. 14/5/85-Ad. V.—The President is pleased to appoint the following. Public Prosecutors to officiate as Senior Public Prosecutors, CBI (Group 'A'/Gazetted) in the scale of Rs. 900-1400 on regular basis w.c.f. 16th October, 1985 and till further orders :-

- 1. Sh. S. K. Srivastava
- 2. Sh. T. P. Sinha
- 3. Sh. Y. K. Saxena
- 4. Sh. S. P. Nigam
- 5. Sh. G. Vithal
- 6. Sh. V. N. Srivastava
- 7. Sh. S. P. Stivastava
- 8. Sh. S. Bhattacharjee
- 9. Sh. U. S. Prasad
- 10. Sh. S. P. Mishra
- 11. Sh. C. S. Sharma
- 12. Sh. A. K. Dutt

13. Sh. Baljit Singh

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 6th December 1985

12012/1/84-Admn, II.- In continuation of this Directorate's notification of even number dated 29th October, 85, Director Police Telecommunications is pleased to appoint Shri Sri Krishan, Technical Superintendent (Cipher) of the Shri Sii Kishan, recinical superintendent (Cipici) of the Directorate of Coordination (Police Wireless) as Extra Assistant Director (Cipher) in the D. C. P. W. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EP-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis for a further period of six months w.c.f. 9-11-85 or till the post is filled upon regular basis whichever is earlier.

Director, Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-11 003, the 11th December 1985

No. O. II-897/74-Adm-3.—Consequent on his retirement from Government Service Shri B. D. Sarcen, of Directorate General, CRPF relinquished charge of the post of JAD (Accts) on the afternoon of 28th Feb. 85.

No. O.II-1468/80-85-Adm. 3.—Shri V. S. Yadav, Administrative Officer of the Directorate General, CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Accts)/Audit officer in the P & AO, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 5th Dec. 1985.

No. O. II-1/82-Adm-3.—Consequent on his retirement from Government Service, Shri N. A. Hira, of Directorate General, CRPF, relinquished charge of the post of JAD (A/CS) ad hoc on the afternoon of 30th November 1985.

> KISHAN LAL Dy. Director (Admn.)

New Delhi-110 003, the 5th December 1985

No. F. 8/2/85-Estt (CRPF).—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri K. M. Mehrotra, Commandant, CRPF, with effect from 4-4-85 consequent upon his appointment to the post of Chief Security Officer in Bank of India, Head Office Express Towers, Nariman Point, Bombay under Article 67 of Chaudhri's compilation of the CSR Vol. I.

The 11th December 1985

- No. O. II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. R. N. Kaman, as JMO in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. 8-11-85 (FN) for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.
- No. O. II-2009/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. B. V. Ramana as JMO in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. 25-11-85 (FN) for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.
- No. O. II-2124/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Sadhana Yadav as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4-11-85 for a period of three months or till a regular incumbent joins, whichever is earlier.
- No. O. 11-2125/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Harbans Yadav as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6-11-85 for a period of three months or till a regular incumbent joins, whichever is earlier.
- No. O. II-2126/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Salil Srivastava as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 5-11-85 for a period of three months or till a regular incumbent joins, whichever is earlier.

M. ASHOK RAJ, Asstt. Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 6th December 1985

No. E-16014(2)/1/85-Pers-I.—On re-employment, Shri V. S. Chaudhury has assumed the charge of the post of Deputy Commandant, CISF Unit, KCC Khetri with effect from the forenoon of 25th November, 1985.

The 11th December 1985

No. E-16013(2)/29/85-Pers.I.—On appointment on deputation, Smt, Kanchan Choudhary Bhattacharya, IPS (UP: 1973) has assumed the charge of the post of Asstt, Inspector General (Western Zone), C.I.S.F., Bombay with effect from the forenoon of 2nd December, 1985.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECO. AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nashik Road, the 14th December 1985

No. 623/A.—In continuation of Notification No. 126/A dated the 18th May 1985 the ad-hoc appointment of S/Shri G. A. Pagare and T. V. Ulhanan as Security Officers is further extended for a period of six months w.e.f. 8th October, 1985 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

(Sd.) ILLEGIBLE
General Manager
India Security Press

CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 11th December 1985

No. ESC-1-15/18897.—Further to the Notification No. N-77-N/5902 dated 13-12-1984, the General Manager,

Currency Note Press is pleased to extend the appointment of Shri M. V. Ramakrishna Rao. Accounts Officer, Currency Note Press for a period of one year from 10th December 1985 on deputation basis.

S. D. IDGUNJI General Manager Currency Note Press

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 11th December 1985

No. 3525-CA-I/55-76.—On his attaining the age of superannuation Shri D. P. Sharma, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Exofficio Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service with effect from 30-11-1985 A.N.

K. P. LAKSHMANA RAO Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Comml.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) II, BIHAR

Ranchi-2, the 11th December 1985

No. L.A. Admn.I-Estl.I-A.O(Prom)-2941.—The Accountant General (Audit) II, Bihar, Ranchi has been pleased to promote the following Assistant Audit Officers of Local Audit Wing to officiate as Audit Officer with effect from the date noted against their names until further orders in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200:—

- 1. Shri Sushil Kumar Guha, 15-11-85 (F.N.).
- 2. Shri Sharat Chandra Narayan Sinha, 18-11-85 (F.N.).

D. MUKHERJEE Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 9th December 1985

No. OE.XI/Gr. II/AAO-SO/1984-85/Proforma/1/254/540.—
The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accord proforma promotion to the undermentioned Section Officer as Assit. Audit Officer in an officiating capacity in the Scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040, under next below rule with effect from the date noted against him:—

SI. No.	Name	Perma- nent No.	Date from which proforma promotion is accor- ded	Department in which he is on deputation
<u> </u>	2	3	4	5
1. Sh	nri Badle Ram	02/1213	15-7-1985	M.P. Rajya Setu Nirman Nigam Ltd. Bhopal

[Authority: Orders of A.G. (Audit): I dated 19-11-1985]

M. DEENA DAYALAN

Dy. Accountant Goneral (Adma.)

MINISTRY OF DEFENCE

(DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE)

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 001, the 2nd December 1985

No. 15/85, A/E-1(NG)....On attaining the age of superannuation the following officers retired from service w.e.f. 30-11-85 (A.N.):—

- Shri Yogindra Nath Goswami, Offg. Assistant Staff Officer (Subst. and pmt. Assistant).
- Shri Nani Gopal Das, Offg. Assistant Staff Officer (Subst. and Pmt. UDC).
- 3. Shri Birendra Nath Das, Offg. Assistant Officer, (Subst. and Pmt. UDC).

S. DASGUPTA Director/Admn. for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 11th December 1985

No. 52/G/85.—Consequent on completion of re-employment of one year w.e.f. 1-12-84 the name of Ex-Brig. C. D. P. Singh, Director of Health in Ordnance Factory Board has been struck off from the strength w.e.f. 30-11-85/A.N.

S. DASGUPTA Director/Admn.

Colcutta-1, the 2nd December 1985

G. No. 51/G/85.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri M. R. Ghosh, DDGOF Level-I (Subst) & Pmt. ADG/GM (Gr. II), Ordnance Factory Board retired from service w.e.f. 30th November, 1985/A.N.

V. K. MEHTA DDGOF/ESTT.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 12th December 1985

No. 2(37)/EST.I/85/4725.—Shri R. N. Khanna, Assistant Director, Grade II (P&D) in the Powerloom Service Centre, Kishangarh retired from service on superannuation from the afternoon of 30-9-1985.

No. 2(58)/EST.I/85/4730.—Shri K. Ramamurthy, Director (P&D) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Coimbatore retired from service on superannuation from the afternoon of 31-10-1985.

ARUN KUMAR Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 29th November 1985

No. 12(484)/65-Admn.(G).—Consequent on completion of his foreign assignment as Consultant at Bahamas under Commonwealth Fund for Technical Co-operation from 6th May, 1985 to 31st October, 1985, Shri Kamal Kumar Kapoor, assumed charge of the post of Deputy Director (Industrial Management & Training) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries). New Delhi on the foreneon of 1st November, 1985.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL

(DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20; the 25th November 1985

No. EI-2(3)/82(.).—The undersigned hereby appoints Shri P. K. Das, officiating as Assistant Commissioner of Payments, till 10-11-85, to the post of Assistant Iron & Steel Controller, w.e.f. 11-11-85, in a temporary capacity against leave vacancy vice Shri Sukumar Sinha. now on deputation to Falta Export Processing Zone, Calcutta, as Administrative Officer, given proforma promotion in the same grade.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller

KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th December 1985

No. 10944B/10/71/19Λ.—Shri Amal Chandra Sarkar, Asstt. Press Operator, Geological Survey of India has been appointed on promotion as Press Operator by the Director General, GSI in the same Department on pay according rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-80-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th September, 1985 until further orders.

No. 10954B/A-19012(7-AKC)/19A.—Shri Ajoy Kumar Chatterjee, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government Service voluntarily with effect from 30-4-85 (A.N.).

A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-16, the 10th December 1985

No. 10967B/A-32013(2-DG)/82-19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicist (Sr.), GSI, on promotion to the post of Director (Geophysics) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each until further orders:—/

- 1. Shri D. Chatterjee w.e.f. 29-5-85 (A. N.).
- 2, Shri H. N. Dwarakanath w.e.f. 28-5-85 (F.N.).
- 3. Shri T. Mohana Rao w.c.f. 30-5-85 (F.N.).

D. P. DHOUNDIAL Sr. Dy. Director General (OPN) Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th December 1985

No. A.19012(217)/85-Estt.A.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri G. S. Kumbhare, Officiating Superintendent, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th December, 1985.

The 13th December 1985

No. A-19012(218)/Estt'A'-85.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. P. Pachpor, Officiating Senior Technical Assistant (Chemical), Indian Burcau of Mines, has been promoted to officiate in the Post of Assistant Chemist in the Indian Burcau of Mines, with effect from the forenoon of 6th December, 1985.

G. C. SHARMA, Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Dolhi, the 7th November, 1985

No. 17/17/85-S IV.—Consequent upon their promotion the under mentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in a temporary capacity at different Stations/Offices of All India Radio and Doordarshan from the date shown against each till further orders:—

Sl. Name No.	Stations/Offices	Date of joining			
1. Sh. C.S. Kothalkar	. LPT, TV, Auran	LPT, TV, Auranga- 8-8-85			
2. Sh. Karnail Singh .	bad . HPT, AIR,	(FN) 24-8-85			
3. Sh. Jai Gopal	Khampur . MS, AIR, Aya-	(FN) 3-9-85			
4. Sh. S.P. Thayappan	nagar, New Delh LPT, Car Nicoba	(, , ,)			
5. Sh. S. Venkatraman.	. M.C. Doordar-	(FN) 5-9 - 85			
6. Sh. Chandrasekhariah	shan, Tezpur . AIR, Shillong	(FN) 3-9-85			
7. Sh. M. Kalyanasundarar	m. AlR, Imphal	(FN) 30-9-85 (FN)			

B. S. JAIN

Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi-1, the 10th December 1985

No. 4(89)/80-SI.—Consequent on his appointment as Producer (Senior Grade) Shri Sailothanga Sailo, Programme Executive, All India Radio, Aizawl has tendered technical resignation with effect from 11th November, 1985.

I. L. BHATIA,
Dy. Director of Administration (WL)
for Director General
to the Govt. of India

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 6th December 1985

No. A.19012/13/82-Est.I.—Consequent on removal of Shri Vinod Kumar, Officiating Newsreel Officer, Films Division, Bhubaneshwar from service vide Order No. C. 14012/3/85-Vig, dated the 27th September, 1985. Shri Vinod Kumar has relinquished charge of his duties as Newsreel Officer, Films Division, Bhubaneshwar with effect from the afternoon of 14th October. 1985.

R. P. PARMAR, Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 17th December 1985

No. A.19018/7/85-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Sita Ram to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 14th November, 1985 till further orders.

T. S. RAO, Dy. Director Admn. (CGHS).

New Delhi, the 12th December 1985

No. A. 19018/11/85-M(F&S).—On attaining the age of superannuation Dr. S. Ramakrshnan relinquished charge of

the post of Professor of Biochemistry at Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

P. K. GHAI, Dy. Director Administration (C&B).

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPTT. OF AGRICULTURE AND COOPN.)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 12th December 1985

No. 3-9/84-Adm.I.—Shri R. S. Sharma, Junior Chemist (Quality Control) in this Directorate is appointed substantively to the post of Assistant Chemist (Rs. 650-1200) (Group 'B' gazetted) with effect from 1-3-1984.

R. L. RAJAK, Plant Protection Adviserto the Govt. of India

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 10th December 1985

No. A-31014/4/83-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Government of India is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from the date indicated against each in the same order:—

- 1. Sh. G. C. Sen. 19-2-1985.
- 2. Sh. Jais Ram (SC), 19-2-1985.
- 3. Sh. N. G. Mani, 19-2-1985,
- 4. Sh. Abdul Rahim, 19-2-1985.
- 5. Sh. M. C. Malla (SC), 19-2-1985.
- 6. Sh. T. Venkateswarlu, 19-2-1985.
- 7. Sh. R. Selvaraj, 19-2-1985.
- 8. Sh. B. B. Patil, 20-4-1985.
- 2. The lien of the above officers in the lower post, if any, stands terminated with effect from the date of their substantive appointment in the post of Assistant Marketing Officer (Group I).

J. KRISHNA,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 5th December 1985

No. PA/79(17) /84-R-III/3290.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri C. V. Pendse, Permanent Assistant and officiating Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis in Nuclear Research Laboratory, Srinagar of this Research Centre with effect from the forenoon of May 14, 1985 until further orders.

The 9th December, 1985

No. PA/73(18)/85-R-IV/1384.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Goudar Diwakar as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of December 5, 1985 for a period of three years,

N. L. VENKITESWARAN, Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 2nd December 1985

Ref. No. DPS/41/16/85-Adm./33042.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. Ramakrishna Menon, a permanent Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer on and-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 17-10-85 (FN), to 19-11-85 (AN), in the same Directorate vice Shri M. Banerjee, Assistant Stores Officer granted leave.

The 3rd December, 1985

No. DPS/41/1/85-Admn./4725.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri J. J. Pareira a Permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-horbasis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-ER-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 30-9-85 (FN), to 8-11-85 (AN), in the same Directorate vice Shri J. Ramakrishnan Assistant Purchase Officer Promoted as Purchase Officer (ad-hoc).

P. GOPALAN. Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 25th November 1985

No. NFC/PAR/0703/2970.—Dy. Chief Executive (A). NFC ampints Shri J. Suryonarayana Rao, Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis w.e.f. 1-10-1985 until further orders,

No. NFC/PAR/0703/2971.—Dy. Chief Executive (A). NFC repoints Shri N. Bharathan, Asst. Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs-650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis w.e.f. 1-10-85 until further orders.

G. G. KULKARNI, Manager, Personnel & Admn.

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 18th November, 1985

No. VSSC/EST/F/1(17)—The Director, VSSC hereby Promotes the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (V.S.S.C) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of October 1, 1985 and until further orders:

V			
		•	Division/Project
1. Shri David Suguna Kumar			IREX/TERLS
2. Shri N. Sankarshanan			ASLV
3. Shri K. Harikumar			RPP/PCM
4. Shri G. Viswanathan			LPTF/LPP
Shri V. Kunhambu .			ASLV
6. Smt. S. Thonmozhi			TED/SRG
7. Shri C.S. Sukumaran Namb	ooodirl		OCD/SRG
8. Shri M. Ravi Kumar ,		_	EFA(M)/MEG
9. Shri K.K. Ramakrishnan		,	ELS/AVN
10. Shri R. Balasubramanian			SMP
11. Shri P. Chandrasekharan			RPP/PCM
12. Smt. Visalam G. Krishnan			SI/AVN
13. Shri C.J. Chacko			CMF/MEG
14. Shri T.C. Varghoso .			GSS/TERLS
15. Kum. L. Jasilot Bal			EFF

G. MURALIDHARAN NAIR
Admn Officer-II (EST)

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 5th December 1985

No. 020/1(15.4)/85-Estt.L.--Director ISRO, Satellite Courte is pleased to appoint Shri B. S. Srinivasa to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the forenoon of September, 23, 1985 in the ISRO Satellite Centre Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders.

H. S. RAMADAS, Administrative Officer-II.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th December 1985

No. A.32014/1/84-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to a point Sh. G. Balan, Superintendant in the office of Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras as Administrative Officer, on ad-hoc basis in the ray scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same office with effect from the forenoon of 6th September. 1985 for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 10th December, 1985

No. A.32013/2/85-ES.—The President is pleased to appoint Shrl V. K. Chandna on promotion to officiate as Deputy Director of Air Safety (Engg)/Regional Controller of Air Safety (Engg) in the cay scale of Rs. 1500-60-1800 on regular basis and until further orders with effect from 22-10-85 (FN), in the office of Director General of Civil Aviation, New Delhi.

M. BHATTACHARJEE. Dy. Director of Administration.

DIRECTORATE OF O AND M SERVICES CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the December 1985

No. 1/85.—Shri R. K. Bij, Additional Assistant Director, Directorate of O&M Services, Customs and Central Exclse. New Delhi, has retired from Government service with effect from the (AN), of 31st October, 1985 on superannuation pension.

N. K. BAJPAI, Director, O&M Services Customs and Central Excise

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

No. 1-TR(5)/85.—The Director General of Shipping. Bombay is pleased to appoint Capt. S. S. Jairam as a Nautical Officer, on ad-hec basis, on Training Ship 'Rajendra', for a period of one year with effect from 26-8-1985 (FN).

A. CHANDRA.

Dy. Director General of Shipping.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad (Haryana), the 13th October 1985

No. 14-7/83-CH-Estt.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the following persons as Junior Hydrogeologist in the Central Ground Water Board on a pay of Rs. 700/- p.m. in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- on tem-

porary basis w.e.f. the date shown against each till further orders. :-

SL Namo No.	Place of duty	Date of Appoint- ment
1. Miss. Kalpana Rai	C.G.W.B. Northern Region Lucknow.	23-9-85(FN)
2. Sh. E. Sampath Kumar	C.G.W.B. Tamil Nadu Madras	27-9-85(FN)

The 5th December 1985

No. 3-721/85-CH(Estt).—Shri K. Bhaskaran, is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist. G.C.S. Group-B. (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Foard w.c.f. 4-11-85 (FN), till further orders.

No. 3-723/85-CH(Estt).—Shri Surendra Singh Garhia is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B. (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 31-10-85 (FN), till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist and Member.

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH

STATION

Pune-24, the 25th November 1985

No. 608/191/85-Adm.—In continuation of this office Notification of even No. dated 19-9-83, 25-8-84 and dated 22-2-1985, The Director, Central Water and Power Research Station, Pune, hereby extends the appointment of Smt. Rohini Vijay Kumar Karkhanis, Hindi Translator, CW&PRS, as Hindi Officer, on deputation basis for a further period of 12 months in the C.W. & P.R.S., Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 17th August, 1985. The terms and conditions of her deputation will be the same as contained in this office Notification No. 608/191/83-Adm. dated 19-9-1983.

T. P. YEGNAN.
Asstt. Research Officer
Incharge Administration.

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Lyndon Engineering and Mouldings Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 24th October 1985

No. 664/15841/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Lyndon Engineering & Mouldings Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd.)/- ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M s The Cotton Dealers Private Limited, Indore

Gwalior, the 4th December 1985

No. 894/Liqn/CP/1632.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s The

Cotton Dealers Private Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order dated 12-7-1985 passed by the High Court of Madhya Pradesh Bench at Indore and the Official Liquidator has been appointed to conduct and complete the winding up proceedings.

S. KARMAKAR. Registrar of Companies. Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bharat Sree Land Development Co. Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 11059/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *Bharat Sree Land Development Co. Limited*, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of S. Mukherjee and Brothers Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 14340/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the S. Mukherjee and Brothers P. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of S. K. J. Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 16483/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the S. K. J. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and ter and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sri Rajendra Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 24155/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sri Rajendra Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Regis-Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Capable Engineers Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 26441/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Capable Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Compan es Act, 1956 and of Unique Auto Parts Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 26525/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Unique Auto Parts Private Limited.

unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Konarak Engineering Co. Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 26735/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Konarak Engineering Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Super Minerals Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 27311/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Super Minerals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Projects Consultants Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 28019/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *Projects Consultants Private Limited*, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Harirampur Concrete Construction Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 29530/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date heroof the name of the *Harirampure Concrete Construction Private Limited*, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Eksotia Food Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 29999/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Eksotiq, Food Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bhojan Walla Transport Company Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 30471/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bhojan Walla Transport Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Gramin Matual Benefit Society Private Limited

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 31106/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gram'n Mutual Benefit Society Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Habers Structural Engineers Private Limited,

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 32350/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Habers Structural Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL, Addl. Registrar of Companies, West Bengal.

(1) Smt. Syedbegum w/o M. A. Aziz Plot No. 10, Old Bagadganj, Nagpur.

(2) M/s. Roopam Tiles,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBERS. SADAR NAGPUR

> > Nagpur, the 7th October 1985

No. IAC./ACQ/30/23/85-86.--Whereas, I, M. C. JOSHI No. 1AC/ACQ/30/23/85-86.—Whereas, 1, M. C. 1OSHI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearning Plot No. 28, admeasuring 9198 sq. ft. of construction 1760 Sq. ft. house No. 1544 old Bagadganj, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred and call the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the cline of the Registering Officer at

Nagpur on 29-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

through partner Mahendrakumar Mithubhai Alias Bhanjibhai Patel Lakadganj, Nagpur.

- (a) by any of the aferenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that "menter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28, shep No. 1544, Flat 851-176 sq. mt. and Construction 1760sq. ft. old Bagadgani, Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, openaly:-

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 8th November 1985

Ref. No. III-1042/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

and bearing No.

Survey Plot No. 1151. Sub Plot No. 300/A, Holding No.
687/F-I, Khata No. 122, Khewat No. 4, Thana No. 202
situated at Sukhdeo Nagar Ratu Road, Ranchi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

that are substituted in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in Ranchi on 1-4-85

mucket vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Smt. Mahendra Kaur. W/o Sardar Gogendra Singh, of Ratu Road, P.S. Sukhdeo Nagar, Dist. Ranchi.

 (Transferor)
- (2) Shii Shashi Bhushan Agarwal, S/o Sri Ram Ratan Agarwal R/o Ratu Road, Vill./P.O. Hesal, P.S. Sukhdeo Nagar, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Papelanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 2 Katha 8 Chatak situated at Sukhdeo Nagar, Ratu Road, Ranchi and morefully described in Deed No. 3661 dated 1-4-85 registered with D.S.R., Ranchi.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dato : 8-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 9th December 1985

Ref. No. III-1069/Acp/85-86.—Whereas, I, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 229. Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No. 31-A 32/2055 29 (Part) Ward No. 34, Holding No. 116/306, Thana No. 7 situated at Dhakanpura, Boring Road, Shriskrishnapuri, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in Calcutta on 6-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Alak Nande Co-eperative Housing Society Ltd., Sri Cyandeo Sharma, Secretary S/o Sri Shukhdeo Sharma, Bormg Road, Patna-1 (Bihar).

(Transferor)

(2) Ehri Budha Deo Sharma S/o Shri Shukdeo Sharma, Mohalla---Boring Road, P.S. Kotwali, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4641 Sq ft. situated at Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna and morefully described in Deed No. I-5117 dt. 6-4-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

D. K. GHOSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-12-85

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 9th December 1985

Ref. No. III/1072/Acq/85-86.—Whereas, I, D. K. GHOSH, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 229, Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No. 31-A 32/2055 29 (Part), Ward No. 34, Holding No. 116/306, Thana No. 7 situated at Dhakanpura, Boring Road, Shri-krishnapuri, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Alak Nanda Co-operative Housing Society Ltd., Sri Gyandeo Sharma, Secretary S/o Sri Shukhdeo Sharma, Boring Road, Patna-1 (Bihar).

(Transferor)

(2) Arun Kumar S/o Late Harbansh Lal Grover Mohalla—Boring Road, P.S. Kotwali, Patna. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5010 Sq. ft. situated at Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna and morefully described in Deed No. I-5120 dated 6-4-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

D. K. GHOSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-12-85

(1) Sardar Kuldsop Singh Bharara, S/o Sardar Harnam Singh Bharara, OF/P.S. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transfacor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Binay Kumar Bagaria, S/o Sri Balkrishna Bagaria OF/P.S. Iharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 3rd December 1985

Ref. No. III-1067/Acp/85-86/.—Whereas, I, D. K. GHOSH, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Res. 1,00,000/- and bearing No.

Khata No. 57, 96. Plot Nos. 1254, 1255, 1262, Holding No. 625, Ward No. 25, Mouza No. 51 situated at Jora Phatak,

Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 6-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 katha 111 Chhataks situated at Iora Phatak, Dhanbad and morefully described in Deed No. 3446 dated 6-4-85 registered with D.S.R., Dhanbad.

> D. K. GHOSH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 3-12-25

Soal :

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, FATNA-800 001

Patna, the 3rd December 1985

Ref. No. 1066/Acq/85-86.—Whereas, I, D. K. GHOSH, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Khata No. 30, Plot No. 164, Holding No. 137, Ward No. 16, Mouza No. 52 situated at 'Dhansar, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Dhanbad on 6-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) tacditating the reduction or evaluate of the finishes of the transferor to pay tax inster the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred to the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Electionary Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 2090 of the each Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54—396 GI/85

(1) Shri Braj Mohaa Agarwalia S/o Late Lachmi Narahi Agarwalia, M/s, Dhansar Engineering Co. (P.) Ltd., At-24, Netoji Subhai Vicia, Colendia

Cfrensferor)

(2) Shri Predeep Kumar Gopello. S/o Shyam Sunder Geralfut. GF - Kirkend, P.S. Perine Dist. Phanbad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned i-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land with building measuring 7.5 decimals situated at Dhansar, Dist. Dhanbad and morefully described in Deed No. 3475 dated 6.4-35 registered with D.S.R., Dhanbad.

D. K. GHOSH
Connecting Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisiting Research Shar, Patna

Date: 3-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1 Pune-1, the 5th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1156/1985-86.--Whereas. J. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 9 in building under construction at S. No. 88/1/5 Parvati, Pune-9 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been wansferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at LA.C., Acqn. Range, Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following nersons namely: =

(1) Shri Sathe-Godse, 1244 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Mrs. V. W. Deoolgaonkar, 696 Narayan Peth, Kunte Chowk, Punc. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 in building under construction at S. No. 88/1/5 Parvati, Pune-9.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, u document No. 1156/1985-86 in the month of July 1985). under

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 5-11-1985

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 5th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14244/1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Village Mulgaon, Tal. Vasai, Survey No. 95, Hissa No. 6, Flat No. 2, Ground floor, in Ishkripa Co-operative Housing Society, eithersed at Mulgaon.

Flat No. 2, Ground floor, in Ishkripa Co-operative Housing Society, situated at Mulgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune on Mar. 1985 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Diama Builders, Nantiwadi, Mulgaon, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Mrs. Runfina Lamb, Dicuna Chaw! At Malgaon, Tal. Vasai, Dist. Thanc.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Mulgaon, Cal. Vasai, Survey No. 95, Hissa No. 6. Plat No. 2, Ground floor, in Ishkripa Co-operative Housing Society.

(Area 740 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 14244/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-11-1985

Scal:

AND THE RESERVE OF THE PARTY OF

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 29th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12579/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred. to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. D-3/4 on 1st floor in the building Hermes Complex

situated at Old S. No. 122, New S. No. 349 and part of 349 A/1 Sir Bhandarkar Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer: 2504/00
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Hermes Agencies, 793 Family House, Jame Jamshed Road, Bombay,

(Transferor)

(2) Shri Kishore Naraindas Mirchandani, Mrs. Manisha Kishore Mirchandani, 713 Bhavani Peth, D/12 K.G. Society, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-3/4 on 1st floor in the building Hermes Complex situated at old S No. 122, New S. No. 349 and part of 349 A/1 Sir Bhandarkar Road, Pune.

(Area 1250 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12579/1984-85 in the month of May 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range, Poona

Date : 29-10-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 1st November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37VE-3158/1985-86.--Whereas,

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/378/E-3158/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, poing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. I.00,000/- and bearing No. 4th floor in Carvodaya Piol No. 29-B Sector No. 4, of Vashi of New Sarvodaya Co-operative Housing Society Limited, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Officer at IAC. Asign. Range, Pune on Aug, 1985. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than term of reason to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :--

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or chief graph to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in marsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, gamaly t

(1) M/s. Ghruh Builders, 40-41 Vshal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri (E) Bombay.

(Transfere →

(2) Smt. Suchith P. Kamath, 244, Suarshan, Sion, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire fourth floor in Sarvodaya Plot No. 29-B Sector No. 4 of Vashi of New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd. New Bombay.

(Arca : 2,880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Rauge, Pune, under document No. 3198/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 29th October 1985

Kef. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12541/1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Plot No. 57, Out of Survey No. 89/90 Lokmanya Colony, Paud Road, Punc-29 situated at Punc

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC, Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hirabai M. Shah, Nazma Building, 2nd floor, 10 Ovendunn Road, Gaodevi, Bombay. (Transferor)

(2) M/s. A. V. Construction Co. A 14 Nirmal Nivas, 105 Shanwar Peth, Pune-30 by its partner A.H. Deshpande.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57, out of survey No. 89/90 Lokmanya Colony, Paud Road, Punc-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12541/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNF-1

Punc-1, the 31st October 1985

Ref. No. IAC 9CQ/CA-5/37EE/61/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 13 at CTS No. 1076 in Shailesh Co-operative Housing Society, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Prakash S Shahapurkar, R/o Rajarampuri, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Mr. Jayaj D. Thakur, 1225 Shukrawar Peth, Punc-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13 at CTS No. 1076 in Shailesh Co-operative Housing Society, Pune-29.

(Area 5771 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 61/1985-86 in the month of June 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 31-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1981 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 31st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3226/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 103 on 1st Floor in Aqua House No. 263/1 Sinhagad Road, Parvati, Pune situated at Parvati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any modern arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

(1) M/s. Kaushik Enterprises, 55/56 Happy Apartments, L.B. Shastri Road, Navi Peth, Princ-30.

(Transferor)

(2) Shri Khanderao R. Khade, 724, D/2, Nisen Hut, Sahakari Graha Rachana. Navi Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 on 1st floor in Aqua House No. 263/1 Sinhagad Road, Parvati, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 3226/1985 85 in the month of August 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 31-10-1985

(1) Shri H. K. Chavan, Ratnagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Joshi Construction, 1319/2 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 1st November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/1965/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. F.P. 503A(2&3) CS No. 1127 Shivaji Nagar,

Bhamburda, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object c1:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o hftis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

F.P. 503A (2&3) CS No. 1127 Shivajinagar, Bhamburda Pune-16.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 1965/1985-86 in the month of August 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting A istant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons namely:---

55-396 GI/85

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961;

TO SERVICE THE SECOND CONTRACTOR OF THE SECOND SECO

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK

PUNE-1

Punc-1, the 1st November 1985

Ref. No. IAC IAQ/CA-5/37EE/4017/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Land or ground with the Building at Village Karle bearing S. No. 2A, Hissa No. 1-C Karla Village situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in September, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the "tki Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. G. R. Kassamali through its partners Shri G. R. Kassamali & Shri Z. G. Nathani, 90 Hill Road, Bandra, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Ratna Sea Foods, Karla, Ratnagiri.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land or ground with the Fuilding at Village Karle, bearing S. No. 2A, Hissa No. 1C-Karla Village, Ratnagiri. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Apan. Range, Punc, under document No. 4017/1985-86 in the month of September, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pagna

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOLLGAON PARK PUNE-1

Punc-1, the 6th November 1985

Ref. No. 1AC. ACQ/CA-5/37EE/1972/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 104/1/1 (Part) Frandwane, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of spansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inlian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Deodhar and Joshi, Promoters & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee)

Shri Shrikant Ramchandra Moghe,
 4/71 Godavari-Pravara Co-op. Housing Society,
 D.N. Nagar, Andheri (W),
 Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

104/1/1 (Part) Endwinn Pune 4. (Area 100.00 sq. fc.)

(Property as described in the ears in at to sale regists of the second tension of the State to Control of the tension of August, 1925.)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Prima
Prima

Pate: 6-11-1:35 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 6th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13480/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act') have reason to believe that the impossible represents having a fair product value received by the competent and the competent and the competence of the comp property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
S. No. 137 H. No. 4/1, 4/2 and 3 at Village Bolinge,
Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1985 at Firojabad under Registration No. 6704 on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concerment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I he rby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 2691 of the Said Art to the following persons, namely:

(1) Paranjape Builders Pvt. Ltd. 34 M.G. Road, Vile Parle (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Bhupendra Pitale, Shri Bhupendra Ratnakar Pitale, V-A/2 Scindia Colony, Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 157, H. No. 4/1 4/2 and 3 at Village Bolinge, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area 932 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 13480/1984-85 in the month of March 1985.

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ganesh Trust, 2 Shah Colony, Sane Guruji Road, Punc-30.

(Transferor)

(2) Mrs. S. S. Mehta, Mehta General Hospital, M.C.M. X-ray Clinic, Bombay Pune Road, Pune

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 6th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37LE/3630/1985-86,---Whereas, I, ANIL LUMAR,

Whereas, I, ANN. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 18, on 2nd floor of Building No. A-3, F. P. No. 14, Erandwane, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1508 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumeat of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 18, on 2nd floor of building No. A-3, F.F. No. 14, Erandwane, Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Ringe, Pune, under document No. 3630/1985-86 in the mon'h of August, 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ---: camely معاصب

Date: 6-11-1985

MOTILE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Maharashtra Industrial Development Corporation, Orient House, Mangalore Street, Bellard Estate, Bombay.

(Transferor)

(2) Olefine Organics, 14/3 Mahavir Cottage, 125 Garodiya Nagar, Ghatkopar (F), Bombay

(Transferee)

OFFIC TO OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 6th November 1985

Ref. No. TAC ACQ/CA-5/37EE/4405/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-taix Act, 1961 (43 of 1961) nereinafter referred to as the 'stid Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Industrial Shed and place No. W-8 Ambarnath industrial Estate, Village Kausai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registration Office at 1AC Acon

1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn.

Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excueds the apparent consideration therefor by more than lifte en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of gransfer with the object of : -

(a) fact litating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceal nent of any income or any moneys or other a seets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Lidian Income tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed and Plot No. W-8, Ambarnath Industrial Estate, Village Kansai, Dist. Thanc.

(Property as described in the agreement to sale registered n the office of the LAC., Asqn. Range, Pune, under document No. 4405/1985-86 in the month of September, 1985.)

ANII. KUMAK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said thet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 6-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Swastik Developments,
 Dubash Lane, V.P. Road,
 Bombay.

(Transferor)

(2) A. J. Enterprises, Shashi Tara, "3rd floor, Block-15, Opp. Giriraj Building, Mandpeshwar Road, Borivali (W), Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 6th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4178/1985-86.— Whereas, I, ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 3 on ground floor located in Sheetal Industrial Estate No. 3. situated at Plot No. 31 & 37, S. No. 30, 31 & 35 (pt) of Village Navgbar, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thone.

situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in September, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as afore-believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, we respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3 on ground floor located in Sheetal Industrial Estate No. 3, situated at Plot No. 31 & 37 S. No. 30, 31 & 35 (Pt) of Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 4178/1985-86 ir the month of September, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune, the 1st November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/12141/37EE/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Plot No. B-111, S. No. 26/1, 2, 3 & 4 Mauje Kothrud,

Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn, Range, Pune in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Nirmala Mahadeo Joshi, Gurukripa, Sangam Nagar, Punc-37.

(Transferor)

(2) M/s. Shilpa Bailders, 1488 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-111, S. No. 26/1, 2, 3 & 4, Mauje Kothrud, Pune.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 12141/1984-85 in the month of April. 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section \$69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 1-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune, the 1st November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12223/1984-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 5, Ground floor, Plot 8 and 9, S. No. 128/6-7 Aundh, une-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'i of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons. namely:— 56-396 GI/85

(1) M/s. V. Sanghavi Associates, 318/19 Chatushringi Road, Pune.

(Transferor)

(2) Shri D. B. Patwordhan, Parab House, Snitole Nagar, Sangwi, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 5, Ground floor, Plot No. 8 & 9, S. No. 128/6-7 Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acqu. Range, Pune, under document No. 12223/1984-85 in the month of May, 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistaant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 30th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/12303/37EE/41984-85.--Whereas, I, ANII. KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
S. No. 604/I, 605-608 Plot No. 74 at Munjiri Lulla Nagar,
Kondhya Khurd situated at Punc
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.
Range, Pune in May, 1985

[Gr. pa annexest consideration which is less than the fall

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a reed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any instance atlaing from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-us). Ac. 192 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265° of the said Act. to the following persons, namely:

(1) Chandrakant Vallabhbhai Patel, 98 Mahatma Gandhi Road, Pune.

(Transferor)

(2) Dilip Thakur, 304 Savan Bhayan, Naigaum Cross Road. Dadar, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 604/I, 605-608 Plot No. 74 at Munjiri Lulla Nagar, Kondhva Khurd. (Area 700 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqu. Range, Pune, under document No. 12303/1984-85 in the month of May, 1985).

ANJL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 30-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, 6th November 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE, 1285/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR, teng his Composent Authority under Section 269B of the income-6/2 Act, 1951 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.
Flat No. 6, 2nd floor, in the proposed Shilpayatra Apartments, at C.T.S. No. 1/15, Erandware, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule arracked hereto), has been transferred under the Registertino Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC, Acqn. Range, Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Said Instrument of transfer with the object of im-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income Fax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, meretore, in pursuance of Section 269C of the said acc. I hereby initiate proceeds for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under embraction (1) of Section 269D at the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Vibhakar D. Kothavale, 45 Mahavir Building, Bhandarkar Road, Matunga, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Venkatraman S. Iyer,
Flat No. 5, 1st Floor, Setu CHS,
Dattatray Road, Santacruz (W) Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period armires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 2nd floor in the proposed "Shilpayatra Apartments, at C.T.S. No. 1/13, Erandwane Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1285/1985-86 in the month of July 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Punc-1.

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, 6th November 1985

Ref. No. JAC.ACQ/CA-5/37EE/4585/1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

1,00,000/- and bearing Plot No. 88 at C.T.S. No. 755/86 Kothrud, Pune. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Sep 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the nur and consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-tics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eventon of the lightifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Dr. Shri Prasad Vasudeo Kowli, 369 Vir Sawarkar Marg, Kowli Apartments, 2nd floor, Dadar, Bombay.

(Transferor)

(1) M/s. Bhutte Patil Construction Co. 1270 Deccan Cymkhana, Pune-4.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 88 at C.T.S. No. 755/86 Kothrud, Punc. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4585/1985-86 in the month of Sept. 1985)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Pune-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1985

FORM ITNE

Shri Narendra A Pethkar, Mahadeonagar, Lonavala, Dist. Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjana A Gaikwad, Juhu Beach Scheme Road No. 10, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 5th November 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/12159/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Pune-29 situated at Pune Plot No. 52, S. No. 25, S. No (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Punc on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of treasfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any reconeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937); Plot No. 52, S. No. 25, Kothrud, Punc-29. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12159/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Punc-1.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely :--

Date: 5-11-1985

(1) M/s. Dedhia & Associates, Kirti Vijay, Sevri Naka, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Book Wing P&T Co. Ltd. P.O. Box No. 17021, Dadar, Bombay.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune, the 4th November 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37FE/7119/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Bungalow No. 53/54 on plot No. 53/54 situated at Village Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane, situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Nov. 1935

for an apparent consideration which is lorg than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income assuing from the assurfer, ATK: 01

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 54/54 on plot No. 53/54 situated at village Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane.
(Area 4407 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7119/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge Punc-1.

Date: 4-11-1985

FORM TINS ____

(1) M/s. Aristo Enterprises, Yamadiain Dr. Ambedkar Chowk, Near Thave Railway Station, Thanc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 5th November 1985

Ref. No. JAC.ACQ/CA-5/37FE/6730/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 2, 3, 4 and 5 on ground floor and CS. No. 13,
T. No. 16, Dr. Moose Road, Thane, situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
IAC Acan. Range Pupe on Sep. 1985

IAC, Acqn. Range Pune on Sep. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object off....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-thy Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuause or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforested property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following spannely:—

(2) Shri Jagannath P Khangate & Mis. S. J. Khangate, Flat 60. 1/8 Deepak Building, Dr. Moose Road, Lalbaug, Thane.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person reterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, 3, 4 and 5 on ground floor on C. S. No. 13, T. No. 16, Lalbaug, Dr. Moose Road, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the T.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6730/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune-1.

Date: 5-11-1985

Soal :

(Transferec)

FORM ITNS-

(1) Doongursee Machines and Construction Private Ltd. 22 Bund Garden Road Punc-1. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 4th November 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1552/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Flat No. A-6, 1st Floor, 22 Bund Garden Road, Pune situated

at Pune.

(and more fully describer in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

said instrument of transfer with the object of-

at IAC, Acqn. Range, Pune on July 1985 for an epparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mr., M. A. Tejani & Mrs. F. A. Tejani Lal Devel Society, Synagogue Street, Pune-1.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-6, 1st Floor, 22 Bund Garden Road, Pune-1. (Area 2220 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1552/1985-86 in the month of August 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Punc-1.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .--

Date: 4-11-1985

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 30th October 1985

Rcf. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/12427/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 2 ground Floor, located in Plot at CTS. No. 1182/1/1 (F. P. No. 556/7) Shivajinagar, Pune, Near Vidyarthi Sahayyak Samitee Hostel. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at

at IAC.Acqn. Range, Pune on May 1985 at IAC.Acqn. Range, Pune on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

57-396 GI/85

(1) Mr. Gopal Laxman Gokhale, & Others, Geeta Baug, Survey No. 1, Aundh Road, Chinchwad, Pune.

(Transferor)

(2) Miss Ganjan Ramesh Shah, 1182/1/1 Shivajinagar, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 2, Ground floor located in Plot at C.T.S. No. 1182/1/1 (F.P. No. 556/7) Shivajinagar, Pune, Near Vidyarthi Sahayyak Samitee Hostel.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12427/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poons.

Date: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK

Pune-1, the 30th October 1985

Ref. No IAC.ACQ/CA-5/37EE/12429/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 131, S. Nos. 103/1, 104/1 & 2, 106/1 & 2, 107/1
& 2 and 108 Pimpri Waghire, within limits of Pimpri Chinchwad Municipal Corporation situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at IAC.Acqn. Range, Pune on May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Snehalata B Behere, C/o Shri Suresh Gopal Kunte, Arvind Smruti, Erandwane, Karve Road, Pune-4.

(Transferor)

(2) M/s. Ajantha, Builder-Promoters 47/8 Erandwane Karve Road Pune-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 131 S. Nos. 103/1 104/1 & 2 106/1 & 2 107/1 & 2 and 108 Pimpri-Waghire within limits of Pimpri Chinchwad Municipal Corporation.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12429/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely:—

Date: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK

Pune-1, the 30th October 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/12355/1934-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR, being he Competent authority unlder Setion 269B of the

Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 10 at Taj House, 5 M. G. Road, Pune situated at

Pune.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a parcent to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the imme of this notice under subsection (1) of Section 26% of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Mr. L. R. Bhojwani & Others, Wonderland 7 M. G. Road Pune-1. (Transferer)

 Mrs, Fatimabai Kurban Hussain, Mrs. Tasneem Salfuddin, Flat No. 108, Sahajanand Complex, General Thimayya Road, Pune-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10 at Taj House, 5 M.G. Road, Pune. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12355/1984-85 in the month of May 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Peena,

Date: 30-10-1985

 Shri Pranlal Zaverchand Doshi & Shri C. P. Doshi, 100 Raviwar Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Unity Builders Partner.
 Shaikh Ishaque Shaikh Gafoor.
 Ramchandra M Memane.
 408/6 Gultekadi, Road Pune-37.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 30th October 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2410/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 33A/1, 33B, 32A, 33C, 34A/2-1 of Parvati, Pune. altuated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 33A/1, 33B, 32A, 33C, 34A/2-1 of Parvnti, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2410/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10-1985

And the second s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 30th October 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1141/1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. City Survey No. 94, Erandwana, Final Plot No. 38, Sub Plot No. 15, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune, in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Shan'a Shrihari Palshikar, Sunita Asha Co-operative Housing Society, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. D. S. Kulkarni & Co. 8/2 Sadashiv Poth, Ravi Building, Near Alka Talkies, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 94, Erandwane Final Plot No. 38, Sub-Plot No. 15. (Area 12,937 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1141/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.

Date: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 29th October 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/12718/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 127, Monika Apartments, No. 5, Pimpri Colony, Pune-17 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the taild instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of existion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

 M/s. Monika Constructions, Prop. Basant Thawandas Tetlani, 295 M. G. Road, Pimpri Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Ranpal Dilipchand Kapahu, House No. 384 Subash Nagar, Pimpri Pune-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im.novable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No 127, Monika Apartments, No. 5, Pimpri Colony, Pune-17. (Area 700 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12718/1984-85 in the month of May 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 29-10-1985

Scal t

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. M. O. Mehta, Patel Shopping Centre, Building A Block No. 306, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay.

(Transferee)

(2) Tulsi C.H.S. Ltd., Raja Chatrapati Shivaji Marg, Virar (W), Thanc.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

> > Pune-1, the 31st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G93/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 377-B (Pt.) Pict No. 10, Agashi Road, Virar (Village) Vasai situated at Vasal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 377-B (Pt.) Plot No. 10, Agashi Road, Virar (Village) Vasai.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 93/ 1985-86 in the month of July 1985)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-10-1985.

Seni :

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune-1, the 31st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/103/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 at 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act) have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot from S. No. 33, Hissa No. 1, C.T.S. No. 7288, 7289-7290, with Ganpati Niwas Building, Near Tai Pingalie Chowk, Bhagatsingh Marg. Dombivli (E), Dist. situa ed at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Kalyan in July 1985

S.R. Kalyan in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evention of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. V. Kulkarni, C/o Toran Co-operative Housing Society Ltd., Ganapati Niwas, Near Tai Pingte Chowk, Bhagatsingh Marg, Dombivli.
 - (Transferor)
- (2) Toran Co-operative Housing Society Ltd., Ganpati Niwas, Near Tai Pingle Chowk, Bhagatsingh Marg, Dombivli (E).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot from S. No. 33, Hissa No. 1, C.T.S. No. 7288, 7289-7290, with Ganpati Niwas Building standing thereon.

(Properly as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Regis rar, Kalyan, under document No. 103/1985-86 in the month of July 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-10-1985.

Seal

(1) Shri Jingonda Ramgonda Patil & Others, at Sangli. At & Post Inamdhamani, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Niyojit Siydarshan Griha Nirman Co-operative Housing Society, Chief Promoter, S. K. Patil, Sangli. Sawant Plot, Gulmohar Colony, Narmada Nivas, Sangli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/107, KÖREGAON PARK, PUNE-1.

> > Pune-1, the 31st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/24/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 363/2 South Vishram Bhag, Sangli situated at Sangli

S. No. 363/2 South Vishram Bhag, Sangli situated at Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sangli on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the **ebject of**:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Aot in respect of any income arising from the transfer. end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Change NAA in the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at S. No. 363/2 South Vishram Bhag, Sangli,

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Sangli, under document No. 24/1985-86 in the month of July 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :--58---396 GI/85

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Regency Towers "Aarohi" Block No. 2, Kapoorthala Commercial Complex, Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Mohammad Imran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. 97/37FE/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 23 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the LT. Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnsfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 23 on upper ground floor in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority rity, Lucknow under Sl. No. 110, dated 8-4-1985,

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Date: 8-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Regency Towers "Aarohi", Block No. 2, Kapoorthala Commercial Complex, Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Mohammad Aslam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. 98/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. UGF-22 situated at 20-A. Shivaji Marg, (Hewett Road), Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIOS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-22 on upper ground floor in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 111, dated 8-4-1085.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. 99/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 25 situate at 20-A, Shivaji Marg (Hewert Road).

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Regency Towers "Aarohi" Bleck No. 2, Kapoordhala Commercial Complex, Aliganj Scheme, Lucknow. (Transferor)
- (2) Shri Mohammad Aslam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25 on upper ground floor measuring 90 sq. ft-in the Regency Towers situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 112 dated 8-4-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-11-1985.

FORM No. ITNS-

(1) M/s, Regency Towers, "Aarohi" Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammad Imran,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 7th November 1985

G.I.R. No. 100/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,/- and bearing Shop No. 21 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji

Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; iii/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unabraigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period G 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 21 on upper ground floor, area 110 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 113, dated 8-4-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

Date: 7-11-1985

(1) M/s. Regency Towers, "Aarohi" Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammad Imran,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th November 1985

G.I.R. No. 101/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. UGF-24 in Regency Towers situated at 20-A,

Shivaji Marg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-24 on upper ground floor in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow (area—100 sq. ft.), The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 114, dated 8-4-1985.

(a) l'acilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1985

(1) M/s. Regency Towers, "Aarohi" Aligani Scheme, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. 102/37EE/Acq.—Whoreas, I, VINOD KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Shop No. UGF-26 in Regency Towers situated at

20-A, Shivaji Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument. of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Shri Mohammad Ashraf.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-26 on upper ground floor, area 30 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 115, dated 8-4-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Regency Towers, "Aarohi" Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Ram Saran Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. 103/37EE/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 9-B in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow

Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 8-4-1985

Encland on 6-4-1983 than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9-B on lower ground floor, area 65 sq. ft. in Regency Towors situated at 20-A. Shivaji Marg. Lucknow. The agreement has been registered by the Commetent Authority, Lucknow, under Sl. No. 116, dated 8-4-1985.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-11-1985

(1) M/s. Regency Towers, "Aarohi" Aligani Scheme, Lucknow.

(2) Shri Shani Ladkani.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. 104/37EE/Acq.—Whereas. I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. UGF-3 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agrement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tex under the said Act, is respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-3 on upper ground floor, area 55 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 29-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under St. No. 117, dated 8-4-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

and pure uance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—396GI/85

Dato: 8-11-1985

PORM ITHS

(1) M/s. Regency Towers, "Aarohi" Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pankaj Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.LR. No. 105/37EF/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. UGF-6 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji

Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edject of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsens, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovab property, within 45 days from the date of the paid entires of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evaplen of the flability eferor to pay tax under the said Ast. of the tree respect of any income existing from the trans

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. UGF-6 on upper ground floor, area 95 sq. ft. in Regency Towers situated at 20-A. Shivaji Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 118, dated 3-4-1985.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Asssistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range. Lucknow

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :---

Date: 8-11-1985

(1) M/s. Regency Towers, "Aarohi" Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Ashraf.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. 106/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Shop No. UGF-27 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji

Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Lucknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-27 on upper ground floor, area 90 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 119, dated 8-4-19885.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Luckney

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Lt. Col. Bhupal Singh Bisht (Retd.)

(Transferor)

(2) Shri Laxman Singh Chaunan,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th November 1985

G.I.R. No. 107/37EE/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot of land and a building situated at Prospect Lodge Compound Mallital National

pound, Mallital, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act,

1961 in the office of the Competent Authority, at Incknow on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the alcressid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said intertweent of transfer with the chief of: instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring about 3528 sq. ft. over which a single storeyed building known as "Bisht Bhawan" along with all fittings and fixtures situated in Prospect Lodge Compound, Mallital, Nainital. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 137, dated 8.44.1985 8-4-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Dated: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, 4th November 1985

Ref. Notice No. 1144/85-86. - Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Sy. Nos. 138/1 and 139/1, (Meter No. 1719) situated at
Bonaulim Salcete Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salcetc, Goa under document No. 564/in April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

I. Palliakkera Kuriappan George,
 Ruyanand George Paliakkera,
 M/s. Fericon, David Building,
 Madgao, Goa.

(2) Annurciacao, Marcelo Joaquin. Fernandes, Duplex Apartments, No. 8, River Sect Estate, Benaulin, Salkete, Goa.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 564, dated in April, 1985)
This is a R.C.C. House, situated at Benaueim, Salcete, Goa. Its measuring as under-Ground floor-52 Sq. mtrs. and first floor-52 Sq. mts.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Bangalore.

Date : 4-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the

November 1985

Ref. Notice No. 1143/85-86.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 3810/3001/2365 situated at Near Raghuvendra Swamy market value exceeding

Math, Chitradurga

(and more fully described in the Schodule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chitradurga under document No. 89/dt 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) C. R. Ramachandra Rao, S/o Late C. Raghuvendra Rao, R.P.C. Layout, 9th Cross House No. 540 or Rajaji Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) D. B. Frahlad Rao, S/o D. Bujanagarao, J.C.R. Extension, "Bhunga Milaja" or State of Bank of Mysore, Chitradurga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven o that Chapter :---

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 89 dated 15-4-1985]

One residential house situated at Near Raghuvendra Swamy Math, Chitradurga, on measuring 36' x 26',

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bengalore

Date 1 11-1985

(1) Shi Near Ahmed, S/o Adamsaab, Machate, Maldogoni, Hubli.

(2) Shri Nihalchand (2) Goutamchand (3) Jayantilal, Ss/o Shri Champalal Jain, Jawali Saal, Hubli.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (48) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the

November 1985

Ref. Notice No. 1140/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 265B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 5161/10 situated at Ayodya Nagar, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Hubli under document No. 38/di in April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLS

[Registered Document No. 38, dated in April 1985.]

Non-agricultural land—measuring 1530 4/9 Sq. yards, Plinth area 4200 Sq. ft. and a shed 10' x 10'. Situated at CTS No. 5161/10 Ayodya Hubli.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Datc: 11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the

November 1985

Ref. No. 1139/85-86,-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. 105/1 situated at M.S.K. Mill Road, Gulbarga situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gulbarga under document No. 40, dt. 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

- (1) Smt. Paddap Saraswati Tantri, Wd/o Paddap Ramakrashna Tantri, C/o. Mohan Lodge, MSK Mills Road, Gulbarga.
- (2) 1. Mohd. Abdul Muneem
 - 2. Mohd. Abdul Rahim,
 - 3. Mohd, Abdul Kaleem
 - Mohd. Abdul Saleem
 Mohd. Abdul Naycem Zakee C/o, M/s, Mumtaz Co., Moazzam, Tahi Market, Opp. Police Station, Hyderabad (AP.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that sald, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 40 dated 4-4-85)

Open Plot and Lodging house situated at Ground floor, with two shops measuring plot area, 45820 sq. ft. and plinth area, 14575 Sq. ft. situated at M.S.K. Mills Road, Gulbarga.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Bangalore.

Date: Seal : -11-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. S. S. Enterprises, Margao, Goa.

may be made in writing to the undersigned '--

(Transferor)

2) Mr. Chectn. Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/DR-85/84-85/ACQ/B-37EE.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 7 & 13 situated at Shop No. 7 & 13 at Margao,

Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Margao on No. 1 -1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D. No. nil dated nil.] Shop No. 7 & 13 property known as Aforamente or Tavarilem at Margao, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
60—396 GI/85

Date : 1-11-198* Scal :

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

Ref. C.R. No. 62/DR-370/37EE/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing property known as Gorbatta Qurpem. Registration No. 3 at page 223 to 229

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at Margao, Goa under Registration No. D-300, dated 3-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Ramesh Nagesh Sangekar, R/o. Bandwada, Songurm, Goa & 2. Lashma Ramesh Sangekor, R/o Sunder Sadam, 5th floor, 63-A, Wadilal Patel Marg. Bombay-400004.

(Transferor)

(2) 1. Richard D'Souza, Margao, Goa. 2. Alvaro Marchon Vitrose Mansion, Margao, Goa.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in shall that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-300/April, 1985 dated 3-4-85] Property known as Garbatta. Quepem Registration No. 3 at Page 223 to 229. The following land property Nos. 229 known as Gorbatta. 2/9 Registration Office of Quepem under No. 4/33 at folios No. 172 Book B-13 Rev. Office No. 498. 2/36 Quepem under No. 4131 at fols. 171. Bok B-13 Revenue flice No. 502. 10/18 Quepem under No. 4136 B-13. Revenue No. 499. and Quepem under 13525 at No. 193 B-17 and Quepem under No. 13525 at No. 193 B-17 R-Office No. 497, admeasuring 181925 square meters, situated at Netorlim Village Sunguem Toluka. lage Sunguem Toluka.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

Ref. C. R. No. 62/347/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

liveing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding

property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 81.30 sq. situated at Margao, Goa 81.30 Sq. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao, Goa under Registration No. 301/84-85 on 24-4-85

1908) in the office of the Registering Officer at Margao, Goa under Registration No. 301/84-85 on 24-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ideal Housing Enterprises, Managing Partner, Camilo Fernandes, Near Holy Spirit Church, Old Market, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Francisco Tavares, Betalbatim-Goa,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D. No. 301/84-85, on 24-4-85.] Flat near holy spirit church Margao-GGoa. Chalta No. 43 sheet No. 157 vide letter No. SPD/P/1115/1253/80-81, dated 20-11-80, 81-30 Sq. at Margao-Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bungalore.

Date: 7-8-1985

(1) Akbar Construction, Alankar Building, Margao, Goa. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Tito Fgairedo, Benaulion Salcete, Goa. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, BANGLORE-560 001

Bangalore, the 6th May 1985

Ref. No. C.R. \No. 62/DR-256/37FE/84-85/ACQ/B.-

Ref. No. C.R. No. 62/DR-256/37FE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1 situated at Flat No. 1 at Murda Village, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and registered under the Registration

has been transferred and registered under the Registration Office at Ilhas Goa on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document D. No. 185/May/1985 dated 6-5-85) Flat No. 1 on ground floor in a building to be constructed on plot of land bearing Survey No. 83/2 and which is a part of property denominated at Murda village panchayat of Merces Taluka & Sub-district of Ilhas-Goa description No. 456) at page 139 in Book B-30 (new) Matriz 24.0.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1985

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th November 1985

Ref. C. R. No. 62/74/37G/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 409 situated at Vcera Sawarkar Road, Tilaku-

wadi, Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 349, dt. 22-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shantaram Anant Walawalkar

 - Vasant Anant Walawalkar
 Vasant Anant Walawalkar
 Manohar Anant Walawatakar
 Kusinath Anant walwatakar
 No. 1, 2, 3 GPA helder, V. A. Atvalawalkar.
 Smt. Sumati W/o Shridhar Walawalkar.
 R/o 6-B, Yashodhara Yashodam Society.
 Film City Road, Corisaon East, Bombay-63. (Transferor)
- (2) Sh. Lalchand Veerchand Porwal, Sl. No. 1, 2, 3, 4, P.A. holder, L.V. Porwal, R/o 458 Sheri Galli, Belgaum.

 - Mohd, Shakir A. Jabbar Khokure
 Mohd Sammir A. Jabbar Khokure
 - 3. Deepak C. Aminabai 4. A. P. Vernokel.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 349, dated 22-4-85.]

Plot of land alongwith an old single storeyed Mangalore tiled house situated at Veer Sawarkar Road, Tilakawadi Belgaum, measuring land 836.120 mr. house 138 ms.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th November 1985

Ref. C. R. No. 62/212/37G/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Muncipal Khata No. 88/48/29 situated at O.T. Road.

Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shimoga under document No. 560 in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income orising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. M. Buden S/o Mohd Hussain, and others. Krishnaraj Puram Extension, Shimoga City-577201.

(Transferor)

(2) S. R. Ramachandra Rao, Managing Trustce, Shree Gajanana Trust, 59, Hilaknagar Extension Shimoga City-577201. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 560, dated in June, 1985.]

This property is a non-residential building having a hotel and 5 shops situated at O.T. Road, Shimoga. Its measuring as

Ground Floor 353 Sq. mts. First floor: 177 Sq. mts. Mazenine Floor Slab 143 Sq. mts. R.C.C. Cahopy 18 Sq. mts. Rolling Shutters: 60 Sq. mts. and land 391 Sq. mts.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. N.A.L. Meenakshi Achi and 9 others. Thirumayam Taluk. Pudukkottai Dist., Now residing at No. 29, Tanjore Main Road, Tiruchirapalli, Tamil Nadu. (Transferor)

(2) Mr. B. N. Krishna Jois. S/o. Late Narasimba Jois, R/o. Basayanahalli Extn.,

Chikamagalur-577101.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 22nd November 1985

Ref. C. R. No. 62/Notice No. 3757 Acq. 85-86/ACQ/B.—Wherea., I, R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. 76/P. Coffee 14.39G situated at Meluhuluvathi Village, Jagra Hubli, Chikmagalur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Chickmagalur under Document No. 311/85-86 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 311/85-86, dated April, 1985.] Sy. No. 76/P Coffee 14-39 G assessed at 18-75 ps. situated in Melubuluvathi Village, Jagra Hobli Chikmagalur Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act in Line Section 269D of the said A persons, wantely :---

Date: 22-11-1985

(1) M. N. Sathyam and Others, Chokkama St., Chickmagalur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th December 1985

Ref. C. R. No. 62/Case No. 377/85-86/ACQ/B.-Where-

as, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Survey Nos. 17-18 situated at Togari Hanker Grama.

Taluka Chikmagalur.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur under Registration No. 358/85-86, dt.

22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and to:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be dislosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Jayesh Kumar, M. G. Road. Chickmagalur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registering Document No. 358/85-86, dt. 22-4-1985.]

Survey Nos. 17 and 18 measuring about 40 acres and 20 Guntas of Coffee Estate situated at Togarittankalgram, Taluka. Chickmagalur

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th November 1985

Ref. C. R. No. 62/DR-348/37EE/84-85/ACQ/B.—Where-

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Palmar J1 situated at Palmar D. Jil at Reis Margos

Taluka Bardez-Goa

Upplipalayam situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Office at Panjim under Registration No. 348 on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a source of the property as aforesaid property as a source of the property as aforesaid property as a source of the property as aforesaid property as a source of the property as aforesaid property as a source of the pr said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the us not been truly stated in the said instrument of transfer

the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Mr. Gopala Visnum Naique Panvelcar & othres Reis Margos Village, Bander, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Bldg, 1st Floor, Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period excires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-313/Apr/85, dt. 28-4-1985.]

The property known as Palmar D. Jil or Rewenchem Bhat situated at Reitmagos Taluka Bardem, Goa, Area 18-00 Sq. m. Ilhas district of Goa, Registret on No. 7811 of Book B-29 folio 2 Revenue office survey No. 77.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th September 1985

Ref. C.R. No. 62/D/R-274/37EE/84-85/ACQ|B .--Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), pave reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 16 situated at Merces, Buttern Bhat, Merces, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Bangalore on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(4) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; end/or

b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to. The acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Shriji Builders, B-15, Nengi Nagar, Rus de Ourem Panjim, Gos-403 001.

(Transferor)

(2) Sh. Vinceenthino Justhino Joao, Merces Carmi Bhatt, P.O. Santacruz, Ilhas, Goa,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderaigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D/191/April, 1985, dt. 8-4-85) Flat No. 16 in proposed Eutico Apartments (at Merces Ilhas, Goa admeasuring 72 Sq. mtrs.).

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bangalore.

Date: 11-9-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th November 1985

Ref. C. R. No. 62/212/37G/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000/- and bearing

No. 88/46/29 situated at Old Tirthalli Road, 6th Division,

Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Shimoga under Document No. 560/85-86, in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. (957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followuni persoon namely -

(1) Mr. S. M. Buden and others, Krishnarajpuram Extension, Shimoga-577202.

(Transferor)

(2) Gajanana Trust, Managing Trustee, Mr. S. R. Ramachandra Rao, 59, Tilaknagar Extension, Shimoga, City-577201.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 560/85-86, dt. June, 1985.] R.C.C. House alongwith site bearing Khata No. 88/46/29 situated at Old Thirthalli Road, 6th Division. Shimoga.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/74-37G/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C. C. S. No. 409 situated at Tilakwadi, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 349 on dated 22-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely:—

 Mr. S. A. Walawalkar, Mr. V. A. Walawalkar, Mr. P. A. Walawalkar, Mohan and Anant Walawalkar and Sumathi, 613, Yashodhara Yashodhan Society, City Road, Bombay-63 (Gongcon).

(Transferor)

(2) Mr. Lal Chand Veerchand Porwal, Forsel and P. A. Holder & 3 Others. Sheri Galli, Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 349, Dated 22-4-85]

C. C. S. No. 409 measuring about 836.12 Sq. ms. situated at Tilakwadi, Belguam.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bangalore

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd December 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47062/85-86/ACQ/B.—Whercas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 513, situated at HAL III Stage, Bangalore situated at Bombay and (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Begistration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 16-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri D. C. Mishra, No. 80/B, II Stage, IV Cross, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Shri Aiyar M, Ebrahim. C/o, S, M. Ebrahim, M/s. Mecotronics (P) Ltd., 47, Mount Read, Madras-2.

(transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 184/85-86 Dated 16-4-85] Vacant Site No. 513, HAL-III Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Bhagromchand, No. 28, Sindhl Colony, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri Piakash T. Nembhuwani, No. 18/1, IV Cross, Assaye Road, Bangalore-5.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangolore-560 001, the 3rd December 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47074/85-86/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2(4), New No. 38, situated at II Cross, Wheeler Road,

2(4), New No. 38, situated at II Cross, Wheeler Road, Cleveland Tower, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authoriy at Shivajinagar on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 274/85-86 Dated 22-4-85]
Site No. 2(4), New No. 38, II Cross, Wheeler Road, Cleveland Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd December 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47083/85-86/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the competent sound of the property to the property to the competence of the property to the competence of the property to the property to the competence of the property to the property to the competence of the property to t immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 1030-D, situated at 17th-E-Cross, Binnamangala, II Stage,

Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 27-4-1985

onivajinagar on 2/-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to per tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **≪ad**/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Rajamma, No. 1030-D, 17th 'C' Cross, Binnamangola, II Stage, Indiranegar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Shri K. Krishnaswamy, No. 650/18, 14th-B-Main, 38th Cross, IV block, Jayanagar, Bangalore-41.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said fast shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 331/85-86 Dated 27-4-85]

Property bearing No. 1030-D. 17th-E-Cross, Binnamangaia. Indiranagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Bangalore

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bancolore-560 001, the 3rd December 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47193/85-86/ACQ/B.— Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable projecty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 63, situated at Thorachi Korpal, IV Stage, Saraswathipuram,

Chamaraj Mohalla, Mysore

(und more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Shivanna, No. 83/2, VI Main, Jayalakshmipuram. Mysore.

(Transferor)

(2) Smt. Zubeda Nayeem, No. 113/B, Temple Road, Jayalakshmipuram, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

[Registered Document No. 215/85-86 Dated 11-4-85] Property bearing No. 63, Thorachi Koppal, IV Stage, Saroswathipuram, Chamaraja Mohalla. Myhore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46965/85-86/ACQ/B.— Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 74(8), situated at Central Street, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registra ion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shivajinagar on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) fecilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Mariam Bai @ Dadi Bai. No. 149, ModiKhana, Sholapur, Camp No. 6/14, Primrose Road, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Noorullah, No. 14, Noah Street, Shivajinagar. Bangalore-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 24/85-86 Dated 1-4-85] Property No. 74, Central Street, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

New therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely:— 62---396/85

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47100/85-86/ACQ/B.— Whereas I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

16-16/1, situated at J. C. Road Cross, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any incomo any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri D. Narasimhalu Naidu,

Smt. Lakshmi,
 Mr. Dinesh Babu,

4 Mr. Ananda Babu, Jaraganahalli,

J. P. Nagar Post, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri C. Gopalen, 2. Smt. M. Vasantha Kumari,

3. Mr. Pramod,

Mr. Prabhakar

No. 508, Garuthaman Park, R. V. Road,

Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 392/85-86 Dated 29-4-85]

Property bearing No. 16-16/1, at J. C. Road Cross, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-11-1985

FURM ITNS

(1) Shri P. Sundaresan, No. 22, Muthurangam Street, Erode, Officer, Karur Vysya Bank,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Rachel Daniel, Dr. John Daniel, No. 3061, 11th Cross, XI Main, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd December 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47066/85-86/ACQ/B.-Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinarter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 523, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908). 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/ore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 239/85-86 Dated 19-4-85] Property bearing No. 523, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the beforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONEROF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd December 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47070/85-86/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 70 to 75, situated at Haines Road, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the occe of Registering Office at Shivajinagar on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(1) 1. Shri S. H. S. Shaik Hussain,

2. Rahiman Shariff,

3. Rahamath Shariff,

4. Zahirunnisse,

5. Khairunnissa, Jamal Sharief, No. 70 to 75, Haines Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri H. Inderhandli,

2. H. Devarji, 3. H. Tharachand,

4. H. Mahaveerachand, No. 210, Meenakshi Koil Street, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sald Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). [Registered Document No. 251/85-86 Dated 19-4-85] Property No. 70 to 75, Haines Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd December 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47064/85-86/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

462, situated at Binnamangala I Stage, Indiranagar, Banga-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been "ruly stated in the said instrument of transfer with the ob" of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Sundari Mehan Iyer,
 2. D. Anand Mohan Iyer,

 Kum. Art; Mohan lyer, No. 290, 38th Cross, VIII block, Jayanagar, Bangalore-82.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Kumar P. Mehta, Trimal, 184, Kherwadi Main Road, Bombay-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 212/85-86 Dated 18-4-85]

Property No. 462, Binnamangala I Stage, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authorit,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalors

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1569/37EE/84-85/ACQ/B.—Whercas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1 situated at Somarset Apartments, 18 M. G. Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore under Registration No. 1410/85-86 on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the reforming more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed () between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating one reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the con calment of an income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be discressed by the transferee for the purposes of the Indian Incorpe-tax Act, 1922 (11 of 1: 22) of the said Act, in the Wealth-tax Act, 1933 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ashok Kumar K. Jogani (Huf) Kartha Mr. Ashok Kumar K. Jogani, No. 11 A. M. Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Nasreen Adeni, W/o. Mr. Asif Adeni, Y-68, Anna Nagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1410/85-86 Dated 18-4-85]

Flat No. 1 on 2nd floor in the Building known as Somarset Apts. 'A' Block, situated at No. 18, M. G. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-11-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1598/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15 situated at Rest House Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registe ing Officer at Bangalore under Registration No. 1413/85-85 on 11-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believt that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection: (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vira Properties (P) Ltd., 33/1, Grant Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. The Tata Iron & Steel Co. Ltd., No. 24, Homi Mody Street, Bombay-23.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1413/85-86 Dated 11-4-85]

Sub-Lease/Assignment of 5.30% Undivided Shere right title and interest in premises No. 15 Rest House Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-11-1985

Seal t

FORM MINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1599/37EE/84-85/ACQ/B.—Whercas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the Isaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15 situated at Rest House Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer Bangalore Under Registration No. 1414/85-86 on 11-4-1985. The arrest value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vira Properties Pvt. Ltd., 33/1, Grant Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. The Tata Iron and Steel Co. Ltd., No. 24, Homi Mody Street, Bombay-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

[Registered Document No. 1414/85-85 Dated 11-4-85]

Sub-Lease/Assignment of 5.35% Undivided Share right title and interest in Premises No. 15, Rest House Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1636/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Space No. 4509 situated at 45, Palace Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeringf Officer at Bangalore Under Registration No. 1415/85-86 on 29-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wewlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—396GI/85

 M/s. S. I. Property Development (P) Ltd., Mr. Mohd. Sadekh Khaleeli, Dr. Moyeen Khaleeli, and Miss Zahva Bano Khaleeli, 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Poonam Ajit Mangharam, 10/5, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore-560 047.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective necessal, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1415/85-86 Dated 29-4-85] Office Space No. 4509 in High Point-IV situated at No. 45, Palace Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1662/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Apartment No. S-3 situated at Kodialbail Village 14th Ward

of Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bangalore Under Registration No. 1439/85-86 on dated

29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration unereror by more unautifiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Advertising Commercial Enterprises (P) Ltd., 'Dil-Kush' Upper Bendore, Mangalore-575002.

(Transferor)

(2) Mrs. Lalitha R. Uchil, Mrs. Landa 2, 21, 12, 187, Balaj, 2nd Road, Chembur, Bombay-400 071.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested a the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1439/85-86 Dated 29-4-85]

Apartment No. S-3 Under Construction in R. S. No. 278 and T. S. No. 224/1 situated in Kodialbail Village of 14th Ward of Mangalore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-11-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

C.R. No. 62/R-1724/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Show Room No. 4001 situated at 45, Palace Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compenta Authority

at Bangalore under Registration No. 1441/85-86 Dt. 24-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer on the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. S. 1. Property Development (P) Ltd., Mr. Mhod. Sadekh Khaleli, Dr. Moyecn Khalceli and Miss Zahra Banoo Khaleeli, 45. Palace Road. Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. R. Shoba, No. 136, Rajmahal Vilas Eatn. 615 'A' Cross 9's Main, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1441/85-86 Dated 24-4-85). Slow Room No. 4001 in High Point-IV shuated at No. 45, Palace Road, Bangalore 560 001.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Dat : 28-11-1985

Sea :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

C.R. No. 62/R-1725/37EE/84-85|ACQ|B,-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Show Room No. 4004 situated at 45, Palace

Road. Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bangalore under Registration No. 1442 85-86 dt. 24-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

 M/s. S. I. Property Development (P) Ltd., Mohd. Sadekh Khaleeli, Dr. Moyeen Khalcei and Miss Zohra Banoo Khaleeli, 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Lakshmi Devi, N. S. Iyengar Street, 3rd Cross, Seshadripuram, Bangalore-5600 20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

(Registered Document No. 1442/85-86 dated 24-4-85).

Show Room No. 4004 on the basement floor of High Point IV situated at No. 45, Palace Road, Bangalore-560001.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bengalore

Date: 28-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONES OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th November 1985

C.R. No. 62/47063/85-86/ACQB.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 21/1 (1/2 share), situated at Brunton Cross Road,

B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Skyline Builders P. Ltd., 21/1, Branton Cross Road, B'lore-25

(Transferor)

(2) Mrs. Habeebae Kirmani, No. 60, K, H. Road, Shanthinagar, B'lore-27.

(Transferec)

(3) 1. Mrs. Jayashree Srinivas & Mr. H. S. Srinivas 2. Mrs. Lily Paul & Mr. Mathew Paul 3. Dr. K. U: Hari Rao, 4. Mr. A. Dwarakanath,

5. Mrs. Rajeshwari Krishna & Mr. K. V. S. Krishna No. 21/1, Branton Cross Road, B'lore.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 200/85-86 dated April, 85). Property No. 21/1 (1/14 share), at Brunton Cross Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range Bangálore.

Date: 28-11-85.

FORM NO. 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th November 1985

C.R. No. 62/47145/85-86/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (berehafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No.

No. 5, situated at Cunningham Road, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerinof Officer at Shivajinagar on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Francis Premodha Tamboo Chetty, No. 6A, Cunningham Road,

B'lore.

 Mrs. Madhu Bhandari, No. 19, Ali Askar Road, B'lore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same unaming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 211/85-86 Dated 17-4-85), Property No. 5, at Cunningham Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 29-11-85.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th November 1985

C.R. No. 62/47080/85-86/ACQ|B.—Whereas, J, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/and bearing

No. 21/1, (1/14th Share), situated at Brunton Road Cross,

B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Jncome-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Shivajinagar on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferre for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Skyline Builders P. Ltd., 21/1, Brunton Cross Road, B'lorc.

(Transferor)

(2) Shree Trust, A-1/117, VIII Main Road, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Mrs. Lily Paul & Mr. Mathew Paul,
 Dr. K. U. Hari Rao,
 Mrs. Lily Paul & Mr. Mathew Paul,

4. Mrs. Jayashree Srinivas & Mr. H. S. Srinivas,
5. Mrs. Rajeshwari Krishna & Mr. K. V. S. Krishna,
6. Mrs. Habeebae Krmani,

No. 21/1, Brunton Cross Road, B'lore-25.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignet :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

Explanatioa:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 306/85-86 Dated April, 85). Property No. 21/1 (1/14th Share), at Brunton Road C-oss. Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 29-11-85,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, BANGΛLORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th November 1985

C.R. No. 62/47117/85-86/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Sy. 64-9, situated at Derebail village, M'lore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration Officer at

M'Iore on 26-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-parties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the mansfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Edward Rodigues, P.A. Holder of Dominic Albert Pathava, Prop.: Tailoring House, Bombay,

(Transferor)

(2) Mrs. Tressa Mendonca.
 Opp.: Bejai Musium, Bejai,
 M'lore.
 P.A. holder Mr. Vincent Mendonca.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 148/85-86, Dated 26-4-85), Property No. Sy. 64-9, at Derebail Village, M'lore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 18-11-85.

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-5600 001, the 29th November 1985

C.R. No. $62/4715/85-86/\Lambda CQ/B$. -Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 - and bearing No. 34 (420), situated at XII Cross Road, Sadashiyanagar, Palace

Upper Orchards. Bangalore-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: with the object of ;----

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-64-396G1/85

(1) Shri S, Dharman, No. 420, XII Cross, Sadashivanagar, Bangalore-80.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gopaldas K. Hasija & Vecna G. Hasija,
 Mahesh G. Hasija,
 No. 7Λ, II N S lyengar Street, Seshadripuram Bangalore-20,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 261/85-86 dated 22-4-85]. Property No. 34 (420), at XII Cross Road, Sadashivanagar, Palace Upper Orchards. Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date :29-11-1985

Seal .

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C. R. No. 62/46895/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the learnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 175 situated at 8th Main Road Malleswaram, Banglore (and more falls) described in the substitute appared by

175 situated at 8th Main Road Malleswaram, Banglore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at with the competend authority under section 269AB, in his officer at Ragistrar Bangalore, under Document 192/85-86 Dt.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any success or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mr. Mohammed Ghouse Saheb, No. 3073. Ist Cross, Gayathrinagar, Srirampuram Post, Bangalore-21.

(Transferor)

(2) Mr. Mohamed Asif Pasha, Reptd. by GPA Holder Mrs. Sayceda, 175, 4th Cross, Mahammedan Block, Malleswaram. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 192/85-86, dated 15-4-85]. Premises No. 175 situated at 8th Main Road, Malleswaram, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

Seal '.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Md. Khaleel Shrirazi, No. 16, Ali Asker Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Mahcem Khaleel, Sai Manzil Attainmal Road, Campball Hill, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C. R. No. 62/47085/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

16 situated at Ali Asker Road Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 344/85-86 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Fogistered Document No. 344785-86 dated April 1985]. All the property bearing No. 16 site ated at Ali Asker Rord, Bangatore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date 6-12-1985

Scal.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ...COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th November 1985

R. No. 62/47086/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

1/20 Division No. 78 situated Ulsoor Road, Bangalore

Range, Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Shivajinagar, Bangaiore under Document No. 345/85-86 dated 29-4-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; vana ∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri T. Narayana Reddy, 1/11, Ulsoor Road, Ulsoor, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) M/s. Southern Petro Chemical Industries Corpn. Ltd. by its Secretary Mr. S. S. Sivaprakash, 39, Armenian St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 345/85-86, dated 29-4-85].

Land with Building Consists of Ground floor, bearing Corpn. No. 1/20, Ulsoor Road, Ulsoor, Civil Station, Division No. 78. Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date :6-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th November 1985

C. R. No. 62/47132/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property heaving a fair market value exceeding

32-A, situated at Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Saroja V. Thampy, w/o Velayudhan Thampy, 32-A, Benson Cross Road, Bangalore-560046.

(Transferor)

(2) Mrs. Sukanya Belliappa, W/o P. K. Belliappa, 877, HAL III Stage, Bangalore-560075.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Registered Document No. 186/85-85, dated 15-4-85.]
Premises No. 32-A, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore-560046.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1985

Seal.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangelore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. $62/47025/85-86/\Lambda CQ/B$.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Langatore.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. old No. 41714 New No. 73, situated at 17th Cross

Malleswaram, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

with the competent authority under Section 269 AB, in his office at

Rajajinagar Bangalore under Document No. 378/85-86 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reased to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

a) Lacilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and the

mechaning the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the marposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following party as, namely the

(1) Mr. J. N. Murthy, No. 643, 14th Maju, H.A.L. II Stage, Indiranagar, Bangafore.

Transferor(s)

(2) Mysore Sales International Ltd., MSIL House, 36 Cunningham Road, Bangalore-560 003.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days iron the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 378/85-86 dated 25-4-85]
Property bushing Old No. 417/4 New No. 73 VI Main 17th Cross, Malleswaram, Bangadore with the Building Consisting of six dwelling units.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dat: 6-12-1985

Scai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETIAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/47129/85-86/ACQ/B. -Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. No. 7 Old No. 16, situated at Shanthaveeraiah Lane, Chickpet Cross, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269 AP, in his office at

Gandhinagar, Bangalore under Document No. 179 /85-86

Dated 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. Rajashekarappa, S/o. Late Channamallappa, No. 272 Midule School Road, V. V. Param, Bangalore-560 004.

Transferor(s)

(2) Mr. S. Guiab Chand, Mrs. S. Jayan Thrilal, No. 8 II Cross, Shanthavteeraiah Lane, Chickpet Cross, Bangalore-560 053.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 179/85-86 dated 15-4-1985] Premises No. 7 Old No. 16, II Cross Shanthaveeraiah Lane, Chickpet Cross, Bangalore City.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Kamala B. Menon, W/o P. N. Menon, No. 8. Haddows Road, Madras-600 006.

Transferor(s)

(2) Mr. Rshok G. Daryanani and Mrs. Mona A. Daryanani, No. 13, Nehru Nagar, Hnd Cross, Bangalore-560 020.

Fransferee (3)

CPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/47!43/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWA!

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Vacant Site No. 26/18 situated at Sankey Road,

Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269 AB, in his office at

Gandhinagar Bangalore under Document No. 202/85-86 Dated April—1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (D) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 202/85-86 dated April-1985] Vacant site No. 26/18 Sankey Road, 44th Division, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Comfetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

PORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1648/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Office space No. 4411, situated at 45 Palace Road,

Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

with the competent authority under Section 269 AB, in his

office at

Bangalore under Registration No. 1426/84-85 dated 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

65—396GI/85

 Mr. Ajay Malik and Mr. Sanjay Malik.
 33/1 Jayamahal Exta.
 V Main Road. Bangalore-560 046.

Transferor(s)

(2) Mrs. S. H. Kably, 77/8 Nandidurga Road, Bangalore-560 046.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1426/85-86 dated 29-4-1985]
Office space No. 4411, 4th floor, High Point-IV 45, Palace Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Devis D'Souza, Kakua M'lore Taluk.

Transferor(1)

(2) Smt. Rekha Ullal, Regd. by Dr. Madhav S. Putran, Medical Practioner, Kuloor, M'lore,

Transferce(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangafore-560 001, the 4th December 1985

C.R. No. 62/46927/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing No. S. 156, 6, situated at Derebail Village, M'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269 AB, in his

office at M'fore on 10/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act. 1957 (12 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 68/85-86 dated 10/4/1985] Property bearing S. No. 156, 6, at Derebail Village, M'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 4th December 1985

R .No. 62/47101/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-

ble property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/2, 16/3 situated at J. C. Road, B'lore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at Basawauagudi on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. 10/ bas
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sud Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Narasimhale Naidu,
 - 3. Dinesh Babu &
 - 3. Dinesh Babu &
 - 4. Annada Babu, Jaragauahalli, J. P. Nagar post B'lore.

(Transferors)

(2) 1. P. C. Vasudevan

- 2. P. Narayanan Namboodripad,

- 2. C. Krishnan,
 4. P. C. Hari,
 5. P. C. Aravindakshan,
 6. P. C. Jayakumar,
 No. 2023/A, V Main Road, Hal II Stage, Indiranagar B'lore.

(Transferees)

Objections, I any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 396/85-86 dated 30.4-85] . Property bearing No. 16/2, 16/3, at J. C. Road, BTore.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1985

C. R. No. 62/47051/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

No. 1857, situated at Bauashaukari if Stage, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 22-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than office.

market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) A. Subramanyam, No. 2-B, Sterling Apartments, Sterling Road, Madras.

(Transferors)

(2) A. Seshadri, No. 1499, IV 'T' block, Jayanagar ,B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, which ever respiral extraction that is a service of the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 228/85-86 dated 22-4-85) Site No. 1857, Banashaukari II Stage, Bangalore,

> **R BHARDW**AJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-12-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF !NDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1985

Ref. No. C.R. No. 46916/85-86/ACQ/B,-Whereus, I, R. BHARDWAJ.

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RS No. 833-1, 1S No. 655-IA, situated at Attavar

village, M'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Δct , 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the compositeent of any income or any memorys or other seests which have not been or which ought to be discussed by the transferes fat the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

(1) B. Viswanath Alva. Bolar M'lore. 2. Shri M. Raghava Vas Lane, M'lore.

(Transferors)

(2) Master Atul Prasad Chowta, Regd. by his mother, Smt. Mallika R. Chowta, by her P A. holder:— Shri K. B. Scetharama Shetty, Kodlamogaru Village, Kasargod Tq., Kerala State, (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions uso'l herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same my aning as gives. in that Chapter-

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 12/85-86 dated April, 1985). Property bearing No. RS 833-1, TS No. 655-1A, Atlayan Village, Mi'ore.

> R BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bangalore-560 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons earnely:-

Date: 4-12-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560.001, the 4th December 1985

C. R. No. 62/47198/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable projectly, having a fair market value cxc Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. 1, 3, 4, 5, 6, 7, 31/1 & 22, situated at Goliahalli, Anekal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Anekal on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the proceedings for the acquisition of the action (1) of Section 269L and Act, to the following persons, namely :-

(1) Mohd. Moinuddin, No. 1084, 27th Main Road, 1X block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferors)

(2) Shrimati Saroj Lulla, No. 5/24 I Main Gangenahalli Hebbal B'lore.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 68/85-86 dated 10-4-85) Sy. Nos. 1 to 7, 31/1 & 22 at Gollahalli, Anekal

R BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Come ssioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1985

R. No. $62/46859/85-86/\Lambda CQ/B$.—Whereas, I, R. BHARDWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing 492/D, situated at VII Cross, west of Kanakapara Road,

Jayanagar, Blore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Jayanagar on 11-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome acraing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri G. S. Bindra, No. 617, VII block, XI Cross, Jayanagar. B'lore-11.

(Transferors)

(2) Shrì A. Chaunabasavaiah No. 118/1 Rathua Vilas Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 381/85-86 dated 11-4-85). Site No. 492/D, VII Cross West of Kanakapura Road, VIII block, Jayanagar, Blore-82.

> R BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 4-12-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1985

C.R. No. 62/47054/85-86/ACQ/B.—Wheeras, 1. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, situated at IV "f" block, Jayanagar, B'lore. (and more fully described in the Scedule annexed hereto, has has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jayanagar on 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; nod for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Zahirulla Khan, No 17, XI Main. IV T Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferors)

(1) Shri K. Abubackel, No. 47 39th cross, VIII block, Jayanagar, Bangalore-II.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 239/85-86 dated 24-4-85]. Stie No. 17. IV "I" block, Jayanagar Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.) Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/47149/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 67/1, situated at VI cross, Anandarao Extension,

Gandhinagar, B'lore-9,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269 AB, in his

office at

Gandhinagar on 19/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---6 -396GI/85

(1) 1. Smt. S. A. Vengadama, 2. Smt. S. A. Vaidetri,

- 3. Shri S. A. S. A. Sriram, 4. Smt. S. A. Gayathri, 5. Shri S. A. Srinivasan,
- Smt. S. A. Padma, Smt. S. A. Saraswathi,

No. 67, VI Cross, Anandarao Extension, B'Iore-9.

Transferor(s)

(2) B. Shanthilal Kankeria, No. 67/1. VI Cross, Anandarao Extension, Gandhinagar, B'lore-9.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said incmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 233/85-86 dated 19/4/1985]

Property No. 67/1, VI Cross. Anandarao Extension, Gandhinagar, B'lore-9.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1985

Seal

(1) M/s. Express Builders (P) Ltd. 47, Richmond Road, Bangalore-25.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Rubia Kaseem. R/o. 138 Residency Road, Bangalore-25. Transferec(s)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-560 001

(b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

C.R. No. 62/1640/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,

R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 101, situated at 47, Richmond Road, Bangalore (and more fully describedin the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269 AB, in his

office at Bangalore under Registration No. 1418/85-86 Dt. 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

> [Registered Document No. 1418/85-86 dated 29-4-85] Flat No. 101 in Express Apartments 47 Richmond Road. Bangalore-560 025.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1641/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

office at

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

No. Flat No. 106, situated at 47, Rochmond Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Offict of the Registering Office at with the competent authority under Section 269 AB, in his

Bangalore under Registration No. 1419/85-86 Dt. 29-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Express Builders (P) Ltd. 47, Richmond Road, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Mrs. Nadira Jameer, R/o. 78. Robertson Road, Bangalore-560 005.

(Transferec)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1419/85-86 dated 29-4-85] Flat No. 106, in Express Apartments 47, Richmond Road, Bangalore-560 025.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/37EE/R-1642/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 3, situated at Mallige Mansions 45 Main Malles-

waram Bangalore-560 003,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269 AB, in his

office at

Bangalore under Registration No. 1420/85-86 dated 29-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; send/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insume-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Ast, or the Wenldy-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons manualy:-

(1) I. Mr. N. Kuamraswamy,

Mrs. Marathi Kumaraswamy,

3. Mr. K. Hemanth Kumar and

 Kumari Nandini, No. 6, Chandra Baugh Avenue Mylapore Madras-600 004.

M/s. Engineer Estates (P) Ltd., Noshirwan Mansion III floor, Henry Road, Colaba, Bombay-400 039.

(2) Mr. K. K. A. Rao,

Mrs. Padma Rao No. 10, Honcy Compb Apartment-99-100 Almeida Park, Bandra—Bombay-400 050.

Transferce(3)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1420/85-86 dated 29-4-85] Flat No. 3. on the II floor in Mallige Mansions under construction in No. 242 (New No. 303) 45 Main, Malleswaram, Bangalore-560 003.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangaiore

Date: 6-12-1985

NOMICE UNDER SECTION 268D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalorc-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1644/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnester referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No. Show Room No. 4009 situated at 45 Palace Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1422/84-85 Dt. 29-4-85

or 1908), in the Onice of the Registering Onicer at Bangalore under Registration No. 1422/84-85 Dt. 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid parently, and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Punsfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. S. I. Property Development (P) Ltd. 45 Palace Road, Bangalore-560 001, Md. Sadekh Khaleeli, Dr. Moyeen Khaleeli and Miss Zahra Banoo Khaleeli 457, Palace Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Aysha, N. S. lyengar Street, 3rd Cross Seshadripuram, Bangalore-560 020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1422/85-86 Dated 29-4-1985)
Show Room No. 4009 in High Point-IV situated at No. 45 Palace Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1645/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 3-J situated at 23 Palmgrove Road, Austin Town, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1423/85-86 Dt. 29-4-1985

Austin Town, Bangatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1423/85-86 Dt. 29-4-1985 fo, ran apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

M/s. Southern Investments

 Montieth Road, Egmore Madras-600 008,
 Mr. Mathew Chandy
 Mr. Jacob Chandy and
 Mr. S. C. Balan
 Mr. esiding at No. 45 Palace Road, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Sirsi A. G. and Sudha Sirsi II floor, White House Navroji Ganodia Road, Bombay-400026.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1423/85-86 Dated 29-4-85)

Apartment No. 3-J on the 4th floor in Palmtree Place situated at No. 23 Palmgrove Road, Austin Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-12-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1649/37EE/85-86/ACK/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1-3 situated at 6th Main, Malleswaram, Bangalore

Acquisition Range, Bangalore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore under Registration No. 1427/85-86 Dt. 24-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ben fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has a not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

(1) Mr. R. V. Ramakrishnan 2355A II floor, 9th Cross, 9th Main Road 'E' Biock, Rajajinagar II Stage, Bangalore-560010.

(Transferor)

(2) Mrs. Prasanna Gopalakrishnan, Flat J-3/ Maitree Apartments, 6th Main Road, Bangalore-560003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or kiny moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1427/85-86 Dated 24-4-85)
Flat No. J-3 Maitree Apartments 2nd floor 6th Main Malleswaram, Bangalore-56003.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Express Builders (P) Ltd. 47, Richmond Road, Bangalore-560025.

(Transferor)

(2) Master Gautam Prakash S/o Dr. Prakash represented by Mrs C. M. Chandrika Prakash Chandrika Bhavan, Karikkamure Road, Ernakulam, Cochin-II.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1650/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,003/- and bearing No.
Flat No. 406 situated at Express Apartments
No. 47 Richmond Road, Bangalore-25
(and more fully described in the Schedule annexed herets). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefore by hole team fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in. respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1428/85-86 Dated 29-4-1985) All that property bearing Flat No. 406 situated at Express Apartments No. 47, Richmond Road, Bangalore-25.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985 Seal :

NOTICI: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1651/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. 2-F situated at 23 Palmgrove Road, Austin Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1429/85 Dt. 29-4-1985 for an apparent consideration which is ltss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

exceeds tht apparent consideration therefor by more than

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

67 —396GI/85

andlor

M/s. Southern Investments
 Montieth Road, Egmore Madras-600 008,
 Mr. Mathew Chandy
 Mr. Jacob Chandy and
 Mr. S. C. Balam all residing at No. 45 Palace Road,
 Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Subramanyam 5-C Kadarnath, Anushaktinagar, Deonar, Bombay-400004.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgued:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1429/85-86 Dated 29-4-85)

Apartment No. 2-F on the II floor in Palmtree Place situated at No. 23 Palmgrove Road, Austin Town, Bangulore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Dato: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1657/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas. R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetrty, having a fair market value exceeding

propertry, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Apartment No. 4-J situated at Palmtree Place 23, Palmgrove Road, Austin Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officir at Bangalore under Registration No. 1435/85-86 Dt. 29.4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Southern Investments 65 Montieth Road, Egmore, Madras Mr. Mathew Chandy Mr. Jacob Chanday Mr. S. C. Balan all residing at No. 45 Palace Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Miss Veena Sajnani, 73 Langford Court, Langford Gardens, Bangalore-560025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1435/85-86 Dated 29-4-85)
Apartment No. 4-J on the 4th floor in "Palmore Place" situated at No. 23 Palmgrove Road, Austin Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1658/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 / (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

Flat No. 403 situated at 47 Richmond Road, Bangalore-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Offictr at Bangalore under Registration No. 1436/85-86 Dt. 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair

Bangalore under Registration No. 1436/85-86 Dt. 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Express Builders (P) Ltd. 47, Richmond Road, Bangalore-560025.

(Transferor)

(2) Indiranagar Properties (P) Ltd. Megdoot 12 Rowland Road, (8B) Calcutta-700 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a pe iod of 30 days from
 the service of notice on the respective person,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the put "cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1436/85-86 Dated 29-4-1985)
Flat No. 403 in Express Apartments. 47, Richmond Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1661/85-86/37EE/ACQ/B.-Whereas, L. R, BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 37 R.S. No. 485, Door No. 13-10-1349 and 1349A situated as Casba Bazar Village, Market Ward. Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1438/85-86 Dt. 29-4-1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value

porty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to betwen the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Mrs. G. Sarasa Bai Mrs. M. Swarana Bai Mr. P. Vishwanath Bhat Door No. 13-10-1349
Field Street Near Matamay Temple, Mangalore-575001.

(Transferor)

(2) Mr. B. Vishnu Bhandarkar S/o Late Sri B. Damodar Bhandarkar Venkataramana Temple Compound, Car Street, Mangalore-575001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1438/85-86 Dated 29-4-1985)

22 Cents (about 890 Sq. mtrs.) Land bearing T.S. No. 37, R.S. No. 485, Door Nos. 13-10-1349 & 1349A House with Compound situated at Carba Bazar Village Market Ward, Mangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th December 1985

C.R. No. 62/R-1666/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-B8 situated at Kasba Bazar Villago, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1440/85-86 Dt. 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the 'allowing sersons, namely:—

(1) Poonja Arcade, K.S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Ahmed Mahir Bawa, 3A Sindhu House Nanabhai Lane, Flora Fountain, Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the sequinition of the said property may be said in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1440/85-86 Dated 24-4-1985)

Premises G-B8 Ground floor situated at R.S. No. 597/1A & 578/2A and TS No. 217/1A and 216/2A2 Kasba Bazar Village of Managalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri S. Subramanian, 11/288, Frabhat Building, Sion Road, Hast, Bombay-400 022.

(2) Sri K. P. S. Krishna, 16, South Beach Avenue, M.R.C. Nagar, Madras-600 028.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1985

Rcf. No. 15 April/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovble property, having fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Vacant land of 1 ground 192 sq. ft. in S. No. 4285, 4286, 4287, 4288, Corp. div. 99, South Beach Road situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 483/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land:—Plot No. 39, South Beach Road, Madras-28. Mylapore/Doc. No. 483/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Srl S. Peer Mohamed and 3 others, No. 31. Arundale St., Mylapore, Madras-4. (Transferor)

(2) Sri A. V. Rajan, 30. Adanja Mudali St., Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 6

Madras-600 006, the 29th November 1985

Ref. No. 21/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30 (Old No. 21) Adanja Mudali St., situated at Mylapore, Madras-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 536/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 30 (Old No. 21) Adanja Mudali St., Mylapore, Madras-4.

Mylapore/Doc. No. 536/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. Viswanathan,

Madras-6.

(Transferor)

Murukady Post, Idukki Dist., Kerala state.

Coromandel Industries Pvt. Ltd.,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1985

Ref. No. 24/April 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUĖL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

38 and 39, Thanikachalam Road, situated at T. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 444/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the hair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Regd. Office: No. 5, Pycrofts Garden Road,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Flat 701/13920 undivided share in land-38 and 39, Thanikachalam Road, T. Nagar, Block No. 139 and flat No. 11 in II floor.

T. Nagar/Doc. No. 444/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

MRS. M. SAMULE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MRS. M. SAMUEL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Dato: 29-11-1985

(1) Sri N. Subramanian and others, 301/302, Mowbrays Road, Madras-600 018.

(Transferor)

(2) Mrs. Rama, Miss. R. Uma, Mrs. Kalavathy & Mrs. Pathna Gopikrishnan No. 28, Poes Gardens, Madras-600 086.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th Novembes 1985

.. Ref. No. 33/April 85/R-II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
301/302, Mowbrays Road, situated at Madras-600 018.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Madras Central/Doc. No. 415/85 on April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesald exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property at Door No. 301/302, Mowbrays Road, Madras-18. Madras Central/Doc. No. 415/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMULE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MRS. M. SAMUEL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—68—396 GI/85

Date: 28-11-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Nagamani Bai and others, No. 9, Shivaji St., T. Nagar, Madras-600 017.

(Transferor)

(2) Sri M. Sardarmal and others, 1 and 2, 25, Shivaji St., Madras-17.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th November 1985

Ref. No. 38/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 9 (Old No. 12), Shivaji St., T. Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 408/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 9 (Old No. 12) Shivaji St., T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc, No. 408/85.

MRS. M. SAMUEL Cpmoetent Authority Inspecting Assistant Immissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1985

Ref. No. 42/April 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat 640 Sq. ft. at No. 8, Madley Road,
situated at T. Nagar, Madras-17.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at T. Nagar/Doc. No. 432/85 on April 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri S. Ramaswamy, S/o. Sri N. Chandrababoo, No. 93/3, LIG Flat, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Mrs. Kalyani Badrinath, W/o. Mr. R. Badrinath, No. 6, II floor, Sapthagiri Apartments, 83, Mowbrays Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat of 640 sq. ft. at No. 8, Madly Road, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 432/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-11 1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1935

Ref. No. 81/April 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUÈL, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A-5, Door No. 23, T. S. No. 32, Block No. 30, Kodambakkam Village situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1204/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Thiru M. Rajaram Reddiar, Thiru R. Jayabhaskara Reddiar, 25, Soundara Pandian Salai, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Mrs. T. Vijayalakshmi, No. 30, Bharathiyar Colony, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Block No. 30, T. S. No. 32, No. 23, 19th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

K dambakkani/Doc. No. 1204/85.

MRS. M. SAMULE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MRS. M. SAMÜEL

Seal: Date: 29-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1985

Ref. No. 93/April 85.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269\$ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agril land in S. No. 181, Valasaravakkam Village situated

at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 901/85 on April 1985

for an superent consideration which is less than the fair market valle of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Vinod T. Shah, by Power Agent, chandrakenth H. Shah, and 20 others, 2/13A, Ramdwara Shivalaya Buildings, Subji Mandi, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Sri G. K. Raj, Idayan Salai, Thirunelveli dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 181, in Valasaravakkam village. Virugambakkam/Doc. No. No. 901/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-11-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1985

Ref. No. 94/April 85/R-11.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 181, Valasaravakkam village.

stuated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 902/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Rasiklal T. Shah, 1/13A, Ram Shivalaya Building, Subji Mandi, Delhi-7

(Transferor)

(2) Sri P. V. Kannan, 2, Vidyedaya II Cross St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40 Cents of land in S. No. 1818 in Valasaravakkum village. Virugambakkum/Doc. No. 902/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-11-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF !NDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th November 1985

Ref. No. 99/April 85/R-II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

sing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 826, Mount Road, Madras-86 situated at 4th floor in Tarapore Towers

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1189/85. on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Mteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor o pay ax under the said Act, in respect of any acome arising from the transfer; يم / أبعد

(b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Tarapore and Co. represented by :--Sri J. H. Tarapore, Dhun Building 827. Anna Salai. Madras-600 002.

(Transferor)

(2) Bank of India. Industrial Finance Branch, 826, Anna Salai, Madras-600 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building: 4th floor of Tarapore Towers, 826, Anna Salai, Madras-600 002.

Madras North/Doc. No. 1189/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, it yarsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 28-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A GRADINA DE CONTRA DE PROPERCIONA DE CONTRA D

GOVERNMENT OF INDIA

•FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I), MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1985

Ref. No. 103/April 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Os. 1,00,000/- and bearing No.
Vacant land-S. Nos. 332/1 and situated at 332/2 part Vebachery, Madras situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Saidapot/Doc. No. 379 '85 on April 1985
for an i pparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri K. Sivaraman, Sri K. Ramachandran, and Chellam Nitran. B. 225, 15th Avenue, Ashok Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) Mr. S. Viswanathan and 8 others, Partners:— M/s. Bhavani & Associates. 34, Sardar Patel Road, Guindy, Madras-32.

(Transferee)

Objections, if easy, so the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: S. Nos. 332/1 and 332/2 Part. Velachery.

Saidapet/Doc. No. 379/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IF, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1985

Ref. No. 112/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Os. 1.00.000/- and bearing No.

1, Nawab Habibullah Avenue, Anderson situated at Road,

Madras-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thousandlights/Doc. No. 139/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/cr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 69-396GI/85

(1) Mrs. Mumtas Bogum, No. 404, 'USHA KIRAP!, Houding Road, Ulseer, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) Jayoce HUF by its Karths, Mr. Jagdishlal Kanayalal, No. 22, North Mada St., Mylapore, Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the nodendaned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of profileation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter MXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Land and Building No. 1, Nawab Habibullah Avenue. Anderson Road, Madras-6.

Thousandlights/Doc. No. 139/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-11-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I), MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 5/April 85.—Whereas, I.
MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the
memorata Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
14, Quaid-s-Millath Road. (T. H. Road), situated at Madras-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Triplicane/314/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. M. Fathima Bi, Mrs. T. Amina Begum, Mrs. T. Suriya Bogum. Mrs. T. Aerifa Begum, No. 6, Radler St., Vepery, Madras-600 007. (Transferor)
- (2- Sri T. N. Abubucker. No. 7, Quaid-s-Millath Road, Triplicane High Road, Triplicane, Madras-5.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 14, Quaid-e-Millath Road, (T.H.Road), MDS-5.

Triplicane / Doc. No. 314/85.

M. SAMUFL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri A. S. Krishnaswamy and N. Chandrasekhar, 'Prashanti', North Avenue, Santa Cruz, Bombay-400 054. By Power Agent C. Sadananda Rao, 22, Soundarapandian Ashok Nagar, Madras.

(Transfero

(2) Sri Nasser Mohammed, Star House, Anjonge, Trivandrum, Kerala.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 13/April/85.--Whereas, 1, MRS. M. SAMUÈL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. 163-CL, Rayapettah High Road, situated at

Mylopore, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 478/85 on April 1985

Mytapore/Doc. No. 4/8/85 on April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and ground Plot No. C and Door No. 4, (163-CL), Royapottah High Road, Mylapore, Madras-4.

Mylapore/Doc. No. 478/85.

MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madrus.

Date: 2-12-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 35/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 4087, Mylapore village, situated at Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 433/85 on April 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truty stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 197);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings from the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

(1) Dr. Neelavathy Pushparaj, 115, Division Avenue, Summit New Jersy, 115A

(Transferor)

 Smt. Rajeswari Balasubramanian, 40, High firld Lane, Cadargove, N. J. 07009, USA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as used defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building R.S. No. 4087, Mylapore, Madras. Mylapore/Doc. No. 433/85.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 2-12-85.

FORM ITNB

Sri T. R. Ramakrishna Naidu, T. R. Venkat, 20, Valmiki St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor) (2) Smt. V. Shyamala 2. V. Jithendra 3. V. Marendran represented by guardian Mr. V. Raghunath, 19, Valmiki St. T. Nagar, Madras.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras, the 2nd December 1985

Ref. No. 40/April/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

19, Valmiki St., T. Nagar, situated at Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 413/85 on April 85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any lacome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building-19, Valmiki St., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 413/85,

> MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-12-85.

(1) Mrs. M. Gomathi, 14, Dhandapani St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. P. Ansary, 40, Motilel St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 45/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 14A, Dhandapani St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule approved hereto).

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 438/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in 14A, Dhandapani St., Madras-17, T. Nagar/Doc. No. 438/85.

MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition—of the aforesaid property—by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 48/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant land Plot No. 1, Part T.S. No. 19/1, part, Block No. 24, Vannamherai, Now known as Venkateswara Nagar

situated at Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 854/ and 855/85 on April 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more them fifteen per cent of such imparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any tuoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Mrs. Anna Jacob, B. 9, Kudromukh Housing Complex, Wock 11, Koramangala Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri K. Lawrence, Ho. 21. Lazarus Church Road, Madatas58.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: Plot No. 1 part T.S. No. 19/1 part, Block No. 24, Vannantherai, now known as Venkateswara Nagar. Adayar/Doc. No. 854 and 855/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

> > Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 50/April/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the Said Act'), have reasen to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/bearing No. 5, Second St., Kasthurba Nagar,
situated at Adyar, Madras-20.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Adayar/Doc. No. 885/85 on April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasen
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to betwood the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieve of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income axising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursuant, namely:—

(1) Mr. Thumala Vittal Rao. No. 34, Rajl St., Ayanavaram, Madras-23.

(Transferor)

(2) Mr. K. Ponnuswamy,
 P. A. Building,
 42, Venkatakrishna Road,
 Raja Annamalaipuram,
 Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 slays from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at No. 5, Second St., Kasthurba Nagar, Adyar, Madras-20.

Adyar/Doc. No. 885/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 2-12-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SJONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 63/April 85.— Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter elerred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and building 2200 sq. ft. at Dr.Alagappa Chettiar Road,

Purasawalkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc, No. 720/85 in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitaing ine reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the gaid Act, is respect of any income arising from the transfer;
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- 70-396GI/85

 Smt. M. S. Vasundara, w/o. Sri C. S. Thirulochandran, 22, Dr. Alagappa Chettair Road, Purasawalkam, Madras-84.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushila Surana, w/o. Sri G. L. Arora, 'ARIHANT APARTMENTS', No. 22, Raja Annamalai Road, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions ustd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 22 (old No. 9), Dr. Alagapya Chr. Road, Purasawalkam, Madras-84. PURASAWALKAM/Doc. No. 720/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitlon Range-II, Madras-600 006

Date 2-12-1985 Seal :

 Sri K. Sivaraman and others, B-225, 15 Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Anandan, 28, Mariappa Naicken St., Teynampet, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 104/April 85.—
Whereas I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Property as specified in schedule to Doc. No. 381/85.—vacant land at Velachery (Vijayanagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet/Doc. No. 381/85 in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Velachery (Vijayanagar). Saidapet/Doc. No. 380/381/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 2-12-1985 Seal 2

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 110/April 85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
16, Moores Garden, Madras-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights/Doc. No. 158/85 in April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Aiyaz M. Ebrahim, 16, Moores Garden, Madras-6.

(Transferor)

 Mr. Gopal N. Pardasani, Mrs. Bina G. Pardasani,
 Moores Garden, Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Old No. 2-F and New Door No. 16. Moores Garden Madras-6—R.S. No. 77 and 78 (part). Thousandlights/Doc. No. 158/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 113/April 85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred
to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fait market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 22, part of plot No. 23, R. S. No. 62/5, II St.
situated at Rutland Gaate, Nungombakkam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights/Doc. No. 146/85 in April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. B. Namazi, 30, Khader Nawazkhan Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Sri Haafezkhan alias, Haafiz Khan Namazi, 30, Khader Nawazkhan Road, Madras-6.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 22, Part of Plot No. 23. R. S. No. 62/3, Rutland Gate, II St., Nungambakkam. Thousandlights/Doc. No. 146/85.

MRS. M. SAMUEI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 2-12-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd December 1985

Ref. No. 119/April 85.—Wherens, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 3, II Cross St., CIT Colony, situated at Mowbray's Road, Mylapore, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mylapore/Doc. No. 454/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. T. Rathnamma, No. 116, Varatha Muthiappan St., Madras-11.

(Transferor)

(2) Sri K. Rajni Reddy, No. 12, Bhasiam Basheer Ahmed St., Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 3, II Cross St., CIT Colony, Mowbray's Road, Mylapore, Madras-4. Mylapore/Doc. No. 454/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 2-12-85

(1) Sri P. C. Natarajan and others, 1281 Sastri Road, Ramnagar, Coimbatore. (Transferor)

(2) Smt. K. Ranjitham, w/o Sri M. V. Krishnamurthy, D. No. 83, Vysial St., Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 139/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S.F. No. 248—247 D. No. 10/366, situated at Saravana Theatre, Tekungupalayam village, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1609/85 April 1985

Coimbatore/Doc. No. 1609/85 April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Saravana theatre: Land S.F. No. 248—247 Door No. 10/2366, Saravana Theatre, Telungupalayam village, Coimbatore, Coimbatore/Doc. No. 1609/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 2nd December 1985

Ref. No. 147/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property as specified in schedule situated at to Doc No. 1737/85

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1737/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, tai respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri S. A. Anthonyswamy, s/o A. Ssir Vathamchettiar, 168/3, Puliakulam Main Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sh. Nalakattu Sheik Ahamed Hajee, s/o Kunjummu, Beemanadu, Kettapadam, Palghat Tk. Kerala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1737/85. Coimbatore/Doc. No. 1737/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 2-12-85

Soul:

FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madres-600006, the 3rd December 1985

Ref. No. 2/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and brazing No. New No. 10, Old No. 2/10, Thasuddin situated at Khan-Bahadur St., Triplicane, Madras-5 (and more fully described in the Sanedule apprexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 304/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate eroceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. C. Manorama, C. Kuppusami, C. Ponniah, C. Venkatesh, C. Ramiah, Lakshmiah, all nt No. 10, Thasudeen Khan Bahadur, St., Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) Sri M. Afsal Ahmed, (2) K. Irfath Ara, Both at 8, Habimullah Sahib St., Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: New No. 10, Old No. 2/10, Thasudeen Khan Bahadur St., Triplicane, Madras-5.
Triplicane/Doc. No. 304/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 3-12-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 3/April 85.—Whereas, I,

MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3. Office Venkatachal a Mudali situated at Lane, Tripli-

cane, Madras-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Triplicane/Doc. No. 307/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property zs aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fristrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, lamely:— 71-396GI/85

(1) Miss K. J. Kamala, No. 3, Office, Venkatachala Mudali Lane, Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

561

(2) Mrs. M. Angarkanni W/o Meekiah, No. 168, Big St., Triplicane, Madras-600 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 3, Office Venkatachala Mudali Lane, Triplicane, Madras-5.

Triplicane/Doc. No. 307/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 3-12-85

PORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 28/April 85,—Whereas, I, IRS. M. SAMUEL,

eing the Competent Authority under Section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/nd bearing No. 'acant land T.S. No. 8888, 8893/1. 8894 and 8887, Block

Vacant land T.S. No. 8888, 8893/1. 8894 and 8887, Block Io. 129, Door No. 6, Old New No. 20, New Boag Road,

ituated at T. Nagar Madras-17

and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Nagar/Doc. No. 498/85 on April 1985

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- Sri V. Jayaraman, son of Venkatarama Iyer; Flat No. 7, HIG, Block No. 136, Anna Nagar West, Madras-40 and V. Krishnamurthy, son of Venkatarama lyer, 43, South Usman Road, T. Nagar, Madras-17.
- (2) Sri K. Vadivelu, son of K. S. Perumal Mudaliar, 65, Harrington Road, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in T.S. No. 8888, 8893/1, 8894 and 8887 Block No. 129, Door No. 6, old New No. 20, New Boag Road, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 498/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 3-12-85

FURM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 41/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUÊL,

being the Compatent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000fff- and bearing No. Vacant land T.S. No. 7918—part of T.S. No. 4699, North T.

Nagar village, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar /Doc. No. 428/85 on April 1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Sri C. Manoj Kumar Chandrakant Bhatt, 15, Murugesa Mudaliar Road, Madras-10. (Transferor)
- (2) Aiyar and Amar rep. by its partners Smt. Pushkalambal, 1, Chari St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land-T.S. No. 7918-part of T.S. No. 4699 North T. Nagar village, Madras.

T. Nagar/Doc. No. 428/85.

MRS. M. SAMUEL Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date : 3-12-85 Seal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri B. P. Gajapathy,
 Gajapathy Road,
 Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri B. Surender, 6, Gajapathy Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 55fffApril 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL. eing the Competent Authority under Section 259B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 3, Gajapathy Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at the Purasawelkam/Doc. No. 622/85 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 3, Gajapathy Road, Kilpauk, Madras-10.
Purasawalkam/Doc. No. 622/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alorested property by the issue of this notice finder subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 64/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 1241/1 part at 21, Venkatachalam St. Pursewalkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

transfer with the object of :-

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Purasawalkam/Doc. No. 727/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income m any moneys or other assets which have not been of which each to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269°D of the said Act, to the following persons, Namely:—

- Sri B. C. Bothala, s/o Madanlal Bothala, H. C. Bothala, s/o Madanlal Bothala, 11, Murugappan St., Madras-1.
- (Transferees)
 (2) Sri S. Rajarathnam Sct.y, s/o S. Sanjeevaraya Sctty,
 Smt. R. Parimala, w/o S. Rajarathnam Setty,
 Sri S. Srinivasa Gupia, s/o Sanjeevaraya Setty,
 Smt. S. Umamahaswari, w/o S. Srinivasa Gupta,
 Sri S. Seetharama Setty, s/o S. Sanjevaraya Setty,
 Smt. S. Thajavathi, w/o S. Scctharama Setty,
 all residing at No. 39, Kandappachari, St.,
 Purasawalkam, Madras-7.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: Survey No. 1241fff1 part at 21, Venkachalam St., Purasawalkam. Purasawalkam/Doc. No. 727/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: ? -2-1985

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 68/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, kei, No. 68/April 83.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 71 and 72, Sanapathy St., West Mambalam, Madras-33 of Puliviry vibrations.

of Puliyur vilalge

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kadambakkam/Doc. No. 984/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. S. Parangini s/o Mr. N. Shanmughakani Nadar, No. 16, Guindy Road, Madras-20.

(Transferor)

(2) M/s. Mayan Civil Constructions and Real Estate. No. 162-C, Greams Road, Madras-6, Represented by its partner: Mr. R. Jayakumar. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the suid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Shed: No. 71 and 72, Ganapathy St., West Mambalam, Madras-33 of Puliyur village. Kadambakkam/Doc. No. 984/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 82/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 3470 sq. ft. in S. No. 32, Ashok Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1205/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. T. Vijayalakshmi, W/o Mr. Thirugnanam, 5, Soundarapandian Salai, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Subramaniam, s/o Sri Sundaram Iyer, 20/2, V. St., Subbaraya Nagar, Kodambakkam, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Plot No. A. 5, Ashok Nagar Scheme, Madras, T.S. No. 32, Block No. 30. Kodambakkam/Doc. No. 1205/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

Sri Hasmuklal T. Shah, Power Agent, Chandrakant H. Shah,
 Bunder St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri A. Nagapandian, 7, Doivanayagam St., Maglras-34.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 89/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing S. No. 181, 104, Valasaravakkam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 1029/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been iruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Vacant land in Survey No. 181, 101, Valasaravakkam village. Saidapet Taluk. Virugambakkam/Doc. No. 1029/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 3-12 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 19661 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDUS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 131/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19661 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G.S. No. 533/in the lay out formed in T.S. No. 12/20 (part) 23, 51 and 57 named Karuppanta Gounder Colony P.P. Scheme No. 6

(and more fully described in the Schedule annxea hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore/Doc, No. 1668/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) incilitating the reduction or evasion or the liability of the transferon to pay the under the wold Act, in respect of any income arming from the transfer:

b) facilitating the concealment of any income of any caoneys for other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance or section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—
72-376GI/85

(1) Sri S. Ravindran and others, residing at No. 38, Venkataramana Road, R. S. Puram, Combatore Town.

(Transferor)

(2) Sri D. K. Agarwal, Mrs. Suchiata Agarwal, wfflo D. K. Agarwal, No. 307-A, 400 New, Karuppana Gounder Street, 4th st., Coimbatore-38.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant house site—G.S. No. 553 in the lay out formed in T.S. Nos. 12/200 (part), 23, 51 and 57, Karuppanna Gounder Colonuy, in P. P. Scheme, No. 6, Municipal Ward No. 15, Tolungupalayam village, Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-12-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 139/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (herelaafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 8/5, Ruthinasabapathypuram situated at Colimbatore (Mettupadayam) Thadagam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore, Doc. No. 1456/85 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Art or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri Vijayakumar and others,
 Venkatramana Road, R. S. Puram,
 Coimbatore Town.

('fransferor)

(2) Sri K. Arumugham and Sri A. Samasundaram, D. No. 11/7, Kannusamy St., R. S. Puram, Coimbatore Town.

Transfer**ce** i

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.S. No. 8/5. Mottupalayam Thadagam, Extension, Rathinasabapathypuram, Coimbatore Taluk, Coimbatore/Doc. No. 1456/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:—

Date: 3-12-1985

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri S. P. K. Velusamy, s/o S. P. Karuppusamy, GO. Palayam, Andipalayam, Pollachi.

(Transferor)

(2) Lakshmichand Gupta, s/o Szetharamguptha, and Smt. Seethalakshmi, For Sheela Medical Trust, Oppanakara Street, Managing Trustee.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 142/April 85,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Telungupalayam, Coimbatore Taluk situated at T.S. No. 28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1598/85 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any increase arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.S. No. 28, Telungupalayam, Coimbatore Taluk. Coimbatore / Doc. No. 1598/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 144/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Anupparpalayam—S. No. T.S. No. 9/282 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbetore/Doc. No. 1619/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Uppinam Godi Ramanath Bhat, s/o Uppinamgedi Purushothama Bhat, 175-B, Rangaswamy Naidu Layout, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Venketachalam, s/o Sambanda Gounder, Kondampatti Vadachitteer (Via) Pollachi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caratte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Anupparpalayam village—Survey No. T.S. No. 9/282.

Coimbatore/Doc. No. 1619/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomectax Acquisition Range-II, Mdaras-600 006

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri S. Kesav Singh, Bombay Automobiles, Ernakulam, Kerala State.

(Transferor)

(2) Sri G. Prakash Kumari.73, Ramachandra Road, P.S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME

ACQUIDITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 3rd December 1985

Ref. No. 145/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T.S. No. 3138 and 3139—Property of specified in schedule to Doc. No. 1855/85

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1855/85 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1855/85. Coimbatore/Doc. No. 1855/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND AND THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE P

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 149/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Thiesophical Road, Western Raw situated at Coimbatore

Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1808/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by market than officers are consideration therefore the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri A. V. Palanivel, s/o Late A. S. Venkatachala Mudaliar and for himself and as guardian for his minor son P. Vignesh Anamalai, Pollachi.

(Transferor)

(2) 1. Sri K. Parthasarathy, s/o Late N. R. Kuppuswamy Ayyangar, 207, Thiruvenkatasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

Smt. Virupatchi,
 6 Late S. S. Balamuniappa Chr.,
 Raja St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 d is from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPERINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Thiesophical Road, Coimbatore town. Coimbatore/Doc. No. 1808/85.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-12-1985

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 150/Apr/85.—Whereas, 1, MRS. M. Samuel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Old T.S. No. 7/3722, 3723, 3697, 3698 situated at New T.S. No. 7/864 part.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1815, 1816/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri R. Ranganathan Chettiar,
 - 2. Krishnasamy Chettiar,
 - Kadapprehetty alias Madhavan Chettiar,
 Ramalingam Road,
 S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri T. A. Bhaskaran,
 s/σ Achu Achari,
 71, Ramalingam Road, R. S. Puram,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Old T.S. No. 7/3722, 3723, 3697, 3698, New T.S. No. 7/864 part, Ramalingam Road, R. S. Puram, Coimbatore Town.

Coimbatore / Doc. No. 1815, 1816/85.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. (AX. ACT. 1961 (43. OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 151/April 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MPS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant agricultural land S. Nos. 95/1A 38, 95/1A 4E, 95' 1A9 Acres. Two Conts. 46 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruporur/Doc. No. 808 '85 (2 nos.) in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely '---

(1) Shri M. Sundaram and 8 Others, No. 25, Trust Puram St., Raja Annamalaipurant, Madras-600 028.

(Transferor)

(2) Sri M, Ramaswamy and Mrs. Valli Ramasamy, No. 855, Anna Salai, Madras-600 002, (C/o. Per and Sons P. Ltd., Madras-600 002).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant agri. land: S. Nos. 95/1A 38, 951/1A, 4E, 95/1A 9 acres Thiruporut/Doc. No. 808/85 (2 Nos.).

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II. Madms-500 006

Date: 3/12/1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 14/April 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Land and building No. 7. Loganathan situated at Colomy, Mylapore, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapora/Doc. No. 480/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid property as aforesaid property as aforesaid property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for the consideration and that the consideration for the consideration and the consideration and that the consideration for the consideration and that the consideration for the consideration and that the consideration for such that the consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration and that the consideration and the consideration a

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely: 73-396GI/85

(1) Smt. J. P. Rajam Ammal and her sons,

J. P. Sidhar and minor sons J. P. Chellapandian,

J. P. Stalin, J. P. Kalpar

Kalpana, J. P. Kavitha,

residing at : 8, Logauathan colony,

Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

and the services of the property

 Grace Sugirthavathi Samuel,
 Wesli Karunakaran,
 14/12, Dasudeen Khan Bahadur St., Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 7, Loganathan colony, Mylapore, Madras-4. Mylapore Doc. No. 480/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date : 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 37/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Vacant land in T. S. No. 5/2, situated at Block No. 10, Rattandas st., West Mambalam, Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 390/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Smt. R. Kasthuri W/o Sh. Ramachandra Reddiar, No. 41 (Old No. 11), Lakshmi Talkies Road, Madras-30.

(Transferor)

(2) Sri K. A. Subbaraman, S/o Sh. Anantharama Iyer, No. 3, Kasi Viswanathar Colony, 3rd St., Madras-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Vacant Land: T. S. No. 5/2 part, Block No. 10 part, Division No. 115, Rattandas St., West Mambalam, Madras-33 T. Nagar/Doc. No. 390/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 26%0 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 46/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ground New Door No. 13 (Old No. 9), situated at Rameswaram Road, T. Nagar, Madras-17 T. S. No. 5501, 3A, Block No. 127 Puliyur villages (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 440/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any more or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Jayemmal, 80, Lake View Road, West Mambalam, Madras-33.

(Transferor)

(2) Sri Nalli Builders, rep. by its Managing Partner Sri N. C. Kandaswamy, 120, Usman Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground: New Door No. 13 (Old No. 9), Ramesworam Road, T. Nagar, Madras-17 (T. S. No. 5501/3A, Block No. 27, Puliyur Village), T. Nagar/Doc. No. 440/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5 12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 52/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, Selvaranga Raju St., Sanjeevarayapettai, Guindy Venkatapuram, Zamin Adyar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 943/85 in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 3ri M. Narasimhan and 2 others, No. 10, Selvya Rang Raju St., Madras-15.

(Transferor)

(2) Mrs. Vasanthi N. Shah, and Miss. Swapna N. Shah, No. 289, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 10, Selvaranga Raju St., Sanjee varayapettai, Guindy, Madras. Adayar/Doc. No. 943/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri A. Punniakoti Naidu, Sri A. Lakshmi Pathi Naudi, 16, Kumarasamy Mudali St., Perambur, Madras-11.

(Transferor)

(2) Sri T. Subramani and others, 2/69, Bazaar St., Medavaram, Madras-60.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 62/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (bereinafter externed to as the 'said Act'), have reason to behave that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R. S. No. 461/3 and 14-Door No. 16, situated at Kumarasamy Mudali St., Perambur (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 713-85 in April, 1985

a Purassawardin Doc. No. 715 83 in April, 1885 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or wich ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the ludian income-tax. Act. 1922.

(11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: R. S. No. 461/3414, at 45, Kumara-samy Mudali St., Perambur. Ptrasawalkam Doc. No. 713/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date : 5/12/1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Sampath, No. 25, I Main Road, Telepost Colony, Madras-33.

(Transferor)

(2) Smt. K. Subbamma, No. 16, Subba Reddy St., West Mambalam. Madras-33.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 87/April 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25, Plot No. 5, First Main Road, situated at Telepost colony, West Mambalam, Madras-33 (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1255/85 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or saly moneys or other assets which have not been or which ought to be discused by the transferee for the purposes of the Lidian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 25, (Plot No. 5), First Main Road, Telepost colony, West Islambalam, Madras-33, Kodambakkam/Doc. No. 1255/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range II, Madras

Date: 5/12/1985

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 95/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 136-F, II Floor in Block No. D-136, situated at Virugambakkam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 903/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Challam, Executive Engineer and Admn., K. K. Nagar Division, Madras-78.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Sengal, 36-C, Model Town, Yamuna Nagar, Yamuna Nagar-135001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hig Flat: No. D. 136 F. S. No. 255/2B, part, Extent 915 sq. ft. 104, Virugambakkam Village. Virugambakkam/Doc. No. 903/85,

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 107/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 10, Aziz Mulk 4th St., situated at Thousand Lights, Madras-6 R. S. No. 44/222, C. C. No. 217 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 153/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

(1) Fathimathul Kubra Begum, W/o Late C. Syed Munawarshaw Sahib, No. 10, Aziz Mulk 4th St., Thousandlights, Madras-6.

(Transferor)

(2) Sri Inayath Athar, W o Sh. S. I. A. Athar, No. 10, Aziz Mulk, 4th St., Thousandlights, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Super Structure: Door No. 10, Aziz Mulk 4th St., Thousandlights, Madras-6. Present: R. S. No. 44/222, C.C. No. 217. Thousandlights/Doc. No. 153/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date: 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 118/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to blieve that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat II floor at No. 71, Royapettah situated at High Road, Mylapore, Madras-4

Mylapore, Madras-4 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 436/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair parent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--74-396GI/85

(1) Sri K. S. Bhaskaran, 70, Royapettah High Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Smt. Poonam Tandon,2. Master Pramod Tandon, 2. Master Pramou randon, 71-H. Royapettah High Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo property, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: Il Floor at No. 71, Royapettah High Road, Mylapore, Madras-4. Mylapore/Doc. No. 436/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras

Date: 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1985

Ref. No. 129/April 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
S. No. 4, Block No. 18, TS. No. 4, part situated at 145/B,
West CIT Nagar, Madras-34
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Madras south/Doc. No. 1063/85 in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !tability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Sri C. K. Namasivayam, S/o Late Krishnaswami Mudaliar, 145/B, West, CIT Nagar, Madras-35.

(Transferor)

 Smt. S. Dhanalakshmi, W/o Sh. V. Pattabiramn, 16, III cross St., West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 145/B, West CIT Nagar, Madras-35. Madras South/Doc. No. 1063/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 7/April 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tai: Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

55/1 at Virupakehiparam, Dharmapuri situated at Dharmapuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Berchtenion Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri Document No. 423/23 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Sri Muniraj, S/o Sh. Narasima Naidu and Smt. Maheswari, W/o Sh. Ramaktishnan, Nattanmaipuram, Dharmapuri.

(Transferor)

(2) Sri D. N. Krishnan, S/o Sh. Nadupaya Gounder, Kuppa Gounder Street, Dharmapuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a pariod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building in Survey No. 55/1 at Virupakshipuram, Dharmapuri.

MRS. M. SAMUEL Compètent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date : 5-12/1985

 $\mathbf{Se}(d) :$

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 9/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 301/1A1 situated at
Periamanali Village, Namakkal Taluk
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Velagoundanpatti (Doc. No. 253/85) on 6th April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-sax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Ramaswami Gounder, S/o Late Nanjappa Gounder, Periamanali Village, Tirchengode.

(Transferor)

(2) M/s. R. P. Kandaswamy, P. Gopalakrishnan, R. P. Dhanapalan, Sons of Sri Perumal Chettiar Veppampatti Pudur, Namakkal Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said novable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Compton.

THE SCHEDULE

9916 Sq. ft. vacant land at Survey No. 301/1A1, Perlämanl Village, Namakkal Taluk, with a well.
(Document No. 253/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely :---

Date: 4-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 17/April/85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immer-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural lands situated at Veerakkal Village, Jalakantapuram, Salem Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalakantapuram (Document Nos. 374/85 and 377/85) on 17th April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. M. Gurunuthan. G. Venkatesan, Smt. R. Mythli W/o Late M. Ramachandran. Devasthana Vanavasi, Nangavalli Village, Mettur Taluk, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Sri R. Veeramani S/o S. Ramaswami, C/o M/s. Dhanalakshmi Textiles, Cloth Merchants, 73, 1st Ward, Vanavasi, Mettur Taluk, Salem Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 slave from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(1) Document No. 374/85 Agricultural lands measuring 4.84 acres at Veerakkal Village, Jalakantapuram, Salem Dt. (Survey Nos. 293/2 293/4; 292 (well), 7.5 H.P. Motor, 260 Cocoanut trees). Motor 260 coconnut trees).

(2) Document No. 377/85 No. 377/85 Agricultural alnds measuring 7.14 acres at Veerakkal Village, Jalakantapuram, Salem Dt, (Survey Nos. 292; (5.54 acres) with 76 cocoanut trees 296/1 (1.60 acres) and Mango trees 5 in No.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6006

Date: 4-12-1985

PORM ITME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 18/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000/- and bearing

Agricultural lands situated at Veerakkal Village, Mettur Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalakandapuram (Document Nos. 375/85 & 376/85) on 17th Actil 1985

17th April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor:
- (b) (acilitating the concealment of any income or un) manners or other terets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ass, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Delectri, manaly :--

(1) M/s. M. Gurunathan, G. Venkatesan, Smt. R. Mythili W/o Late M. Ramchandran, Devasthana Vanavasi, Nangavalli Village, Mettur Taluk, Salem Dt.

A communication of the state of

(Transferor)

(2) M/s. S. M. Chokkaiyan, M. Venkatesan, S/o S. Ramaswami, C/o M/s. Dhanalakshmi Textiles, Cloth Merchants, 73, 1st Ward, Vanayasi, Mettur Taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said used herein as Act shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(1) Doc. No. 375/86 (1) Doc. No. 3/3/80
Agricultural lands measuring 5.11 acres at Veerakkal Village, Jalakantapuram, Salem Dt.
(S. Nos. 295/1: 293/3, half share in well; half share in 5 H.P. Motor Pump Set, 280 cocoanut trees).
(2) Doc. No. 376/85

Agricultural lands measuring 17.07 acres at Veerakkal Agricultural lands measuring 17.07 acres at Veerakar Village, Jalakantapuram. Salem Dt. (S. No. 291/1; 292; 293/3; 295/1; 295/1 (Building) 295/1 (well) 295/2: 295/3; 296/1; 296/1; 296/2; 295/3 (well) and 5 HP Motor; 296/1 50 Cocoanut trees and 296/1 Mango trees 5 in No.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6006

Date : 4-12-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 36/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 538/2, situated at Periapatti Village, Namakkal Tk., Salem Dt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Namakkal (Doc. No. 482/35) on 2.4-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect wt any income arising from the transfer; and or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

(1) Sri S. M. Mani, S/o Sri Marappan Gounder, Dr. Sankaraiyar Road, Namakkal Town, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Smt. S. Andal, W/o Sri Chellappa Reddiar, 34-C. Mohanur Road, Namakkal, Salem Dt.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 538/2, eriapatti Village, Namakkal Tk., Salem Dt. S.R.O.: J.S.R.I, Namakkal, Doc. No. 482/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 40/April/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing B Class Plot No. 40, Komarapalayam situated at Agraharam, Namakkal Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Komarapalayam (Doc. No. 1057/85) on 2nd May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri T. Subramaniam, S/o Thyappa Chettiar,
S/o Thyappa Chettiar,
Sri T. S. Palanisami,
Sri T. S. Balasundaram,
Sri T. S. Natarajan,
Sons of Sri T. Subramaiam,
Hango Street, Vedantapuram. Komarapalayam.

(Transferor)

(2) M/s. K. S. Chandrasekaran, K. S. Gunasekaran, K. S. Gunasekaran, K. S. Rajendran, 63-C, West Colony, Komarapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at B Class Plot No. 40, Komarapalyam Agraharam, Komarapalayam, Namakkal Taluk.
(Document No. 1067)/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-6006

Date: 4-12-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jaya Rajan 5, Telephone Colony, Madhavaram, Maras-51.

(Transferor)

 T. D. Balasubramaniam, 36, Ayyappa, Chetty Street, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 45/Apr/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
Plot No. 14-A. 14-B and 15, situated at New No. 12-A, 12-B
and 13, S. No. 332/3A, 332/4, Madhavaram, Madras-51
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sembiam, Madras Doc No. 1344/85 on April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- .
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys offr other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 14-A, 14-B and 15, New No. 12-A, 12-B, and 13, Survey No. 332/3A and 332/4 at Madhavaram Village, Madras-51.

S.R.O. Sembiam, Madras Document No. 1344/85

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tellewing persons namely:

75—396GI/85

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Tara Cherian, 8, Victoria Crescent Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

 Smt. Sheela Devaprakasam, Sri C. S. Devaprakasam, Miss Anand Devaprakasam, 8, Victoria Crescent Road, Madras-8.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 48/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 8, Victoria Crescent Road, situated at Egmore, Madras-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet Doc. No. 391/85 on Apr 1985

for an aroarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fac. tating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of may income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax 1ct, 195 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within p period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and builing at Plot No. 8, Victoria Crescent Road, Egmore, Madras-8

SRO: Periamet, Doc. No. 391/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 49/Apr/85.—Whers, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5, Victoria Crescent, situated at Egmore, Madras-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Periamet Doc. No. 392/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than officers are cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Smt. Tara Cherian, 8, Victoria Crescent, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Smt. Jim Dhanaraj, 19, Hill Park, Dr. A. G. Hill Marg, Malabar Hill, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 5. Victoria Crescent, Egmore Madras-8.

SRO: Periamet, Doc. No. 392/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sand Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-12-1985

Sea:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri S. K. S. Balue,
 O' Block,
 Ganapathy Block,
 Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) Sri Ealder Narang, No. 1, Ramanathan St., Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-U, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 50/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/2, 17 Avenue situated at Harrington Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Doc. No. 308/85 on Apr, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of a mid Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3/2, 17th Avenue. Harrington Road, Madras-31.

SRO: Periamet, Doc. No. 398/85.

MRS. M. SAMUEL Competen: Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 4-12-1985

Seel :

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. M/s. Shobana Real Estates, 2. G. Nandagopal 3. Shyamkumar, No. 112, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2- 1. Mrs. Shirinbai M. Hassanally,
2. Miss Farida N. Millwala,
3.Rashida A. Millwala,
No. 94, Broadway, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the axid property may be made in writing to the undersigned :--

Ref. No. 55/Apr/85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing New Door No. 9, Old No. 10, situated at Casa Major Road, Madras-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Parisance Madram Prop. No. 451/85

Periamet, Madras Doc. No. 451/85

on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparen. consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Builing at New No. 9, Olc No. 10 Casa Major Read. Madras-8. S.R.O.: Periamet, Madras, Doc. No. 451/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

D. to 4-12-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 4th December 1985

Ref. No. 56/Apr/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1.00,000/- and hearing
Flat No. 5, Harrington Apartments, situated at.
No. 98, Harrington Road, Chetput, Madras-31
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Periamet, Doc. No. 458/85 on Apr 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. P. Syamala Reddy, Flat No. 5, Harrington Apartments, 98, Harrington Road, Chetput,

(Transferor)

(2) Miss T. Nagar Suseela, 14. Forst Street. Balajei Avenue, T. Nagar, Madras-31.

(transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Flat No. 5 Harrington Apartments, 98 Harrington Road, Chetput, Madras-31.

SRO: Periamet, Doc. No. 458/85

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date : 4-12-1985 Seal :

FORM LT.N.S.

The same of the sa

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGES, MADRAS-600-006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 57/Apr/85.--Wacreas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding

movable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 9, Mayor Satyamorthi Road, situated at Srfeenivasta Nagar, Madras-3/. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras Doc. No. 464/85 on Apr 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforescid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforescid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the object of the said instrument of transfer with the object of the ob

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the conceelment of any income to any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waalth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Dr. A. V. Sugavaneswaran, 1, Satyamurthi Road. Sreeniyasa Nagar, Madras-31.

(Transferor)

(2) Smt. S. M. A. Nabeela, 1, Club Road, Madras-31

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9. Mayor Satyamurthy Road. Sreenivasa Nagar, Madras-31. S.R.O.: Periamet. Madras Doc. No. 464/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 59/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 13, Ramanathan St., Madras-10,
situated at Kilpauk, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Doc. No. 475/85 on Apr. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) racinitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persetts, namely :--

(1) 1. K. M. Aima, 2. Pravin, IC. West Palms, Wingate Gardens, 2, School Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Smt. J. Johnson, No. 1, Main Road, Officer's Colony, Adambakkam, Madras-88.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 13, Ramanathan St., Madras-19. SRO: Periamet, Doc. No. 475/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 3/12/1985

(1) P. S. Saraswathy, 7, Ganga Reddy St., Madras-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri G. R. Sharma, 19, Shanmugarajan St., Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 60/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 25, Egmore Division

situated at Egmore Village, Madras-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Doc. No. 490/85 on Apr. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabl property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said:

Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 25, Egmore Division, R. S. No. 81/31, Egmore Village, Madras-8. SRO: Perlamet, Doc. No. 490/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 76-396GI/85

Date: 3/12/1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 64/Apr/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
New Door No. 60, Old No. 18/1, 18/2,
situated at Basavian St., Old Washermanpet, Madras-21.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at
Royapuram, Madras Doc. No. 663/85 on 11-4-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
sacceds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lithility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rajeshwari, W/o Sri P. Subramaniyam, No. 269, T. H. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) 1. Sri S. S. Balan,
2. S. B. Lakshmi
D/o Sri S. S. Balan,
3. S. B. Sivakumar,
S/o S. S. Balan,
31, Ramanujakuttam St.,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New Door No. 60, Old Door No. 18/1, 18/2 Basavian St., Old washermanpet, Madras-21, SRO: Royapuram; Doc. No. 663/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 3/12/1985

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 67/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. and bearing No.

Door No. 10-P/1, New Door No. 26, situated at Appasamy Pillai Garden lane, Madras-21. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, Madras. Doc. No. 717/85 in April 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the such apparent consideration, and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri R. Jakkaiya, Min. Chandrasekar, Min. Rajasekar, 26, Appasamy Pillai Lane, Madras-21.

(Transferor)

Sri A. Ganesan,
 Grace garden Second Lane,
 Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeyable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 10-P/1, New Door No. 26, Appasamy Pillai Garden Lane, Madras-21. SRO: Royapuram; Doc. No. 717/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 68/Apr/85.—Whereas, I,
MRS. 'M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Vacant land at R. S. No. 4317 and 4319/3
situated at Royapuram, Madras.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Royapuram, Doc. No. 745/85 on 6-4-85
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Ramalinga Reddy, C. R. Muthukumarasamy Chettiar, No. 191/6, M.I.G. Flat, Besant Nagar, Madras-21.

(Transferor)

(2) Singh Steel Re-Rolling Mills, S. N. Chetty St., Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Clazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at R. S. No. 4317 and 4319/3, Royapuram, Madras.

Madras, SRO: Royapuram, Doc. No. 745/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 3/12/1985

(1) K. S. P. Balakirshnan and Co., Tanjavur.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. Shaul Hammeed. No. 16, Armenian St.. Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 3rd December 1985

Ref. No. 69/Apr/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUÊL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 94, Armenian Street, situated at Madras-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LS.R.-I, Madras North (Doc. No. 1044/85) on April 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any

1957 (27 of 1957).

persons, namely :--

snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the eaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Street house at 94, Armenian St., Madras-1. SRO: J. S. R. I., Madras North; Doc. No. 1044/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 3-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Sri K. Parthasarathy, Plot No. 14, Forty five feet Main Road, Venkatanagar (North), Pondicherry-605011.

(Transferor)

(2) K. Annamalai, No. 36, Chinnathami St., Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 4th December 1985

Ref. No. 75/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

New D. No. 126, (Old D. No. 59), situated at Ramasamy St., Madras-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. I, Madras North. Doc. No. 1212/85 on 24-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to be the property as aforesaid to the said that the said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New Door No. 126, (Old Door No. 59), Ramasamy Street, Madras-1.

SRO: J. S. R. I. Madras North; Doc. No. 1212/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following mona namely :--

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Bahor Abbashhai Akber Ali Vadnagarwala, 11, Erabalu Chetty St., Madras-1.

(Transferor)

 Sri S. Badruddin Salebhai Laheri, No. 1, Perianna Maistry St., Madras-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 4th December 1985

Ref. No. 76/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Old door No. 25, New No. 60, situated at Sembudoss St., Madras-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. I, Madras North Doc. No. 1174/85 on 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this position the Official Gazette or a period of 30 days. The service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Old No. 25, New No. 60, Sembudoes St., Madras-1.

S.R.O.: J.S.R.I., Madras North. Doc. No. 1174/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 4-12-1985

Scal 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006.

Madras, the 4th December 1983

Ref. No. 79/Apr/85.-Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Municipal New D. No. 3, Old No. 56, situated at Narayanamudali St., Madras-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras Doc. No. 201/85 at page No. 21 on April 85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or older assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Art, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri C. Chandan, Minor C. Nageshwar, No. 72, Mc. Nicholas Road, Chetpet. Madras-31,

(Transferor)

(2) Smt. Sohana Devi, W/o Sri N. Ramratan 3, Narayana Mudali St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Municipal old door No. 56 and New door No. 3, Narayana Mudali St., Madras-1. S.R.O. Sowcarpet; Doc. No. 201/85 page No. 21.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (1/c) Madray 600 006

Date: 4-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 4th December 1985

Rcf. No. 80/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 26, Pedariar Koil St., situated at Pedunaickenpet, (V. O. C. Nagar), Madras-I. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras Doc. No. 214/85 on April 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
77-396G1/85

 Sri D. M. Joseph, S/o Sri R. Dhanraj Reddiar, 2401, West 120th Terrace Leawood, Cansas, U. S. A.,
 Sri D. Paulraj, S/o Sri R. Dhanraj Reddiar, 84, Pedariar Koil St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri K. K. Pandian, S/o Sri Konariah Pillai, 103, Pedariar Koil St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 26, Pedariar Koil St., Peddunaickenpet, V. O. C. Nagar, Madras-1. SRO: Sowcarpet, Madras. Doc. No. 214/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 82/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. New No. 47, Old No. 5, situated at Nattupillaiyarkoil

St., (Western Side) Madras-79, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sowcarpet, Madras Do: No 234/85 in April 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) 1. S/Shri/Smt. Javavelu,

- S. R. Natarajan,
 S. R. Balasubramaniam,
- 4. Damayanthi,
- Suresh,
- 6. Sudhakar.
- Rajkumar,
- 8. Gcetha, and 9. Shanthi 77, Mint St..

Madras-79

(Transferee)

(2) 1. A. Seetharamamma,

- A. Masthanamma,
 N. Venkataramanamma, 47, Nattupillaiyarkoil St., Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 7-11-1985

THE SCHEDULE

Land and building at Old No. 5, New No. 47, on the western Row of Natupillayar Koil St., Madras-79. SRO: Sowcarpet; Doc. No. 234/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 4-12-1985

Scal:

(Transferor)

(Transferee)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

53, Audiappa Naicken St., Madras-1.

(1) Shri S. P. Srinivasan, I.A.S., Rukmini Nilayan (East) AI/95,

Anna Nagar, Madras-40.

(2) I. Radheshyam Bisani and 2. Rutan Kawar Bisani,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 84/Apr/85.—Whereas, I, MRS, M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 95/AI Block in No. 78, situated at Nadavankarai vijlage, Anna Nugar, Madras-40 (Block No. 1-c), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Doc. No. 1204/85 in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 95/Al Block in No. 78, Naduvan-karai village, Anna Nagar, Madras-40. Block No. 1-C. SRO: Anna Nagar, Madras. Doc. No. 1204/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 88/Apr/85.—Whereas, I.

MRS, M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 28-Y Block, Anna Nagar, situated at Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office

of the Registration Act, 1908 (19 of 1908) in the officer of the Registering Officer at
Anna Nagar, Madras-40. Doc. No. 1281/85 on 10-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and less
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri T. N. Doraísamy, Plot No. c-61, 10th st., Thillai Nagar, Tiruchi-18.

(Transferor)

(2) Sri G. Subbaiah, Plot No. 4367, New Corporative Door No. 28, Y block, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at D. No. 28 Y Block, Anna Nagar, Madras-40 SRO: ANNA NAGAR; Doc. No. 1281/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Rcf. No. 92/April/85.—Whereas, I, MRS. M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2410, T.S. 192, situated at Naduvankarai village, Anna Nagar, Madras-40,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Anna Nagar, Doc. No. 1389/85 on 19-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Officen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the -: Voorson snosned

(1) Sri P. Kandasamy, Chettiar St.. Pattukottai. Tamjaur, Dt.

(Transferee)

(2) Smt. Sakuntala Chokalingam, Abinimangalam Post, Trichy Dt.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 2410, Anna Nagar, (T.S. 192, Naduvankarai village) Madras-40. SRO: Anna Nagar, Doc. No. 1389/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-12-1985

Scal:

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 98/Apr/85.—Whereas, I,

MRS, M, SAMUEL

being the Computent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 2896, Block 9-B, situated at Naduvankarai Village Appa Nagar Madas

Village, Anna Nagar, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras. Doc. No. 1548/85 in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that: fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assats which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri L. R. Sivaprasad, 28, Habibulla Road, Madras-17.

(Transferce)

(2) 1. T. Vedavathiamma, 2. T. P. Nagaprakash, 19, Malayaperumal St., Madras-1

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Block 9-B, Plot No. 896, Anna Nagar, Madras-40, S.R.O. Anna Nagar, Madras; Doc. No. 1548/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 100/Apr/85.—Whereas, I, MRS, M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable market being a fair market value acceeding Rs. 1.00.000). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing
No. S. No. 67/6, Alagapuram Village,
situated at Salem T.K. and Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam, Salem Dt., Doc. No. 750/85 on 17-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by seat the said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer?
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri A. R. Nachimuthu, S/o Sri A. A. Ramasamy Gounder, Secretary, The Salem Central Co-operative Bank Ltd. Cherry Road. Salem Town.

(Transferee)

(2) Sri S. Muthurajan, S/o Sri Sengoda Gounder, Door No. 12, John Kennedy Road, Fairlands. Salem-16.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 67/6, Alagapuram village, Salem Taluk S.R.O., Suramangalam, Doc. No. 750/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1985

Ref. No. 222-A/April/85.—Whereas, I, MRS, M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impossible property begins a few movable property begins a few movable property begins a few movable property begins a few movable. movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Lands situated at Kakkambadi Village, Yercaud Taluk, value exceeding

Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (10 or 1907) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 82/85) on 10th April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. A. M. Bosen, W/o J. Bosen, 'Marlawns', Fairlands, Yercaud represented by Power of Attorney Mr. J. Bosen, S/o late B. A. Bosen, Coffee Planter, 'Glen Rock Estate, Kakkambadi Village, Yerdaud.

(Transferec)

(2) M/s Gem Granties, No. 58, Cathedral Road, Madras-600 006,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 82/85:

1. 9.90 acres of lands at Kakkambadi Village of Shervaroy Hills, Yercaud.
(Survey Nos. 4; 3/1; 3/2; & 5/2)
2. One small tiled house.

Coffee plant, Silver Ook, Jack fruit, Orange, Kalyana Murugai and others.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-12-1985

PART III-SEC. 11

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 20/April/85.—Whereas, 1, MRS, M. SAMUEL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 19, Genjiamman Koil St., situated at Royapettah,

Madras-14,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore/531/85 in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

78-396GI/85

(1) Smt. E. Rajeswari, 2. Gengiamman Koil St., Madras-14.

(Transferce)

(2) Sri Sardar Ali. 2. Sri Raja Ali and Sri Dawood Ali, 46, Rakiapa Mudali St., Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Part of premises: No. 19, Genglamman Koil St., Royapettah, Madras-14. Mylapore/531/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-12-1985

FORM TIME---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 25/April/85.—Whereas, I, MRS, M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00.000/- and bearing No.

No. 1575/37880 undivided share in the land situated at New Municipal Door No. 92. G.N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17 T.S. No. 5179 Block No. 117. Old S. No. 85. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar/Doc. No. 479/85 in April 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than Aftern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:---

(1) M/s East Coast Constructions and Industries, Rep. by partner, Mr. A. M. Seyed Abdul Cader, No. 8, Habibu'lah Avenue, Anderson Road,

(Transferee)

(2) Mr. K. S. A. Zainulabdin, and 4 others, 8, Angappa Naicken St., Madius-600 001.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The term; and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1575/37880 undivided share in the land bearing New Municipal Door No. 92, G. N. Chety Road, T. Nagar, Madras-17 T.S. No. 5179, Block No. 117 Old S. No. 85. T. Nagar/Doc. No. 479/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-500 006

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 26/April 85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1665/37880 undivided above in land situated at Door No. 92, G. N. Chtty Road. Macras-17 T.S. No. 5179, Old No. 85, Block No. 117. (and more fully described in the Competence of the Competen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 483/85 in April 1985, fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been the price of transfer with the object of transfer with the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) M/s East Coast Constructions and Industries Rep. by Fartner Mr. A. M. Syed Abdul Cader, 8. Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6. (Transferee)
- (2) Mrs. A. K. Mohd, Fathima and 13 others, 88. Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 1665/37880 undivided share in the land and flat at Door No. 92, G. N. Cherry Road, Madras-17. T.S. No. 5179, Old S. No. 85, Block No. 117.
T. Nagar/Doc. No. 483/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-12-1985

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 36/April/85.—Whereas, I.
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'maid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 26, Hindi Prachar Sabha Road, T. Nagar,
situated at Madras-47

situated at Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras Central/Doc. No. 437/85 in April 1985,

Madras Central/Doc. No. 437/85 in April 1985, for an apparent consideration which is less them the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly seated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fieldteting the reduction or evaluate of the liability of the transferer to pay ten motor the safe Asis, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monays or other senate which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1822. (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Elegant Apartments (Saj Enterprises). 5, Greams Road, I floor, Madras-6.

(Transferee)

(2) Mrs. H. Hamced Rahmath Ghani, 11, Mohideen Pillai St., z Nagore, Tamil Nadu,

(Transferor)

Sinjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 48 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: Interest in land 1430/38940 of 9 grounds and 629 sq. ft. Door No. 26, Hindi Prachar Sabha Road, T. Nagar Madras-17.

Madras Central Doc. No. 437/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferenced property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Date: 6-12-1985

Coul :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 41/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding .

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at S. No. 46-part in Adayar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1998 (15 of 1968) in the office

of the Registering Onicer at Adayar/Doc. No. 909/85 in April 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri S. Krishnan, S/o V. T. Srinivasa Iyengar, 130/3, 34th Cross St., Besant Nagar, Madras-90.

(Transferor)

621

(2) Sri V. M. P. Ibn Jamaludeen, 47/3, St. Paul Wells Road, St. Thomas Mount, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: No. 3. 1 floor, Block No. 16(16) S. No. 46 part, Urur village. Adayar/Doc. No. 909/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons namely:—

Date: 6-12-1985.

(1) Sri S. Ramalingam, s/o M. Sadayappa Mudaliar, 38, Ist Avenue, Shastri Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Sivanesan of Power Agent of Nagabrewari Sivaratnam, 16, Beach House Avenue, 1st cross St., Madras-90.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 47/April 85, Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. T. S. No. 17, Block No. 26, R.S. No. 108/1A and R.S.

No. 107/1 ADYAR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 820/88 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Vacant land—T.S. No. 17, Adyar—Adayar/Doc. No 820/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-85

Scal:

LT T.V. 1997 - L. M. M. M. 1978 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-JAK ACI, (96) (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 53A/April 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to helieve that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 191, Uthangi v flage, Saidapet. Chingleput district R.S.

No. 2/2B 5A 2(part)

(and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Procometers Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Adavar/Doc. No. 975/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been av which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sobsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mrs. R. Vennila, 110, Dr. Radnakrishnan Salai, Reclayers, Madgas-4

(Transferor)

(2) Christopher Castelino, Ras Salmiya, KUWAIT, rep, by his agent Florence Castelino

(Transfèree)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land 191, Uthandi village, Saidapet Taluk, Chingleput district RS No 2/2B 5A 2(part) ADAYAR/Doc. No. 975/85.

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 6-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 85/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 11 in L.A. No. 38/60, Survey No. 230, T.S. No. 24 of Block No. 86, Kodambakkam village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1236/85 in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfert and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269% of the said Act. to the following persons, namely:---

(1) Smt. D. Jayan¹bi, No. 21, Gopalaktishna Road, T. Nagar, Mauras-17.

(Transferor)

(2) Sti U. Krishnaswamy, No. 9, Mayor Sambandam Road, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bullding Site: T.S. No. 24, Block No. 86, Kodambakkami Village, Kodambakkam/Doc. No. 1236/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge-II, Madras-600 006

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Yamaliullah Khan and 3 others, 120, Venkatarangam Pillai St., Madras-5.

(Transferor)

(2) Sri H. Gouthamchand Jain, 135, Triplicane High Road, Madras.-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 100/April 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961) (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,06,000/- and bearing No. 57, Irusappan Gramani St. Triplicane, Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1216/85 in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the bransfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: No. 57, Irusappa Gramani St., Madras-5 R.S. No. 839, Madras North/Doc, No. 1210/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act to the following persons, namely.—

Date: 6-12-1985

Seal

79-396GI/85

(Transferce)

FORM ITNS----

(1) Sri Mohd, Habballah, Plot No. 24, Door No. 21. Friends Avinue, Arumbakkam, Madras-600106. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

sef. No. 114/April 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Compet in Authority author I often 169h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herefinal or referred to as the said Act), have a none o below, that the imm vable property, having a fair market value executing to, 1.00.000/- and bearing No. Old No. 120, Count Door No. 229, situate at Peters Read Roung than Madre -14 and to be fully distributed by the same transferred.

has been transferred under the Right ration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of

Triplicane/Doc. No. 246/85 in April 1985

FOT 111 fair market value of the aforesa'd property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than to by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or erasion of the liability of the transferent to very tax made id a said Act, in respect of any live per a less trees the ameters and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or officer in ets worch town not be a go which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income to. Ver. 1922 (11 of 1922) a the said of the West base saci, 2957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following веляющя, виплейч

Objections, if any, to the acquisition of the soid property may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mrs. Adila Begum, 318, Triplicanc High Road,

Madgrs-60**0 0**05.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official devette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explices lates:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Olicial Gazette.

EXPLANATION 1. The forms and expressions used bettein as the define in the fact NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building Old door No. 120, present Door No. 19, Peters Road, Royapetiah, Madrae-U. Friedcane/Doc. o. 246/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-It. M. (pas-600)006

Date: 6-12-1985

FORM ITNS———

NOTICE UP.DER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 005

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. is.o. 116/April 85.— Whereas a, Edg. Mt. SAfa Urd., 5 and the Computent Authority ander Scotion 2020 of the Incomestic, Act 1961 (45 of 1961) (incremands researed to as the haid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marks, value exceeding Rs. 1,60/2007- and b aring Mo.

New No. 338. Triplicane High Road, now known its Quaide-Millath Edail, it iplicane, Madras-5 (and more fivey described in a the Schribbe arrayed I. 1.10), has been transferred under the Legistratic Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Restorag Oriental.

Triplicane—400c. No. 264/85 in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair Kef. No. 116/April 85.-

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration when is this than the fair market value of the aforesaid properly, and I have in an induction that the fair market value of the package of a consideration the apparent a medical on therefor by more than lifteen percent of such apparent tensil, which is a fair consideration for such manufer as agreed to be well the parties has not been fully of ted in the said fustrement of transfer with the object of :-

- (b) fact taking the reduction or evosion of the liability of the trans even to pay tax unit r the said Act, in respect of any in one wising from the transfer; andlor.
- (b) and mong the concentrate of any income or any moneys or other tesses visible have not been or which ought to be discussed by the transcense for the number of the locker hacometer. For 11 of 1922) or the said act, or the wealth-ter. Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sr. T. N. Mohd. Abubacker, 7, Qaid-s-Maltain Salai, Triplicane, Madras-5.

(Cransferor)

(2) Sci Monano d Alf, Kamarunisa, flota a. 482, Rajiouniya St. Chakrapani, thanjavar Dist.

(Transferee)

Objections, I dry, to the acquisition of the said property may be made in white, to the draw-signed :--

- (a) by any of the efforesaid corsons within a period of As a property of the constant respective persons we have a person of a person of 30 days from the constant person of the respective persons we have persons experienced persons we have persons experienced.
- (b) by may offer their and life, in the cald immerable to the call of the publicable of the publicable of the color of the Official Gazette;

Explanation in the said of resident used herein as compared to the said of the It Can Charage

100 100 1100

Control for the control for th

overs, a relative a pursuant of faction 2.9 the constant Asta I bender in the property of for the constant of the adorestidate of the constant of subsection (1) a Section 2.5 and the constant of the constan person's namely to-

9 - 10 ME - 185

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madra - 600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 123/April 85.--Whereas, I, M. SAMUEL,

whereas, I, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the lend Act.) have contained believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agrl. Nanja land in Valasaravakkam Village Saidapet, Laluk, 13,97 acres

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred usder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Legistering Officer at MADRAS SOUTH/Doc. No. 1112, 1113, 1114 and 1115/85

in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect (c) any my me arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concertment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oright to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate projected no for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Sri Kendaswamy Naicker and 32 others,
 - rep. by their Power Agent V. R. Muthu,
 2. Smt. Aunammal, Kuppuswamy, Dhanammal,
 Muniammal by their Power Agent Sri V. R. Muthu.

 - S. Adhasshan (2), Inituguanasampundamurthy, by their Power Agent Sri V. R. Muthu.
 Sont. Kanakavalli Ammel and 4 others, rep. by their Power Agent Sri V. R. Muthu. No. 14, 2nd St., Dr. Subbarayan Nagar, Kodombakkam. Kodambakkam, Madars-24

(Transferer)

(2) M/s. Mohan Brewerics and Distellerics Ltd., 112, M. M. Nagar, Valsaravakkam, Madras-87.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this necice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. lands at Valasaravakkam measuring 13.97 acres. Doc. Nos. 1112, 1113, 1114 and 1115/85 Madras South.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 996

Date: 6-12-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 159/April 85.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-ferred to as the said Act), have reason to believe that the

ferred to as the said Act), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Perundurai Taluk

Agrl, lands measuring 7.71 acres at Vijayapuri- village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Uthukuli/Doc. No. 149/85

in April 1985 for an apparent considration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclused by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:-

(1) Sri Deivasigamani S/o. P. K. Palanisamy, and minor Karthik by father Palaniswamy, Sri P. K. Palaniswamy, S/o. C. Kumaraswamy Gounder, Vijayapuri Village, Perindurai Taluk, Perindurai Dini Perivar Dist.

(Transferor)

(2) Mr. David J. Lobo, S/o late Francis Xavier, Lobo, the Managing Director, the said company having its Registered office and Southern Matcheries Pyt. Ltd. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning he given is that Chaster.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7.7 acres at Vijayapuri village, Perundurai Taluk, UTHUKULI/Doc. No. 149/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 172/April 85.— Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agrl. land at Vijayapuram, Thiruvarur Vijayapuram Block
No. 20, T. S. No. 732, Door No. 7/C 2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruvarur/Doc. No. 658/85

in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; arx or
- (b) fa tilitating the concealment of any income or an y money or other assess which have not been or where the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri V. T. Ramalingam, s/o. Sri V. S. Thiagaraja Mudaliar, 7, Boat Club Road, TEYNAMPET,

(Transferor)

(2) Sri A. Govindasamy Chettiar, s/o. Sri Annamalaichettiar, 2-38, Nadutheru, Alivalam, NAGAI.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The series and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land et Vijayapuram Thiruvarus Block No. 20, - T S. No. 732. Door No. 7/C2: Thiruvarur/Doc. No. 658/85.

> MRS. M. SAMUEL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 6-12-1985

The second of the second

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT: 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-IL MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1985

Ref. No. 185/April 85. Whereas I, MPS. M. SAMUIIL.

In the Competent Authority under Section 269B of the Inconsector 269B of the Inconsector 269 Authority under Section 269B of the Inconsector 260 Authority under Section 269B of the Inconsector 260 Authority and the Inconsector 260B of the I

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair more et value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ao, annually or other assets which have not been in which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1011 of 1922) or to aid Aus or the Weistman and

Sens therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following removed numero-

(1) Sci K. Abdal Hakkim, ·/o. 5. K. Kada, Batcha, 38. New Majecd St... troda (och,

(Transferor)

(2) Sri A. Raju, and A. Shanmugam, s/o. M. G. Angappa chettiar, 341, Netaji St., Frode.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FIXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land:—Block No. 36 T. S. No. 74 and 76, 19th Pananthoppu Agraharam Ward, word No. 14, Erode, BRODE/Doc. No. 1949/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date : 6-12-1985

Scal :

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 53/April/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating

No. 2, Plot No. 6-A, Muktha Gardens, situated at Chetput, Madras-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet, Madras Doc. No. 439/85 in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Smt. Lakshmi W/o. Sri Matag Ali, Seetha Nagar, Main Road, Madras.

(Transferor)

(2) Sri R. Viswanathan, S/o. Ramanathan, No. 2, Plot No. 6-A, Muktha Gardens, Chetput. Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the wodernismed :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 2, Plot No. 6-A, Muktha Gardens, Chetpur, Madras-31. S.R.O.: Periamet, Madras, Doc. No. 439/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-12-1985

Scgl:

(1) Dr. Ranga Raj Jain, & others, Vijaya Bai Jain, No. S. Barracks Road, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. T. Kumar Mehta, and others, No. 6, Manoharan Avenue, Egmore. Madras-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-J. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 54/April/85.—Whereas 1, MRS. M. SAMULL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00.000/- and beating
R. S. No. 1752,
(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1508 (1) of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet, Doc. No. 442/85 in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION (—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inconstant Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth test 1957 (27 of 1957); This property appears to be a vacant land at R. S. No. 1752, (Extension 1 ground and 356 s. fts.). S. R. O.: Periamet, Doc. No. 442/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madra: -600 006

Now, meretore, in pursuance of Section 259C of the ways Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely :---80-396 GI/85

Date: 4-12-1985

JOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 62/April/85.—Whereas I.

MRS. M. SAMUEL

the Competent Authority under Section

209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 40, Shenai Pillai St., situated at

Vepary, Madras-112

(and more fully described in the schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet, Madras, Doc. No. 501/85 in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; andlor
- in) facilitating the conceatment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

S/Sri/Smt./Kum. (1) Shanbagavalli, Hemavathi, Banumathi, B. Manoharan, Dharani Bai, 40, Shenai Pillai St., Choolai, Madras-112.

(Transferor)

(2) N. Ramasamy, 16, Kattu Sadayappan St., Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 40, Shenai Pillai St., Vepery, Madras-112. S. P. O.: Periamet, Madras, Doc. No. 501/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 63/APRIL/85.—Whereas I,

in April 1985

MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/1 and bearing Plot No. A-27, Survey No. 31/110-Block No. 7, Egmore Division, Kilpauk Garden Lane, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet. Doc. No. 506/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. (Mrs.) N. Kunhukutty, 27, Dr. Naranasamy Road, Redfiled, Coimbatore-45.

(Transferor)

(2) Dr. M. R. Girinath, S/o. Sri M. C. Ramakrishna, 162-A, Greams Lane, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. A-27, Survey No. 81/110, Bleck No. 7, Egmore Division, Kiljauk Garden Colony, Medree.

S. R. O. Periamet, Madras, Doc. No. 506/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-12-1985

FORM ITN9----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 77/Apr./85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 14 and 15 (old No. 16 and 17) situated at Populaturan Koil Street. Madras-1

Ponniamman Koil Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Aut. 108 (10 of 1908) in the office of the Registering Office; at Sowearpet, Doc. No. 184/85

Sowearpet, Doc. No. 184/85 in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of eventual of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, mad ∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the adian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri H. N. Madhaviah, Sri H. N. Sanjeevi, Sri A. N. Janakiraman, and 13 others. No. 16. Mangalama Lace. Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri Ibrahim Shah and Smt. Eathdamuthu Beevi, W/o. Sri Ibrahim Shah, No. 15, Maduravasal St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New No. 14 and 15 (old No. 16 and 17) Fonniamman Koil St., Madras-1. S. R. O.: Sowcarpet, Doc. No. 184/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRA\$-600 006

Madras-600 06, the 4th December 1985 Ref. No. 85/Apr/85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing 9-D. New No. 19A. Pulla Reddy Avenue, situated at Schoner allign.

Shenoy aNgar,

Madras-30 (Block No. 21 Aminjikarai Village) Madras (and more tuily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anna Nagar. (Doc. No. 1218/85) in April 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other as ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri J. Tarachand. Smt. T. Shanthakumari, W/o. J. Tarachand, No. 660, Poonamallee High Road, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferor)

(2) Sri A. V. Gopal, S/o. Sri Varadbarajuly Reddiar, No. 28, Pulla Reddy Road, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 9-D New No. 19-A, Pulla Reddy Avenue, Shenoy Nagar, Mad us-30. S. R. O.: Anna. Nagar, Madras. Doc. No. 1218/85.

> MRS, M. SAMUEL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 86/4/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Plot No. 1659, of Anna Nagar, R.S. No. 127 of Villivakkam Village, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras, Doc. No. 1259/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (n) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. N. Rehman, Girnar, A. 22 (101) Bld., No. 16, NR. 4 Bungalow, Andheri (West), Bombay-400 058.

(Transferor)

(2) Sri Kasi Gounder, S/o Sri Sokkanna Gounder, No. 1199, 21st Main Road, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 1659 at Anua Nagar, Madras and R.S. No. 127 of VillivakLam Village, Madras. SRO Anna Nagar, Doc. No. 1259/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006 (i/c)

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri N. Kulasekaran, S/o Sri Narayanasamy Naidu, No. 14, Wallace Garden, Nungambakkam, High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Smt. S. Nirmala, W/o Sri M. Simon Jacob, No. 57, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 95/April/85,-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3808, T.S. No. 218, Block No. 2, Mullam village, Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 735/85) at Anna Nagar, Madras, Doc. No. 1471/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 3808, T.S. No. 218, Block No. 2. Mullam village, Anna Nagar, Madras-40, S.R.O. Anna Nagar, Madras-40; Doc. No. 1471/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006 (i/c)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE MCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 97/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 34/Part, T.S. No. 1/Periyatevsere village, Egmore, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras, Doc. No. 1536/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair charket value of the aforesaid property and I have reason to welieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) inclitating the reduction or evenion of the Mahill of the transferor to pay tax under the mid Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Smt. Padmini,

W. o Sri K. Shanmugam, 2. Sri K. Hanmugam, 840 Sri Kaenappan, No. 14. A. A. Biock, Ama Isanar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri K. Kaja Mohideen, S/o Sri K. Meeran, No. 19. Padayuen Koil Lane. Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at S. No. 34/Part T.S. No. 1/part, Periyakudel village, Egmore, Madras-8. S.R.O. Anna Nagar, Doc. No. 1536/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006 (i/c)

Date: 4-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1985

Ref. No. 99/April/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vacant land at Plot No. 2588, Naduvankarai Village, Anna
Nagar, New No. Aj, 26, West Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Doc. No. 1559/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferce for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 81-396 GI/85

 Sri Deepak Bhatia, S/o Sri Tilokchand Bhatia, No. B-64, East of Kailash, New Delhi-65. No. 72, Numgambakkam High Road, Maras-54.

(Transferor)

(2) Smt. Indira R. Menon, W/o Sri K. R. K. Menon, Chairman, Sikkim Public Service Commission, Gangtok, 5ikkim. No. 3, Krishnama Road, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanatio :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 2588, Naduvankarai Village, Anna Nagar, New No. AJ 26, West Madras. S.R.O. Anna Nagar, Dec. No. 1559/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madras-600 006 (i/c)

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. A/Apr/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. S. No. E17/124, E17/120 situated at Nagercoil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering at JSR-I, Nagercoil, Doc. No. 730/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the Furposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 c. 1922) or the sold Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987). 1957 (27 of 1957);

Now, therefore. in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Saraswathi & others, w/o late Sankarapillai, Simon Colony, Nagercoil.

(Transferor)

(2) Smt. Mimoonbivi, W/o Shri Mohamed Mideen, Elankadai Latima Street, Kottar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building. S. No. E17/124, E17/120 Nagercoil, Agasthtswaram Tk. Doc. No. 730/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Date : 3-12-1985 Seal :

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Shri Sp. V. Thangeraj, S/o Shri Vadivel Nadar, 35 West Sandaipettai Street. Madurai.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 6/Apr/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 456/3 situated at Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam, Doc. No. 1012/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

connectration for such therefore as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

. (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, manualy :-

 (2) Shri K. Alagu & others,
 M/s Hotel Keerthi,
 95 East Perumal Maistry Street, Madurai-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULL

House Building. T.S. No. 456/3. West Perumal Maistry Street, Madurai. Doc. No. 1012/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-un Acquisition Range-I Madurai-625 002

Date: 3-12-1985

Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 7/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 2347 situated at Allinagaram, Theni (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at SRO, Theni, Doc. No. 1231/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1-) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shr. K. Nagappan, S/o Shri Sp. Kannappan, Mylapore, Madrze-4.

(Transferor)

(2) S. Kuriakose, S/o Shri Esthapa, Thodupuzha, Eduki Village, Kerala,

(Tranfserce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T.S. No. 2347 Door No. 18A, Allinagaram, Thenl. Area 960 sft. Doc. No. 1231/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ennge-I Madurai-625 002

Date: 3-12-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madural-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 8A/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 2347 situated at Theni (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at SRO, Theni, Doc. No. 1232/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Nagappen, S/o Shri Sp. Kannappan, Mylapore, Madras-4.

(2) Shri Luik Stephan, S/o Shri Joseph Stephan, Thodu Puzha, Kerala State. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official timeste.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House Building, T.S. No. 2347. Door No. 18A Allinagaram, Theni. Doc. No. 1232/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Date : 3-12-1985

fical i

NOTICA UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 22/Apr/85.—Whereas 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

T.S. No. 2059 situated at Thenna Village, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Woriyur, Doc. No. 1271/85 on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri K. Narayanan & others, S/o Shri Krishnasamy,
 Prominde Road, Cantonment, Triphy.

(Transferor)

(2) Shri P. Dhiwakar, S/o Shri Pandu Rengan, 7 Vinayaka Puram, Thennoor, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic.— Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Building. T.S. No. 2059. Thenoor Village Trichy District. Doc. No. 1271/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

Scal :

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri L. K. A. Jayaraman, 5/o Ehri Annamalai Chettiar. Chowdamman Koll Street, natapatti post, Kilakottai, Dindigul Tk.

(Transferor)

(2) Shri K. Ponnaiah, 12/1 Nandhi Koil Street, Yrichy-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 23/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. U.S. No. 2062 situated at Trichy and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as not deed registered under the Judian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-III, Trichy, Dec. No. 523/85 on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisine from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the earld Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. Door No. 119 T.S. No. 2062, Andar Street, Area: 6124 aft. Trichy. Doc. No. 523/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madurai-625 002

Date : 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sari A. Paudi, S/o Sari Arumugha Mudaliar, 4! Mudaliar Street, Thiruvedagam, Nilakottai Tk.,

(Transferor)

(2) Shri A. Karuppiah, S/o Shri Adimoolam, 230 Housing Board Colony, Elise Nagar, Madurai.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 28/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

S. No. 43/3A situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO, Tialikulam, Doc. No. 1557/85 on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—persons. namely:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. Plot Survey No. 43/3A Alangulam Village, Madurai. Doc. No. 1557/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madural-625 002

Date: 3-12-1985

Geal :

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 29/Apr/85,—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act. 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable au the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing No.

T.S. No. 4558/2 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at SRO, Tallakulam, Doc. No. 1554/85/85 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Smt. Renganayaki, W/o Shri Ramudu, 4 New Parthagarathi Puram Extn., Madras-17.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor) (2) M/s Adroit Construction Private Ltd., 1432 17th Main Road.

Anna Nagar, Madras-40.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant site. T.S. No. 4558/2. Area 23.54 cents. Chokkikulam, Madurai. Doc. No. 1534/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, wherely :---

Date : 3-12-1985 Seal :

82-396 G1/85

(1) Smt. V. Santhi, W/o Shri Veeran Viratipathu Village, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tractors and Farm Equipment Ltd. Post Box No. 3302, Madras-34.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai-625002, the 3rd December 1985

Ref. No. 31/Apr./85.—Whereas, I MRS, M. SAMUEL Ref. No. 31/Apr./63.—whereas, 1 Mrs, M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1;00,000/- and bearing
No. S. No. 19A/3A & 19A/1F situated at Karadipatti

village Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto,

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR₂ IV, Madurai Doc. No. 2150/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefore by more than mid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Land 75 cents in Survey No. 19A/3A & 45 cents in S. No. 19A/1F. Karadiapatti Village, Madurai. Doc. No. 2150/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

Date: 3-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai-625002, the 3rd December 1985

Ref. No. 35/April/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 2690 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. T.S. No. 21/1 & 2 situated at Trichy

No. T.S. No. 21/1 & 2 situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1951 in the Office of the Competent Authority at

at JSR-II, Trichy Dec. No. 2375/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the fild instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sebastian Seladhurai, S/o Swamikannu, Trichy

(Transferor)

(2) Smt. M. Vijyalakshmi, 4B, Williams Road, Trichy.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site T.S No. 21/1 & 2 Area: 5280 sft. Trichy.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely:—

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

Madurai-625002, the 3rd December 1985

Ref. No. 41/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 698 situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at JSR-I, Madural Doc. No. 1627/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subséreone, namely :-

(1) Shri Velvanniarajan & others S/o late V.S.V. Dhanuskodi 12/4 Maruthapandian Street, K. K. Nagar, Tallakulam, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri N. Baskaran & others \$/o Shri Natarajan Chettiar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building T.S. No. 698 7A, Pandhadi 6th Street. Madurai. Door No. 1627/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madural

Date: 3-12-1985

Seel:

(1) Smt. M. Nachal, W/o Shri A. Murughavadigal, 5 Chu; ch Hnd Street, Karaikudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. G. Nachammai, W/o Shri K. M. Ganesan, 24 Alangudiar Street, Karaikudi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madurai-625002, the 3rd December 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 45/Apr/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. T.S. No. 389 part situated at Karaikudi

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning

as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at JSR-II, Karaikudi Doc. No. 619/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House Building T.S. No. 389 Area: 160 s.mt. Karaikudi.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madural

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Ramely:—

Date: 3-12-1985

Shri B, Habl Mohamed,
 S/o Shri M, Bakaram Sahib,
 Nanniaba Sahib Street, Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Jamal, S/o Shri T.P. Haji Abdul Rahim, 14 Mohamadhia Puram, Ist Street, Dindigul.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai-625002, the 3rd December 1985

Ref No. 55/Apr/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 730/8 si uated at D'indigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Compsten Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen. Authority at JSR-II, Karaikudi Doc. No. 619/85 on April 1985 marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfers

and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 730/8 Area: 76290 cft. Dindigul Doc. No. 619/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said At 1 hereby initiat: rroc ediagr for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai-625002, the 3rd December 1985

Ref. No. 59/Apr/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to he the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. T.S. No. 5378/2B situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competen Authority at JSR-I, Pudukottai Dec. No. 839/85 on April 1985

at JSR-I, Pudukottai Dec. No. 839/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the property the protein the per less than the consideration for such transfer as between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; noitens

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kandasamy S/o Shri Muthusamy Roddiar Plot No. 211 A.M.A. Nagar, Puduket.al.

(Transfer

(2) Emt. Vasan tha, C/o Shri KR. Y. Yegarpa Chettiar, 53 T.S. No. 1746, Rala Veethi, Karanthani, Thanjavur-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that chapter.

THE SCHEDULE

House Building T.S. No. 5378/2B A M.A. Nagar, Ind East Street, Pudukottai, Doc. No. 839/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madural

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. Krishnamurthy, S/o Shri Govindasamy, 3rd North Street, Pudukottal.

(Transferor)

(2) Smt. A. Alamelu & others W/o Shri Annamaali, Thirumayam Tk., Pudukettai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai-625002, hte 3rd December 1985

Ref. No. 60/Apr.85//85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Inconnector Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. T.S. No. 9952 & 9954 part situated at Pudukottal (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tux Act, 1961 in the Office of the Competen Authority at ISR-I, Pudukkottai Doe. No. 829/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reducion or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income trising from the transfers and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House Bu'lding T.S. No. Part of 9952 & 9954. Pudukottal. Doc. No. 829/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madural

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

NOVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CLAMAIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAL

Madurai-625 002, the 3rd December 1985

Ref. No. 61/April/85.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 3664/1 situated at Bodinayakanur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at SRO, Bodi Doc. No. 925/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

83-396 GI/85

(1) Smt. Rajammal & others, W/o Sri A.S. Subburaj, Bojaraj House, Bodinayakanur.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Jayakumar, S.P. Sukumar Pnanaipuram Post, Uthamapalayam Taluk Madurai Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building, T.S. No. 3564/1 New Ward No. 11 Bodinayakanur, Doc. No. 925/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Madurai

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Southern Paper & Board, Partner Shri S-Sadasivan and others 163/1 Kamarajar Road, Madurai-1.

48 New Ramnad Road, Madurai-9.

(Transferor (2) Shri Guru Saraswathi Mills,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L MADURAL

Madurai-625002, hte 3rd December 1985

Ref. No. 63/Apr/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. R.S. No. 500/2, 500/3, 500/10

situated at Narasingampatti

(and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Madurai Doc. No. 1115/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that flitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Building with a Shed.
69 cents in R.S. No. 500/2
41 cents in R.S. No. 500/3
55 cents in R.S. No. 500/10
Total: 1 acre 65 cents.
Vellaripatti Village, Melur Taluk, Madurai Dt. Doc. No. 1115/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 3-12-1985

FORM ITNS-

NUTTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai-625002, the 3rd December 1985

Ref. No. 67/Apr/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

No. S. No. 214/1 situated at Mathur Village, Pudukkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Kulathur Doe. No. 84185 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as of overall.

at SRO, Kulathur Doc. No. 84185 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the para'cs has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

- (1) Shri R. M. Ganapathy, S/o Shri R. M. Ramasamy C-50 9th Cross, Thillai Nagar, Trichy.
- (2) Shri R. M. Perumal ChettiarS/o R.A. Raman Chettiar,58 Heber Road, Bheemanagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building S. No. 214/1 Area: 1.33 acres, Mathur Village, Kulathur Tk, Pudukottai Dt., Doc. No. 841/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 3-12-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

same in the same of the same

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAL

Madurai-625002, the 3rd December 1985

Ref. No. 71/Apr/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. T.S. No. 1555/2, 1555/3, 1544 part
situated at Ramalingam Nagar, Puthur, Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at SRO, Woriyur Doc. No. 1248/85 on April 1985
for an enparent consideration which is less than the fair

at SRO, Woriyur Doc. No. 1248/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. L. Mangalam, W/o Shri Lakshmana Perumal Chettiar B-88 First Cross Street, Thilai Nagar, Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. M. Vengammal, W/o Shri S. Muthukeddalar, 16 Woriyur Panchavaransamy Koll Sannadhi Street, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building T.S. No. 1555/2, 1555/3, 1544 part.

Area: 3564 sft. Ramalingam Nagar, Puthur, Trichy. Doc. No. 1248/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

FORM ITNS ---

(1) Mrs. V. V. Athalye.

(Transferor)

(2) Mr. J. B. Dandekar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16327/84-85,--Whereas, L. A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 17, Bhagyayog Co.op. Jsg. Sec. Ltd., Kastur Park, Shimpoli Road, Borivii(W), Bombay-92.

situated at Bembay

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immov-nble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 17, Bhagyayog Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Kastur Park, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/16327/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

(1) J. Laxmikant Joshi.

(Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Bajirae Rani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16100/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the uncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Block No. 16, Bhagyayog Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Kastur Park, Shimpoli Road, Borivali (W), Bombay-92. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidor operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers abd /ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wining to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Block No. 16, Bhagyayog Co.op. Hsg. Soc. Ltd. Kastur Park, Shimpoli Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/16100|84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. G. P. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Janardhan R. Parab.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-III/37FE/18455|84-85,-Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2 on Gr. Fl. B-Wing our Home Road, No. 2 CTS
No. 107, Dominic Colony, off Tank Road, Oriem, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income actions from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Jadina Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Fl. B-Wing, 'Our Home' Road No. 2, C. T. S. No. 107, Dominic Colony, off. Tank Road, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18455/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Вольву

Date: 10-12-1985

FORM 1.T.N.S .-

(1) Shri R. I. Jaidhara.

(Transferor)

(2) Shri V. G. Nagdev.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

AR-III/37EE/18222/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3, Bldg. 8B, Navjivan Co-op. Hsg. Soc., Ltd.,

Chembur, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1.4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(a) familitating the reduction or evasion of the liability and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Bldg. 8B, Navjivan co.op. Hsg. Soc. Ltd., Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18222/84-85 dated 1-4-1985.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the followon persons, namely :-

Date : 28-10-1985

FORM ITNS ----

(1) K. Ramaswamy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) U. K. Rajarao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18211/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Burnaria is now, it is an experienced at the conference and

Flat No. 2, ground ficor, House No. 153, 14th Road, Chembur, Bombay-71

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

84-396 GI/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforessid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following reports, panely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, House No. 153, 14th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18211/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Fombay

Date: 28-10-1985

(1) Mr. B. Rama K. Marti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) Mr. M. L. Shetty.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18163/84-85.---Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the mome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. C-ground floor, Patil wadi, Govandi, Bombay-88

situated at Bombay

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the responsive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same useaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. C-2, ground floor, Patil wadi, Govandi, Bom-

bay 88.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18163/84-85

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1985

Soal:

(1) Shri Vashu Biharilal Chhabria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18436/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few modest value area dis Britanian Residence of the content of th property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

roll bearing Flat No. 2, 1st floor, Amogh Bldg, Plot No. 3 to 5S No. 47 (pt.), & 49(pt.), C.T.S. No. 409 (pt.), & 412 (pt.), Village Boarla, Govandi, Taluka Kurla, Bombay-88 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(e) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt. U. V. Edekar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and to expressions used herein as are defined in hapter XXA of the San-Act, shall the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Amogh Bldc. Plot No. 3 to 5, S. No. 47 (pt.) & 49 (pt.), C.T.S. No. 409 (pt.), 412 (pt.), Taluka Kurla, Village Borla Govardi, Bombay-os.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/18436/84-85 Authority, Bod ited 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-10-1985

FORM TINS---

(1) Mrs. P. V. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. B. Vijan & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18201/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. L2/2, Laxmi Ramana C. H. SL. Ranangur Nagar,

Goregaon (W), Bombay-90.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incorre arising from the transfer; endior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noince in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period oxpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. L2/2, Laxmi Ramana C. H. S. L. Bangur nagar, Goregan (W), Bombay-90.

The agreement has been regist all by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/18201/84-85 dated 1-4-1985

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1985

PART III-SBC. 11

FORM ITHE- -

(1) Shri K. D. Harisinghani.

(Transferor)

(2) Smt. S. L. Pranami.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

AR. III/37.EE/18682[84-85.—Whereas, A. PRASAD.

ocing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12. Sapta Sindhu, Plot No. 85, 2nd Road, Chembur, Bombay-71. situated at Rombay. being the Competent Authority under Section 269B of the

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o ithe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Harlamation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Sapta Sindhu, Plot No. 85, 2nd Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/18682/84-85 Authority, Bo dated 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-10-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Navratana Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Stafab Commercial Equipment Co. P. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1985

AR-III/57EE/18846,84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reserved to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No.
Flat at 1st floor, Eastern ving Navratan Apartment, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

situated at Bombay

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceartlent of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedints for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pergons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichover period expires later;
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same encaoing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 1st floor, Eastern wing Navratan Apartment, Sion Trombay Rd, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/18846/84-85 Authority, Bodated 1-3-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-10-1985

(1) M/s. Kim Corporation.

(Transferor)

(2) Shri P. G. Bandagale.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18167/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,0007- and bearing
Flat No. 7, 2nd floor, Preeti Apartment, C. ST. No. 51 Ghatla
Village, Chembur, Bombay-71,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Preeti Apartment, C. S. No. 51, Ghatla Village Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18167/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-10-1985

FORM ITNS

(1) Mr. N. R. Krishnaswamy.

(Transferor)

(2) Miss Lata R. Bhandary.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18429/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12A, Harikripa co.op. Hsg. Soc. Ltd. St. Anthony Road, Chembur, Bombay-71. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely : ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever poriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12A, Harikripa co.op. Hsg. Soc. Ltd., St. Anthony Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18429/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-10-1985

(1) Mr. A. P. Consalvos.

(Transferor)

(2) Mr. A. L. M. D'Souza & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18458/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 101, Bldg. known as Mary Villa, Plot No. E, S. No. 29, H. No. 1, & part 3, C.T.S. No. 34/3, to 34/7, Gaganany Colony, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62 situated at Bombay

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as information available the apparent consideration therefor by inforesaid exceeds the apparent consideration nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely— 85-396 G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter-

THE SCHEDULE

Block No. 101, Bldg. known as Mary Villa, Plot No. E, S. No. 29, H. No. 1, and part 3, CTS. No. 34/3 to 34/7, Ganganany Colony, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18458/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 28-10-1985

and the state of t

(1) Hiro K. Bularamani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. N. Subramaniam & Others.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37.EE/18370/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Hat No. 13, 3rd floor, Hill View, Bldg. No. B-1, Deonar Hill View Co-on, Hsg. Soc. Ltd., Deonar Bagh, Deonar situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subretion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immuable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, Hill View, Bldg. No. B-1, Deonat Hill Vies Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Deonar Bagh, Deonar.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18370/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-10-1985

FORM TINS-

(1) Shri H. C. Ombevat.

(Transferor)

(2) Shri R. R. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1985

No. AR-III/37.EE/18244/84-85.--Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

ocing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 66, Gyaneshwari Bldg., Peru Baug, Aarey Road,
Goregaon (E), Bombay-63

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Eombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of venuler with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immonable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 66, Gyaneshwari Bldg., Peru Baug, Aarey Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18244/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Date: 28-10-1985

Scal •

(1) Shri M. A. Chhabra.

(Transferor)

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri J. S. Somani.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1985

No. AR-III/37.EE/18405/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Bldg. No. 6, Navratan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Mahesh Nagar, Goregaon (W), Bombay-62 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Bldg. No. 6, Navratan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18405/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IIL Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforersaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following personsuamely !—

Date: 28-10-1985

(1) M/s. Dimple Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Ashdil Pharma Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF TELL INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 28th November 1935

(b) by any other person interested in the said framesable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-III/37.EE/18695/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 207, Truimph Industrial Estate, Village Dindoshi, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63 situat-

td at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-4-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

Unit No. 207, Truiumph Industrial Estate, Village Dindoshi, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18695/84-85 dated 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1985

Seal ;

(1) Mr. S. S. Mody.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/18406/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 209, Virwani Indl. Estate, C Bldg., 2nd floor, West-

ern Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63 situated at

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, usincly :--

(2) M/s. Venus Zip Industries.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. B-209, Virwani Indl. Estate, C Bldg., 2nd floor, Western Express Highway, Govegaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordated 1-4-1985. Bombay under No. AR-UI/37.EE/18406/84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 28-10-1985

ANTORNO MARRO COMPLEGO DE LOS ELECTORES EN ELECTORISTA DE LA CONTRACTOR DE LA CONTRACTOR DE LA CONTRACTOR DE L

(1) Mrs. D. K. Soni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Navchandrakunj Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Tranfscree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37.EE/18428/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Piece of land at Mouje Pahadi Jawahar Nagar, Piot No. 42,

S. No. 105 to 110, 146 to 147, C.T.S. No. 734, 734/1 to 734/6, Goregaon (W). Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in gespect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said groperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land at Mouje Pahadi Jawahar Nagar, Plot No. 42, S. Nos. 105 to 110, 146 to 147, C.T.S. No. 734 to 734/1 to 734/6, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18428/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm'ssioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-10-1985

FORM ITNS----

(1) Union Park Apartments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. N. Sabhnani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

(a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No. AR-III/37.EE/18885/84-85.—Whereas, I,

No. AR-III/3/LEE/10003/3-3-3-3
AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Flat No. 1, 1st floor, plot No. 41, Union Park, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of he Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid saceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of inv income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, plot No. 41, Union Park, Chembur. Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent uthori'y, Bombay under No. AR-III/37.EE/18885/84-85 Authori'y, Bo dated 1-4-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said rect, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985

FORM ITNS--

(1) Smt. B. N. Punjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF-1961)

(2) Shri M. S. Pardeshi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37.EE/18622/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 4, 1st floor, Block No. 1, near bungalow No. 37, Collector Colony, Chembur, Bombay-74 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-ray Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1.4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

86-396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Block No. 1, near Bungalow No. 37, Collector Colony, Chembur, Bombay-74.

Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18622/84-85. The agreement has been registered by the Competent dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Date: 8-11-1985

(1) Mr. A. Jayapalan.

(Transferor)

(2) Mr. S. S. Runwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37.EE|18748/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

A piece of land, C.S. No. 887, plot No. 27, village Chembur, Taluka Kurla, Dist. Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of !-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

A piece of land, C.S. No. 887, Plot No. 27, village Chembur, Taluka Kurla, Dist. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18748/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

(1) Mr. K K. Patel

(Transferor)

(2) Mr. N. P. Rathod.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18736/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 8, 2nd floor Kiran Indl. Estate, Goregaon (W), Rombay 62.

Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 8, 2nd floor Kiran Indl. Estate, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18736/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Acquisition Range-III, Bombay. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

(1) Dr. D. S. Pankar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vikas Pharmaceutical Labouratories. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Bombay, the 8th November 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/18521/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2, S. No. 11 & 15, H. No. 3, 7, & 8 Bldg No. 3, Gala No. 28, Gorgaen (E), Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, S. No. 14 & 15, H. No. 3, 7, & 8 Bldg No. 3, Gala No. 28, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18521/84-85, dated 1-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

Date: 8-11-1985

(1) Shri V. Gopalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Hariharan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18838/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24, Twin Garden coop. Hsg. Soc., Plot 7, Sector 6,

Cheeda Nagar, Chembur, Bombay-89. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 24, Twin Garden coop. Hsg. Soc., Plot 7, Sector 6, Cheeda Nagar, Chembur. Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18838/84-85, dated 1-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

AKHILESH, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr to the following persons, namely :--

Dated : 8-11-1985

FORM ITNS ...

(1) Shri N. H. Gangwani & Others.

(Transferor)

(2) Smt. B. N. Punjabi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMP SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18435/84-85.—Whertas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 f 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 6, 1st floor, plot No. 46/E, N. S. S. No. 46, CSTfl Road, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with (ajout of :-

- (a) facilitating the reduction or eventure of the Middity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the unauter; seid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 2600 of the edu Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, plot No. 46/E, N. S. S. No. 46, CSTfl Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37EE/18435/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 8-11-1985

Scal:

FORM FINS

(1) Smt. I. D. Parundekar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. H. Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18551/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flut No. 12, 2nd floor, Grukrupa Bldg. Liberty Garden Cross Road, No. 4, (Near Ayojan nagar), Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, Grukrupa Bldg. Liberty Garden Cross Road, No. 4, (Near Ayojan nagar), Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/18551/84-85 Authority, lated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 8-11-1985

- (1) Mr. V. M. Goshalia & Others.
- (Transferor)
- (2) M. R. Jain & Co. and Partners.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18886/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 32 Plot C.T.S. No. 348, F.P. No. 5A, Laxminarayan shopping centre. Poddar Road, Malad (E), Bombay-97.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 32 Plot C.T.S. No. 348, F.P. No. 5A, Laxminara-yan shopping centre, Poddar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EF/18886/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 8-11-1985

(1) Shri Jayanti Lal Kunwarji Dhaya.

(Tranferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Jaswant Rai Hemari.

(Tranferee)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18899/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding 3s. 1,00,000/- and bearing

Office No. 324, Natraj Market, Malad Natraj market coop. Hsg. Soc. Ltd., 3rd floor Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bmbay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

87—396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 324, Natraj Market, Malad Natraj market coop. Hsg. Scc. Ltd., 3rd floor Malad (W), Bmbay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18899/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 7-11-85

Scal:

FORM ITNS———

(1) M/s. Maryknoll Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alliance Church Association

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18668/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective heating a fair property where a resulting the said act.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, plot No. 3, Fereira Apartments, Orlem, Lourdes colony, Marve Road, Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bmbay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of masfer with the ebject of :—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any average or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely: ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, plot 'No. 3, Fereira Apartments, Orlem, Lourdes colony, Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/18668/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Dated: 7-11-85

(1) Anita Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. S. Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18445/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 403, IV floor, Val-E-Ram-III, with Chowki, Marve off. Linking Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedulo annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bmbay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 403, IV floor, Val-E-Ram-III, Mith Chowki, Marve off. Linking Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18445/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASA · · Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :--

Dated: 7-11-85

(1) Smt. P. K. Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H. A. Saliya & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18823/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1951 (43 of 1951) (incremation referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 21 Neel Kamal Bldg. Chincholi Phatak, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bmbay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforeseld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-wax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 21 Neel Kamal Bldg, Chincholi Phatak, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37ttE/18823/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-11-85

FORM ITNE

(1) Anita Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. M. Barretto.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18446/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Vai-E-Ram III, Plot No. 10, opp. Ushma nagar, off. Linking Rd. Mith Chowki Marve, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I'he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, VallElRam III, plot No. 10, opp. Ushma Nagar, off. Linging Rd. Mith Chowki, Marve Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18446/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated : 7/11/1985

(1) Mr. Ivor Pereira

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Cecilia David & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/1843/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201A, 2nd floor, Diago co. op. hsg. soc. l.td., Bawdi lane, off. Marve Road, Orlem, Malad (W), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising the transfer, andior.
- tb; facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incorporax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tea-Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201A, 2nd floor, Diago co. op. hsg. soc. Ltd., Bawdi lane, off. Marve Road, Orlem, Malad (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18543/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Dated: 7/11/1985

- (i) Dr. N. M. Shah & Ors.
- (Transferor)
- (2) Mr. B. S. Jain & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18778/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Plot No. 17, S. No. 26, Village, Vainai, Taiuka Borivali, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 17, S. No. 26, village Valnai, Taluka Borivali, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18778/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. the following persons, namely:-

Dated: 7/11/1985

(1) Mr. R. K. Chawla.

(Transferor)

(2) Mr. I. S. Garg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION PANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18512/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Comprient Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 12, ground floor. Haridwar- I, Bldg., Plot No. 18, 19, 20A, Off. Marve Road, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improv-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, ground floor, Bldg. Haridwar-I, Plot No. 18, 19, 20A, Off. Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18512/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 7/11/1985

FORM ITNS—

(1) Smt. J. J. Chheda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt S. D. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIN RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18488/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8B, ground floor, Natraj market Purshottam Laljji Wadi, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--88-396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a, by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8B, ground floor, Natraj market Purshottam Laljji Wadi, S. V. Road. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18488/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 7-11-1985

Scal :

(1) Mrs. Josephine Drege & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. U K. Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIN RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref .No AR-III/37EE/18757/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Orlem, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tay Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebiect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, village Valnai, Tank Lane, Off. Narve Road, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37EE/18757/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 7-11-1985

(1) Smt. J S. Mehta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reliance Builders & Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIN RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7h November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18355/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 37, village Valnai, Taluka Borivli, Malad (W),

Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Plot No. 37, village Valnai, Taluka Borivli, Malad (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18355/84-85 dated 1-4-1985.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomb...

Dated: 7-11-1985

FORM ITNE

(1) M/s. Devchand Shamji & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Chheda Family Trust.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIN RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18506/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Office Premises No. 207, Parasranpuriya Chambers, Malad

(W), Bombay-64.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office Premises No. 207, Parasranpuriya Chambers, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay upner No. AR-III/37EE/18506/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 8-11-1985

(1) Shti Prakash Motiram Bhatte

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Selection Stores.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INDIA

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITIN RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18176/84-85.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable perperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop N.o 13, Kasturba Usha Colony, C.H.S.L. Malad (W).

Bembay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Shop N.o 13, Kasturba Usha Colony, C.H.S.L. Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18176//84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomba).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-11-1985

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gilbert Sequiera

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIN RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th Novtmber 1985

Ref No. AR-III/37EE/121/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,009/- and bearing
Flat No. 401, 4th floor "Atlanta" B-King Off Valuai village
plot No. 38, Marve Road, Malad (W) Bombay-65.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competen Authority at
at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor "Atlanta" B-King Off Valnai village plot No. 38, Marve Road, Malad (W) Bombay-65.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18185/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 7-11-1985

Scal:

(1) M/s. Contenental Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Seema Manohar Joshi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18420/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 1st floor, "Akash Building" Sai Baba Park,

Hat No. 3, 1st floor, "Akash Building" Sai Baba Par Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st koor, "Akash Building", Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE-18421/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely:—

Date: 8-11-1985

Scal;

(1) M/s, Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ishwardas S. Garg.

be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/18119/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. A-74-86, 7th floor, Manli Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50 Village Valnai, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay.

situated at Bombay

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objection, if any, to the acquisition of the said property may

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. A-74-75 7th fl. Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50 Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE.18119/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

Date: 8-11-1985

Scal:

(1) Shri Gurudayal Sing T. Jaggi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash M. Bhatt

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18409/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 12, 1st fl. Dattani Chambers, Plot CTS No. 625, 625/1 to 625/9, Village Malad, S.V. Rd. Malad (W), Rombov-64

Bombay-64

situated at Bombay

(and more ufly described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the marganess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Geretin

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12, 1st fl. Dattani Chambers, Plot CTS No. 625, 625/1 to 625/9, Village Malad, S.V. Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18409/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-89-396 GI/85

Date: 8-11-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Karmali Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anwarali Shabanali Jamal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18133/84-85.—Whereas, I, AKHII.ESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2699 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. 1, Rukaiya Palace, Somwar Bazar Behind
Bombay Talkies, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between Die parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **unalor**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoia of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Rukaiya Palace Somwar Bazar, Behind Talkies, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18133/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-11-1985

(1) Karmali Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Qureshi Kisha Nasurali

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18137/84-85.—Whereas, I; AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property hours a few moulest value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 308, Rukaiya Palace Somwar Bazar, Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64 Behind

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as according to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said. Ast in respect of any income arising from the tran
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Bthind Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18137/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-11-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s Continental Corporation,

(Transferer)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anthony Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/18421/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable expected by his project of the second o able property, having a fair market value exceeding Rs. 1

lakh an bearing No. Flat No. 18, 4th floor, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agrees which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 18, 4th fl. Ashirwad Building, Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37EE/18421/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-11-1985

Scal:

(1) Shri S. J. Mehta & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reliance Builders & Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/18354/84-85.—Whereas, I, KHILESH PRASAD,

eing the Competent Authority under Section 269B of the necesse-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/nd bearing

lot No. 16, Village Valani Taluka Borivali, Malad (W),

Bombay situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), ias been transferred and the agreement is registered under lection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

he Competent Authority at Bombay on 1-4-85 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparant consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ar sing from the transfer; and /or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Ir some-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1987);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The tirms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charler.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Village Valnai, Taluka Borivali, Mulad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18354/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

FORM TINS-

(1) Anita Enterprises,

(Transferor)

(2) Mrs. S. N. Samtani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18444/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 602, plsu 1/3 Terrace, VALE RAM III, Opp. Ushma Nagar, Off. Linking Road, Mith Chowki, Marve. Malad (W), Bombay 64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Flat No. 602, plus 1/3 Terrace, VALE RAM III, Opp.
Ushma Nagar, Off. Linking Road, Mith Chowki, Marve, Malad (W), Bombay 64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18444/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-11-1985

(1) Karmali Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shakeel Ahmed Abbas Ali,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Rcf. No. AR-HI/37EE/18131/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. Λ-203, Rkaiya Palace, Somwar Bazar Behind Bombay Talkies, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resportive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-203, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Camp, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/18131/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-11-1985

Seal &

FORM ITNS ---

- Shri P. S. Batra & Ors.
 Shri D. N Thaker & Ors
- (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/18410/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovaable property, having a fair market valuet exceeding Rs. 1 lakh and bearing

Shop No. 19, ground floor, Malad Apartment Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 348 (pt.), Malad (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by to believe that the fair market value of the property as the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, ground floor, Malad Apartments Co-op, Hsg. Soc. Ltd., S. No. 348 (pt), Station Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/18410/84-85 dated 1-4-1985,

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. U. H. Patel & Ors.

(Transferor)

(2) Shri D. H. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

AR-III/37EE/18518/84-85.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 19. ground floor. S. V. Road, Chandrakiran co-op Hsg. Soc. Ltd., Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fustrument of transfer with the object of-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

·Explanation :—The Terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, ground floor, Chandrakiran co.op. Hsg. Soc. Ltd., S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18518/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 90—396 GI/85

Date: 8-11-1985

FORM ITNS ----

(1) M/s Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. K. Kaul & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

No. AR-III/37EE/18596/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing ... Manali Bidg. No. 3, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 4961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-4-1935

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the Lansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisin: from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-11, 1st floor, Manali Bldg. No. 3, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/18596/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

(1) M/s, Baf-Hira Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) A. N. Qureshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th November 1985

 $\Delta R-HI/37EE/18560/84-85$.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 39, Bldg. No. 3, ground floor, Bal-Hira Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Ind an Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

shop No. 39, Bldg. No. 3, greand floor, Baf-Hira Nagar,

M rve Road, Malad (W). Embay.
The agreement has been resinted by the Competent Arthority, Bombry under No. 103-11/331E/18560/84-85 da ed 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometar, Acquisito Farge P., Be mbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-116"

Seil:

(1) Smt. K. J. Agrawal.

(Transferor)

(2) Shri J. K. Dedhia & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18860/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the oring the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 134, Nataraj Market, S.V. Road, Malad (W). Bombay-64, situated at Bombay and more fully described in the Sak-Act.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Pombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

134, Nataraj Market, S.V. Road, Malad (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. $\Lambda R.III/37EE/18860/84-85$ dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdayal Pahwa.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th November 1985

No. AR-III/37EE/18335/84-85.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 43, 4th floor, C Wing. Bldg. Manali No. 3,
Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for and apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquistion of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

' (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Intian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 43, C Wing, 4th floor, Bldg Manali No. 3, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IJ1/37EE/18335/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mr. R. P. Masand & Ors,

(Transferor)

(2) Mr. I. M. Gaira.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

AR-III/37EE/18092/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 9, ground floor, Haridwar-I Bldg. Plot No. 18-19-20A, off village Valnai Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, ground floor, Haridwar-I, Plot No. 18-19-20-A, off Valnai village, Ma'ad (Y'), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.HI/37EE/18092/84-85 dated 1-4-85.

AKHULESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Gregory D'Souza.

(Transferor)

(2) Sheldon co.op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMEAY

Bombay, the 8th November 1985

No. AR-III/37EE/18718/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10, CTS No. 417 & 418, Village Valnai, Orlem, Malad (W), Bo:abay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

No v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ' hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used in the man are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, CTS No. 417 and 418, village Valnai, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18718/84-85 dated 1-4-85,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-11-1985

Scal :

(1) M/s Manali Corporation,

(Transferor)

(2) Mr. N. D. Purohit & Ors.

sy be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UP THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

No. AR-III/37EE/18120/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. B-65, 6th floor, Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-65, 6th floor, Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village, Maled (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18120/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:——

Date: 8-11-1985

FORM IINS--

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

(2) Mr. G. M. Jadhav.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay Talkies compound, S. No. 388/2, Malad (W),

No. AR-III/37EE/18688/84-85.—Whereas, 1, AKHILEH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. A-404, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, behind Pombay Talkias company S. No. 288/2 Maind (1971)

Bombay Talkies comound, S. No. 388/2, Malad (W). Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the enid Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Flat No. A-404, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, behind Bombay Talikies compound, S. No. 388/2, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. MoBmbay under No. AR-III/37EE/18688/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——91—396 GI/85

Date: 8-11-1985

FORM ITNS----

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

(2) Hussain Miya Murtuza Miya Kazi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-11I/37EE/18132/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. A-304, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, behind Bombay Talkies compound, Malad (W),

Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOHEDULE

Flat No. A-304, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies compound, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18132/84-85 Authority, Bordated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-11-1985

Scal :

(1) Mr. R. R. Irani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. G. Dedia & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18210/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 502, Malad Kokil Co-operative Housing Society, Building No. S-2, Sunder Nagar, S.V. Road, Malad (W), Rombay-64

Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be true the position that not be such transfer as agreed to be true the position that not be true the position to be the property as the position to be true the position to the property as the position to the pos perween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Malad Kokil Co-operative Housing Society, Building No. S-2, Sunder Nagar, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18210/84-85 dt. 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

(1) Mr. R. M. Hamidani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. Vajjiravelu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No AR-III/ AKHILESH PRASAD, AR-III/37 EE/18519 84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000 and bearing
Gala No. 122-RCC, 1st floor, Malad Sonal Industrial Premises Co-operative Society Ltd, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Gala No. 122-RCC, 1st floor Malad Sonal Inustrial Premises Co-operative Society Ltd, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18519[84-85 dt. 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Gurumukh Singh Gurdeep Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. G. Phillips,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-111/1 AKHILESH PRASAD, AR-111/37EE/188304|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 24, Malad Niraj Co-operative Housing Society Ltd.

Mith. Chowky. Marke Road, Malad (W), Rombay-64

Mith Chowky, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seid Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Malad Niraj Co-operative Housing Society Ltd. Mith Chowky, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-BI/37EE/18364|84-85 dt. 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-11-1985

Scal:

(1) Mr. K. V. Gajjar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunderidevi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18166|84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 10,000/- and bearing

and/or;

Flat No. 12, 4th floor, Shivam Apartment, Plot No. 5 & 6, Lala Lajpatrai Road, Goraswadi, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given

in that Chaptes

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 4th floor, Shivam Apartment, Plot No. 5 & 6, Lala Lajpatrai Road, Goraswadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18166/84-85 dt. 1-4-85.

(b) Incilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1937);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the mid Act, in

respect of any income arising from the transfer;

AKHILESH PRASAD
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely is

Date: 8-11-1985

Seal :

(a) by any of the aforestid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. S. G. Parekh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18075/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR-III/37EE/18075/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,000/- and bearing

Flat No. 207, 2nd floor, Building No. B-2/17, CTS. No. 657-B. Near Bhandun Station (E) Bombay-78

657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay-78.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd floor, Building No. B-2/17, CTS. No. 657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18075/84-85 dt. 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. namely :---

Dute: \$-11-1985

Seal;

(1) Smt. D. R. Thakkar.

(Transferor) (Transferor)

(2) Shri K. N. Gala & Ors.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18553/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 8, ground floor, Garden View, Dr. Ambedkar Road, Mulund, Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, ground floor, Garden View, Dr. Ambedear Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18553/84-85 dt. 1-4-85.

AKHILESH PRASAD

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 20-10-1985

Seal .

- (1) M/s. Unique Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. G. S. Motta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/18747/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Unit No. 102, 2nd floor, Unique Industrial Estate, Opp. Jawahar Talkies, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefor to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any racesys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this settles in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 102, 2nd floor, Unique Industrial Estate, Opp. Jawahar Talkies, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18747/84-85 dt. 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—92—396 GI/85

Scal:

Date: 29-10-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mrs. V. Sreekumari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. K. V. Joshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29 October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18556/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 65, 6th floor. Tirupati Apartments Co-operative
Housing Society Ltd., Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-

80, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agroement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 65, 6th floor, Tirupati Apartments Co-operative Housing Society Ltd., Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18556/84-85 dt. 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 29-10-1985

FORM ITNS-

(1) Smt. P. A. Amin,

(Transferor)

(2) Smt. G. P. Gohel & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18744/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. B-31, 5th floor, Harsha Apartments, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-31. 5th floor, Harsha Apartments, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18744/84-85 dt.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 29-10-1985

(1) M/s. Hira Nagar Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. G. Shukla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/18725/84-85.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Ac.'), have reason to believe that the immovable projectly, having a tair marker value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 3, Link Tower, Hira Nagar, Nahur Village, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest d property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly exated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer ⊶ad/ea
- (b) facilitating the concoulment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Link Tower, Hira Nagar, Mahur Village, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18725/84-85 dt. 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 29-10-1985

(1) M/s. Hira nagar Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. G. Shukla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18326/34-85.—Whereas, I, AKHILESII PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, Link Tower, Hira Nagar, Nahur village, Mulund (W), Bombay-80

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Link Tower, Hira Nagar, Nahur village, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18326/84-85 dated 1/41/1985.

AKHJLESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following

persons, namely :--

Date: 29/10/1985

(1) Indo X Saigon Agency.

(Transferor)

(2) M/s. Metal Engineer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18439/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 2, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Opp. Model Town, Mulund (W), Bombay-80 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Bombay on 1/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2, Gobind Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Opp. Model Town, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay under No. AR-III/37EE/18439/84-85 Authority, Bombay dated 1/41/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 29/10/1985

Scal:

(1) Mr. I. J. Dhawan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K, K. Shangvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18836/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 31, Sunil 'A' Tulsiram C.H.S. Compound, Devidayal nager Mulurd (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under see ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in hte Office of

see ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in hte Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the linking of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

Flat No. 31, Sunil 'A' Tulsiram C.H.S. Compound, Devidayal nagar Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been regstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18836/84-85 dated 1-4-1985,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which caght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely:P-

Date: 29/10/1985

Scal:

FORM NO. 1.T.N.S.---

(1) Shr! Hirala Picha.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. R. Gupta.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18852/84-85,—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 2nd floor, Tower, A, Govardhan nagar, L.B S. Marg, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in hte Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957h

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires beter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Tower A, Govardhan nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been regstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18852/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of oresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29/10/1985

RM ITMS.... FORM ITMS ---

(1) M s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(2) General Glass Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18436/84-85.—-Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Unit No. 3, ground floor. Cobind Udyog Bhavan, Bal Raissbwar Road Multind (W) Romboy-80

Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is, registered under section 269AB of the Incometar Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as named to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3, ground floor. Govind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18436/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

93-396 GI/85

Date: 29/10/1985 Seal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Peacock Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Ravasia.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18527/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 7, ground floor, Mayur Mahal Bldg., Opp. Andhra situated at Bombay

Bank, M. G. Road, Mulund (W), Bombay-80, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in hte Office of the Competent Authority at

Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Mayur Mahal Bldg., Opp. Andhra Bank, M. G. Road, Mulund (W), Bombay-80, The agreement has been regstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18522/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-10-1985

Caal:

(1) M/s. Devidayal Stainless Steel India Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. V. P. Eng. Works.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18366/84-85.—Whereas, 1,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Gala No. 79, ground floor, Raja Indl. Estate, P. K. Road,
Mulund (W), Bombay-80,
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

pelieve that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 79, ground floor, Raja Indl. Estate, P. K. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/371/E/18366/84-8. dated 1/4/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subm (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29/10 1985

Scal :

FORM ITNS----

(1) M/s, Raja Builders.

(2) M/s Sharbha International.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 O. 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18524/84-85.—Whereas, I. ΛKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 55, 1st floor Raja Indl. Estate, Mulund (W)

Dombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Las been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, shickever nemost exputes latert
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Colletta Commen-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 55, 1st floor Raja Indl. Estate, Mulund (W) Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/18524/84-85 dated 1/4/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 29/10/1985

FORM LT.N.S.

(1) Smt H. V. Shah & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rupam Enterprise.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III 37III/18283/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the anime-vable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

Unit No. 79, 1st floor, Raja Indf. Estate, Purshotam Kheraj Road, Muliund (W), dombay-80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 1/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument a transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in expect or any income, arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be inclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1987);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this normal of the publication of this normal of the publication of the more and the publication of the normal of o

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 79, 1st floor, Raja Indl. Estate, Purshotam Kheraj Road, Muland (W), Bombay-80,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18283/84-85 dated 1/4/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29/10/1985

Scal:

(1) Modern Builders.

(Transferor)

(2) Shri B. R. Dattaram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18833 84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11, Plot No. 48, Kanjur co. op. hsg. soc. Ltd., Phosphyy 78.

Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under /section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 48, Kanjur co. op. hsg. soc. Ltd., Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18833/84-85 dated 1/4/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 29/10/1985

FORM ITNE

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. J. J. Keni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18231/84-85.— Whereas, 1. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 11, Shyam nagar, Bldg. No. A-2-15, C.T.S. No. 657-B, near Bhandup station (E), Bombay-78 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such assessmt counideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the expeculment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later:

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immuse able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11. Shyam nagar, Bldg, No. A/2-15, C.T.S. No.

657-B, near Bhandup station (F), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III '37EE/18231/84-85 dated 1/4/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 7-11-1985

FORM ITNS---- 187

вичеством — у примето поможно можения поможность поверущей и у у под поможность и

(1) Mr. V. R. Gannaprakash.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOMPTERS ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii V. Muthukrishnaa.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE 18118/84-85. -Whereas. I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 of 1951) thereinsiter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 6, Govardhan nagar, Muluad (W), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incomestax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero; to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the computation any income or any moneys or other invers which have not been or which or in to be divised by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922).

 At 1987 (27 of 1987). Art. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforecaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein auare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-6, Govardhan nagar, Mulund (W), Bombay-80.

agreement has been registered by the Competent The Authority, Bombay under No AR-III/37EE/18118.84-85 dated 1/4/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2600 of the said Act, I hereby initiate wrocen has for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, narrate --

Date: 29/10 1985

(1) Aghadi Housing Project P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Mansoorali S. Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNAGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Bomony, the Byth Conder 190

Ref. No. AR.III/37.EE/18434/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000.2 and hearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Flat No. 3, 1st floor, B wing Bldg. No. Y, Aghadi Nagar, Dargah Road, Off. Agra Road, Bhandup (W), Bombay-79

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office.

of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazane

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, B wing, Bldg. No. Y, Aghadi nagar, Darghah Road, Off. Agra Road, Bhandup (W), Bombay-78.

- (a) inclinating the reduction or evasion of the lightly of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18434/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Dated: 29/10/1985

94-396 GI/85

(1) Shri S. S. Borade.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. Narayan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNAGE-JII ROMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18749/84-85.-Ref. No. AR.III/37.EE/18749/84-85.—
Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. A/104, 1st floor. Sanjay Apartments, Mithagher
Road, Bhandup (E), Bombay-78 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Incometer Act. 1961 in the Office Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immavable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/104, 1st floor, Sanjay Apartments, Mithaghar Road, Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18749/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-111 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 29/10/1985

(1) Shri K. J. Kawle & Ors.

(Transferor)

(2) Shri A. K. Sabnis & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RNAGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18130/84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing

Shop No. 19, H. No. 7B, C.T.S. No. 421, village Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be distlessed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a partod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used barries as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mercung as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 19, H. No. 7B, village Mulund (E), C.T.S. No. 421, Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18130/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 29/10/1985

(1) Smt. D. K. Shah & Ore.

(Transferor)

(2) Smt. K. S. Naik & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RNAGE-III ВОМВЛУ

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18778/84-85.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, Shree Laxmi Sadan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., G. V.

Scheme, Road No. 2, Mulund (E), Bombay-82 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Shree Laxmi Sadan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., G. V. Scheme Road No. 2, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent uthority Bombay under No. AR-III/37EE/18778/84-85 Authority Bordated 1-4-1985. Bombay

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 29/10/1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd.

(2) M/s. Harsha Aromatics.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNAGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18536/84-85,-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 59, ground floor, Shanti Indl. Estate, S. N. Road,

Mulund (W). Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bembay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; amai/ar
- (b) facilitating the concealment of any mesome or any moneys or other assets which have not been or 91 which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 59, ground floor, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/18536/84-85 Λ uthority, dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 29/10/1985

FORM ITNS ...

(1) M/s. Ketki Construction Co.

may be unde in writing to the undersigned :

(Transferor)

(2) M/s. Pam Services.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNAGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18776/84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 11, Ketki Apartment, G. V. S. Road, No. 2, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fah market value of the property as aforesaid exceeds the apparent conristeration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ketki Apartment, G. V. S. Road No. 2, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII/37, EE/18776/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bom**bay

Dated: 29/10/1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Tolaram & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. V. O. A. Jain Sangh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNAGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37.FE/18811/84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Road, Bhandup (W), Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 104, 1st floor, Shakti Shopping Arcade, Agra Road, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18811/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dated: 29/10/1985

Scal:

(1) Shree Mahavir Enterprises

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri S. H. Manchanda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF IMBIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNAGE-III ВОМВЛҮ

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18767/84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD,

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 62, ground floor, Veena nagar, L. B. S. Marg. Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the someideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the recession of the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person intertsted in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 62, ground floor, Veena nagar, L. B. S. Marg, Mulund (W), Bombay-80, $\,$

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III./37.EE/18767/84-85 Authority, dated 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11! Bombay

Dated: 29/10/1985

(1) Aghadi Housing Project P. Ltd.

(Transfer of)

(2) Shri I. Z. Teli.

(Transferee,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNAGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18433/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 1st floor, Bldg. No. Y, Aghadi nagar, A Wing-Dargah Road, off. Agra Road, Bhandup (W), Bombay-7 stuated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
95—396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, A wing, Bldg, No. Y, Aghadi nagar, Dargah Road, off. Agra Road, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18433/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III
Bombay

Dated: 29/10/1985

(1) M/s. Gala Udyog.

(Transferor)

(2) M/s. Padmashil (Traders & Exporters) P. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RNAGE-III
BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18742/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the same Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 2, Ground floor in Kailas Commercial Complex, Plot No. 15 (pt.), H. No. 1, S. No. 1, Hariali Village, Vikhroli-79 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule and the content of t

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concentment of any income or may moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2, Ground floor in Kailas Commercial Complex, Plot No. 15 (Pt.), H. No. 1, S. No. 1, Hariali Village, Vikhreli, Bombay-79.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18742/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authoring
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-10-85

FORM NO. LT.N.S.—

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. R. Gandhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RNAGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18265/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4. Shyam nagar, Bldg. No. B/3, C. T. S. No. 567-B, near Bhandup Station, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Shyam nagar, Bldg. No. B/3, C. T. S. No. 567-B, near Bhandup Station (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent A thority, Bombay under No. AR.III /37.EE/18265/84-85J deted 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dited: 7/11/1985

Seni:

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. K. Dhebar & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RNAGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18814/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 4, 1st floor, D wing, Bldg. No. 6, Damodar park, L. B. S. marg. Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19:7);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, D wing, Bldg. No. 6, Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. Damodar

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18814/84-85 Authority, Bo dated 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated : 5/11/1985

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

(2) Smt. K. H. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th November, 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18325/84-85.—Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable popert, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 8th floor, C Wing, Bldg. No. 6, Damodar park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay 86. situated at Bombay (and transfer of the competition of the com

(and more fully described in the Schedule annered hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income existing from the transfer and/or
- (b) facilitating the concernment of any income of any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follownersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said numovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 8th Floor, C Wing, Bldg. No. 6, Damodar park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay 86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/18325/84-85 dated 1-4-1985,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated :5-11-1985

Scal:

(1) Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. Ram Prakash Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111 **BOMBAY**

Bombay, the 5th November, 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18185/84-85,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 7th floor, Bldg. No. 6D. Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar | W., Bombay 86.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 7th floor, Bldg. No. 6D, Damodar park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay 86.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.II/37EE/18183/84-85 Authority, dated 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding; for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated :5-11-1985

Scal:

FORM ITNS...

(1) Mr. Ramesh D. Nasta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nanda H, Bohra,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October, 1985

No. AR-III/37EE/18545/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

G-8, Survey N (E), Bombay-55. No. 365, old Market R.d. Vakola, Santacruz

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the nave reason to believe that the lair marker value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-8, Survey No. 365, old Market Road, Vakola, Santacruz (E), Bombay-55,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18545/84-85 Bombay on 1-4-1985

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated :25-10-1985 Seal:

(1) Smt. Bimladevi Baijnath Gupta.

(Transferor)

(2) Umer Laif Tol.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October, 1985

No. AR-III/37EE/18794/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 406 on 4th floor of Bldg. No. 10 in Kapadia Nagar at CST Road, Kurla (W), Bombay-70

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underdgated:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facthraining the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 406 on 4th floor of Bldg. No. 10 in Kapadia Nagar at C.S.T. Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18794/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely

Dated :25-10-1985

Seal ;

and the area and the transfer of the second second

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Prakash Plastics

(Transferor)

(2) M/s Pioneer Textile Indlustries,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF !NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 25m October, 1985

No. AR-III/37EE/:8579/84-85,---Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 120, 1st floor, Shivkrupa Indl. Estate. Plot No. 3, Hariali, L.B.S. Marg Vikhroli, Bombay-83.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is togistered under Section 269A3 or the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andior
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the coad property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 120, 1st floor, Shivkrupa Indl. Estate, Plot No. 3, Hariali, L.P.S. Marg, Vikhroli, Bombay-85.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under two. AR-J. 37EE/18579/84-85 da ed 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

96-396 GI/85

Dated :25-10-1985

Scal :

FORM IT'NS-

(1) M/s. Gala Uryog.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Padmashil (Traders & Exporters) P. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 25th October, 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

No. AR-III/37EE/18741/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

us me said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 3, Ground floor in Kailas Commercial Complex, Plot No. 15(Pt) B. No. 1 S. No. 1, Hariali Village, L.B.S. Marg. Vikhroli, Bombay-79 situated at Rombay. situated at Bombay

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3, Ground floor in Kailas Commercial Complex, Plot No. 15 (Pt), H. No. 1., S. No. 1, Hariali Village, B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-79.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37EE/18741/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Dated :25-10-1985 Scal:

(1) M/s, Gala Udyog

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Padinashil (Traders & Exporters) P.L.D. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October, 1985

No. AR-III/37EE/18743/84-85,-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Unit No. 1, ground floor in Kailas Commercial Complex, Plot No. 15 (Pt) H No. 1, S. No. 1, Hariali Village Ropphy 70

Plot No. 15 (Pt), H. No. 1, S. No. 1, Hariali Village Bombay-79 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Ground floor, in Kailas Commercial Complex, Plot No. 15 (Pt), H. No. 1, S. No. 1, Hariali Village, Bombay-79.

Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18743/84-85

The agreement has been registered by

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act. 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

the Competent

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated :25-10-1985 Seal:

dated 1-4-1985.

FORM TINS----

(1) M/. Prabbat Plantes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Pratap Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October, 1985

No. AR-III/37EE/18532/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRABAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 119. Ist floor, Shivkrupa Indl. Estate. Plot No. 3, Harieli J. B.S. Many, Vikhreli Bornhey 70.

Hariali, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the capaideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meating as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 119, 1st floor, Shivkrupa Industrial Estate, Plot No. 3, Hariali L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-70,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18532/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following non-time transfer of the said Act, to the following neisons namely :-

Dated: 25-10-1985

FORM 1.T.N.S.---

(1) Smt. Chandra C. Shah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. G. F. Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October, 1985

No. AR-III/37EE/18523/84-85.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Fiat No. 9, on 4th floor, Liny Land, Opp.IIT. Market, Powai,

Bombay-76. situated a Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1964 in the office of the Competent Authority at Rembay on 14,1005

Bembay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, On 4th floor, Liny Land, Opp. HT. Market, Powai Bombay 76.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18523/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated :25-10-1985 Seal:

FORM ITNS-

(1) Shri Jethalal H. Maru,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Nitin Shantila!.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October, 1985

No. AR-III/37EE/18514/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reseen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 501 on 5th floor, "Neelkanth Tower" at Plot No. 206 Garodia Nagar, Ghatkoper (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 195° (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, on 5th floor, "Neelkanth Tower" at No. 206, Garodia Nagar, Ghatkoper (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ΔR -HI/37EE/18514/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 25-10-1985

(1) Shri Mahendrabhai Nandlal Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indumati Bhupatlal Koticha,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18502/84-85,---Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15 on 3rd floor, Rajesh Deep, Plot No. 100, Garodia Nagar, Ghatkoper (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the uffice of

Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADÀ/OT

(v) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15 on 3rd floor, Rajesh Deep, Plot No. 100, Garodia Nagar, Ghatkoper, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18502/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, the erore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 25-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EF/18479/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-cax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the vaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 41 on 1st floor, Marg, Vikhroli, Bombay-83. on 1st floor, Suoyg Indl. Estate, at L. B. S.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:— (1) M/s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

(2) Dr. Ramarao Martandrao Belkune & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41 on 1st floor, Suyog Indl. Estate at L. B. S. Marg,

Vikhreli, Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18479/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Dated: 25-10-1985

Scal :

PAP III-SEC !!

FOR 35 15185

(1) Khanolkar & Desai Bldg. Dev. P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha D. Kakodkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANRE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

AR-III/37EE/18416/84-85.--Whoreas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereionster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and braving a ten market varies exacting Rs. 1.00.000/- and braving Flat No., 1 Second floor, A-Wing, Abhiji: Apartment, Near Vakola Bridge Pelice Sta., Santieruz (E), Bor bay-55 (and more fully described in the Schrödile annexed hereto), has been transferred and the agreem of the registered under Section 269 AB of the Income-tex Art, 1961 in the office of the Comester. Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor an more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr to the following persons, namely :---

97-396 GI/85

Objections, it, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a portest of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period experts hater-
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act that here, the same meaning as given for that constant

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, A-wing, Abhijit Apartment, Near Vakola Dridge Police Stn. Santacruz (F), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18416/84-85 Authority, Bondated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Dated: 25-10-1985

(1) Shri R. M. Mehta & Otrs.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. V. Pavanan and Otrs.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18353/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Gala No. 417, Hill View Indl. Estate, 4th floor, I. B. S. Marge, Ghatkoper (W), Bombay-86.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; **-----**/---

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by may of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 417, Hill View Indl. Retate, 4th floor, L. B. S.

Marg, Ghatkoper (W), Bombay-86.
The agreement has been registe Bombay under No. AR-III/37EE/18353/84-85 Authority, Bondated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Seal:

Dated: 25-10-1985

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, it the following persons, namely :-

FORM ITNS----

(1) Shri Subas V. Mobilekar.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchan V. Dalvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNIAGENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18617/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter reduced to us the 'said Act'), have reason to believe that the immerable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16 in C-Wing Bldg. on 3rd floor, Kailash Prabhat C.H.S.L., at 173 Vidhya Nagari Road, Kalina, Bombay-98 (and moore fully described in the Schedule anaexad hereto), has been transferred and the agreement is registered under the control of the Incometax Act. 1961, in the office of Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reseauto believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not less traily elected in the suid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Kability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

New, sherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, in C-wing Bldg. on 3rd floor, Kailash Parabhat The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18617/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisistion Range-III Bombay

Dated: 25-10-1985

The second control of the second control of

FORM LT.N.S.

(1) Gordhandas Dharamsey Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saraswati Narayan Kini.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18620/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 263B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1967) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing Flat No. 19, on 2nd floor in Liberly Bldg., at Plot No. 92

Garodia Nagar, Ghatkoper (F., Bombay-77.

(and more fully described in a Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

tor an apparent consideration which is tess than the sair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc, in respect of any income arising from the transfer; said for

(b) faciliating the concealment of any income or any pagneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under said-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Signality from 1- The terms and expressions used berein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte.

THE SCHEDULE

Flat No. 19 on 2nd floor in Liberty Bldg., at Plot No. 92, Garodia Nagar, Chatkoper (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/18620/84-85 Authority, Bordated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Dated: 25-10-1985

FORM LT.N.S .-

(1) Hiraben Ramniklal Dadia. (2) Rajendra Raychand Shah.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/18557/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereigntfor referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

able property, having a rail marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and beaving No. Vallabha C.H.S.L. A-Wing, Plot No. 17 Block No. 5, on 1st floor, Tilak R'd. Ghatkoper (E), Bombay-7/F. (and more fully described in the Sand one annexed hereto), has been transferred and the agreement in the reflected under Section 269 AB of the Incoracted Act, 1961 in the office of the Compotent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid arcoods the apparent consider from florrefor by more than fifteen per come of such approved consideration and that the consideration for such massion as agreed to between the parties has not been to be died in the said instrument of transfer with an obtain of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or nay moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the unseferce for the purposes of the Indian Lacouse-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslith-tax Act, 1957 (B7 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I beceby initiate proceeding, for the southition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 2591) of the mid Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vallabha C. H. S.L. A-Wing Plot No. 17, Block No. 5, on 1st floor, Tilak R'd., Ghatkoper (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18557/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III

Dated: 25-10-1985

Seel :

M/s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Mark's Exports (P), Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

Ref .No. AR-III/37EE/18306/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown No. 42 on 1st floor, Suyog Ind. Estate. Vikhroli, Rombay 82

Bombay-83.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or watch eught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godawn No. 42 on 1st floor, Suyog Indl. Estate, Vikhroli,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18256/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 25-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No .AR-III/37EE/18256/84-85.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Rs. 1,00,000/- and bearing No. a fair market value exceeding

Flat No. on ground floor in Anuradha Bldg, Plot No. 160, Garodia Nagar, Ghatkoper (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 2690 of the mist Act, to the following persons, mastely :-

(1) Shri B. Jankiraman and Otrs.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Ugarchand Shah.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herin as age defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.2 on ground floor in Anuradha Bldg., Plot No. 160, Gorodia Nagar, Ghatkoper (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/16331/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Dnted: 25-10-1985

FORM ITNS-

(1) Deepak Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Abeda Mchmood Chowdhary.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18331/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 110 on ground floor of Bldg. No. 18 In Kapadia Nagar at C.S.T. R'd., Kurla (W), Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of siny income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice to er subcorsons namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cupper.

THE SCHEDULE

Flat No. 001 on ground floor of Bldg. No. 18 in Kapadia Nagar, at C. S. T. R'd., Kut/a (W), Bombay-70.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18306/84-85 Authority, Bordated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-111 Bombay

Dated: 25-10-1985

Stalt:

FORM TINS-

- (1) Shri Damji Dungarshi Shah.
- (Transferor)
- (2) Smt. Bharati Bhogilal Sethia & Otrs.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTY. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No.AR-III/37EE/18278/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. Shop No. 3, Ground floor, Vijaya House, Jai Vikhroli Prewises Co. op. Soc. Ltd. Stn. R'd. Vikhroli (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the effice of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the oroperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating hie concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following PERMISSION NUMBERS

98--396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notic i the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Vijaya House, Jai Vikhroli Presemises Co. Op. Soc. Ltd. Vikhroli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37/EE/18278/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Dated: 25-10-1985

Scal:

(1) Parul Entrrises.

(Transferor)

(2) Shri V. J. A. Kunju and otrs.

(Transferee)

NOTICE UNBER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18274/84-85.--Whereas, 1.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 12 in wing B of Bldg. No. 6 at Damoashar Park"
L. B. S. Marge, Ghatkeper (W), Bombay-86.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gastal Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 in wing B of Bldg. No. 6 at Damodhar Park. I. B. S. Marge, Ghatkoper (F), Bombay-86.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18274/84-85

dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Dated: 25-10-1985

Seal ·

FORM I.T.N.S .---

(1) M/s. Golden Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Cyril Pafrao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18575/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovely the property and the property and the property and the immovement of the property and the immovement of the property and the immovement of the property and th Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2, on 1st floor "Golden Baby" at C.T.S. No. 5652
of Village Kolekalyan, Kalina, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to narket value of the aloresald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforo-said exceeds the apparent consinderation theregfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ani jar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Westith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. on 1st floor, Golden Baby, at C.T.S. No. 5652 of Village Kolekalyan, Kalina, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18575/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-10-1985

(1) M/s. Golden Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Lal chand S. Chhabria & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18171/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat N. 4 on 3rd Floor, Golden Baby at C.T.S. No. 5652 at Village Kolekalyan, Kalina, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is tegistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1981 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Sition per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-uation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--- The terms and expressions used berein as and defined on Chapter XMA of the said Act, shall have the same meaning as given warde mounting an given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 3rd floor, Golden Baby at C.T.S. No. 5652 at Village Kolekalyan, Kalina, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eumbay under No. AR-III/37EE/18171/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Combay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :---

Date: 25-10-1985

(1) Khanclkar & Desai Bldg., Dev. P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Soresh Vasant Govekar and Ors.

ever period expires later:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18088/84-85.— AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 3, D-Wing, 3rd Floor, Abbijit Apartment Near Vakola Bridge Police Stn. Santacruz (E), Bombay-55

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, D-Wing, 3rd Floor, Abbijit Apartment, Near Vakola Bridge Police Stn. Santacruze (E), Bombay-55.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18088/84-85 Authority, Bordated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri Chittarajan Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Graeyamma John & Otrs.

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18111/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3 on 5th Floor, Bhawani Towers, Village Tirandas, BSD Greater Bombay, CTS No. 32 pt. Powai, Bombay-76 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :~

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th Floor, Bhawani Towers, Village Tîrandaz, BSD Greater Bombay, CTS No. 32 pt., Powai, Bombay-76.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18111/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

Scal:

THE SECTION OF THE SE

FORM ITNS

(1) Shrí Λ, P, Nambudiri,

(Transferor)

(2) Shri Gaurang Hariprasad Parikh,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18540/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, Virndravan Mukund C.H.S.L. L.B.S. Marg, Challenger Benefity 86

Ghatkoper, Bombay-86
ijuated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which enght to be disclosed by the transferre for the surpesses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 51, Virndriavan Mukund C.H.S.L., L.B.S. Marg.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18540/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s, Pomal Photographers.

(Transferor)

(2) M/s. National Traders. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18188/84-85.--Whereas, I.

Ref. No. AR-III/3/EE/18188/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearning Gala No. 317, Hill View Indl. Estate, L.B.S. Marg. Bombay-86

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 Bombay on 1-4-1963. for such transfer are according to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 317, Hill View Indl. Estate, L.B.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18188/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 25-10-1985

Scal:

Laurence and the second second

FORM ITNS-

(1) Mrs. G. Devyani,

(2) Shri M. T. Shah.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18146/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C/4, Indradeep Soc. L.B.S. Marg, Ghatkoper,

Bombay-86

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 262AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property namely he made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat C/4, Indradeep Society, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-!II/37EE/18146/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

Soal :

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the follow ing persons, namely ;---

99--396 GI/85

(1) Mr. .A. R. Aiyar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. K. R. Gandhi & Others,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III.
BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18217/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs." 1,00,000/- and bearing

Plot No. 197, Indralok Bldg., R. B. Mehta Marg, Ghatkoper (E), Bombay-77

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a() by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officil Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 197, Indralok Bldg. R. B. Mehta Marg, Ghat-kopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18217/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 25-10-1985

Scal;

(1) Shri P. K. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jogani & Sachdev Development,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18217-A/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

S. No. 321, H. No. 38 (pt.), C.S. No. 5012, 5012 1 to 10, Kole Kalyan, Santacruz, Taluka Kurla, Bombay situated at Bombay

Bombay on 1-4-1985
(and more fully described in the Schedule annxed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have ressen to believe that the fair market value of the property as aforcesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in transfer: respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the consealment of any income any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in the the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Let. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 321, H. No. 38 (pt.), C.S. No. 5012, 5012 1 to 10. Kole Kalyan, Santacurz, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18217-A/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

Scal :

FORM ITNS ____

(1) Shri S. J. Dave.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. F. Shah & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18229/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16, 1st floor, Abhisekh Bldg., Plot No. 110 Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) fazilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gauette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 1st floor, Abhisekh Bldg., Plot No. 110 Garedia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18229/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMR-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mark's Exports (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18253/84-85.--Whereas. I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing Gala No. 45, 1st floor, Suygog Indl. Estate L.B.S. Marg. Wikhroli Bombor 82

Vikhtoli Bombay-83. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subaforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 45, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg. Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18253/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

(1) M/s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Mark's Exports (P) Ltd.

(Transferce)

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-IIII/37EE/18252/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 49, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83 situated at Bombay (and prove fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bembay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redifiction or evasion of the liability : of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 40, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg. Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-HI/37EE/18252/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

Scal :

(1) M/s, Suyog Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mark's Exports (P) Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18255/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 43, 1st floor. Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bomaby-83

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under nas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985
Officer at Meerut under registration No. 8007 date 27-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teasen to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 43, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhorli, Bombay-83

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18255/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 25-10-1985

Scal:

(1) M/s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mark's Exports Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18254/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 44, 1st floor, Suyog ladl. Estate, L.B.S. Merg,

Vikhroli, Bombay-83. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than affects per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferot to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 44, floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhorli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18254/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I himely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namply ;---

Date: 25-10-1985 Scal :

(1) M/s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1968 (43 OF 1961)

(2) M/s, Mark's Exports (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18251/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. 50, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhorli, Bombay-83

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ilamely :--

100-396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said karmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 50, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bondated 1-4-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/18251/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-III Bombay

Date: 25-10-1985

(1) Mr. M. G. Patel & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Patel & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18333/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 203, 2nd floor Manekklal Estate, L.B.S. Marg.

Ghatkopar, Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-tice has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Maneklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/18333/84-85 dated 1-4-85.

> AKHLESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay.

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the I property by the issue of this notice under sub-') of Section 269D of the said Act, to the follow-· namely :--

Dated: 5-11-1985

(1) Mr. Umesh Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Diamond Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref No. AR-III/37EE/18588/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (48 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 5097 & 5143, Kole Kalyan, Kalina, Santacruz (E),

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the lucome tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent of such app exceeds the apparent consideration interest by more affective per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 5097 & 5143, Kole Kalyan, Kalina, Santacruz (E), Rombay.

The agreement has been registered by the Competent Authortiy, Bombay under No. AR-III/37EE/18588/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILAESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-11-1985

(1) Deepak Builders Pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. G Premani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18177/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 109, 1st floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer indler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) c the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557):

(a) by any of the aforesaid persons wants a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interacted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109, 1st floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-UI/37EE/18177/84-85 dated 1-4-85.

AKHILAESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 5-11-1985

FORM ITNS

(1) Shilpa N. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. H. Gajaria.

(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18761/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 33, ground floor, Parckh Market, M. G. Road,

Gharkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Compelent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be divelosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons parally: ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 33 ground floor Parekh Market, M. G. Rond, Grackopare (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/18761/84-85 dated 1-4-85.

AKHILAESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 5-11-1985

(1) M/s. Spindle Manufacturing Co.

(Transferor)

(2) M/s. Paramount Textiles.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18826/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. B/18-A, Agra Road Indl. Premises co. op. Soc. the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of thethe Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edgect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any twoome arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslib-tas Act, 1957 (27 of 1967);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. B/18-A, Agra Road Indl. Premises co. op. Soc. Ltd. Off. L.B.S. Marg, Ghatipor (W), Bombay-86,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18826/84-85 dated 1-4-85.

AKHILAESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following përsons, namely :-

Dated: 5-11-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri Dharmesh Kachara

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Rathod & Others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18226/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Prince Palace, J.P Road, Khotlane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Ltd. Off, L.B.S. Marg, Ghaipor (W), Bombay-86 at Bombay on 1.4-1985

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of treasfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remona namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a poriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Prince Palace, J. P. Road, Khotlane, Ghatkopar (W), Bombay-77. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18226/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILAESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 5-11-1985

. Scal :

(1) Arpit Limited.

(Transferor)

(2) Mr. J K. Navani & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18086/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-23. 7th Road, Rajawadi Vidyavihar, Bombay-7

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabd under registration No. 658 dated 23/3/85 for an apparent consideration which is less than the at Bombay on 1-4-1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are effected according to the property by

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. A-23, 7th Road, Rajawadi Vidyavihar, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay, under No. AR-III/37EE/18086/84-85 Competent Authority, dated 1-4-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

AKHILAESH PRASAD Acquisition Range
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay. Competent Authority

Dated: 5-11-1985

(1) Mohd. Qasim Ibrahim Daroga.

(Transferor)

(2) Wasi Ahmed Mohd, Din,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/18874/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematics referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. No. 19, Kapadia nagar, CST Road, Kurla Bombay-70. (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

(and morefully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. No. 19, Kapadia nagar, CST Road, Kurla Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18874/84-85 dated 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Interesting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

101-396 GI/85

Dated: 5-11-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd

(Transferor)

(2) Mr Nazir Ahmed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18875/84-85.-Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 202, 2nd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST
Road, Kurla, Bombay-70.
(and more fully described in the Schedule sanexed hereta),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 nt Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the curgine of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CSI Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18875/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Dated: 5-11-1985

(1) Smt. Chellamal Narayan and Ors

(Transferor)

(2) Mr A. K. Jasani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref No. AR-III/37EE/18882/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, 3rd floor, Lioery Bldg., Plot No. 92, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of renefer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tex under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; **ma**dlar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) e rthe said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Liberty Bldg., Plot No. 92, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 18882/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°C of the said Ast. To the following persons, namely :---

Dated: 5-11-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr B. H. Parikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. H. Velani & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18402/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 78, Pankaj B Bldg. Plot No. 8-171 (part) L.B.S. Rd.

Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authortiy at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 78, Pankaj B Bldg. Plot No. 8-171 (part) L.B.S. Rd. Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18402/84-85 dated 1-4-1985. Competent

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Seal : :

Dated: 5-11-1985

والمستقل والمراكب المستقل المرادات المراورون والمستقل المراورون والمراور والمستقل المراورون والمستقل المراورون والمستقل المراورون والمستقل المراورون والمراور والم

FORM TINS--

(1) Shree S. V. Thakker.

(Transferor)

(2) Shri N. D. Mehta & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18431/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Neelkanth Prakash, Plot No. 54 Garodia nagar, Ghatl.opar (E) Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) in the Let trinsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any moome or any moreover or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Neelkanth Prakash, Plot No. 54, Gardola Nagar (E), Bombay-77,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18431/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner

of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

New, therefore, in pursuance or Section 2690 of the said Act, : hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Mantri Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMIL-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. E. P. Salins.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-111/37EE/18696/84-85.—Whereas. 1, AKHILESH PRASAD,

the Incompetent Authority under Section 269B of the Incompetent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-10, 2nd floor, Siddharatha Bldg., Kajupada, Pipe Line Road, Kurala, Bombay-70.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. A-10, 2nd floor, Siddratha Bldg., Kajupada Pipe Line Road, Kurala, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18696/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 5-11-1985

ер. С. Симинули (п<u>ерентина) и именери въздуга и пр</u>ед 17 г. и применения до 18 г. и применения до 18 г. и постава FORM ITNS-

(1) M/s. M. Builder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Universal Trading Co.,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18386/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown No. 14, 1st floor, Swastik Chambers, Pipe Line Road, Kurla (W), Bombay-70.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposce of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 14, 1st floor, Swastik Chambers, Pipe Line Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18386/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

FORM ITNS---

(1) M/s. M. Builder.

(Transferor)

(2) M/s. Universal Trading Co.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18387/84-85.—Whereas, İ, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown/Unit No. 13, 1st floor, Swastik Chambers, Pipe Line

Road, Kurla (W), Bombay-70. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factioning the reduction or evision of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any amoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown/Unit No. 13, 1st floor, Swastik Chambers, Pipe Line Road, Kutla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No, AR-III/37EE/18387/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incomptax.
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 5-11-1985

FORM ITNS ...

(1) M/s. Concord Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Lily Rodrigues.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th Novxember 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18332/84-85.—Whereas, I, KHILESH PRASAD,

ling the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the installation of the property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Gesmaine, Malad (W), Bombay-

64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties ha not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment de ny income or any moneys or other asset whis have not been or which ought to be disck ed by the transferee for the purposes of the Inj an Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the any Act, or the Wealth-tax Act, 1977 (27 of 1937). Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesma property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

102-396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Gesmaine, Malad (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/18332/84-85 Authority, 1 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-11-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Narendar Pal Gupta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. N. Naik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-JII/37EE/18768/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece or parcel of land bearing No. S-92, CTS No. 2232 plot No. 1, Malad, Bombay.
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incesse arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officir. Gezette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 92 CST No. 2232, Plot No.1, Malad, Village Erangal, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18678/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-11-85

(1) Span Builders &

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand Natthuram Mistry.

(Transferce)

NOTICE NUMBER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18603-A/84-85.—Whereas, I, L'HILESH PRASAD,

ing the Competent Authority under Section 269AB of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immover property having a fair market value exceeding 1,00,000/- and bearing No.

e No. 7, S. No. 420, Sublaxmi Shopping Centre, Quarry moad, Malad (E), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of Bombay on 1-4-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to bt disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Office No. 7, Sublaxmi Shopping Centre, Quarry Rd., Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18603-A/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act, to the following per ons, namely :--

Date: 8-11-85

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Metropolitan Development Corpn.

(Transftr_t)

(2) Smt. Santosh Devi Rungta & Ors.

(Transfere)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18243/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, S-4, Bldg. Plot No. 21-22, CTS No. 33/10, Village Chinchavli, Sunder Nagar, SV Rd. Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, S-4, Bldg. Plot No. 21-22, CTS No. 33/10, Village Chinchavli, Sunder Nagar, SV Rd. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/18243/84-85 Authority, Bo dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dato: 8-11-85

Scal:: :

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shree Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Robert Patrick Tannen.

(Transeferce)

GOVERNMENT OF DEDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18334/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable pronerty, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000%- and bearing No. Flat No. F-1. 3rd fl. "Shriram Bhawan, Malwani, Chuncipal colony, Marve Rd. Malad (W), Bombay-95.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

an apparent consideration which is less than the fair ricks value of the aforesaid property, and I have reason io believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trander with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trem the transferund /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the cald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ; --103-396 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-1, 3rd fl. Shriram Bhawan, Malwani Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-95.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/18334/84-85 Authority, Bo dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-11-85

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. V. Mohan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECITNG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18310/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 23, A wing, 2nd floor, Neelima Apartment, S. P.
S. marg, Bhandup, Bombay-78.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fate market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, A wing, Neelima Apartment, 3. P. S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III/37EE/18310/84-85 Authority, Bo dated 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-85

Soal:

FORM I.T.N.S.-

(1) City Builders.

(Transferor)

(2) Mr. K. G. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18824/84-85.-Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomt-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, 2nd floor, Kokannagar, B. N. Road, Bhandup, Bembay-78

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Compttent Authority at Bombay on 14-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---, fer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Kokan nagar, B. N. Road, Bhandup,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18824/84-85 dated 1-4-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 29-10-85

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. J. D. Sholty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. R. K. Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18352/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 39, H. No. 1, C.S. No. 642, B, Village Nahur, Taluka Kurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Compttent Authority at Bombay on 14-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

S. No. 39, H. No. 1, C.S. No. 642B, Village Nahur, Taluka Kurla.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18352/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

sublow- Dated : 18-11-85 Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. City Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. J. Surti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

No. AR-III/37EE/18827/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3-A, 6th floor, Kokan nagar, B. N. Road, Bhandup (W), Bombay-78

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3A, 6th floor, Kokan nagar, B. N. Road, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18827/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Nikhil Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. S. Chavan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1985

No. AR-III/37EE/18397/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 3rd floor, S. No. 118/3 & 118/4, Mithagar Road, Mulund (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 12, 3rd floor, S. No. 118/3 & 118/4, Mithagar Road, Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18297/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-11-85

FORM I.T.N.S.-

(1) Tex Part Manufactures.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vaimal Art India.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

No. AR.III/37EE/18089/84-85.--Whereas, I, AKPILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding 8s. 1,00,000/- and bearing Unit No. 219, 2nd floor, Ramgopal Indi. Estate, Muluad (W),

Bombay-80

ituated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), ias been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid ceeds the apparent consideration therefor by more than en per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the rties has not been truly stated in the said instrument of unsfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income enising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westindar Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 219, 2nd floor, Ramgopal Indi. Estate, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18089/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under subn (1) of Section 269D of the said Act, to the following s, namely :-

Dated: 8-11-85

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calutta, the 17th Otober 1985

Ref. No. AC-16/Acqn.-R-IV/Cal/85-86.—Whrereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. — situated at Khagrabari, Cooch-Behar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registernian Act, 1903 (16 of 1908) in the effice of the Registering Cincer at Cooch-Behar on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Sri Jagir Singh, Nripen Majumdar Read, P.S. Kotwali, Dist. Cooch-Behar.

(Transferor)

(2) Sri Jamunalal Toshniwal, 13, Noormal Lohia Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the still immovable property, within 45 days from the diste of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used hereaare defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning at give that Chapter-

THE SCHEDULE

Land: 1.04 3/4 acres with buildings etc.

Address: Mouza-Khagrabari, P.S. Kotwali, Dist. Cooci. Behar.

Deed No. 3530 of 1985.

SANKAR K. BANERJEI
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tt
Acquisition Range-IV, Calcutt.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-10-1985